

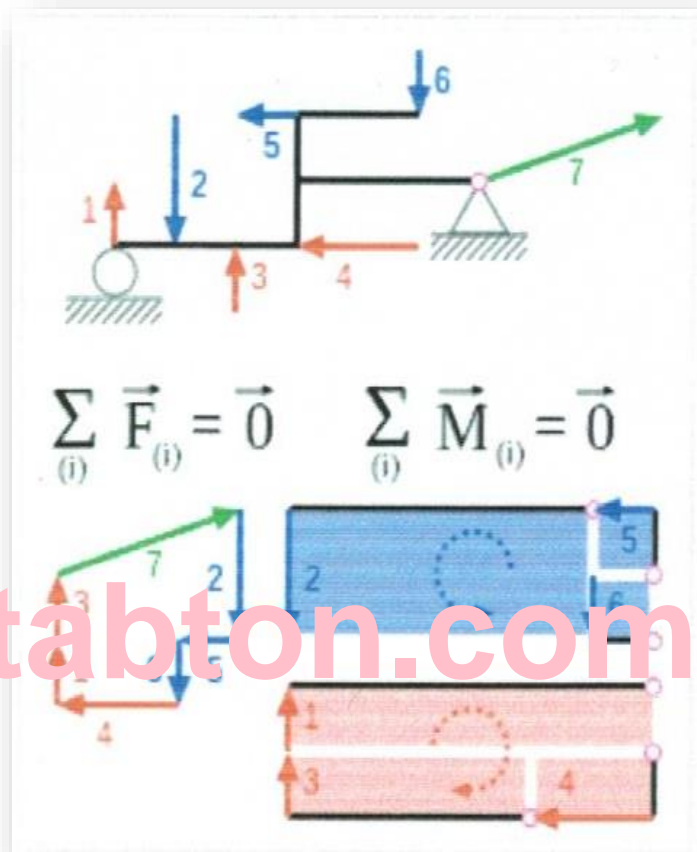
د لوړو زده کړو وزارت

بُست پوهنتون

انجيري پوهنځي

## Statics

## ستاتيک



ژباړه او ليکنه : ډيپلوم انجينير محمود «هلمند»

لښکرگاه- هلمند- افغانستان

کال 1404 (2025)

د کتاب خانگړتياوي:

د کتاب نوم : نظري ميخانيک- ستاتيک

ژباړه او ليکنه : ډيپلوم انجنير محمود هلمند

چاپځای :

چاپ : لومړی چاپ

تيراژ :

2025 م (1404) لمريز کال

بسم الله الرحمن الرحيم

## تقريظ

د محترم ډيپلوم انجنير محمود هلمند د ميخانيک سناتيک د درسي کتاب تر سرليک لاندې علمي اثر مي په پوره غور او دقت سره ولوست، په دې کتاب کې چې په 356 مخونه لري او په 11 څپرکو کې د نويو علمي مفرداتو او موضوعاتو د بني زده کړي او تشریح په موخه ټولورنده اړينو سمبولونو، جدولونو، گرافیکي مودلونو، انځورونو، شکلونو او شیمایانو په پام کې نيولو سره ليکل شوی دی.

د دې درسي کتاب له منځ پانگې او محتوياتو څخه و دې پايلې ته رسيرو، چې محترم ډيپلوم انجنير محمود هلمند په خپل دې اثر کې د يوې للمي پروژې په ډول د استادۍ د يوې بشپړې علمي کړنلارې څخه گټه اخيستي ده، نه ستري کېدونکي کوبښن او هڅه يې کړې ده، چې پخپل وار سره ځانگړی اهميت لري او په دې اړه د نوموړي سرشاره استعداد، نه ستري کېدونکي هڅي او نه ماتېدونکي احساس را په کوته کوي، چې مطالعه يې د وخت او تکنالوژۍ سره سم په علمي ډگر کې نه يواځې د مطالعه کوونکو او څيړونکو لپاره يو ښه اخليک او مأخذ دی، بلکې د سيول انجنيري څانگې و محصلانو ته د سناتيک ميخانيک د مضمون د تدریسولو لپاره يې يو ارزښتناک مأخذ او ښه کتاب گڼم. په رښتيا سره هم نوموړی کتاب به د گران هيواد افغانستان د ځوان پښت لپاره يو غوره او گټور اثر وگڼل شي.

محترم ډيپلوم انجنير محمود هلمند په خپل دې اثر سره څرگنده کړه، چې نوموړی پښتو ژبې ته په تخنيکي برخه کې د پام وړ خدمت کولو وړتيا لري.

زه له خپله اړخه په بريالی توگه د دې کتاب د ژباړې او ليکلو له کبله و ښاغلي هلمند صاحب ته د زړه له تله مبارکي وایم او د ستر او لایزال څښتن څخه وړ ته په هڅو کې برياليتوب غواړم.

زما په آند نوموړی کتاب د چاپولو ارزښت او وړتيا لري، چې د سيول انجنيري محصلين او همدارنگه نور مينه وال ورڅخه په زړه پورې گټه پورته کولای شي.

پدې هيله، چې د هلمند ولايت د بست پوهنتون د سيول انجنيري څانگې دپيارتمنت وکولای شي، چې دا ارزښتناکه علمي اثر چاپ کړلای شي.

په درنښت

ډيپلوم انجنير ولي جان سروري

د بست پوهنتون د انجنيري پوهنځي رئيس



## تقريظ

د محترم ډيپلوم انجنير محمود هلمند د ميخانيک سناتيک درسي کتاب تر سرليک لاندې علمي اثر مي په غور او دقت سره ولوست، نوموړی علمي اثر (356) مخونه لري او په (11) څپرکو کې د نوو علمي مفرداتو او موضوعاتو د بني زده کړي او تشریح په موخه ټول اړونده اړين سمبولونو، جدولونو، گرافيکي مودلونو، انځورونو او شکلونو په پام کې نيولو سره ليکل سوی.

واقعا نوموړی کتاب به د عصر او تکنالوژي مطابق په علمي ډگر کې د هيواد د ځوان نسل لپاره يو غوره او مفيد اثر وگڼل شي.

ليکوال تل هڅه کړې ده، چې د زماني او غوښتنو په اساس په پښتو ژبه آثار تيار او چاپ ته وړاندې کړي، د دې ځانگړتيا له مخې دا درسي کتاب د پوره نويوالي او لوړ ارزښت لرونکی دی.

طبيعي ده، چې دا علمي درسي کتاب ښاغلي استاد (محمود هلمند) بشپړ کړی او په دې اړه د نوموړي سرشاره استعداد، عظيمه وړتيا، نه ستړي کيدونکي هڅي او نه ماتېدونکي احساس را په گوته کوي. څرگنده ده، چې نوموړي پښتو ژبې ته په تخنيکي برخه کې د پام وړ خدکت کولو وړتيا لري. د نوموړي د دې هڅو او زيارونو نتيجه ده، چې نوموړی تل بريالی دی.

زه له خپل اړخه په بريالی توگه د دې کتاب د ليکلو له کبله ښاغلي هلمند صاحب ته د زړه له تله مبارکي وایم او د لايزال څښتن څخه ور ته په هڅو کې برياليتوب غواړم. زما په اند ياد کتاب د چاپ ارزښت او وړتيا لري، چې د سيول انجنيري او ساختماني انجنيري محصل او همدارنگه نور مينه وال ور څخه په زړه پوري گټه پورته کولای شي.

په دې هيله، چې دا ارزښتناک کتاب چاپ شي.

په درنښت

انجنير حميدالله (حقيال)

د انجنيري پوهنځي استاد

## يوناني الفباء

## Greek alphabet (Ελληνικό αλφάβητο)

|      |        |         |        |        |       |
|------|--------|---------|--------|--------|-------|
| Α α  | Β β    | Γ γ     | Δ δ    | Ε ε    | Ζ ζ   |
| άλφα | βήτα   | γάμα    | δέλτα  | έψιλον | ζήτα  |
| a    | b      | g, y    | d      | ē      | z     |
| [a]  | [v]    | [ɣ, i]  | [ð]    | [e]    | [z]   |
| Η η  | Θ θ    | Ι ι     | Κ κ    | Λ λ    | Μ μ   |
| ήτα  | θήτα   | ιώτα    | κάπα   | λάμδα  | μι    |
| ē    | th     | i       | k      | l      | m     |
| [i]  | [θ]    | [i]     | [k, c] | [l, ɣ] | [m]   |
| Ν ν  | Ξ ξ    | Ο ο     | Π π    | Ρ ρ    | Σ σ ς |
| νι   | ξι     | όμικρον | πι     | ρο     | σίγμα |
| n    | ks, x  | o       | p      | r, rh  | s     |
| [n]  | [ks]   | [o]     | [p]    | [r]    | [s]   |
| Τ τ  | Υ υ    | Φ φ     | Χ χ    | Ψ ψ    | Ω ω   |
| ταυ  | ύψιλον | φι      | χι     | ψι     | ωμέγα |
| t    | u, y   | ph      | kh, ch | ps     | ō     |
| [t]  | [i]    | [f]     | [χ, ç] | [ps]   | [o]   |

لاتيني الفبا او په نورو ژبو کې ئې معادل تلفظ يا توري

| لاتيني توري | پښتو     | انگليسي | روسي     | فرانسوي    | جرمني   |
|-------------|----------|---------|----------|------------|---------|
| A a         | ايي      | A a     | a        | a          | A       |
| B b         | بي       | B b     | б        | bé         | Be      |
| C c         | ثي       | C c     | с        | cé         | Ce      |
| D d         | ډي       | D d     | д        | dé         | De      |
| E e         | ئي       | E e     | э        | ë          | E       |
| F f         | ايف      | F f     | ф        | effe       | Ef      |
| G g         | جي       | G g     | же       | gé         | Ge      |
| H h         | ها       | H h     | ха       | hache      | Ha      |
| I i         | اي       | I i     | и        | i          | I       |
| J j         | يوت      | J j     | жи       | jie        | Jot     |
| K k         | کا       | K k     | к        | ka         | Ka      |
| L l         | ايل      | L l     | л        | elle       | El      |
| M m         | ايم      | M m     | м        | emme       | Em      |
| N n         | اين      | N n     | н        | enne       | En      |
| O o         | او       | O o     | о        | o          | P       |
| P p         | پي       | P p     | п        | pé         | Pe      |
| Q q         | کيو      | Q q     | к        | cu         | Qu      |
| R r         | اير      | R r     | р        | erre       | Er      |
| S s         | ايس      | S s     | с        | esse       | Es      |
| T t         | تي       | T t     | т        | té         | Te      |
| U u         | يو       | U u     | ю        | u          | U       |
| V v         | وي       | V v     | вэ       | vé         | Vau     |
| W w         | ډبل وي   | W w     | Дубль вэ | Double- vé | We      |
| X x         | ايکس     | X x     | экс      | ixe        | Ix      |
| Y y         | اي گريکا | Y y     | егрик    | igrec      | Ypsilon |
| Z z         | زيد      | Z z     | з        | zedé       | Zett    |

د مثلثاتي نسبتونو جدول Table of Trigonometric Ratios

| Angle | Sine  | Cosine | Tangent | Angle | Sine  | Cosine | Tangent |
|-------|-------|--------|---------|-------|-------|--------|---------|
| 1°    | .0175 | .9998  | .0175   | 46°   | .7193 | .6947  | 1.0355  |
| 2°    | .0349 | .9994  | .0349   | 47°   | .7314 | .6820  | 1.0724  |
| 3°    | .0523 | .9986  | .0524   | 48°   | .7431 | .6691  | 1.1106  |
| 4°    | .0698 | .9976  | .0699   | 49°   | .7547 | .6561  | 1.1504  |
| 5°    | .0872 | .9962  | .0875   | 50°   | .7660 | .6428  | 1.1918  |
| 6°    | .1045 | .9945  | .1051   | 51°   | .7771 | .6293  | 1.2349  |
| 7°    | .1219 | .9925  | .1228   | 52°   | .7880 | .6157  | 1.2799  |
| 8°    | .1392 | .9903  | .1405   | 53°   | .7986 | .6018  | 1.3270  |
| 9°    | .1564 | .9877  | .1584   | 54°   | .8090 | .5878  | 1.3764  |
| 10°   | .1736 | .9848  | .1763   | 55°   | .8192 | .5736  | 1.4281  |
| 11°   | .1908 | .9816  | .1944   | 56°   | .8290 | .5592  | 1.4826  |
| 12°   | .2079 | .9781  | .2126   | 57°   | .8387 | .5446  | 1.5399  |
| 13°   | .2250 | .9744  | .2309   | 58°   | .8480 | .5299  | 1.6003  |
| 14°   | .2419 | .9703  | .2493   | 59°   | .8572 | .5150  | 1.6643  |
| 15°   | .2588 | .9659  | .2679   | 60°   | .8660 | .5000  | 1.7321  |
| 16°   | .2756 | .9613  | .2867   | 61°   | .8746 | .4848  | 1.8040  |
| 17°   | .2924 | .9563  | .3057   | 62°   | .8829 | .4695  | 1.8807  |
| 18°   | .3090 | .9511  | .3249   | 63°   | .8910 | .4540  | 1.9626  |
| 19°   | .3256 | .9455  | .3443   | 64°   | .8988 | .4384  | 2.0503  |
| 20°   | .3420 | .9397  | .3640   | 65°   | .9063 | .4226  | 2.1445  |
| 21°   | .3584 | .9336  | .3839   | 66°   | .9135 | .4067  | 2.2460  |
| 22°   | .3746 | .9272  | .4040   | 67°   | .9205 | .3907  | 2.3559  |
| 23°   | .3907 | .9205  | .4245   | 68°   | .9272 | .3746  | 2.4751  |
| 24°   | .4067 | .9135  | .4452   | 69°   | .9336 | .3584  | 2.6051  |
| 25°   | .4226 | .9063  | .4663   | 70°   | .9397 | .3420  | 2.7475  |
| 26°   | .4384 | .8988  | .4877   | 71°   | .9455 | .3256  | 2.9042  |
| 27°   | .4540 | .8910  | .5095   | 72°   | .9511 | .3090  | 3.0777  |
| 28°   | .4695 | .8829  | .5317   | 73°   | .9563 | .2924  | 3.2709  |
| 29°   | .4848 | .8746  | .5543   | 74°   | .9613 | .2756  | 3.4874  |
| 30°   | .5000 | .8660  | .5774   | 75°   | .9659 | .2588  | 3.7321  |
| 31°   | .5150 | .8572  | .6009   | 76°   | .9703 | .2419  | 4.0108  |
| 32°   | .5299 | .8480  | .6249   | 77°   | .9744 | .2250  | 4.3315  |
| 33°   | .5446 | .8387  | .6494   | 78°   | .9781 | .2079  | 4.7046  |
| 34°   | .5592 | .8290  | .6745   | 79°   | .9816 | .1908  | 5.1446  |
| 35°   | .5736 | .8192  | .7002   | 80°   | .9848 | .1736  | 5.6713  |
| 36°   | .5878 | .8090  | .7265   | 81°   | .9877 | .1564  | 6.3138  |
| 37°   | .6018 | .7986  | .7536   | 82°   | .9903 | .1392  | 7.1154  |
| 38°   | .6157 | .7880  | .7813   | 83°   | .9925 | .1219  | 8.1443  |
| 39°   | .6293 | .7771  | .8098   | 84°   | .9945 | .1045  | 9.5144  |
| 40°   | .6428 | .7660  | .8391   | 85°   | .9962 | .0872  | 11.4301 |
| 41°   | .6561 | .7547  | .8693   | 86°   | .9976 | .0698  | 14.3007 |
| 42°   | .6691 | .7431  | .9004   | 87°   | .9986 | .0523  | 19.0811 |
| 43°   | .6820 | .7314  | .9325   | 88°   | .9994 | .0349  | 28.6363 |
| 44°   | .6947 | .7193  | .9657   | 89°   | .9998 | .0175  | 57.2900 |
| 45°   | .7071 | .7071  | 1.0000  |       |       |        |         |

---

**List of symbols** نیشانی اوسمبولونه

- a-Constant, radius, distance  
 A,B,C-Points  
 A-Area  
 b-Width,distance  
 c-constant  
 C-Centroid  
 d-Distance  
 e-Base of natural logarithm  
**F**-force,friction force  
 $\Sigma F$ -Resultant- Force  
 $F_{pri}$ -principle - Vector  
 g-Acceleration of gravity  
**G**-Center of gravity ,constant of gravitation  
 h-Heigh, sag of cable  
 I,j,k-Unit of Vectors along coordinate axis  
 I,I<sub>x</sub>-Moment of inertia  
 I- Centroidal moment of inertia  
 I<sub>x<sub>y</sub></sub> – product of inertia  
 J<sub>p</sub>-Polar moment of inertia  
 K-Spring constant, coefficient of Rolling friction  
 K<sub>x</sub>,K<sub>y</sub>,K<sub>o</sub>-Radii of gyration  
 $\bar{K}$ -Centroidal radius of gyration  
 l-Length  
 L- length, spa  
 m-Mass  
**M**-Couple, moment  
**M<sub>o</sub>**-Moment about point O  
**M<sub>o</sub>R**-Moment resultant about point O  
**M<sub>o</sub>pri**-Moment resultant about point O  
**M**-Magnitude of couple or moment ,mass of earth  
**M<sub>o</sub>l** -Moment about axis ol  
 N-Normal component of friction  
 O-Origin of coordinate  
 P-Pressure force  
**p**-Pressure  
**P**-Force, Vector  
**Q**-Force, Vector  
 q-Load per unit  
**r**-Position Vector  
 r-Radius distance, polar coordinate  
**R**-Resultant force ,resultant vector , reaction  
 R-Radius of earth  
 s-position vector, Reaction force op supports

s-Length of arc  
**S**-force, Vector  
 $S_x, S_y, S_z$ -first moment of an area  
 t-Thickness  
**T**-force  
 T-Tension  
 U-Work  
**V**-vector product ,shearing force  
**v**-Volume, potential energy, shear  
 w-Load per unit  
**W, W**-weight, load  
 $X_A, X_B, X_C, Y_A, Y_B, Y_C$  -Reactions at supports and Connections  
 $X, y, z$ -Rectangular coordinates , distance  
 $\bar{X}, \bar{y}, \bar{z}$ - Rectangular coordinates of centroid of center of gravity  
 $\alpha, \beta, \gamma$ -Angles  
 $\gamma$ -specific weight  
 $\delta$ -Elongation  
 $\delta_r$ -Virtual displacement  
 $\delta_U$ -Virtual work  
 $\lambda$ -Unit vector along a line  
 $\eta$ - Efficiency  
 $\theta$ -Angular coordinate ,angle, polar coordinate  
 $\mu$ -Coefficient of friction  
 $\rho$  - Density  
 $\varphi, \Phi$ -Angle of friction

### Signs and symbols

Equal to =

not equal to  $\neq$

Identically to  $\equiv$

approximately equal to  $\approx$

asymptotically equal to  $\cong$

proportional to  $\propto$

infinity  $\infty$

tends to  $\rightarrow$

### د پيل په توگه يو څو خبري

د کتاب د چمتو کونکي په توگه تر هر څه د مخه د لوی څښتن څخه ممنون او مشکور يم چې و ما عاجزه بنده ته يې دومره ستر وياړ را په برخه کړ چې د هيواد دننه او بهر و ځوان او لوستي قشر - درنو خویندو، ورونو محصلينو او ټولو مينه والو ته مراجعه وکړم او هغه هم د انجنيري په څانگه کې د يوه کتاب له لارې.

بخته! بيا دې پر آسمان وگرځولم

درنو لوستونکو!

نظري ميخانيک د انجنيري په څانگه کې يو عمده او بنسټيز مضمون دی چې د ډيرو انجنيرانو لکه ميخانيک، ماشين جوړولو، سيول انجنيري او داسې نورو لپاره عام، گډ او اړين مضمون گڼل کيږي. له همدې امله مي وپتيله چې زموږ په هيواد کې و دغه ډول د گوتو په شمار مسلکي کتابونو ته يو بل کتاب ورزيات کړم، گڼونه ډير دي، خدای دې ېې ډير کړي

لوستونکو ته به زمينه برابره شي چې و مسايلو ته د يوې بلې زاويې څخه وگوري، يو بل سيستم او بله طريقه په کار واچوي، د نورو کتابونو سره به ېې پرتله کړي او هغه څه چې ورته په زړه پورې ښکاره شول، د ځان لپاره به ئې غوره کړي.

د دې کتاب د ملا تير هغه لس چاپيرونه دي چې د هلمند ولايت لښکرگاه ښار د «بست پوهنتون» د سيول انجنيري د پوهنځي د محصلانو لپاره مي د روسيې هيواد د وتلو استادانو الکساندر يابلونسکي او يف کيني نيکيتين او نورو د «نظري ميخانيک» له کتاب څخه را وژباړل، د هغوی د بډايه کولو په موخه او د پوهاوي د آسانه کولو او په انگليسي ژبه باندې د اړينو ويزونو او اصطلاحاتو د ليکلو لپاره مي د امريکا د متحده ايالاتو د «سناتيک» د يوه پيژندل شوي پوه فرديناند پ. بير او نورو محترمو کورنيو او بهرنيو مؤلفانو د کتابونو او ليکنو څخه، د کوروداني په ويلو سره چې په اخليک کې ورڅخه يادوه نه شوي ده او هم د خپلو زده کړو او استادۍ د وخت د موادو څخه پوره گټه پورته کړه، ټول سرليکونه مو په انگليسي ژبه وژباړل او کتاب مو د «نظري ميخانيک - سناتيک» تر سرليک لاندې داسې ترتيب او تنظيم کړ چې زما په اند د محصل لپاره تر يوه بريده په زړه پورې وگرځيږي. محترم استادان ښه پوهيږي چې دا څومره يو د ستونزو څخه ډک کار دی.

داچې پدې هکله څومره بريالی يو او څومره نه يو، نو قضاوت به پداسې حال کې و گرانو لوستونکو ته پرېږدو چې و خپلو هڅو ته به دوام ورکړو او د لوستونکو و نظرونو ته به د احترام او درناوي سر ټيټ کړو، تفريظ ستاسو د ټولو محترم لوستونکو منلی حق دی.

د نظري ميخانيک- سناتيک د مضمون د زده کړې په بهير کې استاد او محصل دواړه د ځنو پوهانو د نومونو سره چې د دې يا هغې موضوع مؤلف او يا ئې پلټونکی وي، مخامخ کيږي، نو ځکه مو د دې محترم عالمانو په وياړ او ياد، د انځور سره يوه لنډه يادونه د هغوی څخه کړې ده. که چيرې دا مطلب و گرانو لوستونکو ته په زړه پورې و بريښي، نو وياړ به ولرو چې دغه لنډ معلومات نور هم ارت او بډايه کړو.

د گرانو لوستونکو لپاره مو د کتاب په وروستۍ برخه کې اړين او گټور معلوماتي توکي هم راټول کړي دي، هيله لرو چې د پاملرنې وړ به وگرځي. موخه او هدف مو دا هم دی چې د هغو گرانو محصلانو او مينه والو سره چې پدې يا هغه لامل سره د خپل استاد په لوست کې حاضر نه ول، تر هغه ځايه چې شوني ده، داسې مرسته وکړو چې وکولای شي په خپلواکه توگه سره د نظري ميخانيک-سناتيک په هکله څه نا څه زده کړي. د دې لپاره به هڅه وکړو تر څو پېچلي او گنگ مطالب په ساده ژبه د بدیل، تشریح او يا هم د مثال په ورکولو سره، بيان کړو.

چې غوټې پسې وهي پلاس به درشي چا ويل چې په درياب کې گوهر نه شته

غواړم چې د پردې و شاته د هغو ټولو محترمواشخاصو څخه چې و ماته يې د دې کتاب د چمتو کولو لپاره هر ډول مالي، فزيکي او معنوي آسانتياوي برابرې کړي، د زړه له کومي مننه وکړم، د دوی له مرستو څخه پرته به زه هيڅکله نه وای توانيدلی چې دغه کتاب و تاسو گرانو لوستونکو ته چمتو او وړاندې کړم.

درنو لوستونکو!

په هغو نيمگرو آسانتياوو او امکاناتو سره چې پلاس کې مو لرل، په ډيره درناوي خپل کتاب و تاسو ته وړاندې کړو، هيله لرو چې د سيول انجنيري په څانگه کې مو د گرانو محصلينو او نورو مينه والو لپاره يو ډير وړوکی خدمت سرته رسولی وي، که دغه هيله په واقعيت باندې واوري، نو دا به د کتاب د چمتو کونکي لپاره ستر وياړ وي. داد درکوم چې پر کتاب باندې به کار او زيار جاري وساتم، د کتاب منځ پانگه به بډايه کړم، شکلونه به ئې سم کړم، ژباړه به يوار بيا د سره وگورم، د لوستونکو اندونه به په غور سره ولولم، په درناوي به د محترمواستادانو ولارښوونو ته ځير شم، پښتو به هم د دوستانو په مرسته تر خپل وس پورې روانه او معياري کړم، شته ټکرونو او نيمگرتياوو ته به هم پام وکړم، لنډه دا چې خپلي تيروتنې به وار په وار سمې کړم.

په پای کې په ښکاره يادونه کوم چې د ټولو تيروتنو مسئوليت د ژباړونکي اوليکونکي په توگه سره يوازي او يوازي زما پر اوږو پروت دی، نو ځکه د ټولو گرانو لوستونکو په تيره بيا د محترمواستادانو څخه په ډيره درناوي هيله کوم چې د خپلي مهربانۍ له مخې ما وبخښي او د سمو ني په موخه خپلي نظريې، وړاندیزونه او نيوه کې په لاندې پټې راوليري، له وړاندې نه ستاسو څخه د زړه له کومي مننه کوم.

الکترونيکي پوستي پټه [Dehelmand@gmail.com](mailto:Dehelmand@gmail.com)

مينه او مننه.

ډيپلوم انجنير محمود «هلمند» د بست پوهنتون استاد  
لښکرگاه- هلمند- افغانستان- 2025 م کال

## لرليک

## لومړی فصل

## سريزه

| پاڼه | سرليک   | گڼه |
|------|---|-----|
| 19   | د ميخانيک په هکله                                   | 1   |
| 20   | نظري ميخانيک  | 2   |
| 23   | د کلاسيک ميخانيک بنسټيز قوانين                      | 3   |
| 24   | د نيوتن لومړی قانون                                 | 4   |
| 25   | د نيوتن دريم قانون                                  | 5   |
| 27   | د واحداتو سيستمونه                                  | 6   |
| 34   | د کمپټ درجه ، په عددونو کې دقت ، ځير او چټکه ارزونه | 7   |
| 36   | وکتور   | 8   |
| 40   | قوه اود هغې مفهوم                                   | 9   |

## دوهم فصل

## د سناتيک بنسټيز مفاهيم

| پاڼه | سرليک  | گڼه |
|------|--|-----|
| 43   | د سناتيک بنسټيز مفاهيم او اصول   | 1   |
| 52   | اړيکي او د هغوی د عکس العمل قوې  | 2   |
| 61   | د متلاقي قواو سيستم  | 3   |
| 66   | د يوې قوې تجزيه پر دوو متلاقي مرکبو باندې                                    | 4   |
| 69   | قوه ايز کثيږ الاضلاع، عمده وکتور   | 5   |
| 72   | د وکتور مرتسمه پرمحور باندې  | 6   |
| 75   | د وکتورود هندسي مجموعې مرتسمه پرمحور باندې                                   | 7   |
| 76   | په تحليلي ډول سره د متلاقي قواو د مستوي سيستم د محصله قوې تعينول             | 8   |
| 79   | د متلاقي قواو د مستوي سيستم د تعادل شرايط                                    | 9   |
| 80   | د دريو غير موازي متلاقي قواو چې په يوې مستوي کې واقع دي د تعادل په هکله قضيه | 10  |
| 82   | د مسئلو د حل لپاره ډيره مهمه لارښوونه  | 11  |
| 94   | مشق او تمرين   | 12  |
| 100  | کنټرولي پوښتنې   | 13  |

## دریم فصل

## د دووموازي قواو سيستم

| پانه | سرليک  | گنه |
|------|--|-----|
| 101  | د دووموازي قواو چې ويوي نقطې ته متوجه وي جمع کول                     | 1   |
| 103  | د دوو موازي او مخالف الجهته قواو جمع کول چې مودول يې سره مساوي نه وي | 2   |
| 106  | د يوي قوي تجزيه د هغي سره پردوو موازي مرکبو باندي                    | 3   |
| 108  | د قوي مومنت نظرونقطې ته (مرکز ته)                                    | 4   |
| 116  | د جوړي تيوري په مستوي کي   | 5   |
| 119  | د جوړي خواص  | 6   |
| 122  | د جوړي جمع کول ، دجوړي د تعادل شرايط                                 | 7   |
| 124  | خانگري مشق او تمرين  | 8   |
| 128  | مستوي قوه ايزکيفي سيستم . ددرانده چوکاټ تعادل                        | 9   |
| 131  | مشق او تمرين   | 10  |

## خلورم فصل

## اصطکاک

| پانه | سرليک                     | گنه |
|------|---------------------------|-----|
| 136  | د اصکاک دوه بنسټيز ډولونه | 1   |
| 137  | د بنوئيډو اصطکاک          | 2   |
| 141  | د اصطکاک زاويه او مخروط   | 3   |
| 144  | د رغړيدو اصطکاک           | 4   |

## پنځم فصل

## د فيرم تحليل

| پانه | سرليک   | گنه |
|------|---|-----|
| 148  | بسيط او ساده فيرم                                 | 1   |
| 155  | مستوي فرم   | 2   |
| 157  | په فيرم کي د غوتو د پريکولو طريقه                 | 3   |
| 161  | د صفري ميلو په هکله قضبي                          | 4   |
| 165  | د ريخترپه طريقه په فيرم کي د قواو تعينول          | 5   |
| 169  | مشق او تمرين                                      | 6   |
| 617  | د فيرم تحليل د ماکسويل - کریمونه د دياگرام له مخي | 7   |
| 183  | خانگري مشق او تمرين                               | 8   |

## شپږم فصل

## په مستوي کی کبفي قوی

| پانه | سرلیک  | گڼه |
|------|--|-----|
| 186  | په مستوي کی کبفي قواوي (د پوانسو قضیه)                             | 1   |
| 187  | د قواو د مستوي سیستم ویوه مرکز ته را ورل، عمده وکتور او عمده مومنت | 2   |
| 188  | په مستوي کی د کبفي قواو را ورل ویوه مرکز ته                        | 3   |
| 193  | د واریون قضیه، د مستوي سیستم د قواو د محصلی مومنت                  | 4   |
| 197  | د کبفي مستوي قوه ایز سیستم د تعادل د معادلو مختلف شکلونه           | 5   |
| 201  | د موازي قواو د مستوي سیستم د تعادل معادلي                          | 6   |
| 204  | سناتیکي معیني او غیر معیني مسئلي                                   | 7   |
| 207  | کنترولې پوښتنې   | 8   |

## اووم فصل

## د قواو فضایی سیستم

| پانه | سرلیک   | گڼه |
|------|---|-----|
| 208  | د قواو فضایی سیستم، په فضا کی د نقطې کا ردینات                        | 1   |
| 211  | په فضاکی دیکارت کار دیناتي سیستم او وکتور                             | 2   |
| 212  | د وکتور مرتسمه پر محور با ندي   | 3   |
| 214  | د قوی مرتسمه پر مستوي باندي   | 4   |
| 215  | د قوی د ورکړي لاری  | 5   |
| 219  | د متلاقي قواو فضایی سیستم   | 6   |
| 224  | د قوی مومنت نظر و محور ته   | 7   |
| 232  | د $G$ واریانت   | 8   |
| 236  | فضایی فیرم او د $K$ واریانت   | 9   |
| 239  | هغه گابر چې پلیټونه ساتي  | 10  |
| 242  | په فضاکی د کبفي قواو د سیستم د تعادل شرایط . عمده وکتور او عمده مومنت | 11  |
| 247  | د موازي قواو د فضایی سیستم د تعادل معادلي                             | 12  |
| 252  | مشق او تمرین  | 13  |
| 256  | کنترولې پوښتنې  | 14  |

## اتم فصل

## د موازي قواو مرکز

| پانه | سرلیک   | گڼه |
|------|---|-----|
| 257  | د موازي قواو مرکز                             | 1   |
| 262  | د جسم د ثقل مرکز                              | 2   |
| 263  | د اوارو شکلونو د ثقل مرکز او سناتیکي مومنت    | 3   |
| 266  | د ثقل د مرکز د پیدا کولو لپاره مرستندویه قضیې | 4   |
| 271  | د پاپوس - گلابینوس قضیې                       | 5   |
| 271  | د خینو بسیطو متجانسو جسمونو د ثقل مرکز موقعیت | 6   |
| 277  | مشق او تمرین                                  | 7   |
| 280  | کنترولې پوښتنې                                | 8   |

## نهم فصل

## د عرضي مقطع هندسي خانگرتياوي

| پاڼه | سرليک   | گڼه |
|------|---|-----|
| 281  | بنسټيز مفاهيم   | 1   |
| 282  | سناتيکي مومنت او د ثقل مرکز                                     | 2   |
| 287  | د انرشيا مومنت يا د مساحت دوهم مومنت                            | 3   |
| 297  | د انرشيا د مومنتو ترمنځ اړيکي د محورو د موازي ليرد په صورت کي   | 4   |
| 301  | د انرشيا د مومنتو ترمنځ اړيکي د محورونو په گرځولوسره            | 5   |
| 303  | بنسټيز محورونه او د انرشيا عمده مومنتونه. د انرشيا د شعاع مفهوم | 6   |
| 310  | د نازکو مقطعود انرشيا مومنت محاسبه                              | 7   |
| 312  | د پيچلوشکلو د انرشيا مومنت محاسبه                               | 8   |
| 315  | کنټرولي پوښتنې  | 9   |

## لسم فصل

## د گادر بنسټيز ډولونه او په عرضي مقطع کي داخلي قوي

| پاڼه | سرليک   | گڼه |
|------|---|-----|
| 317  | د گا در اساسي ډولونه  | 1   |
| 320  | د گادر په عرضي مقطع کي قوي او د داخلي قواو د تعينولولپاره د پري کولوميتود | 2   |
| 326  | داخلي قوي په کشش اوکښيکښلوکي  | 3   |
| 329  | داخلي قوي په تاوو خوړولوکي  | 4   |
| 330  | داخلي قوي په انحناء کي  | 5   |
| 331  | کنټرولي پوښتنې  | 6   |
| 331  | خانگري مشق او تمرين   | 7   |

## يولسم فصل

## د تعادل ثبات او پايداري

| پاڼه | سرليک   | گڼه |
|------|---|-----|
| 334  | د تعادل ثبات او پايداري                                       | 1   |
| 336  | د جسم ثبات او پايداري چي داتکا نقطه او يا د څرخېدلو محور ولري | 2   |
| 336  | د جسم ثبات او پايداري چي پر مستوي باندي تکیه ولري             | 3   |

## ايرين اوگتور معلوماتي توکي I-Selected Topics

| پانه | سرليک  | گنه |
|------|--|-----|
| 340  | د واحدونو سيستمونه او په ميخانيک کي اندازه کول | 1   |
| 341  | د متر اجزا او اضعاف                            | 2   |
| 341  | مسطحه هندسه                                    | 3   |
| 342  | فضايي هندسه                                    | 4   |
| 343  | الجبر  | 5   |
| 345  | تحليلي هندسه                                   | 6   |
| 346  | مثلثات   | 7   |
| 347  | رديفونه  | 8   |
| 348  | مشتق   | 9   |
| 348. | انتيگرال                                       | 10  |

## گتور جدولونه II-Useful tables

## د اجسامو فزيکي خواص

| پانه | سرليک                   | گنه |
|------|-------------------------|-----|
| 352  | کثافت                   | 1   |
| 352  | د اصطکاک د ضريب قيمتونه | 2   |
| 352  | د لمریز سيستم ثوابت     | 3   |
| 353  | د مسطحو شکلونو خواص     | 4   |
| 356  | اخځليکونه               | 5   |

## لومړی فصل

### د ميخانيک په هکله What is Mechanics?

#### 1.1 - سرريزه Introduction

ميخانيک لکه نجوم او رياضي يو له پخوانيو علومو څخه دی . د مصر هيواد ستر اهرام چې د ميلاد څخه څو زره کاله پخوا جوړ شوي دي او همدارنگه د هند، چين او ځينو نورو هيوادونو د تأسيساتو بقايا او پاتي شوني دا شاهدي ورکوي چې په همغه پخوا وختونو کې داسې ميخانيکي وسايل لکه رافعه ، د غريډو مختلفي وسيلي، څرخونه ، مايله سطح او نور چې د درندو شيانو د ليردولو لپاره استعماليدل ، په کار اچول کيدل .

خوپه دغه دوره کې د ميخانيک عمومي قوانين نه شواي اختراع کيدلای . ميخانيک د علم په توگه له هغه وخته را پدې خوا منځ ته راغی چې لومړی تاليفي مقالې منځ ته راغلي او دې تيوري ته د تجربو پوسيله د پلاس را وړل شوو موادو سره انطباق ورکړل شو .

د تولني د توليد د ميتود د تکامل او د تخنيک د پرمختگ په بهير کې ميخانيک هم د علم په توگه په خپله محتوا کې ډير د پام وړ بدلونونه را وستل .

د ميخانيک «Mechane» يوناني کلمه  $\mu\eta\chi\alpha\nu\eta$  چې معنی يې د ماشين جوړولو هنر، جوړښت او ماشين دی د لومړي ځل لپاره د مشهور يوناني فيلسوف ارسطو لخوا (322 – 384 ق. م) وکارول شوه ، خو د ده مقالې چې د حرکت او قوې په هکله يې زده کړې وړاندې کولې ، د يوشمير سمو قواعدو په درلودلو سره ډير ناسم شيان هم درلودل چې علمي خاصيت يې نه درلود .

ميخانيک هغه علم دی چې د قواو تر تاثير لاندې اجسامو د حرکت اوسکون څرنگوالی مطالعه کوي .

د ميخانيک بنسټ ايښودونکی په عمده ډول د سناتيک په برخه کې د پخواني يونان ستر رياضي او ميخانيک پوه ارشميدس (212 – 287 ق. م) بلل کيږي .

ده يولړ اختراعات د رياضي او ميخانيک په برخه کې کړي دي ، لکه : ارشميدس د رافعي د مسئلې ډير دقيق حل وړاندې کړ او د ثقل د مرکز په هکله يې زده کړې منځ ته راوړې .

په اوبو کې پر غوټه کيدونکې جسم باندې د اوبو فشار هم په ده پورې اړه لري اود ده په نامه سره يادبيږي .

د مختلفو اجسامو د مساحت او د حجم د اندازه کولو لپاره هغه ميتودونه چې ارشميدس منځ ته را وړه، دوه زره کاله وروسته په انټيگرال کې نور هم پراخه شول .

ارشميدس ډيرو نظري کشفياتو ته د ډيرو مهمو اختراعاتو سره انطباق ورکړ چې ځيني يې نن هم د ځانگړي اهميت څخه برخمن دي . دغه ستر عالم د هغه وخت علوم صنف بندي کړي دي او د لمړي ځل لپاره د قواو تعادل د هغه وخت د علومو يوه برخه وگرځيده چې وروسته ئې بيا په منځنيو پيړيو کې ځانته د ميخانيک نوم غوره کړ .

ليوناردو د وينچي «1519-1451 م» د آزاد سقوط تيوري ، پرمابله سطحه باندي د اجسامو د حرکت تيوري او اصطکاک يي مطالعه کړل او د لومړي ځل لپاره يي د مومنت مفهوم وکاراوه.

مشهور پوليندي عالم نیکولای کوپرنیک (1543 – 1473 م) «د لمر د مرکزيت نظريه» د سيستم په هکله مهم تعليمات وړاندي کړل چې د هغو پربنسټ لمر د نړۍ په مرکز کې واقع دی ، مخکه او نورې سياري نظر وځپل محور ته د لمر پر شاو خوا را گرځي .

دې ډول زده کړو په علمي جهان بينی کې يو ستر انقلابي بدلون را وست ځکه چې تر دې وخته پورې په ميخانيک کې تولي اختراع گانې يوازې او يوازې د سناتيک په هکله وې .

د دينامیک راسپرل «کوپرنیک» د پلويانو په تيره بيا په ستر ايتالوي عالم گاليليو گاليلي (1642 – 1564 م) پورې اړه لري .

گاليلي تر ټولو لومړی په اثبات ورسوله چې د ثابتې قوې تر تاثير لاندې جسم به په منظم ډول سره نه بلکې په متساوي التّعجيل ډول سره حرکت وکړي ، د دې مسئلې په هکله د ارسطو له وخته را پدې خوا همداسې زور فکر مسلط ؤ ، نو گاليلي پدې ډول سره د انرشيا قانون فورمول بندي کړ .

گاليلي د تجربې له مخې د اجسامو د سقوط قانون وضع کړ ، و افق ته تريوي زاويې لاندې د اجسامو د غورځولو او داسې نور مسايل يي حل کړل .

د گاليلي تحقيقات د يوه ساختمان د عناصرو او هغو وارده قواو چې جسم يي د تحمل وس او توان ولري ترمنځ د اړيکې په هکله د نوي علم «د موادو مقاومت» پيل وگرځيدی .

گاليلي او د هغه پيروانو ستر انگليسي عالم نيوتن (1727 – 1643 م) د کلاسيک ميخانيک (دا هغه ميخانيک دی چې د نيوتن د «3» گونو قوانينو پربنسټ ولاړ دی) قوانين وضع کړل .

نيوتن د کتلې مفهوم را منځ ته کړ او دوهم قانون چې د ټول دينامیک بنسټ جوړوي په سمه توگه يي فورمول بندي کړ . د ميخانيک دوه مهم قوانين هم په دې پورې اړه لري :

1. د عمل او عکس العمل مساوي والی .

2. د نريوالي جاذبي قانون .

په ډيفرنسيال او انتيگرال کې چې نيوتن ستر رول لوبولی دی ، د ميخانيک په پرمختگ کې يي پوره مرسته وکړه .

فرانسوي عالمانو لکه دا لامبير (1783 – 1717 م) ، لا گرانرا (1813 – 1763 م) ، سويسی عالم ليونارد ايلر (1783

– 1707 م) ، روسي عالمانو لکه :چيب بنيو (1894 – 1821 م) ، بروکوفسکي (1921 – 1847 م) ، ميشرسکي (1935

– 1859 م) ، خيالکوفسکي (1935 – 1857 م) هم پدې هکله ډيادوني وړ خدمتونه کړي دي.

ميخانيک له دې برخو څخه جوړشوی دی :

1. د جامدو يا سختو اجسامو ميخانيک Mechanics of Solids

2. د شکل منونکو اجسامو ميخانيک Mechanics of Deformable Materials

3. د سيالاتو ميخانيک Fluids Mechanics

4. ريلاتيويستيک يا نسبي ميخانيک Relativistic Mechanics

5. کوانت ميخانيک Quantum Mechanics

## 1.2- نظري ميخانيک اود هغه ميتود Theoretical Mechanics and it's method

حرکت د مادي د شته والي طريقه او نه بيليدونکی خاصيت دی .

په عام مفهوم سره حرکت نه يوازې په فضاء کې د اجسامو د ځای بدلون دی ، بلکه د هغوتولو حرارتي ، کيمياوي ، الکترومقناطيسي او بل هرډول تغیر او بدلون او همدارنگه د هغو ټولو عملياتو مجموعه ده چې زموږ شعور او افکار يې هم يوه برخه جوړوي .

ميخانيک د حرکت تر ټولو ساده او د ملاحظې وړ شکل يعنې ميخانيکي حرکت مطالعه کوي .

**ميخانيکي حرکت :** هغه حرکت دی چې د وخت په تیریدلو سره د مادي اجسامو موقعیت د يوه بل په نسبت په فضاء کې بدلیږي او همدارنگه د يوه جسم په دننه کې د هغه د اجزاوو حالت د يوه بل په نسبت تغیر خوري او د جسم شکل بدلون کوي .

د یادوني وړ ده ، نه ښايي چې د طبیعت ټول حوادث او پدیدې د ميخانيکي حرکت له نظره وڅیړل شي او هغه ټول د ميخانيک د قواعدو پر بنسټ تشریح شي . ميخانيکي حرکت په هيڅ ډول سره د نورو حرکتونو موجودیت نه نفي کوي ، خو خپله په نورو هرډول حرکتونو کې موجود دی او باید تر ټولو مخکې د هغه په هکله تحقیق وشي او را وسپړل شي .

په اوسني عصر کې د علم او تخنیک په چټک پرمختګ سره ناشوني ده ، هغه ټول مسائل چې د ميخانيکي حرکت سره تړاو لري ، په يوه مضمون کې سره راغونډ او يوازې د ميخانيکي قواعدو پر بنسټ تشریح شي .

**معاصر ميخانيک: Modern Mechanics** دا د هغو عمومي او ځانګړو تخنیکي مضامينو مجموعه ده چې د مختلفو اجسامو د سيستمونو ، د ډول ډول تاسیساتو ، ماشينونو او ميخانيزمونو د طرحې ، محاسبې او راسپړلولپاره ځانګړې شوي ده .

په عام ډول سره د ميخانيک څخه موخه دا مضامين دي: تطبيقي ميخانيک، نظري ميخانيک، د ودانيو ډينامیک، ساختماني ميخانيک، ساختماني مواد، د موادو مقاومت او ميخانيک ، هايډرو ميخانيک ، د بېړيو ميخانيک ، د ماشينونو پرزې ، د ماشينونو او ميخانيزمونو تيوري ، پلونه او تونلونه، د خاورې ميخانيک، ايروميخانيک، سماوي ميخانيک.

هغه مادي اجسام چې پدې مضامينو کې مطالعه کيږي ، مختلف دي ، خو د هغوی ټولو حرکت داسې خواص لري چې خپله د همدغو متحرکو اجسامو په فزيکي خواصو پورې اړه نلري.

مثلاً کولای شو چې د يوه جسم د نقطود سرعت په هکله بحث وکړو، که هغه د گاز يامابع اجزاوي وي ، که مرمی وي او ياهم کومه فضايي بېړۍ چې و فضاء ته توغول کيږي .

همدارنگه کولای شو د جامد جسم د دوراني حرکت په هکله خبرې وکړو، که هغه يو څرخ وي ، که يو قرص وي او که يوه سياره وي.

د مادي اجسامو د ميخانيکي حرکت دا ډول عمومي خواص په نظري ميخانيک کې مطالعه کيږي .

**نظري ميخانيک: Theoretical Mechanics** دا هغه علم دی چې د مادي اجسامو د ميخانيکي حرکت عمومي قوانين مطالعه کوي او د دې حرکت سره اړوندو مسایلو د حل لپاره عمومي لارې او میتودونه وضع کوي .

نظري ميخانيک د مادي اجسامو د حرکت د عمومي قوانينو د وضع کولو لپاره د پدیدو د شيماتيکي قاعدې څخه ګټه اخلي ، يعنې هغه څه چې عمومي وي او هغه څه چې دغه پدیدې په هغوی پورې د پاملرنې او ملاحظې وړ تړاو ولري ، هغه را برسیره کوي ، ولې هغه مسایل چې په تر مطالعې لاندې شرايطو کې دومره مهم نه وي يا دوهمه درجه اهميت ولري ، و شاته غورځوي . نوله دې امله په نظري ميخانيک کې د هغو اجسامو حرکت چې په طبیعت کې واقعي وجود ولري تر مطالعې لاندې نه نیول کيږي ، بلکه هغه تجريد شوي مودلونه چې د حقيقي فزيکي اجسامو يوازې و ټاکلو عمومي خواصو ته انعکاس ورکوي ، مطالعه کوي .

د نظري ميخانيک اصطلاح له همدې ځايه څخه سرچينه اخلي نوځکه هغه ته نظري ميخانيک ويل کيږي .

د دغو موډلونو څخه يوه مادې نقطه او بل يې مطلق جامد جسم دی، چې د هغوی حرکت یوازې او یوازې د نظري ميخانيک په عمومي مضمون کې لوستل کېږي .

ټول اجسام د فضاء يوه معينه برخه نيسي ، يعنې اندازې لري . د دې اجسامو مختلفې برخې کولای شي چې مختلف حرکتونه اجرا کړي ، مثلاً د يوه ميخانيزم نقطې (د ټولې څرخ) چې د هغه د محور څخه په مختلفو فاصلو کې واقع دي ، د مختلفو شعاع لرونکو دایرو پرمخ د مختلفو سرعتونو په درلودلو سره حرکت کوي . ولې په هره اندازه چې جسم کوچنی وي په همغه اندازه د هغه د مختلفو برخو حرکت به یو د بل سره هم ډیر لږ توپیر ولري .

یولایتناهي کوچنی جسم کولای شو د تجرید شوي جسم په نامه سره یاد کړو .

**مادي نقطه Particle:** هغه مادي جسم چې د هغه د اندازو څخه په راکړل شوو شرایطو کې تیریدلای شو د مادي نقطې په نامه سره یادېږي . مادي نقطه اندازې نه لري، خو کتله لري.

په نظري ميخانيک کې د مادي نقطې په توګه سره نه یوازې د یوه کوچني جسم اجزای مطالعه کېږي ، بلکې کولای شو کله نا کله ډیر غټ جسمونه هم د مادي نقطې په توګه سره ونمو ، خو چې اندازې یې په راکړل شوو شرایطو کې عمده نقش ونلري .

مثلاً کولای شو پخپله مخکې د مادي نقطې په توګه سره ونمو ، ځکه کله چې د هغې حرکت د لمر پر شاو خوا مطالعه کوو، نو د ځمکې ټولې برخې او نقطې پدې حرکت کې مساوي فاصلي طی کوي .

لکه چې وروسته به یې ووینو د مادي نقطې په توګه سره کولای شو هر مادي جسم چې مخکې - شاته حرکت کوي هم قبول کړو ، يعنې داسې حرکت چې د جسم ټولې نقطې یوشان حرکت وکړي .

ټول واقعي فزیکي جسمونه د خارجي قواو تر تاثير لاندې خپل شکل ته تغیر ورکوي . ولې د تأسساتو او ماشینونو د اطمیناني کار او استحکام د تأمین لپاره ، مواد او د هغوی د برخو اندازې باید داسې وټاکو ، تر څو هغه د شکل بدلون چې په دوی کې د قواو د تاثير په نتیجه کې منځ ته راځي ډیر لږ وي او تر مجازي حد ښه پوره کښته وي .

د ډیرو مسایلو د تحقیق په وخت کې د دغه کوچني شکل بدلون څخه تیریدلای شو او داسې انگیرل کېږي چې د جسم د اجزاو ترمنځ فاصله یوشان ده او تغیر نه کوي . نو پدې ډول سره موږ د مطلق جامد جسم و اصطلاح ته راځو او دا هغه موضوع ده چې نظري ميخانيک د فزیک څخه جلاکوي .

**مطلق جامد جسم Rigid body:** هغه جسم دی چې د هغه د دوو نقطو ترمنځ فاصله تل ثابتې وي . دلته مواد او د جسم اندازه کوم ځانګړی او تعینونکی رول نلري ، يعنې جسم نه خرابېږي اونه شکل ته بدلون ورکوي .

په طبیعت کې مادي نقطه او مطلق جامد جسم شتون نلري ، دا یوازې یوه فرضیه ده چې د ځانګړو فزیکي جسمونو ټول خواص نه شي انعکاسولای . خو کله چې د هغوی هغه خواص چې موږ هغه په خپله فرضیه کې مدنظر نیولي دي، د هغو د حرکت پر خاصیت باندې د پام وړ تاثير نه شي بسندلای ، نو پورته ذکر شوي موضوع (..... نه شي انعکاسولای ) هم حتمي اوضروې نه بریښي .

که چیرې موږ داسې وکړو چې هر وار د جسم ټول خواص په نظر کې ونیسو ، نومسئله به دومره مغلقه او پیچلې شي چې د هغې حل به عملاً ناممکن شي .

هغه قاعده او میتود چې موږ یې په نظري ميخانيک کې د مادي نقطې او مطلق جامد جسم له مخې د حرکت د عمومي قوانینو په هکله وضع کوو، وروسته بیا کولای شو هغه پریوه ځانګړي فزیکي جسم باندې تطبیق کړو .

یوازې اویوازې کله چې موږ د ځانګړو او انفرادي حالاتو څخه چې یوازې په یوه جسم پورې اړه ولري ، را ووزو نو هله به موږ د دې امکان پیدا کړو چې د پلاس راورل شوو نتایجو پر بنسټ عمومي قوانین اوقاعدې او په ځانګړې توګه د ميخانيک قوانین وضع کړو .

مثلاً گاليلي د هغو جلا جلا ملاحظاتو پر بنسټ چې د جسمونو د سقوط په هکله يې ترسره کړي، وروسته يې هغه ټول نتايج سره انطباق او توحيد کړل او بيا يې د ټولو جسمونو د سقوط په هکله عمومي قانون وضع کړ.

هغه ساده شوی شی چې مور يې په نظري ميخانيک کې د يوه واقعي فزيکي جسم په توگه سره مطالعه کوو، نه يوازې د هغه په خواصو بلکې په هغو مسايلو پورې چې مور يې د خواب په پيدا کولو پسې گرځو، اړه لري .

مثلاً د مخکې د حرکت په هکله د لمريز شاوخوا – لکه چې مو وويل کولای شو مخکه يوه مادي نقطه وپولو ، ولې هغه وخت چې د مخکې حرکت پر خپل محور باندې مطالعه کوو نو نه شو کولای چې مخکه د يوې مادي نقطې په څير وگنو ځکه چې د مخکې هره برخه او نقطه د محور څخه په مختلفو فاصلوکې پرته ده او د خپل حرکت په وخت کې مختلفې فاصلي طی کوي .

د نظري ميخانيک د قاعدې او ميتود څخه د تاسيساتو او ماشينونو د تخنيکي محاسبې چې په طراحي او بهر بردارې يا کتې اخستې پورې اړه ولري کار اخيستل کيږي .

نظري ميخانيک پردرو برخو ويشل کيږي :

1. سناتيک : د قواو خواص ، جمع کول او د جامد جسم د تعادل شرايط مطالعه کوي .
2. سينماتيک : د جسمونو حرکت يوازې د هندسي له نظره بيله دې چې پر جسم باندې د واردو شوو قواو تاثير په نظر کې ونيسي ، تر مطالعي لاندې نيسي .
3. ډيناميک : د جسمونو د حرکت او پر جسم باندې د واردو شوو قواو ترمنځ ارتباط او اړيکې څيړي .

### 1.3- د کلاسيک ميخانيک بنسټيز قوانين

## Fundamental Concepts and Principles of Classical Mechanics

د لاتين څخه *principium* د پيل يا بنسټ په معنا دی.

کلاسيک ميخانيک هغه ميخانيک دی چې د گاليلي او نيوتن د درو گونو قوانينو پر بنسټ باندې ولاړ دی. دغه قوانين د هغو انطباق ورکړل شوو پايلو او نتايجو څخه جوړ شوي دي چې د مادي جسمونو د حرکت په هکله د بې شميره تجربو او پېړيو ملاحظاتو په سرته رسولوسره، پلاس راغلي دي.

ژوند او عمل دواړه د هغو نتايجو سم والی تأييدوي چې د دي قوانينو څخه لاسته راغلي دي . هغه تاسيسات چې د کلاسيک ميخانيک پر بنسټ جوړ شوي دي تر اوسه پورې هم ټينگ او مستحکم دي . ماشينونه فعال دي ، الات او وسايل کار کوي ، پيړۍ په سمندر کې لامبو وهي او الوتکې هم الوزي .

دا ټول حقايق د دي خبرې بنکاروندي کوي چې د ميخانيک هغه قوانين او قواعد چې د هغوی د محاسبې لپاره په کار اچول شوي دي ، سم دي او د واقعيت سم انعکاس ورکوي . دا واقعيت دانسانانو په ذهن او د طبيعت په عملياتو پورې اړه نه لري ، يعنې دا چې خپله عيني قوانين دي .

ولې بايد يادونه وشي چې نه بڼايي د ميخانيک د قوانينو څخه کوم تل تر تله ثابت حقيقت جوړ کړو ، دا چې د انسانانو تجربې کافي ندي ، هغوی يوازې کيدای شي و اصلي حقيقت ته يوڅه نژدېوالی ولري او پردې لوري باندې يوگام وي .

د فزيک برياليتوبونو د شلمې پيړۍ په پيل کې دا وپنډله چې د کلاسيک ميخانيک قوانين نشي کيدلای د هرڅه لپاره سم وي ، مثلاً دا قوانين د کوچنيو او وړو ذرو د حرکت او همدارنگه د هغو جسمونو د سرعت لپاره چې سرعت يې درنا و سرعت ته نژدې دی، د استعمال وړ نه دي .

دا کار د دې سبب شو چې یو نوی میخانیک چې د انشتین د نسبتي تیوري پر بنسټ ولاړ دی او همدا ډول کوانت میخانیک منځ ته راشي ، ولی د عادي پراکتیک د موخو او اهدافو لپاره کلاسیک میخانیک چې پدې مضمون کې به مطالعه شي ، خپل اهمیت په پوره توګه سره ساتلی دی .

موربه یوازي د نیوټن لومړی او دریم قانون په هغه اندازه چې د قوي او سناتیک د زده کړې لپاره ضروري دي ، مطالعه کړو .

د «انشتین» (1879 – 1955 م) ستر فزیک پوه نسبتي تیوري ، کلاسیک میخانیک نه ردوي ، بلکه هغه د یوه ځانګړي او خاص حالت په توګه پخپل ترکیب کې لري او د هغو جسمونو د سرعت لپاره چې سرعت یې د نور تر سرعت ډیر لږ دی په کار اچوي .

هغه اجسام چې سرعت یې د نور (رڼا) و سرعت ته نژدې وي ، د کلاسیک میخانیک له چوکاټ څخه وزي او د انشتین په نسبتي تیوري او کوچینی ذرې په «کوانت میخانیک» کې مطالعه کېږي .

### د نیوټن لومړی قانون «د انرشیا قانون» Inertia Axiom

هر جسم ترڅو چې د خارجي قواو تر تاثير لاندې رانه شي خپل د سکون حالت ساتي او یا هم منظم مستقیم الخط حرکت ته دوام ورکوي ترڅو د نورو جسمونو د تاثير پواسطه دې ته اړ نکړای شي چې خپل حالت ته تغیر ورکړي .

دغه واقعیت کله چې جسم د نورو جسمونو له خوا د خارج څخه تر تاثير لاندې را نشي خپل منظم مستقیم الخط حرکت حالت ساتي ، په لومړي نظر کې د ورځني ژوند او تجربې سره په ټکر کې ښکاري . دغه قانون په 17 پیړۍ کې د گالیلي لخوا کشف شو .

مور وینو کله چې جسم و خپل سر ته پریښودل شي ، کرار کرار د هغه د حرکت سرعت لږیږي او بالاخره بیخي ودریږي . ولی که دې پدیدې ته لږ څخه ژور وکتل شي نو دغه د دریدلو موضوع په سطح او د هغې په اصطکاک پورې اړه لري چې جسم پر هغې باندي حرکت کوي ، یا د هوا فشار او داسې نور .

دا ټول د دې سبب کېږي چې د جسم د حرکت سرعت لږ شي ، که چېرې داسې اقدامات تر لاس لاندې ونيول شي چې دا ډول مقاومت لږ کړي نو د حرکت د سرعت کمالی به هم ډیر لږ وي او حرکت به نور هم د منظم حرکت و حالت ته رانژدې شي . د همدې ځایه څخه دا نتیجه اخلو ، که چېرې مور وکولای شو ، ټول مقاومت او موانع د جسم د حرکت له مخې څخه لیرې کړو نو د جسم د حرکت سرعت به هم تغیر نه وي خوړلی ، نه به یې لوری تغیر و خوري ، یعنی حرکت به مستقیم الخط حرکت وي او نه به یې د سرعت عددي قیمت تغیر و خوري یعنی حرکت به منظم وي .

د دې لپاره چې جسم و دې ډول شرایطو ته را وستلای شو ، هغه باید تجرید «عایق» شي ، یعنی د نورو مادي جسمونو څخه لیرې او جلا شي ترڅو د دې جسم پر حرکت تاثير ونکړای شي .

د مادي جسمونو یو پر بل باندي تاثير او عمل چې په نتیجه کې یې د هغوی سرعت او یا هم شکل تغیر و خوري ، د میخانیکي تاثيراتو په نامه سره یادېږي .

پر دغه جسم باندي د میخانیکي عمل اندازه د نورو جسمونو له خوا چې د دې عمل جهت او کمیت ځانګړی کوي پر جسم باندي د وارده قوي په نامه سره یادېږي .

په عمل کې نه شو کولای چې جسم د چاپیریال او نورو جسمونو د تاثير څخه بیخي جلا او بیل کړو . همدارنگه په هیڅ ډول سره نه شو کولای د جسم د حرکت په مقابل کې د مقاومت قوي له منځه یوسو . نو پدې خاطر د جسم په حرکت کې ساتلو لپاره باید پر هغه باندي یوه قوه وارده کړو چې د هغې جهت د مقاومت د قوي د جهت پر خلاف وي .

که چېرې دا قوه د مقاومت له قوي څخه لږه وي نو حرکت کرار کرار لږیږي او جسم به بالاخره بیخي ودریږي . که چېرې دا وارده شوې قوه د مقاومت له قوي څخه ډیره وي نو د جسم سرعت به زیات شي .

که د دې قوې عددي قيمت د مقاومت له قوې سره برابر وي (ولې جهت يې مخالف) نود جسم سرعت يې تغيره پاته کيږي ، نو پدې حالت کې پر جسم باندې وړدي شوې قوې يوه بله متعادلوې يعنې جسم به په تعادل کې وي . دا ډول قوې د جسم پر حرکت باندې کوم تاثير نه کوي او نتيجه دا شوه چې کولای شو د جسم د حرکت د معلومولو لپاره هغوی په نظر کې ونه نيسو .

د پورته مطلب څخه دامهمه نتيجه اخلو:

هر هغه جسم چې د متقابلاً متعادلو قواو تر تاثير لاندې وي ، خپل سرعت يې تغيره ساتي (په ځانگړي حالت کې خپل سکون ساتي).

دغه ډول کولای شو جسم د يوه داسې جسم په توگه سره مطالعه کړو چې پر هغه باندې د قواو تاثير بيخي نشته . د دې خبرې پر عکس هم سمه خبره ده .

که چيرې يو جسم په غير متغير سرعت سره حرکت وکړي نو پرده باندې ټولې تاثير کوونکې قوې متقابلاً يوه بله سره په تعادل کې راولي .

بر عکس که چيرې د جسم د حرکت سرعت تغير وکړي نو ويلای شو چې هغه قوې چې پرده باندې تاثير کوي د تعادل په حالت کې نه دي .

د جسم له خوا بې له تغيره خپل حالت ساتل (د سرعت جهت ، عددي قيمت او د سکون حالت) پداسې حال کې چې قوې پر هغه باندې تاثير نه کوي (او يا دا قوې د تعادل په حالت کې وي) د انرشيا په نامه سره يادېږي .

په پخوا زمانو کې د مادې د سکون حالت يو عادي او طبيعي حالت بلل کيده ، داسې انگيرل کيدله چې هر جسم چې گواکې د سکون د حالت څخه ايستل شوی دی ، هڅه کوي بيرته و خپل لومړني حالت ته را وگرځي . د لاتين څخه د «Inertia» لغت د کهالت ، عمل نه کول او فاقد عمل په معنی دی . معلومه خبره ده چې په اوسنی زمانه کې د ميخانيک دا لغت بايد بل ډول تعبير شي .

د جسم د انرشيا مفهوم ساده او واضح دی : جسم پر خپل سر ، پرته له دې چې قوه ور باندې وړاندي شوي خپل حرکت ته تغير نه شي ور کولای ، ولې کافي ده پر جسم باندې يوه ډيره لږه قوه هم وړاندي کړو چې جسم به همغه لحظه و خپل سرعت ته تغير ورکړي او دا تغيره تر هغو پورې وي ، ترڅو د دې قوې تاثير دوام ولري .

### دريم قانون : د عمل او عکس العمل برابري Axiom of action and reaction

په کومې قوې سره چې دوه جسمونه يو پر بل باندې عمل کوي تل د قيمت له پلوه يوه له بلې سره مساوي او پريوې مستقيمي کرښې باندې ومخالف جهت ته متوجه وي .

په طبيعت کې ټول جسمونه يود بل سره په ارتباط کې دي ، نوځکه يو پر بل باندې عمل کوي . د دريم قانون سره سم د جسمونو يو پر بل باندې تاثير يواځيز نه وي ، مثلاً که چيرې جسم د محيط تر فشار لاندې راشي ، نو جسم هم په همدې قوې سره پر محيط باندې تاثير کوي او په هغه کې د اجزاو د ځای بدلون را پاروي .

که چيرې جسم ومخکې ته را کشيږي نو جسم هم په همدې قوې سره مخکې و خپل ځانته راکشوي . د اصطکاک په صورت کې جسم او مستوي په مساوي اندازه سره د يوه بل د تماس سطح سولوي .

که د دغه قواو څخه يوه عامله قوه وگڼو نو هغه بله به د عکس العمل د قوې په نامه سره وبولو . بايد په ډاگه شي چې په طبيعت کې يوطرفه تاثيره قوې نشته بلکې يوازي او يوازي متقابل العمله قوې شته ، نولدي کبله که مور په ورونو ورونو و ايو چې پر جسم باندې وړاندي شوي قوه ، نو هغه بايد داسې درک شي چې :

پر دغه جسم باندې په يوې قوې سره يوبل جسم تاثير کوي او پدې ډول د غه جسم بيا پخپل وار سره پر هغه بل جسم باندې په همدغې قوې سره عمل کوي چې عددي قيمت يې مساوي او جهت يې د هغې قوې سره مخالف دی .

که د یوه جسم د حرکت سرعت مطالعه کړو نوموړ یوازې او یوازې د جسم د عکس العمل موضوع پرنورو جسمونو باندې چې پرمهدي جسم باندې د واردو شوو قواو سرچپنه جوړوي ، په نظر کې نه نیسو.

د دوو جسمونو د عمل او عکس العمل قوې که څه هم د هغو عددي قیمت سره یو او پریوې مستقیمې کرنيې ومخالف جهت ته متوجه دی خو یوه بله په تعادل کې نه را ولی ځکه چې هغوی پریوه جسم باندې نه بلکې پردوو مختلفو جسمونو باندې واردیږي .

که چیرې عمل او عکس العمل همیشه په تعادل کې وای نو هیڅ کله به مونښوای کولای چې د یوه جسم د فشار پواسطه بل جسم پرحرکت باندې را ولو خو دا حقیقت نلري .

د عمل او عکس العمل برابري چې د هغه په هکله په دریم قانون کې خبرې کیږي باید د هغوی د نتایجو د مساوات سره ګډ او خلط نه شي .

د یوې قوې د عمل نتایج پریوه جسم باندې نه یوازې د دې قوې په عددي قیمت پورې اړه لري بلکې په یو لړ نورو عواملو پورې هم تړلی دی لکه : د جسم کتله ، د هغه ارتجاعي خواص ، پرجسم باندې د نورو وارده قواو موجودیت او نور .

مثلاً کله چې په سمندر کې یوه غټه بیړی د یوې کوچنۍ کبنتۍ سره ټکر کوي ، نو د هغوی تاثیر یو پر بل باندې بیخي عین شي خو د دې تاثیر نتایج بیخي سره توپیر لري ، یوه یې روغه پاته وي خوله به یې اړو ګروبه شوي وي .

## WHAT IS AN ENGINEER AND WHAT DO ENGINEERS DO?

The answer is in the word itself. An er word ending means “the practice of.” For example, a farmer farms, a baker bakes, a singer sings, a driver drives, and so forth. But what does an engineer do? Do they engine? Yes they do! The word engine comes from the Latin *ingenere*, meaning “to create.”

About 2000 years ago, the Latin word *ingenium* was used to describe the design of a new machine. Soon after, the word *ingen* was being used to describe all machines. In English, “ingen” was spelled “engine” and people who designed creative things were known as “engine-ers”. In French, German, and Spanish today, the word for engineer is *ingenieur*.

### So What Is an Engineer?

An engineer is a creative and ingenious person.

### What Does an Engineer Do?

Engineers create ingenious solutions to society’s problems.

## 1.4 - د واحدونو سيستمونه Systems of Units

د سيستمونو واحدونه او په ميخانيک کې اندازه کول

## System of Units &amp; measurement in Mechanics

## Principal SI Units Used in Mechanics

| Quantity             | Unit                      | Symbol | Formula          |
|----------------------|---------------------------|--------|------------------|
| Acceleration         | Meter per second squared  | ...    | $m/s^2$          |
| Angle                | Radian                    | rad    | †                |
| Angular acceleration | Radian per second squared | ...    | $rad/s^2$        |
| Angular velocity     | Radian per second         | ...    | $rad/s$          |
| Area                 | Square meter              | ...    | $m^2$            |
| Density              | Kilogram per cubic meter  | ...    | $kg/m^3$         |
| Energy               | Joule                     | J      | $N \cdot m$      |
| Force                | Newton                    | N      | $kg \cdot m/s^2$ |
| Frequency            | Hertz                     | Hz     | $s^{-1}$         |
| Impulse              | Newton-second             | ...    | $kg \cdot m/s$   |
| Length               | Meter                     | m      | ‡                |
| Mass                 | Kilogram                  | kg     | ‡                |
| Moment of a force    | Newton-meter              | ...    | $N \cdot m$      |
| Power                | Watt                      | W      | $J/s$            |
| Pressure             | Pascal                    | Pa     | $N/m^2$          |
| Stress               | Pascal                    | Pa     | $N/m^2$          |
| Time                 | Second                    | s      | ‡                |
| Velocity             | Meter per second          | ...    | $m/s$            |
| Volume               |                           |        |                  |
| Solids               | Cubic meter               | ...    | $m^3$            |
| Liquids              | Liter                     | L      | $10^{-3}m^3$     |
| Work                 | Joule                     | J      | $N \cdot m$      |

† Supplementary unit (1 revolution =  $2\pi$  rad =  $360^\circ$ ).

تكميلي واحد

‡ Base unit.

اساسي واحد

## واحد Unit

واحد د يوه فزيکي متحول دانتخاب څخه عبارت دی چې داساس په توگه دبل مقدار سره مقايسه اوپرتله کېږي .  
دواحدونواساسي سيستمونه په لاندي ډول دي :

## (1) انگليسي سيستم FPS

**فټ Foot** - ديوه انسان دمتوسط پله اوږدوالی دی چې  $1 ft = 0.3048 m$  متره کېږي .

$$1 ft = 12 inch, 1 ft = 0.3048 m, 1 in = 2.54 cm$$

**پونډ Pound** - پدي سيستم کې قوه په Libra چې هغه ته Pound-Lb يا «pdl» هم وايي اندازه کېږي . دقوي لپاره د Lbf اوډکتلي لپاره د Lbm سمبولونه کارول کېږي .

پونډ کتله Lbm ديوې ټاکلي پلاتيني ميلي کتله ده چې دانگلستان دپونډ په سوداگريز مرکز کې ساتل کېږي ، خو په 1963 ميلادي کال کې داسې پريکړه وشوه چې داکتله دي دکبلو گرام له لاري وليکل شي .

پونډ قوه Lbf هغه مقدار قوه ده چې پريوه پونډ کتلي وارده شي او هغې ته  $32.17 ft/s^2$  تعجيل ورکړي .

$$1 lbf = 32.17 lbf \cdot ft/s^2$$

ددې لپاره چې پونډ قوه او پونډ کتله يوله بل سره غلط نه شي نوډکتلي واحد يې د «slug» په نامه سره ياد کړ .

**Slug** - هغه مقدار کتله ده چې ديوه پونډ قوي په اثر  $1 ft/s^2$  تعجيل واخلي ،  $1 slug = 14.7 kg$

## Second

## ثانيه

The second is the duration of 9 192 631 770 periods of the radiation corresponding to the transition between the two hyperfine levels of the ground state of the cesium 133 atom.

هغه وقفه يازماني فاصله ده چې دهغې په بهير کې دسوسيم  $CS_{133}^{55}$  القلي فلز په اتوم کې الکترونونه دصفر څخه تر 9 192 631 770 وارونو پوري معين ډول اهتزازات وکړي .

ديوي شپې او ورځې د 1/86400 برخه ديوي ثانيې څخه عبارت ده .

$$1 = 24 h = 24(60 \text{ min}) = 24(60)60 s = 86400 s$$

$$1s = 1/86400 \text{ برخه}$$

## (2) متریک سيستم

متریک سيستم لومړی په فرانسه کې را منځ ته شو ، درې گوني بعدونه لري لکه : اوږدوالی ، کتله او وخت .

$$l - m , m - Kg, t - s$$

داسېستم تقريباً دنړی په هرگوت کې استعمالېږي .

## Kilogram

## کيلوگرام

**The kilogram is the unit of mass; it is equal to the mass of the international prototype of the kilogram.**

یو دیسی مترمکعب مقطري یا خالصي اوبه چې دتودوخي درجه یې  $4^{\circ}\text{C}$  (یولیتراوبه)  $1\text{kg}$  کتله لري .

### (3) C G S سیستم

د دې سیستم د نوم څخه معلومیري چې دا واحدونه لري: سانتي متر، گرام، ثانيه

$$cm, g, s ; \quad 1m = 100 cm ; \quad 1 kg = 1000 g$$

### (4) نړیوال سیستم (له فرانسوي ژبي څخه) Le Systeme International d'unités

هغه نړیوال منل شوی سیستم دی چې په 1960 میلادي کال کې په پاریس کې تصویب شو، د MKS پرمختللي بڼه ده چې په هغه کې اشتقايي واحدونه هم ترلاسه کېږي او بنسټ یې لاندې ابعاد جوړوي .

| کمیت                       | سمبول       | Name                               | داندازه کولو واحد    | بعدي سمبول |
|----------------------------|-------------|------------------------------------|----------------------|------------|
| اوږدوالی                   | $l; x; r..$ | Length                             | m-meter متر          | L          |
| کتله                       | m           | Mass <i>massa</i>                  | kg-kilogram کیلوگرام | M          |
| وخت                        | t           | Time <i>tempus</i>                 | s-second ثانيه       | T          |
| د ترمودینامیکي تودوخي درجه | T           | T/d Temperature <i>temperātūra</i> | k-kelvin کلون        | Θ          |
| دبرقي جریان قوه            | I           | Electric Current                   | A-Ampere آمپر        | I          |
| د موادو مقدار              | n           | Amount of Substance                | mole مول             | N          |
| د رڼا د شدت قوه            | $I_v, I_p$  | Luminous Intensity                 | cd-candela کنديلا    | J          |

*intensité de courant* د برق جریان سمبول د فرانسوي څخه اخیستل شوی دی.

د موادو مقدار سمبول د لاتین د *numerus* او درنا شدت د *intēnsiō* څخه اخیستل شوی دی.

یادونه کوو چې د SI سیستم څخه بهر واحدونه هم شته لکه دقیقه، ساعت، شپه او ورځ، درجه، زاویوي ثانيه او دقیقه، لیتر، ټن، الکترو ولت، میل، آر، هکتار، ملي متر، ... انگستروم، بار، د اوبو او سیمابو ملي متر کچه،  $\text{mm} - \text{Hg}$ ;  $\text{mm} - \text{H}_2\text{O}$  او داسې نور.

په همدې ډول ځیني اشتقايي واحدونه دادي: د سیلسوس درجه، رادین، ستي رادین، هرتز، نیوتن، ژول، واټ، پاسکال، لیومین، لوکس، کولومب، ولت، اوم، فراد، تیسله، هنري، زیمنس او داسې نور.

**The kelvin, unit of thermodynamic temperature, is the fraction 1/273.16 of the thermodynamic temperature of the triple point of water.**

د کلون یوه درجه داوبو د ترمودینامیکي حرارت درجې د دري بعدي نقطې د ابعادو  $1/273.16$  برخه ده.

**The Ampere is that constant current which, if maintained in two straight parallel conductors of infinite length, of negligible circular cross-section, and placed 1 metre apart in vacuum, would produce between these conductors a force to  $2 \times 10^{-7}$  newton per metre of length.**

امپير: يو امپير ثابت بهير دا هغه جريان دی چې که په دوو بي نهايت اوږدو هادي سيمانو کې چې په خلا کې د يوه متر په واټن سره يو له بل څخه ليري پراته وي او مقطع يې ډيره کوچنی وي (ورڅخه تيريدلای شو)، جاري وي، د سيمانو تر منځ په هر متر کې  $2 \times 10^{-7} N$  نيوتن قوه رامنځ ته کوي.

**The mole is the amount of substance of a system which contains as many elementary entities as there are atoms in 0.012 kilogram of carbon 12: its symbol is \*mol\*.**

مول: په يوه سيستم کې يو مول د موادو هغه مقدار دی چې د لومړنيو ذرو شمير يې د  $0.012 \text{ kg}$  کاربن 12 د اتومونو شمير سره يو شوی وي. سمبول يې  $mol(n, N)$  دی.

**The candela is the luminous intensity, in a given direction, of a source that emits monochromatic radiation of frequency  $540 \times 10^{12}$  hertz and that has a radiant intensity in that direction of  $1/683$  watt per steradian.**

کانديلا: د هغې رڼا د شدت د قوې څخه عبارت دی چې که چېرې د يوې سرچينې څخه يو رنگ وړانگه په يوه ټاکلي لوري باندې په  $540 \times 10^{12} \text{ Hz}$  هرټز فریکونسي سره خپره شي او په دې لوري باندې د  $\frac{1}{683} \text{ watt/sr}$  د رڼا شدت را منځ ته کړي.

### فيزيکي کميتونه Physical quantities

هر هغه شى چې د اندازه کولو قابليت ولري، کميت بلل کيږي. په فزيک کې دوه ډوله کميتونه شته دي: اساسي کميتونه او اشتقاقی کميتونه.

اساسي کميتونه هغه دي چې له مخکې څخه تعريف شوي او منل شوي وي لکه په پورته جدول کې اوږدوالی، کتله، وخت او نور. اشتقاقی يا فرعي سيستم د اساسي بعدونو د ترکيب څخه پلاس راځي لکه:

$$D = m/v = [M/L^3] \text{ کثافت}, F = m a = [ML/T^2] \text{ قوه}, LL = [L^2] \text{ مساحت}$$

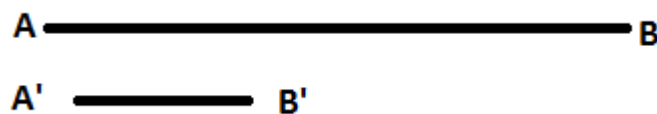
### اندازه کول Measurement

فيزيک تجربوي علم دی. ددې لپاره چې يو فزيکي کميت اندازه کړو، نو اړ يو د هغه لپاره يو واحد وټاکو او هغه داسې چې نوموړی واحد پدغه کميت کې څوواړه شامل وي. دغه واحد بايد داسې وټاکل شي چې د وخت او ځای په نسبت تغير نه منونکی وي. يا په بله ژبه د فزيکي کميتونو واحدونه بايد داسې وټاکل شي چې د ټولې نړۍ وگړي هغوی په يوه ډول سره په کار واچوي.

په ميخانيک کې ټول فزيکي کميتونه د درو اساسي کميتونو اوږدوالي، کتلې او وخت څخه، تشکيل شويدي.

### د اوږدوالي اساسي کميت او د هغه واحدونه Basic quantity of length and it's Units

د يوه فزيکي کميت اندازه کول، د يوه واحد سره د هغه پرتله کول دي. مثلاً که وغواړو چې د  $AB$  ټوټه کرښه اندازه کړو، نو بايد هغه د يوې  $A'B'$  ټوټې کرښې سره پرتله کړو چې اوږدوالی يې يو واحد دی.



1.1 شکل

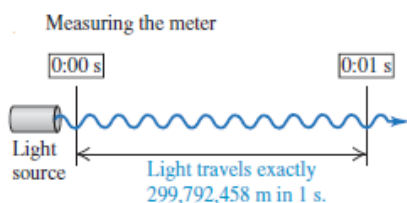
لکه چې وينو د  $A'B'$  ټوټه کرښه د  $AB$  په ټوټې کرښې کې څوواړه شامله ده.

د اوږدوالي هندسي مفهوم: اوږدوالي د دوو نقطو تر منځ واټن دی. د اوږدوالي په پوهیدلو سره کولای شو په آسانی سره د اجسامو مساحت، حجم او په فضا کې د نقطو موقعیت پیدا کړو.

په ټوله نړۍ کې متر *meter* د اوږدوالي د واحد په توګه منل شوی دی.

**The metre is the length of path traveled by light in vacuum during a time interval of  $1/299\,792\,458$  of a second.**

متر د هغه واټن اوږدوالي دی چې رڼا یې په خلا کې په  $s = \frac{1}{299\,792\,458}$  ثانیه کې وهي.



### Length

In 1960 an atomic standard for the meter was also established, using the wavelength of the orange-red light emitted by atoms of krypton ( $^{86}\text{Kr}$ ) in a glow discharge tube. Using this length standard, the speed of light in vacuum was measured to be  $299,792,458$  m/s. In November 1983, the length standard was changed again so that the speed of light in vacuum was *defined* to be precisely

$299,792,458$  m/s. Hence the new definition of the meter (abbreviated m) is the distance that light travels in vacuum in  $1/299,792,458$  second. See Figure. This provides a much more precise standard of length than the one based on a wavelength of light.

داستوا له کرښې څخه بیا تر شمالي قطبه پورې فاصله پر لسو ملیونو برخو باندي ویشل شویده او یوې برخې ته یې متر

$$1m = \frac{1}{10\,000\,000}$$

اصلي متر چې د 90% پلاتینیوم او 10% ایریدیم څخه جوړ شوی دی، د وخت په تیریدلو سره یې اوږدوالی کولای شي تغیر وکړي، ځکه چې په میلی کې د کرسټالو ساختمان بدلون کوي، نو ځکه متر د الکترومقناطیسي څپو د یوې څپې سره چې ددې ډول تغیر څخه مستثني او بې غمه ده، مقایسه کيږي. ددې لپاره د کریپتون غاز  $Kr_{36}^{86}$  دنارنجي څپې څخه ګټه

$$1\,m = 1650763.73\lambda_{Kr}$$

$$\lambda_{Kr} \cong 0.5\,\mu m \cong 5\,000\,A^\circ$$

| Prefix | Label | Decimal Value                     | Scientific | Colloquial    |
|--------|-------|-----------------------------------|------------|---------------|
| yocto  | y     | 0.000 000 000 000 000 000 000 001 | $10^{-24}$ | septillionth  |
| zepto  | z     | 0.000 000 000 000 000 000 000 001 | $10^{-21}$ | sextillionth  |
| atto   | a     | 0.000 000 000 000 000 000 001     | $10^{-18}$ | quintillionth |
| femto  | f     | 0.000 000 000 000 001             | $10^{-15}$ | quadrillionth |
| pico   | p     | 0.000 000 000 001                 | $10^{-12}$ | trillionth    |
| nano   | n     | 0.000 000 001                     | $10^{-9}$  | billionth     |
| micro  | $\mu$ | 0.000 001                         | $10^{-6}$  | millionth     |
| milli  | m     | 0.001                             | $10^{-3}$  | thousandth    |
| centi  | c     | 0.01                              | $10^{-2}$  | hundredth     |
| deci   | d     | 0.1                               | $10^{-1}$  | tenth         |
| --     | --    | 1                                 | $10^0$     | one           |
| deka   | da    | 10                                | $10^1$     | ten           |
| hecto  | h     | 100                               | $10^2$     | hundred       |
| kilo   | k     | 1 000                             | $10^3$     | thousand      |
| mega   | M     | 1 000 000                         | $10^6$     | million       |
| giga   | G     | 1 000 000 000                     | $10^9$     | billion       |
| tera   | T     | 1 000 000 000 000                 | $10^{12}$  | trillion      |
| peta   | P     | 1 000 000 000 000 000             | $10^{15}$  | quadrillion   |
| exa    | E     | 1 000 000 000 000 000 000         | $10^{18}$  | quintillion   |
| zetta  | Z     | 1 000 000 000 000 000 000 000     | $10^{21}$  | sextillion    |
| yotta  | Y     | 1 000 000 000 000 000 000 000 000 | $10^{24}$  | septillion    |

$$(A^\circ) 1 \text{ Angstrom} = 10^{-10} \text{ m}$$

$$1 \text{ Fermi} = 10^{-13} \text{ m}$$

يادونه کوچي انگستروم  $A^\circ$  د نور (رنا) دڅپو د اوږدوالي داندازه کولولپاره استعماليري. د ډيرو وړو اوږدوالو او کوچنيو قطر ونو لپاره د کمپاس او د (*Calipers*) څخه گټه اخيستل کيري. د اوږدوالي دواحدپه مرسته د مساحت او حجم (دفرانسوي څخه *volume*) دواحدونو لاسته راوړل:

$$1 \text{ dm} = 0.1 \text{ m} = 10^{-1} \text{ m}$$

$$1 \text{ cm} = 0.01 \text{ m} = 10^{-2} \text{ m}$$

$$1 \text{ mm} = 0.001 \text{ m} = 10^{-3} \text{ m}$$

$$1 \text{ dm}^2 = (1 \text{ dm})^2 = (10^{-1} \text{ m})^2 = 10^{-2} \text{ m}^2$$

$$1 \text{ cm}^2 = (1 \text{ cm})^2 = (10^{-2} \text{ m})^2 = 10^{-4} \text{ m}^2$$

$$1 \text{ mm}^2 = (1 \text{ mm})^2 = (10^{-3} \text{ m})^2 = 10^{-6} \text{ m}^2$$

$$1 \text{ dm}^3 = (1 \text{ dm})^3 = (10^{-1} \text{ m})^3 = 10^{-3} \text{ m}^3$$

$$1 \text{ cm}^3 = (1 \text{ cm})^3 = (10^{-2} \text{ m})^3 = 10^{-6} \text{ m}^3$$

$$1 \text{ mm}^3 = (1 \text{ mm})^3 = (10^{-3} \text{ m})^3 = 10^{-9} \text{ m}^3$$

$$1 \text{ dm}^3 = 1 \text{ liter (L)}$$

$$1 \text{ liter} = 10^3 \text{ mL} = 10^3 \text{ cc} \Rightarrow 1 \text{ cc} = 1 \text{ mL}$$

**Basic quantity of time and its Unit**

د لاتين څخه Tempus يعني وخت

د وخت د اندازه کولو لپاره بايد هغه پيښي په نظر کې ونيول شي چې په منظم ډول سره تکراريدونکي وي. د وخت مفهوم عبارت دی د دوو پېښو د وقوع ترمنځ دفاصلي څخه. د وخت واحد ثانيه ده چې د يوې شپې او ورځې  $\frac{1}{86400}$  برخه ده.

$$24 h = 24(60 min) = 24(60)60 s = 86400 s \quad \text{يوه شپه او ورځ مساوي ده له}$$

$$\text{يوه ثانيه مساوي ده له د شپې او ورځې د } 1s = \frac{1}{86400} \text{ برخي سره.}$$

**Time**

From 1889 until 1967, the unit of time was defined as a certain fraction of the mean solar day, the average time between successive arrivals of the sun at its highest point in the sky. The present standard, adopted in 1967, is much more precise. It is based on an atomic clock, which uses the energy difference between the two lowest energy states of the cesium atom. When bombarded by microwaves of precisely the proper frequency, cesium atoms undergo a transition from one of these states to the other. One second (abbreviated s) is defined as the time required for 9,192,631,770 cycles of this microwave radiation .

د سيستمونو د واحدونو اړون- بدلون

**Conversion from one system of unit to another****Time:****وخت :**

$$1 \text{ min} = 60 \text{ s} = 1.667 \times 10^{-2} \text{ h} = 1.901 \times 10^{-6} \text{ year}$$

$$1 \text{ h} = 3600 \text{ s} = 60 \text{ min} = 1.141 \times 10^{-4} \text{ year}$$

$$1 \text{ year} = 3.156 \times 10^7 \text{ s} = 5.249 \times 10^5 \text{ min} = 8.766 \times 10^3 \text{ h}$$

**Length:****اوږدوالی :**

$$1 \text{ m} = 10^3 \text{ mm} = 10^2 \text{ cm} = 10 \text{ dm} = 39.37 \text{ inch} = 3.28 \text{ ft} = 6.214 \times 10^{-4} \text{ mile}$$

$$1 \text{ \AA} (\text{angstrom}) = 10^{-10} \text{ m}$$

**نوري کال :**

$$1 \text{ ly} (\text{light yera}) = 9.46 \cdot 10^{15} \text{ m}$$

**Area:****مساحت :**

$$1 \text{ m}^2 = 10^6 \text{ mm}^2 = 10^4 \text{ cm}^2 = 1.55 \times 10^3 \text{ in}^2 = 10.67 \text{ ft}^2 = 5 \times 10^{-4} \text{ jarib}$$

$$1 \text{ hectare} = 10^4 \text{ m}^2 = 2.471 \text{ acre} = 5 \text{ jarib}$$

**Volume:****حجم :**

$$1 \text{ m}^3 = 10^9 \text{ mm}^3 = 10^6 \text{ cm}^3 = 10^3 \text{ dm}^3 = 10^3 \text{ Liter} = 35.3 \text{ ft}^3 = 6.1 \times 10^4 \text{ in}^3$$

$$1 \text{ gallon} = 4.546 \text{ liter} = 4546 \text{ dm}^3 = 277.3 \text{ in}^3$$

**Mass:** کتله :

$$1 \text{ kg} = 10^3 \text{ gr} = 2.2 \text{ lbm} = 0.0685 \text{ Slug}$$

$$\frac{1 \text{ Slug} = 1 \text{ lb}_f \cdot \text{sec}^2}{\text{ft}} = 32.2 \text{ Pdl} \cdot \frac{\text{sec}^2}{\text{ft}} = 32.2 \text{ lb}_m = 14.6 \text{ kg} = 1.46 \times 10^4 \text{ g}$$

$$1 \text{ Slug} = 14.6 \text{ kg}$$

**Force:** قوه :

$$1 \text{ kg} * = 1 \text{ kg}_f = 1 \text{ kg}_w = 9.81 \text{ N} = 2.2 \text{ lb}_f \cong 10^6 \text{ dyn} = 10^{-3} \text{ ton} *$$

**Energy:** انرژي :

$$1 \text{ Joule} = 10^7 \text{ erg} = 0.239 \text{ cal} = 9.5 \times 10^{-4} \text{ Btu} = 0.7376 \text{ ft} \cdot \text{lb}_f = 2.78 \times 10^{-7} \text{ k Wh}$$

$$= 3.72 \times 10^{-7} \text{ hph} = 0.102 \text{ kg} \cdot \text{m} = 6.242 \times 10^{-18} \text{ eV}$$

$$1 \text{ cal} = 4.2 \text{ J}$$

**Power:** توان يا وس :

$$1 \text{ hp} = 550 \text{ ft} \cdot \frac{\text{lb}_f}{\text{sec}} = 746 \text{ watt} = 746 \text{ joule/sec} = 7.46 \times 10^9 \frac{\text{erg}}{\text{s}} = \frac{1.783 \times 10^2 \text{ cal}}{\text{s}}$$

$$= 0.71 \text{ Btu/s}$$

**Pressure:** فشار :

$$1 \text{ N/m}^2 = 9.265 \times 10^{-6} \text{ atm} = \frac{1.36 \times 10^{-4} \text{ lb}_f}{\text{in}^2} = \frac{10 \text{ dyn}}{\text{cm}^2} = 10^{-5} \text{ bar} = 1 \text{ Pa}$$

$$1 \text{ atm} = 147 \text{ lb}_f/\text{in}^2 = \frac{1.013 \times 10^5 \text{ N}}{\text{m}^2} = 1.013 \cdot 10^5 \text{ Pa} = 0.76 \text{ mHg} = 1.058 \text{ mH}_2\text{O}$$

**Temperature:** د تودوخي درجه :

$$K = 273 + ^\circ\text{C}$$

$$^\circ\text{C} = 5/9(^{\circ}\text{F} - 32)$$

$$^\circ\text{F} = 9/5^{\circ}\text{C} + 32$$

## 1.5 - د کمیت درجه، په عدونوکی دقت، خیر او چټکه ارزونه

### Numerical Accuracy

کله ناکله مور یوازې د یوه کمیت تقریبي قیمت ته ضرورت لرو. دا هغه وخت وي کله چې دقیق محاسبات پېروخت غواړي چې نه په په ارزي اویاهم د موضوع په هکله پوره معلومات ونلرو.

په ځینو وختونو کې بیا دا ضرور وي چې دهغومحاسباتو د کنترول لپاره چې د حساب په ماشین ترسره شوي وي، د کمیت د درجې یوه تقریبي ارزونه باید ترسره شي، ترڅو ډاډه شو چې د عددونو د داخلیدو په وخت کې کومه غټه غلطي اوتیروتنه نده شوي.

پردي سر بيره د حساب په ماشين او ياهم د لوگاريمي خط کش پواسطه د محاسبي پر وخت کېدای شي چې د کميت يوه درجه ورکه شي (د 10 عدد سم طاقت)، نو يوه تقريبي ارزونه د دې مطلب داصلاح لپاره زموږ سره مرسته کوي. په عمومي ډول تقريبي ارزونه داسې ترسره کيږي لکه چې د ټولو عددونو تقريب او لنډول تريوه بامفهومه رقم پوري، ضرب 10 په يوه طاقت سره، او هغه داسې چې د محاسبي د ترسره کولو وروسته هم همدغه باارزبنته يورقم پاتيري.

دا ډول ارزونه د درجي له مخې د کميت ارزونه بلل کيږي او کولای شو چې داسې يې وېولو چې هغه تر 10 ضريب (معمولاً تر دې هم ښه) دقت په لاس راکوي.

زياتره وخت د «درجي» افاده يوازي د 10 عدد د طاقت لپاره کارول کيږي.

دمثال په ډول، په يوه تقريباً گردې جهيل کې بايد د اوبو مقدار پيدا کړو چې قطري تقريباً يوکيلومتر او منځنی ژوروالی يې تقريباً 10 متره وي. د جهيل د حجم د پيدا کولو لپاره د هغه منځنی ژوروالی د هغه د سطح په مساحت کې ضربوو (داسې يې ټولو چې جهيل استوانه يې شکل لري).

فرض به يې کړو چې د جهيل شعاع «r» ده او د هغه مساحت  $\pi r^2$  دی. نو په تقريبي ډول سره د جهيل مساحت  $S = 3(5 \times 10^2 \text{ m})^2 \approx 8 \times 10^5 \text{ m}^2$ . داسې مو وبلله چې  $r = 500 \text{ m}$  او  $\pi$  مو هم و 3 ته تقريب کړ او د تقريباً علامه  $\approx$  مو هم کښيښودله نو پدې ډول سره د جهيل حجم تقريباً  $V \approx 8 \times 10^5 \text{ m}^2 (10 \text{ m}) = 8 \times 10^6 \text{ m}^3$  دی.

چې د کميت د درجي له مخې يې  $10^7 \text{ m}^3$  گڼلای شو.

د هغو ټولو قيمت ايښوونو پواسطه چې پدې محاسبه کې ترسره شوي ښه به دا وي چې د  $8 \times 10^6$  عدد پرځای د درجي د ارزوني څخه گټه واخلو او هغه  $10^7$  وليکو.

بايد يادونه وشي چې د مسايلو د حل دقيق والی په دوو موضوع گانو پوري اړه لري:

1. د پلاس راغلو معلوماتو اعتبار او اطمینان څومره دی.

2. د محاسبو د اجرا کولو دقت څومره دی.

د مسايلو حل نشي کېدلای د پورته دوو مطلبو ترهغه کښتني مناسب حد زيات وي چې د دې ډول مسايلو د دقت لپاره په نظر کې نيول شوی دی.

د مثال په توگه، که د  $75000 \text{ N}$  قوي تر تاثير لاندې د يوه ساختمان لپاره د محاسبي احتمالي غلطي تر  $100 \text{ N}$  پوري ورسيري نو د محاسبي نسبي غلطي به د محاسباتو د اجرا د دقت درجه په ګوته کړي.  $100 / 75000 = 0.0013 = 0.13\%$  نو محاسبات بايد د دې دقت د درجي په نظر کې نيولوسره ترسره شي.

د  $a^n; a^3; a^2; \dots$  په ډول د قاعدې او طاقت ليکنه په (1637) د ريني ديکارت لخوا وضع شويده.

د % علامه په 1685 کې دفرانسوي عالم م. دي لا پورت M. De La Port په کتاب کې cto چې د cento (centum) يعنې په سلو کې لنډيز دی، ليکل شوي وه، خو د تورو ترتيبونکي هغه د کسر په ډول سره وگڼله او همداسې پاته شوه، نو ځکه د % علامه رامنځ ته شوه.

د دې لپاره چې ترکتني لاندې پدیده تشریح کړای شو مهمې نظريې منځ ته راوړل کيږي. دغه نظريې خپل پېښي کړل شوي نتایج د تجربوي معلوماتو سره مقایسه کوي او يوازي تر دې کار وروسته پريکړه کيږي چې هغه ومنل شي او که نه شي.

ديوي ټاکلي پدېدي او ياهم د پدېدو د معيني مجموعې د درک لپاره پوهان کولای شي چې په دې هکله يو «مودل» يا يوشمابه شی وړاندې کړي چې هغه وکولای شي هغه پدیده تشریح کړي.

نوږدې ډول دهغي پډيدې درک اسانه کيږي، هغه تيوري چې د دې ډول مودل پربنسټ يې پرمختگ کړی وي په ډيرو حالاتو کي تر عادي او ساده مودل ډير ځله ژوره او پيچلي وي .

پريکړنده رول اندازه کونه لري ولي هغه نشي کولای مطلقاً دقيقه وي نولدي امله د هر عدد لپاره چې د اندازه کولو لاري په لاس راځي بايد د هغه د اندازه کوني په هکله اشتباه او غلطي هم وښودل شي او هغه د مثبت او يا د منفي علامو په ډول وي او يا د هغه عدد د ليکلوله لاري وي چې يوازي هغه بارزبنته عدد هم وساتل شي .

په پای کي بايد په ډاگه شي چې د عددونو سره د دقت لپاره بايد لاندي مطالب عملي شي :

1. يو عدد په سمه توگه سره لنډ او تقريب کرل شي .
2. د عدد بارزبنته رقمونه معلوم کرل شي .
3. پر عدد باندي علمي ليکنه په سمه توگه عملي شي .
4. د 10 عدد وطاقت ته په ځير ځير وکتل شي او کنترول شي .

## 1.6 - ويکتور Vector

د لاتين څخه *vector* د وړونکي په معنا دی . د رياضي مفهوم له مخي د لومړي ځل لپاره د آيرلیندي فزيک او رياضي پوه هاميلتون (1805\_1865) William Rowan Hamilton په «سمبوليکه هندسه» کي رامنځ ته شو .



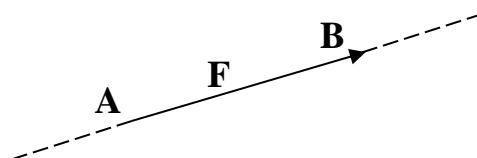
دوه ډوله فزيکي کميتونه شته چې يوله بل څخه ډير توپير لري .

داسي کميتونه لکه تودوخه ، وخت ، کتله ، کثافت ، مساحت ، حجم او نور د يوه واحد په ټاکلو سره په عددونو باندي تشخيصيږي ، که چيري وغواړو په کومه لحظه په کوم ځای کي د هوا تودوخه ځانته معلومه کړو نو کفايت کوي چې هغه په سيلسوس سره اندازه کړو .

دا عدد بنايي مثبت او يامنفي وي خو د تودوخې درجي اندازه مور ته را بښي .

هغه کميتونه چې يوازي د عددي قيمت پواسطه اړانه کيدلای شي ، سکالري کميتونه دي . خود نور کميتونو د اړائي لپاره يوازي د هغوی د قيمتي عدد ښودل بسنه نه کوي ، بلکي د هغوی جهت هم بايد وپيژنو .

يوازي قوه نه بلکي نور کميتونه هم په وکتوري کميتونو پوري اړه لري . لکه سرعت ، تعجيل اونور .

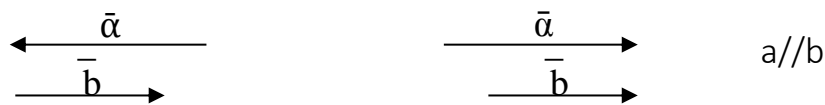


1.1 شکل

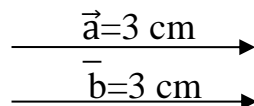
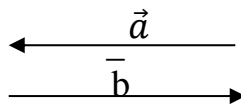
هر وکتوري کمیت په گرافیک ډول سره د یوه مستقیم خط پواسطه بنودل کیږي چې پیل یا مبدأ ، مودول یا عددی قیمت ، او انجام یا پای ولري .

AB دهغه طول په ټاکل شوي مقیاس سره دهغه د عددی قیمت سره برابری او جهت یې د وکتور د جهت سره مطابقت کوي. دغه جهت د  $\rightarrow$  په علامه سره بنودل کیږي .

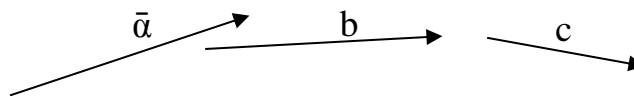
د وکتور عددی قیمت د هغه د مودول په نامه سره یادیږي . مودول یو مثبت سکالري کمیت دی .  
«موازي وکتورونه» «متقابل یا «متضاد وکتورونه» «مساوي وکتورونه» او «مختلف وکتورونه» شته دي .  
هغه دوه وکتورونه چې په یوه سطح کې واقع او کومه گډه نقطه ونه لري موازي وکتورونه بلل کیږي .



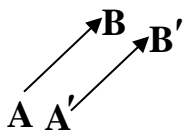
هغه وکتورونه چې اورډوالی یې سره برابر ولي جهت یې مختلف دی د متضادو وکتورونو په نامه سره یادیږي .  
هغه وکتورونه چې اورډوالی او جهت یې سره یوشی او هم سره موازي وي مساوي وکتورونه بلل کیږي.



هغه وکتورونه چې اورډوالی او جهت یې سره یو نه وي ، مختلف وکتورونه بلل کیږي .



منتقله وکتورونه : چې دخپل لومړني حالت څخه مساوي, موازي او هم جهته انتقال شي .



1.2 شکلونه

### د وکتورونو جمع کول *Addition of Vectors*

پروکتورونو باندي د عملیو اجرا کول د سکالري کمیتونو د عملیو د اجرا کولو سره ډیر توپیر لري، نو لدې کبله مور وکتورونه په پنډ خط مثلاً  $F$  سره بنیو. نوموړې قاعده د وکتوري انالیز بنسټ ایښودونکو «اولیویر هې وي ساید Oliver Heaviside» او «اولیر گیبس Josiah Willard Gibbs» وضع کړې ده.

کله ناکله وکتور د تورو پواسطه چې پرسریې وړه کرښه یا د وکتور علامه رسم شوي وي هم بنودل کیږي لکه  $\overline{AB}$ ;  
 $\overline{AB}$  دغه قاعده په 1803 کې د فرانسوي عالم «لازر کرنو مارگریټ Lazare Nicolas Marguerite» «لخوا منځ ته راغلي ده.

لوموړی توری یعنی  $A$  د وکتور مبدأ یا پیل او  $B$  یې د هغه آخریا انجام دی .

د وکتور مودول په همهغه توري خولې څخه باریک بنیو، په همهغه دوو تورو خو د وکتور د علامي څخه پرته مثلاً په  $F$  سره د وکتور مودول او په  $AB$  تورو باندي د  $\overline{AB}$  وکتور بنودای شو.

په سناتیک کې «3» ډوله وکتورونه شته :

1. تری وکتورونه (ورودی وکتورونه) *Fixed Vector*: دوی پیل په فضاء کې د یوې معینې نقطې سره تړاو لري یعنی هغه وکتورونه چې د تأثیر یوه معینه نقطه ولري .

2. بنوئیدونکي وکتورونه *Sliding Vector*: دهغو د پیل په توګه سره کولای شو هره کیفي نقطه چې پریوه مستقیمه کرښه باندې چې د وکتور هم جهته وي (د وکتور د تأثیر کرښه) پرته وي ، وټاکو.

نویډې ډول بنوئیدونکي وکتورونه کولای شو د تأثیر د کرښې په امتداد ولیردو.

3. آزاد وکتورونه *Free Vector*: دوی د پیل په توګه سره کولای شو په فضاء کې هره یوه کیفي نقطه وټاکو ، یعنی هغه وکتورونه چې د تأثیر د یوې معینې کرښې سره اړیکه ونه لري .

باید ووايو چې نه شو کولای قوه د یوه آزاد وکتور په توګه سره مطالعه کړو ، ځکه چې د قوې د ورود یا تأثیر نقطه نه شو کولای په کیفي ډول سره وټاکو.

که چیرې د یوه وکتور قیمت مثلاً  $Q$  په شکل کې د یوه قطعه خط «  $l$  » له لارې رسم کړو نو د هغه مقیاس به داسې وي

$$\mu = \frac{Q}{l}$$

د  $\mu$  سره معمولاً یوه علامه یا توری هم ایږدو چې هغه د څه شي یا کوم کمیت مقیاس دی لکه :

د قوې لپاره

$$F = 200 \text{ N}; \quad l = 10 \text{ mm} \quad ; \quad \mu_f = 20 \text{ N/mm}$$

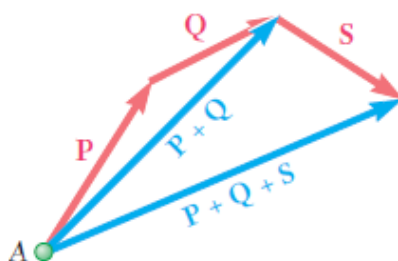
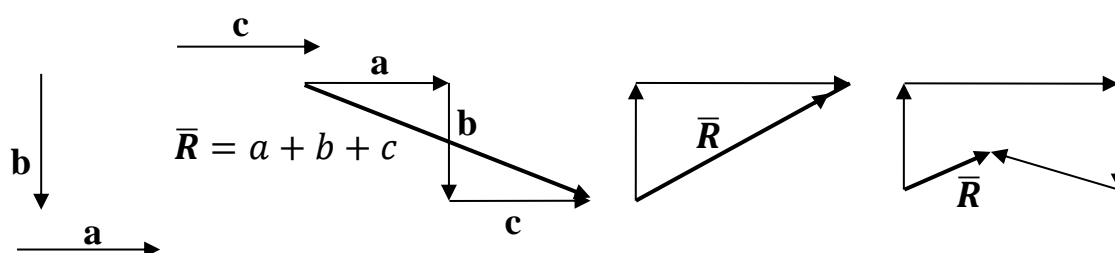
د سرعت لپاره

$$\vartheta = 200 \frac{\text{m}}{\text{s}} \quad ; \quad l = 10 \text{ mm}; \quad \mu_\vartheta = 20 \frac{\text{m}}{\text{s.mm}}$$

د دوو یاڅو وکتورونو عمده وکتور بیا هم یو وکتور دی ، خو د مقدار له پلوه د وکتورونو د جمع د حاصل (محصله قوه) سره برابر نه دی. که یو وکتور د خپل جهت پر خلاف کښینودل شي، نو هغه به د منفي کولو په معنا وي.

### هندسي (مثلثي) طریقه *Triangles law of Forces*

پدې طریقه کې د دوهم وکتور مبداء د لومړي وکتور د انجام څخه ایږدو ، د دریم وکتور مبداء د دوهم وکتور د انجام څخه او همدارول تر اخره پورې و دي کارته دوام ورکړو. د وکتورونو جهت ته تغیر نه ورکړو او تر ټولو وروسته د لومړي وکتور مبداء د وروستي وکتور د آخر سره نښلو او پدې ډول وکتورونه په هندسي ډول سره جمع کيږي.



1.3 شکلونه

## د متوازي الاضلاع طريقه Parallelogram law of Forces

دغه طريقه د هاليندي رياضي، ميخانيک پوه او انجنير ستيوين سيمون (1548-1620) لخوا وضع شوي ده.



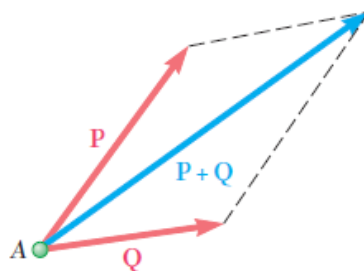
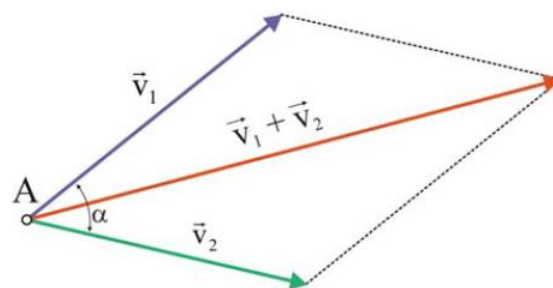
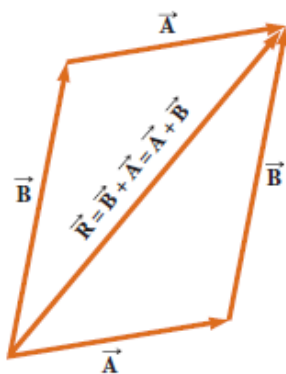
*The Flemish mathematician and engineer Simon Stevinus (1548–1620) was the first to demonstrate resolution of forces, thereby establishing the foundation of modern statics.*

پدې طريقه کې لومړی یوه مبدأ ټاکو او ټول وکتورونه هلته په موازي توګه سره ليردوو ، د یوه وکتور له انجام څخه د دوهم وکتور سره موازي رسموو ترڅو یو متوازي الاضلاع جوړ شي . د دې متوازي الاضلاع قطر په دې دوو وکتورونو د جمع حاصل وي . لومړی ، دوه وکتورونه سره جمع کوو او دهغوی نتیجه د دریم وکتور سره او همدا ډول تر آخره پورې و دې کارته دوام ورکوو. په عام ډول سره د دوو وکتورونو د جمع د حاصل لپاره، کله چې تر منځ ئې د  $\alpha$  زاویه جوړه وي، د ساين او کوساين قضیود دې اړیکې څخه ګټه اخلو:

$$R^2 = a^2 + b^2 + 2 a b \cos \alpha$$

$$R^2 = a^2 + b^2 - 2 a b \cos \alpha$$

$$R^2 = a^2 + b^2$$



1.4 شکل

## 1.7 - قوه او دهغي مفهوم Forces Introduction

د لاتين څخه Fortis - کلک او غښتلی

د قوې مفهوم د روځني ژوند څخه له ورايه معلومېږي . په ژوند کې مور د لومړيو ورځو څخه دا درک کوو چې د يوه ځايه څخه و بل ځای ته د يوه جسم د ليردولو لپاره ، قوې ته ضرورت لرو ، که هغه د جسم پورته کول دي او يايې هم و سرعت ته تغير ورکول دي . دهمدي مطلب په نظر کې نيولو سره مور قوه همداسي بولو چې دا د يوه جسم پر بل جسم باندې د يوه داسې تاثير او عمل اندازه ده چې دهغه په نتيجه کې جسم خپل ميخانيکي حالت ته تغير ورکوي .

زموږ په چاپيريال کې ډول ډول قوې ترسترگو کيږي لکه : د جاذبې قوه ، د برقي شوو او مقناطيسي شوو جسمونو له خوا د جذب او دفع قوه ، د اصطکاک قوه ، د يوه جسم پر بل باندې د فشار قوه او داسې نورې .

دا پوښتنه چې ولې دا يا هغه قوه منځ ته راځي ، د فزيک په مختلفو برخو کې مطالعه کيږي .

په نظري ميخانيک کې يوازي او يوازي د قوې ميخانيکي اثر چې د قواو له خوا د جسم ميخانيکي حالت ته بدلون ورکول کيږي ، مطالعه کيږي .

که چيرې د جسم ميخانيکي حالت د هغه د سرعت په بدلون کې نغښتی وي ، نوموړ لکه څنگه چې ويل کيږي د قوې د ديناميکي ډول تبارز سره سرو کار لرو .

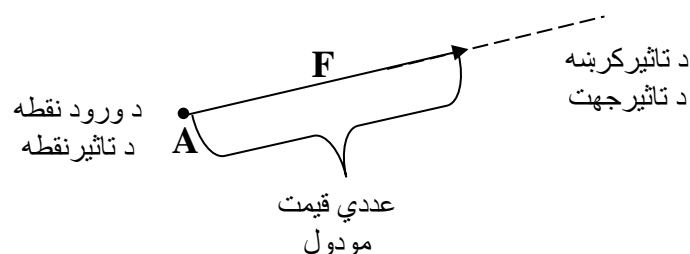
مثلاً د جاذبې قوې تر تاثير لاندې هغه جسم چې عموداً و پورته خواته غورځول شوی دی ، کرار کرار خپل سرعت لږوي ولې پر عکس هغه جسم چې سقوط کوي او لويږي ، خپل سرعت وار په وار زياتوي .

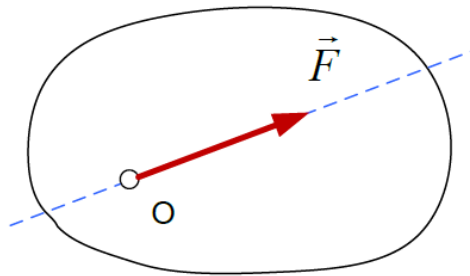
که چيرې جسم تر يوې زاويې لاندې وافق ته وغورځول شي نو د همدې قوې په اثر د جسم سرعت هم د کميت او هم د جهت له مخې بدلون پيدا کوي (جسم په تشه کې د پارابول سره سم حرکت کوي) .

که چيرې د جسم د ميخانيکي حالت بدلون د سرعت په ډول نه بلکې د شکل د بدلون په ډول څرگند شي نوموړ وايو چې دا د قوې ستاتيکي تبارز دی .

مثلاً د جاذبې قوه پر افقي ميز باندې د پراته جسم حرکت نه بدلوي. پدې صورت کې جسم د ميز سره هم متقابلاً عمل کوي او د جسم د جاذبې قوه چې دی وکښته خواته را کشوي ، د ميز د مقاومت د قوې په اثر متعادلې کيږي .

پر جسم باندې د قوې عمل د لاندې «3» عناصرو څخه عبارت دی :





شکل 1.5

1. د ورود نقطه

2. د قوی د اغیز جهت

3. د قوی عددی قیمت (مودول)

**د قوی د ورود نقطه Point of Application:** د جسم هغه مادي جزدی چې پر هغه باندي قوه نیغ په نیغه تاثیر کوي .

باید وویل شي چې د قوی د ورود نقطی مفهوم شرطی دی ، ځکه چې د قوی ورود پریوی داسی هندسی نقطی باندي (چې اندازه ونه لري ) عملاً ناشونی او ناممکن کار دی . هغه قوی چې په میخانیک کې مطالعه کیږي ، هغوی د داسی قواو په ډول ترکیبی لاندی نیول کیږي چې د جسم پریوی نقطی تمرکز لري او عملاً د قواو د یوی داسی مجموعی محصله ده چې د جسم د دی سطح پرتولو نقطو او یا حجم باندي عمل کوي .

مثلاً د جسم د جاذبی قوه – داسی تصور کیږي لکه د جسم د ټولو اجزاو د جاذبی محصله قوه .

**د قوی جهت Direction:** دهغه مستقیم الخط حرکت جهت دی چې دی قوی به وځپل ورودي نقطی ته ورکړی وای ، که چیرې د جسم دا جز آزاد وای او تر دی دمه پورې د سکون په حالت کې وای .

مثلاً د جسم د جاذبی قوه عموداً کینته خواته متوجه ده ، نو ګواکې په همدی خاطر ، جسمونه چې پر هغوی باندي نورې قوی تاثیر هم نه کوي او تر دی دمه د سکون په حالت کې هم ول پر همدی جهت یعنی کینته خواته لویږي .

**د قوی د تاثیر کرښه The line of Action:** هغه مستقیم خط چې قوه پر هغه باندي متوجه ده د قوی د تاثیر د کرښې په نامه سره یادېږي .

قوه په نیویال سیستم «SI» کې په N نیوتن سره اندازه کیږي:

$$1 N = 1 m kg s^{-2} = 1 m \cdot kg \cdot s^{-2} = 1 m \frac{kg}{s^2} = 1 m kg/s^2$$

$$1 N = (1 \text{ kilogram})(1 \text{ meter per second squared})$$

هغه قوی چې پر جسم باندي عمل کوي ، خارجي یا داخلي قوی دي .

**خارجي قوی External Force:** فعالی یا د عکس العمل قوی دي .

**فعال قوی Active Force:** هغه دي چې د جسم د خای د بدلون په صورت کې منخ ته راځي . د عکس العمل قوی هغه کوي چې د جسم د دی خای بدلون مخه ونیسي .

**داخلي قوی Internal Force:** پر جسم باندي د خارجي قواو د تاثیر په نتیجه کې منخ ته راځي . دهغو قواو مجموعه چې پریوه جسم باندي تاثیر کوي د قواو د سیستم په نامه سره یادېږي .

د قواو معادل سیستم **Equivalence system** : «اکویوالینت»  $\alpha$  ~ یا  $\equiv$  «هغه سیستم دی چې د راکړل شوي سیستم په ډول پر جسم باندې عمل کوي او د جسم و حالت ته په تغیر نه ورکولو سره ، کولای شو دغه سیستم په هغه بل باندې بدل کړو.

د ~ یا  $\alpha$  علامه په XVIII پېړۍ کې لیبنيخ Gottfried Wilhelm Leibniz وړاندې کړې ده.

د  $\equiv$  مودول مقایسوي علامه په 1801 کې د «کارل گاوس *Carl Friedrich Gauß*» «لخوا وضع شوه.

**معادل سیستم (چې د صفر سره برابروي)** هغه سیستم دی چې پر جسم باندې وارد شي ، ولې دهغه و حالت ته تغیر نه ورکوي .

د قواو هغه سیستم چې پر جسم باندې عمل کوي ، کولای شو هغه په یوې قوې (محصله قوې) باندې تعویض کړو.

**د قوې عددي قیمت (مودول) Magnitude** : د یوې بلي قوې سره چې د مقیاس یا واحد په توګه منل شوي ده ، د هغې سره د مقایسې په نتیجه کې پلاس راځي .

هغه آلات چې د قوې د سناتیکي مقایسې او اندازه کولو لپاره کارول کېږي د «دینامومتر» (قوه سنج) په نامه سره یادېږي. د دینامومتر یوه ساده بیلګه فنري ترازو دی ، د دې دینامومتر د کار بنسټ داسې دی چې تریوي معینې اندازې پورې د فنرد شکل بدلون (کشش) د عاملې قوې سره مستقیماً متناسب دی او کله چې د قوې تأثیر له منځه ولاړ شي ، نو دا د شکل بدلون هم له منځه ځي.

## دوهم فصل

## د سناتيک بنسټيز مفاهيم او اصول

## Fundamental Concepts and principles of Statics

## 2.1- د سناتيک اکسيومونه Statics Axioms

لوئيس پوانسو فرانسوي رياضي او ميخانيک پوه

3.01.1777-5.12.1895



سناتيک د يوناني ژبي څخه لغتاً  $\sigma\tau\alpha\tau\omicron\varsigma$  statos د ساکن او غير متحرک په معنا دی .

اصطلاحاً سناتيک د نظري ميخانيک هغه برخه ده چې د قواو عمومي خواص او د وارده قواو ثر تأثير لاندې د جامدو جسمونو د تعادل شرايط مطالعه کوي .

په سناتيک کې د جامد جسم تعادل هغه حالت دی چې جسم نظرو هغه کار دیناتي سيستم ته چې د غير متحرک سيستم په توگه منل شوی دی ، ساکن وي . دغسي يوسيستم په سناتيک کې کيدای شي هغه کار دیناتي سيستم وي چې د مځکې سره نژدې اړيکه ولري .

د سناتيک په بنسټونو کې د کلاسيک ميخانيک د لومړي او دريم قانون څخه پرته څونورې قاعدې چې په پيريو پيريو عملي کارونو سره تائيد شوي دي او د سناتيک د اکسيومونو په نامه سره يادېږي ، هم ځای لري . د سناتيک پير اکسيومونه مشهور فرانسوي عالم « پوانسو » وضع کړي دي .

اکسيوم عبارت دهغي منل شوې قضیې څخه دی چې له ثبوت څخه پرته د منلو وړ وي .

پر هغه باندې په اتکاسره د سناتيک نورې قاعدې په منطقي ډول سره جوړېږي .

د سريزي په ډول لاندې تعريفونه ترکنتي لاندې نيسو:

1. د هغو قواو مجموعه چې په ترمطالعي لاندې جسم باندې تأثير کوي ، د قواو د سيستم په نامه سره يادېږي . هغه قوې چې د دې سيستم په ترکيب کې شاملې وي ، د دې سيستم د مرکباتو يا اجزاو په نامه سره يادېږي .

د قواو سيستم کيدلای شي متلاقي- متقاطع ، موازي او ياهم کيفي وي .

2. که چيري د قواو سيستم داسي وي چې د هغه تر تاثير لاندې آزاد جسم خپل حرکت ته بدلون نه ورکوي او يا همداسي د سکون په حالت کې پاته کيږي ، نو داسي يو سيستم د متعادل سيستم په نامه سره يادېږي . د دې ډول سيستم د قواو په هکله وايي چې هغوی په تعادل کې واقع دي . د آزاد جسم څخه موخه هغه جسم دی چې په نورو جسمونو پورې نه وي تړلی ، يعنې داسي جسم چې کولای شو هغه ته په فضاء کې هر ډول د ځای بدلون ورکړو .

3. هغه قوه چې گواکې په يوه سيستم پورې چې پر جسم باندې عمل کوي اړه ولري (وصل شوي وي) او دا سيستم د تعادل و حالت ته را ولي نو دغه قوه د سيستم د متعادلې قوې په نامه سره يادېږي .

د دې ځايه څخه معلومېږي چې په متعادل سيستم کې هر هره يوه قوه د نورو په نسبت متعادله قوه بلل کېدای شي .

4. د قواو دوه سيستمونه معادل او اکويولوننت (برابرو مساوي) بلل کيږي ، که چيري هغوی دواړه پريوه جامد جسم باندې يوډول ميخانيکي عمل وپنډي .

5. يوه قوه چې د يوه قوه ايز سيستم معادله وي د محصله قوې په نامه سره يادېږي .

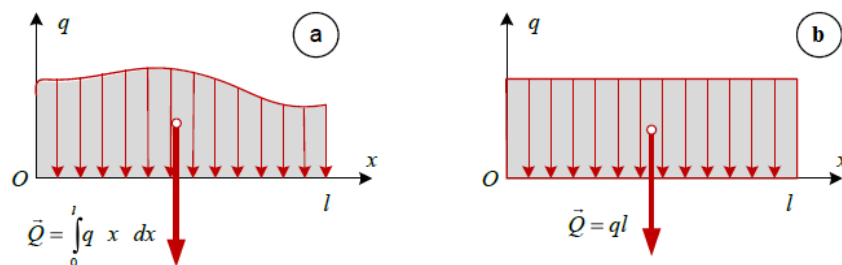
6. هغه قوه چې پر جسم باندې د يوه بل جسم له لارې عمل کوي، د خارجي قوې په نامه سره يادېږي . هغه قوې چې د جسم د اجزاو تر منځ متقابل عمل تر سره کوي ، د داخلي قواو په نامه سره يادېږي .

متمرکزه قوه : په يوې نقطې کې اغيزه کوي .

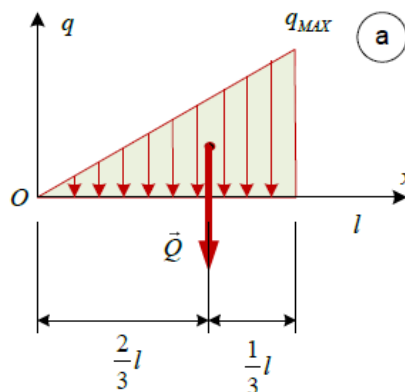
منتشره يا وپيشل شوې قوه : هغه قوه ده چې پر جسم باندې په وپيشل شوي توگه باندې اغيزه وکړي او په  $q$  يا  $w$  سره بنودل کيږي  $kg/m$  ،  $ton/m$  ،  $N/cm$  ،  $kN/mm$

د وپيشل شوي قوې يو څو شيماکاني په لاندې ډول سره دي:

- د کرني په اوږدو وپيشل شوې قوه: نا منظمه وپيشل شوې، منظمه وپيشل شوې

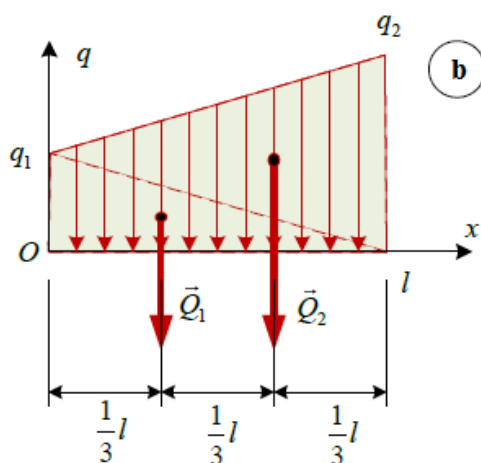


- قوه چې د 0 څخه تر  $q_{max}$  پورې بدلون کوي.

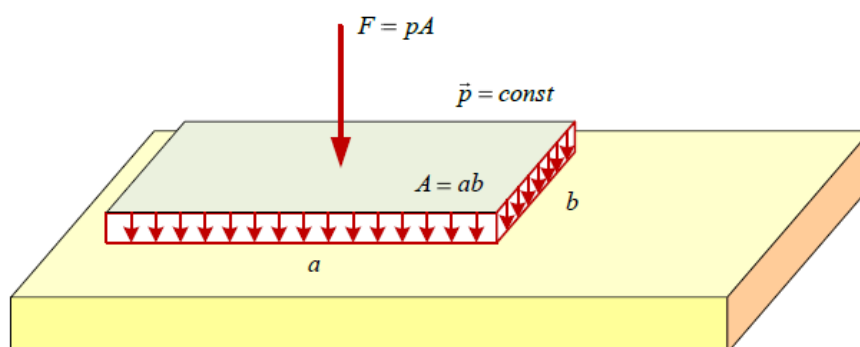


ليکوال: محمود هلمند

-قوه چې د  $q_1$  څخه تر  $q_2$  پورې بدلون کوي



- قوه چې پر سطح باندې ويشل شوې وي



## 2.1-شکلونه

ستاتيکي قوه: پر ساختمان باندې کرار کرار اغیزه کوي او د لرزې او اهتزاز د منځ ته راتلو سبب نه کيږي.

ډيناميکي قوه: پر جسم باندې چټکه اغیزه کوي او په هغه کې لرزه او اهتزاز منځ ته راوړي.

دايمي قوې: هغه قوې دي چې اغیزه يې پر جسم باندې د تل لپاره وي ، مثلاً د ساختمان د عناصرو وزن.

لنډمهالي يا موقتي قوې: هغه دي چې اغیزه يې پر ساختمان باندې په يوه ځانگړې شيبه کې وي او وروسته له منځه ولاړه شي، مثلاً پر ساختمان باندې د واورې د طبقي فشار ، د باد د قوې فشار، په ساختمان کې دننه د خلکو او وسايلو شتون چې موقتي بڼه ولري اونور.

د ستاتيک اکسيومونه :

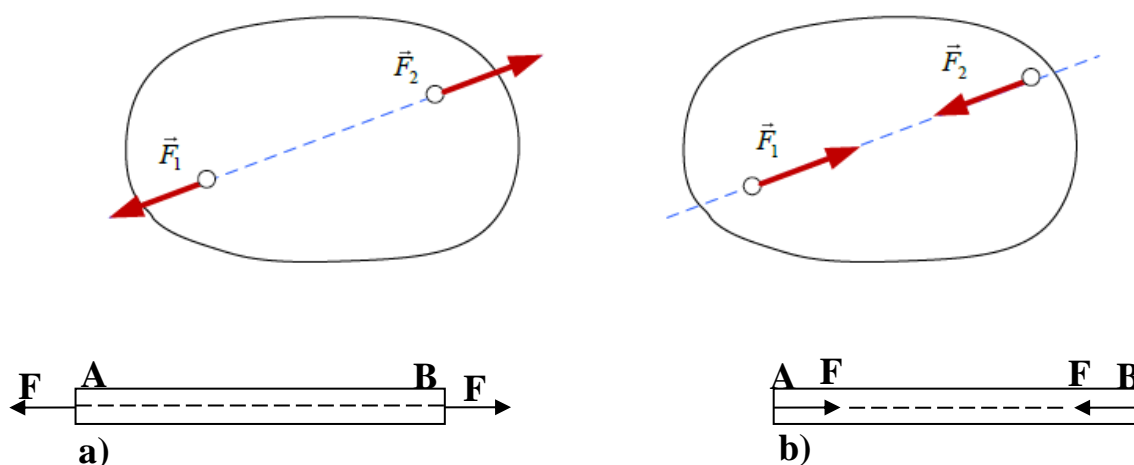
په سناتیک کې ټولې مسئلې د یوشمیر منل شوو اصولو پر بنسټ له الجبري ثبوت څخه پرته، حل کېږي.

دغو اصولو ته د سناتیک اکسیومونه ویل کېږي. یاپه بل عبارت:

اکسیومونه هغه بې ثبوت قضیې دي چې د تجربو او مطالعو په ترڅ کې د قواو او د هغوی د تعادل په هکله منل شوي دي. مور په سناتیک کې لاندې اکسیومونه مطالعه کړو:

### لومړی اکسیوم: د دوو قواو په هکله اکسیوم

د دوو قواو تر تاثیر لاندې مطلق جامد جسم یوازې هغه وخت د تعادل په حالت کې واقع کېږي چې دا قوې د مودول له نظره مساوي او د یوې مستقیمې کرښې په امتداد مخالف جهت وي. باید وویل شي چې دغه اکسیوم لکه د سناتیک ټولې قاعدې یوازې د مطلق جامد جسم په هکله بې له قید او شرط څخه د منلو وړ دی.



شکل 2.2

د واقعي شکل بدلونکو جسمونو لپاره، د دې اکسیوم استعمال باید داسې وي چې د هغو قواو ځانګړتیاوې چې پر جسم باندې واردې شوي دي، هرو مرو په نظر کې ونیول شي. دغه اکسیوم یوازې په سناتیک کې د کارولو وړ دی.

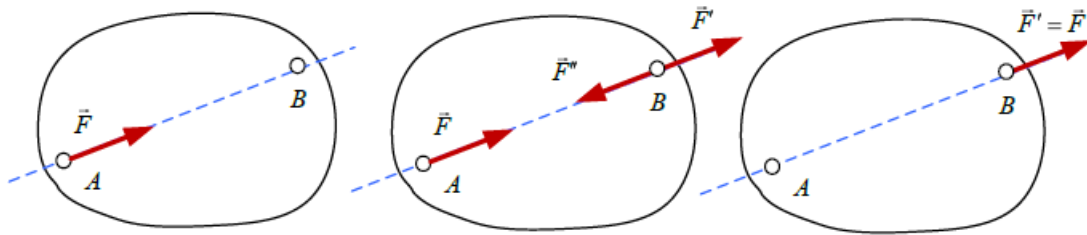
مثلاً که چېرې مور د یوې قوې  $F_1$  او  $F_2$  چې په قیمت سره مساوي او مخالف جهت وي، پر یوه نري تار (میله) واردې کړو، نو دا تار به یوازې د  $a$  په حالت کې په تعادل کې وي (کله چې تار کشیږي)، خو د  $b$  شکل په صورت کې به تار ګنډی شي او د تعادل په حالت کې به ونه اوسي.

### دوهم اکسیوم: The Principle of Transmissibility

پر مطلق جامد جسم باندې د وارده قواو د سیستم د تاثیر په نه نقضولو سره کولای شو چې و دې سیستم ته هره متعادلې قوه ور زیاته او یا یې ورڅخه لیرې کړو.

په بله ژبه که چېرې یوه متعادلې قوه د قواو و هغه سیستم ته چې پر مطلق جامد جسم باندې عمل کوي ور زیاته کړو، نو یو داسې سیستم به پلاس را وړو چې د پخواني سیستم سره به یوشی وي. او پر عکس که چېرې پدې سیستم کې څو قوې چې یوازې په مستقلانه ډول یو متعادل ګروپ رامنځ ته کوي، شتون ولري، نو کولای شو د داسې قواو ګروپ هم د جسم څخه لیرې کړو. هغه سیستم چې پاته کېږي د پخواني سیستم سره به مساوي وي.

## لومړی نتیجه :



شکل 2.3

هره هغه قوه چې د مطلق جامد جسم پریوې نقطې باندې وارده شوې ده کولای شو چې د هغې و تأثیر ته په نه تغیر ورکولو سره د دې قوې د تأثیر د مستقیمی کرښې په امتداد و یوې بلې نقطې ته یې ولیردوو.

**ثبوت :** پرجسم باندې د  $F$  قوه تأثیر کوي او د  $A$  پر نقطې باندې وارده شوې ده . د دې قوې د تأثیر د کرښې په امتداد یوه کيفي نقطه  $B$  ټاکو او پر هغې باندې دوي قوې یعنې  $F'$  او  $F$  واردوو. دا قوې په مودول یوه له بلې سره مساوي او پرمستقیمی کرښې باندې مخالف الجهته پرجسم باندې تأثیر کوي:

$$\vec{F} = \vec{F}'$$

د مساوات علامه = د رابرت ریکارد Robert Recorde لخوا په 1557 کې وړاندې شوې ده.

د سناتیک د لومړي اکسیوم سره سم دغه قوې یوه بله متعادلوي ، نو د دوهم اکسیوم پر بنسټ دهغوی په وارد ولوسره د مطلق جسم په حالت کې کوم تغیر رامنځ ته نه شو.

یوازې د  $F'$  قوه پاتیري چې د  $F$  د قوې سره مساوي ده او د هغې د تأثیر د کرښې په امتداد پرته ده . لکه څنګه چې د  $F'$  قوې د ورود نقطه  $B$  موپه کيفي ډول سره د کرښې په امتداد وټاکله، نو نتیجه هم ثابته شوه . د قوې دغه خاصیت د فرانسوي عالم **وارینون** لخوا وضع شوی دی.

مور وینو چې دهر مطلق جامد جسم لپاره د قوې د ورود نقطه نوره د قوې مهمه برخه نه ګڼله کیږي، بلکې هغه د قوې د عمل د کرښې پواسطه عوض کیږي . او په پای کې ویلای شو قوه چې پرمطلق جامد جسم باندې وارده شوې وي د ښویدونکي وکتور حیثیت لري .

البته کولای شو د قوې د ورود لپاره یوه نقطه وټاکو ، خو کولای شو لکه پورته چې ولیدل شول هغه په یوه بله نقطه چې د قوې د تأثیر د کرښې په امتداد کې پرته وي عوض کړو.

باید یادونه وشي چې د متعادلو قواو ورود او یا د هغوی لیرې کول او همدارنګه د تأثیر د کرښې په امتداد د قوې لیردونه کولای شي د جسم په دننه کې د قواو د تقسیم او ویش بڼه بدله کړي .

مثلاً که چیرې د هغو قواو ورودې نقطې چې په شکل کې پرنری میلی واردیږي ، د  $a$  د حالت څخه د  $b$  د حالت ته تغیر وځوري ، نو دا ډول تغیر کولای شو چې د  $F_1$  او  $F_2$  قواو د تأثیر د کرښو په امتداد د میلی و دوو متقابلو څوکو ته پلاس را وړو.

معلومه خبره ده چې دا ډول لیردونه که چیرې میله د شکل بدلون وکړي ، د میلی دننه به د هغې جوړښت ته خورا ډیر تغیر ورکړي ځکه چې په  $a$  حالت کې میله کشیږي او د  $b$  په حالت کې هغه کښیکښل کیږي .

نو د عملي کارو د سرته رسولو لپاره د دې قاعدې څخه یوازې هله ګټه اخیستل کیږي چې پرجسم باندې یوازې د خارجي قواو تأثیر مطالعه کیږي . یعنې یوازې د جسم د تعادل ضروري حالت معلومیږي .

پدغو شرایطو کې مور دا منو چې جسم مطلق جامد دی او د داخلي قواو څخه کولای شو بیخي تیر شو. ولی په حقیقت کې د عمل او عکس العمل مساوات د قانون پر بنسټ د جسم هرې دوي کيفي ذرې یوه پر بلې باندې په هغې قوې سره عمل

کوي چې مودول يې مساوي اود تاثيرد کرښې په امتداد يې جهت مخالف وي . نو داسې معلومېږي چې دا قوې تل په مجموع کې يو متعادل سيستم رامنځ ته کوي او د مطلق جامد جسم په صورت کې کولای شو هغه ايسته او ليرې کړو .

لکه څنگه چې په سناتيک کې يوازې د مطلق جامد جسم تعادل مطالعه کېږي ، نوپه راتلونکې کې به د هغې قوې څخه چې پر جسم باندې تاثير کوي د تل لپاره د خارجي قواو څخه موموخه او منظور وي . (که چېرې پدې هکله کومه ځانگړې يادونه نه وي شوې ) .

### دوهمه نتيجه :

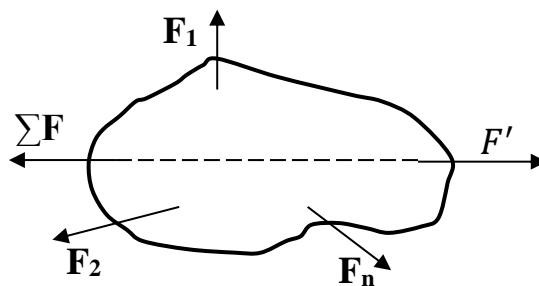
محصله قوه او متعاده قوه نظر په مودول سره مساوي او د يوې کرښې په امتداد يوه د بلې مخالف الجهته پرته دي .

### ثبوت :

داسې يې بولو چې  $\sum F$  د  $F_1, F_2, \dots, F_n$  قواو محصله قوه ده او د تاثير پرکښه باندې يې د  $F'$  داسې قوه وار دو چې د محصله قوې سره په مودول مساوي ولې جهت يې د همدې کرښې په امتداد ، مخالف دی .  $\sum F$  او  $F'$  د هغو قواو په ډول چې مودول يې سره برابر ولې جهت يې د کرښې په امتداد سره مخالف دی ، يوه بله سره متعاده کوي .

د جسم و حالت ته په تغير نه ورکولو سره کولای شو چې محصله قوه يعنې  $\sum F$  د هغې په مرکباتو سره عوض کړو يعنې په  $F_1, F_2, \dots, F_n$  سره .

د  $\sum$  علامه په 1769 کې د ليونارد ايلر لخوا وضع شوه .



شکل 2.4

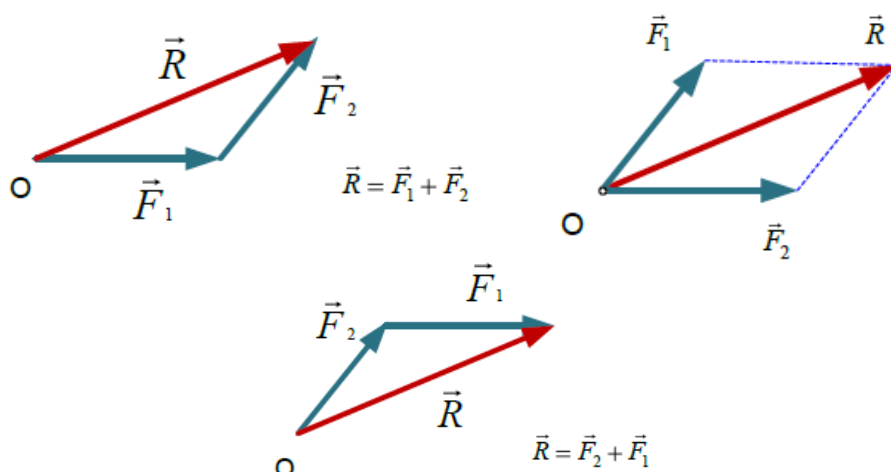
د شرايطو سره سم د  $F'$  قوه د  $\sum F$  قوې سره نظر په مودول مساوي او هغه په تعادل کې ساتي نو  $F'$  به د  $F_1, F_2, \dots, F_n$  قواو د سيستم لپاره متعاده کونکې قوه وي . نو د دې نتيجه څخه داسې معلومېږي : که چېرې د يوه قوه ايز سيستم لپاره د محصله قوې  $\sum F$  سره معادله قوه  $F'$  شتون ولري، نو دا سيستم کيدای شي په همدې معادلې قوې  $F'$  سره متعادل شي .

### دريم اکسيوم: د متوازي الاضلاع اکسيوم The principle of Parallelogram law

د دوو قواو محصله قوه چې د جسم پر يوې نقطې باندې وارده شوي وي په همدې نقطې کې د هغه متوازي الاضلاع د قطر په شکل سره بنودل کېږي چې پر همدغو قواو لکه پر دوو ضلعو باندې چې جوړ شوي وي . (استثنا به هغه حالت وي و کله چې  $\vec{R} = 0$  وي).

هغه متوازي الاضلاع چې پر دغو قواو باندې رسم شوي وي ، د قواو د متوازي الاضلاع په نامه سره يادېږي او هغه طريقه چې دهغې له مخې محصله قوه پيدا کېږي ، د متوازي الاضلاع د طريقې په نامه سره يادېږي .

د متوازي الاضلاع په طريقې سره د قواو جمع کول لکه د نورو وکتوري کميتونو د جمع حاصل د هندسي (وکتوري) جمع ده، رياضيکې ثبوت نه لري او لکه اکسيوم منل شوی دی .

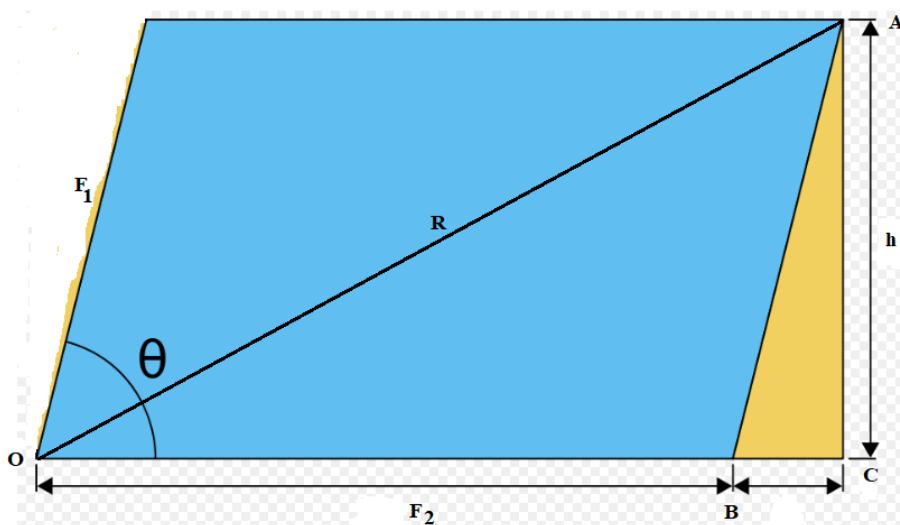


شکل 2.5

هندسي يا وکتوري جمع:

$$\vec{R} = \vec{F}_1 + \vec{F}_2 ; \sum \vec{F} = \vec{F}_1 + \vec{F}_2$$

د وکتورسکالري قيمت:



$$OA = R; OB = F_2; AB = F_1$$

$$R^2 = (F_2 + BC)^2 + AC^2 = F_2^2 + 2F_2BC + BC^2 + AC^2 \dots (1)$$

له ABC مثلث څخه لرو:

$$F_1^2 = BC^2 + AC^2$$

دغه قيمت په (1) معادله کې وضع کوو، لرو چې:

$$R^2 = F_2^2 + 2F_2BC + F_1^2 \dots (2)$$

له ABC مثلث څخه لیکو:

$$\cos\theta = \frac{BC}{F_1} \Rightarrow BC = F_1 \cos\theta$$

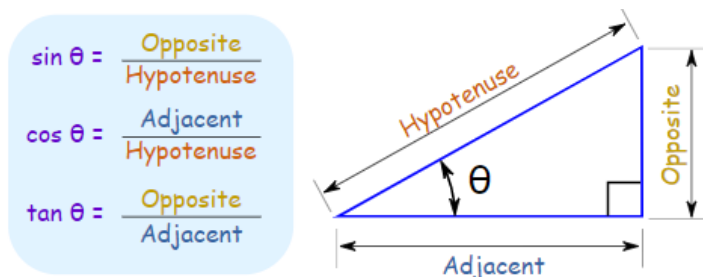
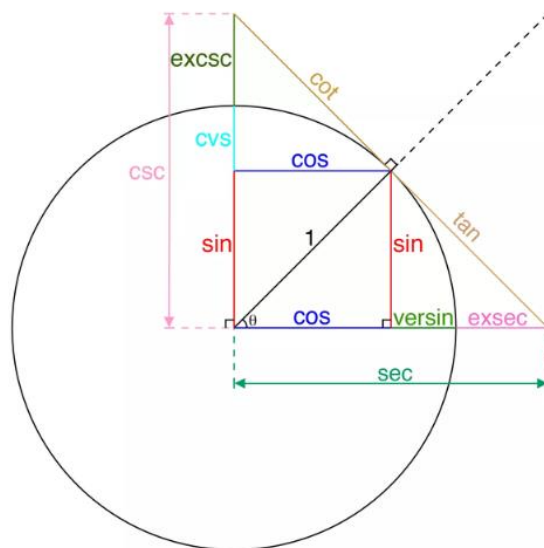
که دغه قيمت په (2) معادله کې وضع کړو، لرو ، چې:

$$R^2 = F_2^2 + 2 F_1 F_2 \cos\theta + F_1^2$$

دغه فورمول معمولاً داشي ليکل کيږي:

$$R^2 = F_1^2 + 2 F_1 F_2 \cos\theta + F_2^2 \Rightarrow R = \sqrt{F_1^2 + 2 F_1 F_2 \cos\theta + F_2^2}$$

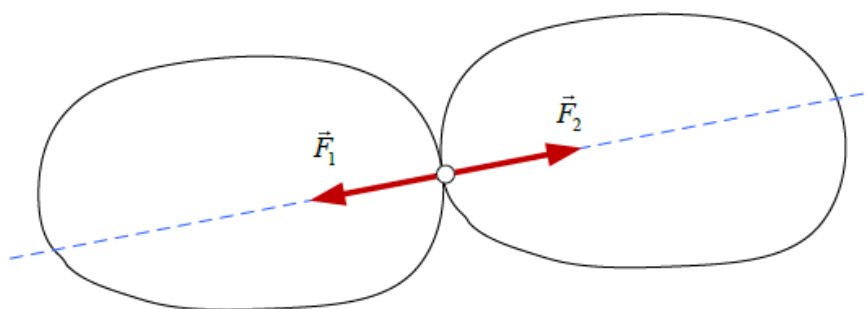
که چیري دوي قوي د جسم پرمختلنو نقطو باندي واردي شي ، خو د دوي د تأثیرکریني سره قطع کړي ، نو د لومړي اکسیوم پربنسټ مور کولای شو دواړي قوي د دوي د تأثیرد کرینو د تقاطع و نقطې ته داسي را ولیږدوو چي سره یوځای یي کړو او وروسته د متوازي الاضلاع په طریقه هغوی سره جمع کړو .  
که چیري د دوو قواو د تأثیرکریني د جسم څخه د باندي کوم چیري سره قطع کړي نولومړی دواړي قوي د هغو د تأثیرد کرینو د تقاطع و نقطې ته را انتقالوو او وروسته یي محصله پیدا کوو او بیا دا محصله د جسم و یوي نقطې ته (د دې دوو نقطوڅخه ) لیږدوو.



ډیره مهمه یادونه:

د قواو هندسي مجموعه ( عمده وکتور  $\vec{R} = \vec{F}_{prin}$  ) او محصله قوه ( $\sum \vec{F}$ ) دوه جلا جلا مفهومونه دي. د تعريف سره سم محصله قوه هغه ده چي د دې يا هغه قوه ايز سیستم معادله يا ايکوي والینت وي. عمده وکتور یوازي د ټولو را کرل شوو قواو وکتوري ( هندسي ) جمع ده او په کومي نقطې پورې تړلی نه دی. د متلاقي قواو په هکله محصله قوه او عمده وکتور سره یو دي.

څلورم اکسیوم : د دوو جسمونو د عمل او عکس العمل مساوات The Principle of Action and Reaction



شکل 2.6

$$\vec{F}_1 = -\vec{F}_2; \vec{F}_1 + \vec{F}_2 = 0; F_1 = F_2$$

د هر عمل لپاره دهغه مساوي ولي مخالف الجهته عکس العمل شته دی .

دغه اکسيوم دا تاييدوي چې د دوو جسمونو يو پر بل باندې د تاثير قوه په مودول سره مساوي او پريوي مستقيمي کرښې باندې مخالف الجهته ده . نوېډې ډول په طبيعت کې يواړخيزه تاثير کوونکې قوه نشته .

د  $F_1$  او  $F_2$  قوې يو متعادل سيستم جوړوي، خو په ياد لرو چې پردوو جلا جلا جسمونو باندې عمل کوي.

### پنځم اکسيوم: د جامدوالي اصل Principle of solidification

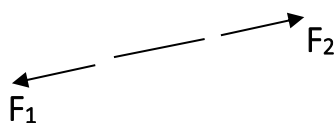
که چيرې غير جامد جسم په تعادل کې قرار ولري نو دا تعادل په هغه حالت کې هم نه ويجاړيږي کله چې دا جسم په مطلق جامد جسم باندې واوري .

دا ښکاره خبره ده ځکه کله چې غير جامد جسم چې په تعادل کې واقع وي ، په مطلق جامد جسم بدليري نو تر لومړي حالت زيات د جسم د حرکت امکان محدوديږي ، نور هم د جسم تعادل ځواکمن کيږي او هغه نه خرابيږي .

د جامدیت اصل د دې امکان پلاس را کوي چې د غير جامد جسم او هر شکل بدلونکې ساختمان لپاره هغه د تعادل شرايط چې سناتيک د مطلق جامد جسم لپاره وضع کړي دي ، هم دلته په کار واچوو .

دا شرايط د غير جامدو جسمونو لپاره د تعادل لپاره اړين دي ولي تل کافي نه وي . لکه چې پورته مو وليدل د نري تارد تعادل لپاره يوازي د مساوي او مخالف الجهته قواو ورود دهغه پرانجامونو باندې بسنه نه کوي، بلکې دا قوې بايد تارکش کړي نه داچې هغه کښيکاري .

که جسم د قوې تر تاثير لاندې شکل واړوي خو په تعادل کې وي نو د هغه د شکل بدلون په محاسبه کې نه نيسو او هغه مطلق جامد بولو مثلاً که يوه رسۍ يا کيبل د  $F_1$  او  $F_2$  قواو تراغيزي لاندې په تعادل کې وي نو معلومه خبره ده چې د وخت په تيريدلو سره کرار کرار کشيږي او دهغې اوږدوالی يو لږ څه بدلون کوي . د دې هندسي شکل بدلون تاثير  $\Delta l$  په نظر کې نه نيسو .



$$\vec{F}_1 - \vec{F}_2 = 0 \Rightarrow F_1 = F_2$$

نو د  $F_1 = F_2$  اړيکه د  $\Delta l$  له امله تغير نه خوري .

نويدي ډول سره د هغه شکل بدلون په نظر کې نيول چې په حقيقي جسم کې د وارډو شوو قواو د اغيز له امله منځ ته راځي ، يوازې هغه نتايج چې د مطلق جامد جسم په ميخانيک کې پلاس راغلي دي ، تکميلوي او هغه له منځه نه وړي .

**شپږم اکسيوم : د انرشيا اکسيوم**

مطلق جامد جسم د متقابلاً متعادلو قواو تر تاثير لاندې ياخپل د سکون حالت ساتي او ياخپل منظم مستقيم الخط حرکت ته دوام ورکوي .

د انرشيا اکسيوم د گاليلې له خوا وضع کړل شوی د انرشيا قانون را په گوته کوي .

## 2.2- اړيکي او د هغوی د عکس العمل قوي Reaction at supports and connections

د سناتيک ټول قوانين او قضيي د آزاد او جامد جسم په هکله تحقق لري .

جسمونه پرآزادو او تړل شوو (غيرآزاد) باندې ويشل کيږي .

**آزاد جسمونه :** هغه جسمونه دي چې د ځای بدلون يې محدود نه دی .

**تړلي جسمونه :** هغه جسمونه دي چې د ځای بدلون يې د نورو جسمونو پواسطه محدود شوی وي .

هغه جسم چې د نورو جسمونو د ځای بدلون محدودوي د اړيکي يا ارتباط په نامه سره يادېږي .

هغه قوي چې د ارتباط له خوا عمل کوي او د جسم د ځای بدلون مخه نيسي د ارتباط د عکس العمل د قواو په نامه سره يادېږي . په همدغه مفهوم سره د اړيکي عکس العمل ، فرانسوي عالم پوانسو وړاندې کړی دی .

د ارتباط د عکس العمل قوي هميشه د هغې خوا څخه راځي پرکومي چې د ځای بدلون امکان نلري .

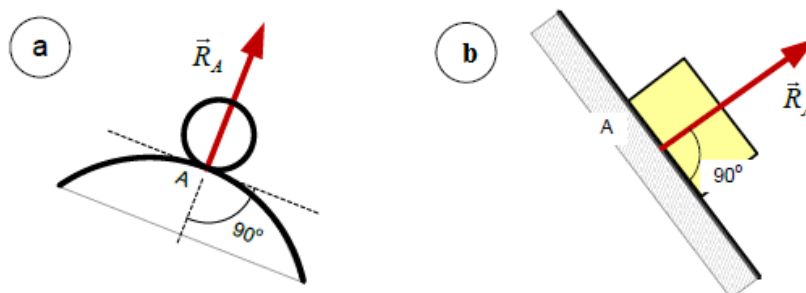
هر تړلی جسم کولای شو د يوه آزاد جسم په توگه سره ومانو ، که چيرې دهغه ارتباط وشلوو او تاثير يې د عکس العمل په قواو باندې تعويض کړو . (د ارتباط څخه د آزادۍ اصل) .

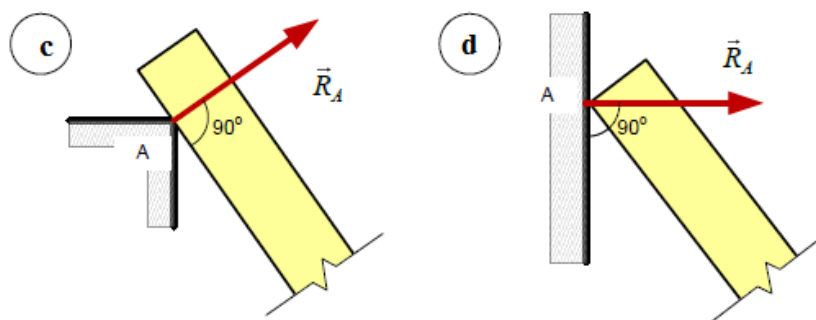
ټولې اړيکي کولای شو پرڅوډوله وويشو: د جسمونو تماس ، جاذبه ، رسي يا پړی ، کيبل ، متحرک مفصل ، ساکن مفصل ، پرس ، پرچي ، ويلډينگ ، يورپخته ياکلکه اتکاء .

د ساختمان اړيکه د مځکې سره د اتکاء په نامه سره يادېږي لکه : متحرک مفصل ، غير متحرک مفصل ، کلکه يا يو ريخته اتکاء .

### a. اواره اړيکه (له اصطکاک څخه پرته) Frictionless surface

د اتکاء د عکس العمل قوه تل د اتکاء پرنقطې باندې په عمودي ډول سره وارده ده .

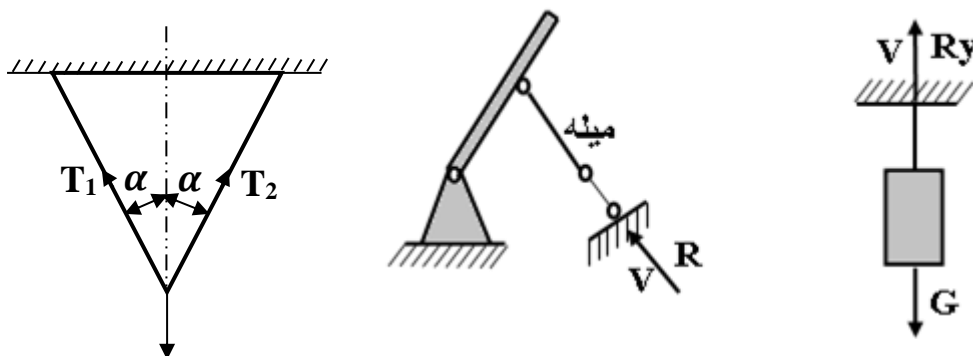




شکل 2.7

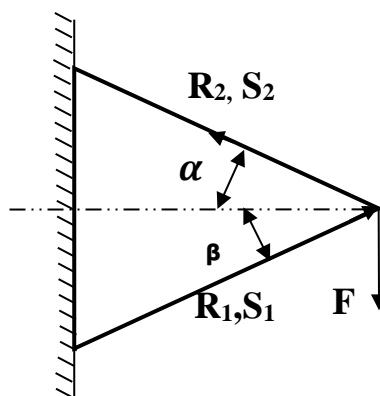
**b. نرم ارتباط String**

د تارکشش (تار، پری یا وایسکی، مخصوصی د مزرو رسی، زنجیر). جسم په دوو تارو سره خړول شوی دی، د تار د عکس العمل قوه د جسم څخه د تار په امتداد متوجه ده او تار باید یوازې او یوازې کش شي.



شکل 2.8

**c. مستحکمه میله** په شکلونو کې میله په پنډو کرښو سره بنودل کیږي. میله کولای شي چې کش شي او یا هم کینیټیکل شي. د میلې د عکس العمل قوه د میلې په امتداد متوجه ده. د عکس العمل د قوې دقیق جهت پدې ډول پیدا کیږي چې په خیالي ډول سره میله ایسته کوي او متقابلاً د جسم د ځای بدلون د میلې څخه پرته مطالعه کوي.



شکل 2.9

د يوي نقطې ممکنه او احتمالي د ځای بدلون هغه بي نهايته کوچنی د ځای بدلون دی چې پر هغې باندې دارتباط له خوا وارد شوی دی او هغه پدې لحظه کې مجاز گڼل کېږي. شکل ته به څیر شو:

لومړی میله لیرې کوو، پدې صورت کې دوهمه میله کېننه خوا ته لویږي، نوداسې معلومیږي چې د لومړی میلی د عکس العمل قوه به پورته خواته متوجه وي.

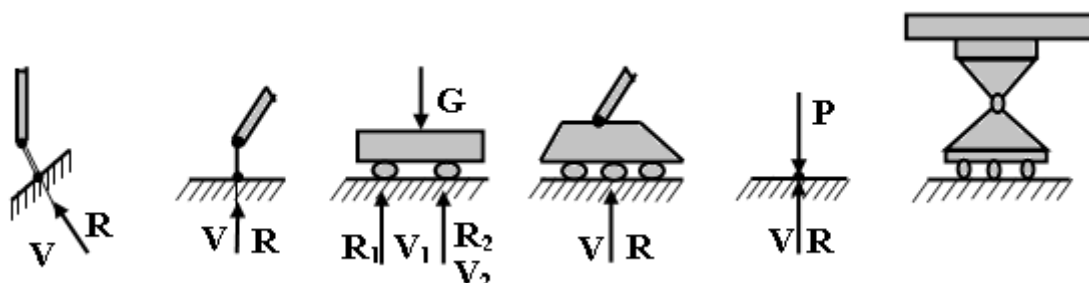
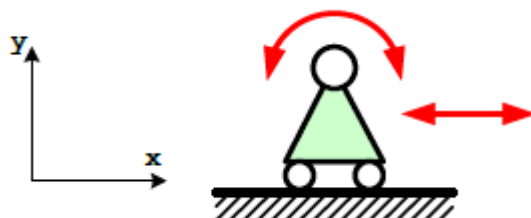
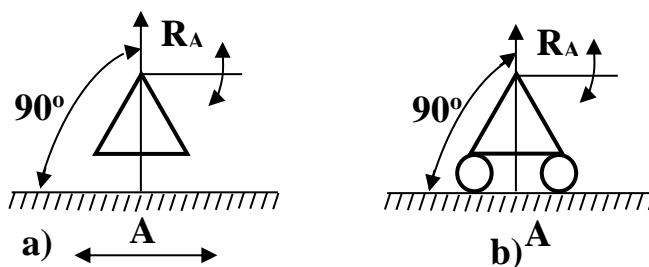
دوهمه میله لیرې کوو، پدې صورت کې د A نقطه کېننه کیږي او کرار کرار د دیوال څخه لیرې کیږي، نونتیجه دا شوه چې د دوهمې میلی د عکس العمل قوه به و دیوال ته متوجه وي.

#### d. مفصل لرونکي اتکاء Ruller support

مفصل د دې امکان برابروي چې جسم د اتکاء د نقطې پر شاوخوا را وگرځي، پر دوه ډوله دی:

a- متحرک مفصل لرونکي اتکاء:

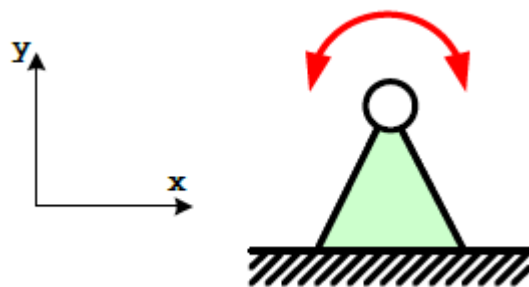
میله چې په مفصل کې ټینګه شوې ده کولای شي د مفصل پر شاوخوا وگرځي را وگرځي. په همدې ډول د اتکاء نقطه کولای شي چې د جهت ورکونکي په امتداد حرکت وکړي.



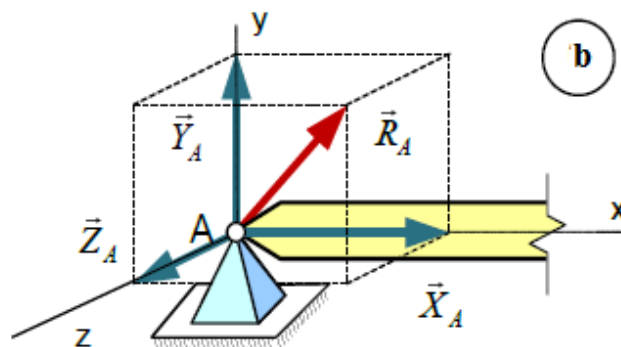
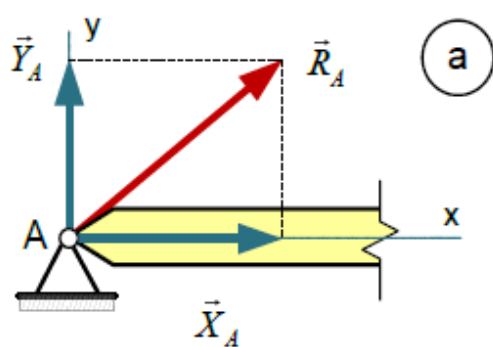
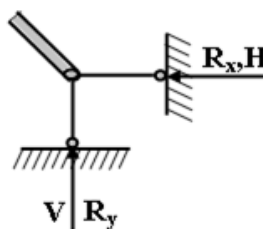
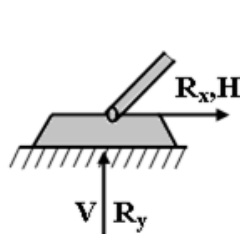
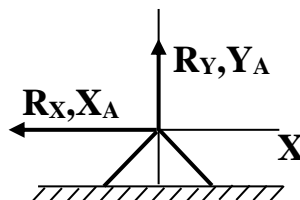
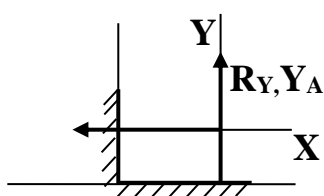
شکل 2.10

د متحرک مفصل د عکس العمل قوه عموداً پراتکاء باندې متوجه ده او یوازې د اتکاء د سطح د عرضي ځای بدلون امکان نشته.

b- غير متحرك مفصل لرونكي اتكاء:  
 د اتكاء نقطه په هيڅ ډول سره د ځای بدلون نه شي کولای .



$$R = \sqrt{R_x^2 + R_y^2}$$



شکل 2.11

میله کولای شي آزادانه د محور پړشاوخوا راوگرځي . د دې ډول اتکاء د عکس العمل قوه د مفصل د محور څخه تیریري ، خو جهت یې مخکې له مخکې معلوم ندي، دا جهت معمولاً د دوو مرکبو په شکل ارائه کیږي، افقي او عمودي  $R_x, R_y(X_A, Y_A)$

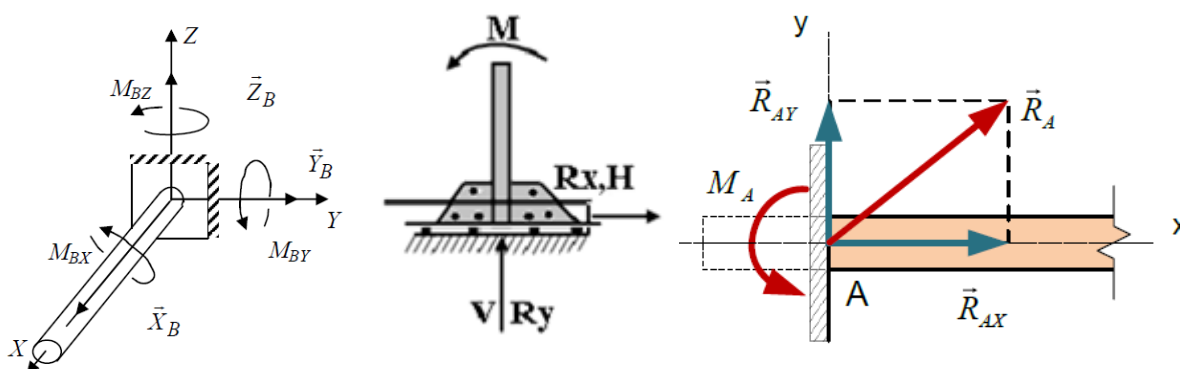
د  $\sqrt{x}$  علامه په 1629 کې البیرت جیرارد Albert Girard را منځ ته کړه او د نیوټن او لیبنيڅ لخوا نور هم ور باندې ټینګار وشو.

ویني خواته پورته یا کښته  $R_x, R_y(X_A, Y_A)$  داندیکس علامي د اساک نیوټن لخوا وضع شوي دي.

### e. محکمه اوسخته شوي اتکاء (پوریکته اتکاء) Fixed Support

د اتکاء د نقطې هرډول د ځای بدلون غیر ممکن دی . د خارجي قواو د تاثیر په نتیجه کې په اتکاء کې د عکس العمل قوه «R» او د عکس العمل مومنت « $M_A$ » یا « $M_B$ » منځ ته راځي چې د اتکاء د گرځیدلو- راگرځیدلو مخه نیسي . د عکس العمل قوه په مستوي کې د (2) او په فضا کې د (3) مرکبو په شکل د کار دینات د محور په امتداد تصور کیږي.

$$R = \sqrt{R_x^2 + R_y^2} ; R = \sqrt{X_B^2 + Y_B^2 + Z_B^2}$$

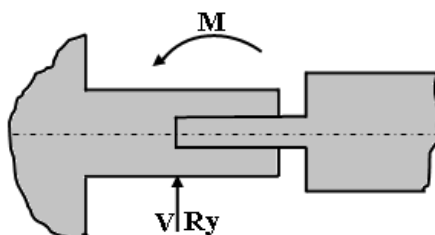


شکل 2.12

دا اتکاء د ویلډینګ ، پرچي ، نټ اوبولټ او نورو په مرسته پلاس راځي .

یو عنصر نظروبل ته او یاستن نظرومخکې ته هیڅ ډول حرکت نشي کولای .

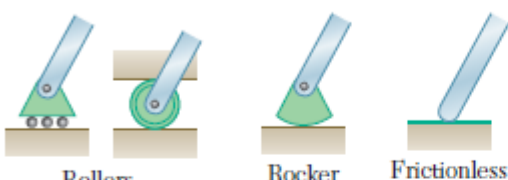
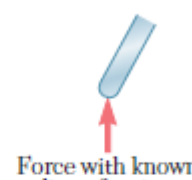
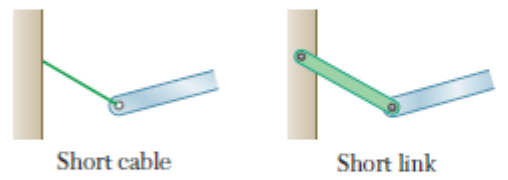
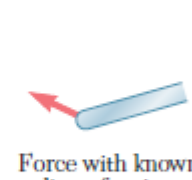
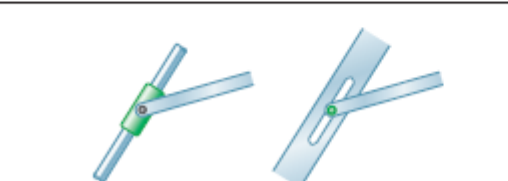
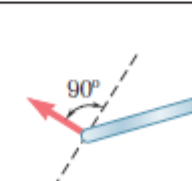
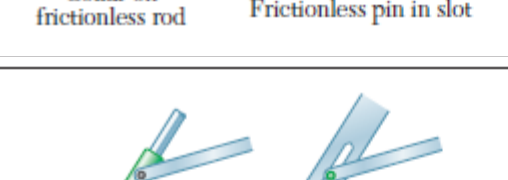
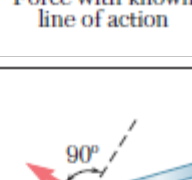
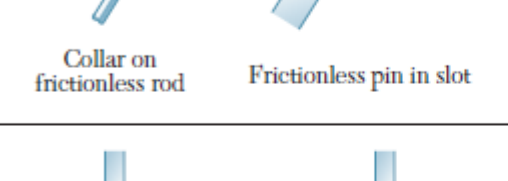
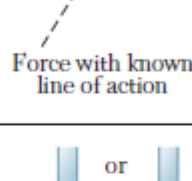
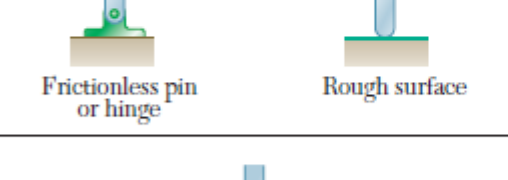
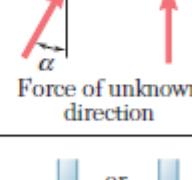
f. شافت ډوله اړیکه پدې ډول ارتباط کې یوه پرمحور باندي عموده قوه او بل هم دانحنا مومنت نظرد تماس ونقطي ته منځ ته راځي . په دې ارتباط کې  $H = 0$  . دلته لومړی عنصر د جری دننه دی او دوهم عنصر د جری څخه د باندي دی او د محور په اوږدو سره حرکت کولای شي لکه د موټر نیورسل.



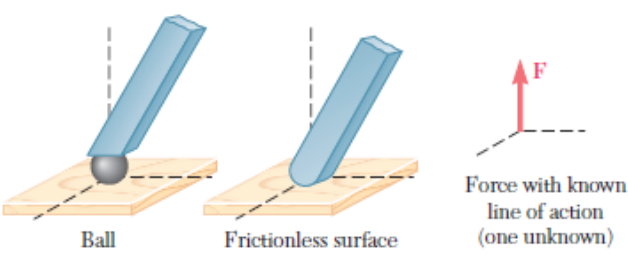
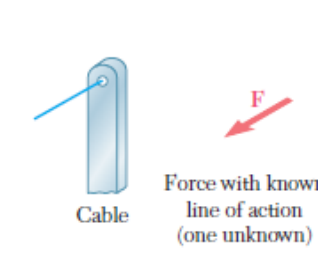
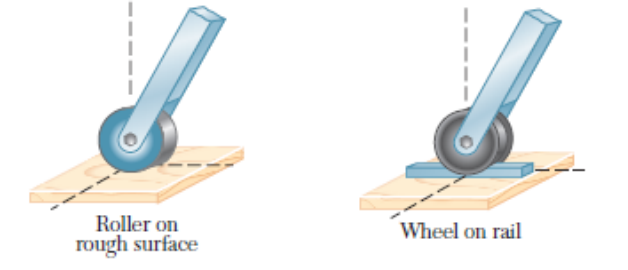
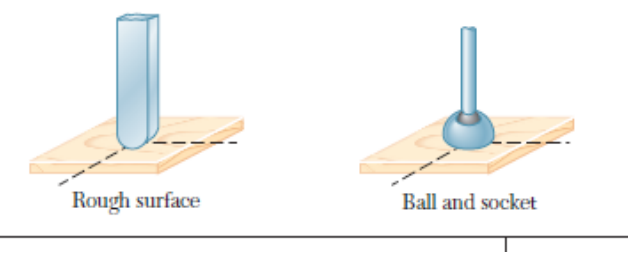
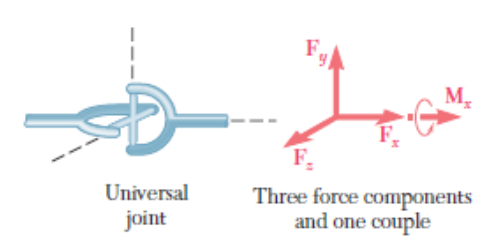
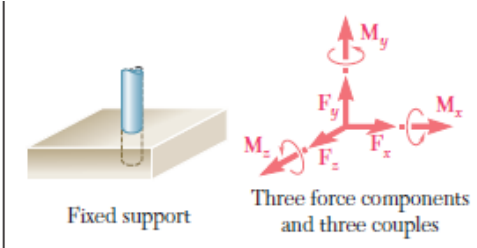
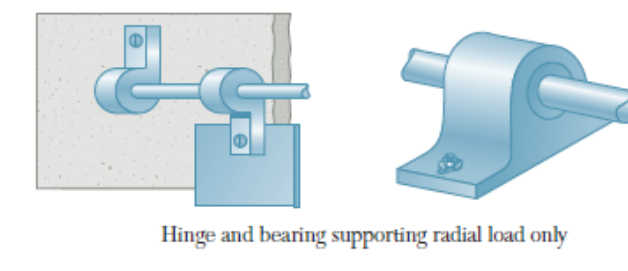
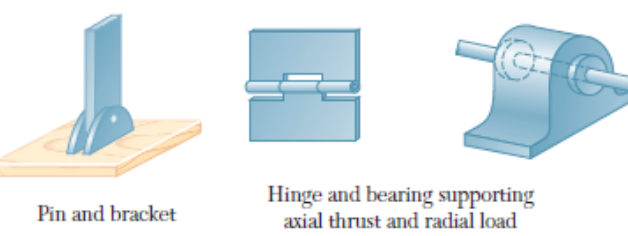
بايد وويل شي چي د سناتيک د مسايلو د حلولولپاره جسم د اتکا او ارتباطاتو څخه آزادو او دهغوی تأثيردعکس العمل د قواو له لاري تعويضوو او د نامعلومو کميتونو د موندلو لپاره د جسم د تعادل معادلي تشکيلوو.

د ارتباطاتو او اتکاء و د قواو د شميري اوجهد په درلودلو سره کولای شو چي داخلي قوی لکه عرضي قوی ، امتدادي قوی او د انحمامونتنه د ساختمان په عناصرو کي په جلا جلا توگه سره پيدا کړو.

### Reactions at Supports and Connections for a Two-Dimensional Structure

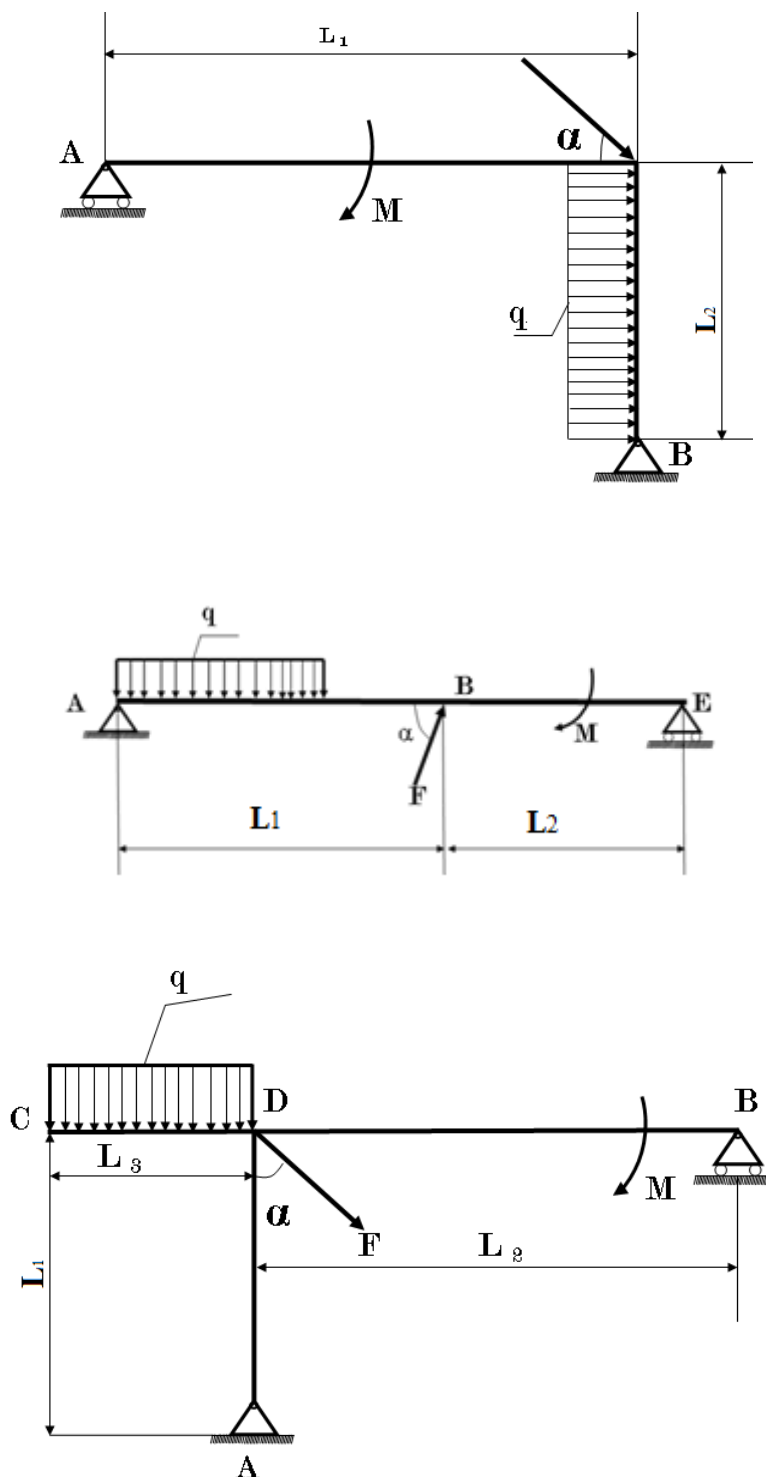
| Support or Connection   | Reaction  | Number of Unknowns |
|---|---|--------------------|
|  <p>Rollers      Rocker      Frictionless surface</p>              |  <p>Force with known line of action</p>   | 1                  |
|  <p>Short cable      Short link</p>                                |  <p>Force with known line of action</p>   | 1                  |
|  <p>Collar on frictionless rod      Frictionless pin in slot</p> |  <p>Force with known line of action</p> | 1                  |
|  <p>Collar on frictionless rod      Frictionless pin in slot</p> |  <p>Force with known line of action</p> | 1                  |
|  <p>Frictionless pin or hinge      Rough surface</p>             |  <p>Force of unknown direction</p>      | 2                  |
|  <p>Fixed support</p>  |  <p>Force and couple</p>                | 3                  |

Reactions at Supports and Connections for a Three-Dimensional Structure

|   |   |
|---|---|
|  <p>Ball      Frictionless surface</p> <p>Force with known line of action (one unknown)</p>  |  <p>Cable</p> <p>Force with known line of action (one unknown)</p>      |
|  <p>Roller on rough surface      Wheel on rail</p> <p>Two force components</p>   |   |
|  <p>Rough surface      Ball and socket</p> <p>Three force components</p>  |   |
|  <p>Universal joint</p> <p>Three force components and one couple</p>   |  <p>Fixed support</p> <p>Three force components and three couples</p> |
|  <p>Hinge and bearing supporting radial load only</p> <p>Two force components (and two couples; see page 191)</p>                                    |   |
|  <p>Pin and bracket      Hinge and bearing supporting axial thrust and radial load</p> <p>Three force components (and two couples; see page 191)</p> |   |

تمرین:

په شکل کې د گډرو لپاره محاسبوي شیمارسم اود اتکاوو د عکس العمل قوي و بنیاست ؟



شکل 2.13

### 2.3- متلاقي قوی Concurrent Forces

#### د متلاقي قواو مستوي سیستم Concurrent Forces system in a Plane

که چیرې خو قوی پریوه جسم باندي په یوې نقطې کې واردې شي نو دا ډول قواو ته متلاقي قوی ویل کیږي .

د دوو قواو محصله چې پریوې نقطې تاثیرکوي :

د متلاقي قواو مستوي سیستم د قواو هغه سیستم دی چې د تاثیرکرنې یې په یوې مستوي کې په یوې نقطې کې سره قطع کړي .

که چیرې مور د دې سیستم ټولې قوی دهغوی د تاثیرد کرنې په امتداد د دې کرنې د تقاطع و عمومي نقطې ته را انتقال کړو نو د سناتیک د اکسیوم د لومړنۍ نتیجې پربنسټ ، پرمطلق جامد جسم باندي د سیستم تاثیرتغیرنه خوري .

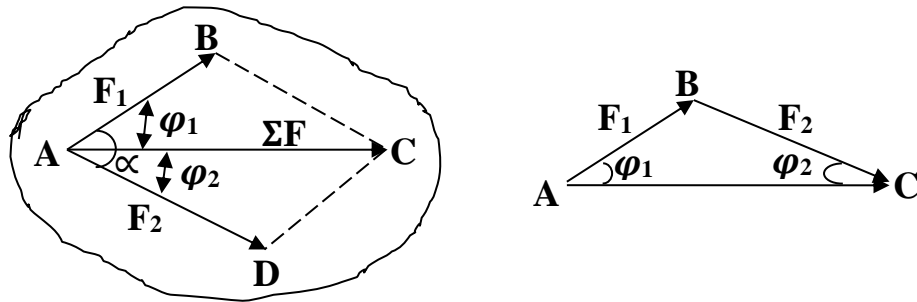
نو پدې ډول سره د متلاقي قواو هر سیستم کولای شو پداسې یوه معادل سیستم سره تعویض کړو چې د تاثیرنقطه یې همدغه نقطه پاته شي .

موردلته یوازې او یوازې دهغو متلاقي قواو د مستوي سیستم څخه خبرې کوو چې د تاثیرکرنې یې په یوې مستوي کې سره قطع کړي .

د دوو قواو جمع کول چې پریوې نقطې باندي تاثیرکوي ، د گراف په ډول سره ډیر آسان کاردی .

داسې یې بولو چې دجامدجسم د «A» په نقطې کې دوي قوی  $F_1$  او  $F_2$  تاثیرکوي .

د سناتیک د دریم اکسیوم پربنسټ (د متوازي الاضلاع قاعده) د دې قواو محصله په همدې نقطه کې تاثیرکوي اود خپل مودول او جهت سره د هغه متوازي الاضلاع د قطر په توگه سره بنودل کیږي چې پر همدغو قواو لکه پردوو ضلعو باندي چې رسم شوي دي .



شکل 2.14

د محصله قوی د پیدا کولو لپاره ضرور نده چې پوره د ABCD متوازي الاضلاع دي رسم کړو ، بلکې کفایت کوي چې دهغه څخه یوازې یومثلث ABC او یا ADC رسم کړل شي .

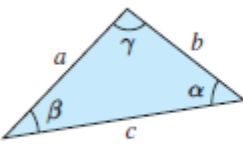
د  $F_1$  د قوی د آخرڅخه د  $\overline{BC}$  وکتور رسمو  $\overline{BC} = F_2$  د AC ضلعه د ABC په مثلث کې د دې دوو قواو محصله د مودول او جهت له پلوه پلاس راکوي . یوازې باید په معین مقیاس سره د هغې اوږدوالی او د  $\varphi_1$  او  $\varphi_2$  زاویې اندازه کړل شي .

د  $ABC$  مثلث (یا د  $ADC$ ) د قوه ایز «د قواومثلث» په نامه سره یادیري او دا ډول طریقه هم د مثلثي طریقي په نامه بلل کیري .

د دوو قواو محصله چې پریوې نقطې تأثیرکوي ، کولای شو په آسانی سره محاسبه کړو. د دې لپاره همغه د قواو مثلث «قوه ایزمثلث» د  $ABC$  مثلث (یا د  $ADC$ ) رسموو .

د دې دوو قواو ترمنځ زاویه په « $\alpha$ » سره بنیو او هغه زاویې چې محصله یې د دې دوو قواو سره تشکیلوي د  $\varphi_1$  او  $\varphi_2$  په تورو سره بنیو.

د  $ABC$  مثلث ضلعي په یوه معین مقیاس سره د قواو مودول او عددې قیمت پلاس را کوي ، نو لدې امله د مثلثاتو څخه د « $\cos$ » کوساین د قضیې په مرسته لیکلای شو :

|   |   |
|---|---|
|    | $\frac{a}{\sin \alpha} = \frac{b}{\sin \beta} = \frac{c}{\sin \gamma}$  |
| $\begin{aligned} a^2 &= b^2 + c^2 - 2bc \cos \alpha \\ b^2 &= c^2 + a^2 - 2ca \cos \beta \\ c^2 &= a^2 + b^2 - 2ab \cos \gamma \end{aligned}$ | $\begin{aligned} a^2 &= b^2 + c^2 - 2bc \cos \alpha \\ b^2 &= c^2 + a^2 - 2ca \cos \beta \\ c^2 &= a^2 + b^2 - 2ab \cos \gamma \end{aligned}$ |

$$R^2 = F_1^2 + F_2^2 - 2F_1F_2 \cos \hat{A}BC$$

سربیره پردې  $\hat{A}BC = 180^\circ - \alpha$

او  $\cos \hat{A}BC = \cos(180 - \alpha) = -\cos \alpha$

د دې قیمتونو په وضع کولو سره لرو چې

$$R^2 = F_1^2 + F_2^2 + 2F_1F_2 \cos \alpha$$

$$R = \sqrt{F_1^2 + F_2^2 + 2F_1F_2 \cos \alpha} \dots (2.1)$$

لکه چې پوهیږو د وکتور مودول تل مثبت دی ، نوځکه د جذرڅخه مخکې علامه مثبت نهیو .

اوس نو د محصلي قوې جهت پیدا کوو:

د  $\sin$  د قضیې پربنسټ د  $ABC$  د مثلث څخه لرو:

$$\frac{AB}{\sin \hat{B}CA} = \frac{BC}{\sin \hat{B}AC} = \frac{AC}{\sin \hat{A}BC}$$

خوله بلې خوا  $\hat{B}CA = \hat{C}AD = \varphi_2$  او  $\hat{B}AC = \varphi_1$  ، همدارنګه  $\hat{A}BC = 180^\circ - \alpha$  ،

$$\sin(180^\circ - \alpha) = \sin \alpha$$

د مثلث ضلعي د قواو د مودول سره متناسبې دي ، نو د  $\sin$  قضیه د دې قوه ایزمثلث لپاره لاندې افاده پلاس را کوي:

$$\frac{F_1}{\sin\phi_2} = \frac{F_2}{\sin\phi_1} = \frac{\Sigma F}{\sin\alpha} \dots (2.2)$$

دا فورمول د دې امکان پلاس راكوي چې د محصلي قوې او د مركبو قواو ترمنځ د زاويو  $\sin$  پيدا كړو، يعنې دا چې خپله دا زاويې پيدا كړو.

د  $(\sin, tg(tag), sec)$  توري په 1583 كې تامس فينكه Thomas Fincke وړاندې كړي.  $tg$  ايلر په 1753 كې وړاندې كړ.

د  $cos; ctg(cot); csc(cosec)$  تورو وړاندې كوونكي جانس مورا، سامويل جيڪ او ليونارد ايلر (1729) دي.

لاندي ځانگړي حالات چې دبرليدل كيږي، تركنتي لاندي نيسو:

**لومړۍ حالت:**

كه چيرې ددې قواو ترمنځ زاويه  $\alpha = 90^\circ$  وي، نو  $\cos\alpha = \cos 90^\circ = 0$

$$R = \sqrt{F_1^2 + F_2^2} \dots (2.3)$$

**دوهم حالت:** كه چيرې  $F_1$  او  $F_2$  دواړې همجهته پريوې مستقيمي كرنبي باندي متوجه وي، نو د دوی ترمنځ زاويه  $\alpha = 0$  او  $\cos\alpha = 1$

$$R = \sqrt{F_1^2 + F_2^2 + 2F_1F_2} = F_1 + F_2 \dots (2.4)$$

**درېم حالت:** كه چيرې  $F_1$  او  $F_2$  پريوې مستقيمي كرنبي باندي ولي مخالف الجهته وي، نو د دوی ترمنځ زاويه  $\alpha = 180^\circ$  او  $\cos\alpha = -1$  نو: كه چيرې  $F_1 > F_2$  وي

$$R = \sqrt{F_1^2 + F_2^2 - 2F_1F_2} = F_1 - F_2$$

$$\Sigma \vec{F} = \vec{F}_2 - \vec{F}_1 = \vec{R} \quad \text{او كه } F_1 < F_2 \text{ وي نو}$$

د  $>$  او  $<$  علامې په 1631 كې تامس هاريوت وړاندې كړي دي.

نوداسې نتيجه اخلوچې:

د دوو قواو محصله قوه چې پر جسم باندي پريوې مستقيمي كرنبي تاثير كوي، پرمهدي كرنبه باندي متوجه ده او د هغې مودول مساوي كيږي د مركبو قواو په مودول سره كه چيرې هغوی دواړې موافق الجهته وي، يا مساوي كيږي د دې دوو قواو د تفريق حاصل په مطلقه قيمت سره كه چيرې دا قوې مخالف الجهته وي.

### 1-مثال:

دوه سري يوه رسۍ چې د «A» په نقطې كې په يوې كړۍ (حلقې) پورې تړلي ده، كشوي. دا دوي قوې د يوې بلي سره قايمه زاويه جوړوي، يوه قوه  $F_1 = 120 \text{ N}$  او بله  $F_2 = 90 \text{ N}$  ده.

درېم سري بايد دا رسۍ په كومي قوې سره كش كړي، ترڅو دغه كړۍ يا حلقه غير متحرکه پاته شي؟

**حل.** د دې لپاره چې حلقه يا كړۍ غير متحرکه پاته شي نو درېم سري بايد پردې كړۍ دومره قوه وارده كړي چې د هغو دوو تنو وارده قوې په تعادل كې راولي.

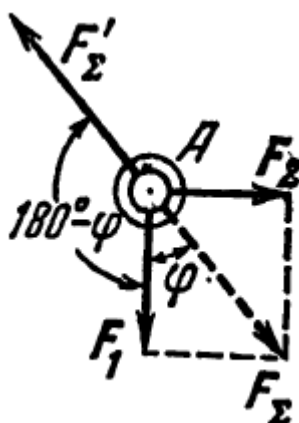
لکه څنگه چې محصله اومتعادله قوي په مودول سره مساوي اويو د بل مخالف الجهته دي (د سناتيک د اکسيومونو څخه دوهمه نتيجه ) ، نو دا مثال دي ته را گرځي چې د دي دوو متلاقي قواو د محصلي قوي مودول اوجهت بايد پيدا شي.

د«3» دريم فورمول سره سم د محصلي قوي مودول

$$\Sigma F = R = \sqrt{90^2 + 120^2} = 150 N$$

هغه زاويه چې محصله قوه يې د 150N قوي سره جوړه وي د قواو د مثلث څخه گټه اخلو او معلومو يې :

$$\operatorname{tg} \varphi = \frac{90}{120} = 0.75 \Rightarrow \varphi = \operatorname{arctg} 0.75$$



شکل 2.15

د جدول څخه وینو چې  $\varphi \approx 37^\circ$

نوڅکه دريم سړی بايد دا حلقه په  $\Sigma F = 150 N$  قوي سره کش کړي اوجهت يې بايد داسي وي چې د 120 N قوي سره د  $180^\circ - \varphi = 143^\circ$  زاويه جوړه کړي .

د لاتين څخه *arcus* د قوس په معنا دی او هغه معکوسه مثلثاتي تابع ده چې په 1772 کال کې د دانيل برنولي لخوا را منځ ته، د کارل بنیر فیئر لخوا را برسیره او د لاگرانز لخوا پري نور هم ټینګار وشو. قوس لکه چې څرګنده ده سرچپه او معکوس لیدل کېږي.

## 2-مثال:

د AB پر هواره مايله سطحه چې د افق سره  $\alpha = 30^\circ$  زاويه جوړوي د DE د پري په مرسته چې د AB سره موازي دی يوه گلوله چې وزن يې 4N نيوتنه دی څرپيري.

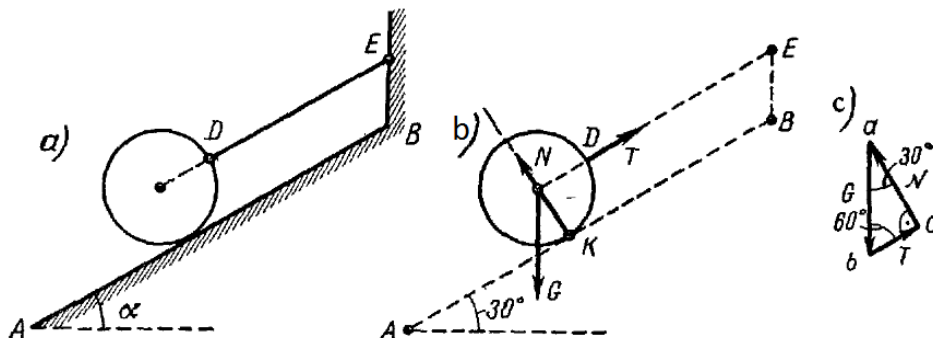
د گلولې فشار پر مستوي اود پري کشش قوه پيدا کړئ؟

1 . پر جسم باندي اغيزه کونکي قوي اود جسم وزن چې په مرکزي تاثیرکوي بڼيو .

2 . په خيالي ډول سره د جسم ارتباطات شلوو او د هغوی تاثیر پر جسم باندي د عکس العمل د قواو له لاري بڼيو . د جسم لپاره ارتباطات د AB مستوي ده چې دهغي عکس العمل قوه د K د تماس په نقطې کې ده او پر مستوي او پري باندي عموده متوجه ده . د پري د عکس العمل قوه د هغه په امتداد ده .

پر جسم باندي درې متلاقي قوي وارد دي :

د جسم وزن  $G$ ، د  $AB$  مستوي عکس العمل قوه  $N$  او د  $DE$  پري د عکس العمل قوه  $T$ . نود دې سيستم لپاره قوه ايز مثلث رسموو. لومړی د  $G$  وزن په مقياس باندې د  $a$  د نقطې څخه و کبنتي خواته غځوو، د  $b$  نقطې څخه د  $T$  قوې سره موازي رسموو، مقياس مراعاتوو او له هغه ځايه څخه د  $N$  سره موازي رسموو او اندازه يې هم د مقياس له مخې ټاکو.



شکل 2.16

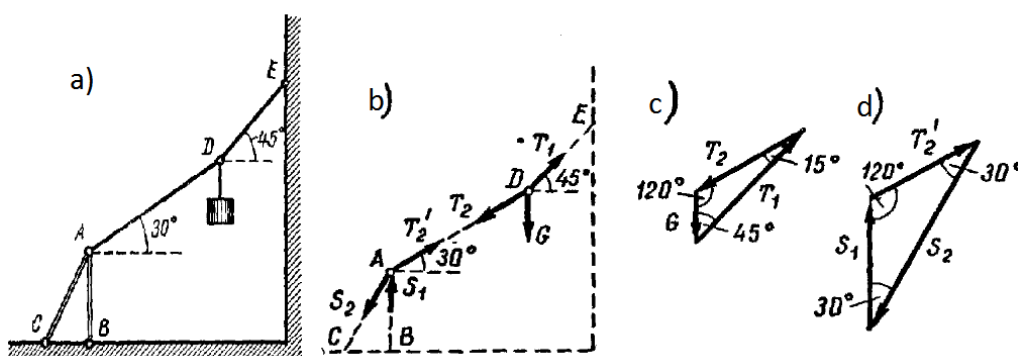
حل:

د مثلث څخه د زاويې په مرسته دهغه ضلعي پيدا کوو:

$$T = G \sin 30^\circ = \frac{(4)1}{2} = 2 \text{ N}$$

$$N = G \cos 30^\circ = (4) \frac{\sqrt{3}}{2} \cong 3.46 \text{ N}$$

**3-مثال:** په گادراو پيري کې قوې ومومي که چيري بار د بلوک له لاري د شکل سره سم وځړول شي  $G=20\text{kN}$



شکل 2.17

حل:

د  $A$  او  $D$  نقطې تر کتنې لاندې نيسو. د  $D$  په نقطې کې راکړل شوي قوه  $G$ ، د  $DE$  او  $AD$  پريو عکس العمل قوې  $T_1, T_2$ ، د  $A$  په نقطې کې د  $AD$  پريو عکس العمل قوه  $T_2'$  او همدارنگه د سنتي او ميلي عکس العملونه  $S_1, S_2$ ، اغيز کوي. (b) شکل، د  $D$  په نقطې کې راکړل شوي قوه  $G$  وارډوو او سمدلاسه د  $G, T_1, T_2$  تړلی مثلث رسموو. د ساين قضیې په مرسته د دې مثلث زاويې پيدا کوو (c) شکل.

$$\frac{G}{\sin 15^\circ} = \frac{T_2}{\sin 45^\circ} = \frac{T_1}{\sin 120^\circ}$$

لدي خايه څخه

$$T_2 = G \frac{\sin 45^\circ}{\sin 15^\circ} = (518) \frac{0.707}{0.259} = 1414 \text{ N} = 1.414 \text{ kN}$$

$$T_1 = G \frac{\sin 120^\circ}{\sin 15^\circ} = (518) \frac{0.866}{0.259} = 1732 \text{ N} = 1.732 \text{ kN}$$

وروسته د  $T_2', S_1, S_2$  مثلث چې د A په نقطې کې اغيز کوي، رسمو. تر ټولو مخکې د AD پرې عکس العمل  $T_2'$  چې په مودول سره د  $T_2$  چې د D په نقطې کې اغيز کوي، مساوي خو جهت يې ورسره مخالف دی، ايردو (d) شکل، د متساوي الاضلاع مثلث څخه لرو چې:

$$S_1 = T_2' = 1.414 \text{ kN}$$

$$\frac{S_2}{\sin 120^\circ} = \frac{T_2'}{\sin 30^\circ}$$

لدي خايه څخه

$$S_2 = T_2' \frac{\sin 120^\circ}{\sin 30^\circ} = (1414) \frac{0.866}{0.5} = 2449 \text{ N} = 2.449 \text{ kN}$$

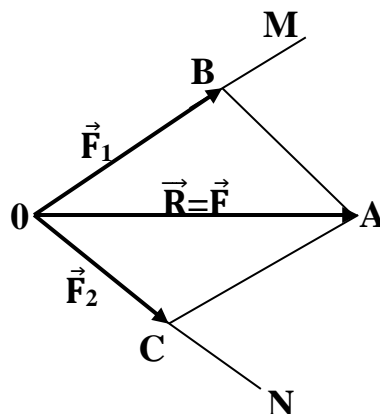
د A او D په نقطو کې ټولې قوې ايردو او وینو چې AB ستنه کښيکښل کيږي خو AC کره ميله کشيږي

## 2.4 - د يوې قوې تجزيه پر دوو متلاقي مرکبو باندې

### Resolution of a Force into two components of a Given direction

د يوې قوې تجزيه پر دوو يا څو مرکبو باندې پدې معنا ده چې د دوو يا څو قواو يو داسې سيستم بايد پيدا کړل شي چې پر جسم باندې به يې دومره تاثير وي لکه چې همدا يوه قوه يې پرې لري .

يا بل عبارت د يوې قوې تجزيه پر مرکبو باندې يعنې داسې دوي قوې بايد پيدا کړل شي چې دهغوی محصله قوه به د همدې راکړل شوي قوې سره مساوي وي



شکل 2.18

معلومه خبره ده چې دوي متلاقي قوي  $F_1$  او  $F_2$  په يوې (محصله) قوي يعني  $F$  باندې تعويضوو او پر عكس ، نو پر جسم باندې د دې  $F$  قوي تاثیر تل ، كولاى شو چې د دوو قواو يعني  $F_1$  او  $F_2$  په تأثير باندې د همدې تأثير كرنې په امتداد ، تعويض كړو.

دلته يوازې ضروري ده چې دا قوه « $F$ » په مودول او جهت باندې د متوازي الاضلاع د قطر پواسطه چې دهغه اضلاع  $F_1$  او  $F_2$  جوړوي ، وښودل شي .

له بله پلوه پردغه قطر باندې كولاى شو بي شميره متوازي الاضلاع گان رسم كړو ، نوځكه بايد اضافي شرايط هم وځانته معلوم كړو.

1. د دوو مركبو د تأثير جهت بايد معلوم وي
  2. د يوې مركبي مودول او جهت بايد معلوم وي
  3. د دواړو مركبو مودول بايد معلوم وي
  4. د يوې مركبي جهت او د بلې مودول بايد معلوم وي
- لومړى حالت چې ډير ليدل كيري مطالعه كوو:

$F$  قوه راكړل شوي ده ، هغه بايد پر دوو مركبو باندې تجزيه كړو ، دهغو جهت OM او ON راكړل شوى دى. (د كار د آسانى لپاره خپله جسم نه رسموو) .

د دې مسئلې د حل لپاره د  $F$  قوي د وكتور له انجام څخه د AB او AC مستقيمي كرنې رسموو چې د OM او ON د كرنينو سره موازي دي ، نو د «OBAC» متوازي الاضلاع پلاس راځي چې دهغه قطر عبارت دى له  $F$  قوي څخه.

د  $\vec{OB}$  وكتور او  $\vec{OC}$  وكتور په همغه مقياس راكول كيري لكه د  $F$  قوه .

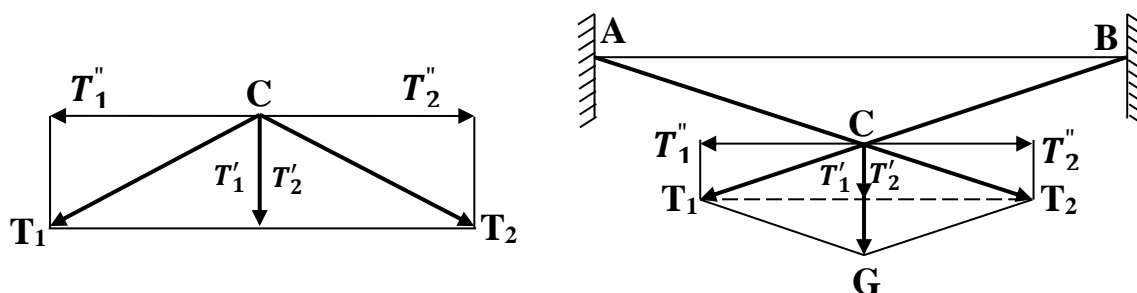
د  $F_1$  او  $F_2$  قوي نامعلومې دي .

لكه چې پوهيږو د متوازي الاضلاع د غير موازي ضلعو مجموعه دهغه تر هر يوه قطر لويه ده ، نو د دوو متلاقي مركبو مودول چې مور يې پر هغو باندې د دې قوي د تجزيه كولو هڅه كوو ، تل د دې قوي تر مودول غټ دى .

په هره اندازه چې د مركبو قواو تر منځ زاويه لويه وي نو په همغه اندازه د هغوى عددي قيمت هم غټ وي .

كله چې د دوو مركبو قواو تر منځ زاويه په كافي اندازه غټه وي ، نودهري يوې مودول كيداى شي چې د تجزيه كيدونكي قوي د مودول څخه لوى وي .

يو مثال :



شکل 2.19

د  $G$  يو جسم د «C» په رسي پوري خړپري ، دغه رسي پخپلو انجامونو کې د  $A$  او  $B$  په نقطو کې په يوه ارتفاع محکمه ده . د رسي د هرتتاب د کشش د معلومولو لپاره د  $G$  قوه د متوازي الاضلاع قاعدې مطابق پردوو مرکبو يعني  $T_1$  او  $T_2$  باندې تجزيه کوو . د  $T_1$  او  $T_2$  جهت د  $BC$  او  $AC$  پر مستقيمو کربنوباندې متوجه دی .

د شکل څخه معلومېږي چې د  $T_1$  او  $T_2$  قواو مودول چې دا رسي کشوي ، د جسم د  $G$  قوې مرکبات شميرل کېږي ، د  $G$  د وزن د قوې دمودول څخه زيات دی .

دا ځکه چې  $T_1$  او  $T_2$  تريوي اندازې پوري يو د بل پرضدعمل کوي . په حقيقت کې دا هره يوه قوه کيدای شي چې پرمودي او افقي مرکبو باندې تجزيه شي ، پورته شکل دې وکتل شي .

په مودول سره مساوي او مخالف الجهته  $T_1'$  او  $T_2''$  يو بل متقابلاً په تعادل کې ساتي .

دعمودي مرکبو مودول  $T_1'$  او  $T_2''$  نظريه مودول سره دواړې يوځای د  $G$  د مودول سره برابري دي.

### مثال:

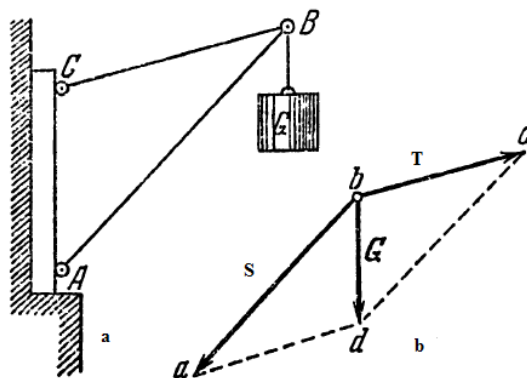
يو کرين يوبار  $G=10$  کيلو نيوتن پورته ساتي .

د  $T$  او  $S$  قوې چې په  $BC$  کييل او  $AB$  ميلې کې را پيدا کېږي ، هغه بايد معلومي کړو .

$$AB = 3.8 \text{ m}$$

$$BC = 2.6 \text{ m}$$

$$AC = 2 \text{ m}$$



شکل 2.20

### حل :

لومړی د  $G$  قوه پر دوو مرکبو باندې تجزيه کوو، وروسته بيا متوازي الاضلاع رسمو او هغه د  $abcd$  په تورو باندې بشپړو .

د  $CBA$  او  $bcd$  مثلثونه سره متشابه دي :

$$\Delta CBA \sim bcd$$

ځکه چې د دوی اضلاع سره موازي دي ، نو ليکلای شو چې :

$$\frac{bc}{BC} = \frac{cd}{AB} = \frac{bd}{AC}$$

او دا چې د  $bcd$  مثلث اضلاع د قواو د مودول سره متناسبي دي نو:

$$\frac{T}{BC} = \frac{S}{AB} = \frac{G}{AC} \Rightarrow T = \frac{BC}{AC} G = \frac{2.6}{2} (10) = 13 \text{ kN}$$

$$S = \frac{AB}{AC} G = \frac{3.8}{2} (10) = 19 \text{ kN}$$

يعني د BC کيبل په 13k N قوې سره کشيږي او د BA ميله په 19 kN قوې سره کښيکښل کيږي .

## 2.5- قوه ايزکثيرالاضلاع Force's Polygone

مورته څلور متلاقي قوې  $F_1$  ،  $F_2$  ،  $F_3$  او  $F_4$  را کرل شوي دي ، هغوی بايد سره جمع کړو . دا قوې په يوه ټاکلي مقياس سره د وکتورونو پواسطه چې د تأثيرنقطه يې «A» ده رسموو او هلته به د دوی د تأثيرکړينې سره قطع کړي. د قوه ايزکثيرالاضلاع سره سم به دا ټولې قوې په ترتيب يوه په بلې پسې رسم کړو .

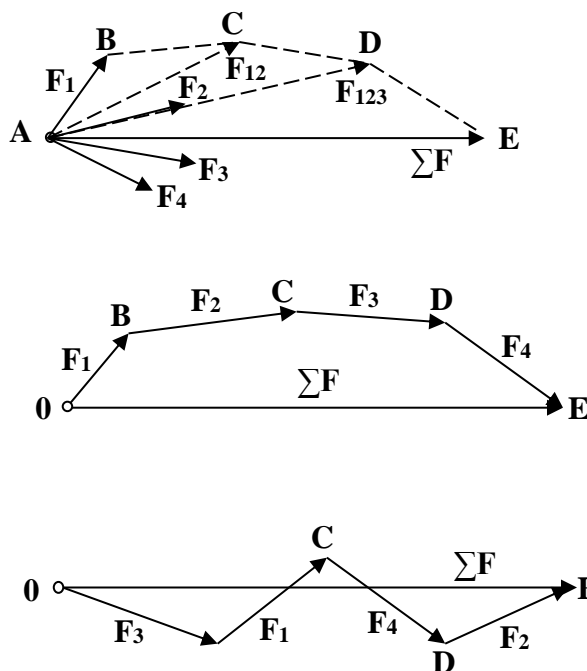
لومړی مثلاً د دې قواو څخه د  $F_1$  او  $F_2$  قوې رسموو ، د دې کار لپاره د  $F_1$  قوې د انجام څخه د  $\vec{BC} = F_2$  رسموو، د  $F_1$  او  $F_2$  محصله قوه يعنې  $F_{12}$  د  $\vec{AC}$  د وکتور پواسطه په معين مقياس سره رسموو.

په همدې ډول سره  $F_3$  د  $F_{12}$  سره جمع کوو. نو د «C» له نقطې څخه د  $\vec{CD} = F_3$  قوه رسموو، او د A او D نقطې سره نښلولو  $\vec{AD} = F_{123}$  . دا د  $F_1$  ،  $F_2$  او  $F_3$  قواو تأثير تعويضي .

په همدې ترتيب سره  $F_{123}$  د  $F_4$  سره جمع کوو او  $\vec{DE} = F_4$  وکتور رسموو چې د  $F_{123}$  او  $F_4$  محصله قوه ده چې دا بيا خپله د ټول سيستم محصله قوه بلل کيږي .

د متلاقي قواو د سيستم د محصلي قوې رسمول په يوه بله (لرځه آسانه ) طريقه هم کولای شو .

د قواو د تأثير په مستوي کې د «O» نقطه په کيفي ډول سره ټاکو او د هغې څخه د « $\vec{OB}$ » وکتور غځوو چې په مقياس سره د  $F_1$  قوې سره مساوي دی . د هغه د آخر يعنې د «B» د نقطې څخه د  $\vec{BC} = F_2$  وکتور غځوو او د هغه د آخر څخه د  $\vec{CD} = F_3$  او همداسې تر اخره پورې ټول وکتورونه غځوو . هر وار د يوه وکتور اخر او د بل پيل پامېدا ، ترڅو ټولې قوې رسم کړو .



شکل 2.21

هغه د OBCDE کثیرالاضلاع چې دهغه ضلعي په ټاکلي مقیاس سره د راکرل شوو قواو سره مساوي دي اود هغوی سره یوډول جهت لري د قوه ایز کثیرالاضلاع په نامه سره یادېږي .

دهغه اخري او تړونکي ضلعه  $\overrightarrow{OE}$  چې د لومړي وکتور د مبدأ ( لومړۍ قوه ) او د اخري قوې و آخرته متوجه ده په ټاکلي مقیاس کې د متلاقي قواو د سیستم محصله هم په مودول او هم په جهت سره ارائه کوي .

د محصلي قوې د تأثیر د کرښې د پیدا کولو لپاره بسنه کوي چې د تقاطع د گډي نقطې څخه د متلاقي قواو د تأثیر د کرښو په نسبت یوه داسې کرښه رسم کړو چې د کثیرالاضلاع د اخري ضلعي سره موازي وي .

دا ډول طریقه د ټولو قواو لپاره عمومي ده او د قواو د جمع کولو د هندسي قاعدې په نامه سره یادېږي .

د کثیرالاضلاع د پلاس راوړلو دا طریقه د هر شمیر متلاقي قواو او وکتورونو لپاره د استعمال وړده .

د فورمول په ډول د قواو د جمع هندسي قاعده داسې لیکل کېږي :

$$\vec{F}_{pri} = \vec{F}_1 + \vec{F}_2 + \dots + \vec{F}_n$$

د دې سیستم د ټولو قواو هندسي جمع ته د هندسي سیستم ( اساسي ) عمده وکتور ویل کېږي .

د دې فورمول ټول مرکبات یو ډول شکل لري او یوازې د شمیرې پواسطه یوله بله سره توپیر او پیژندل کېږي . دا فورمول کولای شو په لاندې ډول سره ولیکو :

$$\vec{R} = F_{pri} = \sum_{k=1}^{K=n} F_k$$

عمده وکتور :  $\vec{F}_{pri}$  – *Principal Vector*

د کار د آسانی لپاره د اندیکسونو د لیکلو څخه تیرېږو .

$$F_{pri} = \sum F_k \quad \dots (2.5)$$

د دې قاعدې څخه د کثیرالاضلاع په مرسته د محصلي قوې د پیدا کولو څخه داسې معلومېږي چې د متلاقي قواو د سیستم محصله قوه  $\sum F$  د عمده وکتور سره مساوي ده .

د دې محصلي قوې د تأثیر کرښه د ټولو مرکبو د تأثیر د کرښو د تقاطع څخه تیرېږي .

عمده وکتور ( د قواو د جمع د هندسي قاعدې پر بنسټ ) د محصلي قوې ایکوي والینت او معادل نه دی . کله چې د متلاقي قواو د تأثیر کرښې په یوه نقطه کې نه سره قطع کوي ، نو هندسي قاعده د محصلي قوې د پیدا کولو څخه هم عاجزه پاته کېږي . سربیره پردې کله ناکله سیستم کولای شي چې هیڅ محصله قوه ونه لري ، پداسې حال کې چې عمده وکتور د هر قوه ایز سیستم لپاره پیدا کولای شو .

د قواو کثیرالاضلاع کیدای شي لږڅه بل ډول وي ( وروستی شکل ) ولې دهغه اضلاع د مودول او هم جهت له پلوه کوم تغیر نه کوي ، یوازې د قواو د رسمولو ترتیب لږ څه تغیر خورلی دی .

**مثال :**

د جسم پریوې نقطې څلور قوې تأثیر کوي او ټولې قوې په یوه مستوي کې واقع دي . د دوی ترمنځ زاويې په لاندې ډول دي  
 $75^\circ ; 45^\circ ; 120^\circ$  :

$F_1$  پورته خواته راسته پلو ته تر  $60^\circ$  زاويي لاندې وعمود ته متوجه دهد قواو مودول:

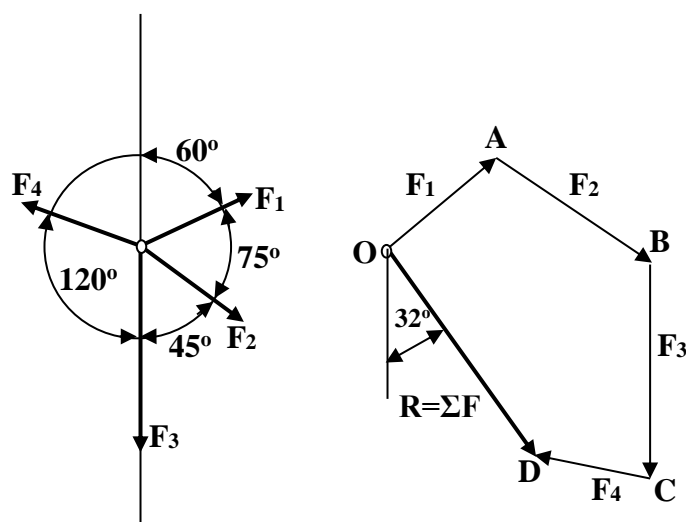
$$F_1 = 150 \text{ N}$$

$$F_2 = 200 \text{ N}$$

$$F_3 = 250 \text{ N}$$

$$F_4 = 120 \text{ N}$$

د محصلي قوي مودول او جهت په گرافيکي ډول سره پيدا کړئ؟



شکل 2.22

حل: د هرڅه مخکې ويوه مقياس ته اړتيا لرو او هغه به مثلاً  $\mu_F = 10 \text{ N/mm}$  وټاکو.

د يوې کيفي نقطې مثلاً «O» څخه د ټولو قواو د جهت سره سم کرښې رسمو چې وکتورونه به ځيني جوړشي.

د  $\bar{OA}$  وکتور چې  $F_1$  ښيي، وروسته د  $\bar{AB}$  قطعه خط چې  $F_2$  ښيي او همدارنگه تر آخره پورې دې کار ته دوام ورکړو او ټولې قوي يوه په بلې پسې رسمو.

آخره ضلعه يعنې  $\bar{OD}$  چې پدې ډول سره پلاس راځي د سيستم د عمده وکتور څخه عبارت ده او د سيستم محصله قوه بلل کيږي.

$$R = F_{pri} = \sum F$$

د OD آخري ضلع اوږدوالی 30 mm دی نود محصلي قوي مودول

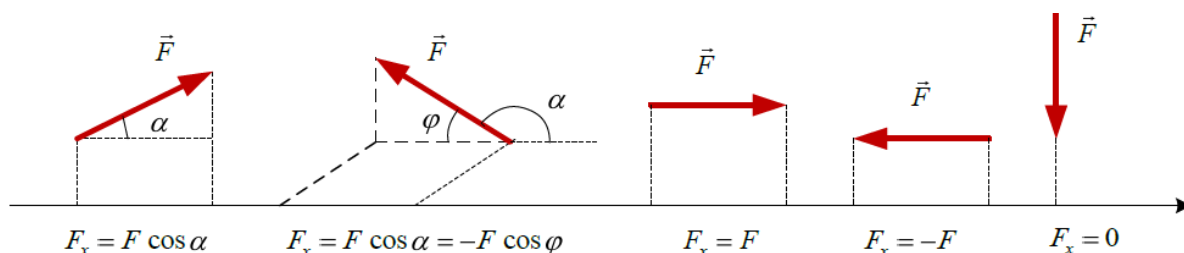
$$R = \sum F = \mu_F OD = 10 \frac{\text{N}}{\text{mm}} 30 \text{ mm} = 300 \text{ N}$$

هغه زاويه هم اندازه کوو چې د عمودي کرښې او د آخري ضلعي د جهت ترمنځ جوړه شوې ده.

داسې معلومېږي چې محصله قوه راسته پلو ته وکتبتي خواته تر  $32^\circ$  زاويي لاندې نظر وعمودي کرښې ته متوجه ده.

## 2.6- د وکتور مرتسمه پرمحورباندي Projection of Vector on an axis

د مرتسمي په مرسته د وکتور پيدا کول (Vector product)

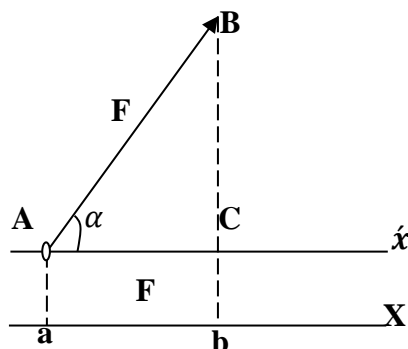


شکل-2.23

په تحليلي توگه سره د متلاقي قواو د سيستم د محصلي قوي د پيدا کولو يعني د محاسبې له لاري د يوه نامعلوم وکتور د مودول او جهت پيدا کول ، د مرتسمو د ميتود پر استعمال باندي ولاړ دی .

هغه مستقيمه کرښه چې نامحدود اوږدوالی ولري او دهغي پرمخ يومعين جهت راکړل شوی وي ، د محور په نامه سره يادېږي .

$\vec{AB} = F$  او د «X» محور داوړه د شکل په مستوي کي واقع دي. د محور مثبت لوری هغه دی چې د کيني خوا څخه و بڼی خواته متوجه دی.

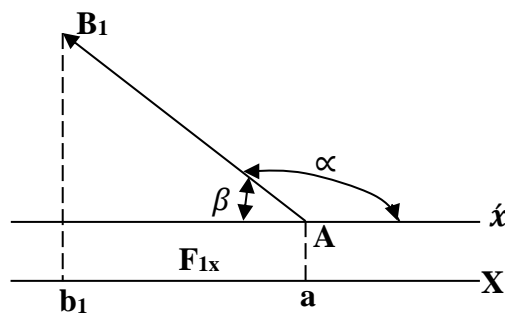


شکل-2.24

د وکتور د پيل يعني «A» او د هغه د انجام يعني «B» د نقطو څخه پرمحورباندي عمودي کرښي رسمو.

د عمودي کرښو قاعدې چې د دي نقطو څخه پرمحورباندي رسم شوي دي ، پرمحورباندي د دغو نقطو مرتسمي بلل کيږي .

د محور د قطعه خط اندازه چې د دي وکتور د پيل او انجام ترمنځ پرمحورباندي پرته ده ، د خپلي مثبتې اوياهم منفي علامي سره دهمدي وکتور مرتسمه پرمهمدي محورباندي بلل کيږي او د  $F_x$  په تورو سره بنودل کيږي .



شکل 2.25

د وکتور مرتسمه پرمحورباندي مثبته گڼل کيږي، که چيري دهغه د پيل څخه د انجام پرخواجهت د محور د مثبت لوري سره مطابقت ولري اوکه پر عکس وي نوبيامرتسمه منفي گڼل کيږي .

د شکل څخه معلوميږي، کله چې وکتور د محور د جهت سره حاده يا وړوکی زاويه جوړه کړي ، نو د هغه مرتسمه پرمحورباندي مثبته گڼل کيږي ، خو کله چې دا زاويه منفرجه يا غټه وي نومرتسمه هم منفي گڼل کيږي .

نوداسي يې بولو چې

$$F_x = \pm ab$$

د + او - علامي د 1489 په شاوخواکي کي د جرمني پوه يوهان ويډمن Johannes Widmann په کتاب کي درج شوي دي.

د ± علامه په 1626 کي د البيرت ريرارد Albert Girard لخوا رامنځ ته شوه.

بايد يادونه وشي چې پرمحورباندي مرتسمه وکتوري نه بلکي سکالري الجبري کميت دی ، ځکه چې هغه پخپل عددي قيمت او علامي سره پوره پيژندل کيږي .

د دې لپاره چې وکتور پرمحورباندي رسم کړو ، آسانه لار يې دا ده چې هغه پر هغه موازي محورچي د وکتور د مبدأ څخه تيريري رسم کړو . معلومه خبره ده چې د وکتور مرتسمه به پردو موازي او همجهته محورونو باندي کټ منډ داسي وي لکه دوي موازي توټه کړنبي .

د F د وکتور د مبدأ يعني A نقطې څخه د x محور د محور سره موازي او همجهته رسمو، د F وکتور او د محور د مثبت لوري ترمنځ زاويه په «α» سره ښيو . پدې صورت کي د ABC د قايم الزاويه مثلث څخه لرو:

$$ab = Ac = AB \cos \alpha \quad \text{يا} \quad F_x = F \cos \alpha \quad \dots (2.6)$$

د وکتور مرتسمه پرمحورباندي مساوي ده دهغه په مودول ضرب دهغي زاويې په Cos کي چې وکتور يې د مرتسمي د محور د مثبت جهت سره جوړوي .

دغه مساوات نه يوازې د مرتسمي قيمت بلکي دهغي علامه هم تعينوي .

که α حاده زاويه وي ، نو د هغي cos هم مثبت دی او مرتسمه هم مثبته گڼل کيږي . که α منفي وي نوبياپر عکس.

خوله بله پلوه د منفرجي زاويې لپاره  $\cos \alpha = \cos(180^\circ - \beta) = -\cos \beta$  او پدې صورت کي هم

$$F_{1x} = -ab_1 = -AB_1 \cos \beta = AB_1 \cos \alpha$$

د دې لپاره چې په محاسبو کې د منفرجه زاويو د مثلثاتي توابعو سره ستونزې پيدا نکړو ، نو بڼه به دا وي چې سمدلاسه د وکتور مرتسمه د حاده زاويې په  $\cos$  کې ضرب کړو (د وکتور او د مرتسمې د محور ترمنځ زاويه ) او وروسته يې علامه يامثبته وليکو ، کله چې زاويه حاده وي او يا يې هم منفي وليکو ، کله چې زاويه منفرجه وي .

اوس به نو دوه ځانگړي حالتونه تر مطالعې لاندې ونيسو :

### لومړی حالت :

وکتور د مرتسمې د محور سره موازي دی ،  $\alpha = 0^\circ$  يا  $\alpha = 180^\circ$  داپدې پورې اړه لري چې دوکتور کوم جهت د مرتسمې د محور د مثبت يا منفي لوري سره مطابقت کوي . پدې صورت کې  $\cos \alpha = \pm 1$  او  $F_x = \pm F$  نومعلوميري چې دوکتور مرتسمه پر هغه محور چې دده سره موازي دی ، مساوي ده دوکتور په مودول سره . مثبت يا منفي علامه دوکتور په جهت پورې اړه لري .

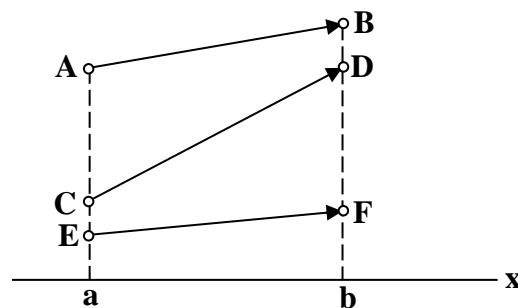
### دوهم حالت :

وکتور د مرتسمې پر محور باندې عمود دی  $\alpha = 90^\circ$  ، نو پدې صورت کې

$$\cos \alpha = 0; \quad F_x = 0$$

يعني د وکتور مرتسمه پر هغه محور باندې چې پروکتور باندې عمود وي صفر ده .

که چيرې وکتور او محور دواړه را کرل شوي وي ، نود وکتور مرتسمه د همدې لارې څخه معلوميري . ولې يوازې د وکتور مرتسمه نه شي کولای خپله وکتور معلوم کړي ، ځکه چې مختلف وکتورونه کولای شي ، پر عين محور باندې عين مرتسمې ولري مثلاً ودې شکل ته دې وکتل شي .

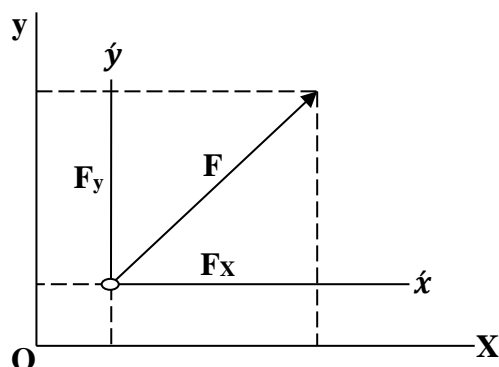


شکل 2.26

د وکتور د پيدا کولو لپاره بايد لږ تر لږه د هغه مرتسمې پردو موازي محورونو باندې چې د هغو په مستوي کې دا وکتور واقع دی ، راته معلومي وي . کار به هله نور هم آسانه شي که چيرې دا متقابلاً عمود محورونه وي . (پر مستوي باندې د ديکارټ عمودي- قايم الزاويه کار دیناتي سيستم ) .

پدې صورت کې لکه چې ليدل کيږي ،  $F$  د هغه مستطیل قطردی چې ضلعي يې په عددي قيمت سره د کار دیناتي سيستم د مرتسمې سره مساوي دي ، نو د وکتور مودول :

$$F = \sqrt{F_x^2 + F_y^2} \quad \dots (2.7)$$



شکل 2.27

د وکتور مودول مساوی دی دهغه د مرتسموپه مربع سره چې پردو متقابلاً عمودي محورونو باندې چې د وکتور په مستوي کې واقع وي، پرتې وي، تر مربع جذر لاندې .

د وکتور مودول تل مثبت وي او جهت يې پدې ډول معلومېږي :

$$F_x = F \cos(\hat{F}, x); F_y = F \cos(\hat{F}, y)$$

$(\hat{F}, x)$  او  $(\hat{F}, y)$  هغه زاويې دي چې وکتور يې د دې محورونو د مثبتو جهتونو سره جوړوي .

$$\cos(\hat{F}, x) = \frac{F_x}{F}$$

$$\cos(\hat{F}, y) = \frac{F_y}{F} \dots (2.8)$$

د هغې زاويې  $\cos$  چې د وکتور او د مرتسمې د محور د مثبت لوري سره جوړه شوي ده د جهت ورکونکي  $\cos$  په نامه سره يادېږي او هغه مساوي دی د مرتسمې او وکتور په نسبت سره .

نو داسې ويلاى شو چې د کار دیناتي سیستم پرمخ هر وکتور دهغه د مرتسمو پواسطه معلومېدلاى شي .

(دوې مرتسمې بايد راته معلومي وي که چيرې وکتور او محور په يوې مستوي کې واقع وي ) .

## 2.7- د وکتورونو د هندسي مجموعې مرتسمه د محور پرمخ باندې

### Projection of Geometrical summary of Vector on axis

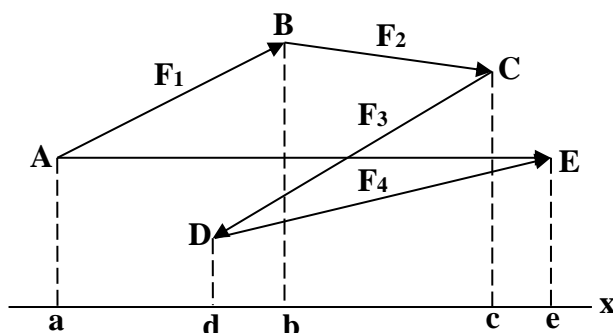
#### قضيه:

پريوه کيفي محور باندې د وکتورونو د هندسي مجموعې مرتسمه مساوي ده پر همهغه محور باندې د مرکب مرتسموپه الجبري مجموعې سره .

د  $F_1$  ،  $F_2$  ،  $F_3$  او  $F_4$  څلور وکتورونه را کرل شوي دي.

د کار د آسانی لپاره هغه وکتورونه را وړل شوي دي چې په یوې مستوي کې واقع دي ، خو قضیه د عمومي حالت لپاره هم د تطبیق وړده .

د وکتورونو د هندسي جمع له مخې هغه به په  $\bar{AE} = F_{principal}$  چې د ABCDE کثیرالاضلاع ترونکي ضلعه ده ، وینئو .



شکل 2.28

د ټولو وکتورونو مرتسمې د «X» پرمحور باندې :

$$F_{1x} = ab ; F_{3x} = -cd$$

$$F_{2x} = bc ; F_{4x} = dc ; F_{pri x} = ae$$

لکه چې وینو :

$$ae = ab + bc - cd + de$$

یابه بل عبارت:

$$F_{pri x} = F_{1x} + F_{2x} + F_{3x} + F_{4x} = \sum F_{kx} \dots (2.9)$$

قضیه هم ثابتې شوه .

## 2.8- په تحلیلي ډول سره د متلاقي قواو د مستوي سیستم د محصلې قوې تعینول

### Analytical Conditions of Equilibrium of a Plane Concurrent Force system

لکه چې پوهیږو د قواو د متلاقي مستوي سیستم محصله قوه مساوي ده د ټولو قواو په هندسي مجموعې سره . سربیره پردې پوهیږو چې د وکتورونو د هندسي مجموعې مرتسمه پریوه محور باندې مساوي ده پرمهدې محور باندې د دې وکتورونو د مرکبو قواو په الجبري مجموعې سره .

لکه څنگه چې دا قاعده د هر ډول وکتورونو لپاره د تطبیق وړ ده ، نو داسې معلومیږي چې پرمحور باندې د متلاقي قواو د مستوي سیستم د محصلې قوې مرتسمه مساوي کیږي د مرکبو قواو د مرتسمو په الجبري مجموعې سره پرمهدې محور باندې .

د محصله قوې  $\Sigma F$  او د مرکبو قواو مرتسمې به د  $x$  او  $y$  پرمحورونو باندې ، لکه چې زیاتره وختونه په غټو تورو باندې لکه  $X$  ،  $Y$  سره بنودل کیږي او د هغوی ترڅنګ لږڅه کښته اړونده انډیکس هم علاوه کیږي ، وینئو .

$$\left\{ \begin{array}{l} \sum F_x = \sum X = x_1 + x_2 + x_3 + \dots = \sum x_k \\ \sum F_y = \sum Y = y_1 + y_2 + y_3 + \dots = \sum y_k \end{array} \right. \dots (2.10)$$

که چیري د یوې قوې دوی مرتسمې پرمقابلاً عمودو محورونو باندې په هغه مستوي کې چې د دې قواو وکتورونه واقع دي، معلومي وي نو دهغې د مودول اوجهد د تعیینولو لپاره کولای شو د (7) او (8) فورمول څخه گټه واخلو.

د متلاقي قواو د مستوي سیستم د محصلي قوې مودول د لاندې فورمول په مرسته پیدا کیري :

$$R = \sqrt{\sum X^2 + \sum Y^2} = \sqrt{(\sum X_k)^2 + (\sum y_k)^2} \dots (2.11)$$

د محصله قوې او محورونو ترمنځ زاويې يعني د محصله قوې جهت په لاندې ډول سره معلومیري :

$$\left. \begin{array}{l} \cos(\sum \hat{F}, x) = \frac{\sum X}{\sum F} = \frac{\sum X_k}{\sqrt{(\sum X_k)^2 + (\sum y_k)^2}} \\ \cos(\sum F, \hat{y}) = \frac{\sum y}{\sum F} = \frac{\sum y_k}{\sqrt{(\sum X_k)^2 + (\sum y_k)^2}} \end{array} \right\} (2.12)$$

(11) او (12) فورمولونه د دې امکان پلاس را کوي چې د متلاقي قواو د مستوي سیستم د محصلي قوې مودول اوجهد معلوم کړو . د  $F_1, F_2, \dots, F_n$  مرکبو قواو مرتسمې په آسانی سره کولای شو د (6) فورمول په مرسته محاسبه کړو.

$$X_1 = F_1 \cos(F_1, \hat{X}) y_1 = F_1 \cos(F_2, \hat{y})$$

$$X_2 = F_2 \cos(F_2, \hat{X}) y_2 = F_2 \cos(F_2, \hat{y})$$

.....

$$X_n = F_n \cos(F_n, \hat{X}) y_n = F_n \cos(F_n, \hat{y})$$

**مثال:**

څلور قوې د جسم پریوې نقطې باندې تأثیر کوي :

$$F_1 = 10 N ; F_2 = 10 N ; F_3 = 15 N ; F_4 = 20 N$$

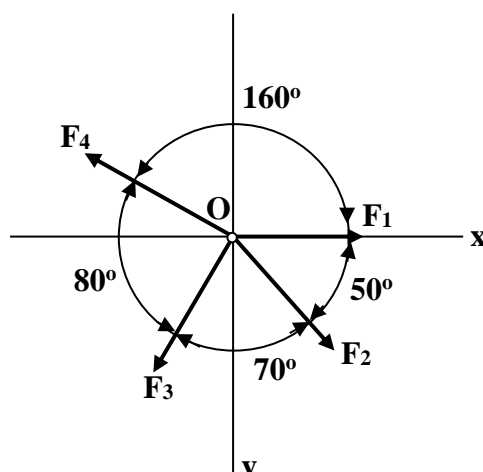
د قواو جهتونه په شکل کې را کړل شوي دي ، د وکتورونو ترمنځ زاويې :

$$(F_1, F_2) = 50^\circ$$

$$(F_2, F_3) = 70^\circ$$

$$(F_3, F_4) = 80^\circ$$

د دې قواو محصله قوه په تحلیلي طریقې سره پیدا کړئ



شکل 2.29

**حل :** د «O» عمومي نقطه د کار دیناتي سیستم د مبدأ په توګه سره منو .

د  $F_1$  قوې د تأثیر کرښه د «X» د محور سره جوخت او منطبقو او . لکه په شکل کې چې ښودل شوي ده د «y» محور پر x باندې عمودي توجیه کوو .

د (6) فورمول په مرسته د ټولو قواو مرتسمې د کار دیناتي سیستم پر محور باندې رسمو:

$$X_1 = F_1 \cos 0^\circ = F_1 = 10 \text{ N}$$

$$X_2 = F_2 \cos 50^\circ = 10(0.643) = 6.43 \text{ N}$$

$$X_3 = -F_3 \cos(180^\circ - 120^\circ) = -F_3 \cos 60^\circ = -15(0.5) = -7.5 \text{ N}$$

$$X_4 = -F_4 \cos(180^\circ - 160^\circ) = -F_4 \cos 20^\circ = -20(0.940) = -18.8 \text{ N}$$

$$Y_1 = F_1 \cos 90^\circ = 10 \cdot 0 = 0$$

$$Y_2 = F_2 \cos 40^\circ = 10(0.766) = 7.66 \text{ N}$$

$$Y_3 = F_3 \cos 30^\circ = 15(0.866) = 12.99 \text{ N}$$

$$Y_4 = -F_4 \cos 70^\circ = -20(0.342) = -6.84 \text{ N}$$

د (12) فورمول په مرسته د محصله قوې جهت پیدا کوو:

$$\cos(\Sigma F; X) = \frac{\Sigma X}{\Sigma F} = -\frac{9.87}{17} = -0.580$$

$$\cos(\Sigma F; Y) = \frac{\Sigma y}{\Sigma F} = \frac{13.81}{17} = 0.812$$

د جدول په مرسته د محصله قوې  $\Sigma F$  د تأثیر کرښې او د محورونو د مثبت لوري ترمنځ زاویې هم پیدا کوو:

$$(\Sigma F; X) = 125^\circ$$

$$(\Sigma F; y) = 35^\circ$$

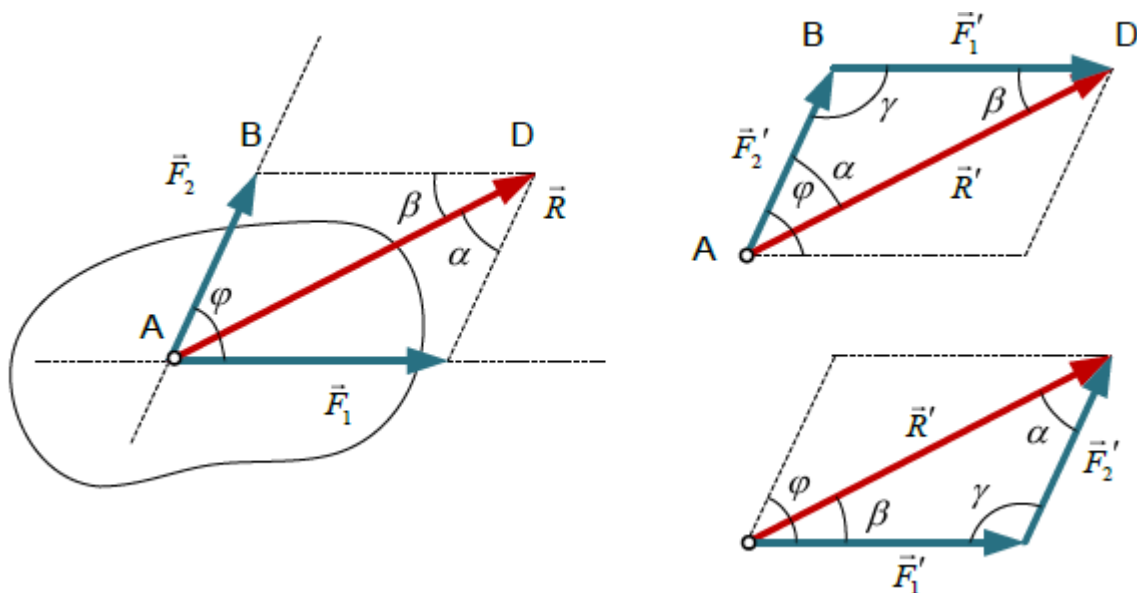
## 2.9- د متلاقي قواو د مستوي سیستم د تعادل شرایط Condition of Equilibrium

د متلاقي قواو هر مستوي سیستم کیدلای شي چې په محصله قوه باندې تعویض شي ، معلومه خبره ده که چیرې د متلاقي قواو یو داسې سیستم په تعادل کې واقع وي ، یعنی د صفر سره معادل وي نودهغه محصله قوه هم باید د صفر سره برابره وي .

د محصله قوې په صفر سره مساوي کیدل د متلاقي قواو د مستوي سیستم د تعادل ضروري اوکافي شرایط دي .

لکه څنگه چې محصله قوه په درو طریقو گرافیکي، هندسي (کرافیک-تحليلي) او تحلیلي، سره محاسبه کیږي ، نود متلاقي قواو د مستوي سیستم د تعادل شرایط هم پردې ډوله دي :

1. گرافیکي طریقه: د خط کش او پنسیل په مرسته په یوه ټاکلي مقاس سره قوه ایز متوازي الضلاع رسمیري چې قطر یې مطلوبه محصله قوه ده.



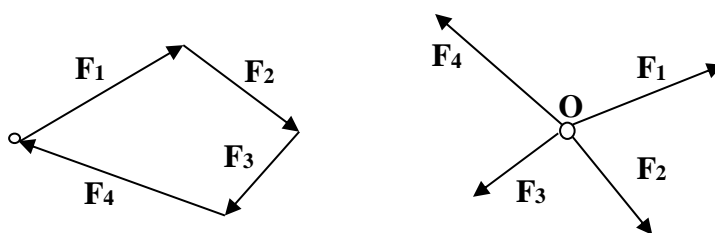
شکل 2.30

2. په هندسي شکل سره د تعادل شرایط

د متلاقي قواو د مستوي سیستم د تعادل شرایط د هندسي طریقي سره سم پدې ډول دي چې د قوه ایز کثیرالاضلاع ترونکي ضلعه پخپله محصله قوه ده .

که چیرې محصله قوه په صفر سره مساوي وي ، نو ضروري ده چې آخرنی یا ترونکي ضلعه هم د صفر سره برابره شي ، یعنی دا قوه ایز کثیرالاضلاع خپل پخپله تړل کیږي . له دې ځایه څخه دا شرایط هم منځ ته راځي چې :

د متلاقي قواو د مستوي سیستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې قوه ایز کثیرالاضلاع چې د قواو پردې سیستم باندې جوړ شوی دی، باید تړل شوی وي .



شکل 2.31

په شکل کې هغه تړل شوي کثیرالاضلاع چې د متلاقي قواو  $F_1, F_2, F_3, F_4$  د مستوي سيستم د تعادل لپاره جوړ شوی دی رسم شوی دی .

باید وویل شي چې په تړل شوي قوه ایز کثیرالاضلاع کې د آخري قوې د وکتورانجام د لومړۍ قوې د وکتور د پیل سره مطابقت کوي او د ټولو قواو د وکتورونو جهت هم و یوې خوا یعنی د کثیرالاضلاع پرمحیط باندي و راگرځیدلو ته متوجه دی.

### 3. په تحلیلي شکل سره د تعادل شرایط

په تحلیلي شکل سره د محصله قوې مودول د دې فورمول په مرسته پیدا کيږي :

$$\Sigma F = \sqrt{(\Sigma X_k)^2 + (\Sigma y_k)^2}$$

خوکه چېرې  $\Sigma F = 0$  شي نو تړل لاندې افاده هم باید د صفر سره مساوي شي . لکه څنگه چې تړل لاندې د افادې اجزا د یوه ډول عددونو (مهمه نده مثبتو که منفي اعدادو) مربع دي او تل مثبت را وزي نو  $\Sigma F = 0$  یوازې هغه وخت تحقق پیدا کولای شي چې تړل لاندې د هرې افادې مربع جلا جلا د صفر سره برابره شي ، یعنی :

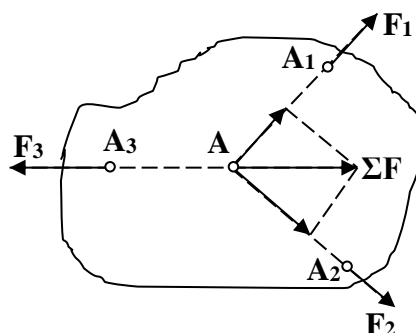
$$\begin{aligned} \Sigma F_x &= \Sigma X_k = 0 \\ &\dots (2.13) \\ \Sigma F_y &= \Sigma y_k = 0 \end{aligned}$$

دغه معادلې د تعادل د معادلونو په نامه سره یادېږي .

نوږدې ډول د متلاقي قواو د مستوي سيستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې د ټولو قواو مرتسمې پره دواړو متقابلاً عمودي محورونو باندي چې د قواو د تاثیر د کرني په مستوي کې واقع دي ، د صفر سره برابري شي .

### 2.10- د دريو غير موازي متلاقي قواو چې په يوې مستوي کې واقع دي د تعادل په هکله قضيه

### Equilibrium of three- dimensional Concurrent force system



شکل 2.32

که چیرې «3» غیرموازي قوې چې په یوې مستوي کې پرتې وي متعادلي اوسي ، نو د هغوی د تأثیرکرنې په یوې نقطې کې سره قطع کوي .

### ثبوت :

داسې یې بولو چې په  $A_1$  ،  $A_2$  او  $A_3$  نقطو کې درې غیرموازي قوې  $F_1$  ،  $F_2$  او  $F_3$  چې په یوې مستوي کې پرتې دي ، یوه بله سره متعادليوي . لکه څنګه چې دا قوې سره موازي نه دي ، نو د هغوی څخه د دوو قواو مثلاً  $F_1$  او  $F_2$  د تأثیرکرنې په یوې نقطې ( $A$ ) کې هرومرو سره قطع کوي . د  $A$  ونقطې ته د  $F_1$  او  $F_2$  قواو انتقال د هغوی د تأثیرد کرنې په امتداد او وروسته بیا د متوازي الاضلاع په طریقې سره د هغوی جمع کول ، د دې امکان پلاس راکوي چې د هغوی محصله قوه یعنې  $\Sigma F$  پیدا کړو .

اوس نو داسې یې ګنلای شو چې پر جسم باندې یوازې دوی قوې یعنې  $\Sigma F$  او  $F_3$  اغیز کوي .

دا دوی قوې باید نظریه مودول سره مساوي او د یوې کرنې په امتداد مخالف الجهته وي ، ځکه چې د راکرل شوو شرایطو سره سم دا قوې متعادلې کيږي ، نو لدې کبله د  $F_3$  قوې د تأثیرکرنې باید د  $\Sigma F$  قوې د تأثیرد کرنې سره مطابقت وکړي ، یعنې دا چې د «A» د نقطې څخه تیره شي چې په هغې کې د  $F_1$  او  $F_2$  قواو د تأثیرکرنې هم سره قطع کوي .

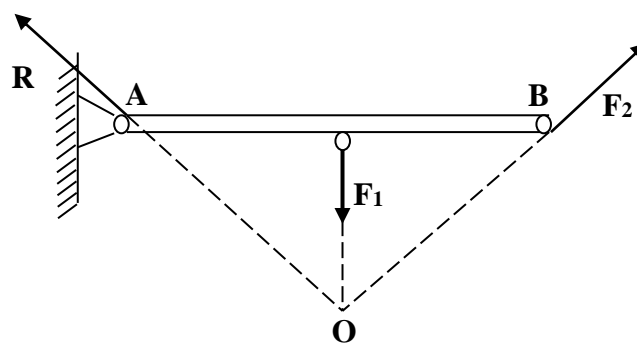
د درې غیرموازي قواو د تعادل د شرط ثبوت ضروري دی ولي کافي نه ګڼل کيږي .

مورکولای شو تائید کړو ، که چیرې درې غیرموازي قوې په تعادل کې واقع وي ، نو د هغوی د تأثیرکرنې په یوې نقطې کې سره قطع کوي ، ولي مور نه شو کولای د دې کار عکس هم تائید کړو .

که چیرې د درې غیرموازي قواو د تأثیرکرنې په یوې نقطې کې سره قطع کړي نو دا د دې معنی نه ورکوي ، چې دا درې قوې په تعادل کې سره واقع دي .

که چیرې جسم د «3» غیرموازي قواو تر تأثیر لاندې چې په یوې مستوي کې پرتې وي په تعادل کې واقع وي (پدې جمله کې د ارتباطاتو د عکس العمل نامعلومي قوې هم شاملې دي) نو د ارتباطاتو د عکس العمل قواو جهت کیدای شي چې د پورته قضیې پر بنسټ تعین کړل شي .

د قضیې سره سم د دې قواو د تأثیرکرنې باید په یوې نقطې کې سره قطع کړي .



شکل 2.33

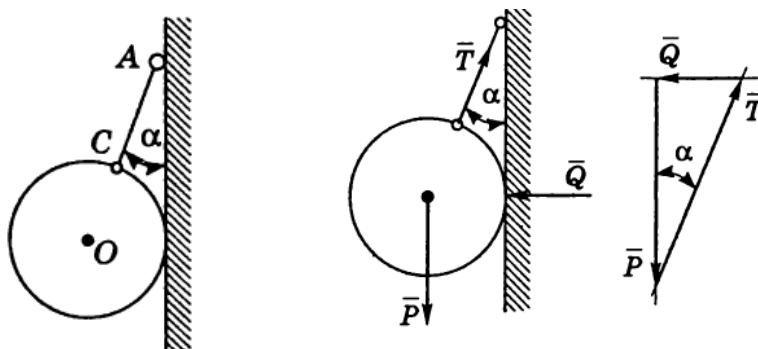
پدې شکل کې پر همدې قضیې بناشوی طریقه د «A» غیرمتحرک مفصل د عکس العمل قوې «R» د جهت د تعینولو لپاره بنودل شوي ده .

د شکل څخه لیدل کيږي چې د عکس العمل قوې R د جهت د معلومولو لپاره باید د  $F_1$  او  $F_2$  قواو چې پر جسم باندې تأثیر کوي ، د تأثیرو کرنو ته دوام ورکړل شي ، ترڅو د «O» په نقطې کې یوبل سره قطع کړي .

هغه مستقيمه کرښه چې د «O» نقطه د «A» غیر متحرکي نقطې سره نښلوي (د مفصل د غیر متحرک بولت چې دلته د يوې نقطې په توګه منل شوی دی) د A د مفصل د عکس العمل قوې R د تأثیر د کرښې جهت تشکیلوي، خو د تعادل په هکله يې پریکړه کول ناشونی کار دی.

مثال:

په يوه عمودي هوار ديوال پورې د AC کيبل له لارې د O ګلوله خړول شوي ده. پری د ديوال سره د  $\alpha$  زاويه جوړوي، د جسم وزن P دی. د کشش قوه او د Q ګلولې فشار پر ديوال باندې پيدا کړی؟



شکل 2.34

حل:

د درو غیر موازي قواو د قضیې څخه ګټه اخلو چې جسم د قواو تراغيزي لاندې په تعادل کې واقع دی.

يعني د  $\vec{T}$ ،  $\vec{P}$  او  $\vec{Q}$  تر تأثیر لاندې د ګلولې د تعادل معادلي به داسې وي:

$$T + Q + P = 0$$

د شکل څخه د QPT قوه ايز مثلث څخه لرو چې:

$$T = P / \cos \alpha; \quad Q = P \tan \alpha$$

## 2.11- د مسئلې حل لپاره ډيره مهمه لارښوونه

### Very important direction for solution of problems

نه يوازې د متلاقي قواو بلکې د هر ډول واردو شوو قواو د تعادل لپاره بايد لاندې لارښوونه او د حل ترتيب په نظر کې ونیول شي.

تر هر څه دمخه بايد مسئلې ته په ځير سره وکتل شي او بڼه پوه شو چې د څه شي غوښتنه شوې ده، وروسته هغه نقطه يا جسم چې د هغه تعادل تر مطالعې لاندې نیول کيږي د «آزادولو» اصل د طریقي سره سم بايد د ارتباطاتو څخه راخلاص شي او د هغو تأثیر د عکس العمل د قواو په شکل سره وښودل شي.

د يوه معين مقياس د ټاکولو لارې بايد د مسئلې شیماتيکي رسم وکښل شي او په هغه کې ټولې فعالې او د عکس العمل قوې چې پر جسم باندې تأثیر کوي، وښودل شي.

د عکس العمل قوې تقريباً تل نامعلومي وي، د هغوی د مودول او کله ناکله د مودول او جهت تعینول نظر و راکړل شوو قواو ته د سناتيک د ډيرو مسئلو منځ پانګه او ماهيت تشکیلوي.

د دې لپاره چې د عکس العمل قواو جهت معلوم کړو، بايد د «ارتباطات او د هغوی د عکس العمل قوې» په بڼه توګه وکتل شي او ګټه ځيني واخيستل شي.

وروسته له دې چې پر جسم باندې چې په تعادل کې واقع دي ، فعالی قوې او د ارتباطاتو د عکس العمل قوې تعیني کړای شوي ، نو موږ د جسم د تعادل په هکله باید هندسي ، گرافیکي او یا هم تحلیلي طریقه په کار واچوو .

دلته باید یادونه وشي چې باید پدې پوه شو چې د کومي مسئلې لپاره کومه یوه طریقه آسانه ده ، نو هغه طریقه باید وټاکل شي .

د هندسي طریقي سره سم موږ د متلاقي قواو د مستوي سیستم لپاره نامعلومي قوې د تړلي قوه ایز کثیر الاضلاع پواسطه او یا بیخي په سوچه گرافیک ډول سره معلومو . د دې ډول کثیر الاضلاع د رسمولو په وخت کې باید مقیاس په جدي توگه مراعات شي او یا دا چې د هغه اضلاع او زاویې د هندسي اومثلاثو د قواعدو په مرسته محاسبه کړو .

د تحلیلي طریقي سره سم موږ د نامعلومی قواو د پیداکولو لپاره د قواو د مرتسمې د طریقي او فورمولو څخه کار اخلو . یعنی د (13) فورمول څخه گټه پورته کوو:

$$\Sigma X_k = 0 \quad ; \quad \Sigma Y_k = 0$$

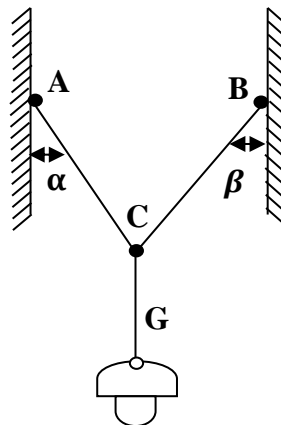
د دې طریقي د استعمال په وخت کې اسانه دا ده چې د کار دیناتي سیستم د مبدأ په توگه سره هغه نقطه وټاکل شي چې په هغې کې قوې سره یوځای کیږي او کار دیناتي سیستم داسې وتړل شي چې پرمحور باندې د قواو مرتسمې په آسانی سره پلاس را شي .

ډیرکله آسانه لار دا ده چې یو محور د یوې نامعلومي قوې د تأثیر پرکرنه باندې عمود وتړل شي ، پدې صورت کې د دې نامعلومي قوې مرتسمه د تعادل د معادلي څخه وزی او د تعادل د معادلي حل ډیر آسانه کیږي .

تر هغو پورې چې د مسئلو د حل په هکله لږڅه تجربه پلاس را وړو ، نو د تعادل د معادلو د ترتیبولو لپاره به ښه دا وي چې د مرتسمو قیمتونه د کار دیناتي محور پرمخ باندې په یوه جلا جدول کې درج او ولیکل شي . دا کار د دې امکان پلاس را کوي چې د مسئلې کنترول آسانه شي او د غلطی لټول چټک شي .

د پورته لارښوونې عملي تطبیق :

مثال :



شکل 2.35

په سرای کې د دوو دیوالونو ترمنځ په تارو باندې څراغ څریري .

د څراغ وزن  $G = 20 \text{ N}$  ، کین دیوال د تارسره  $\alpha = 45^\circ$  او راسته دیوال د تارسره  $\beta = 30^\circ$  زاویې جوړوي .

په دواړو تارونو کې د کشش قوه پیدا کړئ ؟

حل : په مثال کې د تارونو د کشش قوه پوښتل شوې ده . تارونه د څراغ د وزن د قوې تر تأثیر لاندې کشیږي ، فعاله قوه «G» د څراغ وزن دی او هغه د «C» په نقطې کې څریري او همدلته یې د تأثیر نقطه ده .

خو دغه نقطه آزاده نه ده بلکي د CB او CA تارونو له لاري د ديوال سره اړيکه لري .

د «C» نقطې تعادل ترکنتي لاندې نيسو:

د هرڅه د مخه دغه نقطه د ارتباطاتو څخه آزادو (خيالي دغه تارونه شلوي او پرې کوي يې) او د هغوی تأثير د عکس العمل د قواو له لاري نيسو . پدې صورت کي کولای شو د «C» نقطه د يوې آزادي نقطې په ډول سره چې د قواو تر تأثير لاندې په تعادل کي واقع ده، مطالعه کړو .

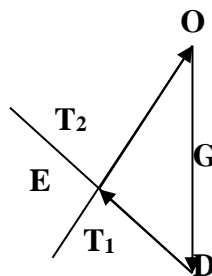
دا درې قوې عبارت دي له:  $G$ ،  $T_1$  او  $T_2$  (د تارو کشش)

دغه قوې په عددي قيمت سره د هغو نامعلومو قواو سره مساوي دي چې مور يې د تار د کشش نامعلومي قوې بولو. د دې معنی دا ده چې د تار د کشش قوې کولای شو د هغو د عکس العمل په قواو باندې تعويض کړو. يعنې دا چې د عکس العمل قوې پيدا کړو. د دې مسئلې د حل لپاره د اړونده درو طريقو څخه کار اخلو:

### a- گرافيکي طريقه:

يو معين مقياس ټاکو مثلاً،  $1 \text{ N/mm}$ . د يوې کيفي «0» نقطې څخه دغه وکتور د  $G$  قوې د تأثير پر لوري باندې غځوو او رسموو يې، نو د وکتور اوږدوالی چې  $20 \text{ mm}$  کيږي د کاغذ پر مخ منځ ته راځي. وروسته د دې وکتور د مبدأ يعنې «0» نقطې څخه د  $OE$  مستقيمې کرښه رسموو چې د  $BC$  تار سره موازي وي او د  $D$  د آخر څخه د  $DE$  مستقيمې کرښه چې د  $AC$  تار سره موازي ده هم رسموو.

لکه څنگه چې ټولې قوې د «C» په نقطې کي په تعادل کي دي، نو هغه د  $ODE$  قوه ايزمئلث چې پدې ډول پلاس راځي بايد ترلی مئلث وي، يعنې ټول وکتورونه بايد ويوي خواته متوجه وي او د مئلث د محيط د امتداد په لور وي. د دې مئلث ضلعي  $DE$  او  $EO$  د نامعلومو قواو يعنې د تار کشش د قواو مودول او جهت را په گوته کوي. د هغوی د مودول د پيدا کولو لپاره يعنې د تار د کشش د قواو د معلومولو لپاره بايد په هم هغه ټاکل شوي مقياس سره د مئلث د  $DE$  او  $EO$  ضلعي اندازه کړو.



شکل 2.36

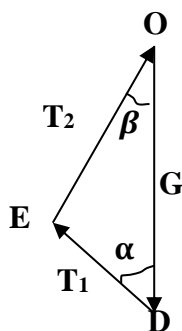
### b- هندسي طريقه:

د مئلث نامعلومي ضلعي کولای شو نه يوازي نيغ په نيغه اندازه کړو بلکي کولای شو هغه محاسبه هم کړو .

د  $ODE$  د قوه ايزمئلث د رسمولو لپاره د هندسي طريقې څخه پوهيږو چې:

$$E\hat{O}D = \beta \quad ; \quad O\hat{D}E = \alpha$$

د  $\sin$  ساين د قضیې سره سم لرو چې:



شکل 2.37

$$\frac{T_1}{\sin\beta} = \frac{T_2}{\sin\alpha} = G / (\sin(180^\circ - (\alpha + \beta))) = \frac{G}{\sin(\alpha + \beta)}$$

$$T_1 = \frac{G \sin\beta}{\sin(\alpha + \beta)} = \frac{20(\sin 30^\circ)}{\sin(45^\circ + 30^\circ)} = \frac{20(0.5)}{0.966} = 10.4 \text{ N}$$

$$T_2 = \frac{G \sin\alpha}{\sin(\alpha + \beta)} = \frac{(20)\sin 45^\circ}{\sin 75^\circ} = \frac{(20)0.707}{0.966} = 14.7 \text{ N}$$

**C- تحلیلي طريقه:**

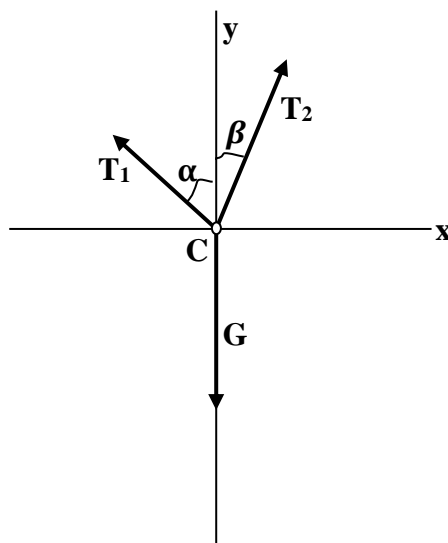
د کار دیناتي سیستم مبدأ د «C» نقطه ټاکو او د هغې نقطې تعادل ترکنتي لاندې نیسو.

د «X» محور افقي و بنی خواته متوجه کوو، د y محور عموداً پورته غځوو.

د شکل څخه لیدل کیږي چې :

$$(T_1, y) = \alpha = 45^\circ$$

$$(T_2, y) = \beta = 30^\circ$$



شکل 2.38

د (6) فورمول په مرسته د ټولو قواو د مرتسمو قیمت پر همدې کار دیناتي سیستم باندې پیدا کوو او د هغه نتایج د کار د آسانی لپاره و جدول ته رسوو:

| قوه   | پرمحور باندې دقوي مرتسمه                            |                     |
|-------|---|---------------------|
|       | x   | y                   |
| $G$   | $0$   | $-G$                |
| $T_1$ | $-T_1 \cos(90^\circ - \alpha) = -T_1 \cos 45^\circ$ | $T_1 \cos 45^\circ$ |
| $T_2$ | $T_2 \cos(90^\circ - \beta) = T_2 \cos 60^\circ$    | $T_2 \cos 30^\circ$ |

(13) فورمول چې د تعادل په هکله دی - داسې شکل ځانته نیسي :

$$\Sigma X_k = -T_1 \cos 45^\circ + T_2 \cos 60^\circ = 0 ; \cos 45^\circ = \frac{\sqrt{2}}{2} = 0.707$$

$$\Sigma y_k = -G + T_1 \cos 45^\circ + T_2 \cos 30^\circ = 0; \cos 30^\circ = \frac{\sqrt{3}}{2} = 0.866$$

$$G = 20N; \cos 60^\circ = 0.5$$

د دې قیمتونو په وضع کولو سره لرو:

$$-0.707 T_1 + 0.5 T_2 = 0$$

$$-0.707 T_1 = -0.5 T_2$$

$$-20 + 0.707 T_1 + 0.866 T_2 = 0; T_1 = 0.5/0.707 T_2$$

وروسته بیا:

$$-20 + 0.707 \left( \frac{0.5}{0.707} \right) T_2 + 0.866 T_2 = 0$$

$$-20 + 1.366 T_2 = 0 \Rightarrow T_2 = \frac{20}{1.366} = 14.6 N$$

$$T_1 = \frac{0.5}{0.707} (14.6) = 10.3 N$$

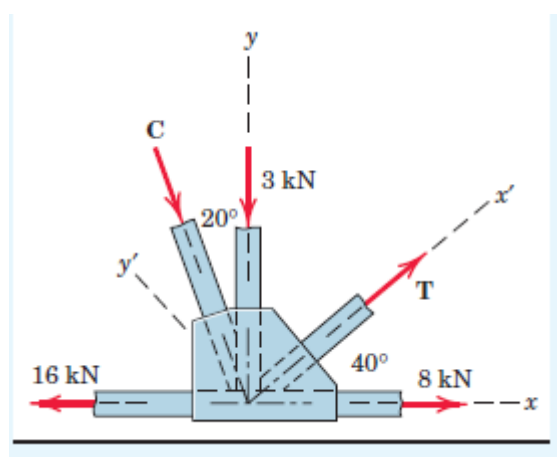
لکه چې مو ولیدل دا مثال په څو طریقو سره حل کیدای شي . د حل د طریقې انتخاب په مسئلې او حل کونکې پورې اړه لري . هندسي طریقه کله چې د قواو شمیرتر «3» زیات وي لږڅه ستونزمنه کیږي.

**مثال:**

د شکل سره سم د پله د یوې ساختماني فرم په غوټه کې د  $C$  او  $T$  قواوو عددي قیمتونه پیدا کړئ.

**لومړی حل:** د سکالري الجبر په مرسته:

د شکل سره سم د  $x$  او  $y$  پر محورونو باندې د ټولو قواوو د مرتسمو الجبري مجموعه به داسې وي:



شکل 2.39

$$\sum F_x = 0 \Rightarrow 8 + T \cos 40^\circ + C \sin 20^\circ - 16 = 0$$

$$0.766T + 0.342C = 8 \dots (a)$$

$$\sum F_y = 0 \Rightarrow T \sin 40^\circ - C \cos 20^\circ - 3 = 0$$

$$0.643 T - 0.940 C = 3 \dots (b)$$

د دي معادلو په حلولو سره لرو چي:

$$T = 9.09 \text{ kN} ; C = 3.03 \text{ kN}$$

**دوهم حل:** د سكالري الجبر په مرسته:

د نورو محورونو يعني د  $x'$ ;  $y'$  له مخي:

$$\sum F_{x'} = 0 \Rightarrow -C \cos 20^\circ - 3 \cos 40^\circ - 8 \sin 40^\circ + 16 \sin 40^\circ = 0$$

$$C = 3.03 \text{ kN}$$

$$\sum F_{y'} = 0 \Rightarrow T + 8 \cos 40^\circ - 16 \cos 40^\circ - 3 \sin 40^\circ - 3.03 \sin 20^\circ = 0$$

$$T = 90.09 \text{ kN}$$

**دريم حل:** د وکتوري الجبر په مرسته:

د کارډينياتي محورونو  $x$  او  $y$  پر مثبتو جهتونو باندې د واحدو وکتورونو  $\mathbf{i}$  او  $\mathbf{j}$  له لاري د تعادل د نقطې لپاره په وکتوري شکل سره معادله به جوړه کړو:

$$\sum \vec{F} = 0 \Rightarrow$$

$$8\mathbf{i} + (T \cos 40^\circ) \mathbf{i} + (T \sin 40^\circ) \mathbf{j} - 3\mathbf{j} + (C \sin 20^\circ) \mathbf{i} - (C \cos 20^\circ) \mathbf{j} - 16\mathbf{i} = 0$$

د واحدو وکتورونو نو په ترتيب سره د صفر سره مساوي نيولو څخه لرو چي:

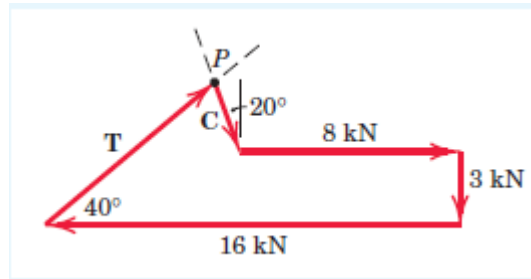
$$8 + T \cos 40^\circ + C \sin 20^\circ - 16 = 0$$

$$T \sin 40^\circ - 3 - C \cos 20^\circ = 0$$

لکه چې وینو د (a) او (b) معادلو ته ورته افادې مو پلاس راوړي.

**څلورم حل :** د هندسي په مرسته

لومړی معلوم وکتورونه او ور پسي نا معلومه وکتورونه تر اړونده زاویو لاندې ايردو. لکه چې وینو دا لاره آسانه بنسکاري. د اړونده کثیرالاضلاع د پنځو قواوو وکتوري مجموعه د صفر سره برابره بڼي. د **C** او **T** قواوو قیمت د رسم کړل شوي شکل څخه د هغوی د وکتورونو په سمه توګه اندازه کولو سره، پلاس راوړو.



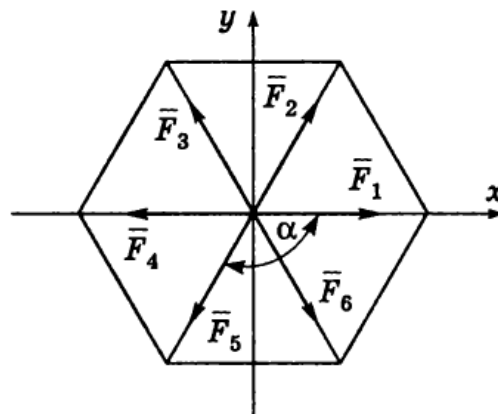
شکل 2.40

**مثال :**

د یوه منظم شپږضلي په منځ کې دا قوې اغیزه کوي .

$$F_1 = 1N ; F_2 = 3N; F_3 = 5N; F_4 = 7N; F_5 = 9N; F_6 = 11N$$

چې د هغه و رأسونو ته متوجه دي. د محصله او متعادلې قواو لوری او قیمت پیدا کړئ؟



شکل 2.41

**حل :**

د R د محصله قوې مرتسمې د کار دیناتي محور پرمخ باندې پیدا کوو:

$$\begin{aligned} \Sigma F_x = 0 &\Rightarrow F_1 + F_2 \cos 60^\circ - F_3 \cos 60^\circ - F_4 - F_5 \cos 60^\circ + F_6 \cos 60^\circ \\ &= 1 + \frac{3}{2} - \frac{5}{2} - 7 - \frac{9}{2} + \frac{11}{2} = -6 N \end{aligned}$$

$$\Sigma F_y = 0 \Rightarrow F_2 \sin 60^\circ + F_3 \sin 60^\circ - F_5 \sin 60^\circ - F_6 \sin 60^\circ = \frac{\sqrt{3}}{2} (8 - 20) = -6\sqrt{3}$$

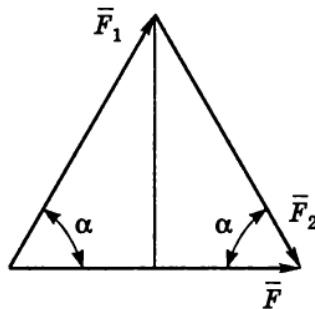
پدې صورت کې :

$$R = \sqrt{\sum F_x^2 + \sum F_y^2} = \sqrt{6^2 + 6^2(3)} = 12 N$$

نو د محصله قوې وکتور د  $F_5$  قوې د وکتور سره يوډول متوجه دی خو د متعادلې قوې وکتور د هغې مخالف يعنې د  $F_2$  قوې د وکتور سره يوشی دی .

**مثال:**

د  $F = 8 N$  قوه پردو مرکبو باندې داسې تجزيه کړی چې هره يوه يې 5 نیوتنه وي . کولای شو چې همدا قوه داسې پردو مرکبو باندې تجزيه کړو چې هره يوه يې 10 نیوتنه او 20 نیوتنه وي او يا هره يوه يې 100 نیوتنه وي.



شکل 2.42

حل :

دا د  $F$  قوه او دوي نورې به په  $F_1$  او  $F_2$  سره وښيو. د شکل سره سم  $F$  د متوازی الاضلاع مثلث د قاعدې په ډول سره ښيو. ځکه چې  $F_1 = F_2$  دی.

د  $F_1$  او  $F_2$  د قواو وافق ته د ميلان د زاويو د مساوات له مخې لرو چې :

$$F_1 \cos \alpha + F_2 \cos \alpha = F \Rightarrow \cos \alpha = \frac{F}{F_1 + F_2} = \frac{F}{2F_1}$$

دلته  $F = 8 N, F_1 = 5 N$  نو پدې صورت کې  $\cos \alpha = 0.8$  او د مربوطه زاويو په ټاکلو سره د  $F$  قوه کولای شو پر  $F_1$  او  $F_2$  باندې تجزيه کړو

$$F_1 = F_2 = 5 N$$

په همدې ډول سره کولای شو دا مثال د  $F_1 = 10 N$  او  $F_2 = 20 N$  لپاره هم حل کړو. د دې لپاره بايد يوازې مربوطه زاويه وټاکو.

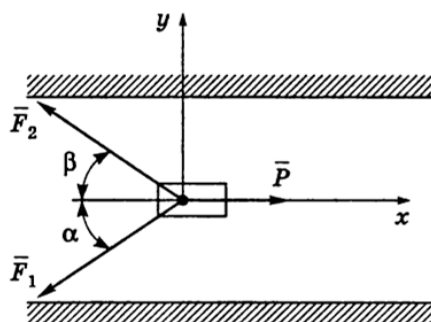
دغه کړنلاره هغه وخت هم د استعمال وړ ده، کله چې د قوې د تجزيې جهت نه وي راکړل شوی .

ځواب: بلې ، که چيرې د تجزيې جهت نه وي راکړل شوی.

**مثال:**

دوه تراکتورونه د يوې سيډې ويالي پر غاړه د ثابت سرعت سره سم په حرکت کې يو بار د دوو کيبلونو په مرسته د اوبو پر مخ باندې کشوي.

د کيبلونو د کشش قوه  $F_1 = 0.8 kN$  او  $F_2 = 0.96 kN$  د دوی ترمنځ زاويه  $\alpha + \beta = 60^\circ$  ، د اوبو مقاومت چې دا بار به يې وزغمي او همدارنگه  $\alpha$  او  $\beta$  چې کيبلونه به يې د ويالي د غاړې سره جوړوي پيدا کړی که چيرې بار د غاړو سره موازي حرکت وکړي.



شکل 2.43

حل:

په شکل کې هغه قوې چې پر بار باندې تأثیر کوي بڼیو. لکه څنګه چې بار د ثابت سرعت سره حرکت کوي نو کولای شو د تعادل معادلې داسې ولیکو:

$$F_1 \cos \alpha + F_2 \cos \beta - P = 0$$

$$F_2 \sin \alpha - F_1 \sin \beta = 0$$

$$\frac{\sin \beta}{\sin \alpha} = \frac{F_1}{F_2}$$

او یا لکه چې:

$$\frac{\sin(60^\circ - \alpha)}{\sin \alpha} = \frac{F_1}{F_2}$$

$$\operatorname{tg} \alpha = \frac{\sqrt{3} F_2}{2F_1 + F_2}; \quad \alpha = \operatorname{arctg} \frac{\sqrt{3} F_2}{2F_1 + F_2} = \operatorname{arctg} \frac{\sqrt{3}(0.96)}{1.6 + 0.96} = 33^\circ$$

$$\beta = 60^\circ - \alpha = 60^\circ - 33^\circ = 27^\circ$$

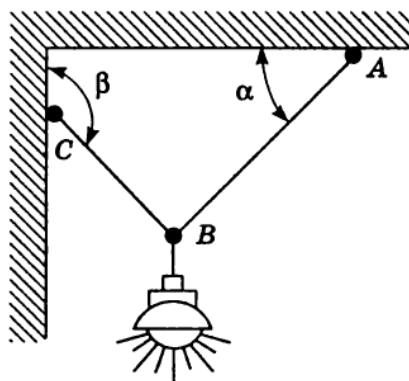
نوږدې ډول لرو چې:

$$P = F_1 \cos \left( \operatorname{arctg} \frac{\sqrt{3} F_2}{2F_1 + F_2} \right) + F_2 \cos \left( 60^\circ - \operatorname{arctg} \frac{\sqrt{3} F_2}{2F_1 + F_2} \right) = 1.53 \text{ kN}$$

$$P = 1.53 \text{ kN} \quad ; \quad \alpha = 33^\circ \quad ; \quad \beta = 27^\circ \quad \text{ځواب}$$

مثال:

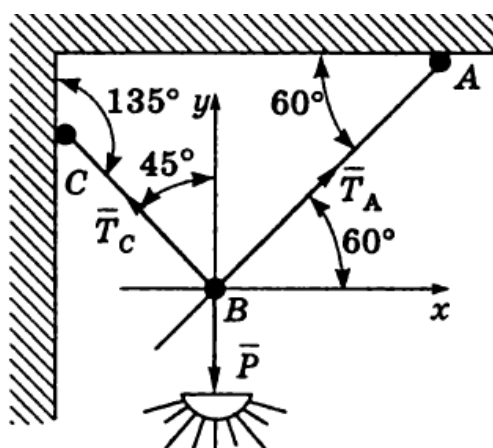
یو برقي گروپ چې وزن یې 20 نیوټنه دی په چټ پورې د پرې پواسطه ځړول شوی دی او بیا د دیوال سره د BC د پرې په مرسته کش کړل شوی دی. د  $T_A$  د (AB تار) او  $T_C$  د (BC تار) د کشش قوې پیدا کړی که چېرې  $\alpha = 60^\circ$  او  $\beta = 135^\circ$  سره وي؟



شکل 2.44

حل :

په شکل کې پر جسم باندې اغیزه کونکې قوې او عکس العملونه هم ښیو. د B نقطې لپاره د تعادل معادلې لیکو :



شکل 2.45

$$T_A \cos 60^\circ - T_C \cos 45^\circ = 0$$

$$T_A \sin 60^\circ + T_C \sin 45^\circ = 0$$

د لومړۍ معادلې څخه معلومېږي چې

$$\frac{T_A}{2} = T_C \frac{\sqrt{2}}{2}$$

$$T_A = T_C \sqrt{2}$$

په دوهمې معادلې کې د دې قیمتو په وضع کولو سره لرو چې :

$$\sqrt{2} T_C \frac{\sqrt{3}}{2} + T_C \frac{\sqrt{2}}{2} = P$$

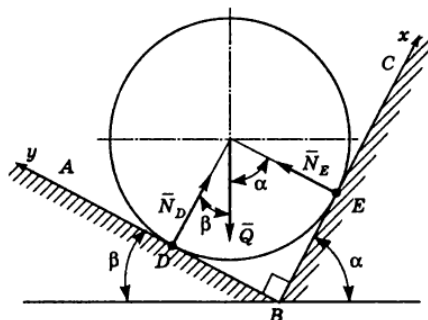
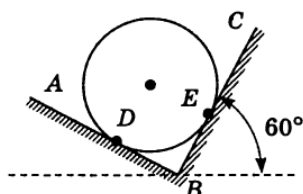
$$T_C (\sqrt{6} + \sqrt{2}) = 2P \Rightarrow T_C = \frac{\sqrt{2} P}{1 + \sqrt{3}} = 10.4 \text{ N}$$

ليکوال: محمود هلمند

$$T_A = \frac{2F}{1 + \sqrt{3}} = 14.6 \text{ kN}$$

مثال:

پردو متقابلاً عمودو هوارو مستوي گانو باندې AB او BC ، يوه کلوله چې وزن يې  $Q = 60 \text{ N}$  دی پرته ده . د کلولې فشار پهرې مستوي باندې پيدا کړئ که چيرې وپو هير وچې د BC مستوي د افق سره 60 درجې زاويه جوړوي ؟



شکل 2.46

حل :

د مسئلې لپاره د تعادل معادلې ترتيبوو:

$$N_D - Q \cos \beta = 0$$

$$N_E - Q \cos \alpha = 0$$

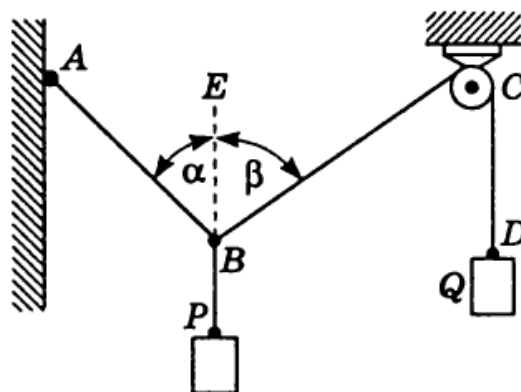
دلته :  $\alpha = 60^\circ$  ،  $\beta = 30^\circ$  ، لروچې :

$$N_D = Q \cos 30^\circ = 52 \text{ N}$$

$$N_E = Q \cos 60^\circ = 30 \text{ N}$$

مثال:

د يوه ABCD بڼې په اخر کې د  $Q = 100 \text{ N}$  وزن خړول شوی دی . د B په نقطې کې دوهم وزن خړيږي او پري ته يې د  $\alpha$  او  $\beta$  زاويو په اندازه انحراف ورکړی دی . که د C څرخ د مقاومت څخه تير شو نو د P وزن او AB او BC په پرو کې د کشش قوې پيدا کړئ ؟  $\alpha = 45^\circ$  او  $\beta = 60^\circ$



شکل 2.47

حل :

تولي قوي پر جسم باندي بنيو اوڊ تعادل معادلي ليکو :

$$-T \sin \alpha + Q \sin \beta = 0$$

$$T \cos \alpha + Q \cos \beta - P = 0$$

$$T = Q \frac{\sin \beta}{\sin \alpha} = 100\sqrt{1.5} = 122 \text{ N}$$

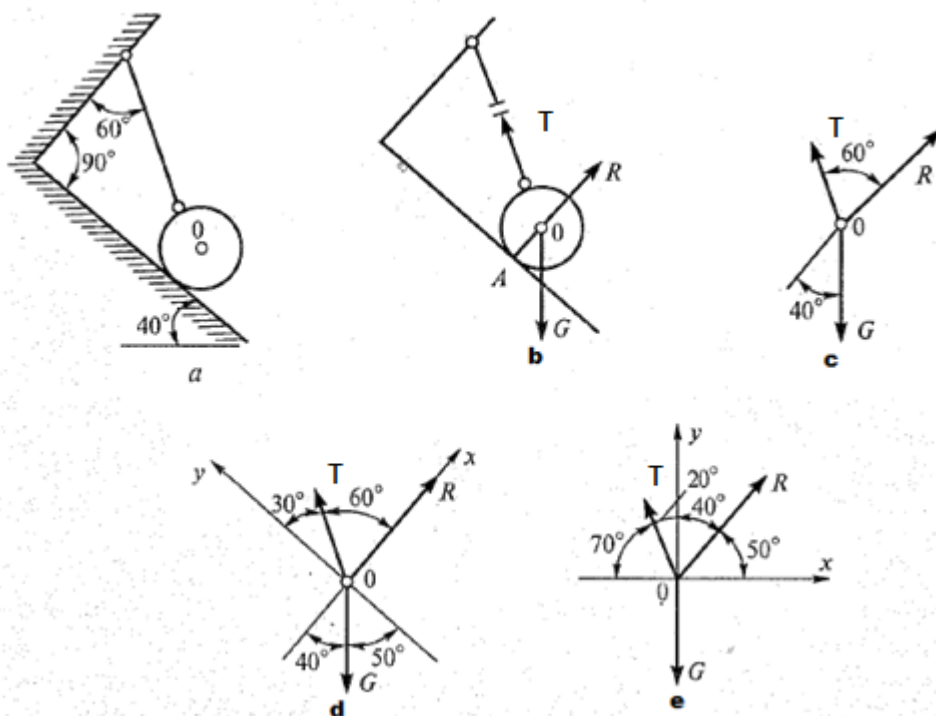
$$P = 122 \frac{\sqrt{2}}{2} + 100 \frac{1}{2} = 137 \text{ N}$$

## 2.12- مشق اوتمرين

د لاندې شکلونو لپاره د عکس العمل د قواو عددي قيمت او جهت پيدا کړئ؟

مثال:

د دې شېما لپاره د عکس العمل د قواو عددي قيمت او جهت پيدا کړئ، پداسې حال کې چې  $G = 30\text{kN}$  وي.



شکل 2.48

حل:

1. دلته د هغه جسم تعادل مطالعه کيږي چې پر مستوي باندې يې تکیه کړې ده او په تار پورې خړيږي. جسم په يوې نقطې O چې د ثقل د مرکز سره مطابقت کوي، بدلوي، د (شکل a)

2. د O پر نقطې باندې فعاله قوه چې خپله د جسم وزن دی، واړدو. ښکاره ده چې جهت به يې کښتي خواته وي. د (شکل b)

3. په خيالي ډول ارتباطات شلوي او ايسته يې غورځوو. دا ارتباطات مستوي او تار دي. د ارتباطاتو تاثير پر O نقطې باندې د عکس العمل په قواو باندې بدلوي. د مستوي د عکس العمل قوه په R سره ښيوي. دا قوه د A په نقطې کې ومستوي ته پرنورمال متوجه ده. د تار د عکس العمل قوه په T سره ښيوي او جهت يې د تار په امتداد د O د نقطې څخه ومستوي ته متوجه دی.

دغه ټولې درې قوې د 3 متلاقي قواو په ډول سره ښيوي، د (شکل c)

4. د کارډيناتي سيستم محورونه ټاکو. د محورونو مبدأ د O د نقطې سره يوځای کوو. د x د محور جهت د R د جهت سره يوشی او مطابق نيسو، د (شکل d)

د y محور پر x باندې عمود نيسو، د محورونو او عکس العمل قواو ترمنځ زاويې پيدا کوو.

کولای شو چې د  $y$  محور د  $G$  سره جوخت کړو او بیا د  $x$  محور پر هغه باندې عمود رسم کړو، د مسئلې حل به لږ څه بل ډول خو ځواب به یې کټ مټ همدا وي.

5. د ټولو قواو مرتسمې به د  $x$  او  $y$  پرمخوونو باندې پیدا کړو:

$$\Sigma F_x = R + T \cos 60^\circ - G \cos 40^\circ = 0$$

$$\Sigma F_y = T \cos 30^\circ - G \cos 50^\circ = 0$$

لکه چې وینو په دوهمې معادلې کې یوازې یو مجهول  $T$  لرو، نو ځکه لومړی هغه پیدا کوو:

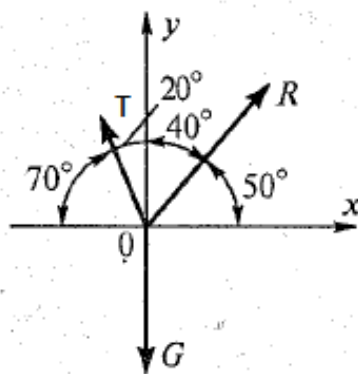
$$T \cos 30^\circ = G \cos 50^\circ \Rightarrow T = \frac{G \cos 50^\circ}{\cos 30^\circ} = \frac{(30)0.643}{0.866} = 22.27 \text{ kN}$$

اوس به نو  $R$  پیدا کړو:

$$R = G \cos 40^\circ - T \cos 60^\circ = (30)0.766 - 22.27(0.5) = 11.84 \text{ kN}$$

د مسئلې د حل د آزمايښت لپاره به د محورونو و موقعیت ته بدلون ورکړو:

د دې حالت د تعادل معادلې به ولیکو:



شکل 2.49

$$\Sigma F_x = R \cos 50^\circ - T \cos 70^\circ = 0$$

$$\Sigma F_y = R \cos 40^\circ + T \cos 20^\circ - G = 0$$

د لومړۍ معادلې څخه لرو چې:

$$R = T \frac{\cos 70^\circ}{\cos 50^\circ}$$

د دې افادې په دوهمه معادلې کې په وضع کولو سره لرو چې:

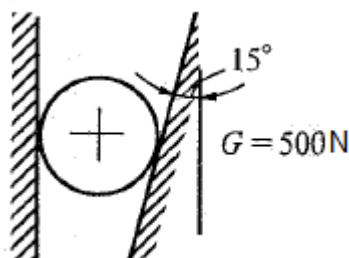
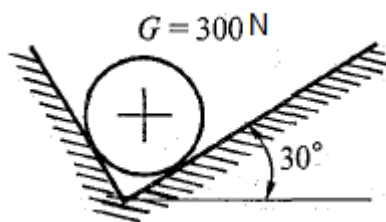
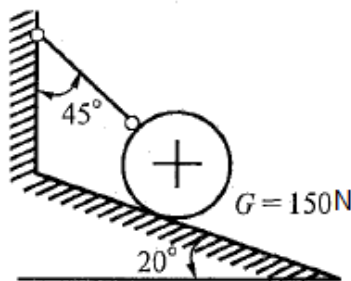
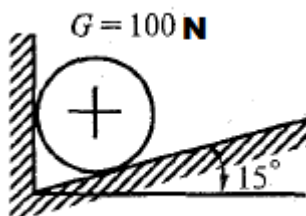
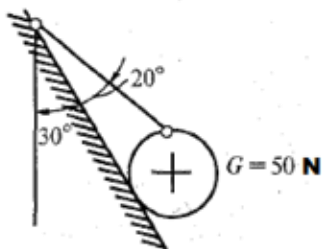
$$T \frac{\cos 70^\circ}{\cos 50^\circ} \cos 40^\circ + T \cos 20^\circ - G = 0 \Rightarrow$$

$$T = \frac{G}{\frac{\cos 70^\circ}{\cos 50^\circ} \cos 40^\circ + \cos 20^\circ} = \frac{30}{\frac{0.342}{0.643} 0.766 + 0.49} = 22.27 \text{ kN}$$

اوس به نو  $R$  پيداکړو:

$$R = \frac{(22.27)0.342}{0.643} = 11.84 \text{ kN}$$

لکه چې وینو د مجهولو قواو قیمتونه د لومړي حل سره یوځای دي، نو ځکه د مسئلې حل هم سم دی .

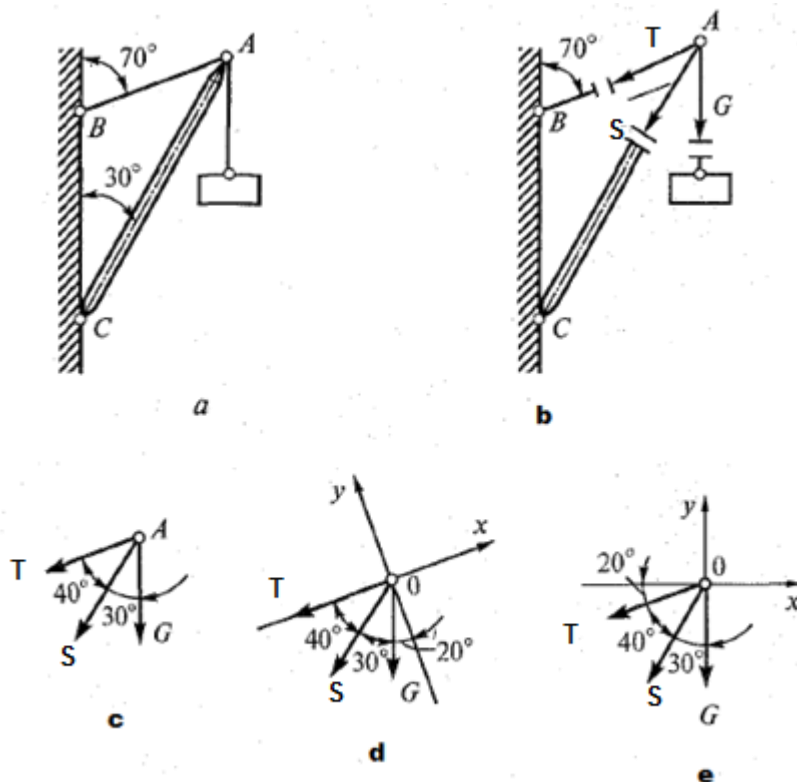


شکل 2.50

مسئله:

په شکل کې د مسئلو لپاره د عکس العمل د قواو جهت او مودول پيدا کړئ؟

مثال: د دې شېما لپاره په کېبل او ميلې کې د عکس العمل قوې پيدا کړئ که چېرې  $G = 20 \text{ kN}$  وي؟



شکل 2.51

حل:

1. د A د نقطې چېرې چې ټولې ميلې او کېبل سره يوځای کيږي، تعادل مطالعه کوو.
2. فعاله قوه بنښو او هغه G ده چې وکينتي خواته متوجه ده.
3. ارتباطات شلوو، ميله او کېبل په خيالي ډول سره پريکوو. دکېبل د عکس العمل قوه په T او د ميلې د عکس العمل قوه په S سره بنښو. د A د نقطې څخه دکېبل په امتداد متوجه ده، S هم په همدې ډول سره فرضوو، که څه هم کولای شو دهغه جهت بل ډول تعين کړو، دلته اټکل کوو چې د AC ميله به کش شي. په جلا شکل کې د A په نقطې کې ټولې قوې بنښو.
4. د محورونو موقعيت ته پام کوو، دهغو مبداء د A د نقطې سره يوځای کوو، x د T سره يوځای کوو او y پر هغه باندې عمود رسموو. د T, S او محورونو ترمنځ زاويې پيدا کوو.
5. د تعادل معادلي تشکيلوو:

$$\sum F_x = 0 \Rightarrow -T - S \cos 40^\circ - G \cos 70^\circ = 0$$

$$\sum F_y = 0 \Rightarrow -S \cos 50^\circ - G \cos 20^\circ = 0$$

د دوهمي معادلي څخه لرو:

$$S = -G \cos 20^\circ / \cos 50^\circ = (-20)0.94 / 0.643 = -29.24 \text{ kN}$$

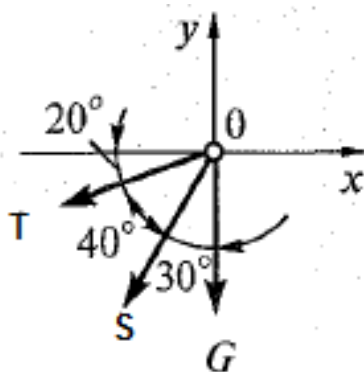
د لومړۍ معادلي څخه لرو چې:

$$T = -S \cos 40^\circ - G \cos 70^\circ = (29.24)0.766 - (20)0.342 = 15.56 \text{ kN}$$

د S منفي علامه ښيي چې د AC ميله اصلاً کشيږي .

6. د حل د کنترول او آزمايښت لپاره د محور و موقعيت داسې بدلوو:

د دې شکل لپاره د تعادل معادلي تشکيلوو:



شکل 2.52

$$\Sigma F_x = 0 \Rightarrow -T \cos 20^\circ - S \cos 60^\circ = 0$$

$$\Sigma F_y = 0 \Rightarrow -G - S \cos 30^\circ - T \cos 70^\circ = 0$$

$$T = -S \frac{\cos 30^\circ}{\cos 70^\circ} - \frac{G}{\cos 70^\circ} \Rightarrow T = \frac{-G - S \cos 30^\circ}{\cos 70^\circ} \Rightarrow \frac{-30 - S \cos 30^\circ}{\cos 70^\circ} \cos 20^\circ - S \cos 60^\circ = 0$$

$$1) S = -T \frac{\cos 20^\circ}{\cos 60^\circ}$$

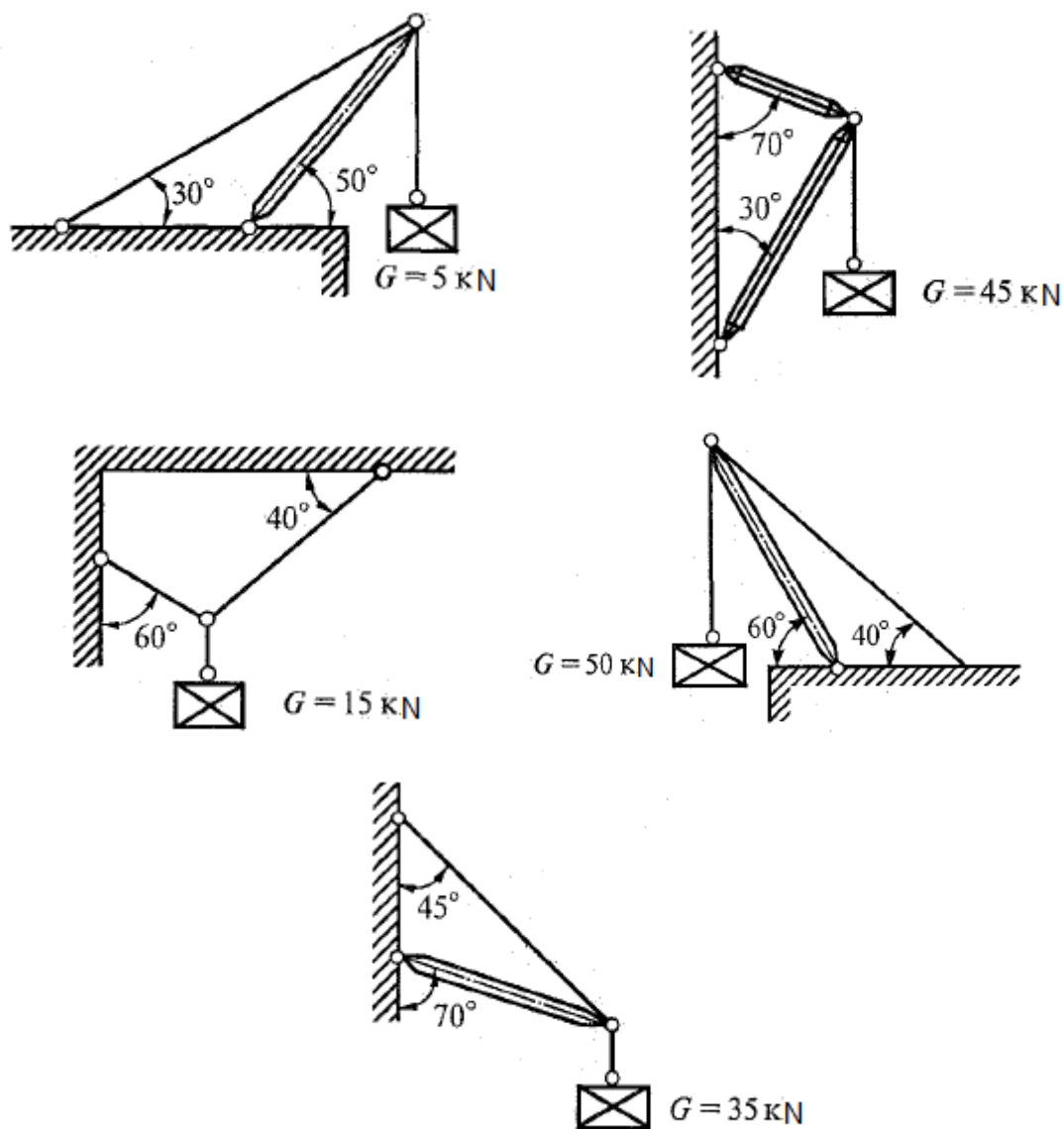
$$2) -G + T \frac{\cos 20^\circ}{\cos 60^\circ} \cdot \cos 30^\circ - T \cos 70^\circ = 0$$

$$-30 + T \left( \frac{\cos 20^\circ \cdot \cos 30^\circ}{\cos 60^\circ} - \cos 70^\circ \right) = 0$$

$$-30 + T \left( \frac{(0.94)866 - (0.5)342}{0.5} \right) = 0$$

$$T = \frac{30}{\left( \frac{(0.94)866 - (0.5)342}{0.5} \right)} = 15.56 \text{ kN}$$

$$S = -T \frac{\cos 20^\circ}{\cos 60^\circ} = (-15.56) \frac{0.94}{0.5} = -29.24 \text{ kN}$$



شکل 2.53

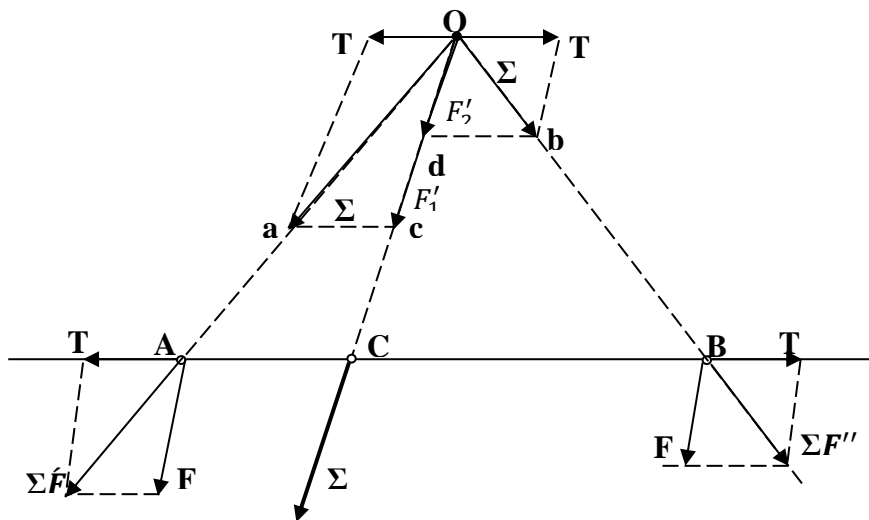
**2.13- کنترولي پوښتنې**

1. ميخانيک د څه شي څخه بحث کوي؟
2. د نظري ميخانيک ميتود کوم دی؟
3. سناتيک څه ته وايي ، د قواو سيستم او د قوه ايز سيستم مرکبي يعني څه؟
4. مادي نقطه و څه ته ويل کيږي؟
5. مطلق جامد جسم يعني څه؟
6. د قوه ايز سيستم ډولونه کوم دي؟
7. محصله قوه، متعادل قوه، متعادل او معادل قوه ايز سيستم يعني څه؟
8. خارجي قوه، داخلي قوه، منتشره يا ويشل شوې قوه، دايمي او لنډمهالي قوه يعني څه؟
9. سناتيکي، ديناميکي او تکراري- متغير بارونه يعني څه؟
10. د سناتيک اکسيومونه په لنډ ډول تشریح کړئ؟
11. د ارتباطاتو ډولونه کوم دي؟
12. د اتکا ډولونه رسم او په هغوی کې د عکس العمل قوي وښايست؟
13. مستوي متلاقي قوه ايز سيستم يعني څه او دوی متلاقي قوي څرنگه سره جمع کيږي؟
14. يوه قوه پر دوو متلاقي مرکبو باندې څرنگه تجزيه کيږي؟
15. قوه ايز کثیر الاضلاع يعني څه ، عمده وکتور او محصله قوه څه توپير سره لري؟
16. د وکتور مرتسمه پر محور باندې په لنډ ډول سره تشریح کړي؟
17. د مستوي متلاقي سيستم د تعادل تحليلي او هندسي شرايط کوم دي؟
18. د درو غير موازي قواو په هکله قضيه تشریح کړي؟

## دریم فصل د دووموازي قواو سيستم System of two Parallel forces

### 3.1- د دوو موازي قواو چي ويوي نقطې ته متوجه وي جمع كول

د موازي قواو د جمع كولو لپاره د متوازي الاضلاع قاعده نيغ په نيغه د استعمال وړنده ، ځكه چي د موازي قواو د تقاطع نقطه په بي نهايت كي پرته ده .



شکل-3.1

د دي لپاره چي د موازي قواو د جمع كولو قاعده پلاس راوړو، نو ضروري ده چي دغه قوي د متلاقي قواو په يوه معادل سيستم باندي بدلي كړو .

د دوو قواو يعني  $F_1$  او  $F_2$  موازي قواو سيستم تركنتي لاندي نيسو ، لكه چي وينو دواړي قوي و يوه جهت ته متوجه دي. د دي قواو د تأثير په نقطو كي يعني A او B دوي په مودول سره مساوي ولي پريوي مستقيمي كرښي باندي مخالف الجهته قوي  $T_1$  او  $T_2$  واردوو.

اوس نو د متوازي الاضلاع د قاعدي سره سم د  $F_1$  او  $T_1$  او  $F_2$  او  $T_2$  قوي سره جمع كوو او په نتيجه كي دوي متلاقي قوي  $\Sigma F'$  او  $\Sigma F''$  پلاس راځي .

دغه قوي د هغوي د تأثيرد كرښو په امتداد د «0» ونقطي ته چيري چي د دوي د تأثير كرښي سره قطع كوي را ليږدوو. د دي قواو د محصلي قوي د مودول او د تأثير كرښي د پيدا كولو لپاره د هغه څه چي مخكي موكول ، پر عكس عمل كوو. يعني د  $\Sigma F'$  قوه پردوو مركبو قواو يعني  $F'_1$  او  $T'_1$  چي د  $F_1$  او  $T_1$  سره موازي دي او همدا ډول د  $\Sigma F''$  قوه هم پردوو مركبو قواو  $F'_2$  او  $T'_2$  چي د  $F_2$  او  $T_2$  قواو سره موازي دي، باندي تجزيه كيږي .

د هغو کثير الاضلاع گانوڅخه چې د  $A$  ،  $B$  او  $0$  په نقطو کې پلاس راغلي دي معلوميري چې د  $F_1'$  ،  $T_1'$  ،  $F_2'$  ،  $T_2'$  مرکبي قوي نظريه مودول د  $F_1$  ،  $T_1$  ،  $F_2$  او  $T_2$  د قواو سره مساوي دي او پدې ډول سره د موازي قواوسيسټم مو په څلورو قواو چې په يوې نقطې «0» کې تاثير کوي تعويض کړ .

د  $T_1'$  او  $T_2'$  قوي چې په مودول يوه د بلې سره مساوي او د يوې مستقيمي کرښې په امتداد مخالف الجهته دي ، متقابلاً يوه بله په تعادل کې را ولي ، نوڅکه کولای شو چې هغوی د سيسټم څخه وباسو .

نو پدې ډول سره دوي قوي  $F_1'$  او  $F_2'$  چې پريوي کرښې باندې و يوه جهت ته متوجه دي ، پاته کيږي . د هغوی محصله قوه  $\Sigma F$  د همدې مستقيمي کرښې په امتداد متوجه ده چې د دې قواو د تاثير د کرښو سره موازي ده ، جهت يې همدا دی او مودول يې مساوي کيږي په :

$$\Sigma F = F_1 + F_2 \dots (3.1)$$

اوس نو د محصله قوي د تاثير کرښه پيدا کوو .

د دې لپاره بايد د «C» د نقطې موقعيت پيدا کړو . دا نقطه د محصله قوي د تاثير د کرښې او د  $AB$  سيده کرښې د تقاطع نقطه ده .

د  $OAC$  او  $oac$  مثلثونو د تشابه څخه پوهيږو چې :

$$\frac{AC}{OC} = \frac{ac}{Oc}$$

او يا د قوه ايزمټانټ د اضلاعو متناسب والی په نظر کې نيسو ، نو د مرکبو قواو مودول به :

$$\frac{AC}{OC} = \frac{T_1}{F_1}$$

د  $OCB$  او  $Odb$  مثلثونو د تشابه څخه لرو چې :

$$\frac{CB}{OC} = \frac{T_2}{F_2}$$

$$\frac{CB}{OC} = \frac{db}{Od} \quad \text{يا}$$

دا چې  $T_1 = T_2$  ، نولومری تناسب پر دوهم باندې وپشو اولرو چې :

$$\frac{AC}{CB} = \frac{F_2}{F_1}$$

دغه فورمول لومړی ارشميديس ثبوت کړ ، هيوکنس (1693) هغه تدقيق ، خو پوره او سم ثبوت يې لاگرانډه (1793) وړاندې کړ ، هغه کولای شو پدې شکل سره هم وليکو :

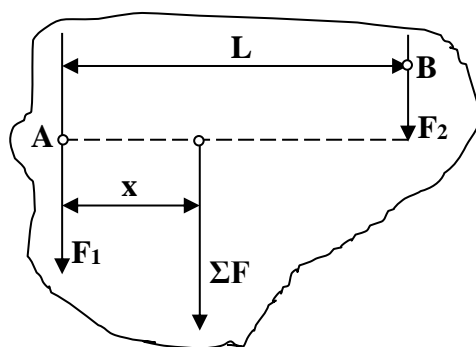
$$\frac{F_2}{AC} = \frac{F_1}{CB} = \frac{F_1 + F_2}{AC + CB} = \frac{\Sigma F}{AB} \dots (3.2)$$

نوداسې معلوميري چې د «C» نقطه د  $AB$  مستقيمه کرښه پرداسې برخوباندې وپشي چې د مرکبو قواو سره معکوساً متناسبي دي اومور دا قاعده پلاس را ورو چې :

د دوو موازي قواو چې ويوه جهت ته متوجه وي محصله قوه د هغوی سره موازي ده ، همجهته ده او دهغې مودول د موازي قواو د مجموعې سره مساوي دی .

د محصله قوې د تاثیر کړينه د مرکبو قواو د تأثيرد کړينو په منځ کې پداسې فاصلي سره پرته ده چې د دې قواو د مودول سره معکوساً متناسبه ده .

مثال:



3.2-شکل

پريوه جسم باندې د A او B په نقطو کې دوي قوې  $F_1 = 50N$  او  $F_2 = 30N$  تأثير کوي .د محصله قوې مودول اود تأثير کړينه پيدا کړئ؟

د قواو د تأثيرد کړينو ترمنځ فاصله  $L = 1.6 m$  ده .

حل . د محصله قوې مودول

$$\Sigma F = F_1 + F_2 = 80 N$$

د محصله قوې د تأثيرد کړيني فاصله د  $F_1$  قوې د تأثيرد کړيني څخه په «X» سره ښي .

د(3.2) فورمول څخه لرو چې

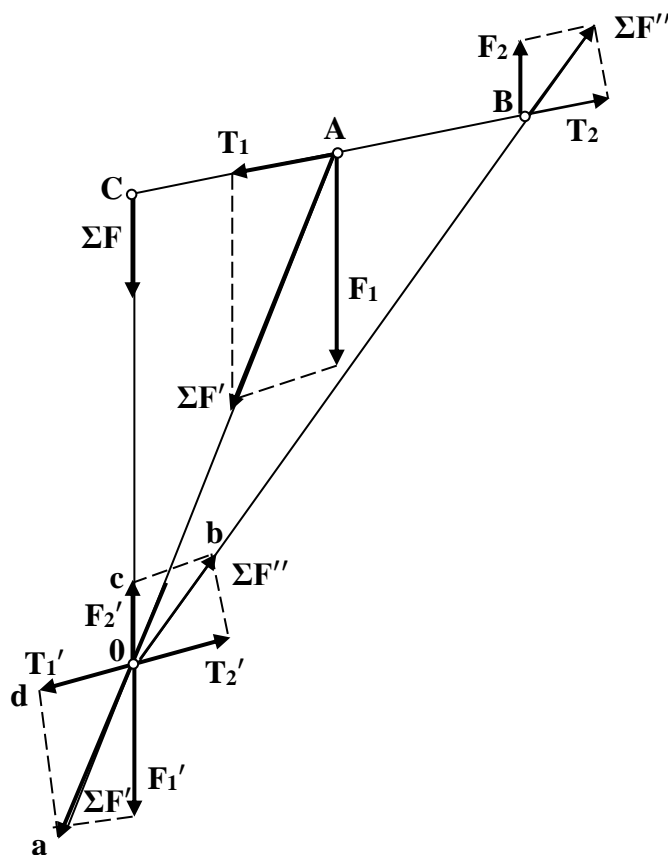
$$\frac{F_2}{x} = \frac{\Sigma F}{l} \Rightarrow x = \frac{F_2 l}{\Sigma F} = \frac{(30)6}{80} = 0.6 m$$

### 3.2- د دوو موازي اومخالف الجهته قواو جمع کول چې مودول يې سره مساوي نه وي

دلته موردي موازي اومخالف الجهته قوې  $F_1$  او  $F_2$  چې مودول يې سره مساوي ندي لرو او  $F_1 > F_2$  دی .

دلته هم يولر بدلونونه راولو .

د دې قواو د تأثير په نقطو کې A او B دوي په مودول سره مساوي قوې  $T_1$  او  $T_2$  د AB پر مستقيمې کړينه مخالف الجهته واردوو .



شکل-3.2

د  $F_1$  قوه د  $T_1$  د قوې سره او  $F_2$  د  $T_2$  سره جمع کوو او پلاس راغلي محصله قوه  $\Sigma F'$  د هغې د تأثیرد کرښې په امتداد د «0» ونقطې ته چې د دې کرښو د تقاطع نقطه ده را لیردوو.

اوس نو  $\Sigma F'$  او  $\Sigma F''$  قوې په  $F_1'$ ،  $T_1'$ ،  $F_2'$  او  $T_2'$  باندې تجزیه کوو چې په مودول او جهته سره د  $F_1$ ،  $T_1$ ،  $F_2$  او  $T_2$  سره یوځای دي.

لکه څنگه چې د  $T_1'$  او  $T_2'$  متقابلاً متعادلې قوې دي نوموړ کولای شو چې هغوی د سیستم څخه وباسو او پدې ډول مور دوی قوې  $F_1'$  او  $F_2'$  پلاس را وړو چې پریوې مستقیمې کرښې باندې مخالف الجهته دي.

دهغوی محصله قوه  $\Sigma F$  چې پر همدې کرښه باندې چې د دې قواو د تأثیرد کرښو سره موازي ده، متوجه ده، مودول یې د دې دوو قواو د تفریق په حاصل سره مساوي دی

$$\Sigma F = F_1 - F_2 \quad \dots (3.3)$$

د «C» د نقطې موقعیت چې د محصله قوې د تأثیرد کرښې او د AB مستقیمې کرښې د تقاطع نقطه ده، پیداوو.

د OAC او Oac مثلثونو د تشابه څخه معلومیږي چې:

$$\frac{CA}{OC} = \frac{Od}{ad} \quad \text{یا} \quad \frac{CA}{OC} = \frac{T_1}{F_1}$$

د OCB او Ocb مثلثو د تشابه څخه لرو چې:

$$\frac{CB}{OC} = \frac{cb}{oc} \quad \text{یا} \quad \frac{CB}{OC} = \frac{T_2}{F_2}$$

د  $T_1 = T_2$  په نظر کې نیولو سره لومړی تناسب پر دوهم باندې ویشو ، لروچې:

$$\frac{F_1}{CB} = \frac{F_2}{CA} = \frac{F_1 - F_2}{CB - CA} = \frac{\Sigma F}{AB} \dots (3.4)$$

نو پدې ډول سره لاندې قاعده پلاس راځي :

د دوو موازي او مخالف الجهنه قواو چې مودول یې سره یوشی نه دی ، محصله قوه د هغوی سره موازي ده ، د هغوی څخه د غټې قوې پرخوا متوجه ده او مودول یې د هغوی د تفریق د حاصل سره برابر دی . د محصله قوې د تأثیر کرښه د غټې قوې تر شاه د مرکبو قواو د تأثیر د کرښو څخه پداسې فاصله کې پرته ده چې د دې قواو د مودول سره معکوساً متناسبه ده .

**مثال:**

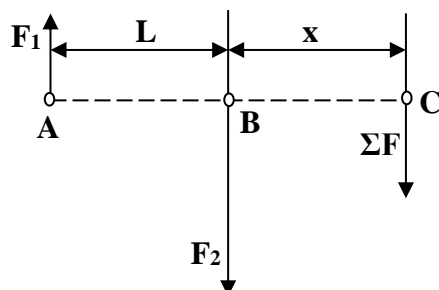
د دوو موازي او مخالف الجهنه قواو  $F_1 = 10 N$  ،  $F_2 = 25 N$  د محصله قوې موقعیت او مودول پیدا کړئ؟ که چیرې د هغو د تأثیر د کرښو ترمنځ فاصله  $L = 30 cm$  وي .

**حل:**

د محصله قوې مودول

$$\Sigma F = F_2 - F_1 = 25 - 10 = 15 N$$

$$\Sigma F = 15 N$$



شکل-3.4

محصله قوه د غټې قوې تر شا پرته ده او جهت یې د غټې قوې سره یوشی دی . د محصله قوې د تأثیر د کرښې فاصله د غټې قوې د تأثیر تر کرښې پورې په «X» سره ښیو .

د (3.4) فورمول څخه لرو چې

$$\frac{F_1}{x} = \frac{\Sigma F}{l} \Rightarrow x = \frac{F_1 l}{\Sigma F} = \frac{(10)30}{15} = 20 cm$$

$$X = 20 cm$$

## 3.3- د یوې قوې تجزیه دهغې سره پر دوو موازي مرکبو باندې

## Resolution of force in two Paralell components

تجزیه د جمع کولو د عمليې عکس کار دی او مور کولای شو چې د قواو د تجزیې لپاره د مربوطه فورمولونو څخه کار واخلو .

د یوې قوې تجزیه پر دوو مرکبو باندې چې د قوې سره موازي وي ، که یوه جهت ته متوجه وي او که مخالف الجهته وي ، مور د (3.1) ، (3.2) ، (3.3) او (3.4) فورمولونه لرو ، ولې پدې فورمولونو کې څلور نامعلومه او مجهوله کمیتونه ترسترگو کېږي ، لکه د دوو مرکبو قواو مودول او د هغوی د تأثیر د کرښو او محصلي قوې د تأثیر د کرښې ترمنځ فاصله چې څلور مجهول کمیتونه جوړوي .

نولدي امله دا مثال لکه د قواو د متلاقي سیستم د تجزیې په ډول یوه غیر معینه مسئله ده .

د دې مسئلې د حل لپاره باید دوه نور اضافي شرایط ځانته معلوم کړو :

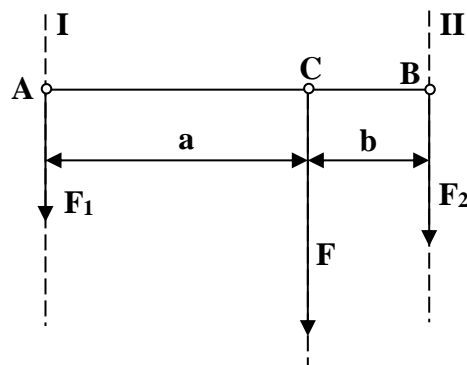
1. باید وپوهیږو چې د  $F_1$  او  $F_2$  مجهولو قواو د تأثیر د کرښو فاصله د راکرل شوي قوې د تأثیر تر کرښې پورې څومره ده .

2. د مجهولو قواو څخه د یوې قوې مودول او د هغې د تأثیر د کرښې فاصله د راکرل شوي قوې د تأثیر تر کرښې پورې معلوم وي او یا :

3. د مجهولو قواو څخه د یوې مودول او د هغې د تأثیر د کرښې فاصله د هغې بلي مجهولي قوې د تأثیر تر کرښې پورې وپېژنو:

لومړی حالت چې ډیر لیدل کېږي مطالعه کوو:

د  $F$  قوه چې په «C» نقطې کې تأثیر کوي ، باید پر دوو مرکبو چې پر I او II مستقیمو کرښو باندې متوجه وي او د راکرل شوي قوې د تأثیر د کرښې سره موازي وي ، تجزیه کړو .



شکل 3.5

د «C» د نقطې څخه یوه مستقیمه کرښه رسمو چې د I او II مستقیمو کرښې د A او B په نقطو کې قطع کړي . دغه نقطې کولای شو چې د مجهولو قواو  $F_1$  او  $F_2$  د تأثیر د نقطو په توګه سره و منو .

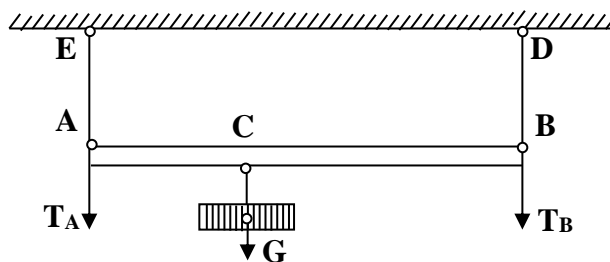
لکه څنګه چې  $F$  قوه باید د  $F_1$  او  $F_2$  قواو په محصله قوې سره مساوي وي ، نو باید دا مساوات هم دهغې په هکله تحقق پیدا کړي یعنی :

$$F_1 + F_2 = F = R; \quad \frac{F_1}{F_2} = \frac{CB}{AC} = \frac{b}{a}$$

د دي معادلي په حل کولوسره د  $F_1$  او  $F_2$  قواو مودول پیدا کولای شو چې د هغوی د تأثیر کربنه د  $a$  او  $b$  له لارې راکړل شوي دي .

دا مثال کت مټ په همدې شکل سره حل کيږي ، چې کله د  $F$  راکړل شوي قوي د تأثیر کربنه د دوو مجهولو قواو د تأثیر د کربنو ترمنځ نه بلکې د هغوی څخه د یوې قوي ترشا واقع وي . پدې صورت کې نامعلومي قوي مخالف الجهته دي او د  $F$  قوه نظر په مودول سره د هغوی د تفریق په حاصل سره مساوي ده .

مثال :



شکل 3.6

د  $AB$  میله چې په دوو رسیو باندې په چټ پورې تړلې ده د «C» په نقطې کې  $G = 80N$  بار ور پورې ځړيږي. د تارو کشش که چیرې  $AC = 30\text{ cm}$  ،  $BC = 50\text{ cm}$  وي پیدا کړئ ؟ د میلی د وزن څخه تیريږو. رسی د  $G$  سره موازي دي ، نو باید دا قوه پر دوو مرکب باندې د  $A$  او  $B$  د تأثیر د نقطو سره تجزیه شي. د (3.2) فورمول څخه:

$$\frac{T_A}{BC} = \frac{T_B}{AC} = \frac{G}{AB} = >$$

$$T_A = \frac{G \cdot BC}{AB} = \frac{80(50)}{80} = 50\text{ N}$$

$$T_B = \frac{G \cdot AC}{AB} = \frac{80(30)}{80} = 30\text{ N}$$

مثال:

د متحرکې پټلۍ لرونکي کرن د ثقل مرکز چې وزن يې (د متقابل وزن څخه پرته)  $P_1 = 500\text{ kN}$  دی ، د  $C$  په نقطې کې واقع دی . دغه نقطه د عمودي مستوي چې د راسته پټلۍ څخه تیريږي د  $1.5\text{ m}$  په واټن سره لیرې پرته ده . د کرن بار پورته کوونکی میخانیزم کولای شي چې  $P_2 = 250\text{ kN}$  بار پورته کړي ، د هغه اوږدوالی  $10$  متره دی . د  $Q$  تړتولو کوچېنی وزن او د  $C$  د ثقل مرکز څخه تړتولو متقابل وزن غټ واټن  $x$  د عمودي مستوي څخه چې د کینې پټلۍ  $B$  څخه تیريږي او هغه داسې چې کرن په ټولو حالاتو کې یعنی د بار پورته کولو میخانیزم که تریبار لاندې وي او که تش وي ، کرن باید ونه تیريږي او نسکور نشي، پیدا کړئ . د بار پورته کولو میخانیزم له وزن څخه تیريږو.

حل : پدې مسئلې کې کولای شو کرن د یوې میلی په ډول تصور کړو چې د موازي قواو تر تأثیر لاندې دی ، دا قوې عبارت دي له  $Q$  ،  $P_1$  او  $P_2$  .

د ارتباطاتو څخه تر آزادولو وروسته و سيستم ته دوي نوري موازي خو مجهولي قوي يعني  $R_A$  او  $R_B$  ورزياتيږي .

دوه حالتو به تر مطالعي لاندې ونيسو:

1. حالت :  $P_2$  په محاسبوي شپا کې شته ده . پدې صورت کې د دې احتمال شته چې کرن به د  $B$  په اتکاء کې د ساعت د عقربې موافق را چپه شي . په اخري حالت کې که  $R_A = 0$  ونيسو نو د  $B$  ونقطې ته دوه مومنتونه لرو :

$$Q(x + 3) = P_1 1.5 + P_2 10 \dots (a)$$

2. حالت : کرن تش دی يعني  $P_2 = 0$  . پدې حالت کې احتمال شته چې کرن د  $A$  اتکاء په نقطې کې د ساعت د عقربې مخالف را چپه شي .

$$Q x = P_1 4.5 \dots (b)$$

a او b معادلي يوځای حل کوو، لرو چې :

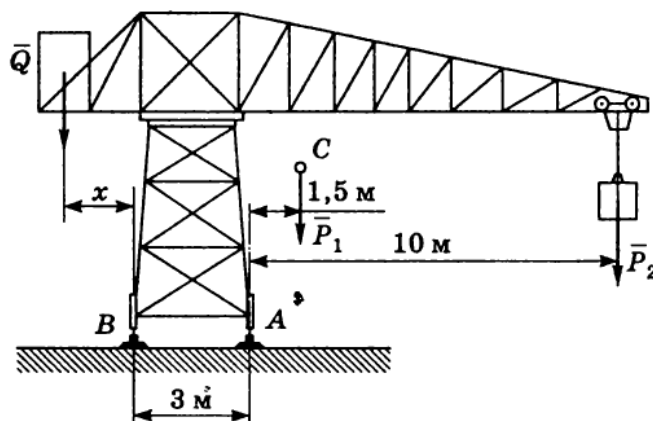
$$Q = \frac{500(1.5) + 250(10) + 500(4.5)}{3} = \frac{1000}{3} = 333 \text{ kN}$$

$$x = \frac{500(4.5)3}{1000} = 6.75 \text{ m}$$

په لومړي حالت کې  $R_A = P_1 + P_2 + Q = 1083 \text{ kN}$

په دوهم حالت کې  $R_A = P_1 + Q = 833 \text{ kN}$

ځواب :  $Q = 333 \text{ kN}; x = 6.75 \text{ m}$



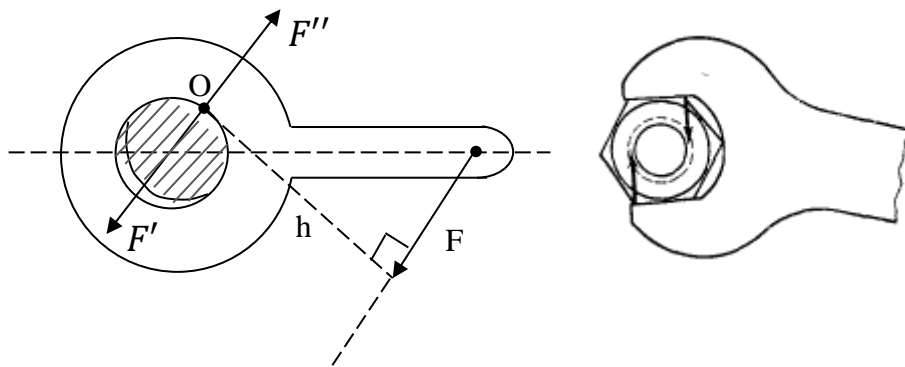
شکل 3.7

### 3.4 - د قوي مومنت نظرونقطي ته (مرکزته)

#### Moment of a Force about a point(center)

دقوي دمومنت مفهوم نظرويوي نقطې ته د رافعي دمسئلي سره ارتباط لري .مثلاً: پري يوي ميلي باندي د F قوه تأثيرکوي

داقوه په هغي مستوي کې واقع ده چې دجسم دخرخيدلو پرساکن محورباندي عموده ده .



شکل 3.8

تجربه بنیئ چي پدي حالت کي به دا ميله د محور پرتاوخوا را وڅرخيري .

لکه چي پوهيرو په هر حالت کي ، کله چي جسم دوراني حرکت کوي ، کولای شو د قواو يوه جوړه چي ودي جسم ته حرکت ورکوي ، ولټوو .

داميله به د «0» په نقطې کي په ساکن محور پوري کښيکښل شي او پر هغه به د  $F'$  په قوې سره فشار وارد کړي چي په مودول سره به د  $F$  قوې سره مساوي وي .

هر عمل مساوي په عکس العمل دی . نولدي کبله د محور له خواڅخه هم په همدې نقطې کي پرميلې باندي د  $F''$  په قوې سره تأثير کيږي چي په مودول سره به د  $F'$  قوې سره مساوي وي .

نويدي ډول به پرميلې باندي د قواو جوړه ( $F'$  ،  $F$ ) تأثير کوي او ميله د ساکن محور پرتاوخوا پر هغه څرخ راولي . د دې جوړې مومنت د  $F$  د قوې مومنت نظر د «0» و نقطې ته بلل کيږي .

د قوې مومنت نظريوي نقطې ته الجبري قيمت د مثبتې يا منفي علامې سره مساوي دی په د قوې د مودول او دهغې د بازو د ضرب په حاصل سره .

يعني هغه مستقيمه کرښه چي د دې نقطې څخه د قوې د تأثير په کرښه باندي عمودي رسم کړل شوي ده ، بازو جوړوي . د يوې نقطې په نسبت د قوې مومنت مفهوم د ميخانيک يو مهم مفهوم دی .

د دې مفهوم څخه په گټه اخيستلو سره کولای شو چي دهرې نقطې په نسبت د قوې مومنت پيدا کړو او هغه پدي پوري اړه نه لري چي دا جسم د دې نقطې پرتاوخوا راگرځي ، څرخيري او که نه .

هغه نقطه چي دهغې په نسبت د قوې مومنت معلوميږي ، د مومنت د مرکز په نامه سره ياديږي .

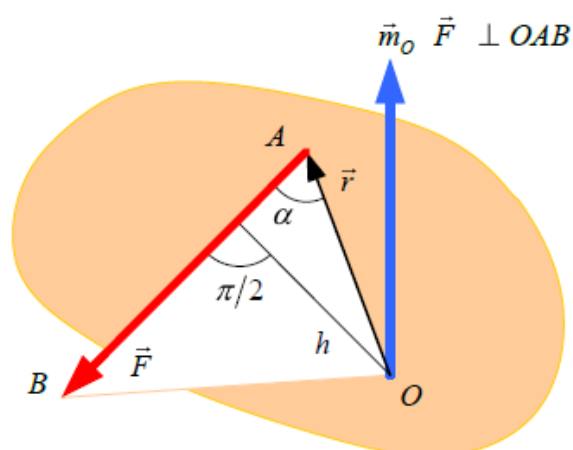
د  $\vec{F}$  قوې مومنت نظر و  $O$  و نقطې ته مساوي دی د همدې قوې او هغه شعاع وکتور چي د همدې نقطې څخه د د قوې پر پيل نقطې باندي را کښل شوي وي ، د ضرب په حاصل سره:

$$\vec{m}_O = \vec{r} \times \vec{F}$$

$$\vec{M}_O(\vec{F}) = \pm \bar{F} \times \bar{h} \dots (3.5)$$

د  $\vec{M}_O(\vec{F})$  د «0» د نقطې په نسبت د «F» د قوې مومنت .

-h د دې مرکز په نسبت بازو .

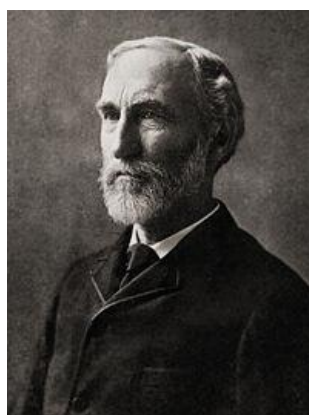


شکل 3.9

د وکتورونود ضرب لپاره د  $x$  علامه د «گيبس» لخوا وړاندي شوي ده.

*Josiah Willard Gibbs* (11.02.1839...28.04.19.3)

امريکايي فزيک، فزيکي کيميا، رياضي او ميخانيک پوه

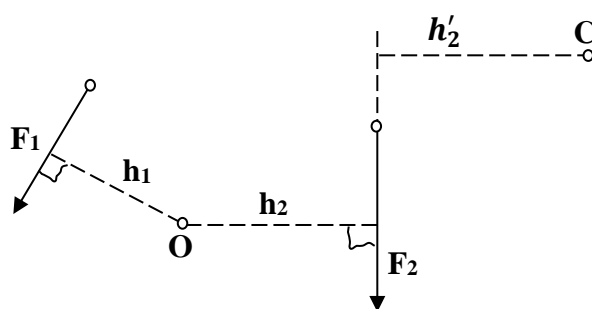


دلته هم لکه د جوړې په حالت کې، مومنت مثبت دی، که چيرې قوه و جسم ته د ساعت د عقربې و مخالف جهت ته حرکت ورکړي، او منفي گنل کيږي که چيرې خبره پر عکس وي.

مثلاً پدې شکل کې په ميله کې د «0» نقطې په نسبت به د «F» قوې مومنت منفي وي.

$$M_o(F) = -F \cdot h$$

ولي د دې شکل لپاره:



شکل 3.10

$$M_o(F_1) = F_1 h_1$$

$$M_o(F_2) = -F_2 h_2$$

بايد يادونه وشي چي د يوي قوي مومنت دهغي د موقعيت په نسبت نظر و مرکز ته ، کولای شي چي مثبت اوياهم منفي وي لکه :

$$M_o(F_2) = -F_2 h_2$$

دهمدي قوي مومنت نظر د «C» ونقطي ته

$$M_c(F_2) = F_2 \cdot h'_2$$

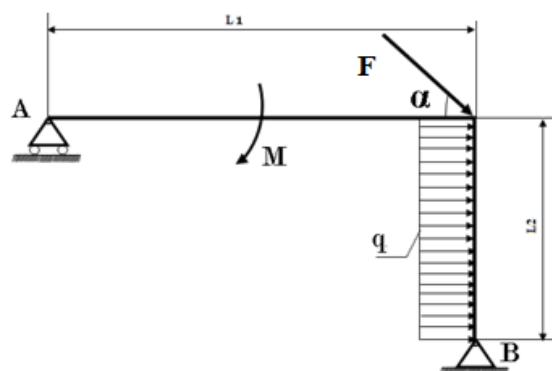
کله چي قوي په يوي مستوي کي واقع وي ، نو د نقطي په نسبت مومنت لکه د جورې په حالت کي سکالري الجبري کميت دی اود اندازه کولو واحد يي همغه [N.m] دی .

د قوي مومنت نسبت ويوي نقطي ته د تعريف څخه معلوميري :

1. د يوي قوي ليردونه د هغي د تأثيرد کربني په امتداد ، دهغي قوي مومنت نظر وراکړل شوي نقطي ته تغير نه ورکوي ، ځکه پدي صورت کي د قوي مودول اوبازو تغير نه کوي .

2. د قوي مومنت نظر وراکړل شوي نقطي ته مساوي دی په صفر ، که چيري د قوي د تأثير کربنه دهمغي نقطي څخه تيره شي ، پدي صورت کي بازو د صفر سره مساوي دی .

**1- مسئله:** په شکل کي د چوکاټ لپاره داتکاء دعکس العمل قوي پيدا کړئ که چيري:



$$F = 20 \text{ kN}; \alpha = 45^\circ; M = 5 \text{ kN.m}; q = 4 \text{ kN/m}$$

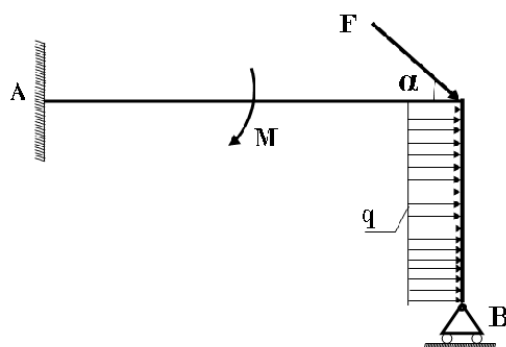
$$L_1 = 1 \text{ m}; L_2 = 3 \text{ m}$$

د گابرد وزن څخه تيريرو .

**2- مسئله:** په شکل کې گابرو لپاره د اتکاو د عکس العمل قوي او مومنت پيدا کيدلای شي که څنگه؟ که چيري

$$F = 15 \text{ kN}; M = 8 \text{ kN.m}; q = 1 \text{ kN/m} \text{ او } \alpha = 60^\circ$$

د  $I_1$  او  $I_2$  اندازې لکه د لور شکل دي. د گابرد وزن څخه تيريرو .

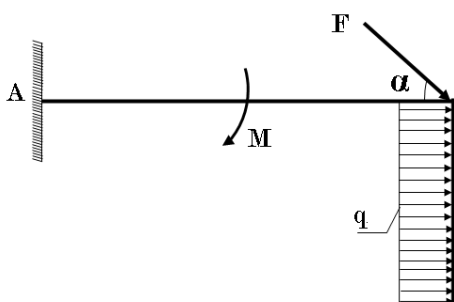


**3- مسئله:** په شکل کې گابرو لپاره د اتکاو د عکس العمل قوي او مومنت پيدا کړئ که چيري

$$F = 10 \text{ kN}; M = 5 \text{ kN.m}; q = 2 \frac{\text{kN}}{\text{m}}; \alpha = 60^\circ;$$

د  $I_1$  او  $I_2$  اندازې لکه د لور شکل دي.

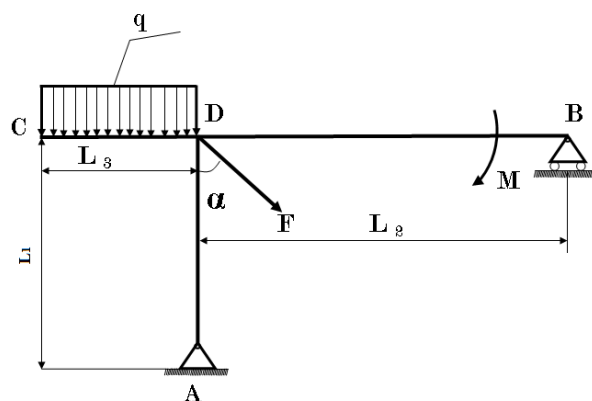
د گابرد وزن څخه تيريرو .



**4- مسئله:** په شکل کې د گابرو لپاره چې د وزن څخه بي تيريرو د اتکاء د عکس العمل قوي پيدا کړئ، که چيري

$$F = 8 \text{ kN}; M = 2 \text{ kN.m}; q = 3 \frac{\text{kN}}{\text{m}}; \alpha = 45^\circ,$$

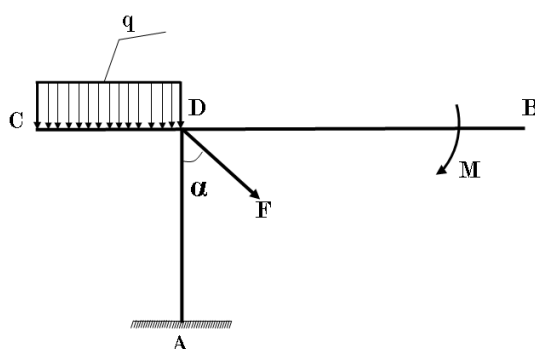
$$L_1 = 1.5 \text{ m}; l_2 = 2 \text{ m}; l_3 = 1 \text{ m}$$



5- مسئله: په شکل کې ګاډرو لپاره د اتکاء د عکس العمل قوې او مومنت پیدا کړئ که چیرې

$$F = 4 \text{ kN}; M = 2 \text{ kN.m}; q = 1 \frac{\text{kN}}{\text{m}}; \alpha = 60^\circ L_1 = 1.5 \text{ m}; L_2 = 1 \text{ m}; L_3 = 2 \text{ m}$$

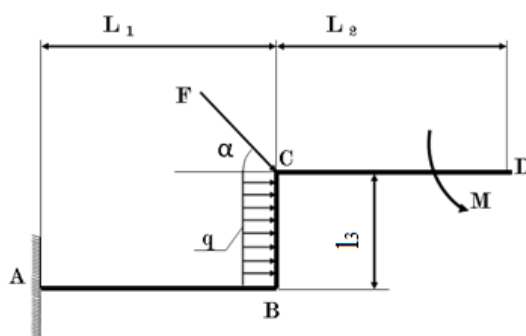
د ګاډرد وزن څخه تیر یوو .



6- مسئله: په شکل کې د ګاډرو لپاره د اتکاء د عکس العمل مومنت پیدا کړئ که چیرې

$$F = 12 \text{ kN}; M = 6 \text{ kN.m}; q = 2 \frac{\text{kN}}{\text{m}}$$

$$\alpha = 45^\circ; L_1 = L_2 = 1.5 \text{ m}; L_3 = 1$$

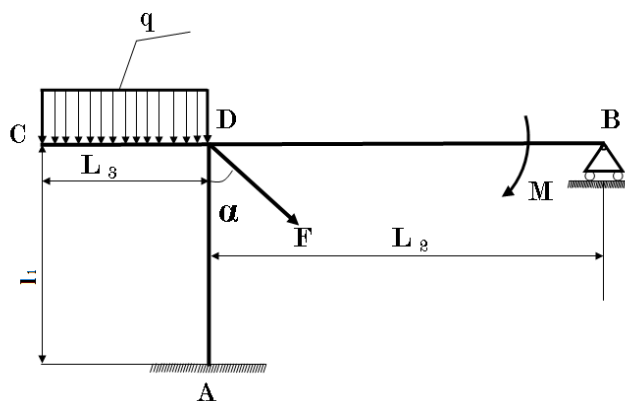


7- مسئله: په شکل کې د گادرو لپاره داتکاء د عکس العمل مومنت پيدا کيږي؟ که چيري

$$F = 14 \text{ kN} ; M = 6 \text{ kN.m} ; q = 4 \frac{\text{kN}}{\text{m}} ; \alpha = 60^\circ$$

$$L_1 = 1.5 \text{ m} ; L_2 = 2 \text{ m}$$

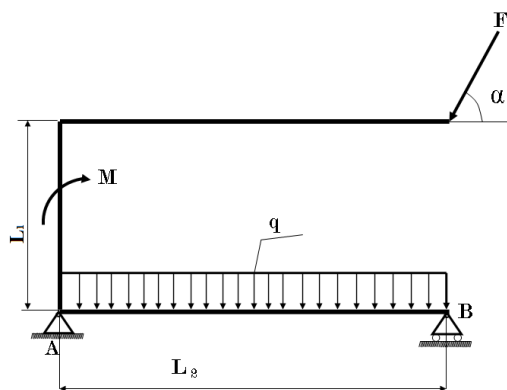
د گادرد وزن څخه تيريږو .



8- مسئله: دپه شکل گادرو لپاره د اتکاوو د عکس العمل قوي پيدا کړئ که چيري

$$F = 9 \text{ kN} ; M = 5 \text{ kN.m} ; q = 5 \text{ kN/m} ; \alpha = 60^\circ$$

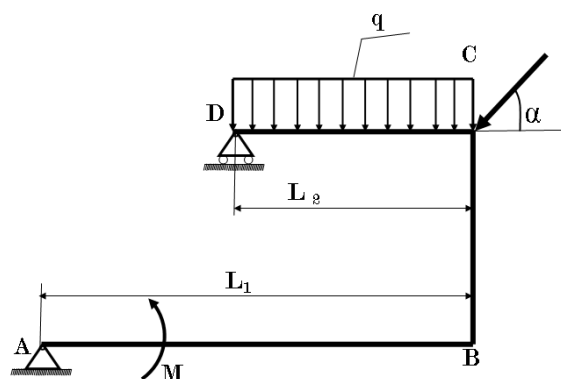
د  $I_1$  او  $I_2$  اندازې لکه د پورته شکل لپاره دي. د گادرد وزن څخه تيريږو .



9- مسئله: دپه شکل گادرو لپاره داتکاوو د عکس العمل قوي پيدا کړئ

$$F = 16 \text{ kN} , M = 8 \text{ kN.m} , q = 2 \frac{\text{kN}}{\text{m}} ; \alpha = 45^\circ$$

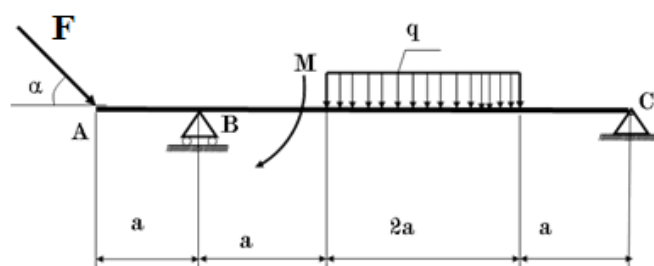
که چيري  $I_1$  او  $I_2$  او  $I_3$  لکه د پورته شکل لپاره دي. د گادرد وزن څخه تيريږو.



**10- مسئله:** په شکل کې د گادرو لپاره د اتکاوو د عکس العمل قوي پيدا کړئ که چيرې

$$F = 18 \text{ kN} ; M = 8 \text{ kN.m} ; q = 6 \frac{\text{kN}}{\text{m}} ; \alpha = 60^\circ$$

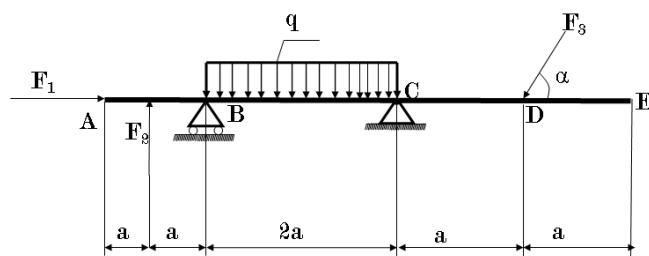
د  $a = 1 \text{ m}$  او د گادر د وزن څخه تيريزو.



**11- مسئله:** دپه شکل کې د اتکاوو د عکس العمل قوي پيدا کړئ که چيرې

$$F_1 = 5 \text{ kN} ; F_2 = 10 \text{ kN} ; F_3 = 6 \text{ kN} ; \alpha = 60^\circ$$

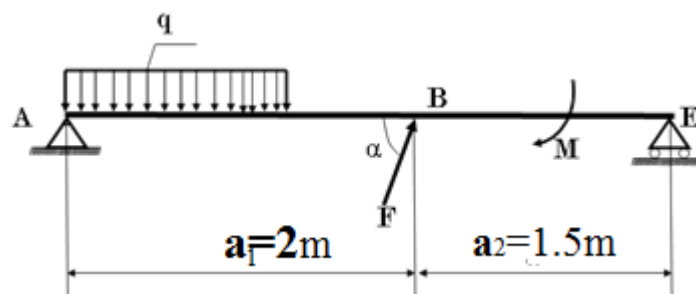
او د گادر وزن څخه تيريزو.  $a = 1 \text{ m}$



**12- مسئله:** په شکل کې د گادر لپاره د اتکاوو د عکس العمل قوي پيدا کړئ که چيرې

$$F = 22 \text{ kN} ; M = 12 \text{ kN.m} ; q = 4 \frac{\text{kN}}{\text{m}} ; \alpha = 45^\circ$$

د گاډرد وزن څخه تيريرو.

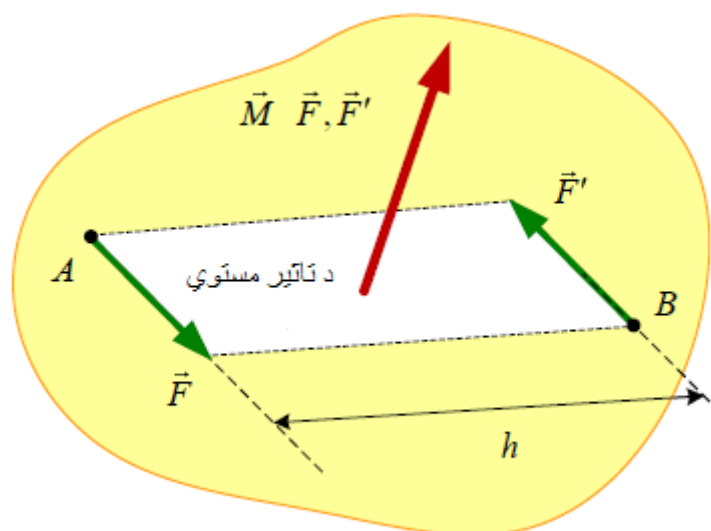


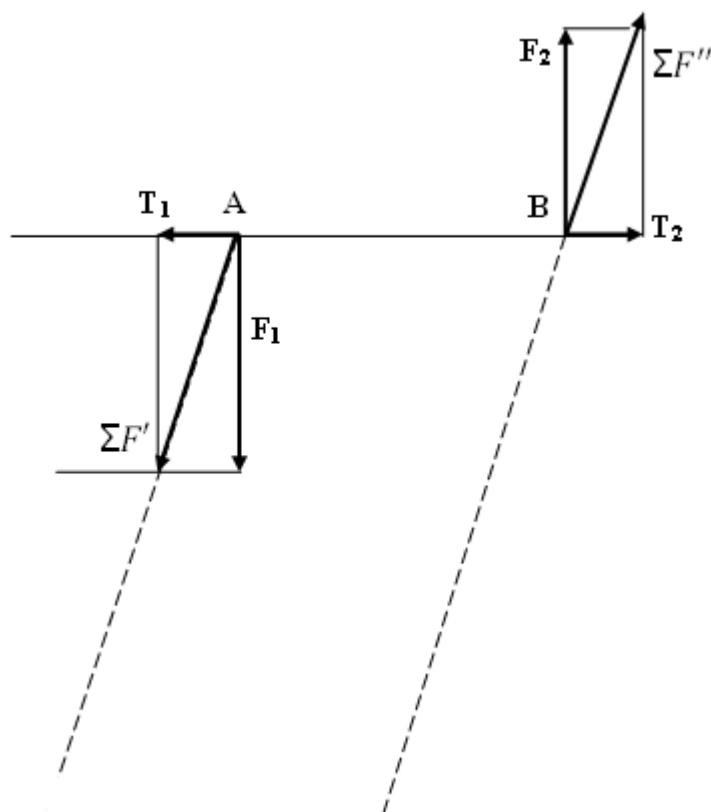
### 3.5 - د قواو جوړه Force Couple

#### د جوړو تيوري په مستوي کي Theory of a couple in a plane

د دې لپاره چې د سناتيک د اکسيومونو پر بنسټ د موازي قواو چې و يوه او يا هم مختلفو جهتو ته متوجه وي ، د جمع کولو طريقه پلاس را ورو ، نوموړ دا قوې د متلاقي قواو په معادل سيستم سره تعويضوو .

په هغه صورت کي چې مخالف الجهته موازي قوې په مودول سره مساوي وي ، نو دا ډول تعويض ناممکن او ناشوني دی .





شکل 3.11

لکه چي د شکل څخه ليدل کيږي که چيري د  $F_1$  او  $F_2$  قوي په مودول سره مساوي وي نو د دوو نورو هرو په مودول سره مساوي او مخالف الجهته قواو  $T_1$  او  $T_2$  په اضافه کولو سره مورببهاهم متلاقي قوي نه بلکي د  $\Sigma F'$  او  $\Sigma F''$  موازي قوي پلاس راوړو.

لکه څنگه چي د دوو موازي مخالف الجهته قواو د محصلي د پيدا کولو لپاره هغه قاعده چي د “دو موازي قواو چي مودول يي سره مساوي نه وي او مخالف الجهته وي ، جمع کول “ موثر مطالعي لاندې نيولي ده ، دهغه حالت لپاره د تطبيق وړنده چي دا قوي په مودول سره مساوي وي او داموضوع د (17) فورمول څخه هم ليدل کيږي:

$$AC = \frac{F_2 AB}{\Sigma F}$$

که چيري د  $F_2$  قوي مودول بيله کوم محدوديت څخه د  $F_1$  قوي ومودول ته رانژدي شي ، نو د دي دوو قواو د محصله قوي مودول به  $\Sigma F = F_1 - F_2$  وصفرته تقرب وکړي او د  $C$  نقطې وړودي ټکي به هم ولايتناهي ته وکوچيږي ، ځکه چي د « $AC$ » فاصله به په نامحدوده توگه سره ډيره شي .

د دي مطلب څخه دا نتيجه اخيستل کيږي چي پداسي يوه حالت کي په حقيقت کي د داسي يوه سيستم نه خپله محصله قوه شته اونه هم په آخري فاصلي کي کومه نقطه شته چي دغي محصلي قوي به هلته تاثير کړي وای .

د دوو مساوي او مختلف الجهته قواو هندسي مجموعه هميشه صفر وي او دا ډول دوي قوي د سناتيک د لومړي اکسيوم پر بنسټ يوازي او يوازي هغه وخت د تعادل په حالت کي راځي ، کله چي د يوي مستقيمي کرني په امتداد تاثير او عمل کوي ، ولي پدي حالت کي دهغوي د تاثير کرني مختلفي دي .

لکه څنگه چې په نورو ټول حالاتو کې دوي موازي قوې د دوو متلاقي قواو په شان ، تل کيدلای شي چې په يوې محصلي قوې باندې تعويض شي ، نو د قواو دا ډول سيستم د هغو نورو ټولو سيستمونو په منځ کې مهم ځای لري او په يوه مهم نوم سره يادېږي . د جوړې مفهوم او د مومنت مت يا بازو ويزونه ، فرانسوي پوه پوانسو رامنځ ته کړي دي .

د دوو موازي قواو سيستم چې په مودول سره مساوي او مخالف الجهته وي د قواو د جوړې او يا د جوړې په نامه سره يادېږي .

د قواو جوړه محصله قوه نه لري اونه شي کيدای چې په يوې قوې سره په تعادل کې را وستل شي . دا خبره دهغه ځايه څخه سرچينه اخلي ، که چيرې جوړه په يوې قوې سره متعادل کيدای شوی ، نو هغې به محصله قوه هم درلودلای .

د سناتيک د دوهم اکسيوم پربنسټ متعادلونکې قوه چې په مخالف جهت کې نيول شوی وي ، د دې جوړې لپاره به محصله قوه گرځيدلې وای .

تجربه بنیې چې د قواو جوړه چې پر جسم باندې تاثیر کوي ، هڅه کوي چې جسم ته دوراني حرکت ورکړي ، که چيرې د جسم ارتباطاتو دهغه مخه نه نيولای .

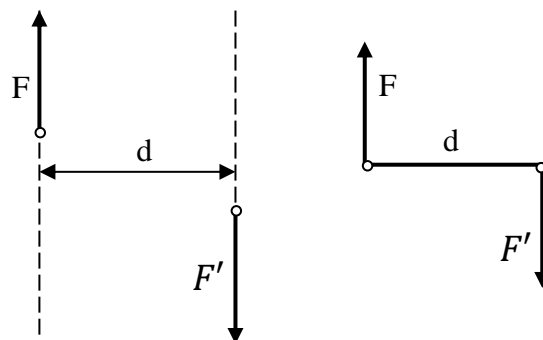
د قواو جوړه هر چيرې چې واره قوې و جسم ته د دوراني حرکت د ورکولو هڅه وکړي ، لتولای شو .

مثلاً د اوبو انتقال پريوه غټ نل باندې د شيردهن په خلاصولو او ياتر لوسره بايد هغه و راستي او يا کيڼي خواته وڅرخوو او د دې لپاره پر هغه باندې بايد دوي قوې  $F$  او  $F'$  واردې کړو ، دغه قوې به په مودول سره مساوي او مخالف الجهته وي .

د تجربې څخه معلومېږي چې د يوه څرخ د څرخولو لپاره کله چې دهغه لاستی اوږد وي لږه قوه پکار ده ، ولې کله چې لاستی يې لنډ وي غټه قوه په کار ده .

نو پدې ډول سره د جوړې دوراني مؤثریت د هغې د قواو په مودول او د دوی د تأثير د کربنو ترمنځ فاصلي پورې اړه لري او د جوړې د مومنت له لارې پيدا کېږي .

د جوړې د مومنت مطلق عددي قيمت مساوي دی په د يوې قوې مودول ضرب د هغې قوې په بازو يامت کې يعنې د قواو د تأثير د کربنې ترمنځ په لنډه فاصله کې ، لکه چې پوهېږو قوه کولای شو دهغې د کربنې په امتداد وهرې کيفي نقطې ته وليږدوو ، نو په راتلونکې کې به د قواو جوړه پدې ډول سره بنیو:



شکل 3.12

هغه مستقيمه کربنه چې د قواو د تأثير نقطې سره نېتلوي د قواو د تأثير پرب کربنو باندې عموده وي يعنې په عين حال کې د جوړې بازو هم وي .

هغه مستوي چې په هغې کې دا جوړه واقع ده ، د جوړې د تأثير مستوي نومېږي .

پرجسم باندي د جوړي تأثیر په دي مطالبو پوري اړه لري :

1. د جوړي د مومنت مطلقه عددي قيمت .
  2. د جوړي د تأثیر مستوي په فضا کي او دهغي موقعيت .
  3. د جوړي د تأثیر په مستوي کي د هغي د څرخولو جهت .
- د مستوي سيستم لپاره يعنې کله چې د تولوقواو د تأثیر کرښي چې پرجسم باندي عمل کوي ، په يوې مستوي کي واقع وي ، نود جوړي د تأثیر د کرښي د موقعيت د بنودولو او په گوته کولو ضرورت له منځه ځي او د جوړي مومنت د سکالري الجبري کميت په توگه مطالعه کيږي .
- د جوړي د مومنت الجبري کميت د مومنت د مطلقه عددي قيمت څخه عبارت دی ، چې د مثبتې او يا منفي علامي سره نيول شوی وي .

$$M = \pm Fd \dots (3.6)$$

M. د جوړي د مومنت الجبري قيمت

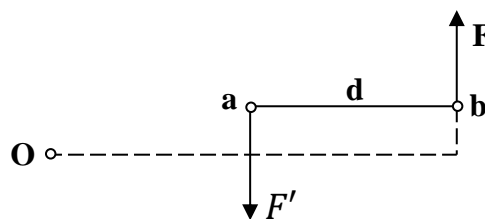
d. د جوړي مټ يا بازو

د جوړي مومنت مثبت گڼل کيږي ، که چيري جوړه جسم د ساعت د عقربې مخالف جهت ته حرکت ورکړي ، اومنفي گڼل کيږي که دا خبره برعکس وي .

د مومنت د اندازه کولو واحد نيوتن ضرب متر دی  $M [N.m]$

### 3.6- د جوړي خواص Property of couple

**لومړی قضیه:** د جوړي د مومنت الجبري قيمت نظر وهرې يوې نقطې ته چې د جوړي د تأثیر په مستوي کي پرته وي ، مساوي دی د مومنتو د الجبري قيمتونو په مجموعي سره چې دا جوړه يې تشکيله کړي ده.



**ثبوت :**

د F او F' جوړه چې بازوي  $ab = d$  سره دی مطالعه کوو.

$$M = F \cdot d$$

د x پر ځای، دنقطې په مرسته ضرب (د XVII پيړۍ پای) د ليبنیخ Gottfried Wilhelm Leibniz لخوا وړاندي شوه.

د مومنتو د مرکز په ډول د «0» نقطه چې د دي جوړي د تأثیر په مستوي کي واقع ده ، نيسو .

$$M_o(F) = F \cdot Ob$$

$$M_o(F') = -F'.Oa$$

د دې مساواتو د یوځای کیدو په صورت کې پداسې حال کې چې  $F = F'$  او  $ab = d$  لرو چې :

$$M_o(F) + M_o(F') = F.Ob - F'.Oa = F(Ob - Oa) = F.d = M$$

لکه چې پوهیږو د جوړې د مومنټو مجموعه د مومنټو د مرکز په انتخاب پورې اړه نه لري .

دا مجموعه د دې جوړې لپاره په یوه ثابت عدد سره مساوي ده - د دې جوړې په هغه مومنټ سره چې پر جسم باندې د جوړې تأثیر د دوراني حرکت په توګه سره ځانګړی کوي .

**دوهمه قضیه:** هره جوړه پداسې حال کې چې د هغې و تأثیر ته پر مطلق جامد جسم باندې تغیر ور نکړو ، کولای شو په بلي جوړې چې په هر ډول سره چې وي په همغه مستوي کې واقع وي یعنې یوه مومنټ چې د دې جوړې سره یوډول الجبري کمیت ولري ، بدله کړو .

**ثبوت.**

پر جسم باندې دوی قوې  $F_1$  او  $F'_1$  تأثیر کوي ، دهغوی بازو  $AB = d$

A او B په نقطو کې په مودول سره مساوي پریوې کرښې باندې مخالف الجهته دوی قوې  $T_1$  او  $T'_1$  واردو.

د دې قواو یعنې  $F_1, T_1$  او  $F'_1, T'_1$  د جمع کولو په نتیجه کې مور یوه نوې جوړه د  $\Sigma F$  او  $\Sigma F'$  پلاس راوړو چې د راکړل شوي سیستم سره معادله ده .

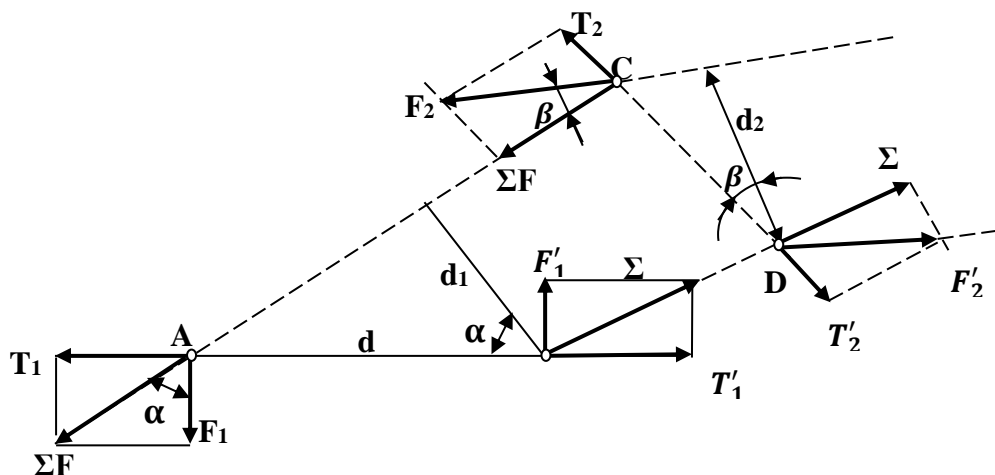
که چیرې د دې جوړې قوې ونورو دوو کيفي نقطو ته چې دهغوی د تأثیر د کرښې په امتداد پرتې وي،

مثلاً (C,D) ته ولیږدو او یو واریا و دې جوړې ته د  $T_2$  او  $T'_2$  متعادل سیستم ور زیات کړ ، نو د  $F_2$  او  $F'_2$  جوړه چې د دې سیستم سره معادله ده پلاس به راشي یعنې :

$$(F_1, F'_1) \sim (\Sigma F, \Sigma F') \sim (F_2, F'_2)$$

د لوړو مطالبو څخه کولای شو داسې وانګیرو چې ټولې پلاس راوړل شوي معادلي جوړې د څرخیدلو و یوډول جهت (پدې حالت کې حرکت د ساعت د عقربې مطابق دی ) او په مطلقه قیمت سره یو ډول مومنټ ، لري .

د شکل څخه معلومیږي چې



شکل 3.13

$$\begin{aligned}\Sigma F &= F_1 / \cos \alpha \\ \Rightarrow \Sigma F d_1 &= F_1 d \\ d_1 &= d \cdot \cos \alpha\end{aligned}$$

$$F_2 = \frac{\Sigma F}{\cos \beta} ; \quad d_2 = d_1 \cos \beta ; \quad F_2 d_2 = \Sigma F d_1$$

د قواو د جوړې دهغو د تأثیر د کرښو په امتداد په انتقال اود عملیو په تکرار سره لکه چې پورته مو ترسره کړل ، کولای شو چې جوړه د دې د تأثیر د مستوي وهر موقعیت ته ولیردو او په هر ډول سره چې و غواړو د جوړې ومودول ته تغیر وکړو او په ترتیب سره د جوړې بازو په هم تغیر خوړلی وي ، خو د جوړې د مومنت مطلقه قیمت او دهغې د تأثیر جهت بی له تغیره پاتیري .

په عمل کې د جوړې انتقال د هغې د تأثیر د کرښې په امتداد ډیر لیدل کېږي .

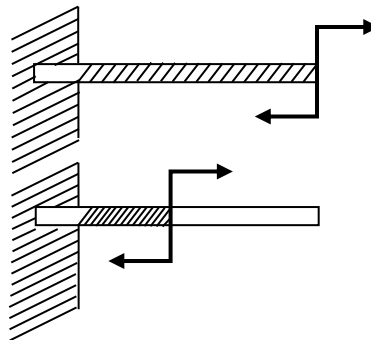
مثلاً کله چې موټر چلوونکی د جلو شاته ناست وي عیناً دا عمل ترسره کوي .

د جوړې انتقال د هغې د تأثیر په مستوي کې ، لکه د قوې انتقال د هغې د تأثیر د کرښې په امتداد یوازې او یوازې د مطلق جامد جسم په هکله د تطبیق وردی .

مورکولای شو د جوړې د دې خاصیت څخه د خارجي قواو د تعادل د مسایلو د حل په هکله چې پر شکل بدلوونکي جسم باندې تأثیر کوي گټه واخلو ، ځکه چې د جسم په جامد والي سره دغه تعادل نه خرابیږي . (د جامدوالي اصل).

ولی د جسم د شکل بدلون او د هغه داخلي قوې چې د شکل اړونې په نتیجه کې په جسم کې منځ ته راځي اود دې شکل بدلون مخه نیسي ، د جوړې په مومنت پورې اړه لري ، نولدي امله «د موادو مقاومت او میخانیک» کې تل د جسم هغه مقطع چې جوړه پر هغې باندې تأثیر کوي ، ښوول کېږي .

### مثال



شکل 3.14

پدې شکل کې دوي میلی چې یوانجام یې په دیوال کې کلک او محکم کړل شوی دی ، د جوړې قوې تر تأثیر لاندې دي ، ښوول کېږي . معلومه ده هغه جوړه چې پراخې مقطع باندې تأثیر کوي ، د دې سبب کېږي چې و ټولې میلی د شکل بدلون ورکړي ، یعنې هغه به کړه کړي ، ولی هغه جوړه چې پرمخنی مقطع باندې تأثیر کوي یوازې د میلیو کینې خواته د شکل بدلون ورکوي ، یعنې کروي یې .

د دې ځایه څخه داسې معلومیږي چې (د قضیې د ثبوت څخه) :

د جوړې تأثیر پر جسم باندې د هغې د مومنت له لارې معلومیږي .

د يوه مومنت سره بې شميره جوړې مطابقت کولای شي ، ولې ټولې جوړې د يوه ډول او مساوي مومنت سره د خپل ميخانيکي مؤثریت له نظره سره معادلي دي اوکيدای شي چې يوه په بله هروخت تعويض شي . نو لدې امله د ميخانيک په مسايلو کې معمولاً د جوړې مومنت ورکول کيږي نه دا چې د قوې مودول او يا دهغې بازو.

مومنت ډيرخله د يوې عقربې په شکل  $M$  چې د حرکت جهت بنښي، بنودل کيږي.

### 3.7- د جوړې جمع کول Addition of couple

#### د جوړې د تعادل شرايط Condition of Equilibrium of couple

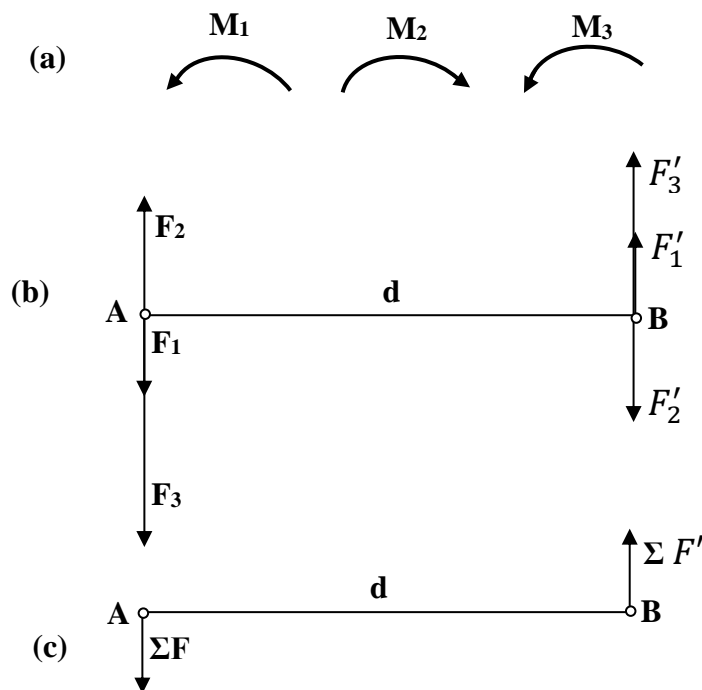
لکه چې پوهيږو ، جوړه د قواو هغه سيستم دی چې د سيستم څخه يې نشو حذفولای او يا ايستلای يعنې په يوې قوې سره نشو کولای چې تعويض يې کړو . نو لدې امله په ستاتيک کې د قوې ترڅنگ بايد د قواو جوړه هم د يوه خپلواک او مستقل عنصر په توگه سره مطالعه شي .

جوړه هم لکه د قوې په شان کولای شو جمع او يايې تجزيه کړو .

هغه جوړه چې پر جسم باندې د ټولو جوړو تأثير پر خپله اوره اخلي ، يعنې په ځان سره يې تعويضوي ، د حاصله جوړې يا نتجیوي جوړې په نامه سره ياديږي او هغه نورې جوړې د هغې مرکبات بلل کيږي .

#### قضيه :

څو جوړې چې په يوه مستوي کې واقع وي کولای شو په يوې حاصله جوړې سره يې تعويض کړو چې د هغې مومنت د ټولومرکبو جوړو د مومنتونو د الجبري مجموعې سره مساوي دی .



شکل 3.15

ثبوت : پر جسم باندې په فضا کې په کيفي ډول سره واقع درې جوړې تأثير کوي ، دهغوی مومنتونه  $M_1$  ،  $M_2$  او  $M_3$  د هغوی د څرخيدلو جهت په گوته کوي ، د شکل a .

د بازو په توگه سره يو کيفي قطعه خط مثلاً  $AB = d$  نيسو او دا ټولې جوړې و دې بازو ته را ورو يعني دا جوړې په معادلو جوړو لکه  $(F_1, F'_1)$ ،  $(F_2, F'_2)$  او  $(F_3, F'_3)$  باندې تعويضوو .  
د دې جوړو د قواو مودول د معادلو د مومنتو د تعادل د شرايطو څخه پلاس راځي :

$$F_1 = \frac{|M_1|}{d} \quad ; \quad F_2 = \frac{|M_2|}{d} \quad ; \quad F_3 = \frac{|M_3|}{d}$$

د دې اصل چې جوړه کولای شو دهغي د تاثير په مستوي کې وهرې نقطې ته وليږدوو ، په گټه اخيستلو سره ، دا نوې جوړې د شکل و مستوي ته پدې ډول سره را ليږدوو چې دهغوی بازو د  $AB$  د ټوټه کړنې سره سمون پيدا کړي .

تر دې انتقال وروسته ټولې قوې پردرو مستقيمو کړنې باندې چې د  $AB$  پر قطعه خط باندې عمودي وي او د هغه د انجامونو يعني  $A$  او  $B$  نقطو څخه تيري شي ، ځای نيسي .

د مستقيمي کړنې په امتداد متوجه ټولې قوې چې د  $A$  نقطې څخه تيريږي ، جمع کوو او د هغوی څخه يوه حاصله قوه چې مودول يې  $\Sigma F = F_1 + F_3 - F_2$  دی ، په لاس راوړو .

په همدې ډول سره هغه ټولې قوې چې د يوې سيده کړنې په امتداد متوجه دي او د  $B$  نقطې څخه تيريږي هم سره جمع کوو او د هغوی يوه حاصله قوه چې مودول يې  $\Sigma F' = F'_1 + F'_3 - F'_2$  دی ، پلاس را وړو .

معلومه خبره ده چې د  $\Sigma F$  او  $\Sigma F'$  قوې يوه جوړه تشکيلوي او په دې ډول سره دا درې جوړې په يوه حاصله جوړې  $(\Sigma F, \Sigma F')$  باندې اوږي . د «c» شکل

د حاصله جوړې مومنت مساوي دی :

$$\Sigma M = \Sigma F d = (F_1 + F_3 - F_2)d = F_1 d + F_3 d - F_2 d = M_1 + M_3 + M_2$$

د دوهمې جوړې مومنت  $M_2$  منفي دی ځکه چې دهغه دوراني حرکت د ساعت د عقربې سره يوشی دی نو :

$$\Sigma M = \Sigma M_i \dots (3.7)$$

لکه چې د ثبوت د بهير څخه معلوميږي ، دهر شمير جوړو لپاره دا قضيه تحقق لري .

نتيجه : د جوړو د تعادل لپاره چې په يوې مستوي کې واقع وي ، ضروري او کافي ده چې د دې جوړو د مومنتو الجبري مجموع په صفر سره مساوي شي يعني د تعادل شرط دا مساوات دی :

$$\Sigma M_i = 0 \dots (3.8)$$

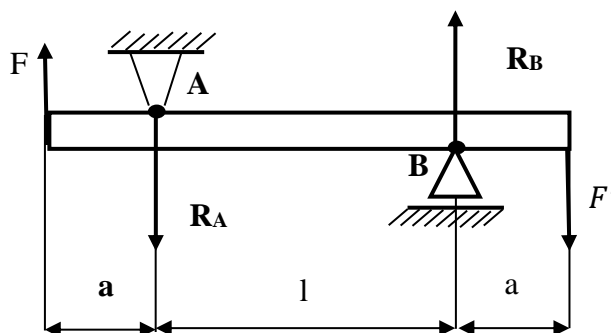
يو جامد جسم د يوې جوړې تر تاثير لاندې هله په تعادل کې واقع وي ، کله چې د جوړې قوې صفر وي او يا هم بازو صفر وي يعني هغه جوړه چې د دوو قواو په واسطه منځ ته راغلي وي ، په مودول سره مساوي او د يوې مستقيمي کړنې په امتداد مخالف الجهته عمل وکړي نو هم په دې او هم په هغه حالت کې د جوړو مومنت صفر دی ، نو لدې امله چې يو جسم د يوې جوړې تر تاثير لاندې په تعادل کې واوسي ، ضروري او کافي ده چې د دې جوړې مومنت په صفر سره مساوي شي .

خو د مستوي جوړې هر سيستم لکه چې همدا اوس ثبوت شوه ، کولای شو چې په يوې جوړې يې تعويض کړو چې دهغي مومنت د ټولو راکړل شوو جوړو د مومنتو د الجبري مجموعې سره مساوي وي .

دا نتيجه دهمدې ځايه څخه سرچېنه اخلي .

مثال:

پريوي ميلي باندي دوي مساوي او موازي قوي  $F = F' = 30 \text{ kN}$  تأثير کوي. د  $F$  قوه وپورته خواته او  $F'$  وکبنتي خواته متوجه ده.



شکل 3.16

د ميلي د اتکاء د عکس العمل قوي پيدا کړئ، پداسي حال کي چي د ميلي د وزن څخه تيريږو،  $l = 6 \text{ m}$  او  $a = 2 \text{ m}$  وي.

حل:

پرميلي باندي د قواو جوړه  $(F, F')$  تاثير کوي او هڅه کوي چي ميله د ساعت د عقري سره سم را وڅرخوي نوڅکه د دي جوړي مومنت

$$M = -F(l + 2a)$$

له بله پلوه ميله په تعادل کي واقع ده او جوړه کيدای شي يوازي په جوړي سره و تعادل ته را وستل شي نو د اتکاء د عکس العمل قوي  $R_A$  او  $R_B$  هم بايد يوه جوړه تشکيله کړي چي هغه به هڅه وکړي چي ميله د ساعت د عقري مخالف جهت ته وڅرخوي، د دي جوړي مومنت

$$M_R = R_A l$$

$$M + M_R = -F(l + 2a) + R_A l = 0 \quad \text{د (3.8) فورمول سره سم:}$$

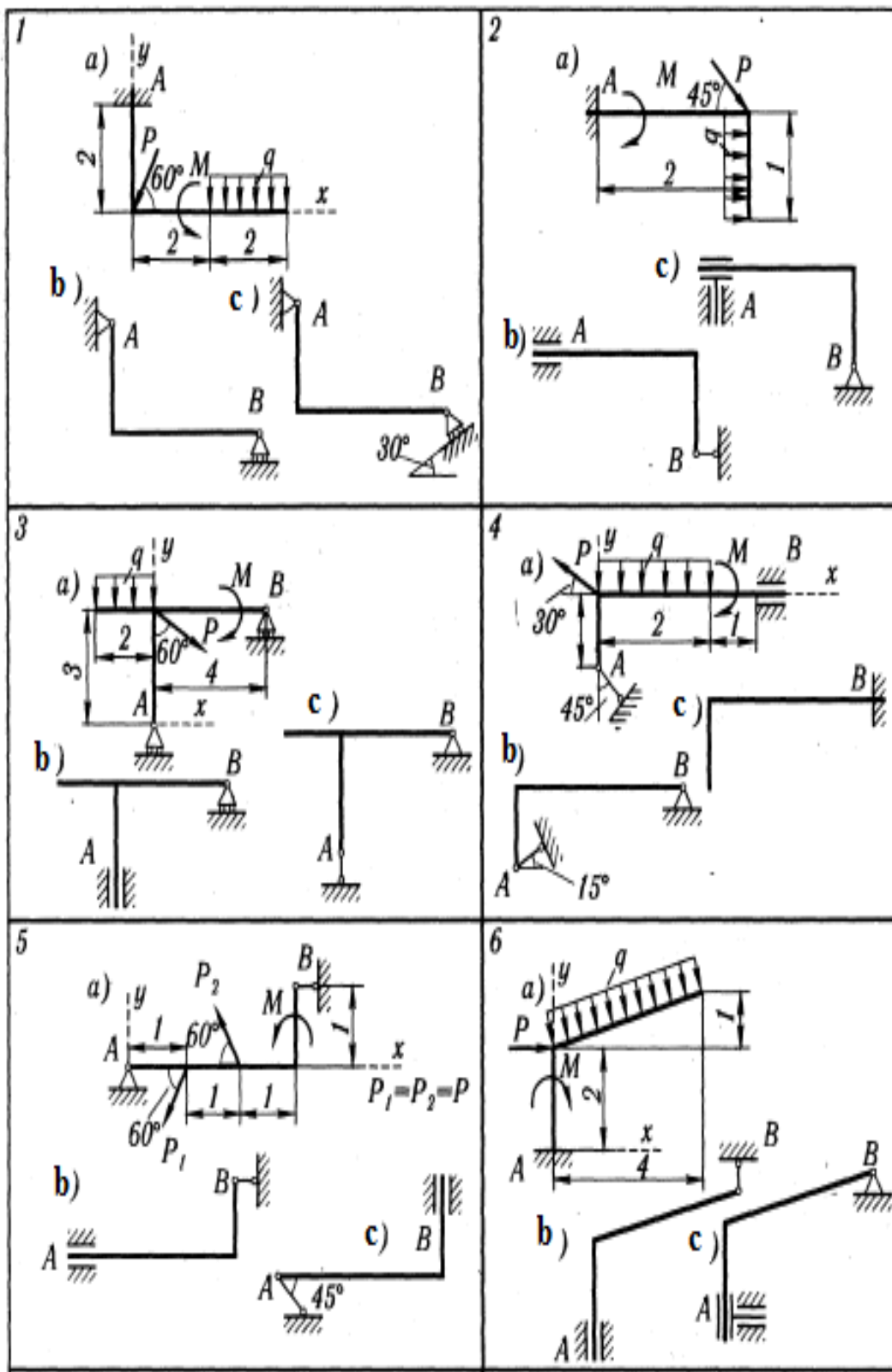
$$R_A = R_B = \frac{F(l + 2a)}{l} = \frac{30(6 + 2(2))}{6} = 50 \text{ kN}$$

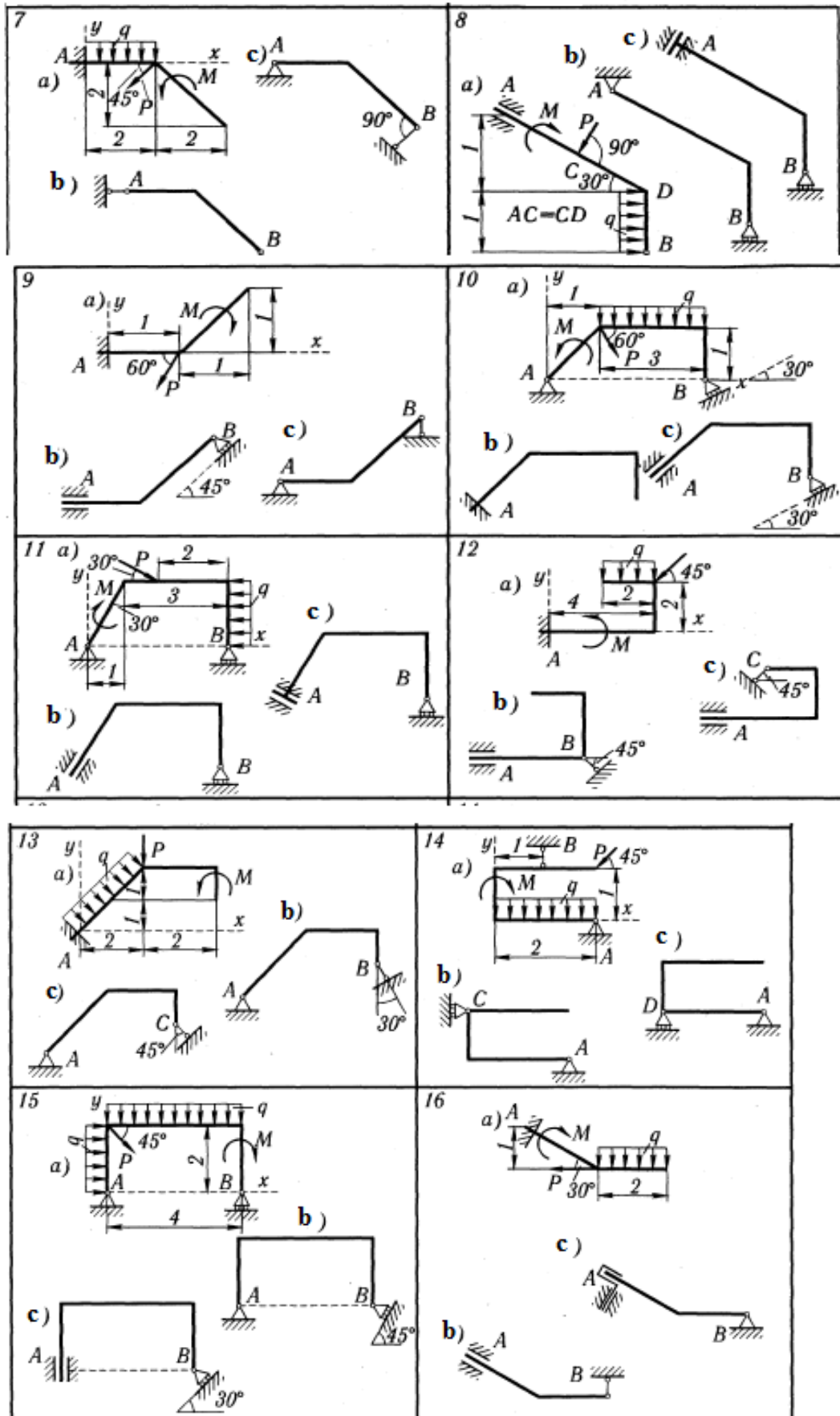
### 3.8 - خانگري مشق او تمرين

په لاندي شيماکانو کي د گادر د محکمولو شکل بنودل شوي دي. په اتکاوو کي د عکس العمل قوي پداسي حال کي پيدا کړئ چي د عکس العمل مومنت تر ټولو کوچني قيمت ولري.

$$P = 45 \text{ kN} ; M = 8 \text{ kN.m} ; q = 1.2 \text{ kN.m}$$

| د شکل شميره | $P$ ,<br>kN | $M$ ,<br>kN·m | $q$ ,<br>kN/m | پيدا كړل شي |
|-------------|-------------|---------------|---------------|-------------|
| 1           | 10          | 6             | 2             | $Y_A$       |
| 2           | 20          | 5             | 4             | $M_A$       |
| 3           | 15          | 8             | 1             | $Y_B$       |
| 4           | 5           | 2             | 1             | $Y_B$       |
| 5           | 10          | 4             | —             | $X_B$       |
| 6           | 6           | 2             | 1             | $M_A$       |
| 7           | 2           | 4             | 2             | $X_A$       |
| 8           | 20          | 10            | 4             | $R_B$       |
| 9           | 10          | 6             | —             | $Y_A$       |
| 10          | 2           | 4             | 2             | $R_A$       |
| 11          | 4           | 10            | 1             | $R_B$       |
| 12          | 10          | 5             | 2             | $Y_A$       |
| 13          | 20          | 12            | 2             | $Y_A$       |
| 14          | 15          | 4             | 3             | $Y_A$       |
| 15          | 10          | 5             | 2             | $X_A$       |





### 3.9 - د درانده چوکات تعادل Equilibrium of heavy Frame

#### مستوي کيفي قوه ايزسيستم

#### Coplanar Forces system in a Plane

متجانس دروند چوکات په عمودي مستوي کې واقع او پريوه غير متحرک بي وزنه مايل يا کاره گادرباندي تکیه لري پردي چوکات باندي خارجي متمرکز ه قوه او مومنت اغيره کوي .

د چوکات د خطي وزن په نظرکي نيولو سره د اتکاء د عکس العمل قوي پيدا کړي ؟

حل:

1. د ارتباطاتو څخه د آزادولو د اصل سره سم چوکات د ارتباطاتو څخه خلاصوو. د اتکاء اغيزه د عکس العمل په قواو باندي بدلوو، د کاردينات سيستم غځوو. په غير متحرک مفصل کې دوي مجهولي مرکبه قوي شته عمودي او افقي . په اتکايي بي وزنه گادركي يوه نامعلومه د عکس العمل قوه چې د گادريه امتداد متوجه ده هم شته . ټولي مايلي اوکري قوي د محور پرمخ باندي پردوو مرکبو باندي تجزيه کوو .

2. د چوکات دهرې برخې و مرکز ته دهغه وزن واردوو چې پدي فورمول سره پيدا کيږي .

$$G_k = l_k \rho$$

$l_k$  - د برخې اوږدوالی .

$\rho$  - د چوکات خطي وزن ( د گادرد اوږدوالي د واحد وزن چې د هغه څخه چوکات تشکیل شوی دی ) .

3. د هغو ټولو پرچوکات باندي اغيزه کونکو قواو مومنتونه نظرو غير متحرک مفصل ته نيسو . د همدې معادلي څخه د گادرد اتکاء د عکس العمل قوه پيدا کوو .

4. د  $x$  او  $y$  پرمحورونو باندي د ټولو قواو د مرتسمو معادلي لیکو ، د دغو معادلو څخه دغير متحرک مفصل د عکس العمل د قوي مرکبي ( عمودي او افقي ) پيدا کوو .

5. د حل سموالي کنترولو، ددي لپاره د مومنتو معادله نظرو يوي نقطې ته چې د مجهولي عکس العمل قوي د تأثير پرکړني باندي نه وي پرته ، تشکیلوو .

مثال. يومتجانس چوکات چې په عمودي مستوي کې پروت او د  $A$  په غير متحرک مفصل او بي وزنه مايل گادر  $H$  باندي تکیه لري ترکنټي لاندي نيسو .

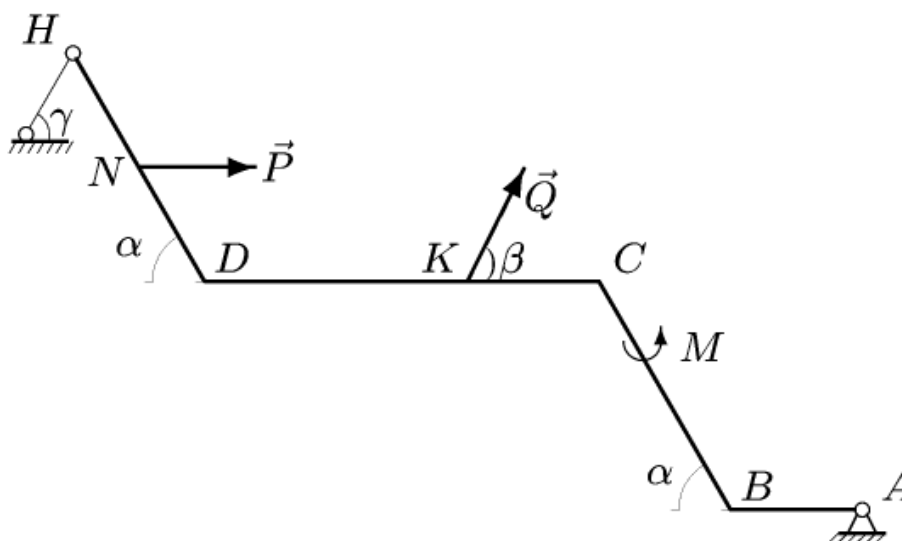
پردي چوکات باندي دا خارجي متمرکزي قوي اغيز کوي:

$$P = 20 \text{ kN} ; Q = 10 \text{ kN} ; M = 100 \text{ kN/m}$$

زاويې په لاندي ډول دي :

$$\alpha = 60^\circ ; \beta = 50^\circ ; \gamma = 60^\circ ; AB = 2 \text{ m} ; BC = 4 \text{ m} ; CD = 6 \text{ m} ; DH = 4 \text{ m} ; KC = 2 \text{ m}$$

د چوکات د خطي وزن په نظرکي نيولو سره  $\rho = 4 \text{ kN/m}$  ، د اتکاء د عکس العمل قوي پيدا کړي ؟



شکل 3.17

حل :

1. چوکات د ارتباطاتو څخه خلاصو. د اتکاوو اغیزه دهغو په عکس العمل بدلوو. د کار دیناتو سیستم غځوچې مبدأ یې د A نقطه وي. د A په غیر متحرک مفصل کې د  $R_A$  عکس العمل دوي مجهولي مرکبي لري  $R_x$  ،  $R_y$ . بې وزنه اتکايي ګاډرد H په مفصل کې د هغه په عکس العمل قوي باندې بدلوو چې د ګاډرو په امتداد باندې متوجه ده یعنې وافق ته د  $\gamma$  زاویه جوړوي .

2. د چوکات دهرې برخې و مرکزته (ټولي 4 سیده کرښې برخې دي) دهغې وزن اېږدو چې د دې فورمول سره سم محاسبه شوی دی :

$$G_k = l_k \rho$$

$k=1_4$  ،  $l_k$  د چوکات د کرښو د AB ، BC ، CD ، DH اوږدوالی دی .

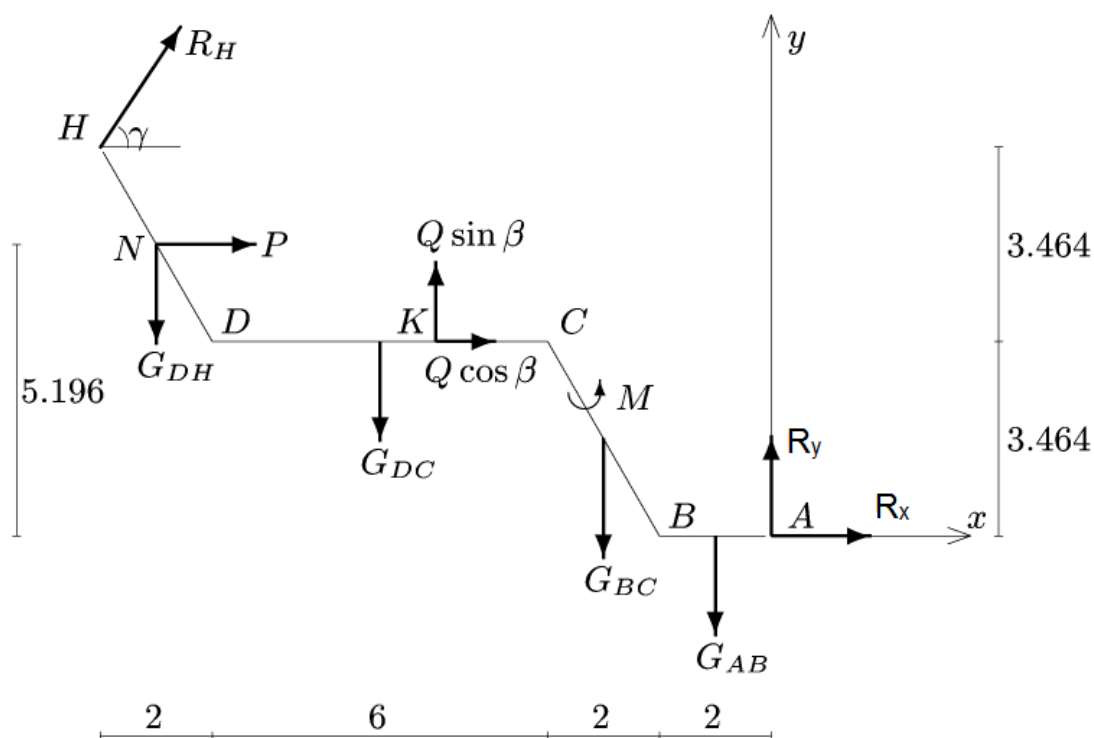
$\rho$  - د چوکات خطي وزن .

3. نظر د A مفصل ته د ټولو قواو د مومنتونو معادله تشکیلوو او په دې معادلي کې د کار د آسانی لپاره ، جلا جلا برخې جوړوو:

$$\sum M_A = M_A(R_H) + M_A(P) + M_A(Q) + M_A(G_k) + M = 0 \dots (3.9)$$

$M_A(R_H)$  - د اتکاء د عکس العمل قوي مومنت

$$M_A(R_H) = R_H h = -R_H(HD + CB) \sin \alpha \cos \gamma + (HD \gamma \cos \alpha + DC + CB \cos \alpha + AB) \sin \gamma$$



شکل 3.18

$-h$  د  $R_H$  عکس العمل قوي بازو د مومنت د علامي په نظرکي نیولو سره.

په برخوکي د  $P$  او  $Q$  قواو مومنت د جاذبي قوي مومنت  $M_A(G_k)$  به داسي وي:

$$M_A(P) = -P(ND + CB) \sin \alpha = -103.923 \text{ kN.m}$$

$$M_A(Q) = -Q \cos \beta CB \sin \alpha - Q \sin \beta (KC + CB \cos \alpha + AB) = -69.282 \text{ kN.m}$$

$$M_A(G_k) = G_{DH} [(ND + CB) \cos \alpha + DC + AB] + G_{DC} \left( \frac{DC}{2} + CB \cos \alpha + AB \right) +$$

$$G_{CB} \left( \frac{CB}{2} \cos \alpha + AB \right) + G_{AB} AB/2$$

د برخو د جاذبي قواو په محاسبه کولو سره لرو چي:

$$G_{AB} = 2(4) = 8 \text{ kN}; G_{BC} = 4(4) = 16 \text{ kN}$$

$$G_{DC} = 6(4) = 24 \text{ kN}; G_{DH} = 4(4) = 16 \text{ kN}$$

$$M_A(G_k) = 400 \text{ kN.m}$$

په لاس راوړو .

نو په پای کي د مومنتو معادله (3.9) به دا شکل ځانته غوره کړي :

$$-13.856 R_H - 103.923 - 69.282 + 400 + 100 = 0$$

له همدې ځای څخه د گاډرد عکس العمل قوه پیدا کوو:

$$R_H = \frac{326.795}{13.856} = 23.584 \text{ kN}$$

4. د  $R_x$  او  $R_y$  معادلو قوې د دې معادلې څخه پیدا کوو:

$$\Sigma F_x = 0 \Rightarrow R_x + Q \cdot \cos\beta + R_H \cdot \cos\gamma = 0 \Rightarrow R_x = -36.792 \text{ kN}$$

$$\Sigma F_y = 0 \Rightarrow R_y - G_{AB} - G_{BC} - G_{DC} - G_{DH} + Q \cdot \sin\beta + R_H \cdot \sin\gamma = 0$$

$$R_y = 34.915 \text{ kN}$$

نتایج وجدول ته رسوو:

| $M_A(Q)$ | $M_A(P)$ | $\sum_k M_A(G_k)$ | $h$     | $R_x$   | $R_y$  | $R_H$  |
|----------|----------|-------------------|---------|---------|--------|--------|
| -69.282  | -103.923 | 400               | -13.856 | -36.792 | 34.915 | 23.584 |

5. کنترول:

د ټولو قواو د مومنتو مجموعه چې پر چوکاټ باندې اغیزه کوي د عکس العمل قواو په شمول نظریويوي کيفي نقطې مثلاً  $k$  ته نیسو. دا انتخاب لدې امله دی چې د مومنتونو په معادلې کې ټولې پیدا کړل شوي د عکس العمل قوې ځای لري، خو معلومه قوه  $Q$  هلته ځای نه لري. (د هغې وکنترول ته ضرورت هم نشته) نوځکه معادله به د درو مرکبو څخه جوړه وي:

$$\sum M_k = -R_H 3.464 \cos\gamma - R_H 6 \sin\gamma - P 1.732 + M + G_{DH} 5 +$$

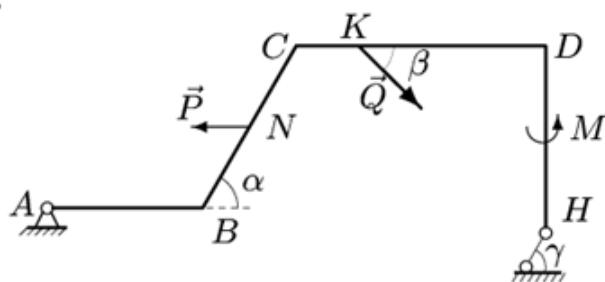
$$G_{DC} 1 - G_{BC} 3 - G_{AB} 5 + R_y 6 + R_x 3.464 = 0$$

### 3.10- مشق او تمرین

دروند متجانس چوکاټ په عمودي مستوي کې واقع، د  $A$  پر غیرمتحرک مفصل او د  $H$  پر کاره بي وزنه گادر باندې تکیه لري، د افقي قوې  $P$ ، کبري(مایلي) قوې  $Q$  او مومنت  $M$  تر اغیزې لاندې دی.

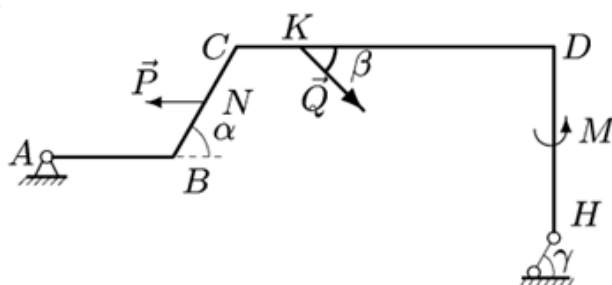
د چوکاټ د خطي وزن  $p$  په نظر کې نیولو سره د اتکاء د عکس العمل قواوې پیدا کړئ؟

1.



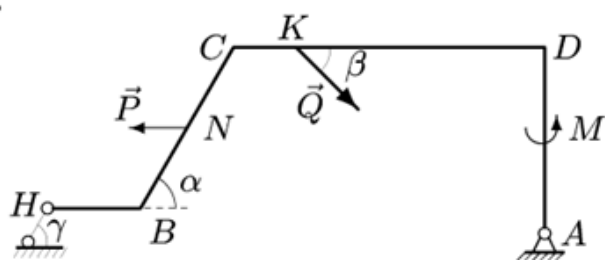
$$\begin{aligned} \rho &= 1 \text{ kN/m}, P = 5 \text{ kN}, \\ Q &= 11 \text{ kN}, M = 30 \text{ kN.m}, \\ \alpha &= 60^\circ, \beta = 30^\circ, \gamma = 30^\circ, \\ AB &= 5 \text{ m}, BC = 6 \text{ m}, \\ CD &= 8 \text{ m}, DH = 6 \text{ m}, \\ CK &= 2 \text{ m}, CN = 3 \text{ m}. \end{aligned}$$

2.



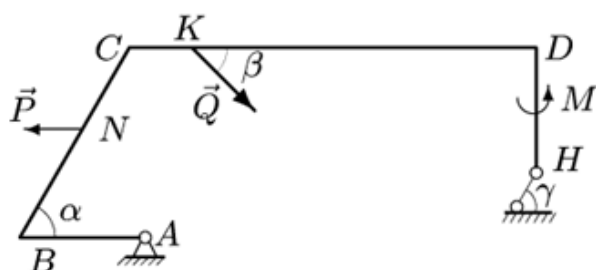
$$\begin{aligned} \rho &= 2 \text{ kN/m}, P = 6 \text{ kN}, \\ Q &= 12 \text{ kN}, M = 50 \text{ kN.m}, \\ \alpha &= 60^\circ, \beta = 30^\circ, \gamma = 45^\circ, \\ AB &= 4 \text{ m}, BC = 4 \text{ m}, \\ CD &= 10 \text{ m}, DH = 6 \text{ m}, \\ CK &= 2 \text{ m}, CN = 2 \text{ m}. \end{aligned}$$

3.



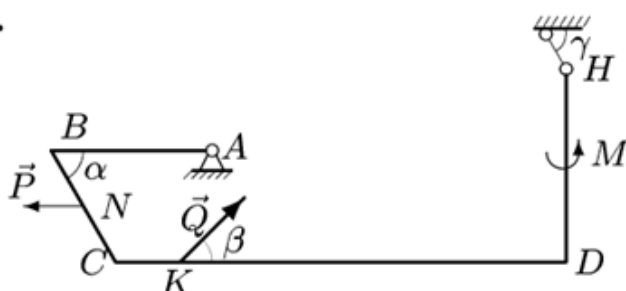
$$\begin{aligned} \rho &= 3 \text{ kN/m}, P = 8 \text{ kN}, \\ Q &= 13 \text{ kN}, M = 70 \text{ kN.m}, \\ \alpha &= 60^\circ, \beta = 45^\circ, \gamma = 60^\circ, \\ HB &= 3 \text{ m}, BC = 6 \text{ m}, \\ CD &= 10 \text{ m}, DA = 6 \text{ m}, \\ CK &= 2 \text{ m}, CN = 3 \text{ m}. \end{aligned}$$

4.



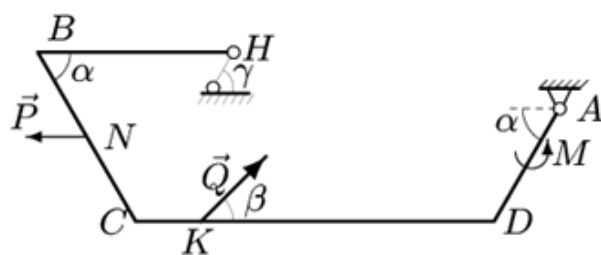
$\rho = 1 \text{ kN/m}$ ,  $P = 6 \text{ kN}$ ,  
 $Q = 14 \text{ kN}$ ,  $M = 30 \text{ kN.m}$ ,  
 $\alpha = 60^\circ$ ,  $\beta = 45^\circ$ ,  $\gamma = 30^\circ$ ,  
 $AB = 4 \text{ m}$ ,  $BC = 7 \text{ m}$ ,  
 $CD = 13 \text{ m}$ ,  $DH = 4 \text{ m}$ ,  
 $CK = 2 \text{ m}$ ,  $CN = 3 \text{ m}$ .

5.



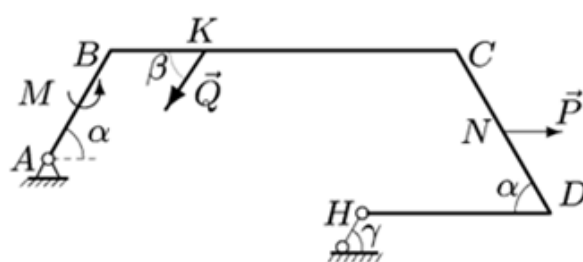
$\rho = 2 \text{ kN/m}$ ,  $P = 7 \text{ kN}$ ,  
 $Q = 15 \text{ kN}$ ,  $M = 50 \text{ kN.m}$ ,  
 $\alpha = 60^\circ$ ,  $\beta = 45^\circ$ ,  $\gamma = 45^\circ$ ,  
 $AB = 5 \text{ m}$ ,  $BC = 4 \text{ m}$ ,  
 $CD = 14 \text{ m}$ ,  $DH = 6 \text{ m}$ ,  
 $CK = 2 \text{ m}$ ,  $CN = 2 \text{ m}$ .

6.



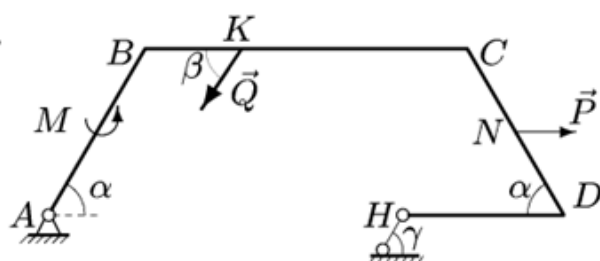
$\rho = 3 \text{ kN/m}$ ,  $P = 8 \text{ kN}$ ,  
 $Q = 16 \text{ kN}$ ,  $M = 70 \text{ kN.m}$ ,  
 $\alpha = 60^\circ$ ,  $\beta = 45^\circ$ ,  $\gamma = 60^\circ$ ,  
 $HB = 6 \text{ m}$ ,  $BC = 6 \text{ m}$ ,  
 $CD = 11 \text{ m}$ ,  $DA = 4 \text{ m}$ ,  
 $CK = 2 \text{ m}$ ,  $CN = 3 \text{ m}$ .

7.



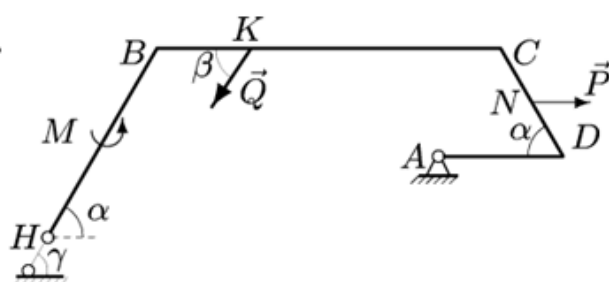
$$\begin{aligned} \rho &= 1 \text{ kN/m}, P = 7 \text{ kN}, \\ Q &= 17 \text{ kN}, M = 30 \text{ kN}\cdot\text{m}, \\ \alpha &= 60^\circ, \beta = 60^\circ, \gamma = 30^\circ, \\ AB &= 4 \text{ m}, BC = 11 \text{ m}, \\ CD &= 6 \text{ m}, DH = 6 \text{ m}, \\ BK &= 3 \text{ m}, CN = 3 \text{ m}. \end{aligned}$$

8.



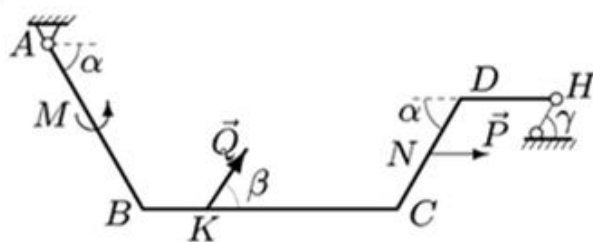
$$\begin{aligned} \rho &= 2 \text{ kN/m}, P = 8 \text{ kN}, \\ Q &= 18 \text{ kN}, M = 50 \text{ kN}\cdot\text{m}, \\ \alpha &= 60^\circ, \beta = 60^\circ, \gamma = 45^\circ, \\ AB &= 6 \text{ m}, BC = 10 \text{ m}, \\ CD &= 6 \text{ m}, DH = 5 \text{ m}, \\ BK &= 3 \text{ m}, CN = 3 \text{ m}. \end{aligned}$$

9.



$$\begin{aligned} \rho &= 3 \text{ kN/m}, P = 9 \text{ kN}, \\ Q &= 19 \text{ kN}, M = 70 \text{ kN}\cdot\text{m}, \\ \alpha &= 60^\circ, \beta = 60^\circ, \gamma = 60^\circ, \\ HB &= 7 \text{ m}, BC = 11 \text{ m}, \\ CD &= 4 \text{ m}, DA = 4 \text{ m}, \\ BK &= 3 \text{ m}, CN = 2 \text{ m}. \end{aligned}$$

10.



$$\begin{aligned} \rho &= 2 \text{ kN/m}, P = 8 \text{ kN}, \\ Q &= 20 \text{ kN}, M = 50 \text{ kN.m}, \\ \alpha &= 60^\circ, \beta = 60^\circ, \gamma = 45^\circ, \\ AB &= 6 \text{ m}, BC = 8 \text{ m}, \\ CD &= 4 \text{ m}, DH = 3 \text{ m}, \\ BK &= 2 \text{ m}, CN = 2 \text{ m}. \end{aligned}$$

خوابونه:

|    | $M_A(Q)$ | $M_A(P)$ | $\Sigma_k M_A(G_k)$ | $h$     | $X_A$   | $Y_A$  | $R_H$  |
|----|----------|----------|---------------------|---------|---------|--------|--------|
|    | kN.m     |          |                     | m       | kN      |        |        |
| 1  | -104.500 | 12.990   | -243.5              | 8.696   | -34.901 | 12.963 | 35.074 |
| 2  | -84.000  | 10.392   | -468.0              | 13.107  | -30.914 | 27.478 | 37.508 |
| 3  | 18.385   | 27.215   | 487.5               | -14.258 | -22.341 | 47.561 | 42.298 |
| 4  | -74.862  | 20.785   | -104.3              | 4.464   | -28.795 | 23.526 | 28.746 |
| 5  | 26.136   | -12.124  | -187.0              | 9.571   | 5.480   | 38.307 | 12.850 |
| 6  | -85.259  | -6.928   | 754.5               | -9.526  | -41.750 | 3.112  | 76.873 |
| 7  | -44.167  | -6.062   | -251.5              | 6.500   | -34.704 | 20.820 | 41.805 |
| 8  | -46.765  | -20.785  | -487.0              | 7.778   | -44.868 | 23.720 | 64.867 |
| 9  | 131.636  | -15.588  | 281.3               | -9.526  | -24.027 | 51.973 | 49.054 |
| 10 | 138.564  | 27.713   | -313.0              | 12.538  | -23.455 | 19.225 | 7.714  |

## څلورم فصل

### اصطکاک Friction

#### 4.1 - د اصطکاک دوه اساسي ډولونه

اصطکاک عبارت د هغه مقاومت څخه دی چې د یوه جسم د بل جسم پر سطح باندې د ځای بدلون په صورت کې ، منځ ته راځي .

د دې ځای بدلون د خصوصیت په نظر کې نیولو سره ( دا چې جسم بنویږي او که رغړي ) دوه ډوله اصطکاک شته دی .

د بنویږدو اصطکاک یا د اصطکاک لومړی ډول .

د رغړیدو اصطکاک یا د اصطکاک دوهم ډول .

کله ناکله د اوبنتلو- را اوبنتلو اصطکاک هم په نظر کې نیول کیږي .

د بنویږدو د اصطکاک مثالونه :

د واورې پرمخ باندې د سګې پواسطه بنویږد ، د ونو او درختو آره کول ، د بوټانو تلي په مځکه باندې لګول اوبیا پورته کول ، د عرابې پرمحور باندې د میلی تماس او نور .

د رغړیدو د اصطکاک ډولونه :

پرسرک باندې د موټر د ټایرر رغړیدل ، د اوسپني پرپټلی باندې د ریل د عرابو رغړیدل ، د لرګیو د دایروي کوندو رغړیدل ، په چرپي (ساجمه یي) او رولیکي (ګلوله یي) بول بیرینګونو کې اصطکاک او نور .

اصطکاک د طبیعت یوه له مشهورو پدیدو څخه ده او په تخنیک کې ستر رول لري خود دې فزیکي - میخانیکي پدې او یو زیات شمیر ځانګړتیاوو ارزونه چې پر اصطکاک باندې تاثیر کوي ستونزمنې مسنلې دي او د اصطکاک د قواو د علامو دقیق معلومول لائراوسه پورې نه دي تعیین شوي .

په عمل کې کله چې ډیردقت په کار نه وي ، تراوسه پورې د تجربې قانون څخه چې په 18 پیړۍ کې 1781 میلادي کال کې د فرانسوي عالم کولون له خوا وضع شوی دی ، ګټه اخیستل کیږي ، که څه هم دا قانون تراوسه پورې و حقیقت ته لږنژدې دی .

که چیرې ډیردقت پکار وي نو د هرو دوه سولونکو سطحو د اصطکاک قوې د معلومولو لپاره او په ځانګړو حالاتو کې و تجربو ته مخه کیږي .

که څه هم په نظري میخانیک کې د حقیقي - فزیکي جسمونو حرکت نه بلکې د خیالي افکري جامدو جسمونو حرکت تر مطالعې لاندې نیول کیږي ، خو بیا هم د دې زده کړې ځینې عناصر مطالعه کیږي او دا کار یوازې او یوازې د دې

لپاره دی چې په نظري ميخانيک کې دهغو عملي مسايلو په حل کې چې نشو کولای د اصطکاک څخه سترگي پټي کړو ، د اصطکاک د قوانينو او قواعدو څخه د هغولپاره کارواخيستل شي .

## 4.2 - د بنويديو اصطکاک Friction of sliding

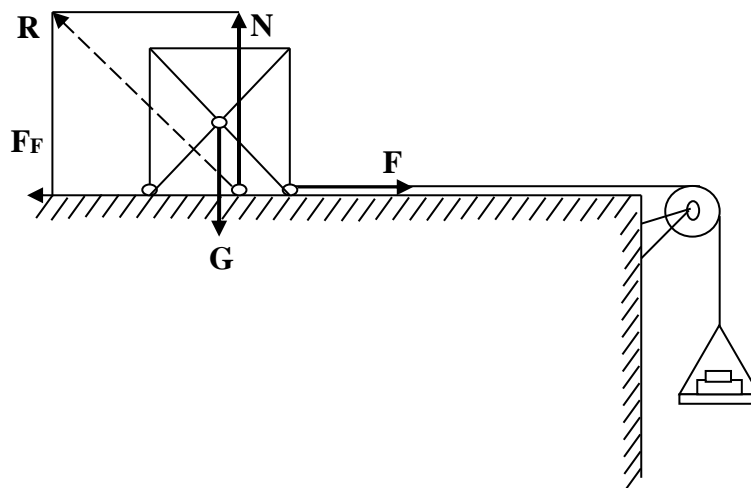
د يوه جسم د بل جسم پر سطح باندې د بنويديو په مقابل کې مقاومت د بنويديو د اصطکاک په نامه سره يادېږي .

د دې ډول اصطکاک بنسټيز لامل دا دی چې د دوو جسمونو سطح چې يوه له بلې سره تماس نيسي ، په مطلق ډول سره هوارې نه وي بلکې لږيا ډيرې اړي - گروبي (څيږي) وي نوځکه د يوه جسم د بل جسم د سطح پرمخ د ځای د بدلون لپاره يوې قوې ته ضرورت شته چې دغه د سطحو د جوړښت د اړو - گروبو والي مقاومت له منځه يوسي .

همداسې که د تماس سطح ډيره بنويه شوې وي داسې چې ډير ماليکولونه يوله بله سره تماس ولري نو د سطح د ماليکولونو نژدې کيدل جاذبه قوه زياتوي او يوه قوه لازمه ده ترڅو چې ماليکولونه د تماس په نقطه کې يوله بله څخه جلاکړي پدې صورت کې د ماليکولونو ترمنځ د جاذبې د قواو مجموعه د اصطکاک د قوې د پيدايښت سبب گرځي . مثلاً د بنبيسي دوي ټوټې چې يوه د بلې پرمخ پرتې وي په سختی سره يوه د بلې پرمخ حرکت کوي .

د اصطکاک قوه په دې يا هغه اندازه د ټولو واقعي سطحو ترمنځ شتون لري که هغوی هرڅومره هوارې او بنوي هم وي .

پرافقي غيرمتحرکې مستوي باندې  $G$  د لرگيو يوه کونده يا تيرا ايرډو او پر هغه باندې په افقي قوې  $F$  سره تاثيرکوي ، د دې کار لپاره په جسم پورې تار څروو او غوټه کوو يې (تار د جسم د قاعدې سره نژدې تړو چې جسم ونه غورځي او ونه لويږي ) اودا تار د يوه څرخ څخه تيروو او وزن ورپورې څروو . د لرگيو تيريا کونده به تر هغه وخته پورې ساکنه وي ترڅو چې  $F$  قوه په مودول سره د هغه څه سره برابره شي چې د تماس نيونکو سطحو ترمنځ د فشار قوې د جوړې لپاره دغه حد تعين شوی دی .



شکل 4.1

دا په دې معنی ده چې بېله د سطح د نورمالي عکس العمل قوې  $N$  څخه چې په مودول سره د  $G$  سره مساوي ده ، پر جسم باندې د سطح له خوا يوه بله قوه د  $F_f$  په نامه هم تاثيرکوي چې مودول يې د  $F$  د قوې سره مساوي او جهت يې د هغې سره مخالف دی . د  $F_f$  قوه د غاښ په غاښ کېدلو د قوې په نامه سره هم يادېږي .

د  $F_f$  دغه عکس العمل قوه چې په تماس مستوي کې واقع ده ، عبارت د اصطکاک له هغې قوې څخه ده چې د لرگيو د تيريا کوندي د سطح او اتکاء د مستوي ترمنځ را پيدا کېږي .

د  $G$  په زياتيدلو سره د نورمال عکس العمل قوې  $N$  مودول هم زياتېږي او هم د  $F$  قوې د مودول په زياتيدلو سره تريوه معين حد پورې ترڅو د لرگيو تيريا کونده په تعادل کې واقع وي ، د  $F_f$  اصطکاک قوې مودول هم زياتېږي .

دا قوه هله خپل غټ قيمت ته رسيري کله چې دا کونده د  $F$  قوي تر تأثير لاندې په حرکت پيل وکړي .

د اصطکاک قوه چې د جسم په نسبي سکون کې منځ ته راځي ، د جسم د سکون د اصطکاک قوي په نامه سره ياديري .

هغه د اصطکاک قوه چې د جسم د بنوئيدلو په حالت کې تأثير کوي د حرکت د اصطکاک قوه بلل کيږي .

کولومب د ډيرو تجربو پر بنسټ لاندې تقريبي قوانين وضع کړل :

1. د اصطکاک قوه تريوه ډول شرايطو لاندې د تورونکو سطحو په اندازې پورې اړه نه لري . بايد يادونه وشي

چې دا قانون يوازي د جسم د فشار پر سطح باندې ، تريوي معيني اندازې پورې تقريباً تحقق لري ، که چيري د

لرگيو کونده پرژي يا تيغي باندې کښيښودل شي نود اصطکاک قوه به ډيره زياته شي .

2. لکه د هر عکس العمل قوي په څير ، د سکون حالت د اصطکاک د قوي قيمت په وارده قواو پورې اړه لري او

دومره وي چې د دوو جسمونو يو پر بل باندې د بنوئيدلو مخه نيسي ولي هغه نشي کولای چې تريوه معين حد

زياته شي . دغه قيمت د هر معين حالت لپاره ټاکل شوی دی .

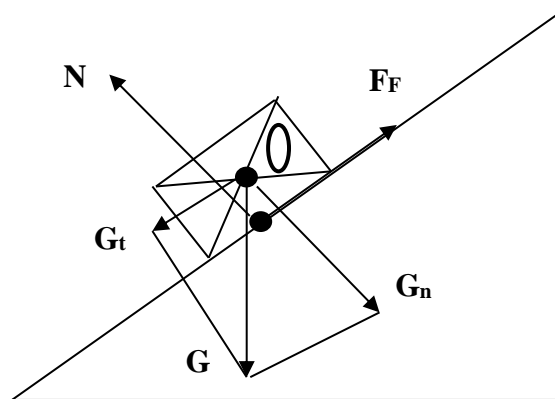
3. د اصطکاک قوي اعظمي حد د جسم د نورمال فشار سره پر بل جسم باندې مستقيماً متناسب دی .

د نورمال فشار قوه د جسم د وزن سره مساوي ده ، يوازي په هغه حالت کې چې د بنوئيدلو سطح يوه افقي مستوي وي

او پر جسم باندې بيله جاذبي قوي څخه ، بله کومه قوه تأثير و نه کړي .

که جسم پرمایله (کږه) مستوي باندې پروت وي نود اصطکاک پر قوي باندې د جسم وزن نه بلکې د  $G_n$  جاذبي قوي

مرکبه چې پرمستوي باندې عموده ده او په مودول سره د نورمالي عکس العمل قوي سره مساوي ده ، هم تأثير کوي .

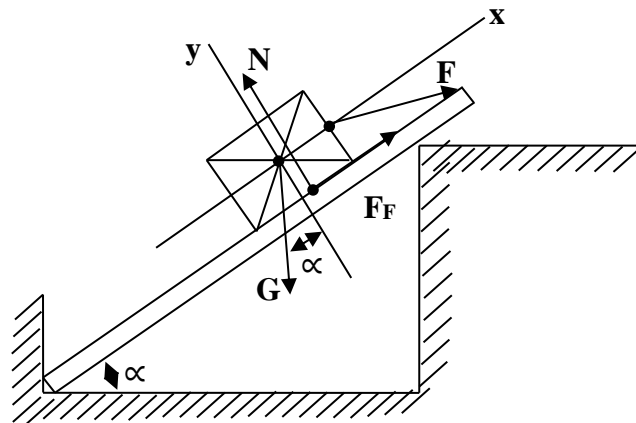


4.2-شکل

که چيري پر جسم باندې بيله دهغه جاذبي قوي څخه نورې قوي هم تأثير ولري نود نورمال فشار د قوي تأثير پر سطح باندې

بايد داسې درک شي چې دهغي څخه مطلب پر جسم باندې د ټولو قواو د محصلې قوي نورماله مرکبه ده چې په مودول

سره د بنوئيدلو د سطح د نورمال عکس العمل قوي  $N$  سره مساوي ده .



شکل 4.3

4. د اصطکاک د قوي اعظمي قيمت هم په موادو هم د تورونکو سطحو په حالت او هم د دي سطحو ترمنځ د غور وونکو موادو په موجوديت پورې اړه لري .

که چيري  $F_F$  د سکون د حالت د اصطکاک د قوي اعظمي قيمت وي نو  $N$  د اتکاء د سطح نورمال عکس العمل دی چې په مودول سره  $N = F_F$  نوله دي ځايه څخه لرو چې :

$$F_F = \mu_m N \quad \dots (4.1)$$

$\mu$  - د متناسب والي ضريب يا د سکون د حالت د اصطکاک د ضريب او غيربعدي کميت دی .

$$\mu = F_F / N$$

5. اصطکاک د حرکت په وخت کې د سکون د حالت په نسبت لږ دی .

تجربه بنيئ ، د دي لپاره چې جسم د سکون د حالت څخه وايستل شي ، بايد د اصطکاک لويه او غټه قوه له منځه يووړل شي . دا قوه د حرکت د وخت په نسبت غټه وي .

په همدې ډول د تجربې له مخې د اصطکاک قوه د حرکت په وخت کې په همدې سرعت پورې اړه لري او دهغه په زياتوالي سره لږيزي او يوه معين حد ته رسيري .

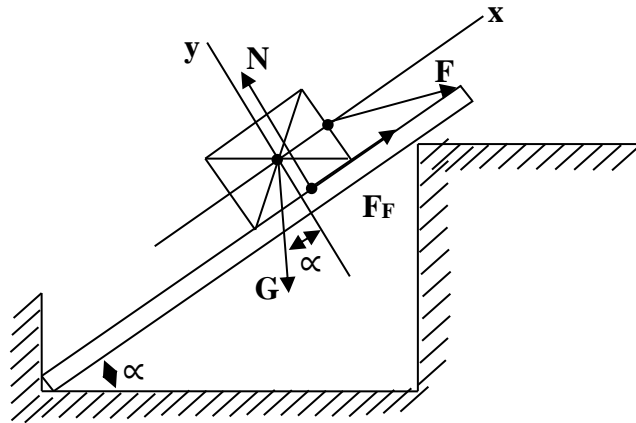
د اصطکاک قوه د حرکت په وخت کې لږ فورمول څخه پيدا کيږي :

$$\mu_k = \frac{F_F}{N} \quad \dots (4.2)$$

$\mu_k$  د اصطکاک ضريب د حرکت په وخت کې .

د تقريبي محاسبو په وخت کې د  $\mu_m$  او  $\mu_k$  د توپير څخه تيريزي او يوازې  $\mu_k$  په محاسبو کې نيسي . د دقيقو محاسبو لپاره او په هر ځانگړي حالت کې تجربه ترسره کيږي .

مثال :



شکل 4.4

پرمایلي اتکاء چي دلرگيو څخه جوړه شوي ده يو وزن د  $1.5N$  واقع دی . دا اتکاء د افقي سطح سره دیرش درجي زاويه جوړوي . وزن د لرگيو په صندوق کي پروت دی . د افقي  $F$  قوي مودول پيدا کړئ پداسي حال کي چي بار پردغي مایلي سطح باندي د تعادل په حالت کي وي . د لرگي - لرگي د اصطکاک ضريب  $0.4$  دی .

**حل :** تر هر څه دمخه  $F_{min}$  لږ قيمت پيدا کوو . دا هغه لږه اړينه قوه ده چي نه پریردي جسم وکښتي خواته ولاړشي . د اصطکاک قوه د احتمالي ممکن حرکت پرضد متوجه وي ، نو پدې حالت کي پر مستوي باندي و لوړي خواته به د دې قوي جهت وي .

نو پدې ډول جسم د  $N$  ،  $G$  ،  $F$  او  $F_F$  قواو تر تاثیر لاندي په تعادل کي واقع دی .

$-N$  - د مستوي نورماله عکس العمل قوه .

د ټولو قواو مرتسمي د  $x$  او  $y$  پرمحور باندي پيدا کوو :

$$\sum X_k = 0; F_{min} \cos\alpha + F_F - G \sin\alpha = 0$$

$$\sum Y_k = 0; N - G \cdot \cos\alpha - F_{min} \cdot \sin\alpha = 0$$

$$N = G \cdot \cos\alpha + F_{min} \cdot \sin\alpha .$$

$$F_F = \mu_m \cdot N = \mu_m (G \cdot \cos\alpha + F_{min} \sin\alpha)$$

د دې قيمت په وضع کولو سره لرو چي :

$$F_{min} \cdot \cos\alpha + \mu_m \cdot \cos\alpha + \mu_m \cdot F_{min} \cdot \sin\alpha - G \cdot \sin\alpha = 0$$

$$F_{min} = \frac{G(\sin\alpha - \mu_m \cdot \cos\alpha)}{\cos\alpha + \mu_m \cdot \sin\alpha} = \frac{1500(0.5 - (0.4) \cdot 0.866)}{0.866 + 0.4(0.5)} \cong 216 \text{ N}$$

که چيري د  $F$  مودول تر  $F_{min}$  لږوي نوباره وکښتي خواته وښوئيري .

که چيري د  $F$  مودول زيات کړو نو دهغه قيمت به په  $F_{max}$  سره به د جسم تعادل د مستوي پرمخ باندي وساتلای شي ځکه چې  $F_F$  به په دې حالت کې پرمستوي باندي وکښتي خواته متوجه وي ( دهغه حالت چې په شکل کې ښودل شوی دی متضاد به وي ) ځکه د اصطکاک قوه تل د احتمالي حرکت پرضد متوجه ده .

د تعادل معادلي همغه دي خو يوازي پدې حالت کې د  $x$  پرمخوړباندي د  $F_F$  علامه تغير خوري يعنې :

$$F_{max} = \frac{G(\sin\alpha + \mu_m \cos\alpha)}{\cos\alpha - \mu_m \sin\alpha} \cong 1900 N$$

نو معلوميري :

$$216 N < F < 1900 N$$

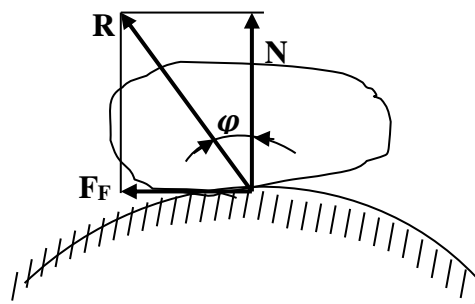
$F > 1900 N$  پدې حالت کې باربه پرمستوي باندي ولوري خواته پورته شي .

$F < 216 N$  پدې حالت کې باربه پرمستوي باندي وکښتي خواته ولاړ شي .

$216 N < F < 1900 N$  پدې حالت کې دا قوه به کفايت وکړي چې وکښتي خواته د جسم د حرکت مخه ونيسي اولبره به وي چې جسم ولوري خواته په حرکت راوړي .

### 4.3 - د اصطکاک زاويه او مخروط Angle and cone of Friction

یو جسم پریوې ناهوارې او اړې - گروبي سطح باندي پروت دی که چيري دا سطح بيخي هواره وای نو هغه به د جسم لپاره يو خيالي او ايډيال اړيکه وای اولکه چې پوهيرو يوازي د يوې  $N$  نورمال عکس العمل قوي په را پيدا کيدلو کې به خلاصه شوي وای خوسطح اړه گروبه ده نو ځکه يوه بله قوه يعنې د اصطکاک قوه چې په مماس مستوي کې واقع ده او د هغه جهت پرضد متوجه ده پرکوم لوري چې مور و جسم ته حرکت ورکوي او پايې غواړو پرحرکت را ولو ، هم شته ده .



شکل-4.5

که چيري مور يو بحراني حالت ترکنتي لاندي ونيسو يعنې يو داسې حالت چې د سکون او حرکت ترمنځ وي ، نود دې حالت لپاره د اصطکاک قوه خپل اعظمي قيمت ته رسيري . يعنې  $F_F = \mu_m \cdot N$  د دې عکس العمل قوي دوي مرکبي يعنې  $N$  او مماس اصطکاک قوه  $F_F$  د متوازي الاضلاع د قاعدې سره سم جمع کيږي اود هغه څخه يوه د سطح دعکس العمل محصله قوه  $R$  په لاس راځي چې د دې سطح د نورمال سره د  $\phi$  زاويه جوړوي .

د  $\phi$  غټه زاويه چې پرهغي باندي د اصطکاک له کبله د عکس العمل قوه  $R$  د اړې- گروبي سطح د نورمال څخه انحراف کوي ، د اصطکاک د زاويې په نامه سره ياديږي .

$$\text{tg}\varphi = \frac{F_F}{N}$$

د شکل څخه لیدل کیږي د (31) فورمول په نظر کې نیولو سره لروچي :

$$\frac{F_F}{N} = \mu \Rightarrow \text{tg}\varphi = \mu \dots (4.3)$$

د اصطکاک زاویې تانجنټ د ښوئیدو د اصطکاک د ضریب څخه عبارت دی .

که چیرې مورداسي یوجسم ترمطالعي لاندې ونیسو چې د اتکاء پرارې - گروبي سطح باندې پرهلوري د خای بدلون امکان ولري ، نو د دې جسم د احتمالي عکس العمل قوې  $R$  جهت به پرهلوري مخروطي سطح تشکیله کړي .

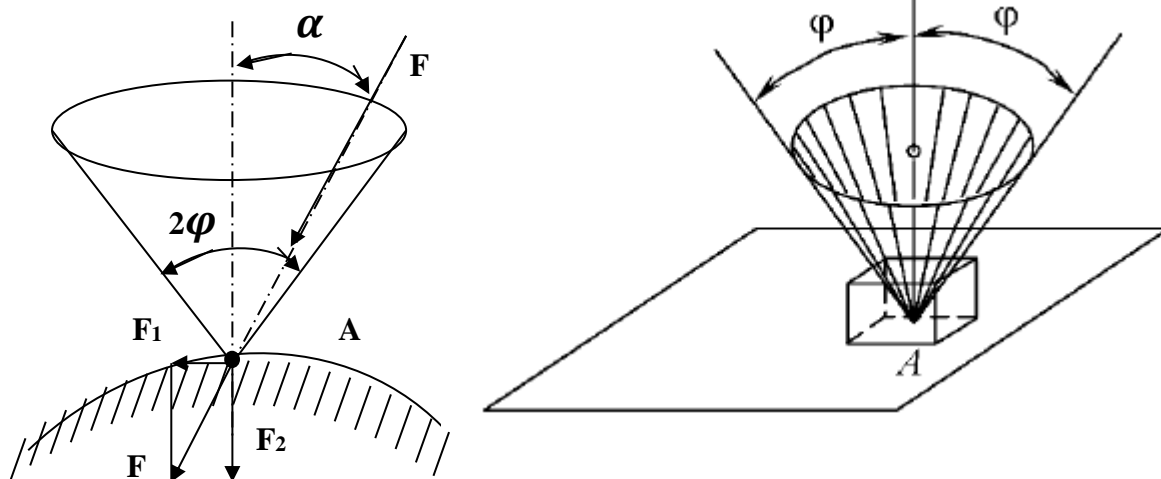
هغه مخروط چې دهغه تشکیلونکي د اصطکاک ترزاویې  $\varphi$  لاندې د ښوئیدو د سطح د اصطکاک د نورمال په نسبت په همدې نقطې کې ، مایلي اوکړي دي د اصحکاک مخروط بلل کیږي .

که چیرې د اصطکاک ضریب د جسم د حرکت په وخت کې د دې سطحې پرهلوري یوشی وي ، نو د دې سطح د پوره عکس العمل قوه  $R$  به د نورمال څخه پرتولو جهتو باندې د اصطکاک پرزاویې  $\varphi$  سره انحراف وکړي .

پدې حالت کې به د اصطکاک مخروط گردی وي او د رأس زاویه به یې  $2\varphi$  وي .

ولي کله چې مثلاً د لرگیو پریوي کوندی باندې په پسر او په اوږدو حرکت کیږي ، نو د اصطکاک ضریب یوډول نه وي اونوڅکه مخروط هم گردی په لاس نه راځي .

ولاندې شکل ته به وگورو .



4.6 شکل

پرجسم باندې تأثیر کوونکي قوې د هغه د وزن په شمول یوه محصله قوه  $F$  په لاس را کوي چې د  $A$  د نقطې څخه د سطح سره د مماس په ډول تیريزي او د سطح د نورمال سره په همدې نقطې کې د  $\alpha$  زاویه جوړوي .

دغه قوه به دهغې د تأثیر پرکړنې باندې د  $A$  د نقطې ته راولیردوو او په دوومرکبو باندې به یې تجزیه کړو .

$F_1$  چې په مماس مستوي کې واقع ده او  $F_2$  چې پرنورمال باندې و سطح ته متوجه ده

د 31 او 32 فورمولوسره سم د اصطکاک قوي اعظمي قيمت د سکون په حالت کې :

$$F_1 = \mu \cdot F_2 = F_2 \cdot \operatorname{tg} \varphi$$

$\varphi$  - د اصطکاک زاويه

$F_2$  پرسطح باندي د نورمال فشار قوي مودول (د نورمال عکس العمل قوي سره مساوي دی) .

د  $F_1$  قوي مودول چې جسم پرسطح باندي وښوئيدو ته مجبوروي :

$$F_1 = F_2 \cdot \operatorname{tg} \alpha$$

د دي لپاره چې جسم پرسطح باندي په تعادل کې وي نو بايد :

$$F_2 \cdot \operatorname{tg} \alpha \leq F_2 \cdot \operatorname{tg} \varphi \quad \text{يا} \quad F_1 \leq F_F$$

د دي خايه څخه لرو چې  $\alpha \leq \varphi$

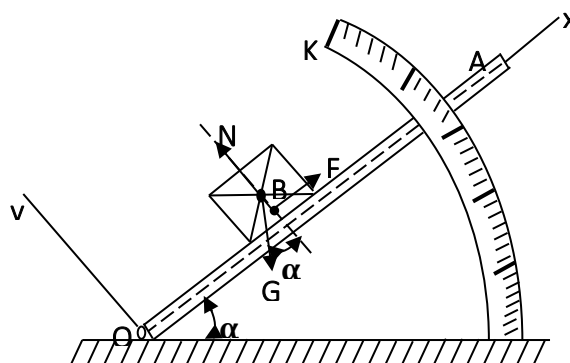
د مخروط دننه ساحي خاصيت: که چيري  $F$  د ټولو قواو محصله قوه چې پرجسم باندي تاثير کوي ، په هره اندازه چې يې مودول غټ هم وي ، د اصطکاک په مخروط کې دننه تيره شي نو جسم پر حرکت نه راولي بلکې هغه د سکون په حالت کې پاته کيږي .

نو د جسم منځ ته راتلونکی احتمالي د څڅينې حرکت هغه وخت ممکن دی چې دغه محصله قوه د مخروط څخه د باندي تيره شي .

**مثال:**

د  $OA$  مستوي د  $O$  د مفصل پر شاوخوا داسي را څرخي چې کولای شو هغه د افق په نسبت پرهري زاويې برابره کړو . پردي مستوي باندي د  $B$  جسم چې وزن يې  $G$  دی ايښودل شوی دی .

د مستوي د ميلان زاويه  $\alpha$  بايد څومره غټه وي چې جسم د مستوي پرمخ باندي په تعادل کې و اوسي .



شکل 4.7

**حل:** جسم د دي قواو تر تاثير لاندي د مستوي پرمخ باندي په تعادل کې واقع دی :  
 د جسم جاذبه قوه ،  $N$  د مستوي نورمال عکس العمل قوه او  $F_F$  د اصطکاک قوه  
 د دي قواو مرتسمي به د کار دینات سيستم پرمخ باندي پيدا کړو اود تعادل معادلي به يې هم وليکو :

$$\Sigma X_k = F_F - G \cdot \sin \alpha = 0$$

$$\Sigma Y_k = N - G \cdot \cos \alpha = 0$$

نوله دي خايه خخه لرو چي :

$$\operatorname{tg} \alpha = \frac{F_F}{N} = \mu_m = \operatorname{tg} \varphi$$

$\varphi$  د اصطکاک زاویه

د جسم د تعادل لپاره باید  $\alpha \leq \varphi$  او یا هم  $\alpha \leq \operatorname{arctg} \varphi$

نوله دي خايه خخه د سکون د حالت د بنوئیدو د اصطکاک ضریب پیدا کولای شو . د میلان د زاویې په زیاتولو سره پر درجه لرونکې لوحې باندې به هغه زاویه وگورو چې جسم د مستوي پرمخ په بنوئیدلو پیل وکړي .

دهمدې زاویې تانجنت مورته د موادو (جسم اوسطح) د اصطکاک ضریب په لاس راکوي .

په همدې ډول سره د خاوري د طبیعي میلان زاویه هم پیدا کيږي . یعنی د خاوري د میلان هغه غټه زاویه  $\alpha$  چې د هغې په صورت کې به د خاوري اجزا او برخې چې په میلان کې موقعیت لري ، په تعادل کې پاته شي .

$$\alpha = \varphi = \operatorname{arctg} \mu_m$$

$\mu_m$  د خاوري د اجزاوو ترمنځ د اصطکاک ضریب .

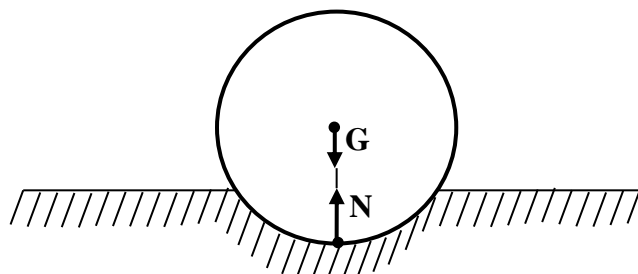
#### 4.4- د رغړیدو اصطکاک Friction of Rolling

عبارت د هغه مقاومت خخه دی چې د یوه جسم د بل جسم پرسطح باندې د رغړیدو په مقابل کې را منځ ته کيږي .

دا مقاومت په عمده ډول سره خکه رامنځ ته کيږي چې رغړیدونکی او هغه بل جسم چې لومړی ورباندې رغړول کيږي ، مطلق جامد جسمونه ندې بلکې د تماس په ځای کې تل او هروخت یو لږ څه د شکل بدلون منځ ته راځي .

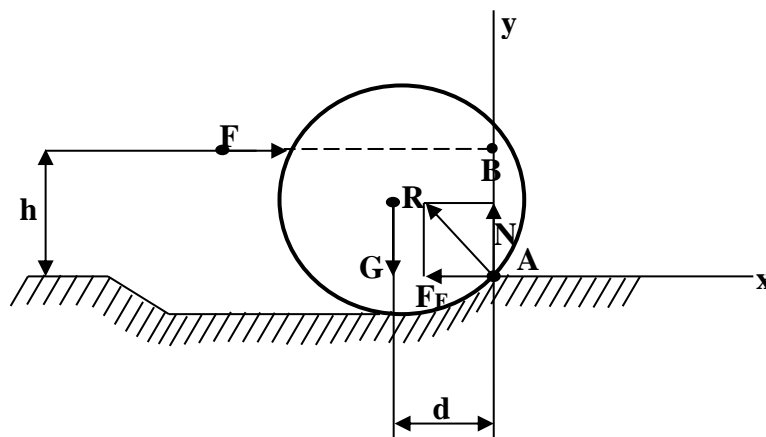
یوه کوچینی عرابه پرافقي مستوي باندې واقع ده، دا عرابه یوازې د  $G$  قوې تر تاثیر لاندې ده نوڅکه د عرابې او اتکاء د مستوي د شکل بدلون نسبت د  $G$  قوې د تاثیر وکړېني ته متناظر دی .

پر کوچینی سطح باندې د عرابې د تماس عکس العمل قوې به په یوې محصلې قوې سره یعنی  $N$  تبدیلی کړو نو د هغې مودول به تل د  $G$  سره مساوي او جهت به یې مخالف وي .



شکل 4.8

که چیرې پر عرابې باندي د  $h$  په یوې ارتفاع کې د  $F$  قوه تأثیر وکړي نو د عرابې او اتکاء سطح د شکل بدلون به نسبت د  $G$  قوې د تأثیر و کرښې ته غیرمتناظر وي.



شکل 4.9

په مستوي کې د جسمونو د تماس پر کوچني مساحت باندي د عکس العمل قواو محصله قوه  $R$  به د عرابې د احتمالي حرکت و جهت ته ورنژدی کيږي (ورځيږي) او د نورمال په جهت به د تماس و سطح ته د  $A$  په یوې نقطې کې متوجه وي، دغه په مودول سره نامعلومه قوه  $R$  به پر دوو مرکبو باندي تجزيه کړو .

$-N$  عمودي مرکبه

$-F_F$  افقي مرکبه

د  $F$  ،  $G$  ،  $N$  او  $F_F$  قواو لپاره د تعادل معادلې به داسې وي :

$$\sum X_k = F - F_F = 0 \Rightarrow F_F = F$$

$$\sum Y_k = -G + N = 0 \Rightarrow N = G$$

$$\sum M_A(F_k) = G \cdot d - F \cdot AB = 0$$

د دې مطلب په نظر کې نیولو سره چې د شکل بدلون ډیر کوچنی دی نو  $AB = h$  سره او د  $G$  پراخای هم  $N$  چې ورسره مساوي دی ، لیکو نو:

$$F \cdot h = N \cdot d$$

د  $N \cdot d$  کمیت عبارت دی د رغړیدو د مومنت څخه .

دغه مومنت لکه چې تجربه ښيي د څرخیدونکي مومنت  $F \cdot h$  په زیاتیدلو سره ډیريږي ، ولې نشي کولای تر یوه معین حد زیات شي ، هغه حد چې د تماس نیوونکو سطحو او عرابې په مستوي کې د نورمالي قوې د جوړې لپاره ، تعیین شوی دی یعنی :

$$N \cdot d \leq k \cdot N$$

$k$  - د رغړیدو د اصطکاک ضریب.

نویدی ډول سره په افقي مستوي کې د عرابي د تعادل نوي دا شرایط پلاس را وړو :

$$F \cdot h \leq k N \Rightarrow F \leq \frac{k}{h} N \dots (4.4)$$

-F د هغې افقي قوې مودول دی چې پر عرابي باندي تأثیر کوي.

-h د افقي قوې د تأثیر د نقطې ارتفاع.

-N د نورمال عکس العمل قوې مودول یا پر عرابي باندي د نورمال فشار قوې د مودول سره مساوي دی.

د عرابي د اخري حالت د تعادل لپاره :

$$F = \frac{k}{h} N \dots (4.5)$$

-k د موادو په ارتجاعي خواصو پورې اړه لري د هغه تقریبي قیمتونه د جدولو څخه پلاس راځي.

د رغړیدو ضریب یو بعدي کمیت دی اود اندازه کولو واحد یې  $cm$  او د  $d$  او  $N$  اعظمي د ځای بدلون په گوته کوي .

په 33 او 34 فورمولو کې  $k$  او  $h$  باید په یوه واحد سره ولیکل شي .

د ډیر مشهور حالت لپاره کله چې د  $F$  قوه د عرابي پر محور باندي تأثیر کوي او  $h = r$  سره وي ، نو :

$$F = \frac{k}{r} N$$

-r دا ستواني شعاع .

د هغه حالت لپاره چې  $h = d$  وي یعنی د عرابي د قطر سره برابر وي نو

$$F = \frac{k}{d} N$$

-d د استواني قطر .

لکه چې لیدل کیږي د رغړیدو د اصطکاک ضریب د بنوئیدو د اصطکاک تر ضریب څو واره کوچېنی دی نوڅکه ډیر وختونه د شیانو د لیردولو لپاره د بنوئیدو پر ځای د رغړیدو څخه ګټه اخیستل کیږي .

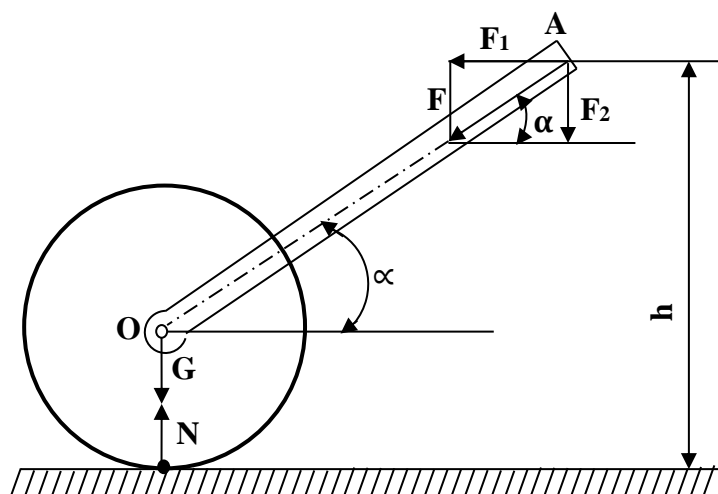
د استواني لپاره لاندي درې حالتونه شته دي :

1. که  $F \geq \frac{k}{h} N$  وي ، ولې  $F < f \cdot N$  وي نواستوانه یوازې رغړي .

2. که  $F \geq f N$  وي ، خو  $F < \frac{k}{h} N$  وي نواستوانه یوازې بنوئیري . دا حالت ډیر لږ لیدل کیږي .

3.  $F \geq \frac{k}{h} N$  وي ولې  $F \geq f \cdot N$  وي نو دواړه حالتونه یعنی بنوئیدل او رغړیدل ممکن دي .

مثال :



شکل 4.10

استوانه يي عرابه چي قطري  $d = 60 \text{ cm}$  ، وزن يي  $G = 3000 \text{ N}$  پرافقي مستوي باندي بايد په منظمه توگه ورغړول شي هغه  $F$  قوه چي د دي کارلپاره ضروري ده ، د عرابي پړلاستي باندي  $AO$  په همدې جهت سره په ثابت ډول بايد وارده شي چي عرابه په حرکت راشي .

د لاسي اوږدوالی  $1.5 \text{ m}$  دی . د  $A$  دنقطي څخه تر مستوي پورې ارتفاع  $h = 1.05 \text{ m}$

$F$  د قوي مودول چي د عرابي د منظم رغړولو لپاره ضروري دی ، پيدا کړئ . د رغړيدو د اصطکاک ضريب  $k = 0.5 \text{ cm}$

**حل :** د  $F$  قوه پردو مرکبو افقي او عمودي باندي تجزيه کوو:

افقي مرکبه  $F_1$  ، چي عرابه په حرکت راولي د  $4.5$  فورمول په مرسته پيدا کوو.

$$F_1 = F \cdot \cos \alpha = \frac{k}{r} \cdot N$$

د افقي مستوي نورمال عکس العمل قوه پدي حالت کي :

$$N - G - F \cdot \sin \alpha = 0$$

$$N = G + F_2 = G + F \cdot \sin \alpha \Rightarrow$$

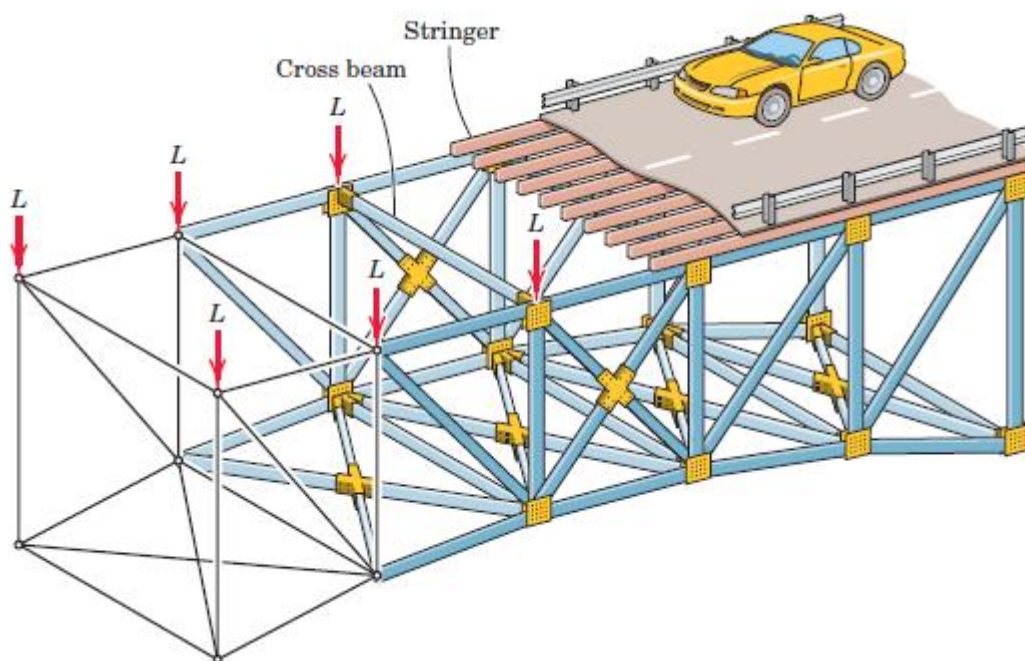
$$F \cdot \cos \alpha = \frac{k}{r} (G + F \cdot \sin \alpha).$$

$$F = \frac{k \cdot G}{r \cdot \cos \alpha - k \cdot \sin \alpha} = \frac{(0.5)3000}{(30)0.866 - (0.5)0.5} = 58.3 \text{ N}$$

$F_1$  عرابه په حرکت راولي خو عمودي مرکبه يعني  $F_2$  د عرابي لخوا پرمستوي باندي د نورمال فشار د زياتوالي سبب گرځي.

## پنجم فصل

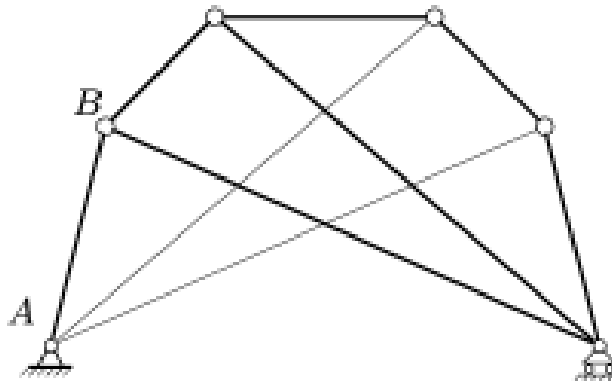
## د فرم تحليل Analysis of Frame



## 5.1 - بسيط او ساده فرم Simple Frame

- هڅه به وکړو په هغه مستوي مفصل لرونکي ميله اي ساختمان کي چي پر غير متحرک تهډاب او بنسټ باندې محکمه کړل شوی دی او په مفصلو کي د قواو تر اغيزي لاندې دی، داخلي قوي پيدا کړو.
- د سيستم د داخلي مفصلونو چي د تهډاب سره ندي تړل شوي، تعادل تر کتنې لاندې نيسو.
- دغه ډول مفصلونه به د غوتو په نامه سره ياد کړو. د هر گادر اغيزه به د هغه د عکس العمل په قوي چي د غوتي څخه و گادرته متوجه ده، تعويض کړو.
- قوه- دا هغه د گادر د عکس العمل قوي مرتسمه ده چي ومقطع ته پر خارجي نورمال باندې متوجه ده. که د محاسبې په نتيجه کي د عکس العمل قوه منفي را ووتله، نو دا پدې معني ده چي گادر کښيکښل کيږي او که نه نو بيا هغه کشيږي.
- د فيرم محاسبه په لاندې ډول سره پيل کوو:
- 1- هغه برخه پرې کوو چي يوازي دوو گادرو تړلي وي. د گادر اغيزه د عکس العمل په قوي بدلوو.
  - 2- د پلاس راغلي متلاقي قوه ايز سيستم د مرتسموله لاري پرتاکل شوي محور د تعادل معادلي ليکو.
  - 3- پلاس راغلي خطي معادلوي سيستم حلوو او مجهولي قوي پيدا کوو.

- 4- تردي وروسته هغه بله برخه پري کوو، چيري چې تر دوو زيات گادر د مجهولو قواو سره يوځای شويدي، پرمحورونو باندې د مرتسمو له لاري د تعادل معادلې ليکو او حلوو يي. دغه کار د ټولو برخو لپاره تر هغه وخته پوري تکراروو تر څو ټولي مجهولي قوي پيدا کړل شي.
- 5- د حل د کنترول لپاره په خيالي ډول سره ساختمان د تهداب څخه را جلا او پورته کوو، د قطع شوو گادرو اغيزه په پيدا کړل شوو عکس العمل قواو باندې تعويضوو، د دې قوه ايزسيستم د حل سم والی کنترولوو.
- 1- يادونه: داسې فيرمونه هم شته چې و هرې برخې ته يي تر دوو زيات گادرونه راغلي وي.
- مثلاً



5.1 شکل

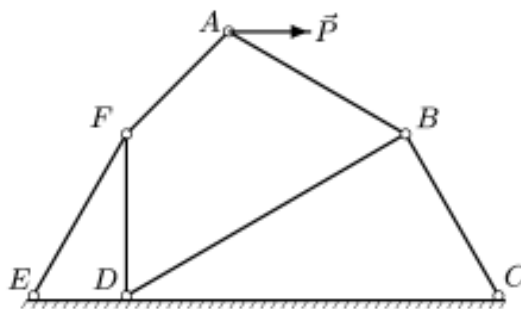
دلته د فيرم وهرې برخې ته درې گادره راغلي دي. د قطر سره سم گادرونه په مختلفو مستوي گانو کې واقع دي او يو بل نه قطع کوي.

دلته قوي په هغه پورته تشریح شوي ډول نه شي معلوميدلای، چې د يوې برخې څخه بلې برخې ته ولاړشو، ځکه چې برخه نشته چې د هغې څخه محاسبه را پيل کړو.

نو پدې حالت کې لومړی د جلا جلا برخو د تعادل معادلې ليکو او بيا پلاس راغلی سيستم حلوو.

- 2- يادونه: د کار د آسانی لپاره يو محور د هغه گادر په امتداد غځوو چې قوه يي مجهوله ده.
- 3- يادونه: په کار دیناتي سيستم کې د مرستندويه عمودي او افقي کرینو په رسمولو سره کولای شو په آسانی سره لازمي زاويې پيدا کړو.
- مثال:

يو ساده ميله يي مفصل لرنکی ساختمان د تهداب سره په غير متحرک ډول د E, D, C مفصلو له لاري وصل شوی دی او د A په نقطې کې د  $P = 10 \text{ kN}$  قوه اغيزه کوي.



5.2-شکل

زاویې په لاندې ډول سره راکړل شوي دي:

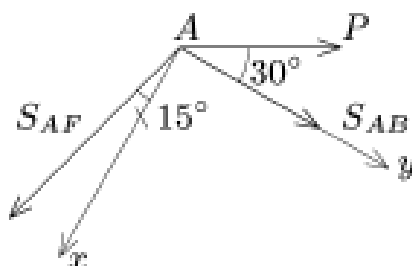
$$\angle DFA = 135^\circ, \angle ABD = 60^\circ, \angle DCB = 60^\circ, \angle BDC = 30^\circ, \angle DFE = 30^\circ.$$

په گادړکې داخلي قوې پیدا کړئ؟.

حل:

دغه ساختمان د شپږو گادړو څخه تشکیل شوی دی چې د درو مفصلو پواسطه سره تړل شوي دي. د فیرم برخې په تعادل کې دي. د هرې برخې A, B او F لپاره پرتاکلو محورونو باندې د مرتسموله لارې د تعادل دوي معادلي تشکیلوو. د شپږو معادلو څخه شپږ مجهول کمیټونه پلاس راوړو.

1- حل د A د برخې څخه پیلوو ځکه چې دا برخه یوازې د دوو گادړو AB او AF سره وصل شوي ده. د برخې د پرې کولو په وخت کې د هر گادړ اغیزه په هغې قوې سره تعویضوو چې د مفصل څخه و گادړ ته متوجه ده.



5.3- شکل

- د تعادل معادلي تشکیلوو. د کار د آسانی لپاره د y محور د AB پر گادړ توجیه کوو، نو لرو چې:

$$\sum X_i = S_{AF} \cos 15^\circ - P \sin 30^\circ = 0$$

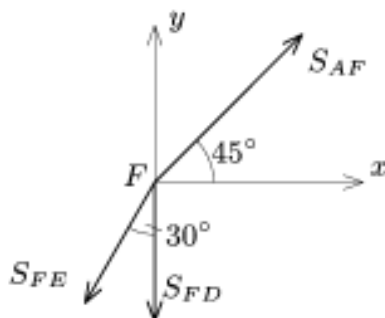
$$\sum X_y = -S_{AF} \sin 15^\circ + P \cos 30^\circ = 0$$

3- دا معادلي حلوو، د لومړۍ معادلي څخه لرو:

$$S_{AF} = 51.76 \text{ kN}$$

$$S_{AB} = -73.21 \text{ kN}$$

4- د F برخې ته گورو، و دې برخې ته درې گادړه راغلي دي.



5.4- شکل

په یوه د دې گادروکي قوه معلومه ده او هغه  $S_{AF} = 51.76 kN$  ده، نو په نورو گادروکي به قوي د مرتسمو له لاري پیداکړو:

$$\sum X_i = -S_{FE} \sin 30^\circ + S_{AF} \cos 45^\circ = 0$$

$$\sum X_y = -S_{FA} \cos 30^\circ - S_{FD} + S_{AF} \sin 45^\circ = 0$$

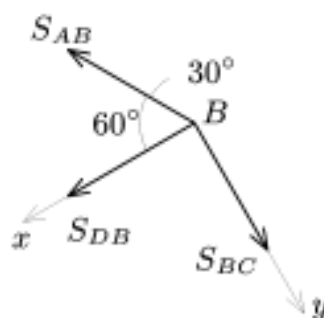
نو:

$$S_{FE} = 73.21 kN; \quad S_{FD} = 26.79 kN$$

د B برخي لپاره پر هغو محورونو باندې د مرتسمو له لاري معادلي تشکیلوو چې پر BC او BD گادرو باندې متوجه دي:

$$\sum X_i = S_{DB} + S_{AB} \sin 30^\circ = 0$$

$$\sum X_i = S_{BC} - S_{AB} \cos 30^\circ = 0$$



5.5 شکل

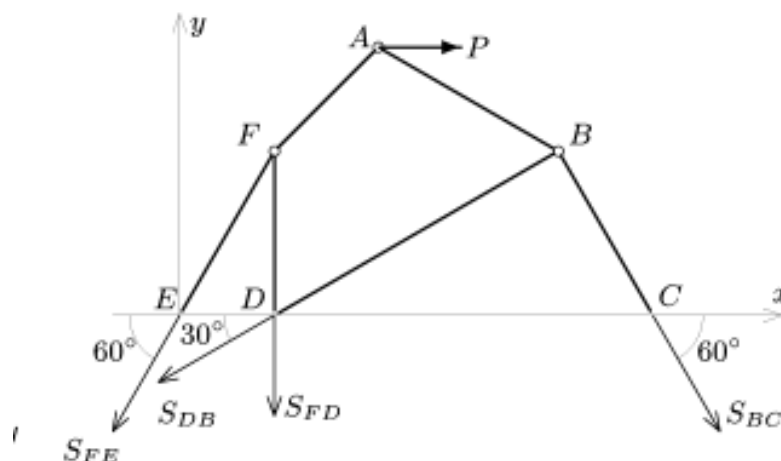
د معادلويو حلولو سره لرو چې:

$$S_{DB} = -S_{AB} \cdot \sin 30^\circ = 73.21(0.5) = 36.6 kN$$

$$S_{BC} = S_{AB} \cdot \cos 30^\circ = 73.21(0.866) = 63.4 kN$$

5- کنترول

د ټول سیستم و تعادل ته کتنه کوو:



5.6 شکل

فیرم د تهداب څخه پر افقي مقطع باندي پري کوو. د گادرو اغیزه په هغو قواو سره تعویضوو لکه مخکي چي پر خارجي نورمال باندي متوجه ول. پورته شکل ته دي وکتل شي.

پر فیرم باندي قوه ایزسیستم - متلاقي ندي، نو ځکه د دي سیستم لپاره بايد دري د تعادل معادلي وليکل شي چي يوه به يي د مومنت معادله وي. د مومنت د معادلي تشکیلول د قواو د کيفي سیستم په هکله ده.

نو د مسئلي د حل لپاره او هم دا چي د موضوع څخه نه يو وتلي، دټولو قواو د مرتسمو مجموعه د  $x$  او  $y$  پر محورونو باندي د ټول سیستم لپاره ليکو:

$$\sum X_i = -S_{FE} \cos 60^\circ - S_{DB} \cos 30^\circ + S_{BC} \cos 60^\circ + P = 0$$

$$\sum Y_i = -S_{FE} \sin 60^\circ - S_{FD} - S_{DB} \sin 30^\circ - S_{BC} \sin 60^\circ = 0$$

دغه مجموعي مساوي په صفر دي، نو ځکه حل هم سم دی. نتایج په کيلو نیوتن سره و جدول ته رسوو:

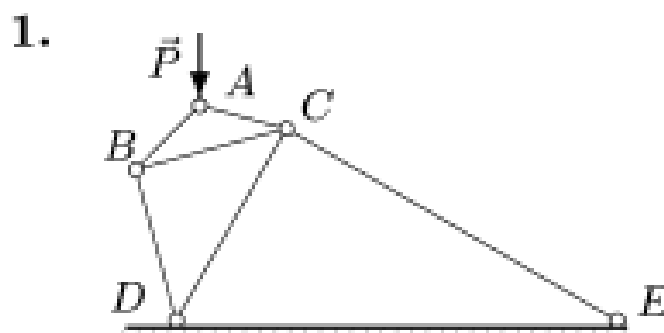
| $S_{AF}$ | $S_{AB}$ | $S_{FE}$ | $S_{FD}$ | $S_{DB}$ | $S_{BC}$ |
|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| 51.76    | -73.21   | 73.21    | -26.79   | 36.60    | -63.40   |

مشق او تمرین

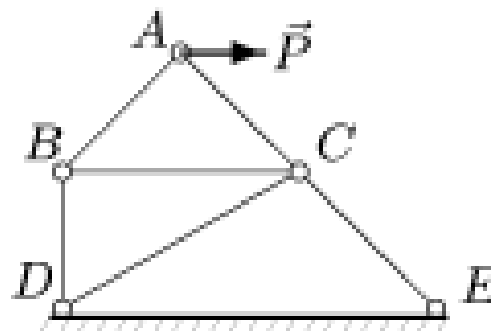
مستوي مفصل لرونکی میله اي ساختمان پر غیر متحرک تهداب باندي محکم کرل شوی او په يوه مفصل کي د عمودي او يا افقي  $P$  قوي تر اغيزي لاندي دی. په گادرونوکي داخلي قوي پيدا کړی.

$$P = 1 \text{ kN}$$

$$\begin{aligned} \angle ACB = 30^\circ, \angle ABC = 30^\circ, \\ \angle BDC = 45^\circ, \angle BCD = 45^\circ, \\ \angle CDE = 60^\circ, \angle CED = 30^\circ. \end{aligned}$$



2.



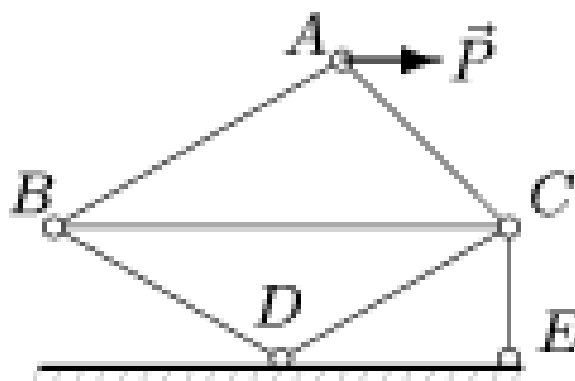
$$P = 2 \text{ kN}$$

$$\begin{aligned} \angle ACB = 45^\circ, \angle ABC = 45^\circ, \\ \angle BDC = 60^\circ, \angle BCD = 30^\circ, \\ \angle CDE = 30^\circ, \angle CED = 45^\circ. \end{aligned}$$

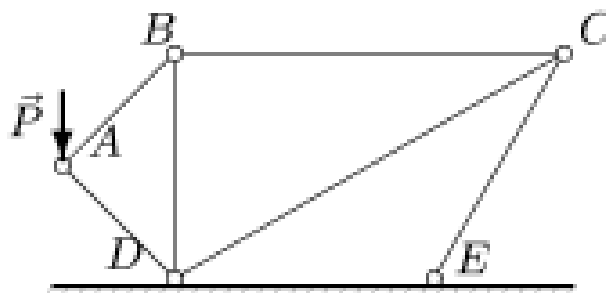
$$P = 3 \text{ kN}$$

$$\begin{aligned} \angle ACB = 45^\circ, \angle ABC = 30^\circ, \\ \angle BDC = 120^\circ, \angle BCD = 30^\circ, \\ \angle CDE = 30^\circ, \angle CED = 90^\circ. \end{aligned}$$

3.



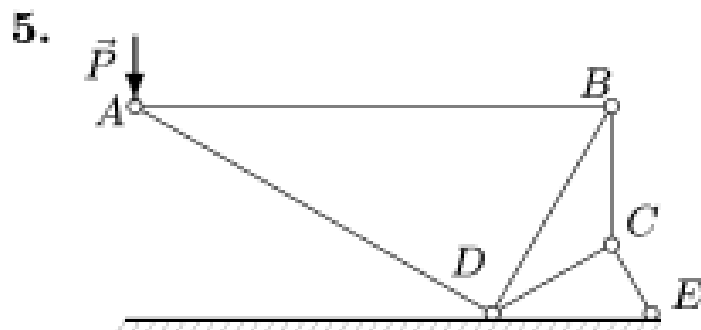
4.



$$\begin{aligned} \angle ABD = 45^\circ, \angle ADB = 45^\circ, \\ \angle BDC = 60^\circ, \angle BCD = 30^\circ, \\ \angle CDE = 30^\circ, \angle CED = 120^\circ. \end{aligned}$$

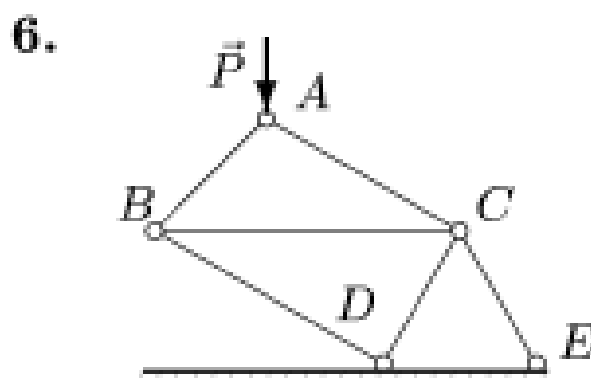
$P = 5 \text{ kN}$

$\angle ABD = 60^\circ, \angle ADB = 90^\circ,$   
 $\angle BDC = 30^\circ, \angle BCD = 120^\circ,$   
 $\angle CDE = 30^\circ, \angle CED = 60^\circ.$



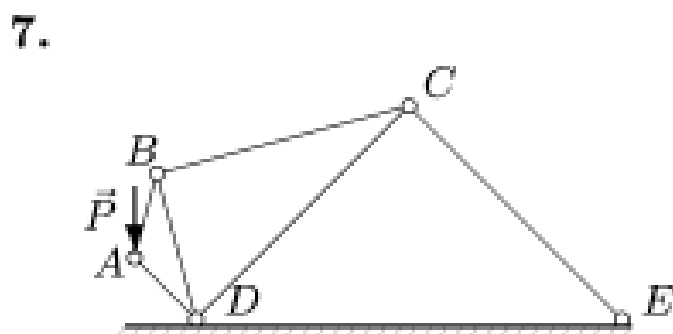
$P = 6 \text{ kN}$

$\angle ACB = 30^\circ, \angle ABC = 45^\circ,$   
 $\angle BDC = 90^\circ, \angle BCD = 60^\circ,$   
 $\angle CDE = 60^\circ, \angle CED = 60^\circ.$



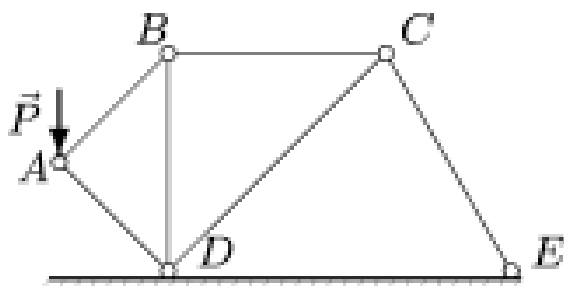
$P = 7 \text{ kN}$

$\angle ABD = 30^\circ, \angle ADB = 30^\circ,$   
 $\angle BDC = 60^\circ, \angle BCD = 30^\circ,$   
 $\angle CDE = 45^\circ, \angle CED = 45^\circ.$



$$P = 8 \text{ kN}$$

8.



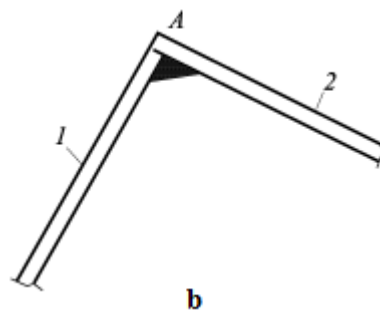
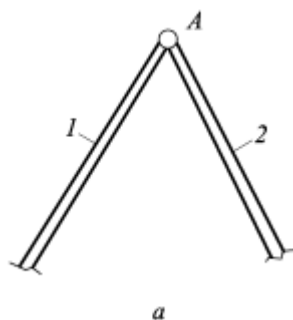
$$\begin{aligned} \angle ABD &= 45^\circ, \angle ADB = 45^\circ, \\ \angle BDC &= 45^\circ, \angle BCD = 45^\circ, \\ \angle CDE &= 45^\circ, \angle CED = 60^\circ. \end{aligned}$$

خوابونه: kN

|   | $S_{AB}$ | $S_{AC}$ | $S_{AD}$ | $S_{BC}$ | $S_{BD}$ | $S_{CD}$ | $S_{CE}$ |
|---|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| 1 | -1.115   | -0.816   | —        | 0.966    | -0.558   | -0.472   | -0.106   |
| 2 | 1.414    | -1.414   | —        | -1.000   | 1.000    | 0.732    | -1.932   |
| 3 | 2.196    | -1.553   | —        | -3.804   | 2.196    | 5.660    | -3.928   |
| 4 | 2.828    | —        | -2.828   | 2.000    | -2.000   | -3.464   | 2.000    |
| 5 | 8.660    | —        | -10.000  | 15.000   | -17.321  | 7.500    | 12.990   |
| 6 | -5.379   | -4.392   | —        | 10.392   | -7.608   | -7.856   | 5.321    |
| 7 | 5.715    | —        | -2.092   | 2.858    | -4.950   | -2.475   | 1.429    |
| 8 | 5.657    | —        | -5.657   | 4.000    | -4.000   | -3.586   | 2.928    |

### 5.2- مستوي فرم Plane Frame

په ورځني ژوند کې د گاډرو اتصال او نښلونه لکه چې معمول دی په محاسبي شېماگانو کې د غوټو له مخې پر دوه ډوله دي:



a- مفصلي

b- پوره شخ

شکل 5.7

په لومړي حالت کې يو گادر د بل په نسبت کولای شي بېله کومه خنده څخه را وگرځي (پر غوټې باندې د وارد شوي بار له امله محصولي مومنت نظر و همدې غوټې ته صفر دی).

په دوهم حالت کې نېنلول شوي مقطع گاني يوډول خطي او زاويوي د ځای بدلون لري.

گادر ايز سيستم فيرم بلل کيږي (مفصلي فيرم) که چيرې :

1- د هغه عناصر هغه سيده گادرونه وي چې يوازي او يوازي په يو محوره کشش-کښيکښلو کې کار کوي.

2- د هغه غوټې او اتکايي مفصلي وي.

3- هغه هندسي نه بدلېدونکې وي.

کله نا کله د فيرم ځيني عناصر شکل نه بدلونکي گنل کيږي (هله نود هغوی هندسه مهمه نه ده). پدې صورت کې خپله فيرم، فيرم ايز سيستم گنل کيږي. په همدې ډول سره به سيده گادر د کار د آسانی په موخه «گادر» وپولو.

فيرم او فيرم ايز سيستم د خپلو هندسي او خارجي بار له امله په لاندې ډول سره دي:

- فيرم (فيرم ايز سيستم) مستوي گنل کيږي که چيرې د ټولو گادرو محورونه او همدارنگه متمرکزي او ويشل شوي قوي په يوه مستوي کې ځای ولري او د مومنتونو وکتورونه پر همدې مستوي باندې عمود وي. د مستوي فيرم ايز سيستم لپاره په اضافي ډول سره داسې انگيرل کيږي چې نوموړي مستوي د مطلق جامد جسمونو د کتلوي او هندسي تناظر مستوي ده. که نه، نو فيرم (فيرم ايز سيستم) فضايي گنل کيږي.

گادريز سيستم (همدارنگه فيرم) سيده متناظر (کور متناظر) بلل کيږي که چيرې

a- هغه هندسي يا د شخې د تناظر محور يا مستوي ولري

b- خارجي بار نظر و همدې محور يا مستوي ته سيده يا کور متناظر وي.

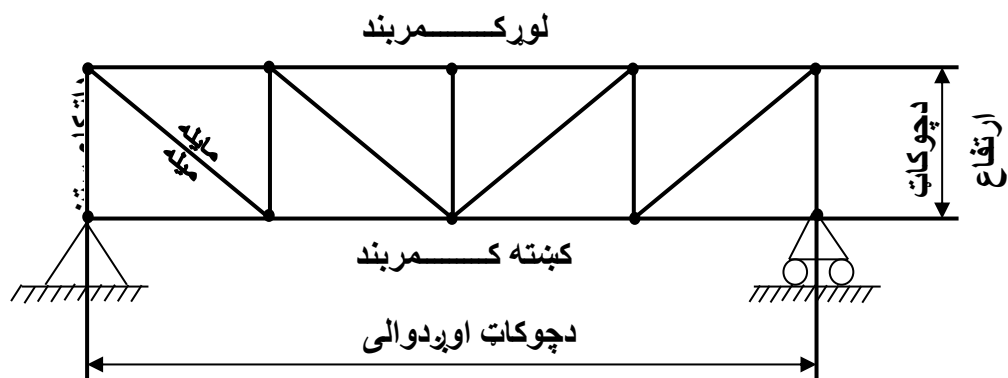
د دې لپاره چې سيده گادرونه چې تر خپل منځ او د اتکا سره نېنلول شوی هندسي نه بدلېدونکی سيستم (مطلق شخ جسمونه)، فيرم (فيرم ايز سيستم) و اوسي، اړينه او بس ده چې خارجي بار داسې وي:

- متمرکزي قوي پر غوټو باندې واري شوي وي

- متمرکزي قوي او ويشل شوی بار د هغوی د محورونو په امتداد متوجه وي

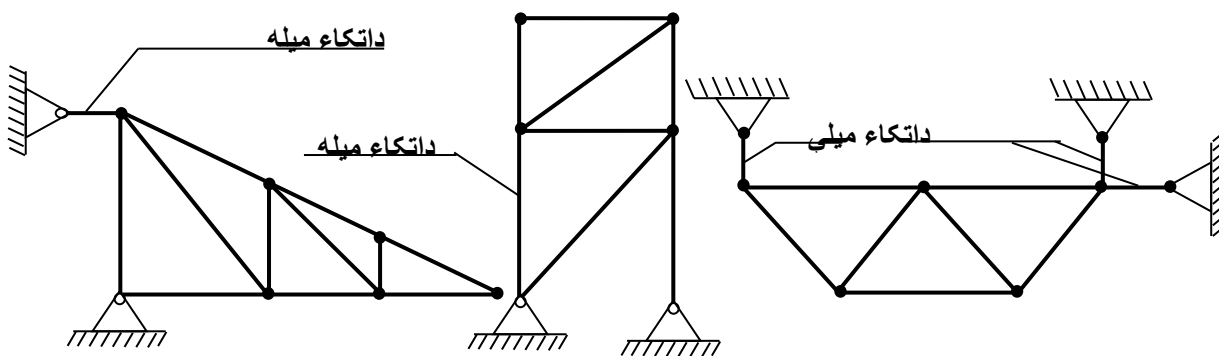
- د گادر په مقطع گانو کې تودوخيزه ساحه ثابته وي

د هغه فيرم ايز سيستم په هکله چې عناصر ئي د پوره شخ جسم په ډول وي، بار کيدای شي کيفي وي.



شکل 5.8

که چیري د چوکاټ د ټولو ميلو محورونه په يوې مستوي کې واقع وي ، نو دا چوکاټ مستوي چوکاټ بلل کيږي . هغه نقطې چې په هغو کې دغه محورونه سره يوځای کيږي ، د چوکاټ د غوټې په نامه سره يادېږي . پر هغوبرخو چې چوکاټ تکیه کوي ، داتکايي برخو په نامه سره يادېږي . د مستوي چوکاټ يا فيرم ميلې چې په پورتنې محيط کې پرتې وي ، لورکمر بند جوړوي ، خو هغه ميلې چې په کښته محيط کې واقع دي کښته کمر بند تشکيلوي . عمودي ميلې د پايو يا ستونو په نامه سره يادېږي ، کږې پرتې ميلې ، مايلي ميلې نومېږي .



شکل 5.9

لکه چې پوهيږو دهرې اتکايي ميلې د عکس العمل قوه د ميلې پرمحور باندې متوجه ده . که چیري مفصلونه چې د چوکاټ ميلې سره نښلوي ايديال وي يعني هلته داصطکاک قوه وجود ونه لري اوتولي خارجي تاثير کوونکې قوې پربرخو او حصو باندې واردې شوي وي نوتولي ميلې يوازې او يوازې د کشش يا د کښيکښلوپه حالت کې وي ، ځکه پرهرې ميلې د هغې په آخري برخه کې قوه تاثير کوي (د ميلود وزن څخه تيريږو). حقيقي چوکاټونه ايديال مفصلونه نه لري ، خو دا ډول يوه فرضيه په ميلوکې د قواو دپيدا کولو کار آسانه کوي او د دې ډول محاسبو نتايج د عملي کار لپاره د اعتماد وړ بلل کيږي .

### 5.3- د فيرم په ميلوکې د قواو د پيدا کولو لپاره د غوټو د پري کولو طريقه Joint method

د دې طريقې ماهيت پدې کې دی چې په خيالي ډول سره د چوکاټ برخې پري کوو ، پر هغو باندې خارجي قوې واردوو ، د ميلو د عکس العمل او پرهرې برخې د واردو شوو قواو لپاره د تعادل دوي معادلي تشکيلوو .

لکه چې ښکاره ده ده د محاسبې په پيل کې دامعلومه نه وي چې کومې ميلې به کش شي او کومې به کښيکښل شي ، نوځکه په شرطي ډول سره داسې منل کيږي چې ټولې ميلې به کش شي (د عکس العمل قوې د حصو او برخو څخه پيل کيږي ) .

که چیري د محاسبې په جريان کې نتيجه د منفي علامې سره پلاس راغله ، نو دا د دې معنی ورکوي چې ميله اصلاً کښيکښل کيږي .

په ميلو کې د عکس العمل پيدا کړل شوي قوې به په مودول سره د داخلي قواو سره مساوي وي .

د برخو او حصو د مطالعي ترتيب معمولاً داسي وي چې د مجهولو قواو شميرچي پر برخو باندې واردي شوي دي تر «2» دوو زيات نه وي پدې صورت کي دا مجهول کميتونه د ميلي د قواو د تعادل د «2» دوو معادلو څخه سمداسه پيدا کيږي .

د محاسبي د سم والي د کنترول لپاره دهغو قواو په هکله چې پر هرې برخي باندې واردي شوي دي کولای شو چې قوه ايز کثير الاضلاع رسم کړو او هغه بايد يو ترلی کثير الاضلاع وي .

د فيرم د معين والي درجه پدې فورمول سره پيدا کيږي:

$$w = 3D - 2m + C_0$$

$D$  - د فيرم د عناصرو شميره  $D = 7$

$m$  - د ساده يا يووستو مفصلونو شميره  $m = 12$

$C_0$  - د ارتباطاتو شميره ( داتکاء عکس العملونه)

نود دي فيرم لپاره

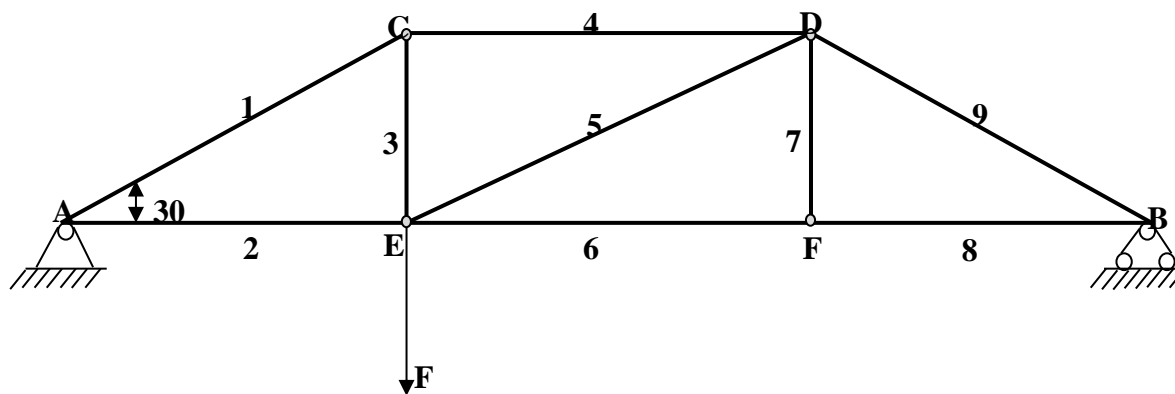
$$w = 3(7) - 2(12) + 3 = 21 - 24 + 3 = 0$$

که چيري  $w = 0$  نو سيستم سناتيکي معين دی .

که  $w < 0$  نو سيستم سناتيکي نامعين دی .

که  $w > 0$  نو سيستم ميخانيزم دی او هغه په سناتيک کي نه مطالعه کيږي .

د غوتو پرې کول :

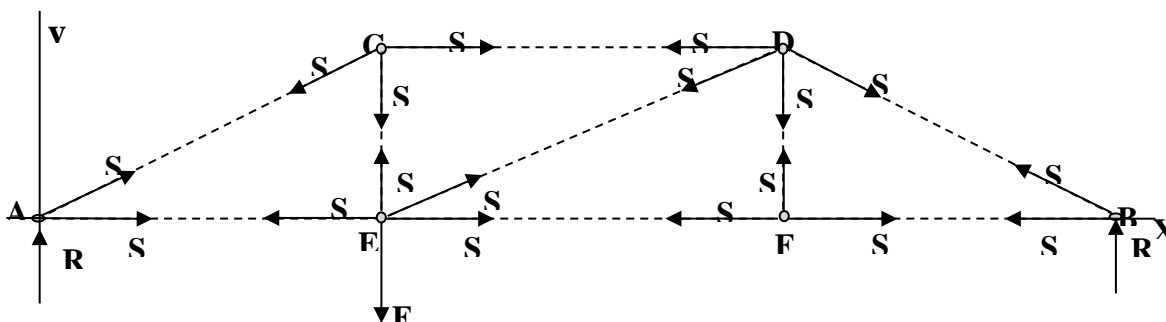


شکل 5.10

که د « $F$ » قوه چې مودول يې  $F = 60 \text{ kN}$  دی ، د  $E$  پر برخي باندې عمودي وارده شي او د « $B$ » مفصل د اتکاء د عکس العمل قوه د اتکاء پر مستوي باندې عموده وي ، نو د « $A$ » غير متحرک مفصل د اتکاء د عکس العمل قوه به هم د هغوی سره موازي وي ، يعني دا قوه به هم عمودي بڼه ولري .

لکه چې پوهيږو د « $F$ » قوه کولای شو پر دوو «2» موازي مرکبو باندې تجزيه کړو چې د « $A$ » او « $B$ » په نقطو کي به تاثير وکړي .

د دې مرکبو قواو مودول د  $AE$  او  $BE$  د فاصلوسره معکوساً متناسب دی او د هغوی د جمع حاصل به د  $F$  قوی د مودول سره مساوي شي .



شکل 5.11

د هغو قواو لپاره چې د چوکاټ فشار پراتکاء باندې په گوته کوي ، د عکس العمل قوی شته دي چې د اتکاء د عکس العمل قوی بلل کيږي او پدې ډول سره پيداکيدلای شي :

$$R_A + R_B - F = 0$$

$$R_A + R_B = F = 60 \text{ kN}; \quad \frac{R_A}{R_B} = \frac{BE}{AE} = 2 \Rightarrow R_A = 2R_B$$

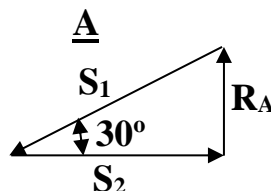
$$2R_B + R_B = 60 \Rightarrow 3R_B = 60 ; R_B = \frac{60}{3} = 20 \text{ kN}$$

$$R_B = 20 \text{ kN}$$

$$R_A = 2R_B = (2)20 = 40 \text{ kN}$$

د چوکاټ دهرې برخې لپاره د قواو د تعادل معادلې چې پردې برخو باندې واردې شوي دي تشکیلوو او د محاسبې د سم والي د کنترول لپاره د قواو کثیرالاضلاع رسموو، چې باید تړلی وي . د کثیرالاضلاع د رسمولو په وخت کې ټولې قوې په یوه مقیاس باندې رسموو ، اصلي جهت یې هم په نظر کې نیسو چې کشیري اویاکبنيکبل کيږي . دلته د کثیرالاضلاع گانو د محاسبې څخه گټه اخلو.

محاسبه د «A» د برخې څخه پیل کوو چې پر هغې باندې دوي مجهولې  $S_2 - S_1$  قوې واردې شويدي .



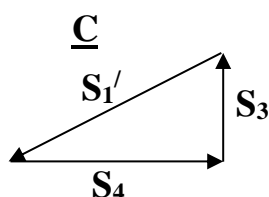
$$\Sigma X_k = 0$$

$$S_2 + S_1 \cdot \cos 30^\circ = 0$$

$$\Sigma y_k = 0$$

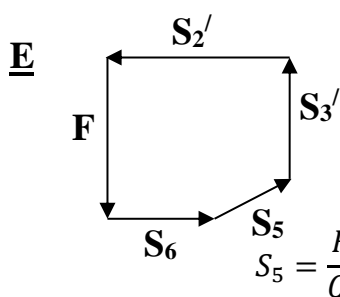
$$R_A + S_1 \cdot \cos 60^\circ = 0$$

$$S_1 = -\frac{R_A}{\cos 60^\circ} = -80 \text{ kN}; \quad S_2 = -S_1 \cdot \cos 30^\circ = 69.2 \text{ kN}$$



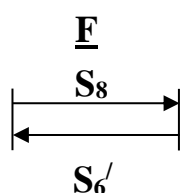
$$\begin{aligned} \Sigma X_k &= 0 \\ -S_1' \cdot \cos 30^\circ + S_4 &= 0 \\ \Sigma y_k &= 0 \\ -S_1' \cdot \cos 60^\circ - S_3 &= 0 \end{aligned}$$

$$S_3 = -S_1' \cdot \cos 60^\circ = -(-80(0.5)) = 40 \text{ kN}; \quad S_4 = S_1' \cdot \cos 30^\circ = -69.2 \text{ kN}$$



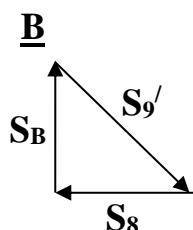
$$\begin{aligned} \Sigma X_k &= 0 \\ -S_2' + S_6 + S_5 \cdot \cos 30^\circ &= 0 \\ \Sigma y_k &= 0 \\ S_3' - F + S_5 \cdot \cos 60^\circ &= 0 \end{aligned}$$

$$S_5 = \frac{F - S_3'}{\cos 60^\circ} = 40 \text{ kN}; \quad S_6 = S_2' - S_5 \cdot \cos 30^\circ = 34.60 \text{ kN}$$



$$\begin{aligned} \Sigma X_k &= 0 \\ -S_6' + S_8 &= 0 \quad S_8 = S_6' = 34.6 \text{ kN} \\ \Sigma y_k &= 0; \quad S_7 = 0 \\ \Sigma y_k &= 0 \end{aligned}$$

$$R_B + S_9' \cdot \cos 60^\circ = 0; \quad S_9' = -\frac{R_B}{\cos 60^\circ} = -40 \text{ kN}$$



په لاس راغلي نتايچ وجدول ته رسوو:

|      |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ميله | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
|------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

|       |     |      |    |       |    |      |   |      |     |
|-------|-----|------|----|-------|----|------|---|------|-----|
| S(kN) | -80 | 69.2 | 40 | -69.2 | 40 | 34.6 | 0 | 34.6 | -40 |
|-------|-----|------|----|-------|----|------|---|------|-----|

د دې جدول څخه دا نتیجه اخلوجي د چوکاټ پورتنی کمربند کبنيکبل کيږي ولي کبنتی کمربند يې کښيږي.

د چوکاټ په ځينو برخو کې د قواو قیمت بنایي د صفره سره مساوي شي . دغه ډول ميلي «صفری» ميلوپه نامه سره ياديږي . د دې ډول ميلو لپاره مورن د ځينو قضيو او تعريفو څخه گټه اخلاو بيله دې چې محاسبه ترسره کړو په هغوی کې د قواو قیمت معلومولای شو .

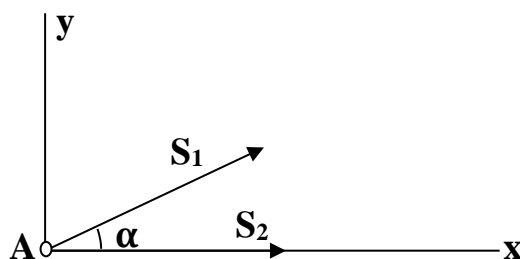
### 5.4- د صفری ميلو په هکله قضیې Zero-force members

لومړی قضیه:

که چيږي په يوه چوکاټ کې چې د قواو تر تاثير لاندې دی

دوې ميلي سره يوځای شي ، نو پدې ميلو کې قوې مساوي

په صفر سره دي



5.12- شکل

$$\begin{aligned}\sum X_k &= 0 \\ S_2 + S_1 \cdot \cos(90^\circ - \alpha) &= 0 \\ S_1 = 0 \quad ; \quad S_2 &= 0\end{aligned}$$

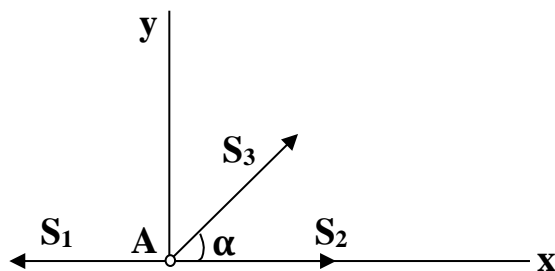
دوهمه قضیه :

که د يوه چوکاټ په تشه برخه کې درې ميلي سره يوځای شي او د هغو څخه

دوې ميلي پريوې مستقيمي کرښې باندې واقع وي ، نو په دريمه ميله کې قوه

صفر ده

په لومړيو دوو ميلو کې قوې يوه د بې سره مساوي ده .



شکل 5.13

$$\sum X_k = 0$$

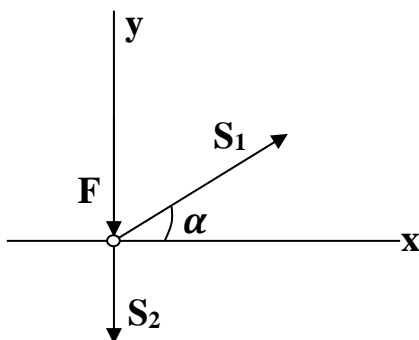
$$-S_1 + S_2 + S_3 \cdot \cos\alpha = 0$$

$$\sum y_k = 0;$$

$$S_2 \cdot \cos(90^\circ - \alpha) = 0; S_3 = 0; S_1 = S_2$$

دریمه قضیه :

که د یوه چوکات په یوه برخه کې دوی میلی سره یوځای اوپردي برخې باندې خارجي قوه وارده وي نو د هغې د تأثیر کرښه که د دوو میلو څخه د یوې د محور سره سمون ولري ، نوپدې میلی کې قوه په مودول سره د واردي قوې سره مساوي ده خو په بلي میلی کې قوه مساوي په صفر سره ده .



شکل 5.14

$$\sum X_k = 0$$

$$S_1 \cdot \cos\alpha = 0; \Rightarrow S_1 = 0$$

$$\sum y_k = 0;$$

$$-F - S_2 + S_1 \cdot \sin\alpha = 0 \Rightarrow S_2 = -F$$

د صفري میلو په هکله د قضیو تطبیق :

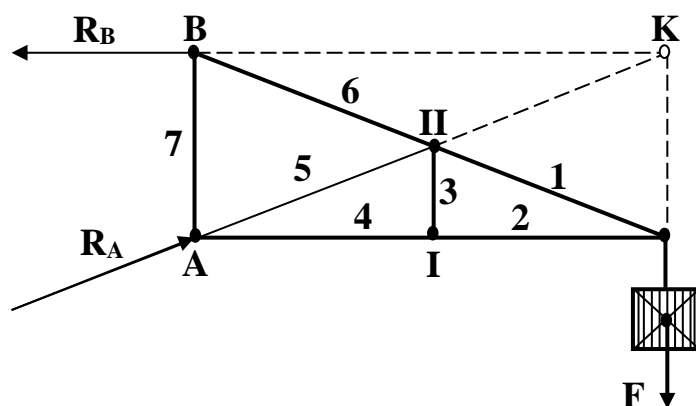
د دوهمې قضیې د تطبیق لپاره د لومړۍ برخې «I»

په هکله معلومیږي چې :  $S_3 = 0$

له هغه وروسته خیالي «3» دریمه میله ایسته

غورځوو او همدا ډول دا قضيه د II برخي لپاره به

داسي وي چې :  $S_5 = 0$



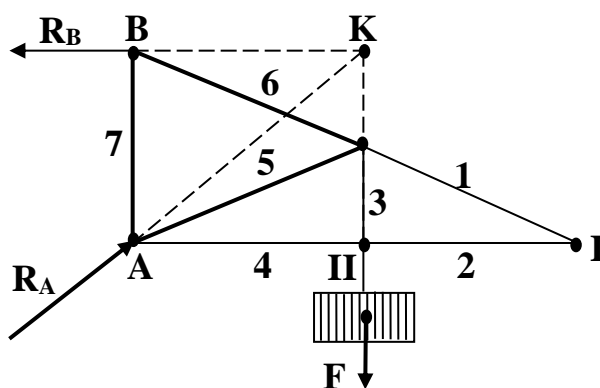
شکل 5.15

لومړۍ قضيه پر I برخي باندې تطبيقواو ، نو

$$S_1 = 0 \quad ; \quad S_2 = 0$$

وروسته «3» دريمه قضيه د II برخي په هکله

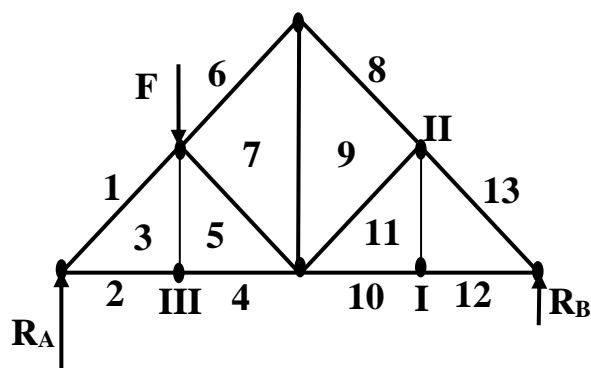
تطبيقواو:  $S_4 = 0$



شکل 5.16

د I, II او III برخي تر مطالعي لاندې نيسو.

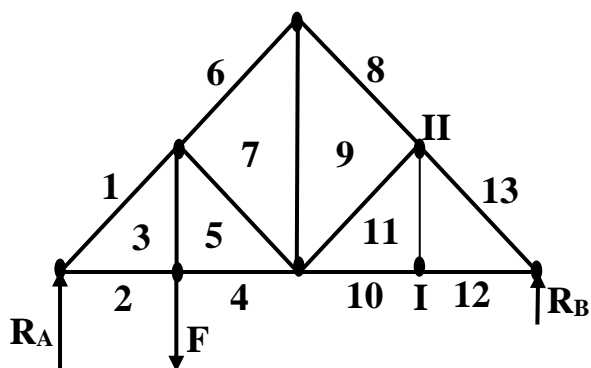
$$S_{II} = 0; \quad S_9 = 0; \quad S_3 = 0$$



شکل 5.17

لومړی I او II برخي ترکنتي لاندې نيسو:

$$S_9 = 0; \quad S_{11} = 0$$

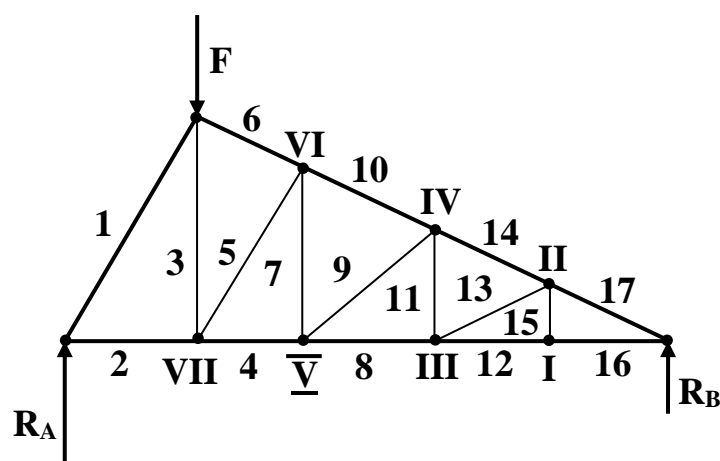


شکل 5.18

دلته هم د I-VII برخي ترکنتي لاندې نيسو:

$$S_{15} = 0; \quad S_{13} = 0 \quad S_{11} = 0$$

$$S_9 = 0 \quad S_7 = 0 \quad S_5 = 0$$



شکل 5.19

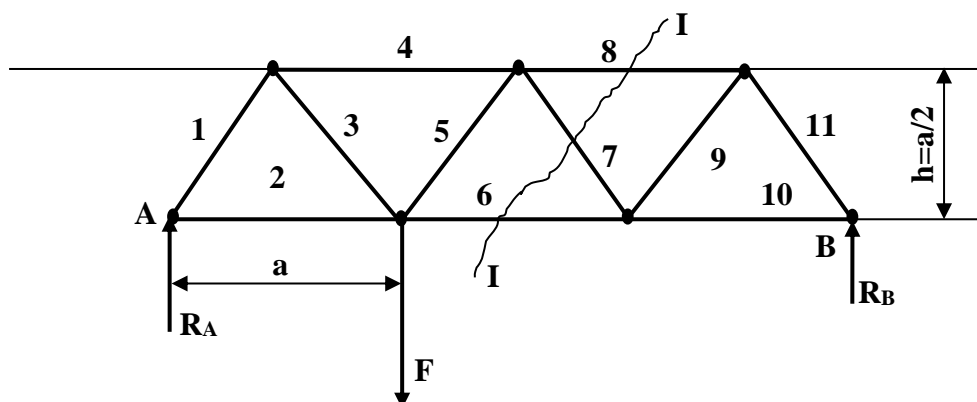
$$S_3 = 0$$

### 5.5- د ريختريه طريقه په فيرم کې د قواو تعينول

#### Analysis of trusses by the method of Rikhter ; Method of Section

په مستوي فيرم کې د قواو د پيدا کولو لپاره د «ريختر» د پرې کولو د طريقي څخه کار اخلو.

په شکل کې د را کرل شوي فيرم لپاره چې پر هغه باندې دا خارجي قوې  $F = 60kN$  ، او  $R_A = 40kN$  او  $R_B = 20kN$  ، تاثير کوي ، په ميلوکې د عکس العمل نامعلومې قوې پيدا کوي.



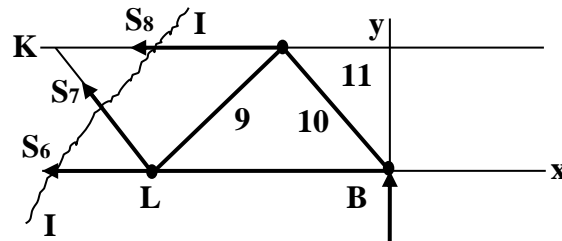
شکل 5.20

د کار د اسانۍ لپاره دا منو چې ټولې ميلي به کش شي . که چيرې د يوې قوې پيدا کرل شوي علامه منفي راوخيژي ، نو دابه پدې معنی وي چې دا ميله اصلاً کښيکښل کيږي .

دمثال په توگه - د 6 ميلي لپاره به په هغې کې د عکس العمل قوې پيدا کړو .

د دې کار لپاره موږ دا فيرم په لومړي ځل د I-I قاطع پواسطه داسې پرې کوو چې تر «3» درې زياتي ميلي پرې نه کړو .

خیالی او فکري د فیرم چپه خوا ایسته غورځوو او د هغې تأثیر پر راسته پلو د عکس العمل قواو له لارې  $S_6$ ،  $S_7$ ،  $S_8$  عوض کوو. دغه قوی د دې برخې پر همهغه ځایو باندې تأثیر کوي او جهت یې د غورځول شوي برخې پر لور دی.



شکل 5.21

د دې لپاره چې د  $S_6$  قوه په جلاتوکه سره بېله دې چې د  $S_7$  او  $S_8$  سره کوم تړاو ولري، پیدا کړو، نود راستي خوا د ټولو قواو مومنتونه نظرد «K» ونقطې ته پیدا کوو. د «K» په نقطې کې د  $S_7$  او  $S_8$  قواو د تأثیر کړنې سره قطع کوي او همدغه نقطه د ریخترد نقطې په نامه سره یادېږي.

$$\Sigma M_K(F_K) = 0 ; \quad -S_6 h + R_B 1.5 a = 0$$

لکه څنګه چې  $h = 0.5a$ ، نو:

$$S_6 = R_B \frac{1.5a}{0.5a} = \frac{1.5}{0.5} = 60 \text{ kN}$$

د I-I مقطع څخه په ګټې اخیستلو سره د  $S_7$  قوه د  $S_6$  او  $S_8$  قواو څخه جلا کوو:

د ټولو قواو چې پر راستي خوا باندې تأثیر کوي مرتسمې د «y» پر عمودي محور باندې پیدا کوو.

لکه چې معلومېږي د  $S_6$  او  $S_8$  قواو مرتسمې پردې محور باندې صفروي.

$$\Sigma y_K = 0; \quad R_B + S_7 \cdot \cos 45^\circ = 0$$

$$S_7 = -\frac{R_B}{\cos 45^\circ} = -28.3 \text{ kN}$$

د  $S_8$  قوی د پیدا کولو لپاره د همدغو قواو مومنت نظرد ریخترو نقطې «L» ته پیدا کوو. پدې نقطې کې د  $S_6$  او  $S_7$  قواو د تأثیر کړنې سره قطع کوي:

$$\Sigma M_L(F_K) = 0 ; \quad S_8 h + R_B \cdot a = 0$$

$$S_8 = -R_B \frac{a}{h} = -\frac{R_B 2h}{h} = -40 \text{ kN}$$

د قواو د پیدا کړل شوو علامو څخه بنکاري چې «6» میله کشیږي، خو پر عکس «7» او «8» میلی کښیکښل کیږي.

په میلو کې د قواو د پیدا کولو دغه ډول طریقه د جرمني عالم «ریختر» لخوا وړاندې کړل شوې او په ویاړ یې د ده په نامه سره یادېږي.





$$S_8 = \frac{F_2}{2} - R_B \cdot \frac{\sqrt{2}}{2} + Q_3 = -66.5 \text{ kN}$$

$$\Sigma M_B(F_K) = 0 ;$$

$$S_9 \cdot a\sqrt{2} + Q_2 \cdot a\sqrt{2} + F_2 \cdot a = 0$$

$$S_9 = -\left(Q_2 + \frac{F_2}{\sqrt{2}}\right) = -76.6 \text{ kN}$$

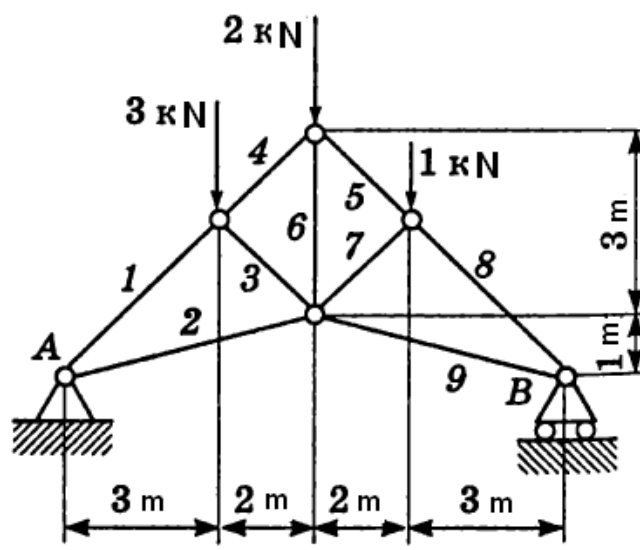
$$\Sigma M_L(F_K) = 0 ;$$

$$-S_{10} \cdot a + R_B \cdot a - Q_3 \cdot a\sqrt{2} = 0$$

$$S_{10} = R_B - Q_3 \cdot \sqrt{2} = 80 \text{ kN}$$

### 5.6- مشق او تمرين

- په شکل کې د فيرم لپاره چې د قواو تراغيزې لاندې دی د اتکاوو د عکس العمل قوې او په ميلو کې داخلي قوې پيدا کړئ؟



شکل 5.23

لارښوونه:

تر هرڅه دمخه د تعادل معادلي د ټول فيرم لپاره ليکو:



$$DP = DL - MC = 4 - 2.4 = 1.6 \text{ m}; PK = DK - DP = 3 - 1.6 = 1.4 \text{ m}$$

$$\cos \gamma = \frac{CP}{CK} = \frac{CP}{\sqrt{CP^2 + PK^2}} = \frac{2}{\sqrt{2^2 + 1.4^2}} = \frac{2}{2.44} = 0.81$$

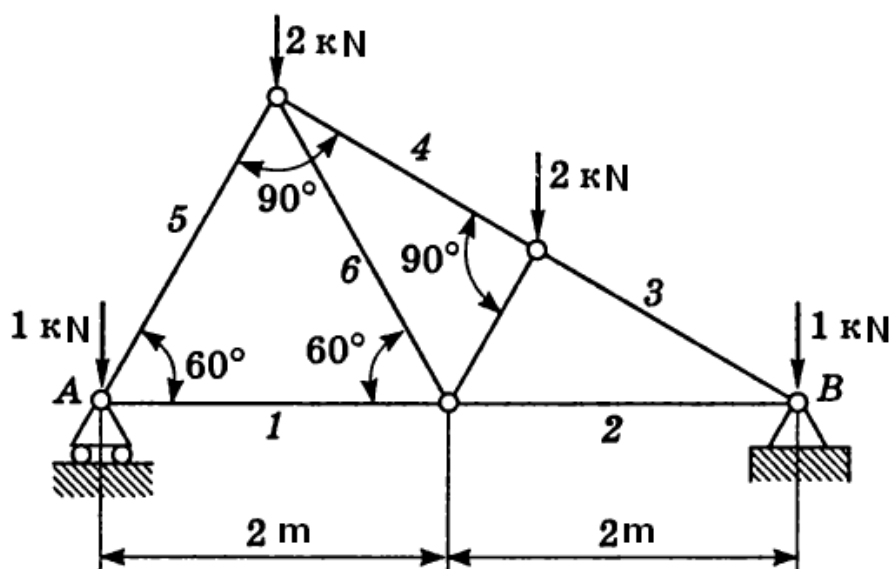
$$\sin \gamma = \frac{PK}{CK} = \frac{1.4}{2.44} = 0.574$$

پيل د A د نقطي څخه کوو.

ځواب:  $R_A = 3.4 \text{ kN}$ ;  $R_B = 2.6 \text{ kN}$

| N°     | 1    | 2   | 3     | 4     | 5     | 6   | 7     | 8     | 9   |
|--------|------|-----|-------|-------|-------|-----|-------|-------|-----|
| kN قوه | -7.3 | 5.8 | -2.44 | -4.76 | -4.76 | 3.9 | -0.82 | -5.59 | 4.5 |

- د ساختماني فيرم لپاره د شکل سره سم د اتکاء د عکس العمل قوي اوپه ميلو کې داخلي قوي پيدا کړی؟

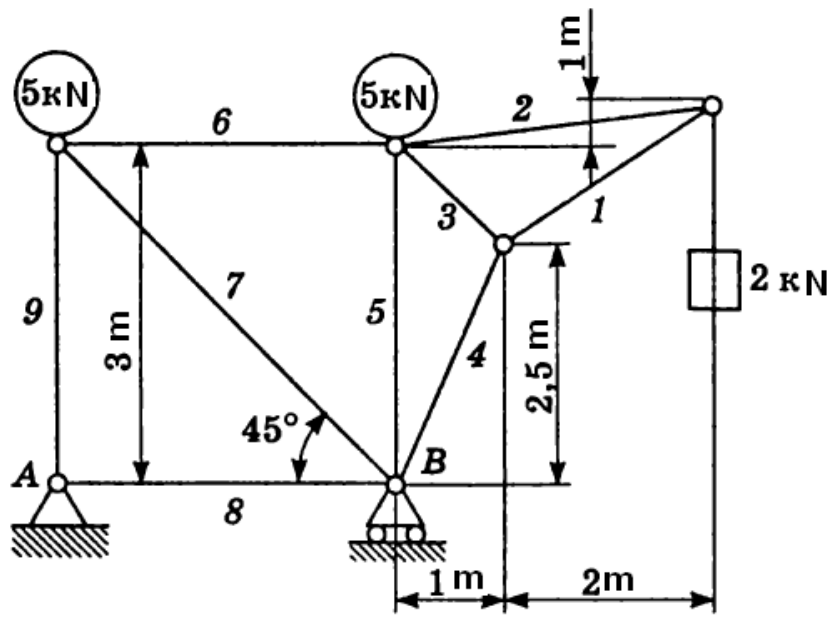


5.24 شکل

ځواب:  $R_A = 3.25 \text{ kN}$ ;  $R_B = 2.75 \text{ kN}$

| N° | 1   | 2    | 3    | 4    | 5    | 6    | 7     |
|----|-----|------|------|------|------|------|-------|
| kN | 1.3 | 3.03 | -3.5 | -2.5 | -2.6 | 1.73 | -1.73 |

- د شکل سره سم د فيرم لپاره د اتکاء د عکس العمل قوي اوپه ميلو کې داخلي قوي پيدا کړی؟



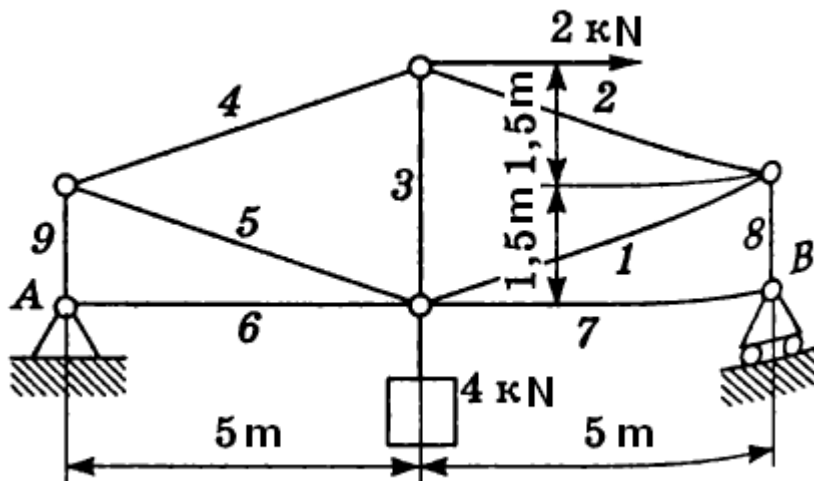
شکل 5.25

خواب:

$$R_A = 3 \text{ kN}; R_B = 9 \text{ kN}$$

| N° | 1    | 2   | 3     | 4     | 5    | 6   | 7     | 8 | 9    |
|----|------|-----|-------|-------|------|-----|-------|---|------|
| kN | -6.0 | 5.1 | -3.13 | -5.45 | -2.0 | 2.0 | -2.83 | 0 | -3.0 |

- د شکل سره سم فيرم لپاره د اتكاء د عکس العمل قوي او په ميلو کې داخلي قوي پيدا کړئ . پدې مسئله کې د Ox محورد AB پر افقي مستقيمي کرښې او د oy محور عمودي موقعيت لري.

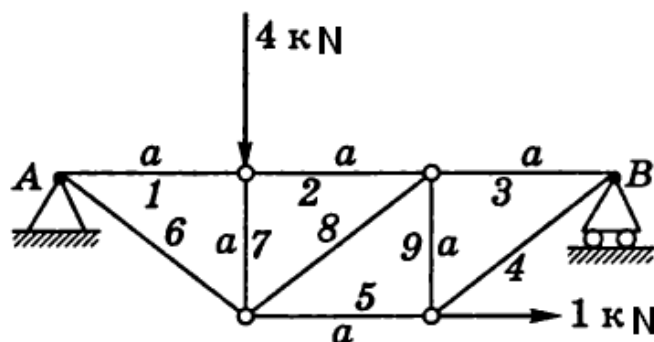


شکل 5.26

خواب:  $R_x = -2 \text{ kN}$  ;  $R_y = 1.4 \text{ kN}$  ;  $R_B = 2.6 \text{ kN}$

|    |     |      |   |       |      |   |   |      |      |
|----|-----|------|---|-------|------|---|---|------|------|
| N° | 1   | 2    | 3 | 4     | 5    | 6 | 7 | 8    | 9    |
| kN | 4.5 | -4.5 | 2 | -2.44 | 2.44 | 2 | 0 | -2.6 | -1.4 |

- د شکل سره سم فيرم لپاره د اتکاء د عکس العمل قوې او په ميله کې داخلي قوې پيدا کړئ؟

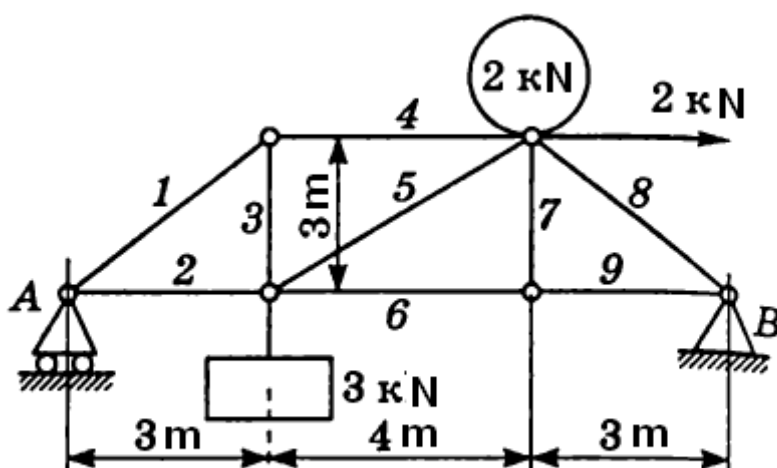


شکل 5.27

خواب:  $R_x = -1 \text{ kN}$  ;  $R_y = 3 \text{ kN}$  ;  $R_B = 1 \text{ kN}$

|    |    |    |    |      |   |      |    |     |    |
|----|----|----|----|------|---|------|----|-----|----|
| N° | 1  | 2  | 3  | 4    | 5 | 6    | 7  | 8   | 9  |
| kN | -2 | -2 | -1 | 1.41 | 2 | 4.24 | -4 | 1.4 | -1 |

- د شکل سره سم فيرم لپاره د اتکاء د عکس العمل قوې او په ميلو کې داخلي قوې پيدا کړئ؟



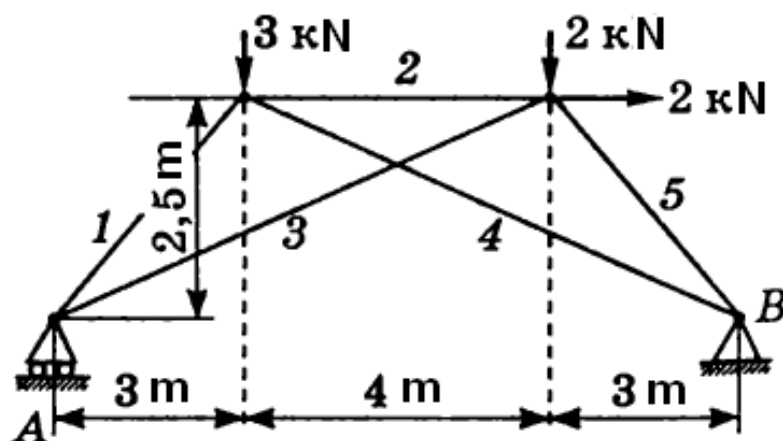
شکل 5.28

خواب:  $R_A = 2.1 \text{ kN}$  ;  $R_x = -2 \text{ kN}$  ;  $R_y = 2.9 \text{ kN}$

|    |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| N° | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

|      |       |     |     |      |     |     |   |      |     |
|------|-------|-----|-----|------|-----|-----|---|------|-----|
| $kN$ | -2.97 | 2.1 | 2.1 | -2.1 | 1.5 | 0.9 | 0 | -4.1 | 0.9 |
|------|-------|-----|-----|------|-----|-----|---|------|-----|

- د شکل سره سم فيرم لپاره د اتکاء د عکس العمل قوې اوپه ميلو کې داخلي قوې پيدا کړئ . دريمه اوڅلورمه نمره گاپرونه د مفصل پواسطه د هغو د تقاطع په نقطه کې نه دي سره نېنلول شوي .

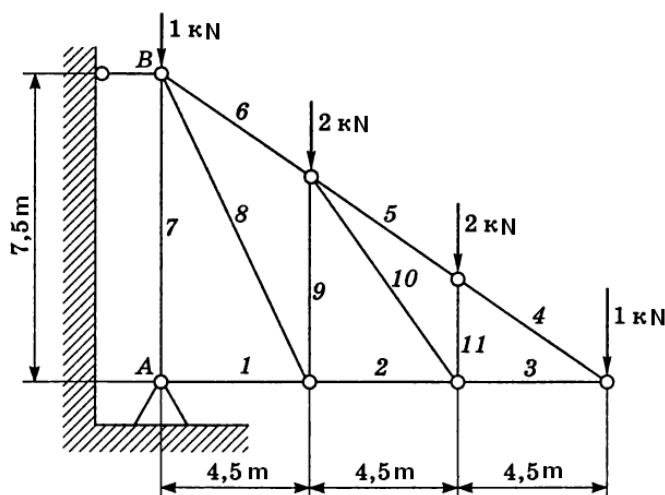


شکل 5.29

خواب :  $R_A = 2.2 \text{ kN}$  ;  $R_x = -2 \text{ kN}$  ;  $R_y = 2.8 \text{ kN}$

|           |    |    |     |      |      |
|-----------|----|----|-----|------|------|
| $N^\circ$ | 1  | 2  | 3   | 4    | 5    |
| $kN$      | -6 | -7 | 4.9 | 2.53 | -5.7 |

- د شکل سره سم گاپر لپاره چې د قواو تراغيزې لاندې دی د اتکاوو د عکس العمل قوې اوپه ميلو کې داخلي قوې پيدا کړئ .

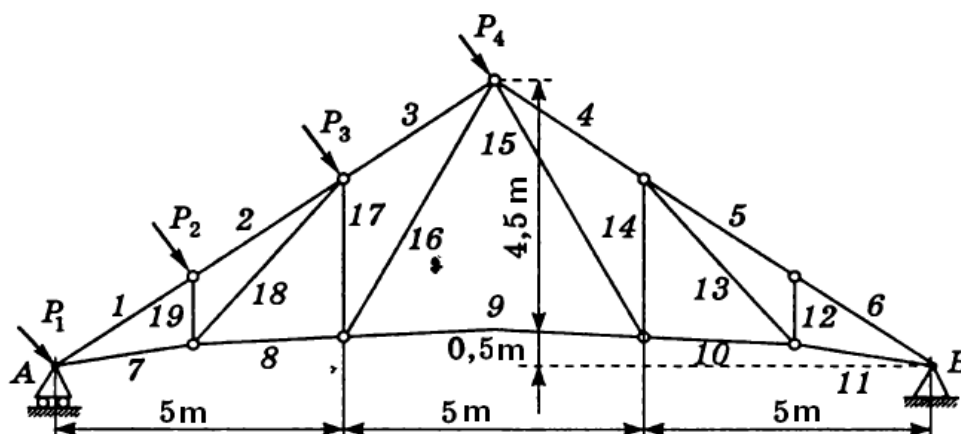


شکل 5.30

خواب:  $R_B = -5.4 \text{ kN}$  ,  $R_x = 5.4 \text{ kN}$  ;  $R_y = 6 \text{ kN}$

| $N^\circ$ | 1    | 2    | 3    | 4    | 5    | 6   | 7  | 8   | 9  | 10   | 11 |
|-----------|------|------|------|------|------|-----|----|-----|----|------|----|
| $kN$      | -5.4 | -3.6 | -1.8 | 2.06 | 2.06 | 4.1 | -6 | 3.5 | -3 | -2.7 | -2 |

• د شکل سره سم فيرم لپه ————— اړه چې د بار تراغيزې لاندې دی د  $P_1 = P_4 = 312.5 \text{ N}$  او  $P_2 = P_3 = 625 \text{ N}$  ، د اتکاء د عکس العمل قوې منځ ته راځي . نوموړې قوې اوپه ميلو کې داخلي قوې پيدا کړئ؟



شکل 5.31

خواب:  $R_A = 997 \text{ N}$  ;  $R_x = 1040 \text{ N}$  ;  $R_y = 563 \text{ N}$

| $N^\circ$ | 1     | 2     | 3     | 4    | 5    | 6    | 7    | 8   | 9    |
|-----------|-------|-------|-------|------|------|------|------|-----|------|
| $kN$      | -1525 | -1940 | -1560 | -970 | -970 | -970 | 1100 | 440 | -215 |

| $N^\circ$ | 10   | 11   | 12 | 13 | 14 | 15  | 16   | 17    | 18   | 19   |
|-----------|------|------|----|----|----|-----|------|-------|------|------|
| $kN$      | -230 | -230 | 0  | 0  | 0  | -26 | 1340 | -1130 | 1050 | -750 |

## 5.7- د فرم تحليل د ماکسويل-کريمونه په ميتود سره

## Analysis of Frame by Maxwell-Cremona method

*Clerk Maxwell James* (13.06.1831...05.11.1879)

سکات لينډي فزيک-رياضي او ميخانيک پوه



*Clerk Maxwell James*

*Luigi Cremona* (07.12.1830...10.06.19.03)

ایتالوي رياضي پوه. ډیر مهم اثر يې په گرافيکي

سناتيک کې همدا ميتود دی.



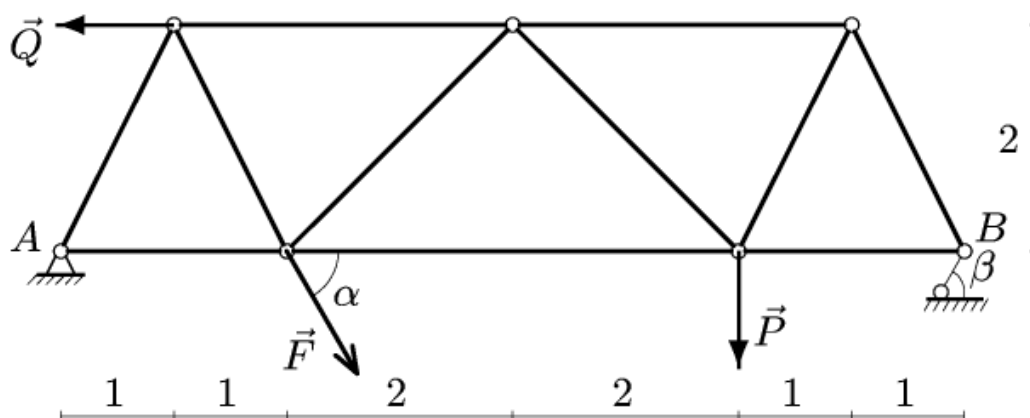
د فيرم گرافيکي محاسبه: د ماکسويل – کريمونه د دياگرام په مرسته د فيرم په گادرو کې د قواو پيدا کول .

د فيرم د محاسبې گرافيکي ميتود د تحليلي طريقي لپاره يو بشپړه وونکي ميتود دی چې مونږ لږڅه مخکې د فيرم د تحليل ترسرليک لاندې مطالعه کړ.

د ماکسويل - کريمونه دياگرام د څو جلا جلا کثير الاضلاع گانو څخه جوړ سوی دی چې هر يو يې د فيرم د يوې برخې د تعادل په هکله دی .

1. په فیرم کې د گادرو قوې بنیو.
2. فیرم له ارتباطاتو څخه خلاصو او د اتکاء اغیزې دهغو په عکس العمل قواو باندې بدلوو. د تعادل درې معادلي تشکیلوو او د عکس العمل قوې پیدا کوو.
3. پیدا کرل شوي د عکس العمل قوې کنترولوو او د تعادل یوه بله معادله هم تشکیلوو.
4. ټولې قوې چې په فیرم باندې اغیز کوي (د اتکاء د عکس العمل قوې چې په تحلیلي ډول سره پیدا کرل شوي دي هم دلته شاملې دي) د فیرم څخه د باندې د وکتورو په ډول رسموو. که چیرې د اتکاء د عکس العمل قوه منفي وي نو د رسمولو په وخت کې دهغې جهت پر هغه بل لوري باندې متوجه کوو. د گرافیکي طریقې لپاره یوازې او یوازې د عکس العمل قواو واقعي جهته پکار دي.
5. خارجي ساحې – یعنی د رسم ساحې چې د فیرم د گادرو د قواو په واسطه سره بیلې او جلا شوي دي، د الفباء په تورو او یاهم په رقمونو باندې بنیو.
6. داخلي ساحې هم د تورو یا رقمونو په واسطه سره بنیول کیږي. دا هغه ساحې دي چې د فیرم د گادرو پواسطه احاطه شوي دي.
7. په گادرو کې و قواو او همدارنگه خارجي قواو ته د نژدې پرته قوې او یاهم نژدې گادرو ساحو له مخې نوي نومونه ورکوو.
8. د ماکسویل - کریمونه د دیاگرام رسمول د خارجي قواو د کثیر الاضلاع څخه پیل کوو. د ساعت د عقربې مخالف او یاهم موافق د فیرم پر شاوخوا باندې راگرځول ټاکو. کار د یوې کیفې قوې څخه پیلوو. د هرې قوې په مقیاس سره رسمول دهغې جهت په نظر کې نیول، پر دیاگرام باندې د قوې لومړنۍ او اخیرنۍ نقطې په کوچنیو تورو باندې بنیو چې د نوو علامو ایښودلو او پر فیرم باندې د راگرځیدلو د جهت سره سمون پیدا کړي.
- پدې ډول سره د لومړۍ قوې تر رسمولو وروسته د هغې په انجام کې دوهمه قوه اېږدو او همدا عملیه یوځل بیا تکراروو او دې کار ته تر هغه پورې دوام ورکوو ترڅو چې کثیر الاضلاع وتړل شي.
9. د داخلي ساحو نقطې پر دیاگرام باندې رسموو. هغه نقطه چې د داخلي ساحې سره مطابقت کوي، که چیرې د دې ساحې مجاورو ساحو نقطې هم رسم کړل شوي وي نو کولای شو هغه پیدا کړو.
- پدې ډول سره گرافیکي محاسبه کولای شو د هغې ساحې څخه پیل کړو کومه چې دوی نژدې مجاورې ساحې ولري او دا ساحې پر دیاگرام باندې ښودل شوي وي. مجهوله نقطه به دهغو مستقیمو د تقاطع په نقطه کې پرته وي چې د گادرو سره موازي او نوم یې د مجهولي نقطې اود خارجي ساحې د پلاس راغلي نقطې څخه تشکیل شوي وي.
- دغه عمل به تر هغه مهاله پورې تکراروو، ترڅو دیاگرام په پوره توګه سره رسم شي.
- په گادرو کې د قواو مودول د هغه اوږدوالي سره مساوي دی چې په دیاگرام کې د مربوطه کرښې سره مطابقت کوي.
10. د قواو علامې ټاکو. د فیرم مفصل تر کتنې لاندې نیسو چې هغه ته یا داسې خارجي قوه او یاهم داسې گادر راځي چې ټاکلي او معلومه علامه ولري.
- د مفصل تعادل په دیاگرام کې د را کرل شوي گرځیدو د جهت سره سم په تړلي کثیر الاضلاع سره ښودل شوی دی. په دیاگرام کې د قواو جهت اودهغو جهت په پرې کړل شوو برخو کې د پرتله کولو په نتیجه کې، د قوې علامه معلومولای شو. که چیرې د وکتور جهت په کثیر الاضلاع کې دهغو وکتورونو د جهت سره مطابقت وکړي چې پر برخې باندې اغیزه کوي، نو دا په دې معنی ده چې قوه تر صفر غټه ده که نه نو قوه تر صفر کوچېنې ده یعنی دا چې گادر کېښیکښل کیږي.

مثال: د ماکسویل - کریمونه دیاگرام په مرسته د فیرم په گادرو کې قوې پیدا کړئ؟



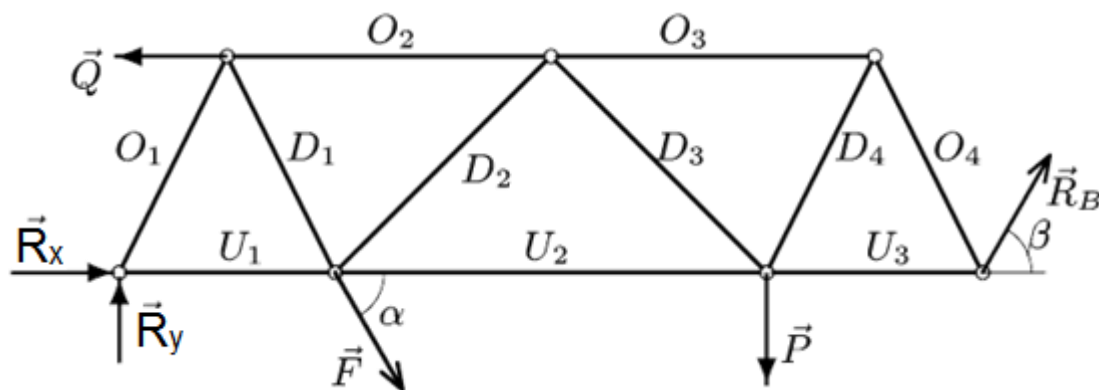
شکل 5.32

$$\beta = 60^\circ ; \alpha = 60^\circ \quad Q = 15 \text{ kN} ; P = 30 \text{ kN} ; F = 20 \text{ kN}$$

اندازي په مترسره بنودل شوي دي.

حل :

1. د فيرم په گابرو کې قوې داسې بڼيو لکه چې په «ساختماني ميخانيک» کې بنوول کېږي . د پورته ملاتړي «کمر بند» قوې د کينې خواخه و بڼې خواته  $O_1 \dots O_4$  ، قطرونه يا مایلي ميلې  $D_1 \dots D_4$  ، په کيننتي کمر بند کې قوې په  $U_1, U_2, U_3$  سره بڼيو.



شکل 5.33

2. د فيرم د اتکاء د عکس العمل قوې پيدا کوو ، د  $R_B$  د عکس العمل قوه د اتکاء د سنتي په امتداد متوجه کوو يعنې و افق ته د  $\beta$  ترزاويې لاندې يې متوجه کوو . شکل ته دې وکتل شي .

د تعادل معادلي تشکيلوو:

$$\Sigma F_x = 0 \Rightarrow R_x - Q + F \cdot \cos\alpha + R_B \cdot \cos\beta = 0$$

$$\Sigma M_A(F_i) = Q \cdot 2 - F \cdot 2 \cdot \sin\alpha + R_B \cdot 8 \cdot \sin\beta - P \cdot 6 = 0$$

$$\Sigma M_B(F_i) = Q \cdot 2 + F \cdot 6 \cdot \sin\alpha - R_y \cdot 8 + P \cdot 2 = 0$$

د دي معادلي په حل کولو سره لرو چي :

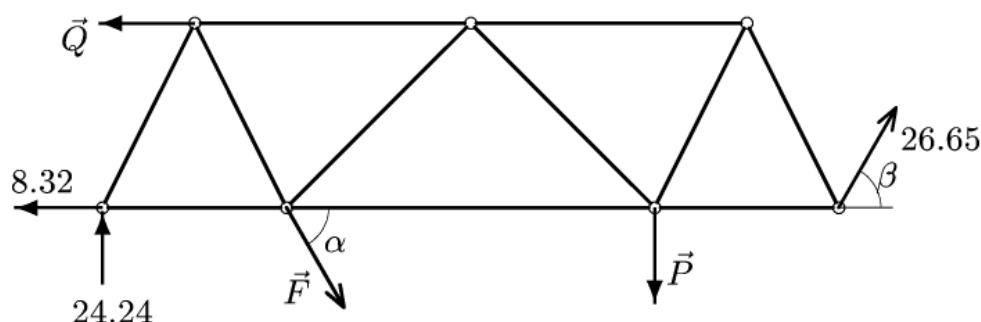
$$R_x = -8.32 \text{ kN} ; R_y = 24.24 \text{ kN} ; R_B = 26.65 \text{ kN}$$

3. عمودي عکس العمل قوي کنترولوو اود ټولو قواو مرتسمه د y پرمحورباندي پيدا کوو.

$$\Sigma F_y = R_y - F \cdot \sin\alpha - P + R_B \cdot \sin\beta = 0$$

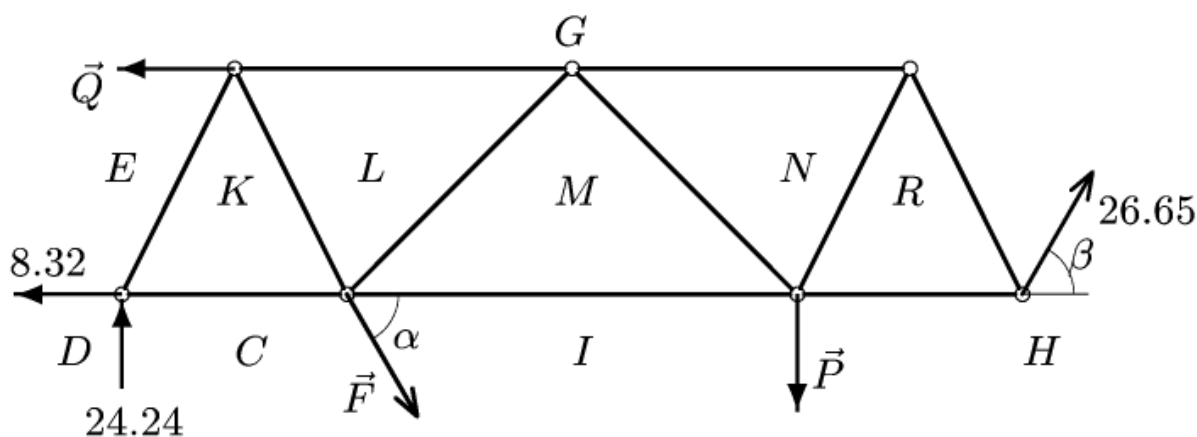
4. هغه ټولي قوي چي پرفيرم باندي اغيزي کوي رسموو. د  $R_x$  عکس العمل قوه چي د محاسبي تراچرا کولو وروسته معلومه شوه ترصفرکوچني ده ، جهت يي بدلوو او پرمخالف جهت يي متوجه کوو. شکل ته دي وکتل شي د دي قوي قيمت  $|R_x| = 8.32 \text{ kN}$

5. خارجي ساحي بنيو - هغه د شکل ساحي چي د قواو او د فيرم د گاډرو پواسطه سره جلاشوي دي يعني : C,D,E,G,H,I شکل ته دي وکتل شي . د دي لپاره چي تيروتنه رامنځ ته نه شي نو نه بنايي چي د A ، B ، Q ، P او F توري چي د اتکاء د عکس العمل قوي هم ارائه کولای شي ، وکاروو.



شکل-5.34

6. داخلي ساحي په R ، N ، M ، L ، K (شکل ته دي وکتل شي) سره بنيو.



شکل5.35

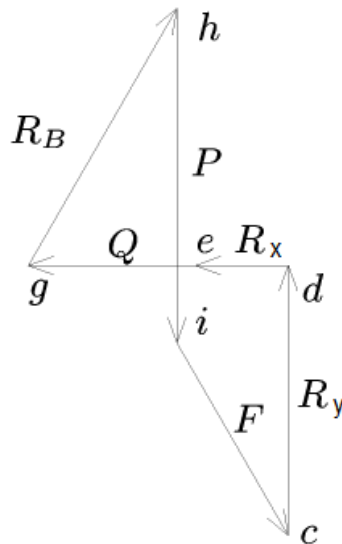
7. په گادرو کې د قواو بارونو ته نوي نومونه ورکوو. و دې ته گورو چې د کومې قوې (یا گادر) ساحه یې مجاوره ده. د دې نوو نومونو جدول هم ترتیبوو.

|      |      |      |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
|------|------|------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| $F$  | $P$  | $Q$  | $R_x$ | $R_y$ | $R_B$ | $O_1$ | $O_2$ | $O_3$ | $O_4$ | $D_1$ | $D_2$ | $D_3$ | $D_4$ | $U_1$ | $U_2$ | $U_3$ |
| $IC$ | $HI$ | $EG$ | $DE$  | $CD$  | $GH$  | $EK$  | $GK$  | $GN$  | $GR$  | $KL$  | $LM$  | $MN$  | $NR$  | $KC$  | $MI$  | $RH$  |

8. د خارجي قواو کثیرالاضلاع رسموو. د راگرځیدو جهت د ساعت د عقربې سره سم ټاکو. د یوې کيفي قوې مثلاً  $F_1 = 20kN$  څخه پیل کوو، دغه قوه په یوه معین مقیاس سره ایزدو او جهت یې هم په نظر کې نیسو.

لومړنی او اخرنی نقطې یې په کوچنیو تورو سره بڼیو مثلاً  $i$  او  $c$  باندې چې د  $I$  ساحې څخه د  $C$  ساحې ته د راگرځیدو د جهت سره مطابقت کوي.

بله د ساعت د عقربې سره سمه قوه د اتکاء عمودي عکس العمل قوه  $R_y = 24.24 kN$  ده، دا قوه د  $C$  په نقطې کې د  $F$  قوې پسې رسموو او آخري نقطه په  $d$  سره بڼیو. پرفیرم باندې راگرځیدلو ته تر هغه وخته پورې دوام ورکوو ترڅو چې کثیرالاضلاع وتړل شي. آخري قوه به  $P = 30 kN$  وي هغه به لکه  $HI$  وښیو. دهغې اړخ  $i$  نقطې سره مطابقت کوي.



شکل 5.36

9. پر دیاگرام باندې د داخلي ساحو نقطې رسموو. هغه نقطه چې د داخلي ساحې سره مطابقت کوي کولای شو پیدايې کړو که چیرې د دې ساحې دوي مجاوري ساحې رسم شوي وي.

نو پدې ډول سره د گرافیکي محاسبې د پیل لپاره کولای شو د  $R$  د ساحې څخه یې پیل کړو. د  $R$  ساحې مجاوري ساحې  $H$  او  $G$  دي او هغه پر دیاگرام باندې معلومي دي او یا هم د  $K$  ساحه چې مجاوري ساحې یې معلومي دي او هغه  $E$  او  $C$  دي شکل ته دې وکتل شي.

د  $K$  ساحه ترکنتي لاندې نیسو. د  $EK$  او  $KC$  د گادرو پر جهت د دیاگرام د  $e$  او  $c$  نقطو څخه کرښې رسموو. دهغوی د تقاطع نقطه به د  $K$  نقطه وي.

د  $ek$  او  $kc$  اوږدوالی په مطلقه قیمت سره مساوي دی په گادرو کې د قواو په قیمت سره:

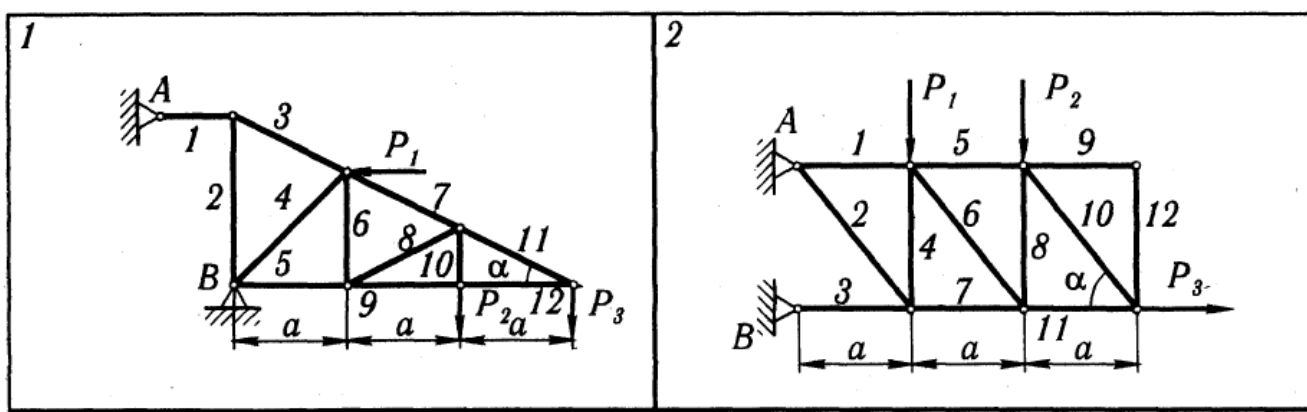


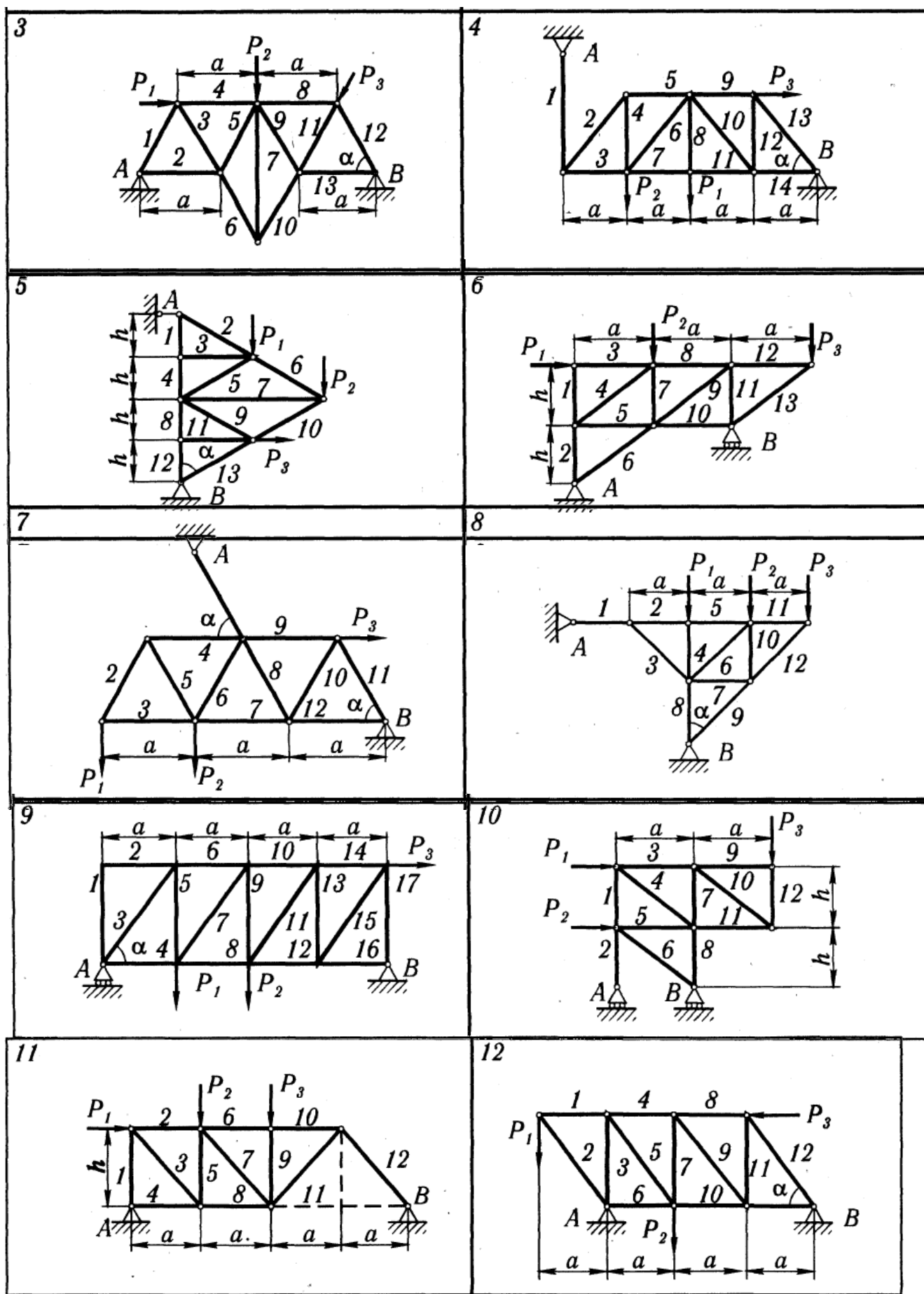


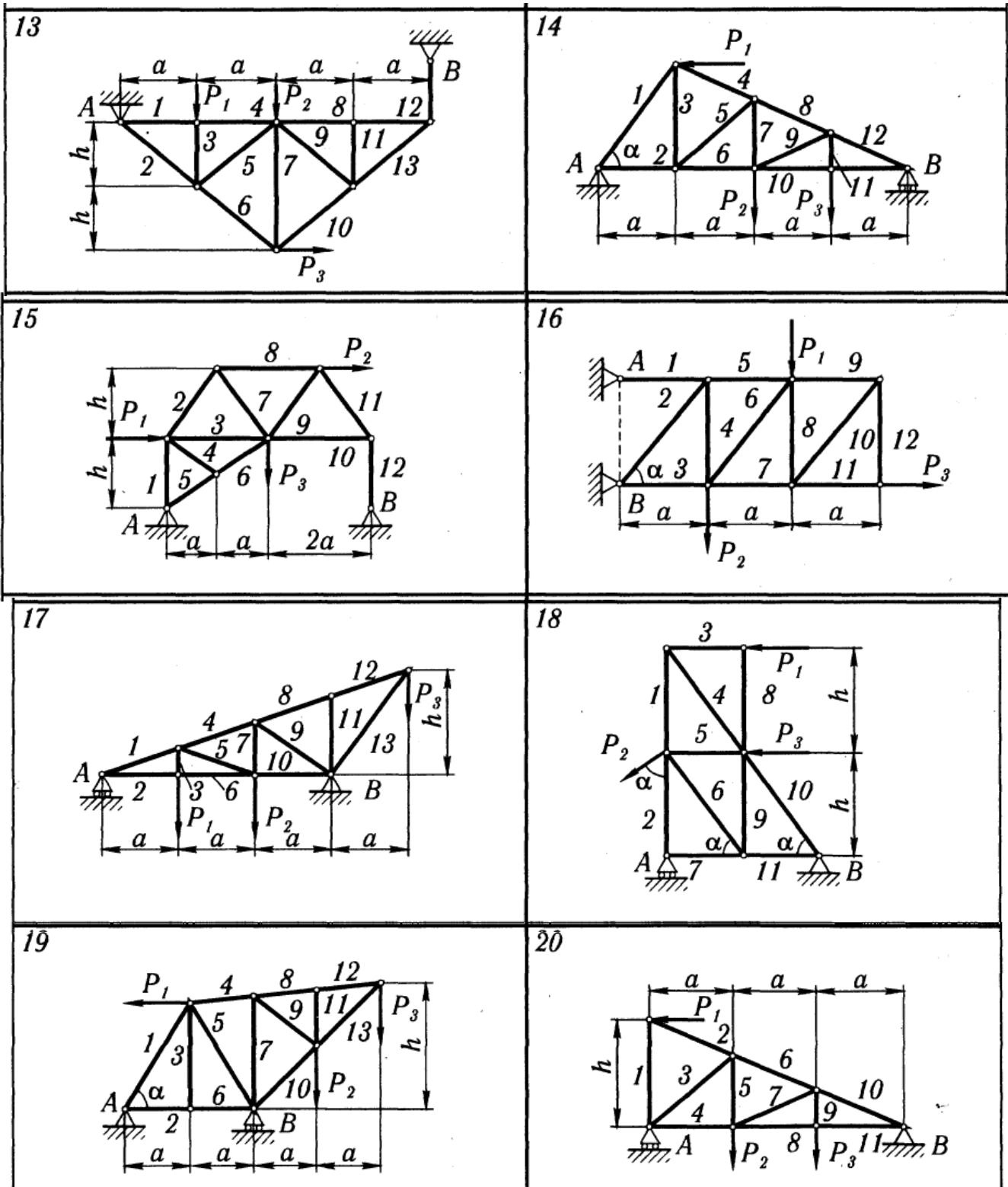
## 5.8- خانگری مشق او تمرین

- 1- د دې فیرومونو لپاره د اتکا عکس العمل قوی او په گادرو کې داخلي قوی پیدا کړئ؟  
 2- د ریختر میتود په درو گادرو کې د قواوو د تعینولو لپاره عملي کړئ؟  
 3- اړین معلومات دې د پورته جدول څخه واخیستل شي.

| شماره | $P_1$ | $P_2$ | $P_3$ | $a$ | $h$  | درجه $\alpha$ | د گادر شمیره |
|-------|-------|-------|-------|-----|------|---------------|--------------|
|       | kN    |       |       | m   |      |               |              |
| 1     | 4     | 9     | 2     | 2,0 | -    | 30            | 3, 8, 9      |
| 2     | 10    | 3     | 4     | 2,5 | -    | 60            | 2, 5, 7      |
| 3     | 2     | 12    | 6     | 3,0 | -    | 60            | 4, 5, 10     |
| 4     | 10    | 10    | 5     | 4,0 | -    | 60            | 5, 6, 11     |
| 5     | 2     | 4     | 2     | -   | 2,0  | 60            | 4, 5, 10     |
| 6     | 3     | 7     | 5     | 4,0 | 3,0  | -             | 8, 9, 11     |
| 7     | 4     | 6     | 3     | 4,0 | -    | 60            | 4, 6, 12     |
| 8     | 5     | 7     | 7     | 3,2 | -    | 45            | 3, 4, 5      |
| 9     | 10    | 8     | 2     | 5,0 | -    | 60            | 6, 7, 12     |
| 10    | 3     | 4     | 5     | 4,4 | 3,3  | -             | 3, 5, 7      |
| 11    | 2     | 6     | 8     | 2,5 | 3,0  | -             | 2, 7, 8      |
| 12    | 5     | 7     | 2     | 4,0 | -    | 60            | 4, 5, 10     |
| 13    | 4     | 6     | 2     | 4,8 | 3,6  | -             | 4, 5, 10     |
| 14    | 3     | 5     | 5     | 3,0 | -    | 60            | 5, 6, 8      |
| 15    | 2     | 2     | 10    | 4,0 | 6,0  | -             | 2, 6, 9      |
| 16    | 5     | 6     | 2     | 5,0 | -    | 60            | 3, 5, 6      |
| 17    | 4     | 4     | 10    | 4,0 | 6,0  | -             | 4, 7, 8      |
| 18    | 5     | 2     | 8     | -   | 5,0  | 60            | 1, 4, 8      |
| 19    | 8     | 4     | 10    | 5,0 | 10,0 | 60            | 4, 5, 7      |
| 20    | 2     | 3     | 5     | 4,0 | 6,0  | -             | 5, 6, 8      |







## شپږم فصل

## په مستوي کې په کيفي ډول سره پرته قوې

## Arbitrary Forces in a plane

## 6.1 - د پوانسوميتود : ويوه مرکزته د قواو راوړل

Poanoso's (Louis Poinso) Method: Reduction of forces to an one centre

پوان سو لويي (1777-1859) - فزاسوی ميخانيک پوه ، د هندسي ستاتيک په هکله آثار لري. نوموړي د ستاتيک اکسيمونه پخپل اثر کې «د ستاتيک عناصر» چې په 1803 م. کال کې چاپ شو، فورمول بندي کړل.

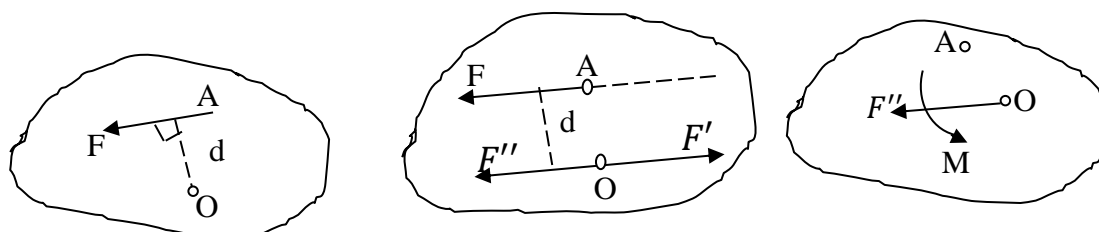
فرانسوی هندسه او ميخانيک پوه

Louis Poinso 03.01.1777...05.12.1858



د هغو قواو د جمع کولو لپاره چې په مستوي کې په کيفي ډول سره پرته دي ، بنه به دا وي چې د فرانسوي عالم «پوانسو» ميتود استعمال شي .

دا ميتود داسې دی چې قوې په موازي ډول سره و ويوه مرکزته راوړل کيږي :



شکل 6.1

د دې میتود و ماهیت ته به څیرشو:

$F$  د جسم د  $A$  پرنقطې باندې تأثیر کوي. د  $O$  د مرکز څخه د قوې د تأثیر پرکرنې باندې عمود رسمو او  $F$  د قوې مومنت نظردې نقطې ته پیدا کوي.

$$M_o(F) = F \cdot d$$

په همدې مرکز یعنی  $O$  نقطې کې متقابلاً متعادلې قوې  $F'$  او  $F''$  چې د  $F$  د قوې سره موازي او په مودول سره مساوي دي، واردو. پدې صورت کې د  $F''$  قوه د  $F$  د قوې سره په مودول مساوي او د  $O$  په نقطې کې وارده شوې ده او هم د قواو یوه جوړه چې  $F$  او  $F'$  په گډه سره جوړه کړې ده او مومنت یې نظرد  $0$  ونقطې ته  $M_o(F) = F \cdot d$  کیږي، پلاس راځي.

نو پدې ډول سره د پوانسو د میتود ماهیت په دې کې دی چې د  $F$  قوه په یوې مجموعې باندې تعویض کیږي. دا مجموعې عبارت ده له یوې معادلې  $F''$  قوې څخه چې مودول یې د  $F$  د قوې سره مساوي دی، او یوه قوه ایزه جوړه چې دهغې مومنت د قوې د مومنت سره نظرد راورلو مرکز ته مساوي دی.

## 6.2 - د قواو د مستوي سیستم و یوه مرکز ته راوړل

### Reduction of forces in a plane to an one Given centre

#### عمده وکتور او عمده مومنت Principal Vector and Principal Moment

د پوانسو میتود په لاندې ډول سره تطبیقو او:

ټولې قوې و یوه مرکز ته را وړو، دا قوې په کيفي ډول سره په مستوي کې پرتې دي. په مستوي کې واقع قوې  $F_1$ ،  $F_2$  او  $F_3$  د  $A_1$ ،  $A_2$  او  $A_3$  په نقطو کې تأثیر کوي، د  $O$  کيفي نقطه د قواو د راورلو د مرکز په توگه سره ټاکو او ټولې قوې و دې نقطې ته را وړو.

د  $F'_1$ ،  $F'_2$  او  $F'_3$  قوې د قوه ایز کثیر الاضلاع د قاعدې سره سم جمع کوو او په نتیجه کې د هغوی محصله قوه په لاس راځي:

$$F_{Prin} = F_1 + F_2 + F_3 = \Sigma F_K$$

د سیستم د ټولو قواو هندسي مجموعه د سیستم د عمده وکتور په نامه سره یادېږي:

$$F_{Prin} = \Sigma F_K \dots (6.1)$$

د عمده وکتور مودول او جهت د متلاقي قواو د سیستم د 11 او 12 فورمولونو په مرسته په لاس راوړو:

$$F_{Pri} = \sqrt{X_{pri}^2 + Y_{pri}^2} = \sqrt{(\Sigma X_k)^2 + (\Sigma Y_k)^2}$$

$$\cos(F_{Pri}, X) = \frac{X_{pri}}{F_{pri}} \quad ; \quad \sin(F_{Pri}, Y) = \frac{Y_{pri}}{F_{pri}}$$

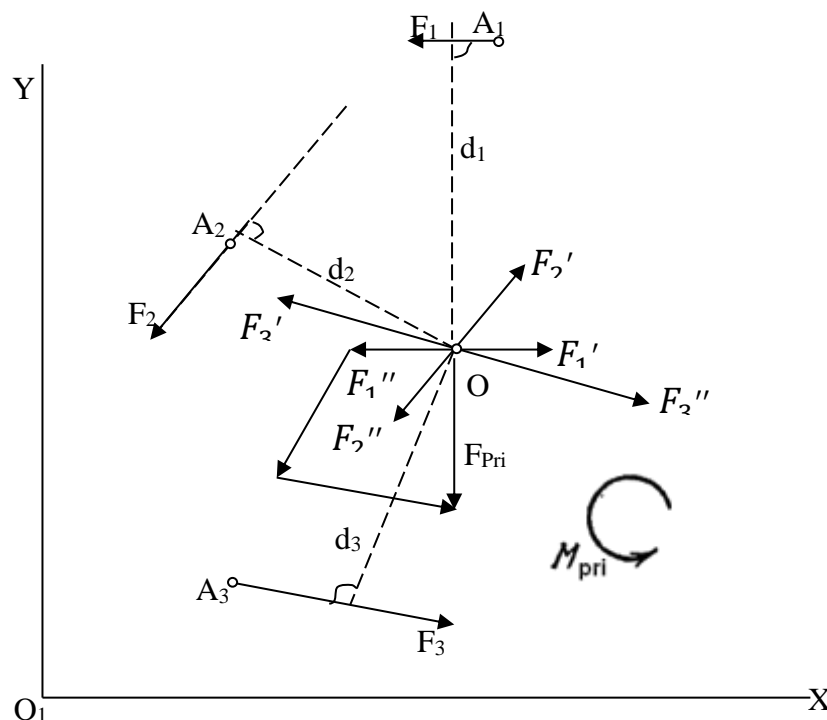
د جوړې د جمع کولو د قاعدې سره سم ټولې وصل کرل شوي جوړې  $(F'_1, F_1)$ ،  $(F'_2, F_2)$ ،  $(F'_3, F_3)$  سره جمع کوو او دهغوی څخه یوه حاصله جوړه په لاس را وړو. د دې جوړو مومنتونه د  $F_1$ ،  $F_2$  او  $F_3$  قواو د مومنتو سره نظرد  $O$  ونقطې ته مساوي دي.

د قواو مومنتونه په دې ډول دي:

$$M_1 = M_O(F_1); \quad M_2 = M_O(F_2); \quad M_3 = M_O(F_3)$$

نولدي ځايه څخه د حاصله جوړي مومنت :

$$M_{Prin} = M_1 + M_2 + M_3 = \Sigma M_O(F_k)$$



6.2 شکل

د ټولو راکړل شوو قواو د مومنتو الجبري مجموعه چې په کيفي ډول سره په مستوي کې پرتې دي ، نظريوي نقطې ته مثلاً 0 د سيستم عمده مومنت نظريو همدې نقطې ته بلل کيږي :

$$\Sigma M_{Prin} = \Sigma M_O(F_k) \dots (6.2)$$

نولدي ځايه څخه داسې بنسټيز تعريف په لاس راځي :

د قواو هرکيفي مستوي سيستم کولای شو په يوې قوې چې د سيستم د عمده وکتور سره مساوي ده او د 0 په کيفي نقطې کې تاثير کوي او يوې جوړې چې مومنت يې د همدې سيستم د عمده مومنت سره نظريو همدغي نقطې ته مساوي دی ، عوض کړو .

د سيستم د عمده وکتور مودول او جهت د راوړلو د مرکز «0» په موقعيت پورې اړه نه لري ځکه چې ټولې قوې د خپل لومړني موقعيت سره سمې موازي دلته را وړل شوي دي او قوه ايزکثير الاضلاع به بياهم پوښی وي .

ولي د عمده مومنت مودول او علامه د راوړلو د مرکز «0» په ټاکلو پورې اړه لري ځکه چې د مرکز په بدلون سره د دي قواو مومنت نظر و همدغه مرکز ته تغير خوري ، نو دهغوی الجبري مجموعه به هم تغير خوري .

نوخکه کله چې د سيستم د عمده مومنت څخه يادونه کيږي نو تل ويل کيږي چې دا مومنت نظروکومي نقطې ته نيول شوی دی .

### 6.3- په مستوي کې په کيفي ډول سره د پرتو قواو را وړل و يوه مرکز ته

مختلف حالتونه :

$$1. \text{ حالت : } F_{prin} = 0 ; M_{prin} = 0$$

پدې حالت کې دا قوې متقابلاً متعادلې کيږي .

$$2. \text{ حالت : } F_{prin} = 0 ; M_{prin} \neq 0$$

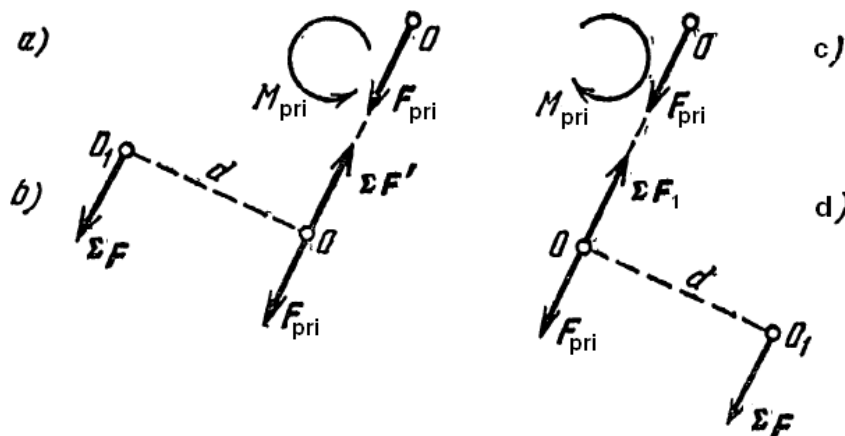
پدې حالت کې دا سيستم ويوې جوړې ته چې مومنت يې نظرد راوړلو و مرکز ته د عمده مومنت سره مساوي دی ، راوړل کيږي .

که چيرې سيستم وقوه ايزي جوړې ته را وړل شي ، نو د دې قوه ايز سيستم عمده مومنت نظر د مستوي وټولونقطو ته په مودول سره مساوي او علامه يې هم سره مطابقت کوي . د دې مستوي سيستم عمده وکتور  $F_{prin}$  به مساوي په صفر سره وي که چيرې پر هغوی باندي رسم کرل شوی قوه ايز کثيرونه اضلاع تړلی وي . دغه شرايط به د قواو د مستوي سيستم د تعادل لپاره کافي وي خو کله چې د قواو موقعيت په مستوي کې کيفي وي نو سيستم د يوې قوې چې د ټولو قواو د هندسي مجموعې سره مساوي ده ، معادل نه بلکې د دې قواو په ټولو مجموعو چې د راوړلو په کيفي مرکز O کې تأثير کوي او يوې جوړې چې مومنت يې د عمده مومنت  $M_{prin}$  سره مساوي وي ، نظروهمدي ټاکل شوي مرکز ته ، به سره معادل وي . نولدي امله کله چې د دې سيستم عمده وکتور مساوي په صفر خو عمده مومنت يې د صفر خلاف وي نو معلوميږي چې سيستم و يوې جوړې ته را وړل کيږي . د دې جوړې مومنت د دې قواو د عمده مومنت سره نظرد راوړلو و مرکز ته ، مساوي دی . نوپدې صورت کې د عمده مومنت قيمت د راوړلو مرکز په ټاکلو پورې اړه نه لري .

نو معلوميږي که چيرې د دې مستوي سيستم عمده وکتور مساوي په صفروي او دهغه عمده مومنت د صفر خلاف وي نو دا سيستم د هغې جوړې معادل دی چې مومنت يې د ټولو قواو د مومنتونو د الجبري مجموعې سره نظروهرې نقطې ته مساوي وي .

$$3. \text{ حالت : } F_{pri} \neq 0 ; M_{pri} = 0$$

هغه حالت چې مستوي سيستم و محصلې قوې ته راوړل کيږي .



6.3 شکل

پدی حالت کی دا قوه ایزسیستم ویوی محصلی ته چی دهمده وکتورسره مساوی وی او د تأثیرکرنه یی د راورلو د مرکزخه تیره شی ، راورل کیری .

که چیری  $F_{pri}$  دهمده وکتورسره مساوی وی او د قوه ایزسیستم یوه معادله جوړه هم شتون و نه لری نو دا قوه د قوه ایزسیستم محصله قوه جوړوی .

داسی یی بولو چی دا سیستم ویوه وکتور  $F_{pri}$  چی په یوه کیفی راورلو مرکز  $O$  کی تأثیرکوی اویوی جوړی چی مومنت یی مثبت عمده مومنت  $M_{pri}$  دی ، راورل کیری . د  $a$  شکل .

دا جوړه چی مومنت یی عمده مومنت  $M_{pri}$  دی ، داسی تغیراوتبدیلوچی هغه مرکبی چی دا جوړه جوړوی هغه به د  $\Sigma F$  او  $\Sigma F_1$  سره وینویو . په مودول سره دهمده وکتور  $F_{pri}$  سره مساوی وی ، پدی صورت کی د قوه جوړی بازو  $d$  باید داسی وینویو چی مومنت یی دهمده مومنت سره مساوی پاته شی .

$$d = M_{prin}/F_{prin} \text{ چی بازو یی } (\Sigma F, \Sigma F_1) \text{ راورو پلاس راورو}$$

د جوړی لیردول د هغی په مستوی کی د قضیې سره سم دا جوړه یعنی  $\Sigma F, \Sigma F_1$  داسی را ورو چی د  $\Sigma F_1$  قوی تأثیرد راورلو په مرکز  $O$  نقطی کی وی او جهت یی د عمده وکتور  $F_{prin}$  پر خلاف شی . د  $b$  شکل .

په عین حال کی د جوړی د څرخولو جهت باید بیله تغیره پاته شی . کله چی  $M_{prin} > 0$  نو د څرخولو جهت به د ساعت د عقربې سره سم وی .

دغه د قواو مستوی سیستم د عمده وکتور  $F_{prin}$  او یوی جوړی  $\Sigma F, \Sigma F_1$  سره معادل دی خو عمده وکتور  $F_{prin}$  او  $\Sigma F_1$  یوبل سره متعادلی نو ځکه دلته یوازی یوه قوه  $\Sigma F$  پاته کیری چی د قوه سیستم محصله قوه تشکیلوی .

که چیری دغه قوه ایزسیستم ویوه مرکزته د راورلو په صورت کی په عمده وکتور او یوی جوړی چی مومنت یی  $M_{prin} < 0$  را وړل شوی وی نو د قوه تشریحاتو په تکرارولو سره محصله قوه  $\Sigma F$  چی د راورلو د مرکز  $O$  د هغی بلی خوا څخه تیریږی ، به بیا هم په لاس راغلی وی .

په آسانی سره لیدل کیری چی په دواړو حالاتو کی د محصله قوی د تأثیرکرنه د راورلو د مرکزخه د

$$d = \frac{|M_{pri}|}{F_{pri}}$$

واتن په اندازه وروسته پاته کیری .

$d$  - باید داسی خواته کبیبندول شی چی د محصله قوی د مومنت علامه نظر د راورلو و مرکزته دهمده مومنت  $M_{pri}$  د جهت سره مطابقت وکړی . د  $b$  او  $c$  شکلونه .

که د راورلو په صورت کی  $M_{pri} = 0$  خو  $F_{pri}$  د صفر خلاف وی نو د قوه سیستم د محصلی قوی د تأثیرکرنه د راورلو د مرکزخه تیریږی . نو پدی ډول سره که چیری د قوه سیستم عمده وکتور د صفر خلاف وی نو داسیستم و یوی محصلی قوی ته چی په مودول او جهت د عمده وکتورسره مساوی وی ، راورل کیری .

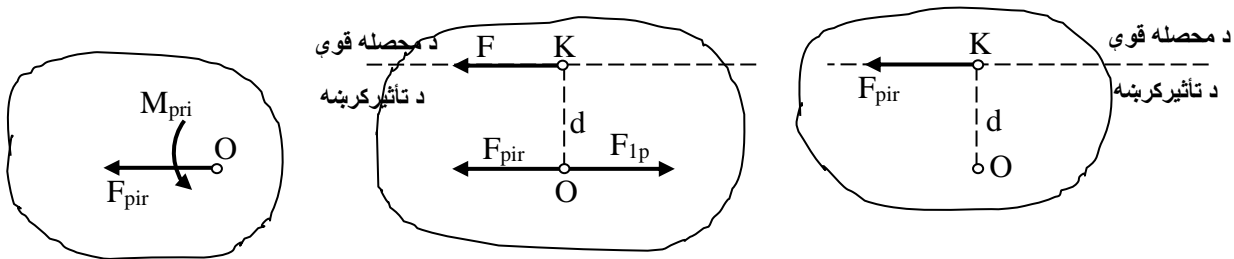
د  $F_{pri}$  قوه چی د عمده وکتورسره مساوی وی او د راورلو په مرکز  $O$  کی تأثیر وکړی ، په عمومي صورت کی د قواو د محصله قوی په مستوی کی په کیفی ډول سره د هغو د موقعیت په معنی نه ده . په عمومي ډول سره داسیستم د قوی او جوړی د مجموعی معادل دی .

په مستوي کې د قواو د کيفي موقعيت په صورت کې ، سيستم کولای شي چې هيڅ محصله قوه ونلري ، و يوې جوړې ته را وړل کيږي ، خو که مستوي قوه ايز سيستم يوازي محصله قوه ولري نو دا محصله قوه په ټولو حالاتو کې د عمده وکتور د مودول سره مساوي او په جهت ورسره يوه ده .

پدې صورت کې د متلاقي قواو لپاره د محصله قوې د تاثير کړنه د قواو د تقاطع د عمومي نقطې څخه تير يږي . په مستوي کې په کيفي ډول سره پر تو قواو لپاره د محصله قوې د تاثير د کړنې موقعيت د عمده مومنت د مودول او جهت له رويه معلوم يږي .

$$4. \text{ حالت : } M_{pri} \neq 0 ; F_{pri} \neq 0$$

وبه بڼيو چې پدې حالت کې قوه ايز سيستم ويوې قوې ته چې د دې سيستم محصله قوه بلل کيږي ، را وړل کيږي .



شکل 6.4

داسې يې بولو چې داسيستم ويوې قوې ته  $F_{Prin} = \Sigma F_k$  چې د 0 په نقطې کې تاثير کوي او يوې جوړې ته چې مومنت يې  $M_{Prin} = \Sigma M_O(F_k)$  دی ، را وړل شوی دی .

د قواو يوه جوړه د  $F$  او  $F_{1 Prin}$  به وټاکو . د دې قواو بازو به مساوي وي په

$$d = \frac{|M_{Prin}|}{F_{Prin}}$$

د  $F_{1 Prin}$  قوه د 0 په نقطې کې واردو او هغه د عمده وکتور  $F_{Prin}$  و مخالف جهت ته متوجه کوو پداسې حال کې چې بله قوه ( $F$ ) د ( $K$ ) په نقطې کې د  $OK = d$  پر قطعه خط باندې واردو . د  $F_{1 Prin}$  قوې د تاثير پر کښې باندې عمود رسموو چې  $F_{1 Prin}$  او  $F$  د شکل مستوي ته د ساعت د عقربې مخالف حرکت ورکوي .

د  $F_{Prin}$  او  $F_{1 Prin}$  قوې د 0 په نقطې کې تاثير کوي ، په مودول سره مساوي او مخالف الجهته يوه بله سره متعادل وي نو ځکه داسيستم ويوې قوې ته يعنې  $F_{Prin}$  چې د عمده وکتور سره مساوي او د  $K$  په نقطې کې تاثير کوي ، را وړل کيږي .

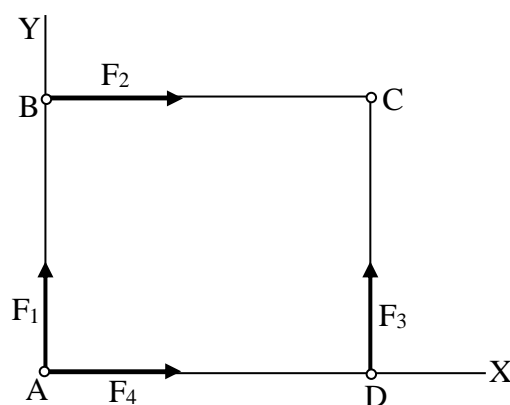
**نتيجه :** که چيرې په مستوي کې په کيفي ډول سره پر تې قوې متعادل کيږي ، نو هغوی کولای شو ويوې قوې او يا و يوې جوړې ته راوړو .

**مثال:**

پر ABCD مربع د اضلاعو په امتدا د په مودول سره دا مساوي قوې تاثير کوي :

$$F_1 = F_2 = F_3 = F_4 = 100 \text{ N}$$

دغه سيستم بايد د A نقطې ته راوړل شي



شکل 6.5

**حل :**

د شکل سره سم د کار دینات محورونه غځوو. د دې قواو مرتسمې پرمحور باندې پیدا کوو او د هغوی مومنتونه نظر د  $A$  ونقطې ته محاسبه کوو. پلاس راغلي نتایج و جدول ته رسوو.

| قوه   | د قواو مرتسمه پرمحورونو باندې |                       | د قوی مومنت نظر د $A$ ونقطې ته |
|-------|-------------------------------|-----------------------|--------------------------------|
|       | x                             | y                     |                                |
| $F_1$ | 0                             | $F_1 = 100 \text{ N}$ | 0                              |
| $F_2$ | $100 \text{ N}$               | 0                     | $-F_2 a = 20 \text{ N.m}$      |
| $F_3$ | 0                             | $F_3 = 100 \text{ N}$ | $F_3 a = 20 \text{ N.m}$       |
| $F_4$ | $F_4 = 100 \text{ N}$         | 0                     | 0                              |

پرمحور باندې د عمده وکتور مرتسمه :

$$X_{pri} = \Sigma X_K = 200 \text{ N}$$

$$Y_{pri} = \Sigma Y_K = 200 \text{ N}$$

د عمده وکتور مودول

$$F_{pri} = \sqrt{(\Sigma X_K)^2 + (\Sigma Y_K)^2} = \sqrt{200^2 + 200^2} \cong 283 \text{ N}$$

د عمده وکتور لوری

$$\cos(F_{pri}, X) = \frac{\sum X_K}{F_{pri}} = \frac{200}{200\sqrt{2}} = \frac{\sqrt{2}}{2}$$

$$(F_{pri}, X) = 45^\circ$$

عمده مومنت نظر د A و نقطې ته

$$M_{pri} = \sum M_A(F_K) = -20 + 20 = 0$$

$$F_{pri} \neq 0; \quad M_{pri} = 0 \Rightarrow \Sigma F = F_{pri} \text{ محصله قوه}$$

محصله قوه د AC پر قطر باندې متوجه ده او مودول يې 283 N نيوتن دی .

که مو  $F_2$  او  $F_3$  د C و نقطې ته راليريدولي وای او بيامو د متواز الاضلاع د قاعدې سره سم جمع کړي وای او  $F_4$  او  $F_1$  مو هم په همدې ډول سره جمع کړي وای نو هغه وخت به دوي قوې د مربع پر قطر باندې متوجه وای چې په يوې محصلي قوې يې بدلولاى شو او مودول يې مساوي دی په :

$$R = \Sigma F = 2\sqrt{100^2 + 100^2} \cong 283 \text{ N}$$

#### 6.4 - د وارينون (وارينان) قضيه Pierre Varignon's Theorem

پير وارينون فرانسوي رياضي او ميخانيک پوه

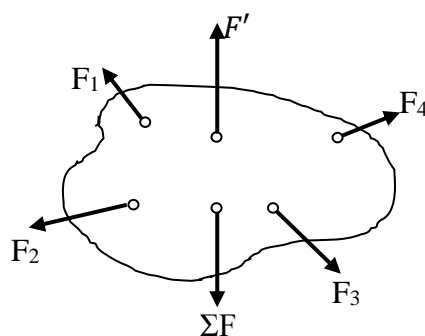
Pierre Varignon 1654...1722



د مستوي سيتسم د قواو د محصلي مومنت :

د محصله قوې مومنت په مستوي کې نظر وهرې نقطې ته مساوي دی د مرکبو قواو د مومنتونو په الجبري مجموعي سره نظر و دغې نقطې ته .

ثبوت :



شکل 6.6

د قواو مستوي سیستم  $F_1, F_2, F_3, F_4$  محصله قوه  $(\Sigma F)$  لري.

دغه سیستم و تعادل ته را ولو او هغه ته د  $F'$  متعاده قوه ورزیاتوو، نو د سناتیک د اکسیوم سره سم دا قوه باید په مودول سره د  $\Sigma F$  د قوی سره مساوي او پریوی مستقیمی کربنی باندي دهغي مخالف الجهته وي .

لکه څنگه چې سیستم په تعادل کې قرار لري ، نو هغه باید د تعادل دوه شرطه هم ولري ، یعنی عمده وکتور او عمده مومنت باید د صفر سره مساوي وي ، پدې صورت کې :

$$\Sigma M_O(F_k) + M_O(F') = 0$$

لکه چې  $F'$  او  $\Sigma F$  په مودول سره مساوي او پریوی مستقیمی کربنی باندي مخالف الجهته د  $d$  نو د هغوی مومنت نظروهرې نقطې ته هم په مودول سره مساوي او په علامې سره مخالف دی یعنی :

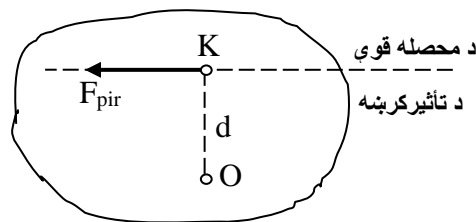
$$M_O(F') = -M_O(\Sigma F)$$

د دې قیمت په وضع کولو سره لروچې:

$$\Sigma M_O(F_k) - M_O(\Sigma F) = 0$$

$$M_O(\Sigma F) = \Sigma M_O(F_k) \dots (6.3)$$

دغه قضیه د «وارینون» لخوا (1725) ثابت شوي ده.



شکل 6.7

$$M_O(\Sigma F) = \Sigma F \cdot d$$

$$d = OK$$

$O$  - یوه کيفي نقطه

د واریون د قضیې پربنسټ د رافعي د تعادل شرایط :

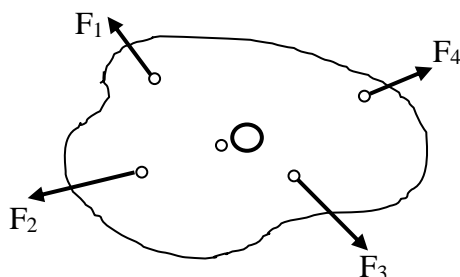
رافعه په یوه پراخ مفهوم سره هغه جامد جسم دی چې د غیر متحرک محور له څنگه سره څرخي او دهغو قواو تر تاثیر لاندې دی چې پرمحور باندي په عمودي مستوي کې واقع دي .

د رافعي د محور او د قواو د تاثیر د مستوي د تقاطع نقطه د اتکاء نقطه بلل کيږي .

پریوی رافعي باندي د  $F_1, F_2, F_3$  او  $F_4$  قوی چې د شکل په مستوي کې پرتې دي ، تاثیر کوي .

د  $O$  نقطه هم د اتکاء نقطه بولو .

د رافعي د تعادل لپاره بسنه کوي چې د ټولو واردو شوو قواو محصله قوه که چيري هغه شتون ولري ، د اتکاء د نقطې څخه تيره شي . پدې حالت کې دغه محصله قوه د اتکاء د عکس العمل د قوې پواسطه متعادلده کيږي .



شکل 6.8

دغه شرط په عين حال کې د رافعي د تعادل لپاره ضروري هم دی، ځکه که چيري محصله قوه د اتکاء د نقطې څخه تيره نه شي نو هغه به رافعه د دې نقطې پر شاوخوا را وڅرخوي، خو که محصله قوه د اتکاء د نقطې څخه تيره شي نو ده غې مومنت نظر و دې نقطې ته :

$$M_O(\Sigma F) = \Sigma M_O(F_k) = 0$$

کله چې د قوه ايز سيستم عمده وکتور مساوي په صفر سره شي او له دې کبله سيستم ويوې جوړې ته را وړل شي، نود دې څرخ د له منځه وړلو لپاره د محصلې جوړې مومنت چې د ټولو قواو په مومنتونو سره نظر وهرې نقطې ته مساوي دی ، هم بايد د صفر سره مساوي شي .

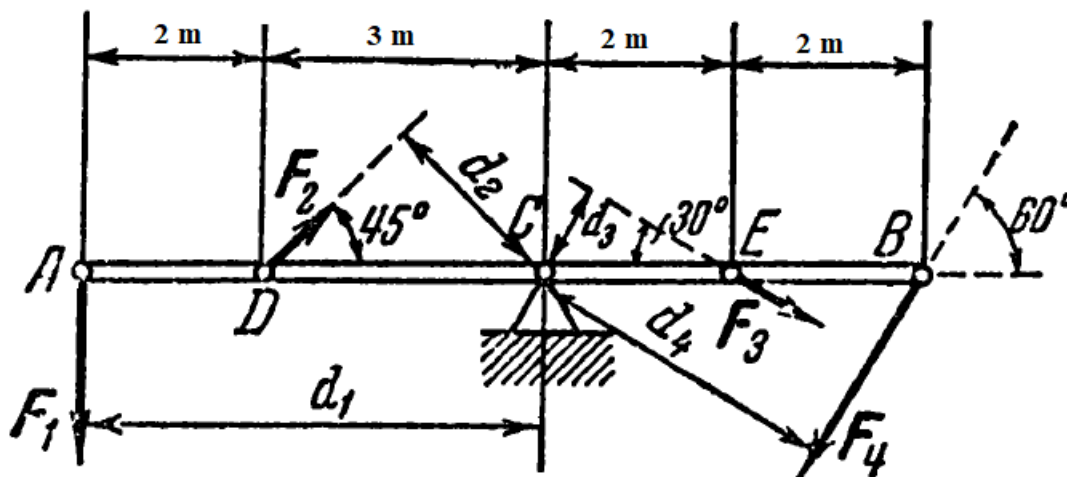
لدي ځايه څخه معلومېږي چې :

د رافعي د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې پر رافعي باندي د ټولو وارده قواو د مومنتونو الجبري مجموعو نظر د اتکاء و نقطې ته مساوي په صفر سره شي .

**مثال :**

د AB رافعه چې کولای شي د ساکن محور پر شاوخوا چې د C نقطې څخه تيريږي وڅرخي ، د  $F_1$  ،  $F_2$  ،  $F_3$  او  $F_4$  قوه ايز سيستم تر تاثير لاندې چې د شکل سره سم پر هغې تاثير کوي ، په تعادل کې واقع ده .

د  $F_4$  قوې مودول پيدا کړئ که چيري  $F_1 = 50\text{ N}$  ;  $F_2 = 20\text{ N}$  ;  $F_3 = 30\text{ N}$  وي؟



شکل-6.9

حل :

د  $F_4$  قوي مودول د رافعي د تعادل د شرايطو څخه معلوميدای شي:

$$\Sigma M_C(F_k) = F_1 \cdot d_1 - F_2 \cdot d_2 - F_3 \cdot d_3 - F_4 \cdot d_4 = 0$$

د مرکزیه توگه سره د  $C$  د اتکاء نقطه نيسو .

د شکل څخه وینو چې

$$d_1 = AC = 5 \text{ m} ; d_2 = DC \cdot \sin 45^\circ = (3)0.707 = 2.12 \text{ m} ;$$

$$d_3 = CE \cdot \sin 30^\circ = (2)0.5 = 1 \text{ m}$$

$$d_4 = CB \cdot \sin 60^\circ = (4)0.866 = 3.46 \text{ m}$$

د دي قيمتونو په وضع کولوسره لرو چې :

$$50.5 + (-20(2.12)) + (-30.1) - F_4 \cdot 3.64 = 0$$

$$F_4 = \frac{250 - 42.4 - 30}{3.64} = 40.4 \text{ N}$$

### 6.5 - د کيفي مستوي قوه ايزسيستم د تعادل د معادلو مختلف شکلونه

#### Arbitrary Forces system in a plane. Categories of Equilibrium

لکه چې پوهيرو د کيفي مستوي قوه ايزسيستم د تعادل لپاره ضروري اوکافي ده چې د هغه عمده وکتور او عمده مومنت د صفر سره مساوي شي .

د دي سيستم د تعادل دري ډوله معادلي شته دي :

لومړی شکل (اساسي شکل):

د عمده وکتور او عمده مومنت د مودول څخه لرو چې :

$$F_{pri} = \sqrt{(\Sigma X_K)^2 + (\Sigma Y_K)^2}$$

$$M_{pri} = \Sigma M_O(F_K)$$

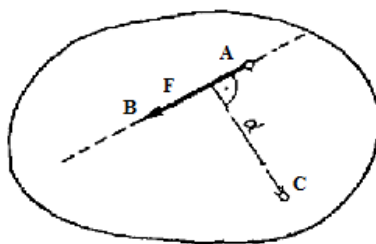
نو  $F_{pri}$  او  $M_{pri}$  هغه وخت په صفر سره مساوي کيدای شي چې دا مساواتونه تحقق ولري:

$$\Sigma M_O(F_K) = 0 ; \quad \Sigma F_x = \Sigma X_K = 0 ; \quad \Sigma F_y = \Sigma Y_K = 0 \dots (6.4)$$

دوهم شکل : د درو مومنتو په هکله قضيه

دکيفي مستوي قوه ايزسيستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې د درو مومنتو الجبري مجموعه نظروهر و درو نقطو ته چې په يوې مستوي کې واقع وي ، ولي پريوي مستقيمي کرښې باندې پرتې نه وي، په صفر سره مساوي شي.

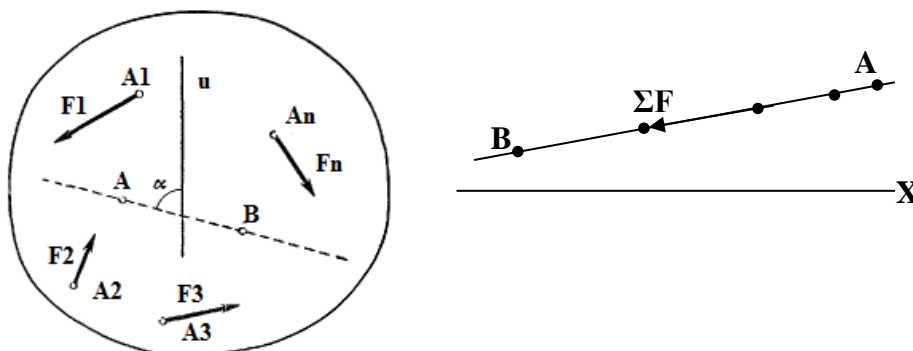
$$\Sigma M_A(F_k) = 0 ; \quad \Sigma M_B(F_k) = 0 ; \quad \Sigma M_C(F_k) = 0 \dots (6.5)$$



شکل 6.10

د A ، B او C نقطې بايد پريوې مستقيمي کرښې باندې واقع نه وي ، نولدي کبله د محصله قوې د تاثير کرښه هم نشي کيدای چې د دې درو نقطو څخه تيره شي .

دريم شکل : په مستوي کې په کيفي ډول سره د پراته قوه ايز سيستم د تعادل لپاره ضروري اوکافي ده چې د ټولو قواو د مومنتونو الجبري مجموعه نظرد مستوي و هرو دوو کيفي نقطو ته او د ټولو قواو د مرتسمو مجموعه پريوې محور باندې چې په همدې مستوي کې واقع وي ولي پر هغې مستقيمي کرښې باندې عمود نه وي چې د مومنتونو د مرکزونو په توگه ټاکل شوي ده ، په صفر سره مساوي شي .



شکل 6.11

د AB کرښه X يا ( u ) پر محور باندې عموده نه ده .

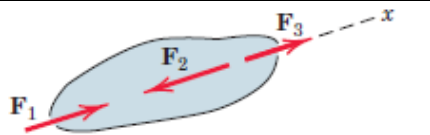
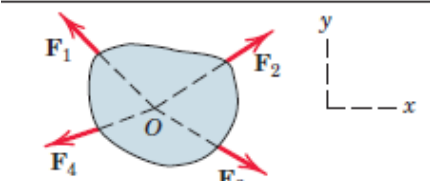
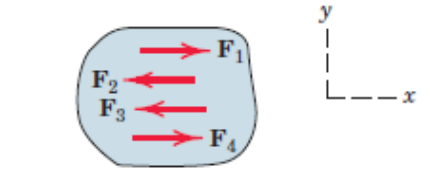
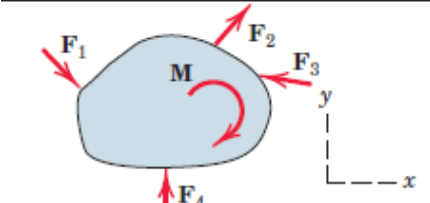
$$\Sigma M_A(F_k) = 0 \quad ; \quad \Sigma M_B(F_k) = 0 \quad ; \quad \Sigma F_x = \Sigma X_k = 0 \quad \dots (6.6)$$

ولي پدې حالت کې د  $\Sigma F$  مرتسمه د x پر محور باندې چې پر هغه باندې عموده نه ده ، نشي کيدای چې صفر شي. شکل ته دې وکتل شي . خودا بيا د شرايطو سره په ضدیت کې ده چې وايي  $\Sigma F_x = 0$  بايد صفر شي، نولدي امله محصله قوه  $\Sigma F$  پدې شرايطو کې هرو مرو بايد د صفر سره مساوي شي او نو ځکه سيستم به په تعادل کې واوسي :

$$\Sigma F_{xi} = 0 = F_{pri} \cdot \cos(x, F_{prix})$$

$$\cos(x, F_{prix}) \neq 0; (\cos \alpha \neq 0)$$

ځکه چې ox ( ou ) پر AB باندې عمود نه دی .

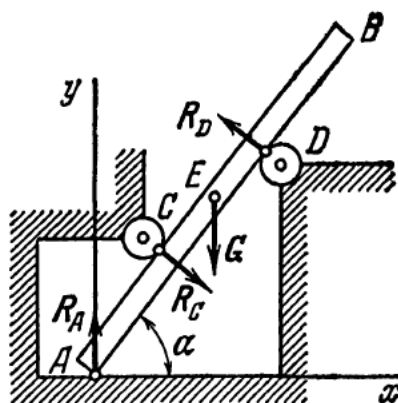
| په مستوي کې د قوه ايز سيستمونو د تعادل معادلې او شيما گانې |  |  |
|--|--|--|
| Cotegories of equilibrium in two dimension                 |  |  |
| آزادي معادلې   | د قوه ايز سيستم شيما   | قوه ايز سيستم                                      |
| $\sum F_x = 0$   |   | پر يوې کرښې باندې پرتې قوې<br>Collinear            |
| $\sum F_x = 0$<br>$\sum F_y = 0$                           |   | په يوه نقطه کې متلاقي قوې<br>Concurrent at a point |
| $\sum F_x = 0$<br>$\sum M_z = 0$                           |   | موازي قوې<br>Parallel                              |
| $\sum F_x = 0; \sum F_y = 0$<br>$\sum M_z = 0$             |  | کيفي قوې<br>General                                |

مثال:

د  $AB$  يومتجانس گادرچي اوږدوالی يې درې متره او وزن يې  $G = 300N$  دی د  $A$  په انجام کې پر هوارې افقي مستوي باندې د  $\alpha = 60^\circ$  زاويې لاندې د  $C$  او  $D$  په نقطو کې د دوو روليکونو له لارې تکیه لري.

د گادر د فشار قوې پر مستوي او روليکونو باندې معلومي کړئ

که چيرې  $AC = CD = DB = 1m$  وي؟



حل:

د گادر د فشار قوه به پرروليکونو باندې په مودول سره

د عکس العمل د قواو سره مساوي وي.

شکل 6.12

دهواري مستوي عکس العمل به د A په نقطې کې

پرگادر باندې عمود وي. د  $R_C$  او  $R_D$  قوي که چېرې د اصطکاک د قوي څخه تير شو د گادر پر سطحه باندې به هم عمودي وي. د ACD ارتباطاتو څخه گادر خلاصوو او د هغوی عکس العمل د قواو له لارې بڼيو او د گادر تعادل تر مطالعې لاندې نيسو.

پرگادر باندې د  $R_A$ ،  $R_C$ ،  $R_D$  او  $G$  قوي تاثير کوي. د گادر د ثقل په مرکز کې دهغه وزن د E په نقطې کې دی

د x او y محورونه د شکل سره سم غځوو او د مومنتونو د مرکز په توگه سره د A نقطه نيسو او د ټولو قواو د مرتسمو مجموعو د x او y پرمخوونو باندې او همدارنگه د ټولو قواو د مومنتونو مجموعه نظر د A ونقطې ته نيسو:

$$\Sigma F_x = 0 \Rightarrow R_C \cdot \sin \alpha - R_D \cdot \sin \alpha = 0$$

$$\Sigma F_y = 0 \Rightarrow -G + R_A - R_C \cdot \cos \alpha + R_D \cdot \cos \alpha = 0$$

$$\Sigma M_A(F_i) = 0 \Rightarrow G \cdot \frac{AB}{2} \cdot \cos \alpha - R_C \cdot AC + R_D \cdot AD = 0$$

$$1) \Rightarrow R_C = R_D$$

$$2) \Rightarrow R_A = G = 300 \text{ N}$$

د  $G$ ،  $AB$ ،  $AC$ ،  $AD$  او  $\alpha$  د قيمتونو په وضع کولو سره لرو چې:

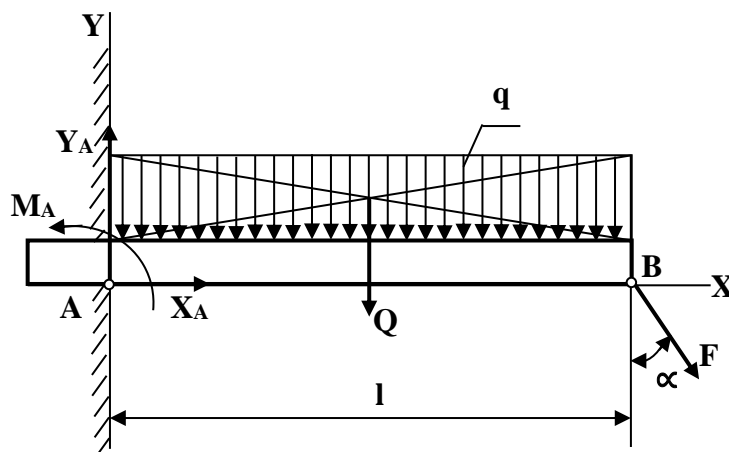
$$R_C = R_D = 225 \text{ N}$$

مثال:

د AB ميله د شکل سره سم د قواو تر تاثير لاندې ده پرتولي ميلي باندې د تقسيم شوي قوي شدت  $q = 20 \text{ N/m}$  دی.

د ميلي اوږدوالي  $l = 2 \text{ m}$ ، د B په نقطې کې متمرکزه قوه  $F = 40 \text{ N}$  د  $\alpha = 30^\circ$  زاويې لاندې نظرو عمود ته وکښتي خواته متوجه ده، تاثير کوي.

د کلکي او محکمي اتکاء د عکس العمل قوي پيدا کړي، د ميلي دوزن څخه تير يرو



شکل 6.13

حل :

د میلی تعادل مطالعه کوو، د فعالی قوی محصله  $Q = q.l = 20.2 = 40 N$  او دمیلی په منخی برخه کی تاثیرکوي

بله د  $F$  متمرکز قوه ده چې 40 نیوتن ده .

د  $A$  په نقطې کی میله محکمه اوکلکه تزل شوي ده چې د میلی خطي د خای بدلون او د  $A$  نقطې پر شاوخوا یې د هغې راخرخیدل ناممکن کړي دي .

د دې ډول قوی عمل د یوې قوی  $R_A$  او یوې جوړې د تاثیر سره معادل دی .

د دې جوړې د خرخیدلو جهت تراوسه پورې مور ته معلوم نه دی ، داسې یې بولو چې مومنت مثبت دی یعنی د ساعت د عقربې مخالف جهت ته میله خرخوي ، که د مسئلې د حل په بهیر کې د دې مومنت عددی قیمت منفي پیدا کړو نومعنی یې داده چې خبره پر عکس ده اوز مور اټکل پدې هکله سم نه ؤ .

په همدې ډول سره د  $R_A$  عکس العمل قوی جهت هم له مخکې څخه مور ته نه دی معلوم ، نوهغه پردوو مرکبو  $X_A$  او  $Y_A$  باندي تجزیه کوو .

نو پدې ډول دامیله د  $Q$  ،  $F$  ،  $X_A$  ،  $Y_A$  او یوې جوړې چې مومنت یې  $M_A$  دی ، تر تاثیر لاندې په تعادل کی ده :

$$\Sigma X_K = X_A + F \sin \alpha = 0$$

$$\Sigma Y_K = Y_A - Q - F \cos \alpha = 0$$

$$\Sigma M_A(F_K) = M_A - Q \cdot 0.5 l - F l \cos \alpha = 0$$

د دې معادلو په حلول سره لروچي :

$$X_A = -F \cdot \sin \alpha = -20 N$$

$$Y_A = Q + F \cdot \cos \alpha = 74.6 N$$

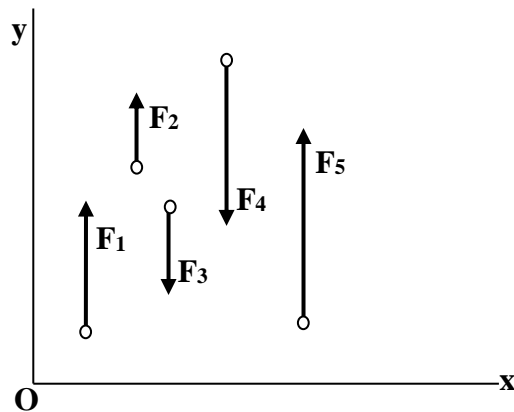
$$M_A = Q \cdot \frac{l}{2} + F \cdot l \cdot \cos \alpha = 109.3 N \cdot m$$

د  $X_A$  منفي قیمت دا راښيي چې په حقیقت کې دهغې جهت وکیني خواته متوجه دی او زموږ اټکل پدې هکله ناسم و خوت

## 6.6- د موازي قواو د مستوي سیستم د تعادل معادلي

### Equalibirum Equation of Parallel Forces system in a plane

د موازي قواو مستوي سیستم په مستوي کې په کافي ډول سره د پرتو قواو یوځانگړی حالت دی نوځکه د تعادل معادلي یې هم په دې ډول دی :



شکل 6.14

$$\Sigma F_x = \Sigma X_k = 0 ; \quad \Sigma F_y = \Sigma Y_k = 0 ; \quad \Sigma M_O(F_k) = 0$$

د دي مطلب په نظر کې نيولوسره چې محورونه په هر ډول سره چې زموږ خوښه وي په مستوي کې ځای پر ځای کولای شو، نو د y محور د قواو سره موازي او د x محور پر هغوی باندې عمود غځوو.

هره قوه چې پر x محور باندې عموده ده نو مرتسمه يې هم پر هغه باندې صفر ده ، يعنې

$$\Sigma F_x = \Sigma X_k = 0$$

دا مساوات تحقق لري او په دي پورې اړه نه لري چې سيستم په تعادل کې دی او که نه .

لکه څنگه چې ټولې راکړل شوي قوې د y د محور سره موازي دي نو د هغوی مرتسمې به پر دي محور باندې د دوی د مودول سره د مثبتې او يا منفي علامې په نظر کې نيولوسره ، مساوي وي يعنې  $\Sigma F_y = \Sigma Y_k = \Sigma (\pm F_k)$

نو پدې ډول سره د موازي قواو د مستوي سيستم د تعادل معادلې لاندې شکل غوره کوي :

$$\Sigma (\pm F_k) = 0 ; \quad \Sigma M_O(F_k) = 0 \dots (6.7)$$

د موازي قواو د مستوي سيستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې د ټولو قواو او د ټولو مومنتونو الجبري مجموعه نظروهرې نقطې ته چې د قوې د تاثير په مستوي کې پرته وي، مساوي په صفر سره شي .

د دي سيستم د تعادل معادلې په دي ډول دي :

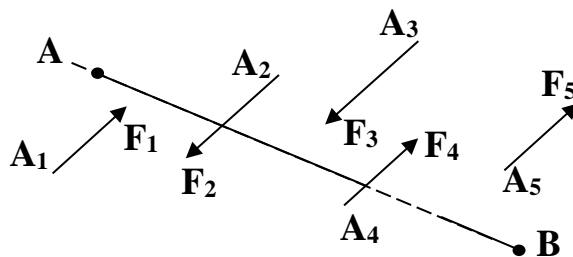
$$\Sigma M_A(F_k) = 0$$

... (6.8)

$$\Sigma M_B(F_k) = 0$$

د موازي قواو د مستوي سيستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې د ټولو قواو د مومنتونو الجبري مجموعه نظروهرې دوو نقطو ته چې په کيفي ډول سره ټاکل شوي وي ولې پر يوې مستقيمي کرښې چې د دي قواو سره موازي وي ، نه وي پرته ، په صفر سره مساوي شي .

د AB کرښه بايد د قواو سره موازي نه وي . دا حالت د دي بنسکارندويي کوي چې قوې وجوري ته نه شي راورل کيدای اونه هم و محصله قوې ته راورل کيږي، ځکه چې د محصله قوې د تاثير کرښه چې د قواو سره موازي ده ، نه شي کولای چې د A او B له نقطو څخه تيره شي .



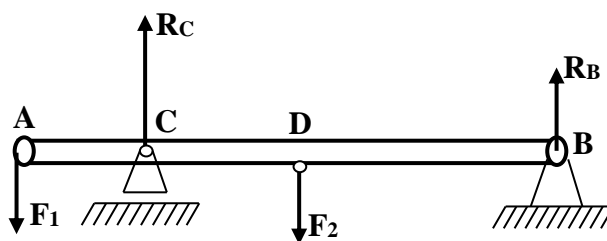
شکل 6.15

مثال :

د AB پرافقی میلی باندي چې د B په نقطې کې غیر متحرکه او د C په نقطې کې متحرکه اتکاء لري ، د A په نقطې کې عمودي قوه  $F_1 = 6 \text{ kN}$  او د D په نقطې کې  $F_2 = 4 \text{ kN}$  ، تاثیرکوي .

د اتکاء دنقظو دعکس العمل قوي پيدا کړی که چيري

$$AC = 1.2 \text{ m} ; CD = 0.9 \text{ m} ; DB = 2.1 \text{ m}$$



شکل 6.16

حل :

د  $R_C$  عکس العمل قوه د مفصل د اتکاء پرمستوي باندي عموده واقع ده او د فعالو قواو يعني  $F_1$  او  $F_2$  سره موازي ده. د  $R_B$  د غیر متحرکي اتکاء د عکس العمل قوي جهت تراوسه پوري مورته نه دی معلوم ولي ميله د فعالو او عکس العمل قواو تر تاثیر لاندي په تعادل کې ده . د موازي قواو  $F_1$  ،  $F_2$  ،  $R_C$  ،  $F_1$  ،  $F_2$  سيستم کيدای شي يوازي په موازي قوي سره متعادل شي يعني د B نقطې دعکس العمل قوه هم عمودي ده.

نود  $F_1$  ،  $F_2$  ،  $R_C$  او  $R_B$  څلور واړه قوي بايد په مستوي کې د موازي قواو د تعادل دوه شرطه پرخای کړي، د ټولو قواو د مومنو الجبري مجموعه نظرويوي نقطې ته بايد پيدا کړو ، اسانه لاره دا ده چې د مرکز په توگه سره يوه د اتکاء د نقطو څخه مثلاً د C نقطه ونيسو :

$$\sum M_C(F_K) = F_1 AC + R_C 0 - F_2 CD + R_B CB = 0$$

له دې ځايه څخه لرو چې :

$$R_B = \frac{F_2 CD - F_1 AC}{CB} = \frac{(4)0.9 - (6)1.2}{3} = -1.2 \text{ kN}$$

د  $R_B$  قوي منفي عددي قيمت د دې بنکارندوی دی چې دا قوه اصلاً وکينتي خواته متوجه ده او زموږ اټکل دهغي د جهت په هکله سم نه ؤ .

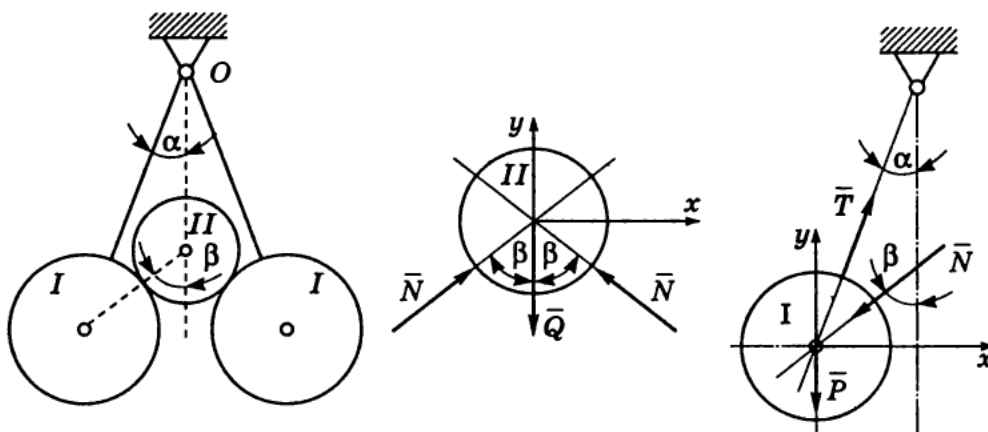
د اتکاء د هغې بلې نقطې يعني د C د عکس العمل قوه پدې ډول سره پيدا کړو چې د ټولو قواو مومنت نظري نقطې ته يعني B ته نيسو ، او يا دا چې د ټولو قواو الجبري مجموعه پيدا کړو:

$$\Sigma(\pm F_K) = -F_1 + R_C - F_2 + R_B = 0$$

$$R_C = F_1 + F_2 - R_B = 6 + 4 - (-1.2) = 11.2 \text{ kN}$$

مثال:

دوه يو ډول سلنډره I چې وزن يې P دی د O په نقطې کې ځړول شوي دي . د دوی ترمنځ د II سلنډر واقع دی چې وزن يې Q دی او سيستم په تعادل کې دی . د I سلنډرونه نه شي کولای يود بل سره ونښلي . د  $\alpha$  زاويې چې د تار په واسطه د عمود سره جوړيږي او  $\beta$  زاويې چې د هغې مستقيمي کرنيې په واسطه جوړيږي چې د I او II سلنډرونو د مرکز څخه تيريږي ، ترمنځ اړيکه پيدا کړی؟



شکل 6.17

حل:

د II سلنډر د تعادل معادله د y پرمحور باندې د مرتسمو له لارې ليکو:

$$2N \cdot \cos \beta - Q = 0$$

د I سلنډر د تعادل معادله د x او y پرمحورونو باندې د مرتسمو له لارې ليکو:

$$T \sin \alpha - N \sin \beta = 0$$

$$T \cos \alpha - N \cos \beta = P$$

د دې درو معادلو په يوځای حل کولو سره لرو:

$$T \sin \alpha = \frac{Q}{2} \tan \beta$$

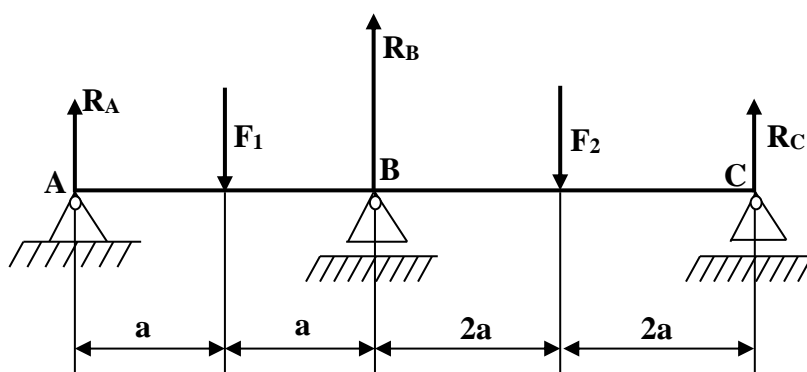
$$T \cos \alpha = \frac{2P + Q}{2}$$

$$\operatorname{tg} \beta = \left(1 + \frac{2P}{Q}\right)$$

### 6.7 - سناتيکي تاکلي اونا تاکلي مسنلي

#### Statically determinate and indeterminate problems

پر جسمونو باندې قوې په مختلفو شکلونو سره تاثیر کوي .



شکل 6.18

دهغوی لپاره د تعادل وضع کرل شوي معادلې دا امکان پلاس را کوي چې دهر حالت لپاره یومعین شمیر آزادي معادلې تشکیلې کړو .

دغه معادلې پر هغه جسم باندې چې د قواو تر تاثیر لاندې او په تعادل کې واقع دی ، معین شرایط وضع کوي .

مورکولای شو پرمخوړونو باندې د قواو د مرتسمو د پیدا کولو لارې او همدابول د مومنتونو په پیدا کولو سره نظر ومختلفو مرکزونو ته ، په هر شمیر معادلې چې وغواړو ، تشکیلې کړو ، خو د هغوی څخه یوازې او یوازې د مستوي سیستم د عمومي حالت لپاره او د قواو د موازي مستوي سیستم لپاره ، دوي معادلې آزادي دي .

هغه څه چې پورته مو ولیکل د لاندې مثال په ترڅ کې یې تشریح کوو:

د ABC په متجانسي افقي میلی کې چې پردرو اتکاوو باندې پرته ده ، ددې نقطو د عکس العمل قوې باید پیدا شي .

داتکا د عمودي قواو موقعیت په شکل کې بنودل شوی دی ،  $F_1 = F_2 = F$  همدرانگه ویلای شو چې ددې درو اتکاوو د نقطو د عکس العمل قوې هم عمودي موقعیت لري . پدې ډول سره میله د  $R_A$  ،  $R_B$  ،  $R_C$  او موازي قواو تر تاثیر لاندې په تعادل کې واقع ده .

دموازي قواو دمستوي سیستم د تعادل د شرایطو څخه یوه هم دا معادله ده :

$$\Sigma(\pm F_K) = R_A - F + R_B - F + R_C = 0$$

$$R_A + R_B + R_C = 2F \dots (I)$$

د تعادل دوهم شرط به داسې وي چې د ټولو قواو مومنتونه نظر یوه مرکز ته چې د قوې د تاثیر په مستوي کې واقع دی ، مساوي په صفر سره شي یعنی :

$$\Sigma M_A(F_K) = -Fa + R_B 2a - F 4a + R_C 6a = 0$$

$$2R_B + 6R_C = 5F \dots (II) \text{ يا}$$

$$\Sigma M_B(F_K) = -R_A 2a + Fa - F 2a + R_C 4a = 0$$

$$-2R_A + 4R_C = F \dots (III) \text{ يا}$$

$$\Sigma M_C(F_K) = -R_A 6a + F 5a - R_B 4a + F 2a = 0$$

$$6R_A + 4R_B = 7F \dots (IV) \text{ يا}$$

د دي معادلو او (I) معادلي د ظاهري تغير سره سره ، د دي څلورو معادلو څخه مستقيلي معادلي يوازې دوي دي .

په رښتيا سره هم د (II) معادلي څخه که د (III) معاله منفي کړو او په لاس راغلي مساوات پر دوو باندې اختصار کړو، نو بيرته به (I) معادله په لاس را وړو .

که چيري (II) او (IV) معادلي سره جمع کړو او وروسته په لاس راغلي مساوات پر 6 باندې اختصار کړو نو بيا به هم (I) معادله په لاس راشي .

په همدې ډول سره (III) او (IV) معادلي که سره جمع کړو او په لاس راغلي مساوات پر 4 باندې اختصار کړو بيا به هم (I) معادله په لاس راشي .

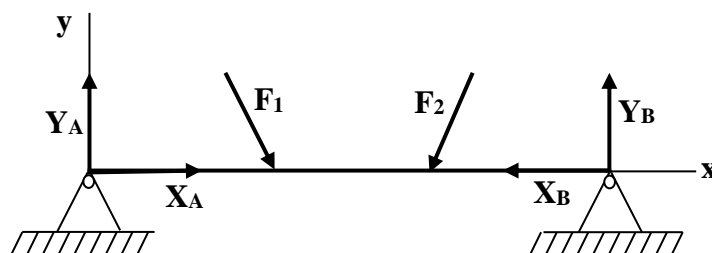
پدې مثال کي مورته د «3» عکس العمل قواو مودول هم معلوم دی .

د دي څخه دامعلوميري چي په مسئلي کي د مجهولوشميره د تعادل د خپلواکو معادلو د شميري څخه چي د جامد جسم ستاتيک يي وړاندې کوي، زياته ده اود دي معادلو په مرسته دا مثال نشي حل کيدای .

هغه مسئلي چي په هغوکي د مجهولو کميتونو شميره د تعادل د مستقلو معادلو تر شميري چي د جامد جسم ستاتيک يي د دي ډول قواو د وقوع د حالت لپاره وړاندې کوي ، زياته نه وي ، د ستاتيکي معينو مسئلو په نامه بلل کيري .

او که پر عکس وي نو دامسئلي دستاتيکي غير معينو مسئلو په نامه سره ياديري .

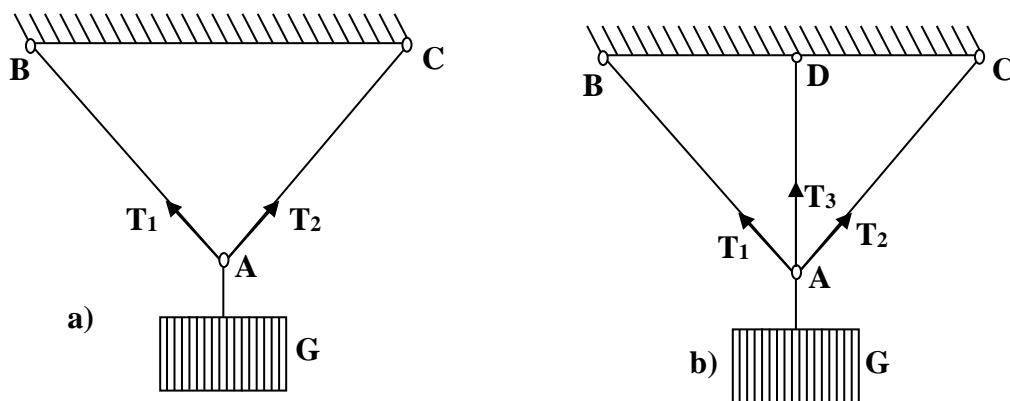
دستاتيکي ناپاکلو مسئلو دجملي څخه نه يوازې دمتجانسي ميلي چي پر 3 اوبيا ديرو اتکاوو باندې واقع وي بلکي مثلاً هغه ميلي هم شاملې دي چي پر دوو غير متحرکو مفصلي اتکاوو باندې واقع وي او قوي پداسي ډول سره تاثير کوي چي د ميلي پر محور باندې عمودي نه وي .



شکل 6.19

د هغومجهولو کمیتونو شمیر چې د دې ډول میلو د عکس العمل قوې تعینوي «4» دی . خو په مستوي کې په کيفي ډول سره پرتو قواو د سیستم د تعادل لپاره د سناتيک معادلي «3» دي .

که چیرې یو جسم په دوو تارونو AB او AC باندې خړول شوی وي ، نومورکولای شو چې د  $T_1$  او  $T_2$  تارو کشش د A د نقطې د تعادل په مطالعه کولو سره معلوم کړو ( شکل a )



شکل 6.20

درې قوې  $T_2$  ،  $T_1$  ،  $G$  چې دهغوی څخه یوازې  $T_1$  او  $T_2$  معلومي دي باید د متلاقي مستوي سیستم د تعادل دوه شرطه پرځای کړي . پدې ډول سره د نامعلومو کمیتونو شمیره 2 او د معادلو شمیره هم 2 ده نوځکه دا مثال سناتيکي معینه مسئله ده .

خوکه چیرې دغه جسم د شکل سره سم په درو تارونو باندې چې په یوې مستوي کې واقع وي ، وځړول شي نو د A نقطه به د 4 متلاقي قواو  $T_3$  ،  $T_2$  ،  $T_1$  ،  $G$  تر تأثیر لاندې په تعادل کې وي نوپدې حالت کې نامعلومې قوې چې په مودول سره مساوي دي ، درې دي خو د متلاقي مستوي سیستم دمستقلو معادلو شمیره یوازې 2 ده . نو پدې ډول سره د مجهولو کمیتونو شمیره د سناتيک د معادلو د شمیرې څخه زیاته ده او نوځکه دامسئله سناتيکي نامعینه مسئله ده .

د سناتيکي ناکلو مسئلو د حل میتودونه «د موادو مقاومت او میخانيک» په مضمون کې مطالعه کړي .

## 6.8- کنټرولي پوښتنې

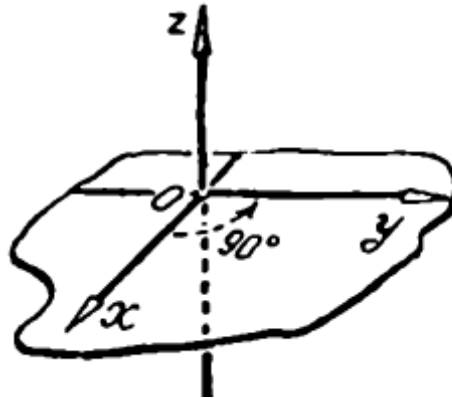
1. د پوانسو میتود په مستوي کې د قوې راورل و یوه مرکز ته تشریح کړئ؟
2. د پوانسو د میتود تطبیق: عمده وکتور او عمده مومنت یعنې څه؟
3. د دې میتود لومړی او دوهم حالت واضح کړئ؟
4. د هغه دریم او څلورم حالت تشریح کړئ؟
5. د واریون قضیه او د هغې پر بنسټ د رافعي د تعادل شرایط تشریح کړئ؟
6. د مستوي کيفي قوه ایز سیستم د تعادل د معادلو مختلف شکلونه کوم دي؟
7. د موازي قواو سیستم د تعادل معادلي کومې دي؟
8. سناتيکي ټاکلي او نا ټاکلي مسئلي یعنې څه؟

## اووم فصل

## د قواو فضايي سيستم System of Forces in space

## 7.1 - په فضاكي د نقطې كاردينات

په فضاكي د نقطې موقیعت کولای شو چې د دیکارت قائم الزاویه کارديناتي سيستم په مرسته يې پيدا کړو او بايد لکه په مستوي کې دوه محوره نه، بلکه درې متقابلاً عمود محورونه وښيو.  $x$ - د فاصلي محور د لاتين څخه *abscissus* يعني پرې کرل شوی،  $y$ - د ترتيب محور د لاتين څخه *ardinated* يعني ترتيب شوی او  $z$ - د اپليکات محور د لاتين څخه *applicata* يعني وارد کرل شوی (پر دوو نورو محورو باندې). دغه محورونه د يوي نقطې څخه چې د کاردينات پیل (O) بلل کيږي، تيريري، هغه پدې ډول چې هر دوه محورونه يو پر بل باندې عمود وي.



7.1 شکل

د O نقطه پر هر محور باندې د محاسبې نقطه بلل کيږي. د محور لوری او جهت معمولاً داسې ټاکي چې که چيرې  $x$  نظر و  $y$  ته پر 90 درجې زاويې باندې د ساعت د ستنې مخالف را وگرځول شي، او هغه ته د  $z$  د نیمه محور د مثبتې خوا څخه وکتل شي، نو  $x$  مثبت نیمه محور د  $y$  د نیمه محور د مثبت لوري سره سمون ولري.

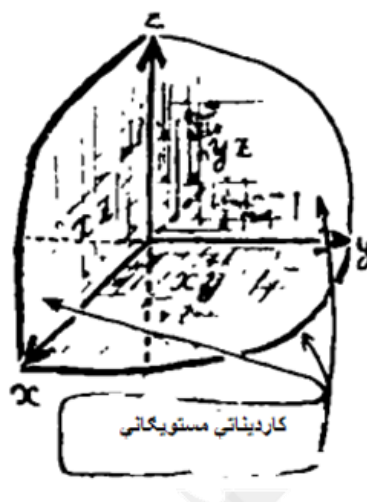
په فضاكي د کارديناتي محورونو څخه پرته آسانه داده چې کارديناتي مستوي گانې وکتل شي، يعني هغه مستوي گانې چې د دوو محورونو څخه تيريري.

د  $xy$  مستوي چې د  $x$  او  $y$  څخه تيريري د هغو ټولو نقطو مجموعه ده چې د  $(x, y, 0)$  په ډول وي. دلته  $x$  او  $y$  کيفي عددونه دي.

د  $xz$  مستوي چې د  $x$  او  $z$  څخه تيريري او د هغو ټولو نقطو مجموعه ده چې د  $(x, 0, z)$  په ډول وي.

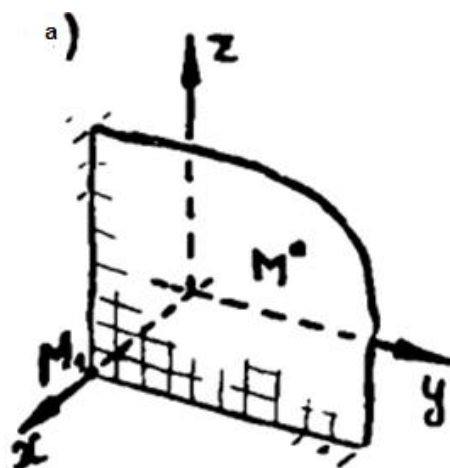
د  $yz$  مستوي چې د  $y$  او  $z$  محورونو څخه تيريري او د ټولو هغو نقطو مجموعه ده چې د  $(0, y, z)$  په ډول وي. دلته هم  $x$  او  $y$  کيفي عددونه دي.

اوس نو د هرې  $M$  نقطې لپاره په فضاكي کولای شو، درې عدد  $x, y, z$  او چې د هغې کاردينات جوړوي، پيدا کړو.



شکل 7.2

د لومړي عدد د پیدا کولو لپاره د  $M$  د نقطې څخه یوه مستوي تیروو چې د  $yz$  د کار دیناتي مستوي سره موازي وي. (تیره کرل شوي مستوي په عین وخت کې د  $x$  پر محور باندې عموده وي). د دې مستوي او  $x$  محور د تقاطع نقطه به پر دې محور باندې د  $x$  کار دینات وي. (په شکل کې د  $M_1$  نقطه). د  $x$  عدد د  $x$  پر محور د  $M_1$  د نقطې کار دینات بلل کېږي.



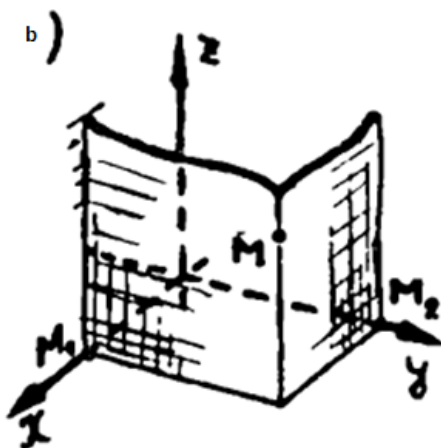
شکل 7.3

د دوهم کار دینات د پیدا کولو لپاره د  $M$  تر نقطې داسې مستوي تیروو چې د  $xz$  د مستوي سره موازي وي (د  $y$  پر محور باندې عموده وي)، د  $y$  پر محور باندې د  $M_2$  نقطه پیدا کوو.

د  $y$  عدد د  $y$  پر محور باندې د  $M_2$  نقطې کار دینات بلل کېږي چې د ترتیب محور په نامه سره یادېږي.

په همدې ډول سره د  $M$  نقطې څخه داسې مستوي تیروو چې د  $xy$  د مستوي سره موازي وي. (د  $z$  پر محور باندې عموده وي).

د  $z$  عدد پیدا کوو چې د  $z$  پر محور باندې د  $M$  نقطې کار دینات دي. دغه د  $z$  عدد د  $M$  د نقطې آپلیکات بلل کېږي.



شکل 7.4

نو پدي ډول سره مور د فضا و هري نقطې ته درې ټاکلي عددونه کښيښودل چې د فاصلې د محور، د ترتيب د محور او د آپليکات محور په نامه سره ياديري.

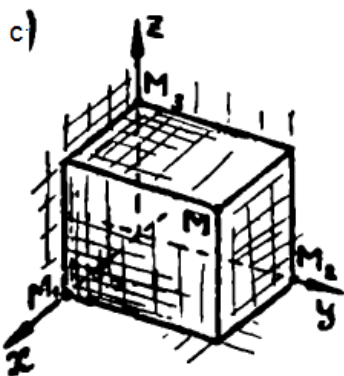
که خبره پر عکس وي نو د هرو درو عددونو لپاره (لومړی د  $x$ ، بيا  $y$  او بيا  $z$  لپاره) کولای شو چې په ترتيب سره يوه ټاکلي نقطه په فضا کې کښيږدو.

د دې لپاره بايد د ترسيم لوره قاعده په کارواچول شي، خو د آخر څخه بايد پيل شي، يعنې پر محور باندې د  $M_2M_1$  او د  $M_3$  نقطې چې پر دغو محورونو باندې په ترتيب سره د  $x$ ،  $y$  او  $z$  کاردينات لري، په نښه کړو او وروسته تر دغو نوموړو نقطو داسې مستوي گانې تيري کړو چې د کاردينا تي مستوي گانو سره موازي وي.

د دې مستوي گانو د تقاطع نقطه به همغه مطلوبه  $M$  نقطه پلاس راکري.

لکه چې ليدل کيږي د  $x$ ،  $y$  او  $z$  عددونه به د همدې نقطې کاردينات وي.

نو پدي ډول سره په فضا کې د نقطو ترمنځ په ترتيب سره متقابلې همږغي د درو گونو عددونو پواسطه چې د دې نقطو کاردينات بلل کيږي، وضع شوي ده.



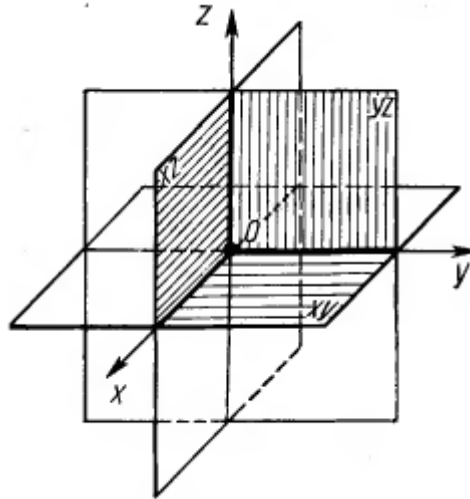
شکل 7.5

## 7.2- په فضا کې د يکارت کاردينا تي سيستم او وکتور

د  $x, y, z$  يو پر بل باندې عمود محورونه چې په يوه  $O$  نقطه کې سره قطع کړي را اخلو. د دې هرو دوو يو پر بل باندې عمودي محورونو څخه مستوي تيروو.

هغه مستوي چې د  $x, y$  مستقیمو کرښو څخه تیرېږي، د  $xy$  یا  $Oxy$  مستوي بلل کېږي.

دوې نورې مستوي ګانې په ترتیب سره د  $xz$  او  $yz$  مستوي ګانو په نامه سره یادېږي. د  $x, y, z$  مستقیمې کرښې، کارډیناتي محورونه بلل کېږي، د دوی د تقاطع نقطه  $O$  د کارډینات پیل بلل کېږي، د  $xy, yz, xz$  مستوي ګانې د کارډیناتي مستوي ګانو په نامه سره یادېږي.



شکل 7.6

د  $O$  نقطه د کارډینات هر محور پر دوو نیمه مستقیمو-نیمه محورونو باندې ویشي چې موربه هغه په شرطې ډول سره مثبت او منفي نیمه محورونه وپولو.

اوس نو د  $A$  یوه کيفي نقطه تر کتنې لاندې نيسواو تر هغې یوه داسې مستوي تیروو چې د  $yz$  د مستوي سره موازي وي. (کښته 7.7 شکل).

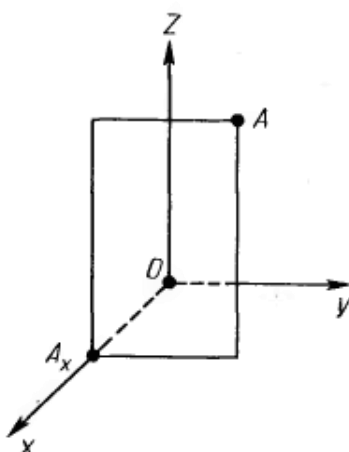
دغه مستوي به د  $x$  محور په یوې  $A_x$  نقطې کې قطع کړي. د  $A_x$  نقطې د  $x$  کارډینات به یو داسې عدد وپولو چې پخپل مطلقه قیمت سره د  $OA_x$  د قطعه خط سره مساوي وي.

دغه عدد به مثبت وي، که چېرې د  $A$  نقطه د  $x$  پر مثبت نیمه محور باندې پرته وي، او منفي به وي که چېرې نوموړې نقطه د  $x$  پر منفي نیمه محور باندې واقع وي.

که چېرې د  $A$  نقطه د  $O$  نقطې سره سمون ولري او ورسره یو ځای وي، نو داسې یې ګڼو چې  $x = 0$

په همدې ډول سره د  $A$  نقطې د  $y$  او  $z$  کارډینات هم پیدا کېږي.

د نقطې کارډینات معمولاً داسې لیکل کېږي:  $A(x, y, z)$ ، کله ناکله هم پدې ډول:  $(x, y, z)$



شکل 7.7

د  $Oyz$ ،  $Oxz$ ،  $Oxy$  کارډیناتي مستوي گانې چې د کارډیناتي محورو څخه تیریری، فضا پر اتو اوکتانتو (برخو) باندي ویشي، د  $A(1;2;2)$  نقطه مثلاً په لومړۍ برخه کې پرته ده.

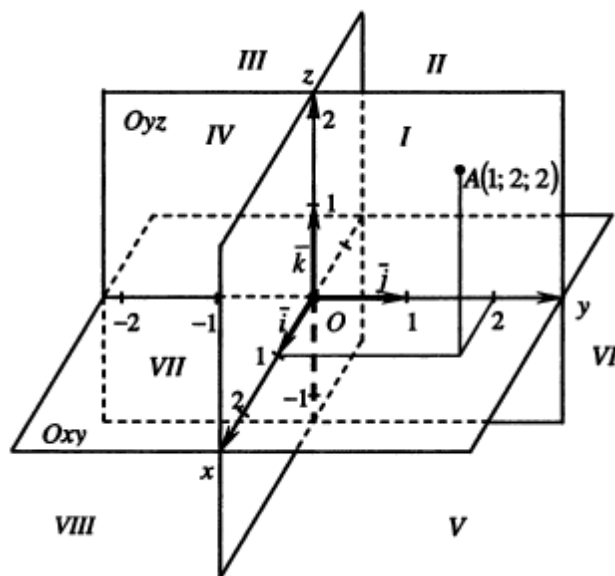
د  $A$  نقطې کارډینات په قائم الزاویه کارډیناتي سیستم کې په ستندرد قاعدې کې د هغې د  $OA$  شعاع-وکتور بلل کیږي.

$$\overline{OA} = x\bar{i} + y\bar{j} + z\bar{k} \quad \text{په فضا کې:}$$

په عام ډول سره:

$$\overline{OA} = x\bar{i} + y\bar{j}, \quad \text{په مستو،}$$

$$\overline{OA} = x\bar{i} \quad \text{په فضا؛}$$



شکل 7.8

### 7.3 - د وکتور مرتسمه پر محور باندي

اتکل کوو چې په درې بعدي فضا کې یوه سیده کرښه  $L$  چې لوری یې د واحد وکتور  $\vec{e}$  (لوری ورکونکی وکتور) په مرسته ښودل شوی دی، د هغې پر مخ باندي یو د دوو جهتونو څخه ټاکو او هغه مثبت بولو او د  $\vec{F}$  وکتور چې پیل یې د  $A$  او پای یې د  $B$  په نقطو کې ځای لري، را کرل شوی دی.

هغه سیده کرښه چې د هغې پر مخ باندي مثبت جهت او د اوږدوالي د اندازه کولو واحد ټاکل شوی وي، محور نومیږي.

تر  $A$  او  $B$  نقطو د  $L$  پر محور باندې عمودي دوي مستوي گانې  $\Pi_1$  او  $\Pi_2$  تيروو. د  $A$  په نقطه کې د  $L$  د محور سره موازي د  $n$  لوري هم بڼيوو.

د قوي مرتسمه پر محور باندې هغه سکالري کميت دی چې مساوي دی د وکتور د مودول او د هغې زاويې د کوساين د ضرب په حاصل سره چې د قوي او د محور د مثبت لوري تر منځ جوړه شوي وي.

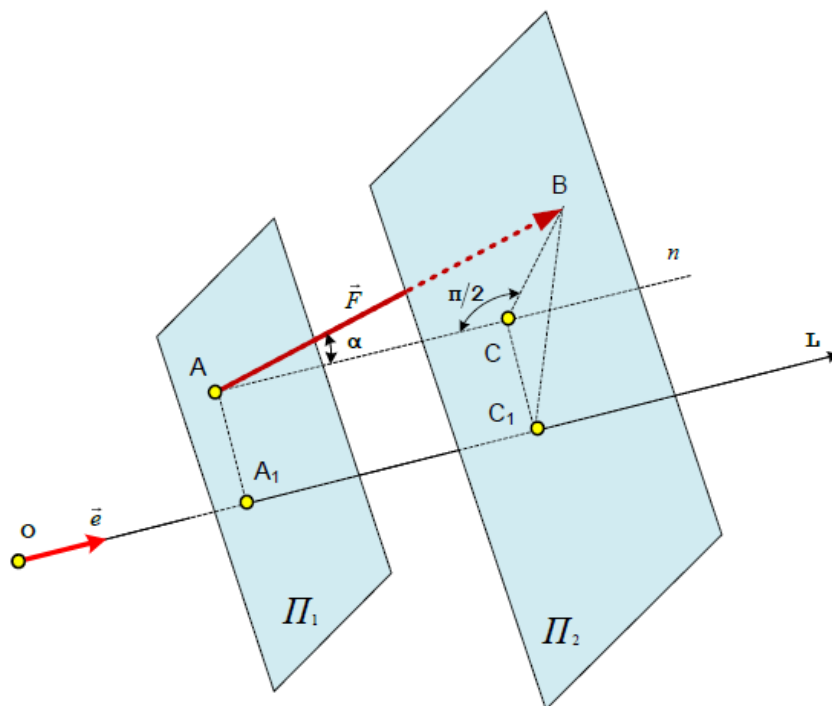
نو پدې ډول د مرتسمې لغت چې بيله کومي ځانگړې يادوني څخه استعمال شوی وي ، د سکالري مرتسمې په معني به وي.

يعني د  $\vec{F}$  قوي مرتسمه د  $L$  پر محور باندې په  $F_L$  سره بڼيوو او مساوي ده :

$$F_L = F \cos(\vec{F}; \vec{e}) = F \cos \alpha$$

دلته  $\alpha$  د  $\vec{F}$  قوي او واحد وکتور  $\vec{e}$  تر منځ زاويه ده.

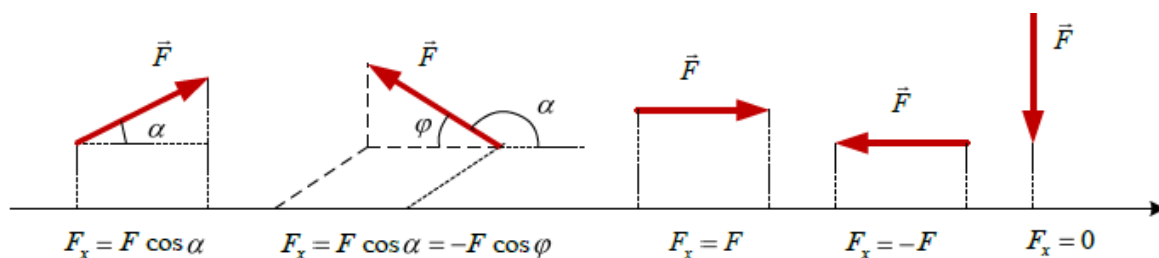
په عددي ډول سره پر محور باندې د وکتور د مرتسمې کميت مساوي دی په  $AC$  ټوټه کرښې يا هم  $A_1C_1$  قطعه خط سره او علامه يې په اړونده زاويې پورې اړه لري:



شکل 7.9

- کله چې  $\alpha < 90^\circ$  ، د قوي مرتسمه مثبتې ده
- کله چې  $\alpha > 90^\circ$  ، د قوي مرتسمه منفي ده
- کله چې  $\alpha = 90^\circ$  ، د قوي مرتسمه صفر ده

ځيني ځانگړي حالتونه دا دي:

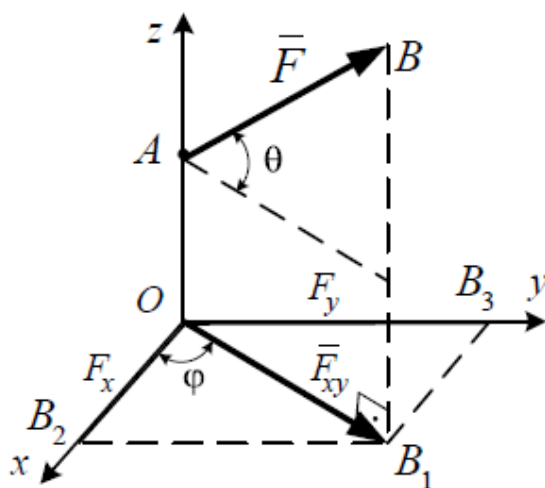


شکل 7.10

#### 7.4 - د قوي مرتسمه پر مستوي باندي

د  $\vec{F}$  قوي مرتسمه پر  $Oxy$  مستوي باندي عبارت د هغه وکتور  $\vec{F}_{xy} = OB_1$  څخه ده چې پر همدغې مستوي باندي د  $\vec{F}$  قوي د پيل او پای د مرتسمو په منځ کې راگير وي، مودول يې:

$$F_{xy} = F \cos \theta$$



شکل 7.11

کله چې قوه په فضا کې په کيفي ډول سره پرته وي، نو پر کارډيناتي محورونو باندي د هغې مرتسمې لکه چې معمول دی د دوه گوني ارتسام په مرسته پيدا کيږي. قوه، لومړی د کارډيناتي محورونو څخه پر يوه محور مثلاً  $z$  او د دوو نورو محورونو پر مستوي ( $Oxy$ ) باندي، رسميري، پر مستوي باندي د قوي مرتسمه  $\vec{F}_{xy}$  عبارت له وکتور څخه دی، چې وروسته بيا د  $Ox$  او  $Oy$  پر کارډيناتي محورونو باندي چې په مستوي کې پراته دي، رسميري مودولونه يې:

$$F_x = OB_2 = F_{xy} \cos \varphi = F \cos \theta \cos \varphi$$

$$F_y = OB_3 = F_{xy} \sin \varphi = F \cos \theta \sin \varphi$$

$$F_z = F \sin \theta$$

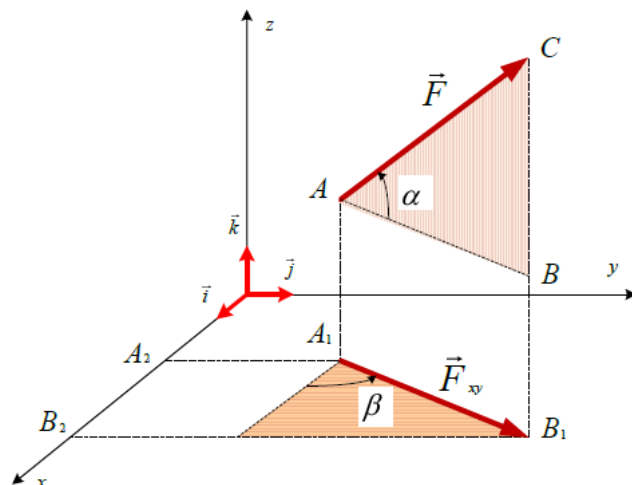
پر محور باندي د قوي د مرتسمې سره په توپير، د قوي مرتسمه پر مستوي باندي يو وکتوري کميت دی.

که وکتور پدي ډول سره راگيرل شوی وي:

$$\vec{F} = F_x \vec{i} + F_y \vec{j} + F_z \vec{k}$$

نو په تحلیلي ډول سره د دې وکتور د مرتسمې ارائه یوازي پر  $Oxy$  مستوي باندې داسې لیکلای شو:

$$\vec{F}_{xy} = F_x \vec{i} + F_y \vec{j} + 0 \vec{k}$$



شکل 7.12

$\vec{i}$ ،  $\vec{j}$ ،  $\vec{k}$  واحد وکتورونه .

واحد وکتورونه په 1853 کې د هامیلتون لخوا وضع شوي دي.

په همدې ډول سره د قوې مرتسمه پر نورو دوو مستوي گانو باندې سر ته رسیري.

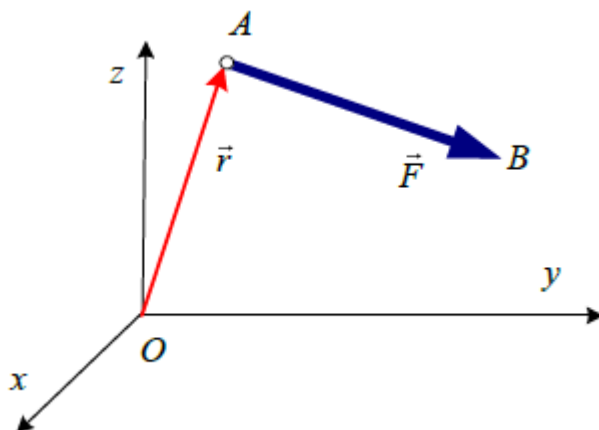
د وکتور مودول به:

$$F_{xy} = A_1B_1 = AB = AC \cos \alpha = F \cos \alpha$$

## 7.5- د قوې د ورکړې لارې

د  $\vec{F}$  قوه به تر کتنې لاندې ونیسو چې د یوه وکتور په ډول سره ښکاري ، داسې چې پیل یې د  $A$  او پای یې د  $B$  په نقطو کې دي.

د قوې د ورود نقطې د ښودلو په موخه د شعاع وکتور د مفهوم څخه کار اخلو چې د کار دیناتي سیستم پیل او د قوې د ورود نقطه سره نښلوي:



شکل 7.13

$$\vec{r} = x_A \vec{i} + y_A \vec{j} + z_A \vec{k}$$

پر کار دیناتی سیستم باندي د  $\vec{r}$  وکتور مرتسمه مساوي ده د  $A$  نقطې په کار دیناتو سره ، چیرې چې د  $\vec{F}$  قوه وارده شوې ده.

د قوې د ورود د نقطې، عددې قیمت یا مودول او د تأثیر د کرښې څخه پرته ، کولای شو چې د قوې د ورکړې د تحلیلي میتود په هکله هم څه نا څه ووايو.

د  $\vec{F}$  قوې د کمیت او لوري په هکله معلومات کیدای شي په لاندې تحلیلي طریقو سره پلاس راشي:

**لومړۍ لاره:**

- د  $\vec{F}$  قوه د دې ضرب حاصل په ډول سره ارائه کوو:

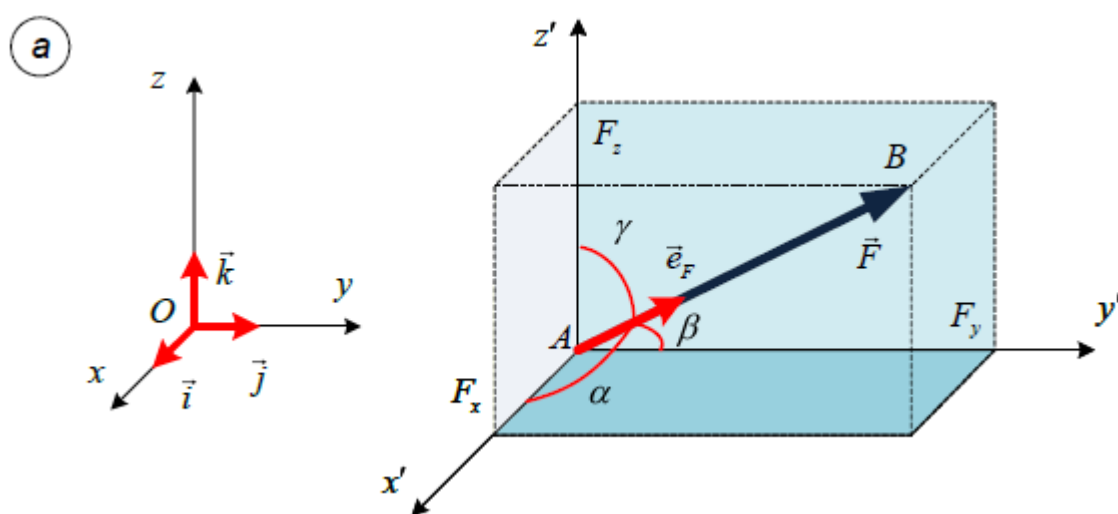
$$\vec{F} = \vec{e}_F F$$

دلته  $F$  د قوې مودول دی،  $\vec{e}_F$  واحد وکتور دی چې د قوې لوری رابښي (لوری ورکونکی وکتور):

$$\vec{e}_F = n_x \vec{i} + n_y \vec{j} + n_z \vec{k}$$

دلته  $n_x$  ،  $n_y$  او  $n_z$  د وکتور لوري ورکونکي کوساینونه دي

$$n_x = \cos \alpha ; n_y = \cos \beta ; n_z = \cos \gamma$$



شکل 7.14

ددې لپاره چې وکولای شو پدې لارې سره یو وکتور ارائه کړو ، نو باید د وکتور عددې قیمت یا مودول او د  $\alpha$  ،  $\beta$  ،  $\gamma$  زاویې وپېژنو.

**دوهمه لاره:**

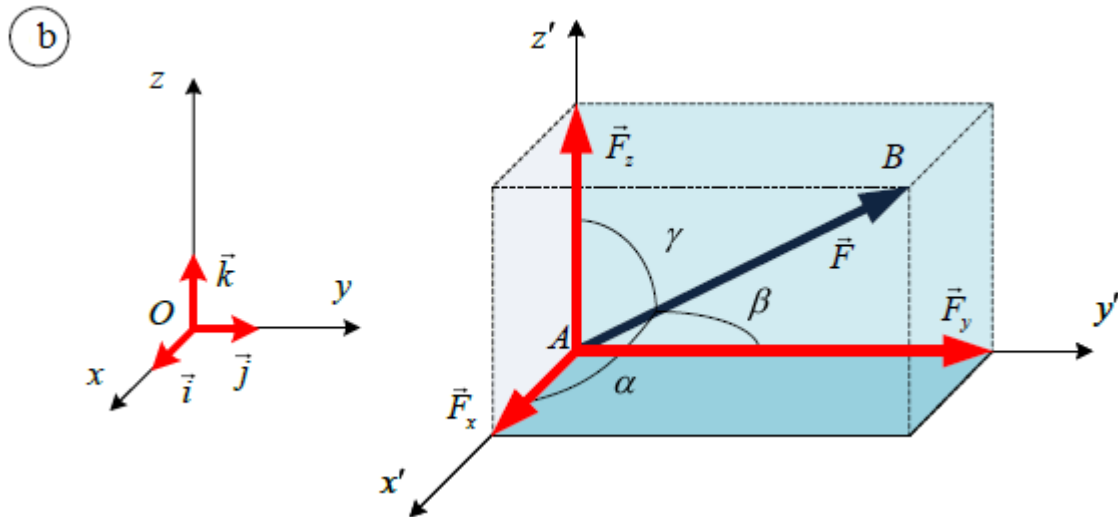
- یو وکتور کیدای شي لکه د درو وکتورونو مجموعه ارائه کړل شي، داسې چې هر وکتور پر اړونده کار دیناتي سیستم باندي متوجه وي:

$$\vec{F} = \vec{F}_x + \vec{F}_y + \vec{F}_z$$

لیکوال: محمود هلمند

نوموري وکتورونه د مرکبو په نامه سره یادېږي او مساوي دي له:

$$\vec{F}_x = F_x \vec{i}; \vec{F}_y = F_y \vec{j}; \vec{F}_z = F_z \vec{k}$$



شکل 7.15

دلته  $F_x$ ،  $F_y$  او  $F_z$  پر کارډیناتي محورونو باندې د  $\vec{F}$  قوي مرتسمې دي.

د دې لپاره چې پدې لارې سره یو وکتور ارائه کړو، نو باید د هغه درې مرتسمې  $F_x$ ،  $F_y$  او  $F_z$  وپېژنو.

له یوې لارې څخه و بلې ته اوبنډل آسانه کار دی.

داسې یې بولو چې یو وکتور د دوهمې لارې په مرسته ارائه کړل شوی دی، یعنی د هغه درې مرتسمې  $F_x$ ،  $F_y$  او  $F_z$  معلومي دي. پدې صورت کې د وکتور مودول به د متساوي الاضلاع د قطر په ډول سره پیدا کړو

$$F = \sqrt{F_x^2 + F_y^2 + F_z^2}$$

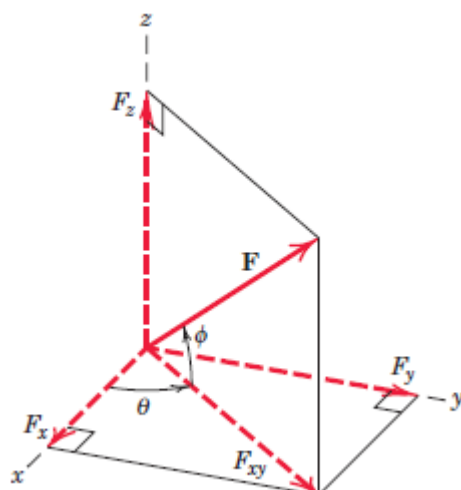
او لوري ورکونکې کوساینونه به چې د هغوی لپاره لاندې اړیکه تحقق لري

$$n_x^2 + n_y^2 + n_z^2 = 1$$

د دې ویش په مرسته پلاس راوړو:

$$n_x = \frac{F_x}{F}; n_y = \frac{F_y}{F}; n_z = \frac{F_z}{F}$$

- که د  $\vec{F}$  قوي د تاثیر کرښه د دوو زاویو په مرسته وښودل شي مثلاً  $\theta$  او  $\phi$ :



شکل 7.16

نو لیکلای شو:

$$F_{xy} = F \cos \phi$$

$$F_z = F \sin \phi$$

د  $F_{xy}$  افقی مرکبه د  $x$  او  $y$  له لاری داسې تجزیه کولای شو:

$$F_x = F_{xy} \cos \theta = F \cos \phi \cos \theta$$

$$F_y = F_{xy} \sin \theta = F \cos \phi \sin \theta$$

لکه چې وینو  $F_x$ ،  $F_y$  او  $F_z$  د  $\vec{F}$  قوی سکالری کمیتونه دي.

کله چې وکتور په یوې کارډیناتي مستوي کې پروت وي، مثلاً په  $Oxy$  مستوي کې، نو اړونده فورمولونه نور هم ساده کيږي او داسې به وي:

$$F = \sqrt{F_x^2 + F_y^2}; n_x = \frac{F_x}{F}; n_y = \frac{F_y}{F}$$

دلته

$$n_x^2 + n_y^2 = 1$$

د قوی مرتسمي پر کارډیناتي محورونو باندې:

$$F_x = F \cdot \cos \alpha = F \cos(F, \hat{i}); F_y = F \cdot \cos \beta = F \cos(F, \hat{j});$$

$$F_z = F \cdot \cos \gamma = F \cos(F, \hat{k})$$

دغه فورمول د هر وکتور د تجزیې لپاره پر کارډیناتي محورونو باندې د استعمال وړ دی.

په پای کې یو ځل بیا ټینګار کوو، نه بنیایي پر محور باندې د قوی د مرتسمي مفهوم د مرکبي قوی سره ګډ او غلط شي، و شکل ته دي وکتل شي

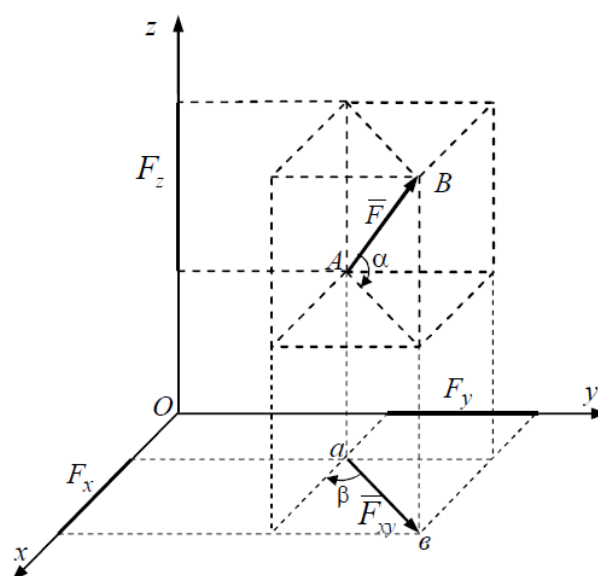
د قوی مرکبه عبارت له وکتور څخه ده او مساوي ده د واحد وکتور او همدې قوی د مرتسمي د ضرب په حاصل سره، مثلاً

$$\vec{F}_z = F_z \vec{k}$$

خو د قوی مرتسمه

$$F_z = F \cdot \cos \gamma = F \cos(F, \hat{k})$$

د a په شکل کې د  $\vec{F}$  قوی مرتسمې د  $O_x, O_y$  او  $O_z$  پر محورونو باندې بنودل شوي دي. د  $F_x$  او  $F_y$  د مرتسمو لپاره د دوه گوني رسمولو د میتود څخه کار اخیستل شوی دی.



شکل 7.17

$$\vec{F}_{xy} = F \cdot \cos \alpha$$

$$F_x = F_{xy} \cdot \cos \beta = F \cdot \cos \alpha \cdot \cos \beta$$

$$F_y = F_{xy} \cdot \sin \beta = F \cdot \cos \alpha \cdot \sin \beta$$

د  $\vec{F}_{xy}$  وکتور په شکل کې د  $\vec{F}$  قوی مرتسمه په  $O_{xy}$  مستوي کې ده ، چېرې چې د  $O_x$  او  $O_y$  محورونه پراته دي.

د  $\vec{F}$  قوی مرتسمې د  $O_x, O_y$  او  $O_z$  پر محورونو باندې داسې پیدا کېږي لکه د  $\vec{F}_{xy}$  د وکتور مرتسمه چې پر همدغو محورونو باندې پیدا کېږي.

د  $\vec{F}$  مرتسمه د  $O_z$  پر محور باندې لکه چې د شکل څخه لیدل کېږي

$$F_z = F \cdot \sin \alpha$$

## 7.6 - د متلاقي قواو فضايي سیستم System of concurrent Forces in space

په عمل کې ډېروختونه ټولې قوې چې پر یوه ساختمان باندې تأثیر کوي ، ویوه داسې سیستم ته راوړل کېږي چې په یوې مستوي کې واقع وي .

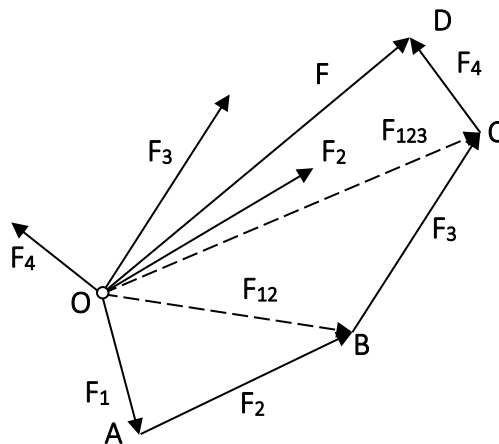
ډیر ځله فضايي سیستم کېدای شي پر څو مستوي سیستمونو باندې وویشل شي . خودا کار هر وخت ممکن نه وي، نولدي کبله په سناتیک کې د قواو د فضايي سیستم په هکله چېرې چې قوې په یوې مستوي کې واقع نه وي ، د راوړلو او تعادل په اړه مطالعه کېږي .

د څو قواو سیستم چې د تاثیر کړنې یې په یوې مستوي کې واقع نه وي ، ولې په یوې نقطې کې سره قطع کړي ، د متلاقي قواو د فضايي سیستم په نامه سره یادېږي .

داسې ستم هم لکه د متلاقي قواو سیستم وپوه سیستم ته چې په یوې نقطې کې تاثیر کوي ، را ورو .

د  $O$  په نقطې کې د  $F_1$  ،  $F_2$  ،  $F_3$  ،  $F_4$  قوې تاثیر کوي چې په یوې مستوي کې واقع نه دي . که څه هم دا قوې په یوې مستوي کې نه دي پرته خو د جوړې په شکل د هغوی څخه هرې دوي قوې بېله شکه په یوې مستوي کې واقع دي ځکه چې د دوو متقاطعو مستقیمو کړنو څخه تل کولای شو مستوي تیره کړو ، خو یوه مستوي .

نوپه دي ډول سره د دي سیستم د دوو قواو مثلاً  $F_1$  او  $F_2$  د جمع کولو لپاره مور کولای شو د متلاقي قواو د مستوي سیستم د جمع کولو له قاعدې څخه گټه واخلو او د  $F_{12}$  محصله قوه پیدا کړو چې په همدې  $O$  نقطې کې تاثیر کوي .



شکل 7.17

د دي محصلې قوې او یوې بلي مثلاً  $F_3$  قوې څخه د یوې مستوي په تیرولو سره ، مور کولای شو د قوه ایز مثلث د قاعدې سره سم د دي درو قواو  $F_{123}$  محصله قوه هم پیدا کړو او په همدې ډول سره تراخړه پورې و دي کارته دوام ورکړو .

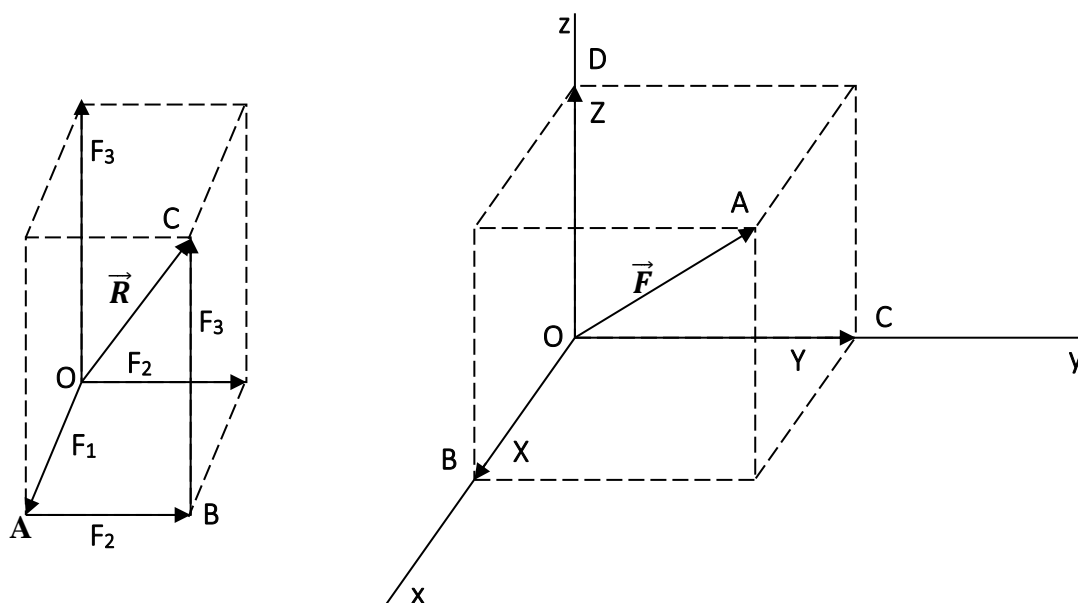
لکه چې د شکل څخه لیدل کېږي د متلاقي قواو د فضايي سیستم محصله قوه د  $OABCD$  کثیر الاضلاع چې پر مرکبو قواو باندې جوړ شوی دی ، په مودول او جهت سره د ترونکي ضلع په ډول سره بنودل کېږي یعنې دهغو هندسي مجموعه جوړوي :

$$\vec{R} = \vec{F}_1 + \vec{F}_2 + \vec{F}_3 + \vec{F}_4$$

$$\vec{R} = \Sigma \vec{F}_k \dots (7.1)$$

باید په نظر کې ولرو چې قوه ایز کثیر الاضلاع چې د فضايي سیستم د قواو د جمع کولو په نتیجه کې پلاس راځي ، مستوي اومسطح به نه وي .

په ځانگړي حالت کې د فضايي سیستم د درو متلاقي قواو محصله قوه په مودول او جهت سره د کثیر الاضلاع د قطر په ډول چې پردغو قواو باندې رسم شوی دی ، بنودل کېږي (د قوه ایز کثیر الاضلاع طریق ) .



شکل 7.18

په حقیقت کې د  $F_1$ ،  $F_2$ ،  $F_3$  قواو لپاره د اړوند کثیرالاضلاع د  $OC$  قطر عبارت دی د  $OABC$  رسم کرل شوي کثیرالاضلاع د ترونکي ضلعي ( $OC$ ) څخه.

د متوازی الاضلاع د قاعدې سره سم په آسانی سره کولای شو چې د دې مسئلې عکس مثال هم حل کړو .

یعني د قواو تجزیه پر درو ورکړل شوو جهتونو باندې چې په یوې مستوي واقع نه وي . د دې کار لپاره کافي ده چې داسې مستطیل رسم شي چې جوانب اولیري یې راکړل شوی جهت ولري او قطريې همدغه قطرواوسي .

په هغه حالت کې چې دا درې جهتونه د کار دینات د محورونو د جهتونو سره مطابقت کوي نو د  $\vec{F} = \overline{OA}$  مرکبي قوې یعنی  $\overline{OB}$ ،  $\overline{OC}$  او  $\overline{OD}$  په مودول سره په ترتیب مساوي دي د فضايي کار دینات سیستم پر مخ باندې د  $\vec{F}$  قوې د مرتسمو په مطلقه قیمت سره .

د دې قواو مرتسمي په مطلق قیمت سره د فضايي کار دینات په سیستم کې په لاندې ډول دي :

$$OB = |F_x| \quad ; \quad OC = |F_y| \quad ; \quad OD = |F_z|$$

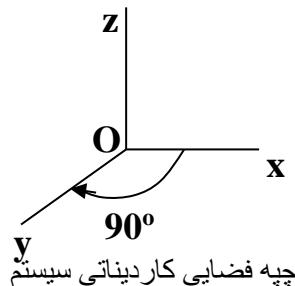
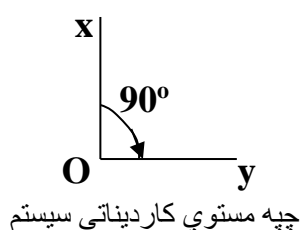
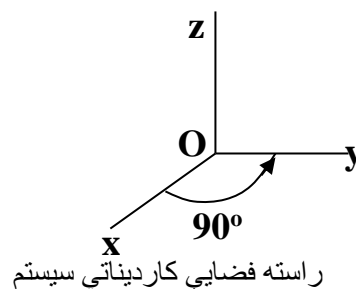
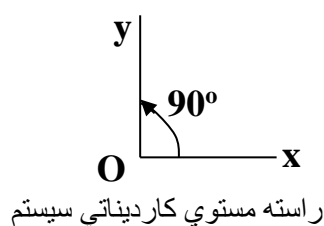
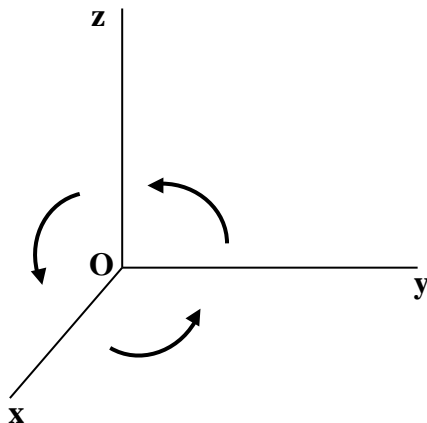
له دې ځایه څخه لرو چې :

$$R_x = \sum F_x ; R_y = \sum F_y ; R_z = \sum F_z$$

$$R = \sqrt{R_x^2 + R_y^2 + R_z^2} \dots (7.2)$$

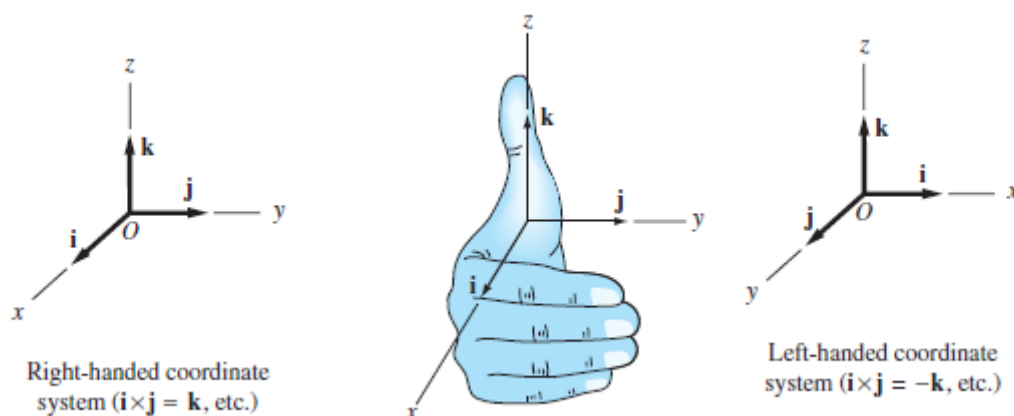
د قوې مودول مساوي دی پر هرو درو متقابلاً عمودي محورونو باندې د مرتسمو د مجموعې په مربع سره، تر مربع جذر لاندې .

لکه چي پوهیرو د وکتورونو د هندسي مجموعي مرتسمه پر هر محور باندې مساوي ده د مرکبو وکتورونو په الجبري مجموعي سره پر همهغه محور باندې، نو دغه قاعده د هر مستوي او فضايي قوه ایز وکتوري کثیر الاضلاع لپاره هم د تحقق وړ ده او د متلاقي قواو د سیستم محصله قوه مساوي ده د مرکبو قواو د وکتورونو په هندسي مجموعي سره، نو د متلاقي قواو د سیستم د محصلي قوي مرتسمه پر هر بوه محور باندې مساوي ده د مرکبو قواو د مرتسمو په الجبري مجموعي سره پر همهغه محور باندې. مورد لکه چي معمول دی د راسته (انگلیسي) فضايي کار دیناتي سیستم څخه کار اخلو، چپه فضايي کار دیناتي سیستم به فرانسوي وي.



شکل 7.19

په یاد لرو: په عام ډول سره بنی فضايي قاييم الزاويه کار دیناتي سیستم د بنی لاس د دروگوتود قانون پر بنسټ ولاړ دی. که د بنی لاس بټه یا غټه گوته د z محور وښيي، نو څلور گوټي به د y محور او خپله لاس به د x محور وښيي. په بله ژبه: که د x د محور څخه د y و محور ته تر  $90^\circ$  زاويې لاندې راگرځیدل د ساعت دستني پر خلاف صورت وښيي نو دابه بنی کار دیناتي سیستم او که همهغه گرځیدنه د ساعت دستني سره سمه وي، نو کار دیناتي سیستم کین (چپه) گڼل کیږي.



$$ixi = 0$$

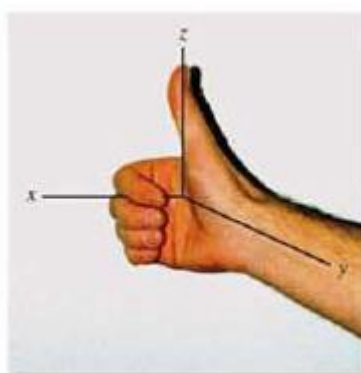
$$jxj = 0$$

$$kxk = 0$$

$$ixj = k$$

$$jxk = i$$

$$kxi = j$$



شکل 7.20

پورته کار دیناتی سیستمونه د فرانسوي عالم رینی دیکارت د کار او زیار محصول دي.

*René Descartes* 31.03.1596\_11.02.1650

میتافزیک، ایپیستیمولوژیست، ریاضی، فزیک او او میخانیک پوه



$$R_x = \Sigma X = \Sigma X_k$$

$$R_y = \Sigma Y = \Sigma Y_k$$

لیکوال: محمود هلمند

$$R_z = \Sigma Z = \Sigma Z_k$$

په (7.2) فورمول کې د دې قیمتونو په وضع کولو سره لرو چې :

$$R = \sqrt{(\Sigma X_k)^2 + (\Sigma Y_k)^2 + (\Sigma Z_k)^2} \dots (7.3)$$

(7.3) فورمول عبارت دی د متلاقي قواو د فضايي سیستم د محصلي قوي د مودول څخه .

لکه چې پوهیږو د یوې قوې مرتسمه پریوه محورباندي مساوي ده د دې قوې په مودول سره ضرب دهغي زاويې په COS چې د قوې د جهت او د محور د مثبت لوري ترمنځ جوړیږي نو:

$$R_x = R \cdot \cos(R, \hat{x})$$

$$R_y = R \cdot \cos(R, \hat{y})$$

$$R_z = R \cdot \cos(R, \hat{z})$$

نوله دې ځایه څخه د محصله قوې د جهت فورمول هم راپیداکیږي:

$$\cos(R, \hat{x}) = \frac{R_x}{R}$$

$$\cos(R, \hat{y}) = \frac{R_y}{R} \dots (7.4)$$

$$\cos(R, \hat{z}) = \frac{R_z}{R}$$

که چېرې د متلاقي قواو سیستم په تعادل کې وي نو د هغه محصله قوه باید په صفر سره مساوي شي

$$R = 0$$

لکه څنگه چې محصله قوه د قوه ایزکتیر الاضلاع ترونکي ضلع جوړوي، نو د متلاقي قواو د فضايي سیستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې قوه ایزکتیر الاضلاع چې پر همدې راکړل شوو قواو باندي جوړیږي ، باید تړلی وي (په هندسي شکل د تعادل شرایط) .

د (7.3) فورمول څخه معلومیږي چې  $R = 0$  هغه وخت تحقق موندلای شي چې دا معادلي هم تحقق ولري :

$$R_x = \Sigma X_k = 0 \quad ; \quad R_y = \Sigma Y_k = 0 \quad ; \quad R_z = \Sigma Z_k = 0 \dots (7.5)$$

د متلاقي قواو د فضايي سیستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې د ټولو قواو د مرتسمو مجموعو د درو متقابلاً عمودو محورونو څخه پر هر پوه محور باندي په صفر سره مساوي شي .

## 7.7 - د قوې مومنت نظر و محورته Moment of Forces about axis

د قوې مومنت نظریوه محورته د هغه کمیت څخه عبارت دی چې د دې قوې دوراني موثریت د همدغه محور په نسبت ، په گوته کوي .

د قوې مومنت نظر و محورته مثلاً نظر د z و محورته (7.21 شکل دي وکتل شي) ضروري ده :

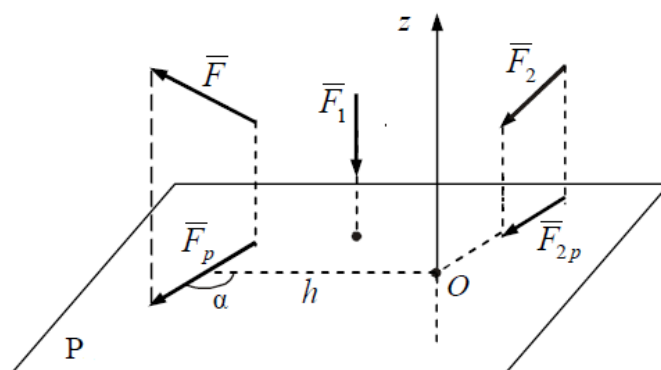
1. قوه دې پر هغي مستوي باندي ترسیم شي چې پر محور باندي عموده وي (په شکل کې د P مستوي) .

2. د پلاس راغلي  $F_p$  مرتسمي مومنت دي نظرد محور او مستوي د تقاطع ونقطي (O) ته ونيول شي .

مومنت مثبت گڼل کيږي که چيري د محور د مثبت انجام څخه هغه څرخ چې د قوي مرتسمه يي هڅه کوي اجراکړي ، د ساعت د سنډي مخالف وي . د شکل څخه ليدل کيږي چې :

$$M_z(F) = M_O(F_p) = \pm F_p \cdot h$$

په دوو حالتونو کې د قوي مومنت نظرومحورته مساوي په صفر دی :



شکل-7.21

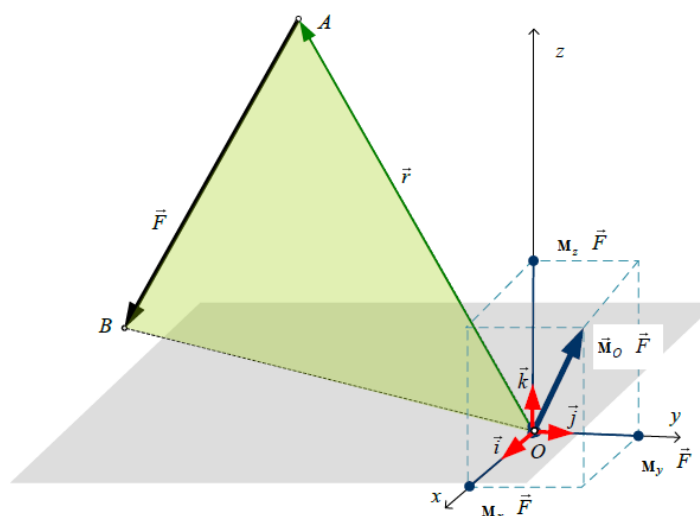
1. که چيري قوه د محور سره موازي وي ( $F_1$  په شکل کې) .

2. که چيري د قوي د تاثیرکړينه محور قطع کړي ( $F_2$  په شکل کې).

لدي ځايه څخه دا نتيجه اخيستل کيږي چې که چيري قوه او محور په يوې مستوي کې واقع وي نو د قوي مومنت نظر و همدې محورته مساوي په صفر سره دی .

د  $\vec{F}$  د قوي مومنت نظر و يوه محور  $z$  ته ، د  $M_z \vec{F}$  د ضرب حاصل يو سکالري کميت دی چې مساوي دی د قوي د مومنت په مرتسمي چې د همدې محور نظر و يوې نقطې (O) ته محاسبه کړل شوی وي:

$$M_z \vec{F} = M_O \vec{F}_z$$



شکل-7.22

د تعریف سره سم د قوی مومنتونه نظر و کار دیناتي محورونو ته مساوي دی پر محورونو باندې د همدې قوی د مومنت په مرتسمو سره چې د کار دیناتو و مبدأ د  $O$  و نقطې ته محاسبه کړل شوی وي.

که د قوی وکتور - مومنت پر کار دیناتي محورونو باندې د مرتسمو له لارې ارائه کړو (لور شکل)، نولرو:

$$M_O \bar{F} = M_x \bar{F} \bar{i} + M_y \bar{F} \bar{j} + M_z \bar{F} \bar{k} \dots (a)$$

اوس که د قوی مومنت نظر و یوي نقطې ( $O$ ) ته تر کنتې لاندې ونیسو او دا قوه داسې ارائه کړو

$$\bar{F} = F_x \bar{i} + F_y \bar{j} + F_z \bar{k}$$

او د جسم د  $A$  په نقطې کې وارده شوې او موقعیت یې د شعاع وکتور له لارې وښودل شي

$$\bar{r} = r_x \bar{i} + r_y \bar{j} + r_z \bar{k}$$

دلته  $\bar{i}, \bar{j}, \bar{k}$  واحد وکتورونه ،  $x, y, z$  کار دیناتي محورونه او  $F_x, F_y, F_z$  پر کار دیناتي محورونو باندې د قوی مرتسمې دي.

شعاع وکتور  $\bar{r}$  په 1853 کې د فرانسوي عالم آگوستین لویی کوبني لخوا د استعمال و ډگرته را وړاندې شو.

که د  $\bar{M}_O \bar{F} = \bar{r} \times \bar{F}$  وکتوري د ضرب حاصل د دي ترمینانت له مخې ولیکو

$$\bar{M}_O \bar{F} = \bar{r} \times \bar{F} = \det \begin{vmatrix} \bar{i} & \bar{j} & \bar{k} \\ x & y & z \\ F_x & F_y & F_z \end{vmatrix} = \bar{i} x \begin{vmatrix} y & z \\ F_y & F_z \end{vmatrix} - \bar{j} x \begin{vmatrix} x & z \\ F_x & F_z \end{vmatrix} + \bar{k} x \begin{vmatrix} x & y \\ F_x & F_y \end{vmatrix} =$$

$$\bar{i}(y F_z - z F_y) + \bar{j}(-x F_z + z F_x) + \bar{k}(x F_y - y F_x)$$

او یا هم

$$\bar{M}_O \bar{F} = (y F_z - z F_y) \bar{i} + (z F_x - x F_z) \bar{j} + (x F_y - y F_x) \bar{k} \dots (b)$$

، نو همدا فورمول د قوی د مومنت نظر و نقطې ته ، تحلیلي افاده بلل کیږي.

ماتریکس د دوو عمودي کرینو سره د « کیلي » لخوا په 1843 کې وضع شو. اوس دهغه لپاره یا گردې یا هم یوستوي کرینې استعمالیږي. گردې قوسونه د کالیس Cuthbert Edmund Cullis لخوا په 1913 کې وکارول شول.

$$\begin{pmatrix} a & b \\ c & d \end{pmatrix} \parallel \begin{vmatrix} a & b \\ c & d \end{vmatrix} \parallel \begin{vmatrix} a & b \\ c & d \end{vmatrix}$$

اوس نو که د  $(a)$  او  $(b)$  فورمولونه سره پرتله کړو، نو نظر و کار دیناتي محورونو ته چې د  $(O)$  له نقطې څخه تیریری، د قوی د مومنت تحلیلي افاده به پلاس راوړو:

$$M_x \bar{F} = y F_z - z F_y$$

$$M_y \bar{F} = z F_x - x F_z$$

$$M_z \bar{F} = x F_y - y F_x$$

لکه چې پوهیرو په فضا کې د جسم د تعادل شرایط داسې دي چې پر کار دیناتي محورونو باندې د ټولو قواو د مرتسمو الجبري مجموعه او د ټولو قواو د مومنتونو الجبري مجموعه نظر و کار دیناتي محورونو ته، باید صفر شي:

$$\Sigma F_x = 0 \quad ; \quad \Sigma M_x(F_i) = 0$$

$$\Sigma F_y = 0 \quad ; \quad \Sigma M_y(F_i) = 0$$

$$\Sigma F_z = 0 \quad ; \quad \Sigma M_z(F_i) = 0$$

لکه څنگه چې د تحلیلي معادلو څخه څرگندیږي د فضايي کيفي قوه ایزسیستم په صورت کې مسئله سناتییکي معینه ده ، که چېرې د مجهولو کمیتونو شمیره د 6 څخه زیاته نه شي .

که چېرې په فضا کې قوې په دې یا هغه ډول موازي موقعیت ولري مثلاً د یوه محوریه نسبت، نو د معادلو شمیره تر 3 پورې را لږیږي . نو پدې ډول سره د موازي قواو لپاره چې د z د محور سره موازي وي د تعادل معادلي به لاندې شکل ولري :

$$\Sigma F_{iz} = 0$$

$$\Sigma M_x(F_i) = 0$$

$$\Sigma M_y(F_i) = 0$$

پدې صورت کې مسئله سناتییکي معینه ده ، که چېرې د مجهولو کمیتو شمیره تر 3 زیاته نه وي .

**و یوې ځانګړې بیلګې ته به څیرشو:**

Fd قوه پریوه جسم باندې تأثیر کوي چې د غیر متحرک محور پر شاوخوا باندې څرخیدلای شي .

مثلاً پر ور یا دروازه باندې چې د چپ راست په مرسته د z د محور پر چاپیر باندې را څرخي ، د F قوه تأثیر کوي، ولي دا قوه د z د محور باندې په عموده مستوي کې واقع نه ده .

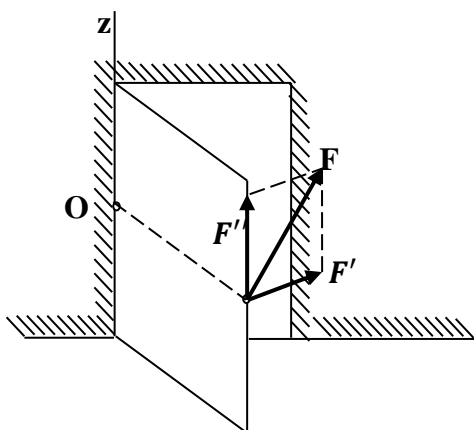
معلومه خبره ده د دې قوې د F'' مرکبه چې د څرخیدو د محور z سره موازي ده ، نشي کولای چې جسم ته دوراني حرکت ورکړي . دغه قوه یوازې هڅه کوي چې جسم د z د محوریه امتداد وڅخوي اولرڅه د ځای بدلون ورکړي .

یوازې د F' مرکبه قوه چې پر z باندې عموده مستوي کې واقع ده ، کولای شي چې جسم ته دوراني مؤثریت ورکړي . (د F د قوې مرتسمه پر هغې مستوي باندې چې پر z باندې عموده ده ) .

نوداسې معلومیږي چې د F قوې د دوراني مؤثریت اندازه نظر د z د محور ته ، پر محور باندې عموده مستوي کې د دې قوې د مرتسمې مومنت نظر د O ونقطې ته چې په هغې کې محور د دې مستوي سره قطع کوي ، عبارت دی .

د قوې مومنت نظرونو ته مفهوم د فضايي سناتییک د مهمو مفاهیمو څخه دی ، نولدي امله باید دغه تعریف تل په یاد ولرو :

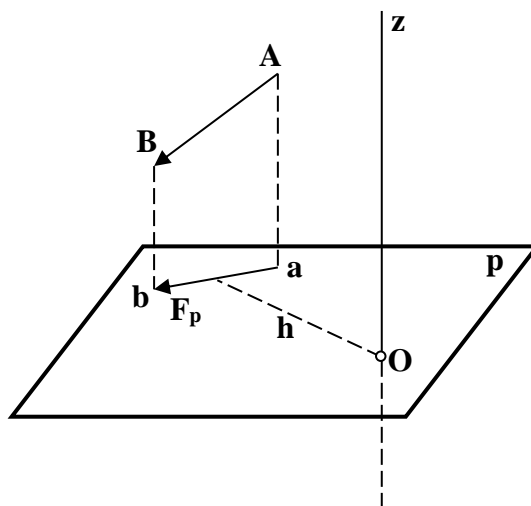
د دې لپاره چې د یوې قوې مومنت نظرونو ته «z» پیدا کړو باید دا قوه «F» د P پر مستوي باندې چې پر محور باندې عموده ده رسم کړو او بیا ورسته د دې مرتسمې مومنت نظر د محور او مستوي د تقاطع ونقطې ته ونیسو



شکل 7.23

که د  $F$  قوی مومنت نظرد  $z$  و محور ته په  $M_z(F)$  ، د  $F$  قوی د مرتسمي مودول پر  $z$  باندې عمودي مستوي «P» کې په اود دې مرتسمي بازو نظرد محور او مستوي د تقاطع ونقطې ته په «h» سره وښيو، نو لرو چې :

$$M_z(F) = M_O(F_p) = \pm F \cdot h \dots (7.6)$$



شکل 7.24

مثبته او يا منفي علامه پدې فورمول کې په لاندې قاعدې سره معلوميري :

که چيري دهغه چا لپاره چې د P و مستوي ته د مثبتې خواخه گوري ، داسې معلومه شي چې د  $z$  محور پر شاوخوا باندې حرکت د ساعت د ستنې مخالف جهت ته متوجه دی، نو د مومنت علامه مثبتې گڼل کيږي، زموږ په مثال کې هغه مثبتې ده

$$M_z(F) = +F \cdot h$$

او که خبره پر عکس وي ،نود مومنت علامه منفي گڼل کيږي .

د قوی مومنت نظرد محور ته په خپل عددي قيمت او علامې سره پيدا کيږي نو ځکه هغه يوسکالري الجبري کميت گڼل کيږي

1. د قوی داننتقال په صورت کې دهغې د تأثيرد کرښې په امتداد ، دهغې مومنت نظرد محور ته تغير نه کوي ځکه چې پردې مستوي نه د قوی مرتسمه تغير خوري اونه يې هم بازو .

2. د قوې مومنت نظر و محور ته مساوي په صفر دی که چيرې د قوې د تاثير کربنه او محور په يوې مستوي کې واقع وي. دلته دوه حالتونه شتون لري:

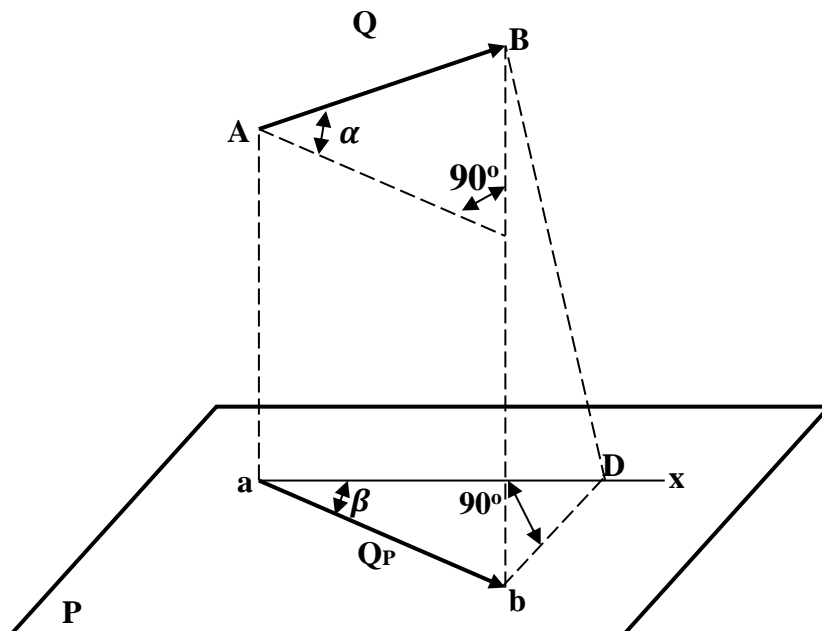
a- قوه د محور سره موازي ده، پدې صورت کې د قوې مرتسمه پرمحور باندې عموده مستوي کې مساوي په صفر سره ده

b- د قوې د تاثير کربنه د محور سره قطع کوي، پدې صورت کې پرمستوي باندې د قوې مرتسمه د محور او مستوي د تقاطع د نقطې څخه تير يري او نظر و دې نقطې ته د قوې بازو په صفر سره مساوي کيږي.

بايد يادونه وشي چې د وکتورونو د مرتسمو د پيدا کولو لپاره پر هغه محور باندې چې د دوی سره په يوې مستوي کې واقع نه وي، کله ناکله آسانه دا وي چې لومړی دا وکتور پر هغې مستوي باندې چې دا محور هلته واقع دی، رسم کړل شي او بيا وروسته د وکتور په لاس راغلي مرتسمه پر همدې محور باندې رسم کړل شي (دوه گوني رسم کول).

مثلاً د  $Q$  د وکتور مرتسمه د  $x$  پرمحور باندې مساوي ده:

$$Q_x = aD = abc \cos \beta = Q_p \cos \beta = Q \cos \alpha \cos \beta$$



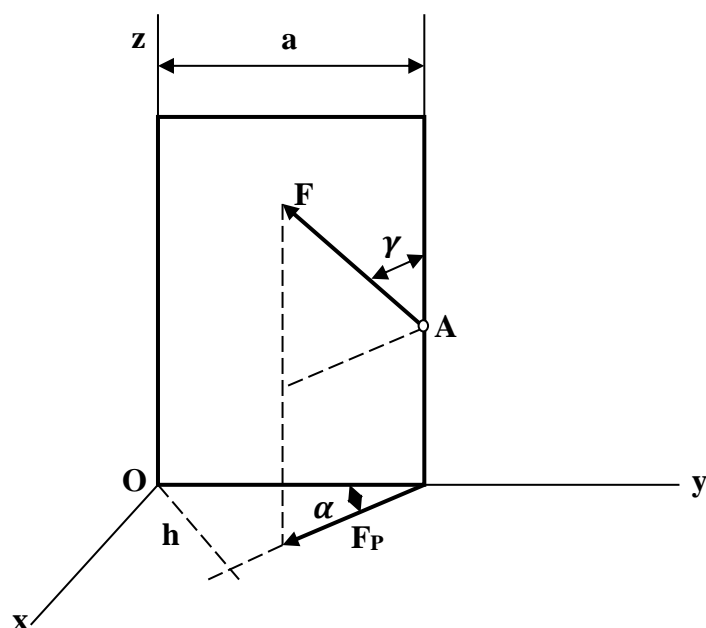
شکل 7.25

مخکې مو وښودل چې د وکتور مرتسمه پرمحور باندې سکالري کمیت دی، خو د وکتور مرتسمه پرمستوي باندې وکتوري کمیت دی. نوداسي معلوم يري چې وکتور، نه يوازي په خپل قيمت بلکې د مرتسمې پرمستوي باندې په خپل جهت سره ځانگړی کيږي.

**مثال:** پريوې دروازې چې د  $O_z$  د عمودي محور پر شاوخوا راڅرخي، د  $A$  په نقطې کې د  $F = 20\text{ N}$  قوه، د  $\gamma = 60^\circ$  لاندې نظر و عمود ته، تاثير کوي.

هغه عمودي مستوي چې دا قوه پکښې واقع ده د دروازې دمستوي سره  $\alpha = 45^\circ$  زاويه جوړوي.

د دې قوې مومنت نظر د  $O_z$  و محور ته پيدا کړئ که چيرې د دروازې بر ياپسور  $a = 0.5\text{ m}$  وي؟



شکل 7.26

حل :

د  $Oxy$  مستوي د  $Oz$  پرمحور باندې عموده تیروو ،  $F$  د قوې مرتسمه پردې مستوي باندې پیداوو . د دې قوې مودول مساوي دی په  $F_p = F \cdot \sin \gamma$

د محور او مستوي د تقاطع د نقطې  $O$  څخه یوه عمودي کرښه د مرتسمې پر کرښې باندې را کښته کوو. د دې عمودي کرښې اوږدوالی به  $h = a \cdot \sin \alpha$  وي .

نوږدې ډول :

$$M_z(F) = -F_p h = -a F \sin \alpha \sin \gamma = -0.5(20) \frac{\sqrt{2}}{2} \frac{\sqrt{3}}{2} = -6.1 \text{ N.m}$$

مثال :

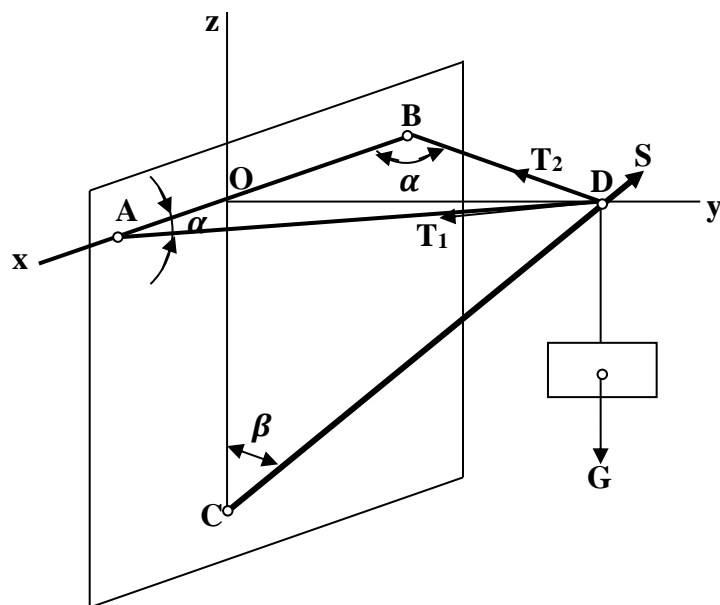
د  $CD$  میله په یوه انجام کې پر دیوال باندې د مفصل په واسطه تینګه کړای شوی ده ، د هغې بل انجام د دوو افقي زنجیرونو پواسطه چې یو ډول اوږدوالی لري  $AD$  او  $BD$  ، هم په دیواله پورې کلک کړل شوي دي .

د  $D$  په نقطې کې  $G = 1 \text{ kN}$  وزن څریري .

هغه قوه چې دامیله کښیکاري او هم د زنجیرونو کشش پیداکړي که چیرې  $\alpha = 60^\circ$  او  $\beta = 45^\circ$

حل :

د  $G$  وزن د  $D$  په نقطې کې تأثیر کوي ولي دا نقطه آزاده نه ده ، دلته دوه زنجیرونه د ارتباط وسایل جوړوي ، نو تر هر څه دمخه د دغو ارتباطاتو څخه میله آزادوو او د تأثیر او عکس العمل قوې په  $T_1$  ،  $T_2$  او  $S$  سره تعویضوو .



شکل 7.27

د دې عکس العمل قواو د تاثیر کربنې معلومي دي ، هغه د  $AD$  او  $BD$  د مستقیمو کربنو سره مطابقت لري . لیدل کیږي چې  $CD$  میله کینسیکېبل کیږي ، نولدي کبله د عکس العمل قوه د  $C$  د نقطې څخه د  $D$  د نقطې ته متوجه ده. د  $AD$  او  $BD$  زنجیرونه کشیږي نوڅکه د هغوی د عکس العمل قوې  $T_1$  او  $T_2$  د  $D$  د نقطې څخه د  $A$  او  $B$  ونقطو ته په ترتیب متوجه دي .

نوږدي ډول سره د  $D$  په نقطې کې څلور قوې  $T_1$  ،  $T_2$  ،  $S$  او  $G$  سره یوځای کیږي . دغه قوې په تعادل کې دي اود (7.5) تعادل معادله باید تحقق پیدا کړي .

د کار دیناتو محورونه داسې غځوو لکه چې په شکل کې رسم شوي دي .

د  $yOz$  مستوي د  $G$  او  $S$  قواو د تاثیر د مستوي سره یوځای کوو ، نوږدي ډول سره د  $T_1$  او  $T_2$  قوې د کار دینات  $xOy$  په مستوي کې ځای نیسي اود قواو مرتسمې پر محور باندې په ډیره آسانی سره پیدا کیږي .

پلاس راغلي نتیایج وجدول ته رسوو او د تعادل معادلي تشکیلوو.

| قوه   | دقوي مرتسمه پر محور باندې |   |                |
|-------|---------------------------|---|----------------|
|       | x                         | y   | z              |
| G     | 0                         | 0   | -G             |
| S     | 0                         | $S \cos(90^\circ - \beta) = S \sin \beta$         | $S \cos \beta$ |
| $T_1$ | $T_1 \cos \alpha$         | $-T_1 \cos(90^\circ - \alpha) = -T_1 \sin \alpha$ | 0              |
| $T_2$ | $-T_2 \cos \alpha$        | $-T_2 \cos(90^\circ - \alpha) = -T_2 \sin \alpha$ | 0              |

$$\sum X_k = T_1 \cdot \cos \alpha - T_2 \cdot \cos \alpha = 0$$

$$T_1 \cos \alpha = T_2 \cos \alpha \Rightarrow T_1 = T_2$$

$$\Sigma Y_k = S \sin \beta - T_1 \sin \alpha - T_2 \sin \alpha = 0$$

$$\Sigma Z_k = -G + S \cos \beta = 0$$

$$S = \frac{G}{\cos \beta} = \frac{1 \text{ kN}}{0.866} = 1.41 \text{ kN}$$

$$S \sin \beta = 2T_1 \sin \alpha \Rightarrow T_1 = S \frac{\sin \beta}{2 \sin \alpha} = 1.41 \text{ kN} \frac{(0.866)}{2(0.5)} = 0.578 \text{ kN}$$

$$T_2 = T_1 = 0.578 \text{ kN}$$

که د حل په پیل کې نه پوهیږو چې کومه میله به کش او کومه به کینیټیبل شي نود کار د آسانی لپاره یې داسې بولو چې ټولې میلی به کش شي .

د محاسبې تراچراکولو وروسته به معلومه شي چې دهغوی علامې مثبتې دي او که منفي .

که چیرې علامې مثبتې وي نو زموږ اټکل د هغوی د جهت په هکله سم ؤ ، ولی که علامې منفي وي نو زموږ اټکل پدې هکله سم نه ؤ او دا پدې معنی ده چې دا میله اصلاً کینیټیبل کیږي، نوځکه یې علامه هم منفي راوتله .

مثال:

### 7.8 - لومړی واریانت

شپږ بی وزنه مستقیم الخطه گادرونه د مفصل پواسطه سره نښلول شوي دي. سیستم د تعادل په حالت کې واقع دی. A, B, C, D کروي مفصلونه دي، د L په نقطې کې د P فعاله قوه چې مودول یې 200 N کیږي ، د H په نقطې کې  $Q = 100 \text{ N}$  اغیزه کوي.

په گادړکې داخلي قوې پیدا کړئ؟ هغه زاویې چې د P قوه یې د کار دیناتي محورونو سره جوړوي دادي:

$\theta = 51^\circ; \psi = 45^\circ; \alpha = 60^\circ; \beta = 45^\circ; \gamma = 60^\circ$  لپاره Q قوې لپاره  $\alpha = 45^\circ; \beta = 60^\circ; \gamma = 60^\circ$  ،  $\phi = 45^\circ$  زاویې هم معلومي دي او په شکل کې ښودل شوي دي. د گادرو د عکس العمل قوې پیدا کړئ؟

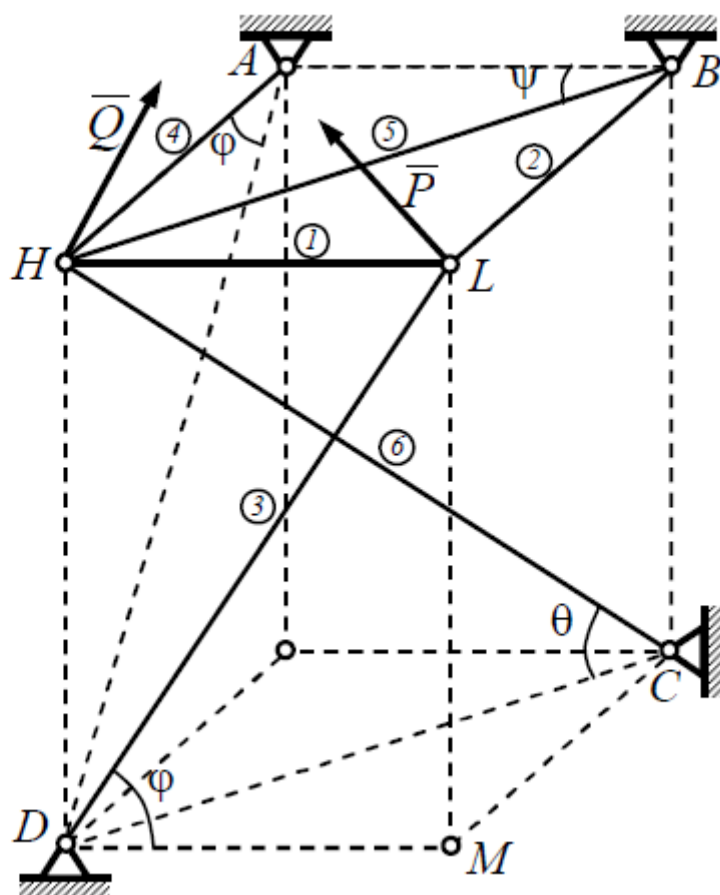
حل:

د b شکل رسمو او گورو هغه قوې چې د L او H پرنقطو باندې اغیزه کوي ، ښیو. دا قوې عبارت دي له:

$$\bar{N}_1; \bar{N}_2; \bar{N}_3; \bar{N}_4; \bar{N}_5; \bar{N}_6$$

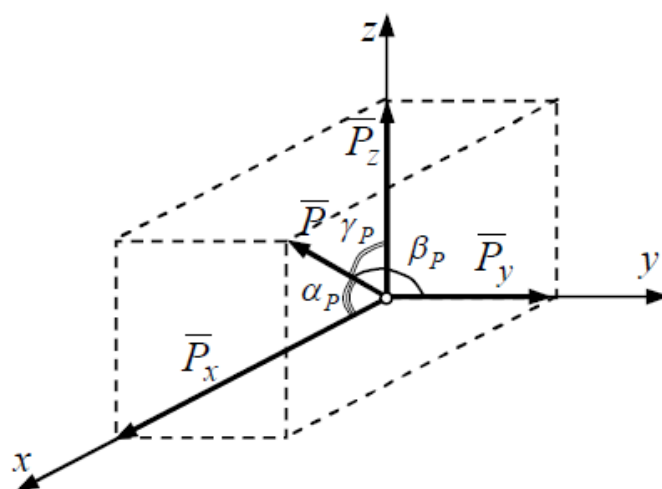
او د دې اټکل سره سم چې ټولې میلی به کش شي ، دا قوې د گادرو په امتداد متوجه شوي دي.

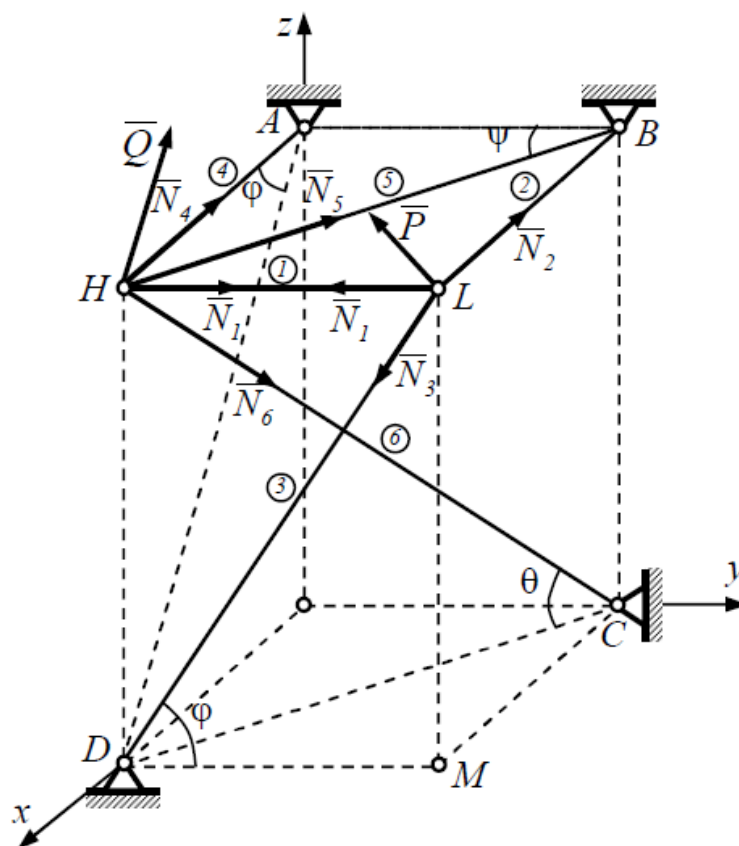
د مسئلې حل د L له نقطې څخه پیلوو، ځکه چې دلته درې نامعلومې قوې  $\bar{N}_1; \bar{N}_2; \bar{N}_3$  اغیزه کوي چې په لومړي، دوهم او دریم گادرو پورې اړه لري.



شکل 7.28-a

د  $L$  نقطه د  $\bar{P}$ ;  $\bar{N}_1$ ;  $\bar{N}_2$ ;  $\bar{N}_3$  فضايي متلاقي سیستم تر اغيزي لاندې واقع ده. د کار د آسانی لپاره د  $P$  قوه پردرو مرکبو باندې د شکل سره سم تجزیه کوو





شکل 7.28 bد

اوس نو د L د نقطې لپاره د تعادل معادلي لیکو:

$$\begin{cases} \sum F_{ix} = 0; P \cdot \cos \alpha_p - N_2 = 0 \\ \sum F_{iy} = 0; P \cdot \cos \beta_p - N_1 - N_3 \cdot \cos \varphi = 0 \\ \sum F_{iz} = 0; P \cdot \cos \gamma_p - N_3 \cdot \sin \varphi = 0 \end{cases}$$

د دي معادلي څخه لرو:

$$N_2 = P \cos \alpha_p = 200 \cos 45^\circ = 141.42 \text{ N}$$

$$N_3 = \frac{P \cos \gamma_p}{\sin \varphi} = \frac{200 \cos 60^\circ}{\sin 60^\circ} = 115.47 \text{ N}$$

او همدابول:

$$N_1 = P \cos \beta_p - N_3 \cos \varphi = 200 \cos 60^\circ - 115.47 \cos 60^\circ = 42.26 \text{ N}$$

لیکوال: محمود هلمند

د  $N_1$  مثبت علامه د دي بنکارندویه ده چې دا گادر کشیږي.

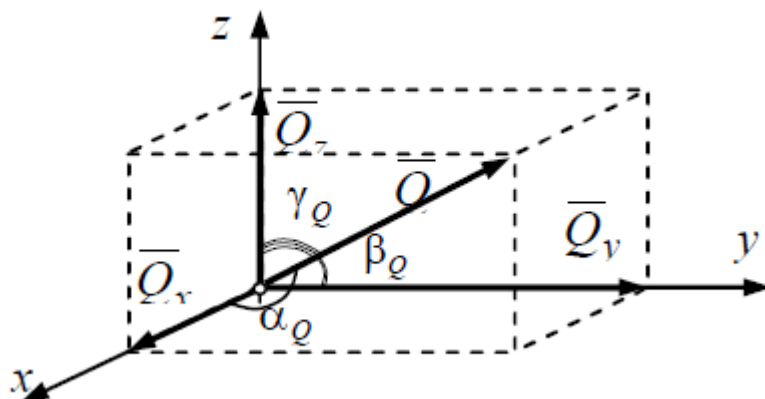
یوازې اوس د  $N_1$  تر پیدا کولو وروسته د  $H$  نقطه تر کتنې لاندې نیولای شو: پردې نقطې دا قوی اغیزه کوي:

$$\bar{N}_1; \bar{N}_4; \bar{N}_5; \bar{N}_6; \bar{Q}$$

چې د هغوی له منځه د  $Q$  او  $N_1$  مودولونه او لوري معلوم دي خود نورو لوري باید پیدا کړل شي.

د دي مجهولو کمیټونو په درلودلو سره مسئله بیا هم سناتیکی معینه ده.

د  $Q$  او  $P$  قوی د شکل سره سم پرمرکیبو باندې ویشو.



شکل 7-29

د  $H$  نقطې لپاره د تعادل معادلي لیکو:

$$\begin{cases} \sum F_{ix} = 0; Q \cdot \cos \alpha_Q - N_4 - N_5 \cdot \sin \psi - N_6 \cdot \cos \theta \cdot \sin \psi = 0 \\ \sum F_{iy} = 0; Q \cdot \cos \beta_Q + N_1 + N_5 \cdot \cos \psi + N_6 \cdot \cos \theta \cdot \cos \psi = 0 \\ \sum F_{iz} = 0; Q \cdot \cos \gamma_Q - N_6 \cdot \sin \theta = 0 \end{cases}$$

د دي لپاره چې د  $N_6$  د قوی مرتسمه د  $x$  او  $y$  پرمحورونو باندې پیدا کړو، نو د دوه گوني ارتسام له قاعدې څخه کار اخلو، یعنې لومړی د  $N_6$  وکتور پر هغې مستوي باندې رسمو چې دا محورونه هلته پراته دي، (د  $Oxy$ ) مستوي، وروسته د دي مرتسمې په مرسته د  $N_6$  د وکتور مرتسمه پر اړوند محور باندې پیدا کړو.

نو پدې ډول سره لرو چې:

$$N_{6x} = N_6 \cos \theta \cdot \sin \psi$$

$$N_{6y} = N_6 \cos \theta \cdot \cos \psi$$

د دي معادلو په حلولو سره لرو چې:

$$N_6 = \frac{Q \cos \gamma_Q}{\sin \theta} = \frac{100 \cos 60^\circ}{\sin 51^\circ} = 64.34 \text{ N}$$

$$N_5 = \frac{-Q \cos \beta_Q - N_1 - N_6 \cos \theta \cos \psi}{\cos \psi} =$$

$$\frac{-100 \cos 45^\circ - 42.25 - 64.34 \cos 51^\circ \cos 45^\circ}{\cos 45^\circ} = -200.25 \text{ N}$$

$$N_4 = Q \cos \alpha_Q - N_5 \sin \psi - N_6 \cos \theta \sin \psi =$$

$$100 \cos 60^\circ + 200.25 \sin 45^\circ - 64.34 \cos 51^\circ \sin 45^\circ = 162.97 \text{ N}$$

د قواو د علامو له مخې کولای شو ووايو چې څلورم او شپږم گادرونه کشیري خو پنځم گادر کنبیکنبل کیږي.

ځواب:

$$N_1 = 42.26 \text{ N}; N_2 = 141.42 \text{ N}; N_3 = 115.47 \text{ N}$$

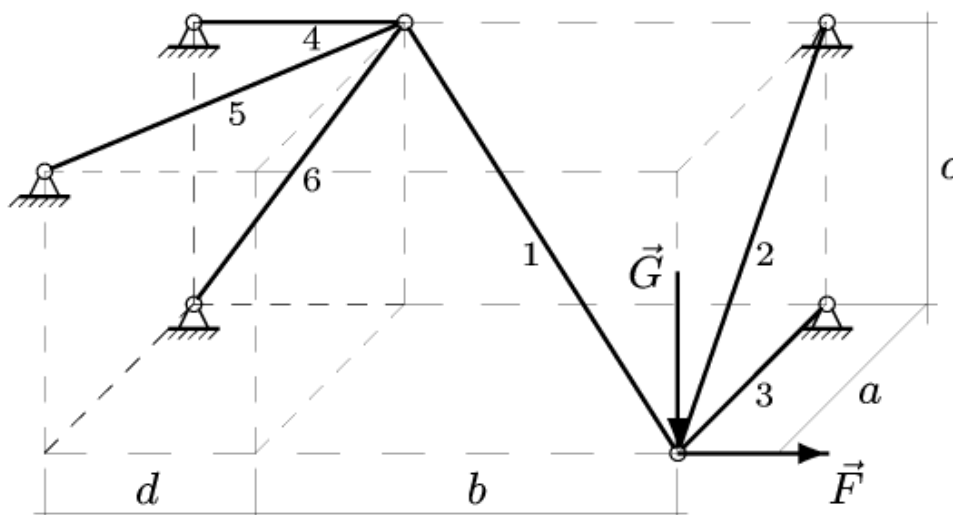
$$N_4 = 162.97 \text{ N}; N_5 = -200.25 \text{ N}; N_6 = 64.34 \text{ N}$$

### 7.9 - فضايي فرم Space Frame

د فضايي فرم په گادرو کې چې په یوې برخې کې تریار اچوني لاندې دي ، داخلي قوې پیدا کړئ ؟

دامثال هم هغسي لکه د مستوي فرم په ډول حلېږي ، یوازې توپیر یې د ساده فرم سره دا دی چې د تعادل د دوو معادلو پرځای د برخو لپاره د قواو مرتسمه پردرو محورونو یعنی xyz باندې پیدا کیږي او پدې ډول دلته درې معادلي شته دي:

$$\sum F_x = 0; \sum F_y = 0; \sum F_z = 0$$



شکل-7.30

1. دفریم برخې په تعادل کې واقع دي . دا برخې پرې کولو او دهغوی د گادرو اغیزه د عکس العمل په قواو باندې تعویضوو. د تریار لاندې گادرو د عکس العمل قوې د گادرو په امتداد غځوو. د علامو د ټاکلو د قاعدې سره سم چې که

گادرکش شي نو داخلي قوه يي مثبتته گنل کيږي ، نو دهرگادر د عکس العمل قوه د مقطع پر خارجي نورمال باندې متوجه کوو. محاسبه د هغې برخې څخه پيل کوو چيرې چې درې گادره دمجهولو قواو سره يوځای شوي دي .

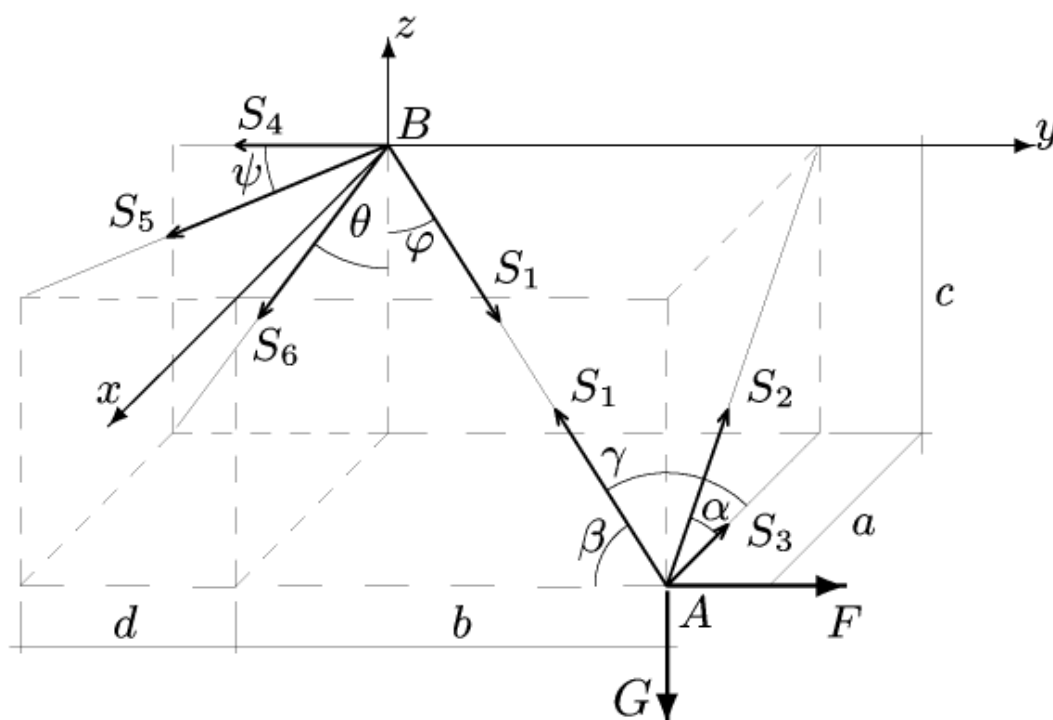
2. دهرپوه مفصل لپاره درې د تعادل معادلې د رسمو لپاره تشکيلوو، پلاس راغلی سيستم حلوو.

مثال:

### دوهم واريانت

د فضايي فيرم په 1-6 گادرو کې چې په يوې برخې کې يې د  $G = 100 \text{ kN}$  تر عمودي بار او افقي قوې  $F = 40 \text{ kN}$  تراغيزې لاندې دی ، داخلي قوې پيدا کړئ که چيرې

$a = 12 \text{ m}$  ;  $b = 16 \text{ m}$  ;  $c = 10 \text{ m}$  ;  $d = 5 \text{ m}$  وي؟



شکل 7.31

حل :

1: د A او B برخې په تعادل کې واقع دي . دا برخې پرې کوو او د گادرو اغيزه د عکس العمل د قواو له لارې بشپړو او هغوی د گادر په امتداد متوجه کوو.

2. محاسبه د A له نقطې يابرخې څخه پيل کوو ځکه چې دلته درې گادره د مجهولو قواو سره يوځای شوي دي . د دې برخې لپاره د تعادل درې معادلې د فضايي کار دیناتي سيستم د محورونو پرمخ تشکيلوو:

$$\Sigma F_x = 0 \Rightarrow -S_1 \cos \gamma - S_2 \cos \alpha - S_3 = 0$$

$$\Sigma F_y = 0 \Rightarrow -S_1 \cos \beta + F = 0$$

$$\Sigma F_z = 0 \Rightarrow S_1 \cos \varphi + S_2 \sin \alpha - G = 0 \dots (1)$$

په لومړي معادلوي سيستم کې درې مجهول کمیتونه شته دي يعنې  $S_1$  ،  $S_2$  ،  $S_3$

اوس به نو هغه مثلثاتي توابع محاسبه کړو چې په معادلې کې شته دي:

$$\sin\alpha = \frac{c}{\sqrt{a^2 + c^2}} = 0.640; \cos\alpha = \frac{a}{\sqrt{a^2 + c^2}} = 0.768$$

$$\cos\beta = \frac{b}{\sqrt{a^2 + b^2 + c^2}} = 0.716; \cos\gamma = \frac{a}{\sqrt{a^2 + b^2 + c^2}} = 0.537$$

$$\cos\varphi = \frac{c}{\sqrt{a^2 + b^2 + c^2}} = 0.447$$

نوږدې ډول سره د لومړي سيستم د معادلو په حلولو سره لرو چې :

د دوهمي معادلې څخه

$$S_1 = \frac{F}{\cos\beta} = \frac{40}{0.716} = 55.902 \text{ kN}$$

د درېمې معادلې څخه

$$S_2 = \frac{G - S_1 \cos\varphi}{\sin\alpha} = \frac{100 - 55.902(0.447)}{0.640} = 117.154 \text{ kN}$$

د لومړي معادلې څخه

$$S_3 = -S_1 \cos\gamma - S_2 \cos\alpha =$$

$$-55.902(0.537) - 117.154(0.768) = -120 \text{ kN}$$

د پلاسته راغلو قيمتونو علامې د دې بنکارونديې دي چې 1 او 2 گادرونه کشيري ، خو 3 گادرکبنيکبل کيږي

اوس نو د B برخې لپاره د تعادل معادلې تشکيلوو:

$$\Sigma F_x = 0 \Rightarrow S_1 \cos\gamma + S_5 \sin\Psi = 0$$

$$\Sigma F_y = 0 \Rightarrow S_1 \cos\beta - S_4 - S_5 \cos\Psi - S_6 \sin\theta = 0$$

$$\Sigma F_z = 0 \Rightarrow -S_1 \cos\varphi - S_6 \cos\theta = 0$$

دلته په دوهمه معادله کې درې مجهوله يعنې  $S_4, S_5, S_6$  شته دي،  $S_1$  مخکې د A د برخې د تعادل څخه پيداشوی دی

بيا به هم مثلثاتي توابع محاسبه کړو:

$$\sin\Psi = \frac{a}{\sqrt{a^2 + d^2}} = 0.923; \cos\Psi = \frac{d}{\sqrt{a^2 + d^2}} = 0.385$$

$$\sin\theta = \frac{d}{\sqrt{d^2 + c^2}} = 0.447; \cos\theta = \frac{c}{\sqrt{d^2 + c^2}} = 0.894$$

د دوهم معادلوي سيستم په حلولو سره لرو چې :

د لومړۍ معادلې څخه

$$S_5 = \frac{-S_1 \cos \gamma}{\sin \Psi} = \frac{-55.902(0.537)}{0.923} = -32.5 \text{ kN}$$

د دريمې معادلې څخه

$$S_6 = \frac{-S_1 \cos \varphi}{\cos \theta} = \frac{-55.902(0.447)}{0.894} = -27.951 \text{ kN}$$

د دوهمې معادلې څخه

$$S_4 = S_1 \cos \beta - S_5 \cos \Psi - S_6 \sin \theta = 55.902(0.716) - 32.5(0.385) - (-27.9)0.447 = 65 \text{ kN}$$

د قواو په لاس راغلي علامې د دې بنکارندويې کوي چې د 5 او 6 گادرونه کښيکښل کيږي او 4 گادرکشيري . پلاس راغلي نتايج به په جدول کې درج کړو:

| $S_1$  | $S_2$   | $S_3$    | $S_4$  | $S_5$   | $S_6$   |
|--------|---------|----------|--------|---------|---------|
| 55.902 | 117.154 | -120.000 | 65.000 | -32.500 | -27.951 |

### 7.10- په هغو گادروکي د قواو تعينول چې پليټونه ساتي

#### Determination of forces on bars, holding Plates

متجانسه قايم الزاويه افقي پليټ چې يومعين وزن لري پر 6 بي وزنه گادرو باندې چې د مفصل په مرسته د گادرو په آخرکي سره يوځای شوي دي ، تکیه لري .

د پليټ د ليري يا تيغي په اوږدو کې يوه قوه اغيزه کوي . په گادروکي د عکس العمل قوې پيدا کړي ؟

حل :

1. پليټ د گادرڅخه جلاکوو، د گادرو اغيزه د عکس العمل په قواو باندې بدلوو.

د عکس العمل قوې د پليټ څخه د گادرو په امتداد متوجه کوو. د متجانس قايم الزاويه پليټ وزن د هغه د مرکزڅخه و کښني خواته متوجه کوو.

2. د کاردينات سيستم دوه محوره د پليټ په اوږدوکي غځوو، دريم محور د پليټ پر مستوي باندې عمودي ايردو.

د کاردينات مبدأ په هغي نقطې کې نيسوچيري چې هرڅومره چې شوني وي ډيرگادرونه سره يوځای شوي وي اود تعادل معادلې تشکيلوو. دري معادلې د مرتسمو له مخې پرمحورونوباندې او دري معادلې د مومنتونو نظر و دې محورونو ته ليکو. پلاس راغلي معادلوي سيستم حلوو.

4. د حل سموالی کنترولوو، پلاس راغلي قيمتونه نظريووه اضافي محورته د مومنتونو په معادلې کې وضع کوو.

مثال :

متجانس افقي قايم الزاويه پليټ چې وزن يې  $20 \text{ kN}$  دی پر 6 بي وزنه گادرو باندې چې په آخرکي د مفصل په واسطه سره نښلول شوي دي ، تکیه لري .

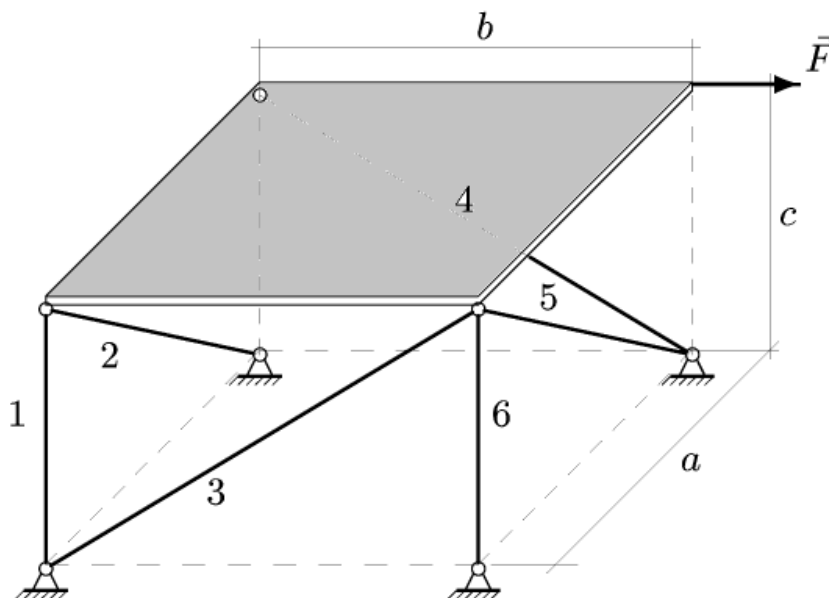
د پلیټ پر لیرو یا تیغو باندې د  $F = 10 \text{ kN}$  قوه اغیزه کوي (شکل ته دي وکتل شي) .

اندازي په لاندې ډول دي  $a = 7 \text{ m}$  ;  $b = 8 \text{ m}$  ;  $c = 6 \text{ m}$  . په گادرو کې قوې پیدا کړئ ؟

حل:

1. پلیټ د گادرو څخه جلا کوو او د هغوی تاثیر په عکس العمل قواو باندې بدلوو. د عکس العمل قوې د پلیټ څخه د گادرو په امتداد متوجه کوو. د متجانس قایم الزاویه پلیټ وزن دهغه و مرکز ته په عمودي ډول سره متوجه کوو. لاندې شکل دي وکتل شي .

2. د شکل سره سم د کار دینات سیستم ټاکو او د تعادل معادلي تشکیلوو. د مرتسمو په معادلو کې د  $x$  پرمحور باندې دا قوې نه دي شاملې :  $S_1, S_3, S_4, S_6, F, G$  دا قوې په هغې مستوي کې پرتې دي چې د  $Ox$  پرمحور باندې عموده ده. د  $y$  پرمحور باندې د مرتسمو په معادلي کې د  $S_1, S_2, S_5, S_6, G$  قوې ځای نه لري. دا قوې په هغې مستوي کې پرتې دي چې د  $Oy$  پرمستوي باندې عموده ده او د  $z$  پرمحور باندې د مرتسمو په معادلو کې د  $F$  افقي قوې څخه پرته نورې ټولې قوې شاملې دي .



شکل 7.32

$$\sum F_x = 0 \Rightarrow -S_2 \cos \alpha - S_5 \cos \alpha = 0$$

$$\sum F_y = 0 \Rightarrow -S_3 \cos \beta + S_4 \cos \beta + F = 0$$

$$\sum F_z = 0 \Rightarrow$$

$$-S_1 - S_2 \sin \alpha - S_3 \sin \beta - S_4 \sin \beta - S_5 \sin \alpha - S_6 - G = 0 \dots (3)$$

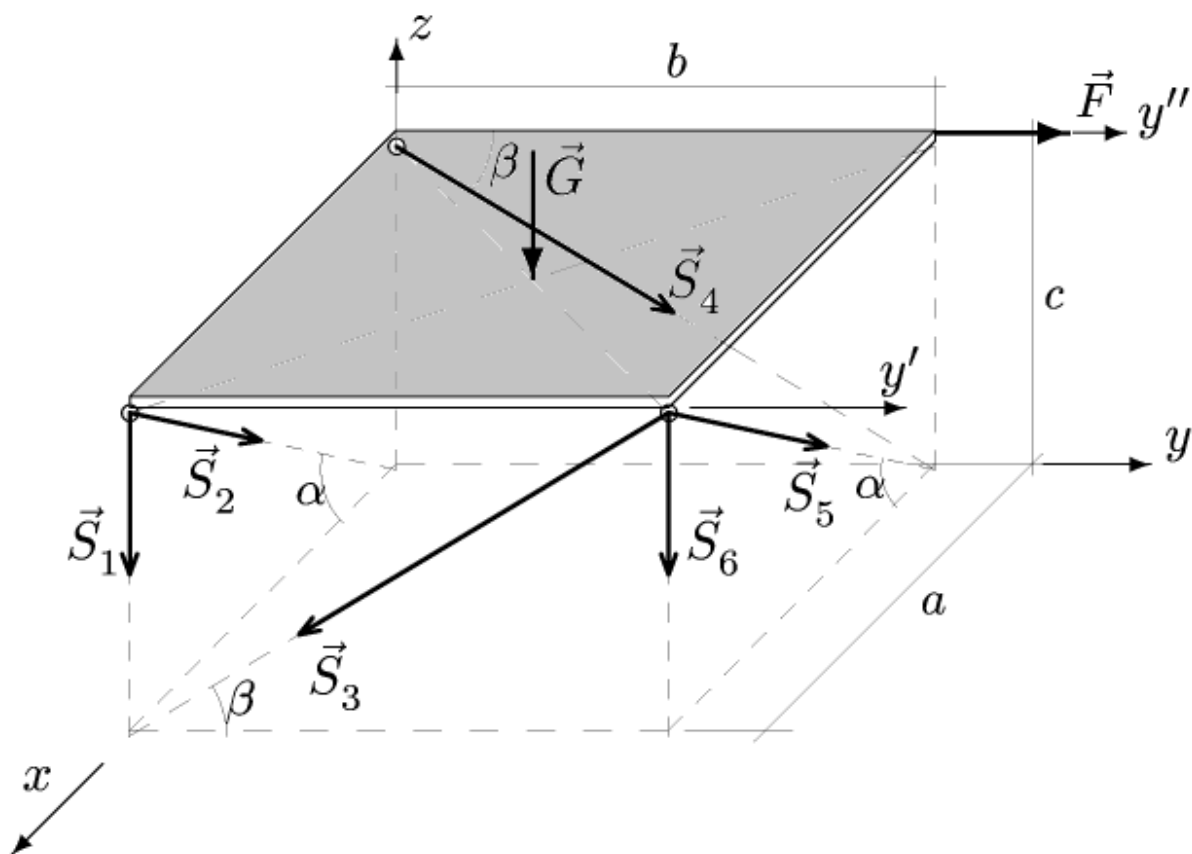
د  $S_1$  ،  $S_2$  او  $S_3$  د تاثیر کرښې د  $x$  د محور سره قطع کوي نو ځکه د هغوی مومنتونه نظر و دي محور ته صفر دي . د  $S_4$  قوې مومنت نظر د  $x$  د محور ته پردو مرکبو یعنې  $S_4 \cos \beta$  چې بازو یې نظر د  $x$  د محور ته  $C$  او عمودي مرکبي یعنې  $S_4 \sin \beta$  چې محور قطع کوي او نو ځکه یې مومنت هم صفر دی ، تجزیه کوو .

په همدې ډول سره د نورو قواو مومنتونه هم نظر و نورو محورونو ته پیدا کوو او د تعادل درې معادلي تشکیلوو .

$$\Sigma M_x(F_i) = 0 \Rightarrow -S_4 \cos \beta C - S_5 \sin \alpha b - S_6 b - FC - G \frac{b}{2} = 0$$

$$\Sigma M_y(F_i) = 0 \Rightarrow S_1 a + S_3 \sin \beta a + S_6 a + G \frac{a}{2} = 0 \dots (4)$$

$$\Sigma M_z(F_i) = 0 \Rightarrow -S_3 \cos \beta a + S_5 \cos \alpha b = 0$$



شکل 7.33

د مثلثاتي توابعو قيمتونه هم پيداكوو:

$$\sin \alpha = \frac{c}{\sqrt{a^2 + c^2}} = \frac{6}{9.219} = 0.651; \cos \alpha = \sqrt{1 - \sin^2 \alpha} = 0.759$$

$$\sin \beta = \frac{c}{\sqrt{b^2 + c^2}} = \frac{6}{10} = 0.6; \cos \beta = \sqrt{1 - \sin^2 \beta} = 0.8$$

د (1) او (4) شپږ معادلوي سيستم په حلوسره د قواو مومنتونه پيداكوو او لاسته راغلي نتايج و جدول ته رسوو.

| $S_1$  | $S_2$ | $S_3$  | $S_4$   | $S_5$  | $S_6$  |
|--------|-------|--------|---------|--------|--------|
| -2.500 | 3.841 | -4.167 | -16.667 | -3.841 | -5.000 |

3. د حل سموالی کنترولولو، د مومنتونو پلاسته راغلي قیمتونه نظر د  $y''$  اضافي محورته په معادله کې وضع کوو. د  $y''$  محور د پلټ په مستوي کې د  $y$  د محور سره موازي ښودل شوی دی.

$$\sum M_{y''}(F_i) = S_1 a + S_2 \sin \alpha a + S_3 \sin \beta a + S_5 \sin \alpha a + S_6 a + G \frac{a}{2} =$$

$$-2.5(7) + 3.841(0.651)7 - 4.167(0.6)7 - 3.841(0.651)7 - 5(7) + 10(7) = 0$$

یادونه: ځینې یاتولې د مرتسمو معادلي کولای شو نظر و نورو محورونو ته په معادلو باندې تعویض کړو، مثلاً زمونږ په مثال کې د پیچلي  $\Sigma Fz = 0$  پرځای چیرې چې ټولې مجهولې قوې شاملې دي، آسانه لاره داده چې نظر د  $y'$  و محورته ډیره ساده د مومنت معادله وکاروو:

$$\Sigma M_{y'}(F_i) = 0 \Rightarrow -S_4 \sin \beta a - G \frac{a}{2} = 0$$

اوله دې ځایه څخه نیغ په نیغه د  $S_4$  قوه پیدا کولای شو:

$$S_4 = -\frac{10}{0.6} = -16.667kN$$

خو د  $\Sigma Fz = 0$  معادله کولای شو لکه د کنترولي معادلي په څیروکاروو، ځکه چې د دې معادلي په کنترولولو سره به مورسم دلاسه ډاډمن شو چې ټولې قوې سمې پیداشوي دي او که نه، ځکه هغوی ټولې په دې معادلي کې ځای لري.

### 7.11- په فضا کې د کیفی قواو سیستم د تعادل شرایط

## Condition of Equilibrium of arbitrary Forces in space

### عمده وکتور او عمده مومنت Principal Vector and Principal Moment

هغه طریقه چې مور د قواو د مستوي سیستم و یوه مرکز ته د راوړلو لپاره مطالعه کړې ده، بیخي کولای شو د قواو د هغه سیستم لپاره هم په کار و اچوو چې په کیفی ډول سره په فضا کې واقع وي.

د «پوانسو» د قضیې سره سم کولای شو هر هره قوه د خپل ځانه سره موازي د جسم و هري نقطې ته ولیردوو او د دې لپاره و سیستم ته یوه قوه ایزه جوړه ورزیاتوو.

د فضايي قوه ایز سیستم د قواو څخه د هري قوې و یوې کیفی نقطې  $O$  (د راوړلو مرکز) ته په راوړلو سره مور کولای شو، د فضايي قواو متلاقي سیستم په همدې نقطې کې او د قوه ایزو جوړو سیستم چې په یوې مستوي کې واقع نه وي، په لاس راوړو.

هغه قوې چې په یوې نقطې کې تاثیر کوي، کولای شو د قوه ایز کنثیر الاضلاع د قاعدې سره سم یې جمع کړو او ټولې قوې په یوې معادلي قوې یعنې  $\vec{F}_{pri}$  چې په همدې نقطې کې تاثیر وکړي، بدلي کړو:

$$\vec{F}_{pri} = \sum \vec{F}_k$$

لکه د قواو د مستوي سیستم لپاره  $\vec{F}_{pri}$  وکتور مساوي دی د فضايي سیستم د ټولو قواو په هندسي مجموعې سره او همدا وکتور د دې سیستم عمده وکتور بلل کيږي.

د دې قوې مودول کولای شو د (7.3) فورمول په مرسته چې د متلاقي قواو د مستوي سیستم د محصله قوې په هکله مو په لاس راوړی و، هم په لاس راوړو:

$$R = F_{pri} = \sqrt{(\sum X_k)^2 + (\sum Y_k)^2 + (\sum Z_k)^2}$$

$$R = F_{pri} = \sqrt{(\sum F_x)^2 + (\sum F_y)^2 + (\sum F_z)^2}$$

د فضايي سيستم د قواو ويوه مرکزته د راوړلو په صورت کې ، هغه په لاس راغلی د قواو د جوړو سيستم چې په مختلفو مستوي گانو کې واقع دی ، هم کولای شو په يوې حاصله جوړې چې مومنت يې  $M_{pri}$  دی بدل کړو.  $M_{pri}$  - د فضايي سيستم د قواو عمده مومنت نظرو همدغه ټاکل شوي مرکزته .

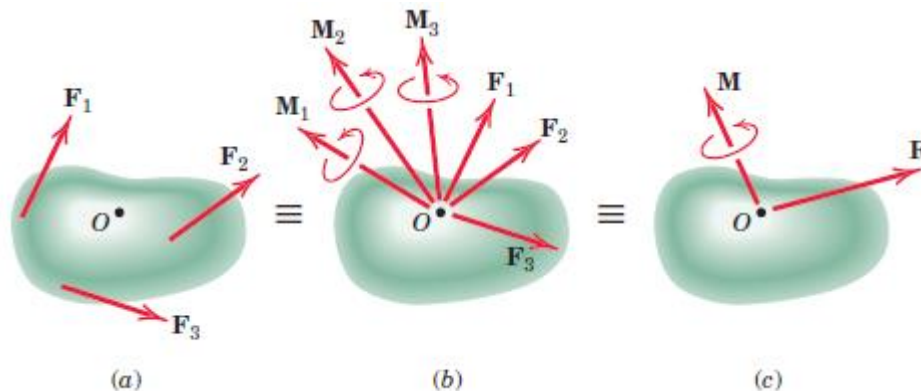
په فضا کې د کيفي قواو د جمع کولو لپاره ډول ډول میتودونه او طريقي شته دي . د ټاکلو قاعدو څخه په گټه اخیستلو سره کولای شو چې نه يوازې د حاصله جوړې مودول په لاس راوړو ، بلکې هغه مستوي چې جوړه په هغې کې پرته ده اود جوړې د څرخيدو جهت په همدې مستوي کې ، هم په لاس راوړو .

خود دې قاعدو د وضع کولو لپاره ضروري ده چې يولر مفاهيم هم مطالعه کړو .

د فضايي سيستم د قواو د عمده مومنت مودول نظريو په انتخابي مرکزته ، په دې ډول سره پيدا کيږي :

$$M_{pri} = \sqrt{[\sum M_x(F_k)]^2 + [\sum M_y(F_k)]^2 + [\sum M_z(F_k)]^2}$$

$\sum M_x(F_k)$  ،  $\sum M_y(F_k)$  او  $\sum M_z(F_k)$  د فضايي سيستم د ټولو قواو د مومنتونو الجبري مجموعه ده نظريو درو متقابلاً عمودي کارډیناتي محورونو ته چې مبدأ يې د راوړلو مرکزوي .



شکل 7.34

لکه چې پوهيږو د قواو جوړه نشو کولای په يوې قوې سره متعادل کړو نو د قواو د يوه کيفي فضايي سيستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې همغه دوه عمومي شرطونه مراعات شي کوم چې د کيفي مستوي سيستم لپاره مراعات کيږي .

د کيفي فضايي قوه ايز سيستم د تعادل لپاره ضروري او کافي ده چې د دې سيستم هم عمده وکتور او هم عمده مومنت نظريو په انتخابي مرکزته ، په صفر سره مساوي شي .

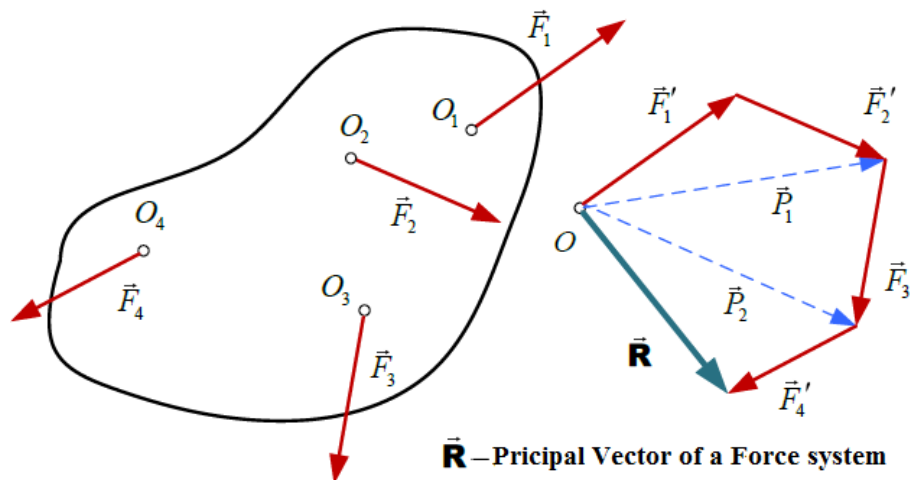
د عملي مقاصدو لپاره کولای شو دا شرايط آسانه اوساده کړو .

د قواو د فضايي سيستم د عمده وکتور  $F_{pri} = R$  او عمده مومنت  $M_{pri}$  د فورمولونو څخه داسې معلوميږي چې هغوی هله و صفرته رجوع کوي ، کله چې دامعادلي هم تحقق ولري :

$$\sum F_x = \sum X_k = 0 \quad ; \quad \sum M_x(F_k) = 0$$

$$\Sigma F_y = \Sigma Y_k = 0 \quad ; \quad \Sigma M_y(F_k) = 0 \quad \dots (7.7)$$

$$\Sigma F_z = \Sigma Z_k = 0 \quad ; \quad \Sigma M_z(F_k) = 0$$



شکل-7.35

د قواو د کيفي فضايي سيستم د تعادل لپاره ضروري اوکافي ده چې د ټولو قواو د مرتسمو مجموعه د کارديناتي محورونو څخه چې په کيفي ډول سره ټاکل شوي دي ، خوپه يوې مستوي کې واقع نه وي ، پر هره بوه محورباندي په جلا جلا توگه اوهمدارنگه د ټولو قواو د مومنتونو مجموعه نظروهر بوه محورته د درو محورونوڅخه ، مساوي په صفر شي.

**د تعادل د معادلو په هکله يوڅو څرگندونې :**

لکه چې پوهيږو دهرې قوې تاثيرنظرويوه محورته د هغې د مومنت له لارې نظروهمدغه محورته ، معلوميږي. د قوې مومنت نظرويوه محورته يوالجبري سکالري کميت دی او د سيستم دوراني تاثيرنظروهرمحورته د ټولو قواو د مومنتونو د الجبري مجموعې له لارې نظروهمدغه محورته ، په لاس راځي .

د ټولو قواو د مومنتونو د الجبري مجموعې نظرويوه محورته په صفرسره مساوي کيدل په دې معنی دي چې ودغه سيستم ته نشو کولای د دې محورپرشاوخوا دوراني حرکت ورکړو.

د تعادل د درو لومړيو معادلو په هکله:

$$\Sigma F_x = \Sigma X_k = 0 , \Sigma F_y = \Sigma Y_k = 0 , \Sigma F_z = \Sigma Z_k = 0$$

د دې معادلو صفر کيدل پدې معنی دي چې د قواو و دې سيستم ته چې د کارديناتو د درو محورونو چې په يوې مستوي کې واقع نه وي ، د هر محورپرجهت ، نشو کولای ، مخکې – وروسته حرکت ورکړو.

پايه بل عبارت دغه سيستم په هيڅ ډول نه شي کولای چې وجسم ته مخکې – وروسته حرکت ورکړي. نوپدې ډول سره د قواو دکيفي فضايي سيستم د تعادل لپاره د شپږو معادلو مراعات داپه گوته کوي چې و آزاد جامد جسم ته هرډول مخکې – وروسته اوبادوراني حرکت نه شي ورکول کيدای ، نوځکه نه شي کيدای چې د جسم د حرکت و حالت ته تغيرورکړل شي يا د هغه د سکون حالت تغيروخوري .

د مومنت دمعادلو په هکله:

$$\Sigma M_x(F_k) = 0, \Sigma M_y(F_k) = 0, \Sigma M_z(F_k) = 0$$

پدی صورت کی ویلای شو ، حتمی نه ده چی د محور جهت چی نظرو هغه ته مومنت نیول کیری د قواو د مرتسمو د محورد جهت سره یوشی وی .

د کار د آسانی لپاره به بنه دا وی چی د مرتسمی محورد یوی مجهولی قوی د تأثیر پر کربنی باندي عمود ونیسو ، نو په نتیجه کی د هغی قوی مرتسمه پر همدی محور باندي ، د معادلو څخه وزی .

د مومنت محور باید داسی ویاکل شی چی هغه باید د مجهولو قواو څخه د یوی قوی په مستوی کی واقع شی ، نو هغه وخت به د دی قوی مومنت نظرو همدغه محور ته په صفر سره مساوی شی .

په لنده توگه باید وویل شی چی محورونه باید داسی ځای پر ځای کړو چی د شپرو معادلو څخه په هر یوی معادلی کی په لږه اندازه مجهول کمیونه ځای ولری .

### مثال :

یو قایم الزاویه ور یا دروازه چی د عمودی محور  $AB$  پر شاوخوا راڅرخي د  $CAD$  پر زاویي  $60^\circ$  پرانیستی دی .  
 $Q = 160 N$  چی د  $CD$  په تار پوری څریري اودغه تار د څرخ په مرسته په دروازی پوری تړل شوی دی اود یوی  $F$  قوی بواسطه چی د  $K$  په نقطی کی تأثیر کوي او د دروازی پر مستوی باندي عموده ده ، په دغه حالت کی ساتل کیری . د دروازی جاذبه قوه  $G = 480 N$  ، جگوالی یی  $AB = 2.4 m$  ، پسوری  $AC = AD = BE = 1.8 m$  دی HBL زاویه  $60^\circ$  ده .

د  $F$  قوی مودول اود  $A$  استوانه یی مفصل د عکس العمل د قوی مودول پیدا کړی که چیری  $EK = 1.2m$  وي ؟

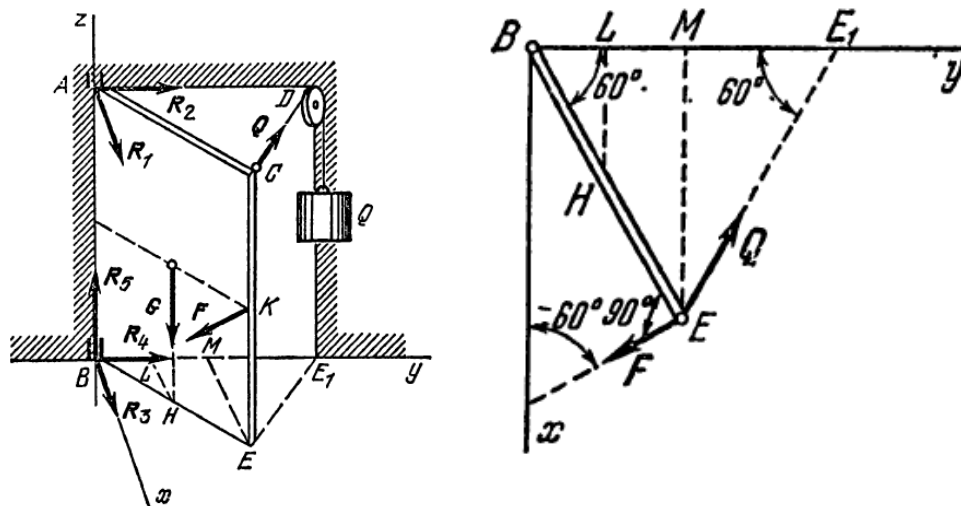
### حل :

د دروازه د دی قواو ترتأثیر لاندي په تعادل کی ده  $G$  ،  $Q$  ،  $F$  ، د مفصل د عکس العمل قوی او همدارنگه د  $B$  د چپ راست د عکس العمل قوی دی .

د  $B$  د عکس العمل قوه پردرو مرکبو باندي ویشو . د  $A$  مفصل و دروازی ته دا امکان ورکوي چی د عمودی محور پر شاوخوا وبنوئیری ، نو څکه د مفصل عمودی د عکس العمل قوه هم نه شته او دوی مرکبی  $R_1$  او  $R_2$  یی شته دي چی مور په هغوی باندي د  $A$  د عکس العمل قوه تجزیه کړی ده .

د  $B$  د چپ راست د عکس العمل قوی  $R_3$  ،  $R_4$  او  $R_5$  دي اود محورونو پر جهت متوجه دي .

د  $F$  او  $Q$  د مرتسمو او مومنتونو د پیدا کولو لپاره به آسانه دا وی چی دهغوی مرتسمی د  $xBy$  پر مستوی باندي ځای پر ځای کړو .



شکل 7.36

د xyz پرکار دیناتی محورونو باندې د ټولو قواو د مرتسمو او مومنتونو لپاره لاندې جدول ترتیبوو.

| قوه            | پر محور باندې د قواو مرتسمه |                    |                | دقواو مومنتونه نظر و محورونو ته |                       |                      |
|----------------|-----------------------------|--------------------|----------------|---------------------------------|-----------------------|----------------------|
|                | x                           | y                  | z              | x                               | y                     | z                    |
| G              | 0                           | 0                  | -G             | -G BL                           | G HL                  | 0                    |
| Q              | $-Q \sin 60^\circ$          | $Q \cos 60^\circ$  | 0              | $-Q \cos 60^\circ AB$           | $-Q \sin 60^\circ AB$ | $Q \sin 60^\circ BE$ |
| F              | $F \cos 60^\circ$           | $-F \sin 60^\circ$ | 0              | $F \sin 60^\circ EK$            | $F \cos 60^\circ EK$  | $-F BE$              |
| R <sub>1</sub> | R <sub>1</sub>              | 0                  | 0              | 0                               | R <sub>1</sub> AB     | 0                    |
| R <sub>2</sub> | 0                           | R <sub>2</sub>     | 0              | $-R_2 AB$                       | 0                     | 0                    |
| R <sub>3</sub> | R <sub>3</sub>              | 0                  | 0              | 0                               | 0                     | 0                    |
| R <sub>4</sub> | 0                           | R <sub>4</sub>     | 0              | 0                               | 0                     | 0                    |
| R <sub>5</sub> | 0                           | 0                  | R <sub>5</sub> | 0                               | 0                     | 0                    |

د تعادل معادلي لاندې شکل ځانته نیسي :

$$\Sigma F_x = \Sigma X_k = -Q \sin 60^\circ + F \cos 60^\circ + R_1 + R_3 = 0$$

$$\Sigma F_y = \Sigma Y_k = Q \cos 60^\circ - F \sin 60^\circ + R_2 + R_4 = 0$$

$$\Sigma F_z = \Sigma Z_k = -G + R_5 = 0$$

$$\Sigma M_x(F_k) = -G BL - Q \cos 60^\circ AB + F \sin 60^\circ EK - R_2 AB = 0$$

$$\Sigma M_y(F_k) = G HL - Q \sin 60^\circ AB + F \cos 60^\circ EK + R_1 AB = 0$$

$$\Sigma M_z(F_k) = Q \sin 60^\circ - F BE = 0$$

$$BL = BH \sin 60^\circ = \frac{BE}{2} \cos 60^\circ = \frac{1.8}{2} \left(\frac{1}{2}\right) = 0.45 \text{ m}$$

$$HL = BH \sin 60^\circ = 1.8/2 \left(\frac{\sqrt{3}}{2}\right) = (0.45)\sqrt{3} \text{ m}$$

د دې قیمتونو په وضع کولو سره لرو چې :

$$F = 80\sqrt{3} \text{ N}; R_1 = -50\sqrt{3} \text{ N}; R_2 = -110 \text{ N}$$

$$R_3 = 90\sqrt{3} \text{ N}; R_4 = 150 \text{ N}; R_5 = 480 \text{ N}$$

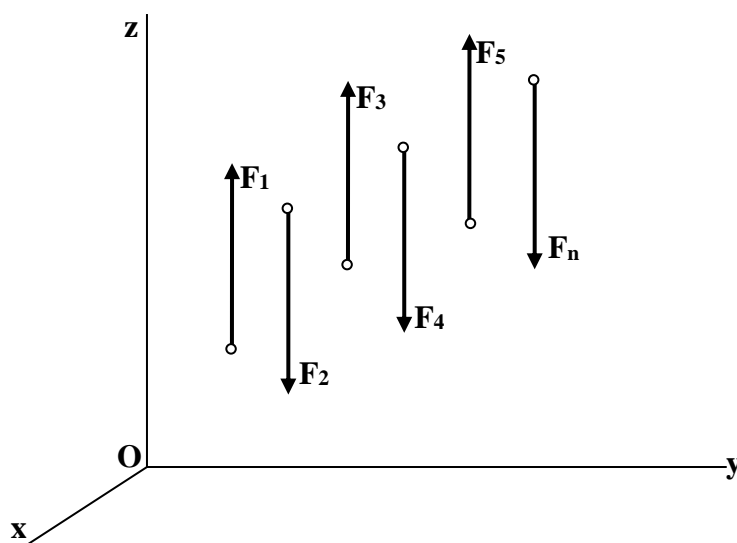
د  $R_1$  او  $R_2$  منفي علامې دابنې چې د دوی جهتونه د شکل پر خلاف دي.

## 7.12- د موازي قواو د فضايي سیستم د تعادل معادلي

### Equation of Equalibirum of Parallel Forces system in space

د قواو د کيفي فضايي سیستم د تعادل د عمومي معادلو څخه په گټه اخیستلو سره کولای شو چې د موازي قواو د سیستم د تعادل معادلي پیدا کړو.

د موازي قواو  $F_1, F_2, F_3, F_4$  سیستم لرو، لکه څنګه چې د کادریناتي محور ټاکل کيفي دي، نود z محور د دې قواو سره موازي نیسو او د تعادل «6» شپږ معادلي د فضايي سیستم لپاره تشکیلوو.



شکل 7.37

لکه څنگه چې د  $x$  او  $y$  محورونه پردې قواو باندې عمود دي ، نو پردې محورونو باندې د دې سيستم د هرې قوې مرتسمه به هم صفروي .

يعني داچې د محورونو پداسې ډول انتخاب سره د  $\Sigma Xk = 0$  ;  $\Sigma yk = 0$  تعادل معادلي بيله دي چې داپه نظرکي ونيول شي چې دا سيستم په تعادل کي دی او که نه – تحقق پيدا کوي ، نوځکه هغوی نور د تعادل شرايط نشي بلل کيدای .

لکه چې وينو دا ټولې قوې د  $z$  د محور سره موازي دي ، نو د هغوی مرتسمې پردې محور باندې د دوی د مودول سره مساوي اود دې موضوع په نظرکي نيولوسره چې هغوی د محور د کوم جهت سره موازي دي ، علامه يې مثبت اوياهم منفي نيول کيږي . نولدي ځايه څخه معلوميري چې د تعادل  $\Sigma Zk = 0$  معادله کولای شو پر  $\Sigma(\pm F_k) = 0$  په معادلي باندې بدله کړو.

د  $\Sigma Mz(Fk) = 0$  معادله هم له منځه ځي ځکه چې دټولو قواو مومنت نظرو « $z$ » محورته چې د دې قواو سره موازي دی ، جلا جلا بايد د قواو په هر قيمت اواندازه اود دوی په هرې فاصلي سره نظرد  $z$  ومحورته ، صفر شي. پدې ډول سره د موازي قواو د سيستم د تعادل لپاره يوازې درې معادلي پاته کيږي .

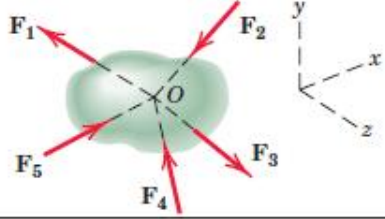
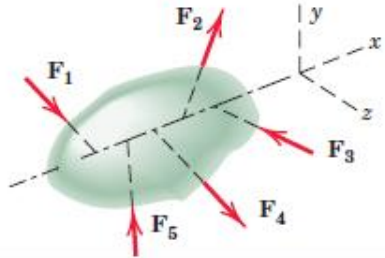
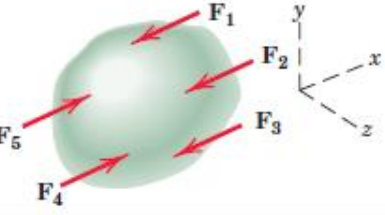
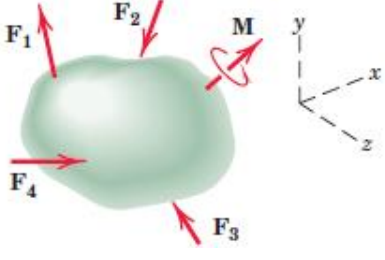
$$\Sigma(\pm Fk) = 0 \quad ; \quad \Sigma Mx(Fk) = 0 \quad ; \quad \Sigma My(Fk) = 0 \quad \dots (7.8)$$

د موازي قواو د فضايي سيستم د تعادل لپاره ضروري اوکافي ده چې د ټولو قواو او د هغو د مومنتونو نظر وهر و دوو محورونو ته چې پر دې موازي قواو باندې عموده مستوي کي واقع وي ، په صفر سره مساوي شي . د قواو کيفي فضايي سيستم چې د هغه لپاره هغه د تعادل شرايط چې «د قوې مومنت نظرومحورته» په بحث کي مطالعه شوي ول او هغه د تعادل معادلي چې اړيني بريښي، پر جسم باندې د وارده قواو عمومي حالت بلل کيدلای شي. هغه د تعادل معادلي چې مورمخکي د قواو د موقعيت د ځانگړو حالاتو لپاره په لاس راوړي وي ، کولای شو د هغو شپږو معادلو په څير چې د موازي قواو د فضايي سيستم لپاره مو ثابتي کړي، هم په لاس راوړي وای . د قواو د موقعيت دهر حالت لپاره د تعادل معين شمير معادلي کافي شميرل کيږي ، نولدي امله د هر حالت لپاره کولای شو معين شمير آزادي معادلي جوړي کړو .

پورتنی موضوع ډيره مهمه ده، ځکه هغه وخت چې د مجهولو کميتونو شمير د تعادل د آزادو معادلو تر شمير چې د دی حالت لپاره يې ليکلای شو ، زيات وي ، نومسئله، په سناتيکي ناتيکلي مسئلي باندې بدليري .

په فضا کې د قوه ايز سيستمونو د تعادل معادلي او شيما گاني

*Cotegories of equilibrium in three dimension*

| آزادي معادلي  | د قوه ايز سيستم شيما  | قوه ايز سيستم   |
|---|---|---|
| $\Sigma F_x = 0; \Sigma F_y = 0$<br>$\Sigma F_z = 0$  |    | <p>په يوه نقطه کې متلاقي قوې</p> <p>Concurrent at a point</p>   |
| $\Sigma F_x = 0; \Sigma F_y = 0;$<br>$\Sigma F_z = 0$<br>$\Sigma M_y = 0; \Sigma M_z = 0$                     |    | <p>د کرني په مرسته متلاقي قوې</p> <p>Concurrent with a line</p> |
| $\Sigma F_x = 0; \Sigma M_y = 0;$<br>$\Sigma M_z = 0$   |   | <p>موازي قوې</p> <p>Parallel</p>                                |
| $\Sigma F_x = 0; \Sigma F_y = 0;$<br>$\Sigma F_z = 0$<br>$\Sigma M_x = 0; \Sigma M_y = 0$<br>$\Sigma F_z = 0$ |  | <p>کيفي قوې General</p>   |

**مثال:**

د يوې درې عرابه يي کراچي د K په نقطې کې  $G = 1kN$  بار پروت دی .

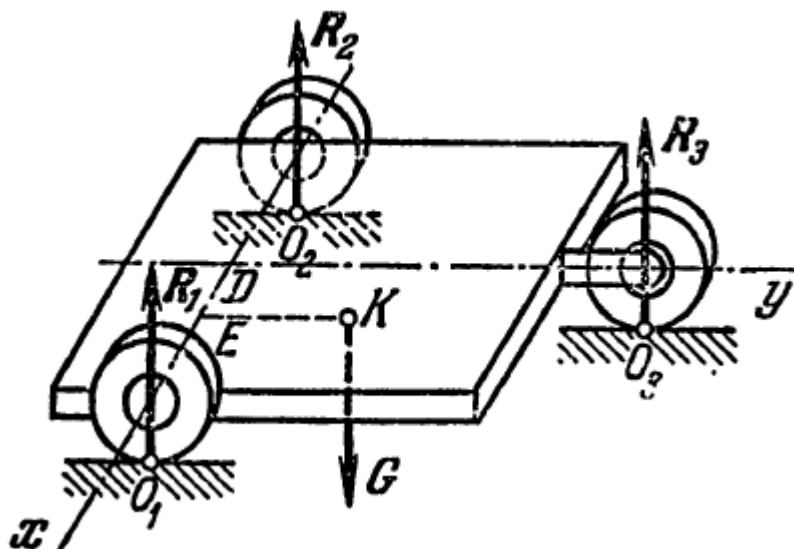
پرمخکه باندې د کراچي د هرې عرابې د فشار قوه پيدا کړئ که چيرې:

$$O_1O_2 = 1 m ; O_3D = 1.6 m ; O_1E = 0.4 m ; EK = 0.6 m$$

او د D نقطه د  $O_1O_2$  په منځ کې پرته ده؟ د کراچي د وزن څخه تيریرو .

حل :

کراچي د موازي قواو د فضايي سيستم تر تاثير لاندې په تعادل کې ده . دا قوي عبارت دي له  $R_3$  ،  $R_2$  ،  $R_1$  ،  $G$  .  
پدې مسئلې کې درې مجهول کميتونه لرو نوځکه بايد درې د تعادل معادلې هم تشکيلي کړو .



شکل 7.38

په هغې مستوي کې چې د دې قواو د تاثير پرکړنو باندې عموده ده ، د  $x$  او  $y$  محورونه لکه چې په شکل کې ښودل شوي ده ، ځای پرځای کوو .

د تعادل معادلې به داسې وي:

$$1 - \sum F_k = G - R_1 - R_2 - R_3 = 0$$

$$2 - \sum M_x(F_k) = -G \cdot EK + R_3 \cdot O_3D = 0$$

$$3 - \sum M_y(F_k) = G \cdot ED - R_1 \cdot O_1D + R_2 \cdot O_2D = 0$$

| قوه   | دقوي مومنت نظر و محورونو ته |                   |
|-------|-----------------------------|-------------------|
|       | x                           | y                 |
| $G$   | $-G \cdot EK$               | $G \cdot ED$      |
| $R_1$ | 0                           | $-R_1 \cdot O_1D$ |
| $R_2$ | 0                           | $R_2 \cdot O_2D$  |
| $R_3$ | $R_3 \cdot O_3D$            | 0                 |

د دې معادلو په حل کولو او د راکرل شوو قيمتونو په وضع کولو سره لرو چې :

له دوهمې معادلې څخه

$$G \cdot EK - R_3 \cdot O_3D = 0 \Rightarrow$$

$$R_3 = \frac{G \cdot EK}{O_3D} = \frac{1000N \cdot 0.6m}{1.6m} = 375 N = 0.375 kN$$

له دريمې معادلې څخه

$$G \cdot ED - R_1 O_1D + R_2 O_2D = 0 \Rightarrow$$

$$R_2 = \frac{R_1 \cdot O_1D - G \cdot ED}{O_2D} = \frac{R_1 \cdot 0.5 - 1000N \cdot 0.1m}{0.5m} = R_1 - 200 N$$

داقيمت په  $G - R_1 - R_2 - R_3 = 0$  کې وضع کوو ، لرو چې :

$$G - R_1 - R_2 - R_3 = 0$$

$$1000N - R_1 - R_1 + 200N - 375 N = 0$$

$$-2R_1 + 825N = 0$$

$$R_1 = \frac{825N}{2} = 412 N = 0.412 kN$$

$$R_2 = R_1 - 200 N = 412 N - 200 N = 212 N = 0.212 kN$$

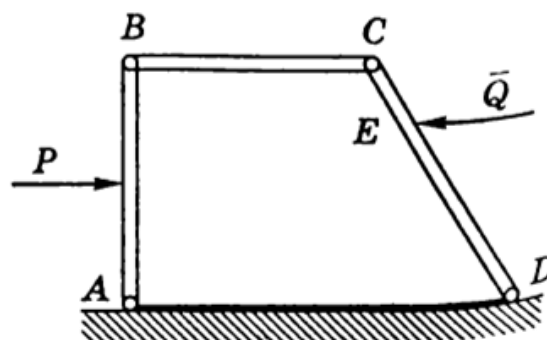
دعرايې مجهولي د فشار قوې به پرمخکه په مودول سره د دې قواو سره مساوي ولې مخالف الجهته وي.

**مثال:**

په مفصل والا څلوربرخو لرونکي ميخانيزم کې د BC برخه د AD ساکنې برخې په وړاندې موازي ده .

د  $AB = h$  پر AD باندې عموده ده . د AB په نيمايي کې افقي قوه P وارده شوي ده .کومه افقي قوه Q بايد د CD پر برخې باندې د E په نقطې کې وارده شي ( $CE = CD/4$ ) ترڅو ميخانيزم په تعادل کې واوسي .

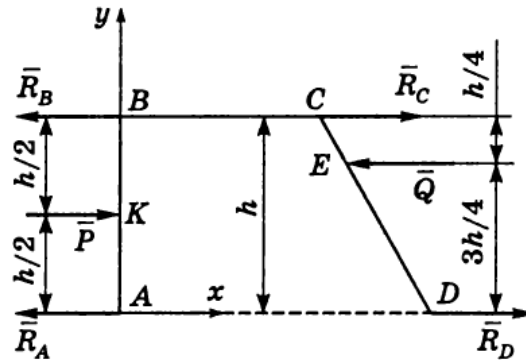
د D په مفصل کې د عکس العمل قوه پيدا کړئ ؟ د برخو د وزن څخه به تير شو:



شکل 7.39

حل :

لومړی به شیمارسمو او ټولې قوې په هغه کې ښیو . دغه ميخانيزم به پردرو برخو باندې وويشو : AB ، BC او CD .



شکل 7.40

د دي برخو تعادل به په ترتيب سره وگورو :

د AB برخي لپاره د ټولو قواو مرتسمي د x پرمحورباندي او د ټولو قواو مومنتونه نظر د A ونقطي ته پيداكوو:

$$P - R_A - R_B = 0$$

$$-P \cdot h/2 + R_B \cdot h = 0 \Rightarrow R_A = R_B = 1/2(P)$$

د DC برخي لپاره د ټولو قواو مومنتونه نظر د C او D ونقطو ته پيداكوو:

$$-Q \cdot h/4 + R_D \cdot h = 0$$

$$Q \cdot 3/4h - R_C \cdot h = 0 \Rightarrow R_D = 1/4(Q); R_C = 3/4(Q)$$

د BC برخي لپاره د ټولو قواو مرتسمه د x پرمحورباندي پيداكوو:

$$R_B - R_C = 0 \Rightarrow R_B = R_C$$

دا وروستي معادله د عمل او عكس العمل د برابري د اكسيوم له مخي هم د تحقق وړ ده، نو په پای كې لروچي :

$$R_B = R_C \Rightarrow \frac{3}{4}Q = \frac{1}{2}P \Rightarrow Q = \frac{2}{3}P$$

$$R_D = \frac{1}{4}Q = \frac{1}{4} \cdot \frac{2}{3}P = \frac{1}{6}P$$

خواب : پر ED باندي و راستي خواته متوجه ده .

### 7.13 - مشق او تمرين

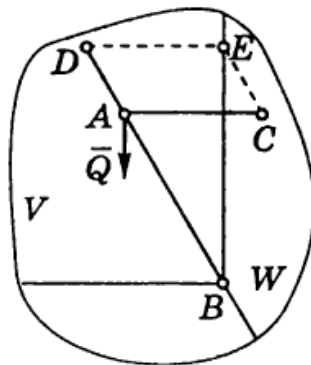
- د شكل سره سم د  $Q = 100 \text{ N}$  بارچي د  $AO$  ميلي سره د مفصل په مرسته د A په نقطه كې په 45 درجي زاويه باندي و افق ته مایل محكم كرل شوی دی او د دوو افقي زنځيرونو پواسطه  $BO$  او  $CO$  چې اوږدوالی يې سره يوشی دی ، پورته ساتل كيږي.

$$\angle CBO = \angle BCO = 45^\circ$$

په ميلي كې د S داخلي قوه او د زنځير د كتش قوه T پيداكړئ ؟

$$\text{خواب : } S = -141 \text{ N} ; T_1 = T_2 = 70.7 \text{ N}$$

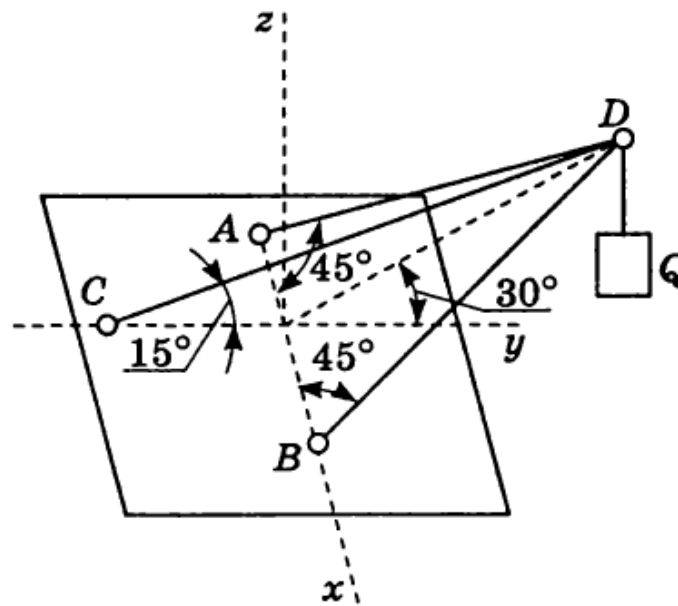




خواب :  $T_B = -580 \text{ N}$  داسي معلوميري چي AB کښي کښل کيږي .

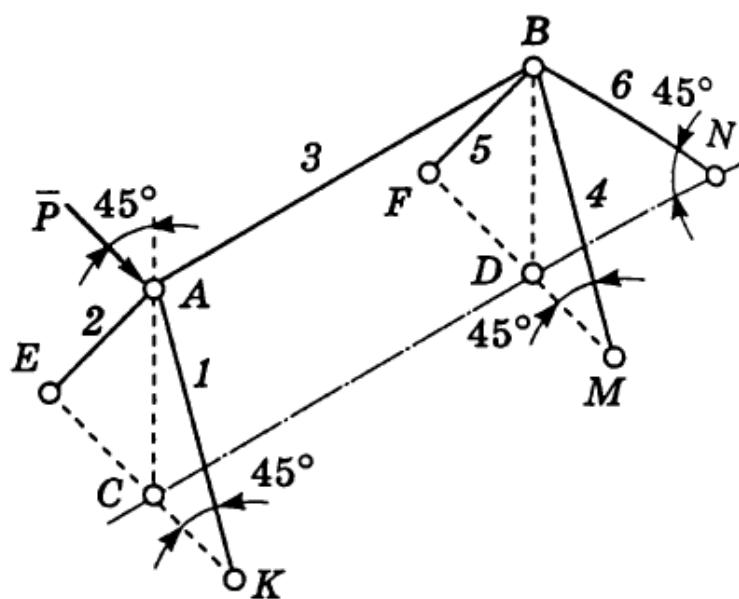
$T_C = 320 \text{ N}$  ;  $T_D = 240 \text{ N}$  داسي معلوميري چي AC او AD کشيږي.

- د شکل سره سم  $Q = 1 \text{ kN}$  بار د D په نقطې کې خړيږي ، د A ، B او D په نقطو کې گادرونه د مفصل په مرسته محکم کرل شوي دي . د A ، B او C د اتکاوو د کس العمل قوي پيدا کړئ ؟



خواب :  $R_A = R_B = 2.64 \text{ kN}$  ;  $R_C = 3.35 \text{ kN}$

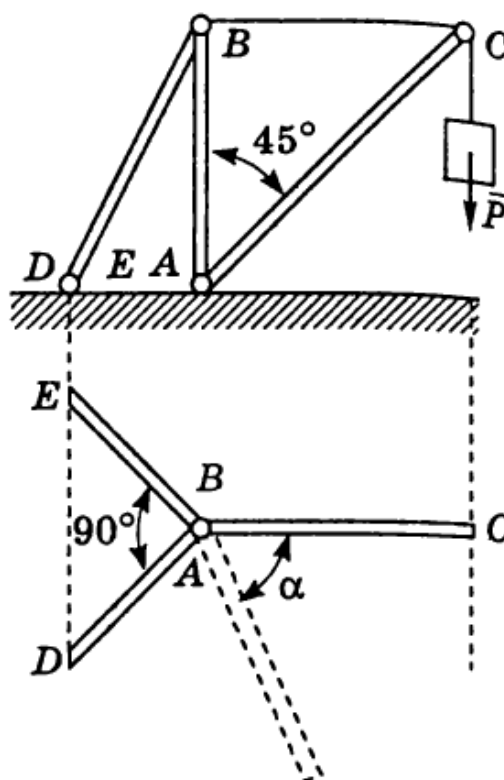
- په شکل کې يو فضايي فيرم بنودل شوی دی چې د شپږو ميلو څخه جوړ شوی دی ، 6 ، 5 ، 4 ، 3 ، 2 ، 1. د P قوه د A په نقطه کې تاثير کوي ، دا د ABDC مستطیل مستوي ده . د دې قوی د تاثير کړښه د AC عمودي کرښې سره 45 درجې زاويه جوړوي . د EAK مثلث د FBM مثلث سره مساوي دی . د متساوي الاضلاع مثلثونو EAK ، FBM ، NDB زاويې د A ، B او D په رأسونو کې قايمي دي . که د P قوه مساوي په يوه کبلو نيوتن وي ، نو په گادرو کې داخلي قوی پيدا کړئ ؟



خواب :

$$S_1 = -0.5 \text{ kN} ; S_2 = -0.5 \text{ kN} ; S_3 = -0.707 \text{ kN} ; S_4 = 0.5 \text{ kN} ; S_5 = 0.5 \text{ kN} ; S_6 = -1 \text{ kN}$$

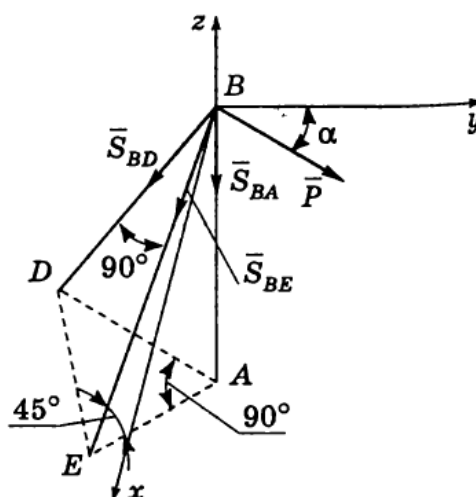
- د کرین په پښو او عمودي ستنې کې د شکل سره سم د  $\alpha$  زاويې په نظر کې نیولو سره قوې پیدا کړئ؟ که چیرې  $AB = BC = AD = AE$  او د A ، B ، E او D په نقطو کې اتکايي مفصلي دي .



لارینوونه:

شیما رسمو او د تعادل معادلی لیکو:

$$\begin{cases} -S_{BD} \cos 45^\circ \sin 45^\circ + S_{BE} \cos 45^\circ \sin 45^\circ + P \sin \alpha = 0 \\ -S_{BD} \cos 45^\circ \cos 45^\circ - S_{BE} \cos 45^\circ \cos 45^\circ + P \cos \alpha = 0 \\ -S_{BD} \sin 45^\circ - S_{BE} \sin 45^\circ - S_{AB} = 0 \end{cases}$$



خواب:

$$S_{AB} = -P\sqrt{2} \cos \alpha; S_{BD} = P(\cos \alpha - \sin \alpha); S_{BE} = P(\sin \alpha + \cos \alpha)$$

### 7.14 - کنترولي پوښتنې

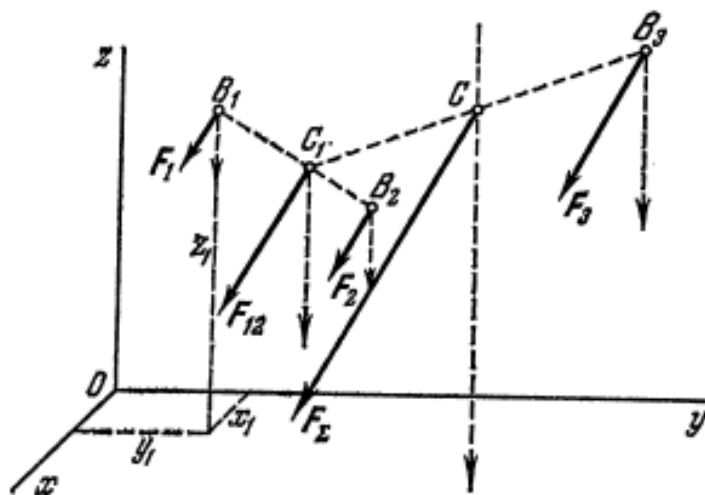
1. په فضا کې د نقطې کار دینات څرنگه پیدا کړي؟
2. په فضا کې دیکارت کار دیناتي سیستم او وکتور تشریح کړی؟
3. د وکتور مرتسمه پر محور باندې څه ډول پیدا کړي؟
4. د قوې مرتسمه پر مستوي باندې څه ډول پیدا کړي؟
5. د قوې تجزیه پر کار دیناتي محورونو باندې واضح کړی؟
6. د قوې مومنت نظر و محور ته څرنگه پیدا کړي؟
7. په پلایت ساتونکو گادرو کې قوې څرنگه تعیین کړي؟
8. په فضا کې د کيفي قوه ایز سیستم د تعادل شرایط او عمده وکتور او عمده مومنت یعنې څه؟
9. د موازي قواو د فضايي سیستم د تعادل معادلی کومې دي؟

## اتم فصل

## 8.1 د موازي قواو مرکز Center of Parallel Forces

د دوو موازي قواو د جمع کولو طريقي په پوهيدلو سره سخته نه ده چې دهغو يوه په بلې پسې د جمع کولو له لارې د قواو د موازي سيستم لپاره محصله قوه پيدا کړو .

مثلاً :



8.1 شکل

د  $B_1$  ،  $B_2$  ،  $B_3$  په نقطو کې موازي او ويوه جهت ته متوجه قوې  $F_1$  ،  $F_2$  ،  $F_3$  پر جسم باندې تاثیر کوي .

لومړی د قاعدې سره سم د  $F_1$  او  $F_2$  قوې سره جمع کوو او دهغوی محصله قوه  $F_{12}$  پيدا کوو . تردې وروسته د  $F_{12}$  محصله قوه د  $F_3$  سره په عين ډول جمع کوو او په پای کې د ټولو درو قواو محصله قوه  $\Sigma F$  په لاس راوړو .

دغه محصله قوه  $\Sigma F$  د دې درو قواو سره موازي او همجهته ده .

د محصله قوې مودول د ټولو قواو د مودول سره مساوي دی

$$R = \Sigma F = F_{12} + F_3 = F_1 + F_2 + F_3 = \Sigma Fk$$

اوس به نو د  $C$  نقطې موقعيت پيدا کړو د کومې څخه چې دغه محصله قوه تيريږي .

د محصله قوې د تاثير د نقطې په توگه کولای شو هر ه کيفي نقطه ونيسو چې د دې د تاثير پرکربنې باندې پرته وي .

خو داسې معلومېږي چې د هغوی څخه يوازې يوه نقطه يعنې د C نقطه چې په ترتيب سره د قواو د جمع کولو په نتيجه کې په لاس راغلي ده ، يو ډېر مهم او ځانگړی خاصيت لري .

دغه خاصيت په دې کې نغښتی دی ، که چېرې مورټولي قوې دهغو د تاثيرد نقطو په نسبت تریوي مساوي زاويې لاندې را ولو «راکړي يې کړو» ، په شکل کې په نه ليدونکو کرښو سره ښودل شوي دي ، د قواو وموازي والي ته هم زيان وا نه روو ، نو د دې قواو د محصله قوې د تاثير کرښه به چې تر همدغې زاويې لاندې کړه شوې ده ، بيا هم د دې نقطې يعنې C څخه تيره شي .

د C نقطه د موازي قواو د سيستم د مرکز په نامه سره يادېږي . دغه اصل د ارسطو لخوا 250 کاله د ميلاد څخه مخکې وضع شوی دی .

د پورته تشریحاتو څخه دا څرگنديږي چې د دې موازي قواو د سيستم مرکز عبارت دهغې نقطې څخه دی ، له کومې څخه چې د دې سيستم د محصله قوې د تاثير کرښه تيرېږي ، پداسې حال کې چې د سيستم قوې د خپلو تاثيرد نقطو پر شاوخوا پریوي زاويې او عين جهت ته په هر ډول چې وي ، راکړي شوي دي .

اوس به د موازي قواو د سيستم د مرکز د کار دیناتو د پيدا کولو لپاره فورمولونه په لاس راوړو .

### a- د تحلیلي هندسي په مرسته:

د کار دیناتي محورونو په فضا يي سيستم کې د قواو د تاثيرد نقطو کار دینات په دې ډول سره ښیو .

$$B_1(x_1, y_1, z_1) ; B_2(x_2, y_2, z_2) ; B_3(x_3, y_3, z_3)$$

د موازي قواو د مرکز C کار دینات په  $x_C, y_C, z_C$  سره ښیو .

لومړی ، د  $C_1$  نقطې لپاره چې په هغې کې د  $F_1$  او  $F_2$  محصله قوه  $F_{12}$  تاثير کوي د فاصلي محور يعنې  $x'$  پيدا کوو .

د دې لپاره د تحلیلي هندسي څخه دهغې نقطې د کار دیناتو لپاره دهغه فورمول څخه گټه اخلو چې ټوټه کرښه د  $m/n$  په نسبت باندي ویشي يعنې :

$$x' = \frac{x_1 + \frac{m}{n} \cdot x_2}{1 + \frac{m}{n}} \dots (*)$$

$x_1, x_2$  دارونده قطعه خط دمبدأ او انجام کار دینات دي .

لکه څنگه چې  $C_1$  د مرکبو قواو د تاثيرد نقطو ترمنځ کرښه د دې قواو سره پر معکوساً متناسبو برخو باندي ویشي نو

$$B_1 C_1 / C_1 B_2 = F_2 / F_1$$

او زموږ په دې حالت کې  $m/n = F_2 / F_1$

نولدي ځایه څخه معلومېږي چې:

$$x' = \frac{x_1 + \frac{F_2}{F_1} x_2}{1 + \frac{F_2}{F_1}} = \frac{\frac{F_1 x_1 + F_2 x_2}{F_1}}{\frac{F_1 + F_2}{F_1}} = \frac{F_1 x_1 + F_2 x_2}{F_1} \cdot \frac{F_1}{F_1 + F_2} = \frac{F_1 \cdot x_1 + F_2 \cdot x_2}{F_1 + F_2}$$

$$x' = \frac{F_1 \cdot x_1 + F_2 \cdot x_2}{F_1 + F_2}$$

اوس نو د  $C$  نقطې لپاره د  $x_c$  د فاصلي محور پيدا کولو، چيرې چې د ټولو قواو محصله قوه  $\Sigma F$  تاثير کوي يعنې د درو موازي قواو د مرکز د فاصلي محور بايد پيدا کړو .

لکه څنگه چې :

$$\frac{C_1 C}{C B_3} = \frac{F_3}{F_{12}} = \frac{F_3}{F_1 + F_2}$$

په دې صورت کې  $m/n = F_3/(F_1 + F_2)$

اوس به نو د قواو د مرکز  $C$  د کار دینات لپاره همدغه کړنلاره عملي کړو، يعنې د  $x_c$  فورمول لیکو:

$$x_c = \frac{(F_1 + F_2)x' + F_3 x_3}{F_1 + F_2 + F_3}$$

د  $x'$  د قيمت په وضع کولو سره لرو چې :

$$x_c = \frac{(F_1 + F_2) \frac{F_1 \cdot x_1 + F_2 \cdot x_2}{F_1 + F_2} + F_3 \cdot x_3}{F_1 + F_2 + F_3} = \frac{F_1 x_1 + F_2 x_2 + F_3 \cdot x_3}{F_1 + F_2 + F_3} = \frac{\Sigma F_k \cdot x_k}{\Sigma F_k}$$

په همدې ډول سره کولای شو چې د موازي قواو د مرکز نور کار دیناتونه هم پيدا کړو، نو لرو چې :

$$x_c = \frac{\Sigma F_k \cdot x_k}{\Sigma F_k}; y_c = \frac{\Sigma F_k \cdot y_k}{\Sigma F_k}; z_c = \frac{\Sigma F_k \cdot z_k}{\Sigma F_k} \dots (8.1)$$

8.1 فورمول د موازي قواو د مرکز د کار دیناتو د پيدا کولو لپاره د هر شمير موازي قواو لپاره د کټي اخيستلو وړ دی، پدې ډول چې  $\Sigma F_k \neq 0$  وي.

$F_k$  - د قوې الجبري قيمت يعنې دهغې مودول د مثبتې يا منفي علامې سره . کله چې قوه و بوي خوا ته متوجه وي نو علامه يې مثبه او چې بلې خواته متوجه وي نو بيا علامه يې منفي گڼل کيږي .

پدې فورمول کې د  $\Sigma$  علامه د الجبري مجموعې څخه عبارت ده .

په دې صورت کې د هرې قوې د الجبري قيمت او د تاثير د نقطې د کار دیناتو د ضرب د حاصل مجموعې او په مخرج کې د ټولو قواو الجبري مجموعه لرو .

**b- د وارینون د قضیې په مرسته:**

د  $\bar{F}_1, \bar{F}_2, \dots, \bar{F}_n$  موازي قواو يو سيستم چې ټولې و بوي خواته متوجه او د  $O_1, O_2, \dots, O_n$  په نقطو کې اغيز کوي، تر کتنې لاندې نيسو بڼکاره ده چې دا قوه ايز سيستم خاتنه محصله قوه لري چې جهت يې همدغه د قواو لوری دی:

$$\bar{R} = \sum_{i=1}^n \bar{F}_i$$

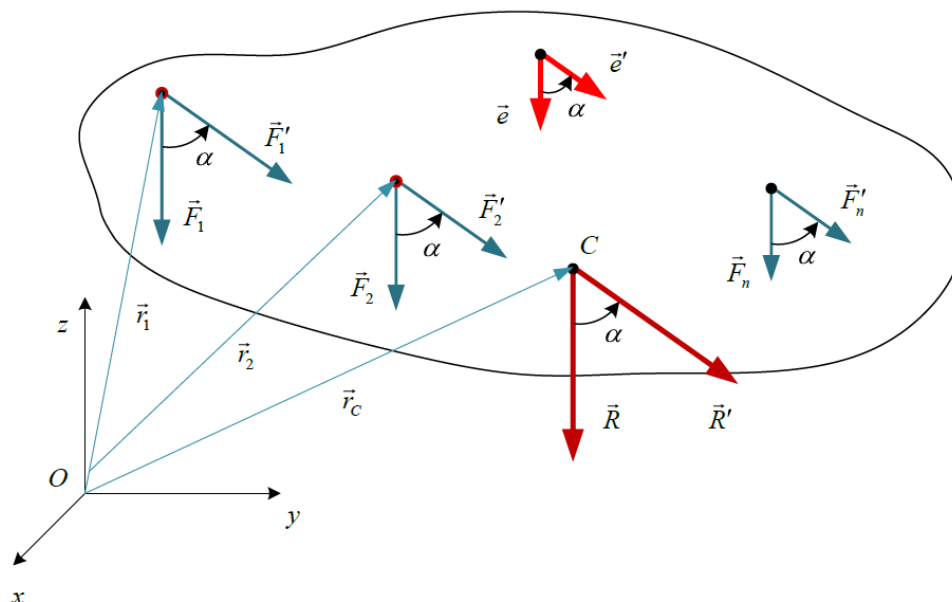
مودول يې مساوي دی په:

$$R = \sum_{i=1}^n F_i$$

داسي اټکل کوو چې واحد وکتور  $\bar{e}$  د سیستم د قواو جهت را بښي. پدې صورت کې قوې کولای شو پدې ډول سره ولیکو:

$$\bar{F}_1 = F_1 \bar{e}; \bar{F}_2 = F_2 \bar{e}; \dots; \bar{F}_n = F_n \bar{e}$$

$$\bar{R} = R \bar{e}$$



شکل 8.2

اوس به د سیستم د قواو و لورو او جهتونو ته بدلون ورکړو. ددې لپاره د واحد وکتور  $\bar{e}$  په مرسته د قواو نوی جهت بښو. په لور شکل کې دا مطلب ښودل شوی دی.

نو پدې ډول سره د سیستم ټولې قوې تر یوې زاويې  $\alpha$  لاندې راگرځي او موږ به د موازي قواو یو نوی سیستم ولرو:

$$\bar{F}'_1 = F_1 \bar{e}'; \bar{F}'_2 = F_2 \bar{e}'; \dots; \bar{F}'_n = F_n \bar{e}'$$

چې همغه مودولونه لري او محصله قوه به یې مساوي وي په

$$R' = \sum_{i=1}^n F_i = R$$

چې د جهت له پلوه توپیر لري، خو مودول یې هم هغه دی.

دغه ډول یوه عملیه به د موازي قواوو گرځول یا څرخیدنه وپولو.

وبه بښو، د C یوه داسې نقطه شته ده چې د سیستم د قواوو د هر ډول جهت په درلودلو سره، د محصله قوې د تاثیر کرښه بیا هم د همدې نقطې څخه تیریږي.

د واریون د قضیې سره سم، د سیستم د محصله قوې مومنت نظر و هرې نقطې ته مساوي دی د سیستم د ټولو قواو د مومنتونو په مجموعې سره نظر و همدې نقطې ته.

زموږ د ترکنتي لاندې حالت لپاره، مثلاً

$$\bar{M}_O \bar{R} = \sum_{i=1}^n \bar{M}_O \bar{F}_i$$

یا په بله ژبه:

$$\bar{r}_c \times \bar{R} = \sum_{i=1}^n \bar{r}_i \times \bar{F}_i$$

دلته  $\bar{r}_1; \bar{r}_2; \dots; \bar{r}_n$  د  $O_1, O_2, \dots, O_n$  نقطو هغه شعاع وکتورونه دي چې د کارډیناتي سیستم د پیل ( $O$ ) د نقطې څخه راولاړ شوي دي.  $\bar{r}_c$  د  $C$  د نقطې شعاع وکتور دی.

په وروستي مساوات کې د قواو ټول وکتورونه د واحد وکتور له لارې اړانه کوو، نو و به لرو چې:

$$\bar{r}_c \times R \bar{e} = \sum_{i=1}^n \bar{r}_i \times F_i \bar{e}$$

یا هم

$$R \bar{r}_c \times \bar{e} = \left( \sum_{i=1}^n F_i \bar{r}_i \right) \times \bar{e}$$

د دې لپاره چې دا مساوات د واحد وکتور د هر کيفي جهت په صورت کې تحقق ولري، نو د دې وکتور د ضرب مرکبي باید په بنی او کین پلو کې سره مساوي وي، یعنی:

$$R \bar{r}_c = \sum_{i=1}^n F_i \bar{r}_i$$

له همدې ځایه څخه به ولرو چې:

$$\bar{r}_c = \frac{\sum_{i=1}^n F_i \bar{r}_i}{R} \dots (8.2)$$

د  $C$  نقطه چې د هغې څخه د موازي قواو د سیستم په هرډول ګرځولو سره، د محصله قوي د تاثیر کربنه تیریري، د موازي قواوو د مرکز په نامه سره یادیري.

د (8.2) فورمول د موازي قواو مرکز د شعاع وکتور له لارې تعینوي.

د موازي قواو د مرکز کارډینات کولای شو د (8.2) مساوات پر کارډیناتي محورونو باندې د مرتسمو له لارې په اړانه کولو سره، پلاس راوړو.

$$\begin{cases} x_c = \frac{\sum_{i=1}^n x_i F_i}{R} \\ y_c = \frac{\sum_{i=1}^n y_i F_i}{R} \dots (8.3) \\ z_c = \frac{\sum_{i=1}^n z_i F_i}{R} \end{cases}$$

یادونه کوو چي (8.2) او (8.3) فورمولونه د هغه حالت لپاره هم تحقق لري چي موازي قوې و مختلفو جهتونو ته متوجه وي، که چيري په هغوی کي د  $F_i$  کمیټونه د قواوو د یوه جهت لپاره مثبت (+) او د بل جهت لرونکو قواوو لپاره منفي (-) کنبینودل شي.

پدي صورت کي د قواوو مجموعه باید د صفر سره مساوي نه وي.

## 8.2 - د جسم د ثقل مرکز Gravity center of Body

د جسم د اجزاوو د جاذبي قوه (وزن) و مخکي ته تقریباً د مخکي و مرکز ته متوجه ده . لکه څنگه چي د مطالعه کیدونکو جسمونو اندازي د مخکي د شعاع په نسبت ډيري لري دي، نو دا قوې کولای شو موازي وگنو . د دي موازي قواو محصله قوه چي دهغوی مجموعه جوړوي ، د جسم د وزن څخه عبارت ده . خو د دي موازي قواو د سیستم مرکز، چيري چي د جسم وزن تأثیرکوي ، د جسم د جاذبي مرکز بلل کيري .

په جامد جسم کي د ثقل مرکز ځانته معین او ځانگړی ځای لري او په فضاء کي د دي جسم د موقعیت سره کومه اړیکه نه لري .

د مختلفو اجزاوو د جاذبي قوې په  $G_1, G_2, \dots, G_k$  ، د جسم وزن په  $G$  او د هغه د ثقل د مرکز کارډینات په  $x_c, y_c, z_c$  سره بڼیو . همدارنگه د جامد جسم د هرې کيفي ټوټې کارډینات په  $x_k, y_k, z_k$  سره بڼیو .

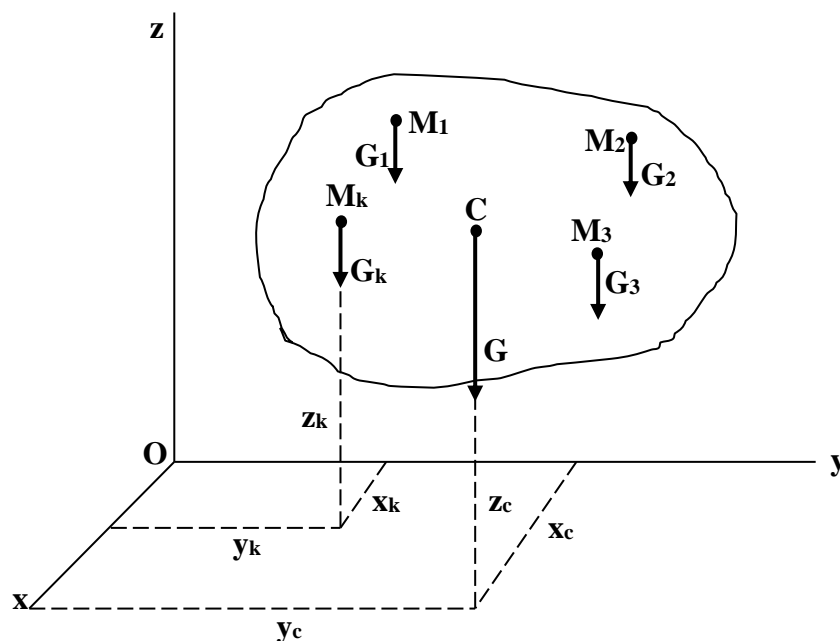
د جامد جسم د ثقل مرکز کارډینات لکه د موازي قواو د مرکز په ډول پیدا کيري .

د ثقل د مرکز کارډینات په لاندې ډول سره پیدا کوو :

$$x_c = \frac{\sum G_k \cdot x_k}{\sum G_k} = \frac{\sum G_k \cdot x_k}{G}$$

$$y_c = \frac{\sum G_k \cdot y_k}{\sum G_k} = \frac{\sum G_k \cdot y_k}{G} \quad \dots (8.4)$$

$$z_c = \frac{\sum G_k \cdot z_k}{\sum G_k} = \frac{\sum G_k \cdot z_k}{G}$$



شکل 8.3

د متجانس جسم (چې په ټولو نقطو کې يوډول کثافت او ميخانيکي خواص ولري) لپاره ځانگړی حالت ترکتني لاندې نيسو:

که چيرې د يوې ټوټې حجم په  $V_k$  سره وښيو، نو د ټول جسم حجم به  $\vartheta$  او د جسم د حجم واحد به په  $\gamma$  سره وښيو، نو د دې ټوټې د جاذبې قوه به  $Gk = V_k \gamma$

او د ټول جسم لپاره  $G = V \cdot \gamma$

د دې قيمت په وضع کولو سره لرو چې:

$$x_c = \frac{\sum G_k \cdot x_k}{G} = \frac{\sum V_k \cdot \gamma \cdot x_k}{V \cdot \gamma} = \frac{\sum V_k \cdot x_k}{\vartheta}$$

په همدې ډول سره د نورو کارديناتو لپاره هم دا ډول فورمولونه په لاس را وړلاى شو.

لکه چې د فورمول څخه ليدل کيږي، د جامد جسم د ثقل د مرکز کاردينات په  $\gamma$  پورې اړه نه لري، بلکې يوازې د جسم په حجم او د هغه په شکل پورې تړلي دي.

نوپه دې ډول سره د متجانس جسم د ثقل مرکز عبارت دی د جسم د ثقل مرکز څخه او د هغه کاردينات په دې ډول سره دي:

$$x_c = \frac{\sum V_k \cdot x_k}{V}; y_c = \frac{\sum V_k \cdot y_k}{V}; z_c = \frac{\sum V_k \cdot z_k}{V} \dots (8.5)$$

$xk, yk, zk$  - د جسم د اجزاو کاردينات.

**د ثقل د مرکز د پيدا کولو ميتودونه:**

1. د تناظر ميتود Method of Symmetry - که جسم د تناظر محور ولري نو د ثقل مرکز پر همدې محور باندې پروت دی.

2. د ويشلو ميتود Method of Division - پېچلی شکل بايد پر داسې ساده شکلونو باندې ووېشل شي چې د ثقل مرکزونه يې آسانه پيداشي.

3. د پوره کولو ميتود Method of Supplementation - دا طريقه د ويشلو د ميتود يو ځانگړی حالت دی او کله چې جسم سوري اوتشي ولري، کارول کيږي.

4. د انټيگرال نيوني ميتود Method of Integration - کله چې نشي کيدای جسم پر داسې برخو باندې ووېشل شي چې د ثقل مرکزونه يې معلوم وي نو د دې ميتود څخه کار اخلو چې عمومي خاصيت لري. جسم پر وړو وړو ټوټو باندې ويشل کيږي، لومړی يوه ټوټه تر کتنې لاندې نيسو او وروسته ټول جسم مثلاً د دايري د قطاع، قطعي او نيمه دايري لپاره.

5. د تجربې له مخې ميتود Experimental Method - پدې ميتود کې جسم وزن يا تلل کيږي او يا هم ځړول کيږي تر څو د ثقل مرکز يې معلوم شي.

### 8.3 - د اوارو شکلونو د سطح ستاتيکي (لومړی) مومنت First moment of an Area

د هوارو شکلونو د ثقل د مرکز کاردينات Gravity Center of Plane Figures

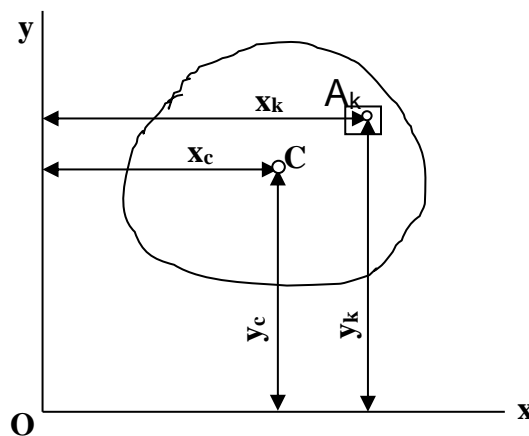
هغه متجانس جسم چې د نازکې ورقې شکل ولري ، کولای شو د هوار شکل په ډول سره ترکنتي لاندې ونیسو او د هغه د پندوالي څخه تیر شو .

د دې ورقې د مختلفو اجزاوو حجم د شکل د عناصرو د مساحت سره متناسب دی او د هغه د ثقل مرکزيوازي او یوازي د ورقې په شکل او مساحت پورې اړه لري . نولدي امله د متجانسي نازکې ورقې د ثقل مرکزچې ثابت پندوالی او د هوار شکل ډول ولري ، د همدې هوارې ورقې د ثقل د مرکزپه نامه سره یادېږي .

د هغه کار دینات په دې ډول دي :

$$x_c = \frac{\sum A_k \cdot x_k}{A} ; \quad y_c = \frac{\sum A_k \cdot y_k}{A} \dots (8.6)$$

$A_k$  - د شکل د کبېفې توتې مساحت ،  $x_k, y_k$  - د دې توتې کار دینات ،  $A$  - د ټول جسم مساحت



شکل-8.4

(8.6) فورمول کولای شو لږڅه په بل شکل سره ولیکو :

یو کبېفې شکل را اخلو او د هغه مساحت په کوچینیو - کوچینیو توتوباندې ویشو . د دې توتې مساحت  $A_k$  دی .

د مساحت او د هغه د ثقل د مرکز څخه بیا تریوه محوره پورې په لنډې فاصلې کې چې په همدې مستوي کې واقع وي ، د  $A_k$  د ضرب حاصل ، د شکل د همدې توتې سناتیکی مومننظرو همدې محورته بلل کېږي .

د  $x$  او  $y$  محورونو په نسبت په ترتیب سره د شکل د جزد مساحت سناتیکی مومنن مساوي دی په :

$$S_x = \sum A_k \cdot y_k ; \quad S_y = \sum A_k \cdot x_k [cm^3] \dots (8.7)$$

د (8.6) فورمول په نظر کې نیولو سره د هوارې ورقې د ثقل مرکز د کار دینات لپاره به دا فورمول ولرو:

$$X_c = \frac{S_y}{A} ; \quad y_c = \frac{S_x}{A} \dots (8.8)$$

د همدې فورمول په مرسته د هوارو شکلونو د ثقل د مرکز کار دینات که چیرې دهغوی سناتیکی مومننظرو یوه محورته معلوم وي ، محاسبه کوو او هم پر عکس.

لکه چې د فورمول څخه لیدل کېږي ، د هوار شکل د مساحت سناتیکی مومننظرو هغه محورته چې د شکل د ثقل د مرکز څخه تیریږي مساوي په صفر دی ځکه چې یا  $x_c$  او یا  $y_c$  به صفر شي .

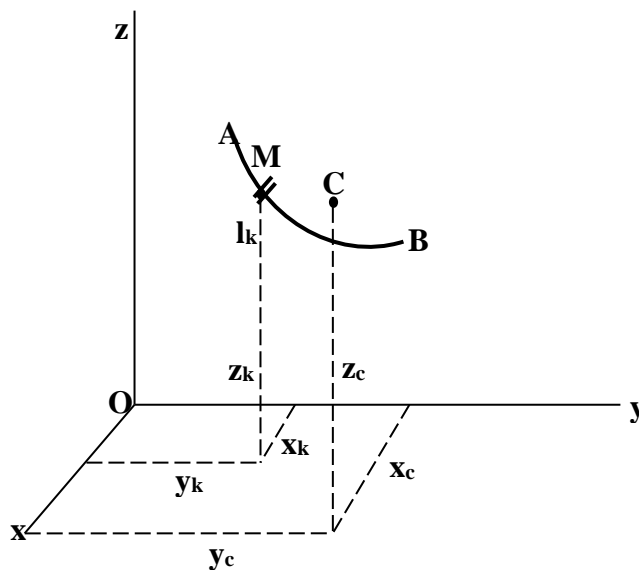
## د کريني د ثقل مرکز Gravity Centre of line

د متجانس جسم چي اورډوالی يي زيات اونسبتاً لږ عرضي مساحت ولري ، د ثقل د مرکز موقعيت به معلوم کړو .

د يوه سيم د يوي توتي چي ثابتہ عرضي مقطع ولري اومحوريي د  $AB$  پرمحنني باندي واقع وي د ثقل مرکز معلومو .

د هرڅه نه مخکي د سيم وزن داسي پيدا کوو  $G = \rho \cdot l$

$l$  - د سيم اورډوالی ،  $\rho$  - د سيم د اورډوالي واحد وزن



8.5-شکل

د  $AB$  کرينه پر  $M_k$  کوچينيو برخو باندي ويشو چي اورډوالی يي  $l_k$  وي .

دهري کوچيني برخي وزن داسي معلومو  $G_k = \rho \cdot l_k$

دهري برخي د ثقل د مرکز کاردينات  $z_k, y_k, x_k$  د پواسطه بنیو، پدي صورت کي ددي برخي د ثقل د مرکز  $C$  کاردينات داسي پيدا کوو:

$$x_C = \frac{\sum l_k \cdot x_k}{G} = \frac{\sum l_k \cdot \rho \cdot x_k}{\rho \cdot l} = \frac{\sum l_k \cdot x_k}{l} \quad ; \quad y_C = \frac{\sum l_k \cdot y_k}{l}$$

$$z_C = \frac{\sum l_k \cdot z_k}{l} \dots (8.9)$$

$l_k$  - د جسم د يوي توتي اورډوالی

$z_k, y_k, x_k$  - ددي توتي کاردينات

$l$  - د ټول جسم اورډوالی

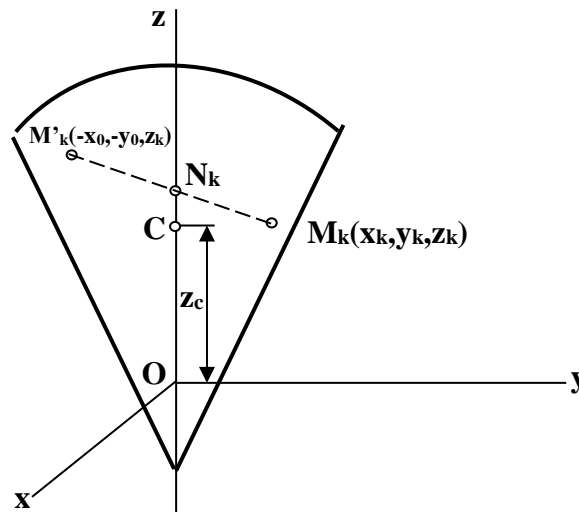
د فورمول څخه ليدل کيږي ، د ثقل د مرکز کاردينات په  $\rho$  پوري چي د جسم مواد په گوته کوي ، اړه نه لري .

د یوه متجانس نري سیم چې ثابتہ عرضي مقطع ولري اومحوريي د یوي کريني سره سمون ولري ، د دي کريني د ثقل د مرکز په نامه سره ياديري .

#### 8.4 - د ثقل مرکز د پیدا کولو لپاره مرستندويه قضيه

لومړی قضيه:

که چيري متجانس جسم د تناظر محورولري ، نو د جسم د ثقل مرکز پرمهدي محورباندي پروت دی . یوداسي جسم چې د تناظر محورولري ترکنتي لاندې نیسو .



شکل-8.6

د تناظر محور د کار دیناتو پریوه محور مثلاً z باندي منطبقواو او د (8.5) فورمول په مرسته د جسم د ثقل د مرکز کار دینات داسي پیدا کوو:

$$x_c = \frac{\sum V_k \cdot x_k}{V}; \quad y_c = \frac{\sum V_k \cdot y_k}{V}$$

په دغه جسم کي دوي کبفي نقطې د  $M_k$  ,  $M'_k$  ټاکو ، چې نظر د z ومحورته متناظري پرتي دي . دهغوی د څنگ سره دوي ټوتي چې مساوي حجم  $V_k$  لري ، را جلا کوو .  $M_k$  او  $M'_k$  پریوي عمودي کريني نظر د z ومحورته پرتي دي . یعنی د دوو نقطو کار دینات  $x_k$  ,  $y_k$  په مودول سره مساوي ولي مخالف علامي لري .  $M_k N_k = M'_k N'_k$

دغه ټول جسم پرمتناظرو پرتو جوړو باندي چې مساوي حجم ولري ویشو . د  $x_k \cdot V_k$  د ضرب حاصل تشکیلوو اودا مجموعه پیدا کوو . د مرکباتو مجموعه چې په یوي جوړي پوري اړه لري ، مساوي په صفرده ځکه چې حجم یي یوشی او د  $y_k x_k$  کار دینات یي مساوي خو علامي یي مختلفي دي .

د دي څخه معلوميري چې دا مجموعه د ټولو کوچینیو ټوتو لپاره چې مساوي حجم ولري ، صفرده یعنی:

$$\sum x_k \cdot V_k = 0 \quad ; \quad \sum y_k \cdot V_k = 0$$

په (8.9) فورمول کي ددي قیمتونو په وضع کولوسره لرو چې :

$$x_c = \frac{\sum V_k \cdot x_k}{g} = 0; \quad y_c = \frac{\sum V_k \cdot y_k}{g} = 0$$

لکه څنگه چې  $x_c = 0$  ،  $y_c = 0$  نو د جسم د ثقل مرکز د  $z$  پرمخوړ باندې چې د جسم د تناظر محور هم دی ، پروت دی اود هغه موقعیت داسې پیدا کیږي :

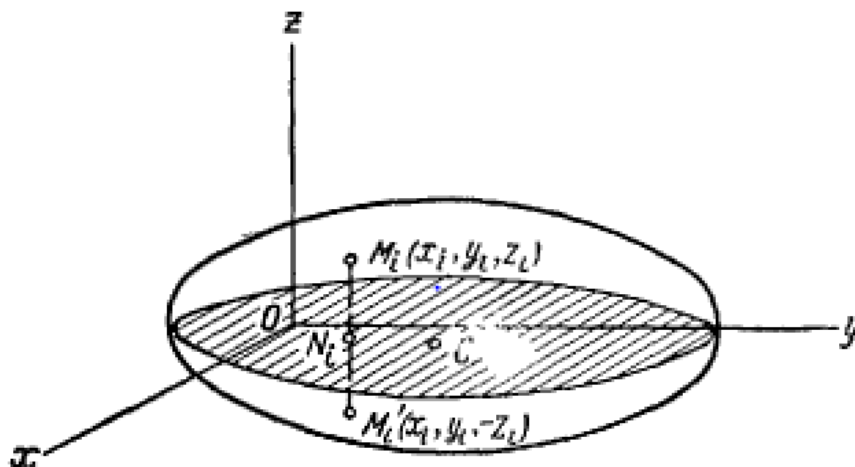
$$z_c = \frac{\sum V_k \cdot z_k}{V}$$

نونتیجه داشوه ، که چیرې هوار شکل او یا کرښه د تناظر محور ولري ، نو د هغه (هغې) د ثقل مرکز پرمخوړ باندې پروت دی .

### دوهمه قضیه :

که چیرې متجانس جسم د تناظر مستوي ولري نو د جسم د ثقل مرکز په همدې مستوي کې پروت دی . په شکل کې جسم د تناظر مستوي لري پدې مستوي کې د جسم مقطع پرمخوړ باندې په کرښه- کرښه باندې نښاني شوي ده.

د  $x$  او  $y$  محورونه د تناظر په مستوي کې ځای پر ځای کوو او د  $z$  محور پرمخوړ باندې عمود غځوو. پدغه جسم کې دوي نقطې  $M_k$  ،  $M'_k$  ټاکو چې د  $xOy$  د مستوي په نسبت متناظري پرتې دي . د هغوی د څنگ سره دوه کوچیني حجمونه  $V_k$  په گوته کوو. د  $M_k$  او  $M'_k$  نقطې د  $xOy$  د مستوي په نسبت پریوې عمودي کرښې باندې پرتې دي اود دې مستوي سره مساوي فاصلې لري یعنې  $M_k N_k = M'_k N'_k$



شکل-8.7

نوداسې معلومېږي چې د دې نقطو د  $zk$  کار دینات په قیمت سره مساوي ولي علامه یې مخالفه ده .

نو د  $z_k \cdot V_k$  مجموعه به صفر وي  $\sum z_k \cdot V_k = 0$  اودا مجموعه د ټولو کوچینيو حجمونو لپاره یوشی ده . د ثقل مرکز د  $zk$  کار دینات به د (8.9) فورمول په مرسته محاسبه کړو :

$$z_c = \frac{\sum z_k \cdot V_k}{V} = 0$$

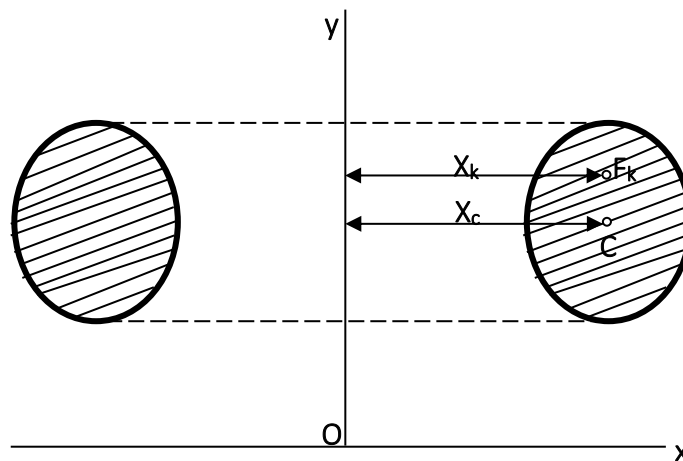
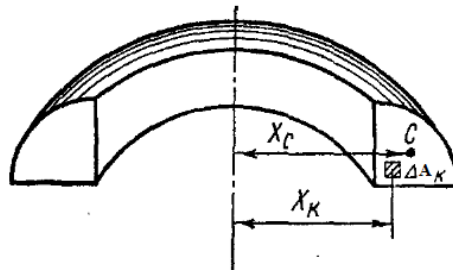
نودا نتیجه اخیستل کیري چي د جسم د ثقل مرکز د تناظر په مستوي کي پروت دی .

د دي قضیي په مرسته ویلای شو چي :

1. د مستقیمی کرني د ثقل مرکز دهغي په منحنی (نیمایي) برخي کي پروت دی .
2. د دایري ، د گري مساحت ، حجم اوسط د ثقل مرکز ، دهغوپه هندسي مرکز کي پروت دی .
3. د معین د محیط او مساحت ، د مستطیل او مربع د ثقل مرکزونه د هغوی د قطرونو د تقاطع په نقطو کي پراته دي .
4. د منظمو کثیرالاضلاع گانو د محیط او مساحت د ثقل مرکزونه دهغوی په محاطي (داخلي) یا خارجي (احاطوي) دایرو کي پراته دي .

### 8.5 - د پاپوس - گلدینوس قضیي Theorems of Pappus – Guldinus

دریمه قضیه:



8.8- شکل

دغه قضیه د دوراني جسم مساحت او حجم د پیداکولو لپاره په څلورمه پیری کي د الکساندری څخه د پاپوس لخوا منځ ته راغلي او وروسته بیا د سویس زرندي ریاضي پوه پاول گولډین یا گلدینوس (1577-1643) پواسطه چي د پاپوس د اثر د (8) ټوک څخه یي را اخیستي ، پکار اچول شوي ده .

د دوراني جسم حجم چي د هوار شکل د محور پر شاوخوا چي د شکل په مستوي کي پروت ولي هغه نه قطع کوي ، د څرخیدلو په نتیجه کي په لاس راځي ، مساوي دی د شکل په مساحت ضرب د دایري محیط (طول) چي د هغي د ثقل د مرکز په واسطه رسمیري .

د  $F$  په مساحت سره هوار شکل د  $y$  د محور پر شاوخوا چې د شکل په مستوي کې پروت ولې هغه نه قطع کوي ، راڅرخي.

د  $y$  محور پر شاوخوا د څرخیدو په جریان کې د دې شکل محیط یوه تړلي سطح رسموي چې د څرخیدو سطح بلل کېږي.

هغه جسم چې د دې سطح په واسطه محدود شوی دی ، د څرخیدو جسم بلل کېږي .

د دې څرخیدو جسم د حجم د پیدا کولو لپاره یوه کوچینی ټوټه ترکټني لاندې نیسو .

د دې وړې ټوټې حجم

$$V_k = 2\pi \cdot x_k \cdot A_k$$

د څرخیدو د ټول جسم حجم

$$V = \Sigma V_k = 2\pi \Sigma x_k \cdot A_k$$

د  $\Sigma x_k \cdot A_k$  مجموعه کولای شو د (8.6) فورمول په مرسته په لاس راوړو:

$$x_c = \frac{\Sigma x_k \cdot A_k}{A} \Rightarrow \Sigma x_k A_k = x_c \cdot A$$

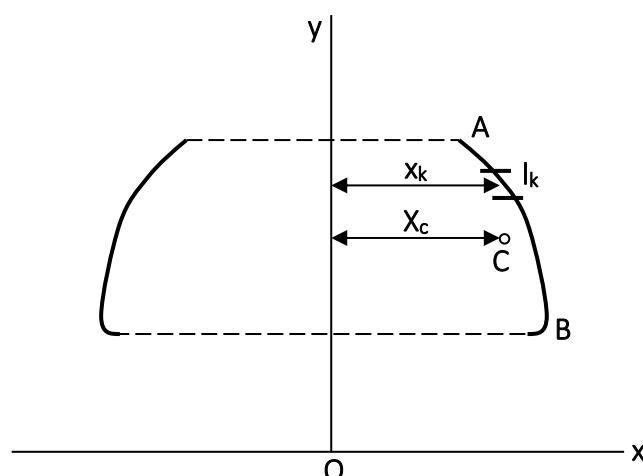
د دې قیمت په وضع کولو سره لرو چې

$$V = 2\pi \cdot x_c \cdot A \dots (8.10)$$

$2\pi \cdot x_c$  دهغې دایرې طول دی چې د جسم د ثقل مرکزي رسموي .

**څلورمه قضیه (پاپوس – گلدینوس) :**

د څرخیدو د سطح مساحت چې د هوارې منحنې د څرخیدو څخه د محور پر شاوخوا چې د دې منحنې په مستوي کې پروت ، خونه یې قطع کوي ، پلاس راځي ، مساوي دی د دې منحنې په اوږدوالي ضرب دهغې دایرې په محیط کې چې د ثقل مرکزي تشکیلوي .



شکل 8.9

د  $AB$  منحنی چې اوږدوالی یې  $l$  دی د  $y$  د محور پیرشاوخوا چې د منحنی په مستوي کې پروت ولی هغه نه قطع کوي ، راڅرخي .

د  $y$  محور پیرشاوخوا د څرخیدو په وخت کې دغه منحنی یوه د څرخیدو سطح ترسیموي .

دغه منحنی په ډبرو بې نهایت کوچینیو توتو باندې ویشو چې دهرې توتې اوږدوالی  $l_k$  دی . هغه سطح چې دا هره توتې یې ترسیموي ، کولای شو د قطع شوي مخروط د سطح په ډول سره یې وگڼو .

لکه چې پوهیږو د قطع شوي مخروط جانيي سطح مساوي ده د مستوي مقطع د دایرې په محیط ضرب د تشکیل کونکي په اوږدوالي کې .

نو ځکه د هغې سطح مساحت چې د منحنی د یوې توتې  $l_k$  په واسطه تشکیلې شوې ده په دې فورمول سره معلومولای شو

$$A_k = 2\pi \cdot x_k \cdot l_k$$

$x_k$  - د هغې دایرې شعاع ده چې د توتې د منځ څخه د  $y$  تر محوره پورې رسیږي .

د څرخیدو د سطح مساحت :

$$A = \sum A_k = 2\pi \cdot \sum x_k \cdot l_k$$

د  $\sum x_k \cdot l_k$  مجموعه د (8.9) فورمول په مرسته په لاس راږو :

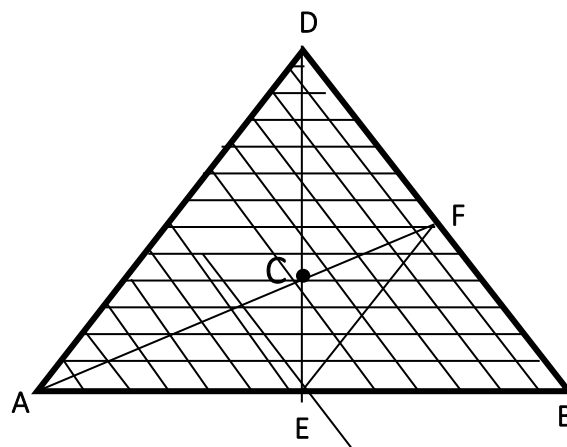
$$x_c = \frac{\sum x_k \cdot l_k}{l} \Rightarrow \sum x_k \cdot l_k = x_c \cdot l$$

د دې قیمت په وضع کولو سره لرو چې :

$$A = 2\pi \cdot x_c \cdot l \dots (8.11)$$

## 8.6 - د ځینو بسیطو متجانسو جسمونو د ثقل د مرکز موقعیت

1. د مثلث د مساحت د ثقل مرکز



شکل 8.10

د مثلث مساحت پر کوچینیو کوچینیو برخو باندې ویشو چې د مثلث د یوې ضلعي سره موازي وي . لکه چې لیدل کیږي د دې ټولنریو اوباریکو توتو د ثقل مرکزونه د مثلث په میانه کې پراته دي .

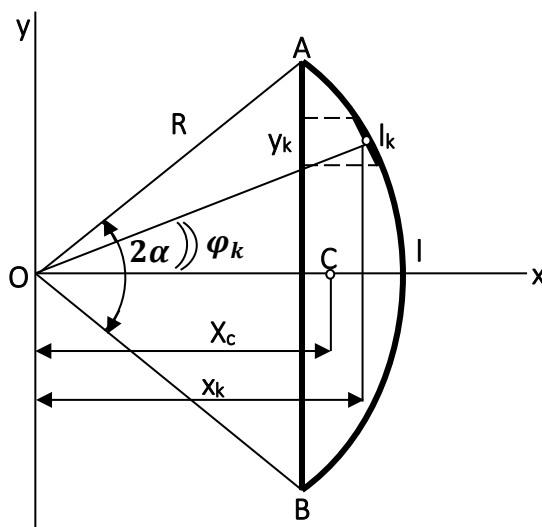
نولدي ځايه څخه معلوميري چي د مثلث مساحت د ثقل مرکز C پر همدې ميانه باندي پروت دی او همدارنگه پرنورو ميانه وو باندي .

نوداسي نتيجه اخيستل کيري چي د مثلث مساحت د ثقل مرکز C د ميانه وو د تقاطع په نقطې کې موقعيت لري يعني :

$$CE = 1/3 DE$$

اوس تقريباً معلومه شوي ده چي گلدينوس نوموړي قضیې د پاپوس د مقالو د 8 ټوک څخه را اخيستي دي، نو ځکه کولای شو هغوی يوازي د پاپوس د قضیو په نامه سره وپولو.

2. د دايري د قطعي د ثقل مرکز:



شکل 8.11

د AB قطعه د R په شعاع سره را کړل شوي ده چي مرکزي زاويه يې  $2\alpha$  ده .

لکه چي د x محور دې قطعي د تناظر محور دی نو د قطعي د ثقل مرکز پر همدې محور باندي پروت دی او د هغه کاردينات يوازي او يوازي په  $x_c$  سره معلوميدلای شي:

$$x_c = \frac{\sum x_k \cdot l_k}{l}$$

د قطعي اوږدوالی  $l = R \cdot 2\alpha$

$2\alpha$  مرکزي زاويه [Rad]

دغه ټوله قطعه پرې نهايت کوچنيو ټوټو چي اوږدوالی يې  $l_k$  دی ، ويشو اود  $x_c$  کاردينات به دا ډول محاسبه کړو:

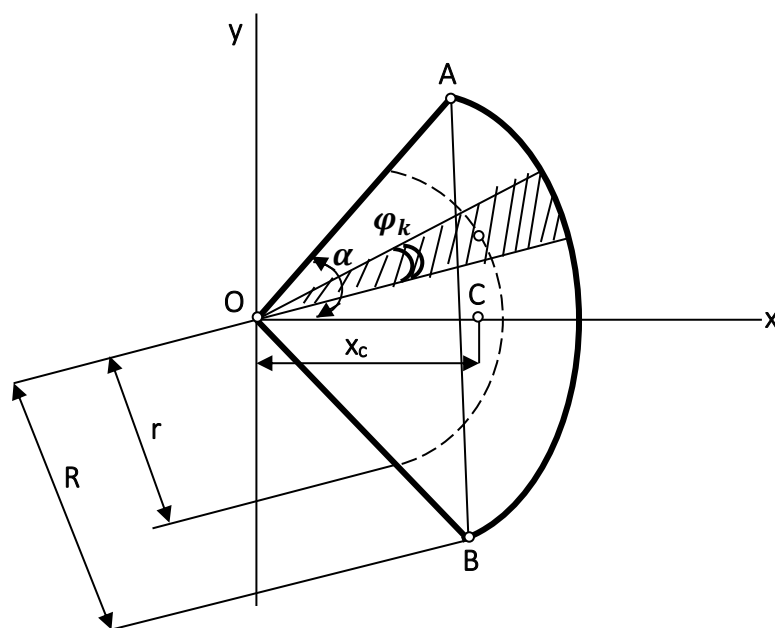
$$x_c = \frac{\sum x_k \cdot l_k}{l} = \frac{1}{l} \sum x_k \cdot l_k = \frac{1}{l} \sum \frac{x_k}{\cos \varphi_k} \cdot l_k \cdot \cos \varphi_k = \frac{1}{l} \sum R \cdot y_k = \frac{R}{l} \sum y_k = \frac{R}{l} \cdot AB = R \cdot \frac{2R \sin \alpha}{2R \cdot \alpha}$$

$$x_c = R \frac{\sin \alpha}{\alpha} \dots (8.12)$$

$\alpha$  - د مرکزي زاويې نيمايي [Rad]

لکه څنگه چې پوهيږو  $\sin \alpha < \alpha$  نود قطعي د ثقل مرکز د AB په قطعه کې دننه پروت دی .

3. د دايري د قطاع د ثقل مرکز:



شکل 8.12

د دايري قطاع چې مرکزي زاويه يې  $2\alpha$  ده پرېې نهايت کوچيني کوچينيو قطاع گانو باندي ويشو . هره کوچيني ټوټه کولای شو د يوه مثلث په توگه چې ارتفاع يې R او قاعده يې  $R \cdot \varphi_k$  ده ، مطالعه کړو .

د دې هرې ټوټې د ثقل مرکز به د قطاع د مرکز څخه د  $\frac{2}{3} \cdot R$  په فاصلي کې واقع وي، نومعلومه خبره ده چې د AOB ټوټې د ثقل مرکز د دايري د قطاع د ثقل مرکز سره چې شعاع يې  $\frac{2}{3} \cdot R$  دی مطابقت کوي .

نولدي ځايه څخه د (8.12) فورمول په مرسته لروچې

$$x_c = r \cdot \frac{\sin \alpha}{\alpha}$$

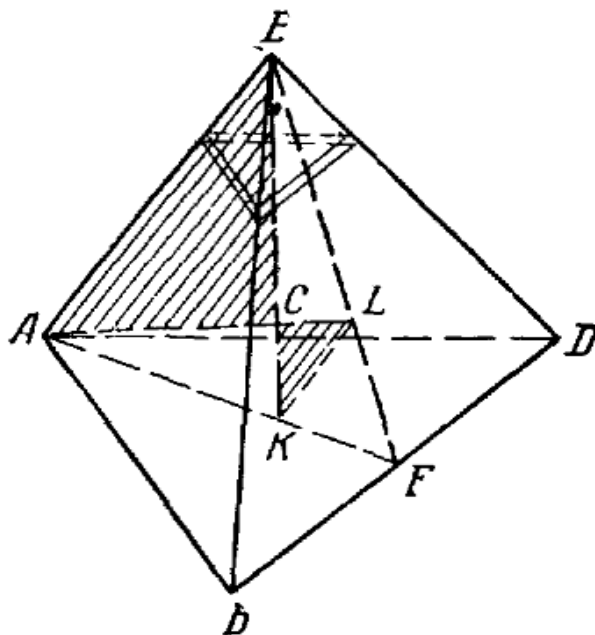
$$x_c = \frac{2}{3} \cdot R \cdot \frac{\sin \alpha}{\alpha} \dots (8.13)$$

4. د څلورجانبه هرم د حجم د ثقل مرکز:

هرم د هغه د قاعدې ABD سره د موازي مستوي گانو په واسطه پرېې نهايت نريو مثلث ډوله ورقو باندي ويشو .

د دې ورقو د ثقل مرکز د EK پرمستقيمي کرښې چې دهرم د E رأس دهغه د قاعدې د ثقل مرکز K سره نښلوي ، پروت دی .

معلومه خبره ده چې د هرم د ثقل مرکز هم بايد د EL پرمستقيمي کرښې باندي پروت وي چې د هرم د A رأس د BED د جانب د ثقل د مرکز سره نښلوي، نوله دې ځايه څخه معلوميري چې د هرم د حجم د ثقل مرکز د C په نقطې کې پروت دی، دغه نقطه د EK او AL د مستقيمو کرښو د تقاطع نقطه ده .

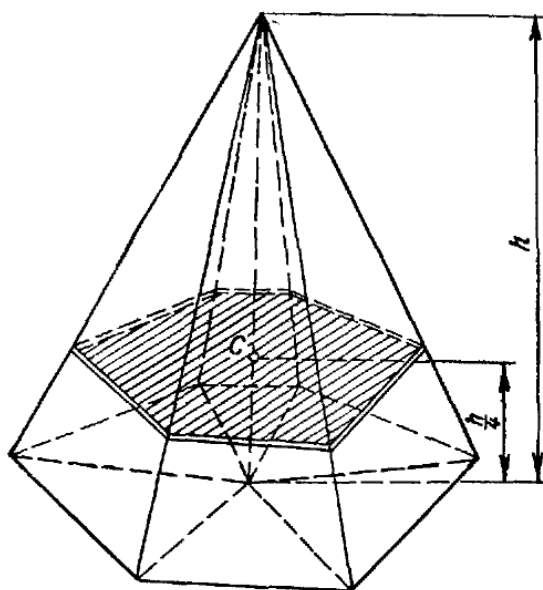


شکل 8.13

لکه چي  $KF = 1/2 AF$  او  $LF = 1/3 EF$ ، نو  $KL // AE$  او  $KL = 1/3 AF$  نو معلوميري  $\Delta ACE \sim \Delta KCL$  نو ځکه  $\frac{CK}{EC} = \frac{KL}{AE} = \frac{1}{3} \Rightarrow EC = 3CK$

$$EK = EC + CK = 4CK \Rightarrow CK = 1/4EK$$

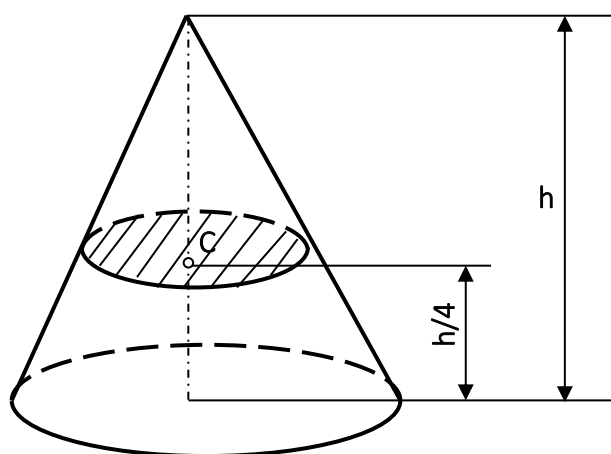
که چيري دهرم د حجم د ثقل د مرکز څخه پرقاعدې باندي عمود رسم کړو، نو د هغه اوږدوالی به دهرم د ارتفاع  $1/4$  وي همدغه نتیجه کولای شو د کثیرالجانبه هرم لپاره هم په کار واچوو.



شکل 8.14

دا ځکه چي کولای شو دغه هرم پرخلورجانبه هرمونو باندي ویشو او دهغو د کثیرالاضلاع قاعده بیا پرمثلثونو باندي تقسیم کړو.

لکه چي پوهیرو مخروط د کثیر الجانبه هرم حد او حدود دی ، نو د مخروط د حجم د ثقل مرکز دهغه د قاعدې څخه د  $1/4$  ارتفاع په اندازه لوړ پروت دی .

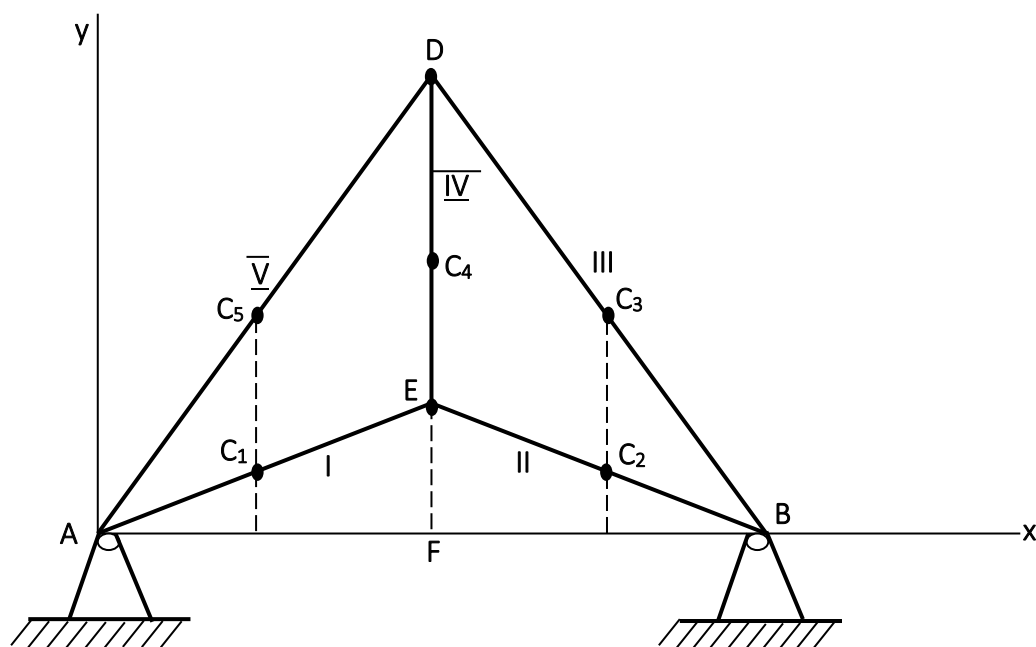


شکل 8.15

مثال :

د متناظر ADBE فیرم د ثقل د مرکز موقعیت پیدا کړئ ، که چیرې دهغه اندازې په لاندې ډول وي :

$$AB = 6 \text{ m} , DE = 3 \text{ m} , EF = 1 \text{ m}$$



شکل 8.16

حل : لکه څنگه چي فیرم متناظر دی نو دهغه د ثقل مرکز هم پرمتناظر محور باندې پروت دی .

د شکل سره سم د کار دینات محورونه غځوو او لرو چي

$$Xc = AF = \frac{AB}{2} = 3m$$

یوازي د ثقل مرکز د  $y_c$  ترتیب محور نامعلوم دی . د هغه د پیدا کولو لپاره فیرم پر خوږ خو باندي ویشو او د هرې برخې اوږدوالی د مربوطه مثلثونو څخه پیدا کوو.

د AEF مثلث څخه لرو :

$$AE = EB = \sqrt{AF^2 + FE^2} = \sqrt{3^2 + 1^2} \cong 3.16 m$$

د ADF مثلث څخه لرو :

$$AD = \sqrt{AF^2 + (DE + EF)^2} = \sqrt{3^2 + 4^2} = 5 m$$

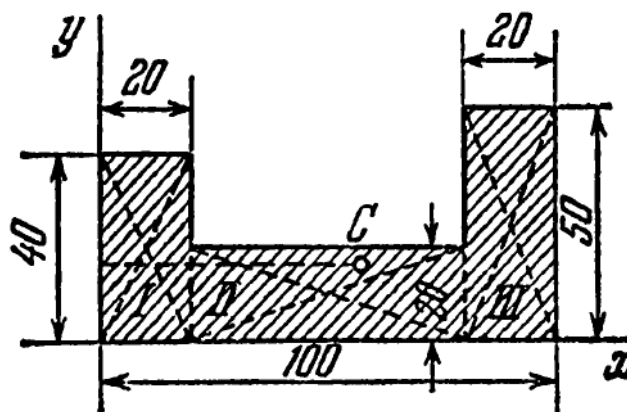
د هرې میلی د ثقل مرکز د هغې په منځ (نیمایي) کې پروت دی . د شکل څخه د هغوی د ترتیب محور د (8.9) فورمول په مرسته پیدا کوو او هغه نتایج و جدول ته رسوو.

| د فیرم برخه | د برخې اوږدوالی $l_k$ [m] | د هرې برخې د ترتیب محور $y_c$ [m] |
|-------------|---------------------------|-----------------------------------|
| I           | 3.16                      | 0.5                               |
| II          | 3.16                      | 0.5                               |
| III         | 5                         | 2                                 |
| IV          | 3                         | 2.5                               |
| V           | 5                         | 2                                 |

$$y_c = \frac{\sum l_k y_k}{l} = \frac{3.16(0.5) + 3.16(0.5) + 5(2) + 3(2.5) + 5(2)}{3.16 + 3.16 + 5 + 3 + 5} \cong 1.59 m$$

نو معلومېږي چې د فیرم د ثقل مرکز C د DF د تناظر پر محور باندي د  $1.59m$  په فاصلې د F د نقطې څخه لور پروت دی .

**مثال:** د ورقي د مساحت چې اندازې یې په سانتي متر سره په شکل کې راکړل شوي دي ، سناتیکي مومنت نظرد کار دینات و محور ته او همدارنگه د هغې د ثقل د مرکز موقعیت پیدا کړئ ؟



شکل-8.17

حل :

د دغه شکل مساحت پر دوه مستطیلونو باندي ویشو، د هر یوه مستطیل د ثقل مرکز د هغه د قطرونو د تقاطع په نقطې کې پروت دی . د دې مرکز کار دینات لکه د مستطیلونو مساحت د شکل له مخې په آسانی سره پیدا کیدای شي .

د (8.7) فورمول په مرسته دهغه سناتیکی مومنت او د (8.8) فورمول په مرسته د ثقل د مرکز کار دینات پیدا کوو او دا نتایج و جدول ته رسوو.

| د مساحت برخې | د هرې برخې مساحت $A_k$<br>$cm^2$ | د هرې برخې د ثقل د مرکز کار دینات<br>$y_k x_k, cm$ |    |
|--------------|----------------------------------|--|----|
| I            | $8 \times 10^2$                  | 10   | 20 |
| II           | $1.2 \times 10^3$                | 50   | 10 |
| III          | $10^3$                           | 90   | 25 |

سناتیکی مومنت نظر و محور و ته :

$$S_x = \sum A_k \cdot y_k = 800(20) + 1200(10) + 1000(25) = 5.3 \times 10^4 \text{ cm}^3$$

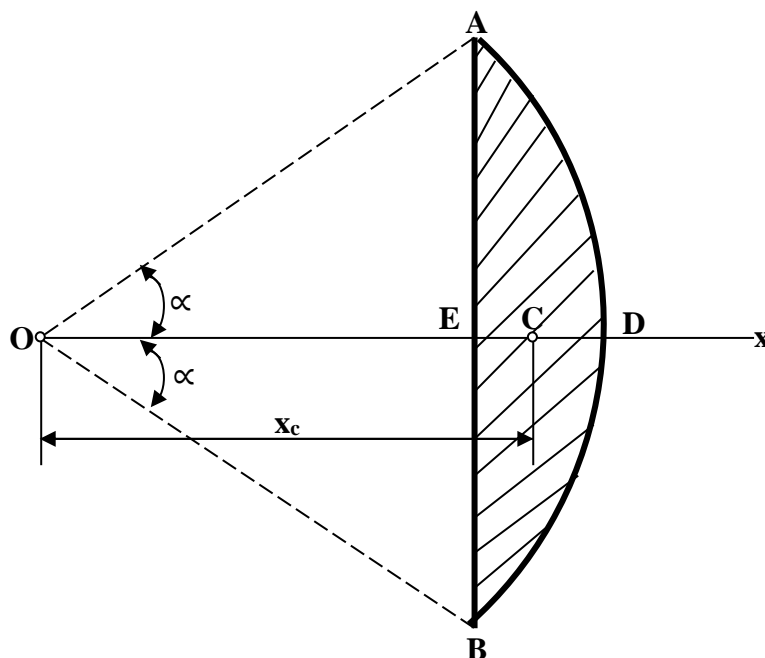
$$S_y = \sum A_k \cdot x_k = 800(10) + 1200(50) + 1000(90) = 1.58 \times 10^5 \text{ cm}^3$$

$$x_c = \frac{S_y}{A} = \frac{1.58 \times 10^5}{800 + 1200 + 1000} = \frac{1.58 \times 10^5}{3 \times 10^3} \approx 52.7 \text{ cm}$$

$$y_c = \frac{S_x}{A} = \frac{5.3 \times 10^4}{3 \times 10^3} = \frac{53}{3} \approx 17.7 \text{ cm}$$

مثال:

د ADB قطعي د مساحت د ثقل مرکز چې شعاع یې  $r = 30 \text{ cm}$  او د  $AOB$  زاویه یې  $2\alpha = 60^\circ$  وي ، پیدا کړئ ؟



شکل 8.18

حل : لکه چې پوهیږو د ثقل مرکز C پرمتناظر محور چې د دایرې د مرکز O او AB د قوس د نیمايي یعنی د D د نقطې څخه تیرېږي ، پروت دی . همدغه کرښه د x د محور په توګه سره ښیو . د کار دینات مبدأ د O نقطه ګڼو ، دغه قطعه به پردو برخو باندي وویشو OADB قطعه او د AOB مثلث . باید وویل شي چې د مثلث مساحت منفي دی .

د قطعي مساحت :

$$A_1 = \frac{\pi r^2}{360} 60 = \frac{\pi r^2}{6} = \frac{3.14(30^2)}{6} = 471 \text{ cm}^2$$

دهغي  $x_1$  کاردینات :

$$x_1 = \frac{2}{3} r \frac{\sin \alpha}{\alpha} = \frac{2}{3} r \frac{\sin 30^\circ}{\frac{\pi}{6}} = \frac{4(30)0.5}{3.14} \approx 19.1 \text{ cm}$$

د مثلث مساحت :

$$A_2 = \frac{AB \cdot OE}{2} = AE \cdot OE = r \sin \alpha r \cos \alpha = \frac{r^2 \sin 2\alpha}{2} = \frac{(30^2)0.866}{2} \approx 390 \text{ cm}^2$$

دهغه د فاصلي محور  $X_2$  او د ثقل د مرکز کاردینات :

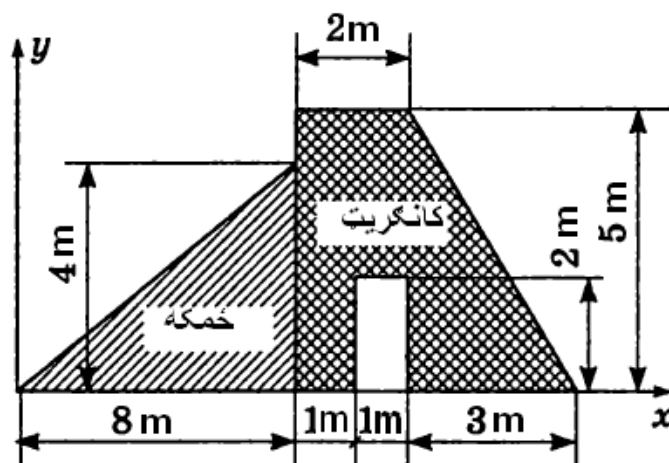
$$x_2 = \frac{2}{3} \cdot OE = \frac{2}{3} r \cos \alpha = \frac{2}{3} (30)0.866 \approx 17.3 \text{ cm}$$

د (8.6) فورمول په مرسته د دي قطعي د فاصلي محور پیدا کوو:

$$x_c = \frac{\sum A_k \cdot x_k}{A} = \frac{A_1 \cdot x_1 + (-A_2 \cdot x_2)}{A_1 + (-A_2)} = \frac{471(19.1) - 390(17.3)}{471 - 390} \approx 27.8 \text{ cm}$$

**8.7 - مشق او تمرین**

- د دي شکل لپاره د ثقل مرکز پیدا کړئ که چيري د کانکریتو مخصوص وزن  $24 \text{ kN/m}^3$  او د مخکي د خاورو خانکړی وزن  $16 \text{ kN/m}^3$  وي .



لارښوونه:

لومړی د يوه متر له مخي د کثافت د ثقل مرکز پیدا کوو:

$$x_c = \frac{\gamma_1 S_1 x_1 + \gamma_2 S_2 x_2}{\gamma_1 S_1 + \gamma_2 S_2}; \quad y_c = \frac{\gamma_1 S_1 y_1 + \gamma_2 S_2 y_2}{\gamma_1 S_1 + \gamma_2 S_2}$$

دلته  $\gamma$  کثافت ،  $S$  ،  $x$  او  $y$  په ترتیب سره مساحت او د ثقل مرکز کاردینات دي چې د شکل څخه پیدا کيږي.

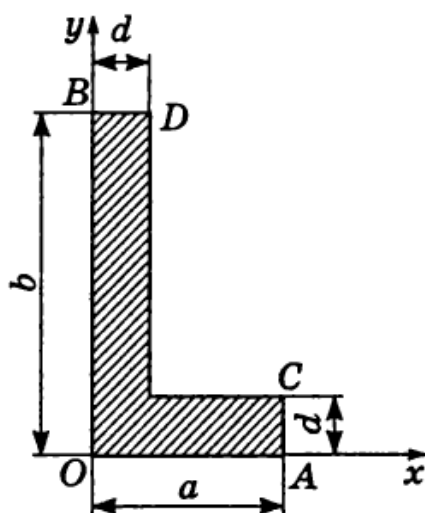
خواب:  $x_C = 8.04 m$  ,  $y_C = 1.9 m$

- د ډوله انگلارنگ لپاره د شکل سره سم د ثقل مرکز پیدا کړئ؟  $OA = a$  پسور ،  $OB = b$  جگوالی او پنډوالی یې  $AC = BD = d$

خواب:

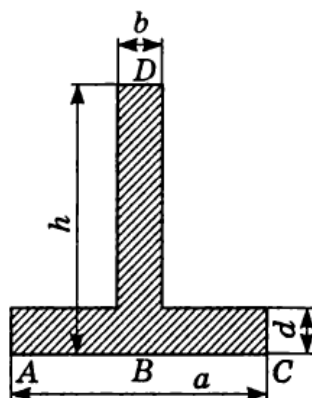
$$x = \frac{a^2 + bd - d^2}{2(a + b - d)}$$

$$y = \frac{b^2 + ad - d^2}{2(a + b - d)}$$



- د ډوله انگلارنگ ABCD لپاره د هغه د ثقل مرکز واټن د AC د جانب څخه پیدا کړئ، که چیرې ارتفاع یې  $AC = a$  د  $BD = h$  پسور او همدابول d او b را کړل شوي وي؟

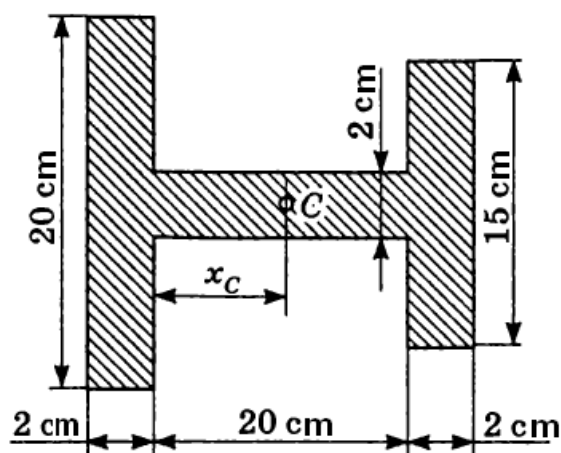
خواب:



خواب:

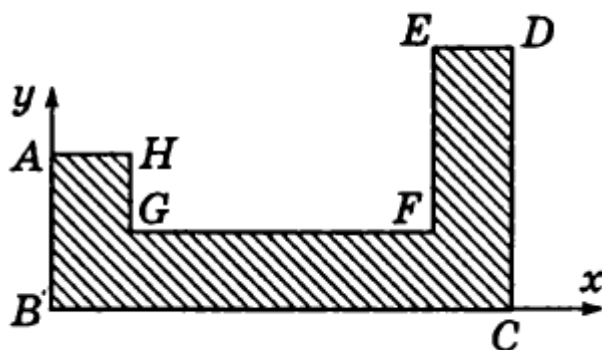
$$\frac{ad^2 + bh^2 - bd^2}{2(ad + bh - bd)}$$

- د  $H$  ډوله انگلارن لپاره د هغه د ثقل مرکز چي اندازي په شکل کي بنودل شوي دي پیدا کړئ؟



خواب:  $x_C = 9 \text{ cm}$

- د شکل سره سم د متجانسي ورقې لپاره د ثقل مرکز پیدا کړئ که چیرې  $AH = 2 \text{ cm}$ ،  $HG = 1.5 \text{ cm}$ ؛  $AB = 3 \text{ cm}$ ؛  $BC = 10 \text{ cm}$ ؛  $EF = 4 \text{ cm}$  او  $ED = 2 \text{ cm}$  وي.



خواب:  $x_C = 5\frac{10}{13} \text{ cm}$ ،  $y_C = 1\frac{10}{13} \text{ cm}$

### 8.8- کنټرولي پوښتنې

1. د موازي قواو مرکز څرنگه معلومېږي؟
2. د جسم د ثقل مرکز یعنې څه؟
3. د هوارو شکلونو د ثقل مرکز او د سطح سناتیکي مومنټ یعنې څه؟
4. د ثقل د مرکز د پیدا کولو لپاره مرستندویه قضیې کومې دي؟
5. د پاپوس- گلدینوس قضیې کومې دي؟
6. د بسیطو متجانسو شکلونو د ثقل د مرکز موقعیت څرنگه ټاکل ک

## نهم فصل

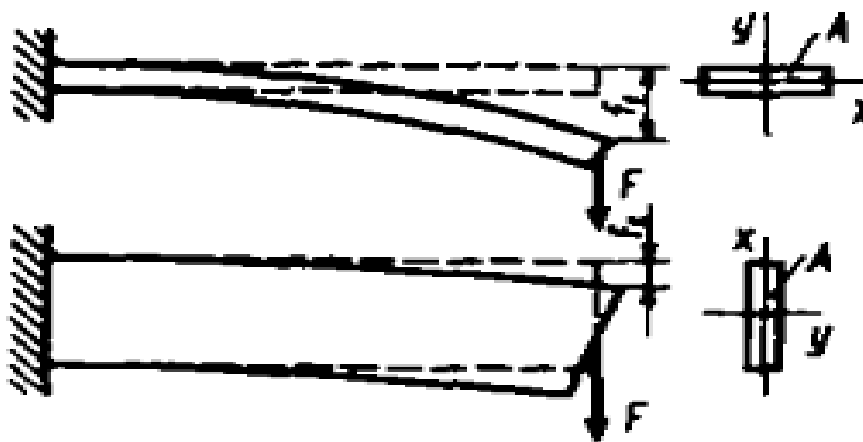
## د عرضي مقطع هندسي ځانگړتياوې او مشخصي Geometrical Characteristics of Cross Section

### 9.1- اساسي مفاهيم Fundamental concepts

د ساختمانونو د عناصرو د محاسبې په وخت کې د ډول ډول هندسي ځانگړتياو څخه کار اخيستل کيږي مثلاً د کښولو اوکښيکښلو په صورت کې د گادرد عرضي مقطع د مساحت څخه کار اخلو . د مساحت څخه د کرکيچ او د شکل بدلون د پيداکولو لپاره هم گټه اخيستل کيږي .

خو د نورو ډولونو د شکل اړونې لپاره دا ډول هندسي ځانگړتياو بکافي نه شميرل کيږي، ضروري بريښي چې تردې نورې هم پېچلي هندسي مشخصې په کار واچول شي .

د دې خبرې د تائيد لپاره به ويوې بيلگې ته ځير شو:



شکل 9.1

يو پلاستيکي خط کش به را واخلو چې اوږدوالی يې  $20\_25\text{ cm}$  وي . هغه به په کين لاس کې داسې ونيسو او کښي کارو ئي چې د خطکش د عرضي مقطع غټ مساحت په افقي ډول سره واقع شي او د خپل بني لاس پواسطه به يې پر هغه بل انجام کښيکارو . شيماتيکي بڼه به يې داسې وي لکه کنسولي گادرچي قوه يې پريوه سر وارده شوې وي . خطکش به کړوب شي او راسته انجام به يې و عمودي خواته ځای بدل کړي.

وروسته به بيا همدا تجربه تکرار کړو خو خطکش به د امتدادي محور په نسبت پر  $90^\circ$  زاويې را وگرځوو، اوس به نو د عرضي مساحت غټه اندازه عمودي موقعيت ولري .

خطکش به بيا هم کور شي او آخري راسته انجام به يې بيا هم و عمودي حالت ته خپل ځای بدل کړي، خو په لږه اندازه.

نو داسې معلوميږي چې د يوې عرضي مقطع په صورت کې خو د مختلفو موقعيتونو په درلودلو سره ، خطکش – گادر ، د کړولو په وړاندې مختلف مقاومت لري .

نو څخه دا نتيجه اخلو چې د مقطع عرضي مساحت نه شي کولای چې د کړولو په وړاندې د گډر مقاومت په گوته کړي .  
په کړولو کې د ځای بدلون د زده کړې او مطالعې لپاره اړ يو چې نور هندسي مشخصات مطالعه کړو.

لومړی به و هغه هندسي مشخصي ته څېړشو چې د نظري ميخانيک «سناتيک» څخه څرگنده ده ، يعنې د مساحت سناتيکي مومنت (د مساحت لومړی مومنت) به مطالعه کړو.

## 9.2- سناتيکي مومنت اود نقل مرکز

### First Moment of an Area and Center of Gravity

د محکموالي په هکله د محاسبو د سرته رسولو په وخت کې ، ضروري ده چې د ټولې مقطع او يا د هغې د يوې برخې سناتيکي مومنت د ځينو محورونو په نسبت، پيدا کړو.

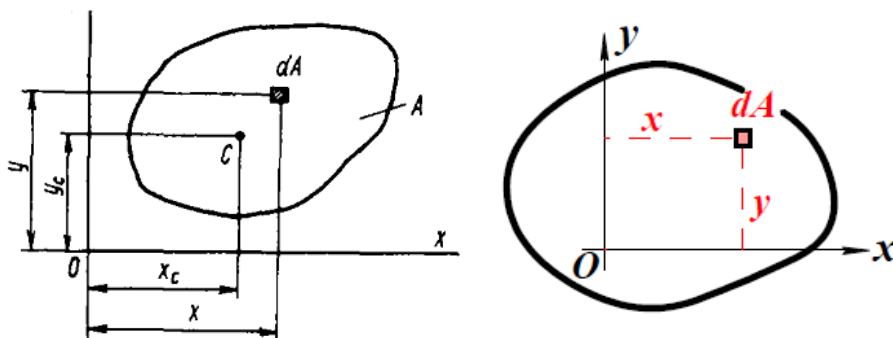
رابطه شو د گډر يوه کيفي عرضي مقطع به د  $x, y$  په کار دیناتي سيستم کې ترکنتي لاندې ونيسو او د هغې څخه به يوه کوچینی ټوټه را جلا کړو چې مساحت يې  $dA$  وي .

د مقطع سناتيکي مومنت نظرومحورته ، د کوچنیو- کوچنیو مساحتونو  $dA$  او تر دغه محور پورې د هغوی د فاصلو د ضرب حاصل د مجموعې څخه عبارت دی ، مثلاً د  $x$  يا  $y$  و محورته دغه مجموعه د ټولې  $A$  مقطع مساحتونه پخپل ترکیب کې لري .

يا په بل عبارت د مقطع سناتيکي مومنت يا د مساحت لومړی مومنت دهغې مجموعې څخه عبارت دی چې د مساحت او نظر و يوه محورته دهغې د فاصلې د ضربولو څخه ، پلاس راغلی وي .

نو پدې ډول د مقطع سناتيکي مومنت نظر و  $y, x$  محورونه :

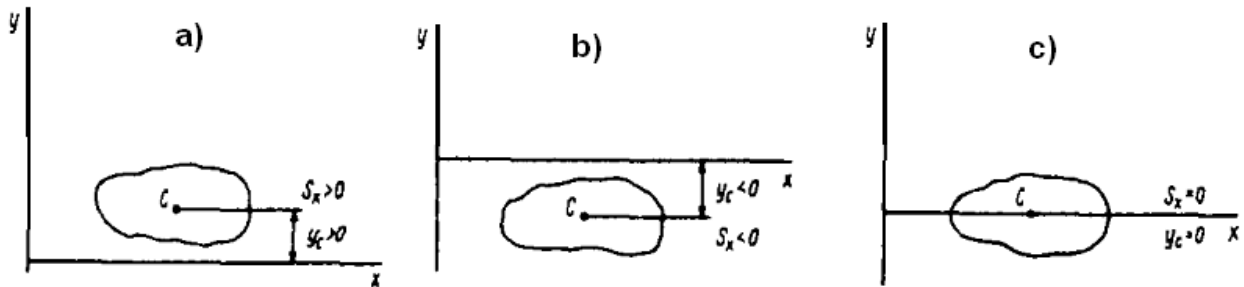
$$S_x = \int_A y dA; \quad S_y = \int_A x dA \dots (9.1)$$



9.2 شکل . د مقطع سناتيکي مومنت سره په تړاو

سناتيکي مومنت عموماً په  $cm^3$  يا  $m^3$  سره اندازه کېږي .

په موازي ډول سره د محورونو د ليرد او انتقال په صورت کې ، سناتيکي مومنت ثابت نه پاته کېږي ، بلکې تغير خوري ، کولای شي چې مثبت او يا هم منفي قيمتونه ځانته غوره کړي .



شکل 9.3

نوداسي معلوميري چي د دي موازي محورونو په منځ کي يوازي يو محور شته چي د هغه په نسبت سناتيکي مومنت د صفره سره برابر دی . د (c) شکل

هغه محور چي دهغه په نسبت سناتيکي مومنت صفر وي ، د مرکزي محور په نامه سره ياديري .

د مرکزي محورونو د تقاطع نقطه د ثقل مرکز بلل کيري .

کولای شو وښيوو چي نظرونه هغه محوره چي د ثقل د مرکز څخه تير شي ، سناتيکي مومنت صفر دی .

په 4.1 شکل کي د مقطع د ثقل مرکز د C په نقطه کي واقع دی . د هغه کاردينات د x او y پرمحورو باندې  $x_c$  او  $y_c$  دي . ټول هغه محورونه به چي د دغو نقطو څخه تير يري ، مرکزي محورونه وي او د هغو په نسبت به سناتيکي مومنت صفر وي .

«واريون» د قضیې پر بنسټ (نظري میخانیک «سناتيک» ) ، ليکلای شوچي :

$$S_x = \int_A y dA = A y_c = \sum A_i y_{ci},$$

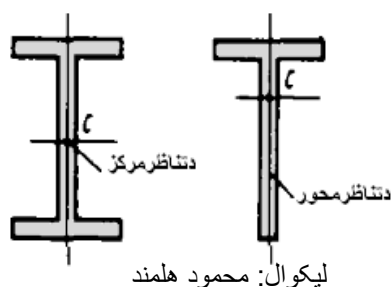
$$S_y = \int_A x dA = A x_c = \sum A_i x_{ci}, \dots (9.2)$$

له دي ځايه څخه:

$$y_c = \frac{S_x}{A} = \frac{\sum A_i y_{ci}}{\sum A_i}, x_c = \frac{S_y}{A} = \frac{\sum A_i x_{ci}}{\sum A_i} \dots (9.3)$$

د پېچلي مقطع د ثقل مرکز کاردينات چي پرکوچنيو ټوټو د A په مساحت سره ویشل شوي وي او د ثقل د مرکز کاردينات يې  $x_{c1}$  او  $y_{c1}$  وي ، د زياتو مقطع گانو لپاره د ثقل مرکز پيدا کول آسانه کوي .

مثلاً که چيري مقطع د تناظر مرکز يا د تناظر محور ولري نوپدي ډول مقطع گانو کي د ثقل مرکز د تناظر په مرکز کي اوياهم د تناظر پر محور باندې پروت دی



**1- مثال:** د لاندې قایم الزاویه مثلث لپاره نظر د  $x$  و محور ته سناتیکی مومنت محاسبه کړئ؟

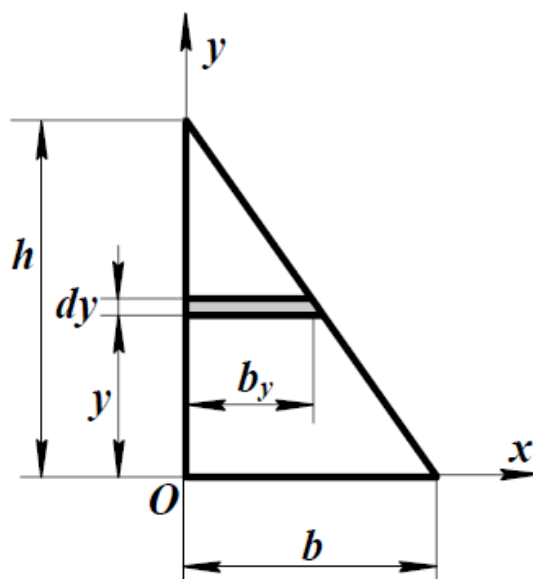
د  $dA$  په مساحت یوه وړه ټوټه چې یوه ضلعه یې  $dy$  او بله یې  $b_y$  ده، ترکنتی لاندې نیسو:

$$b_y = \frac{b}{h} (h - y); \quad dA = b_y dy = \frac{b}{h} (h - y) dy$$

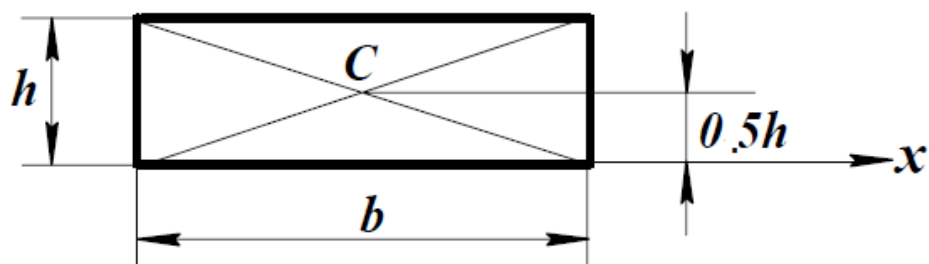
د سناتیکی مومنت د تعریف سره سم لرو چې:

$$S_x = \int_A y dA = \int_0^h y \frac{b}{h} (h - y) dy = b \int_0^h y dy - \frac{b}{h} \int_0^h y^2 dy = \left[ b \frac{y^2}{2} - \frac{b}{h} \frac{y^3}{3} \right]_0^h = \frac{b h^2}{2} - \frac{b h^2}{3} \\ = \frac{b h^2}{6}$$

$$S_x = \frac{b h^2}{6}$$

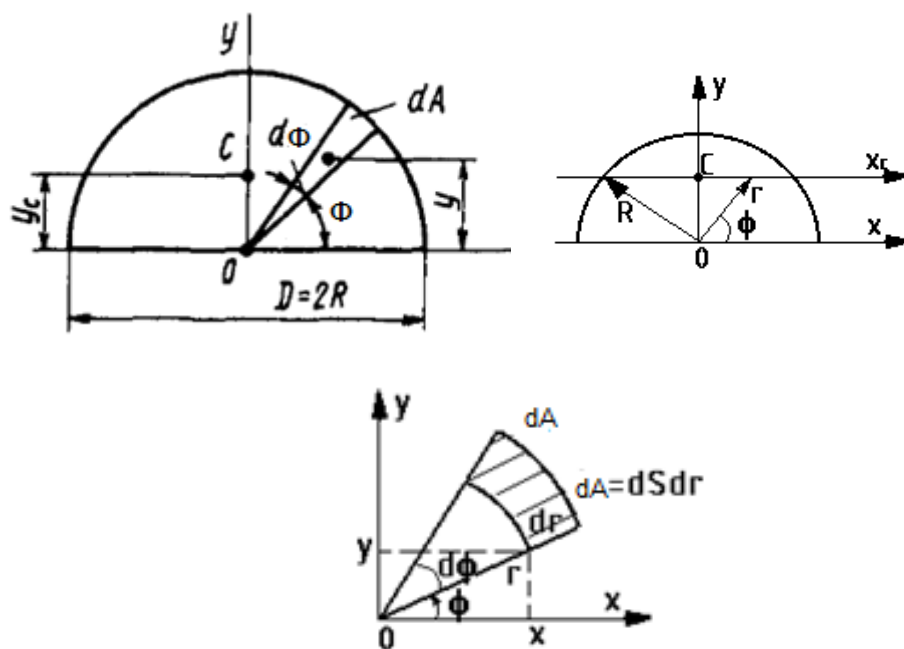


**2- مثال:** د دې مستطیل لپاره نظر د  $x$  و محور ته سناتیکی مومنت محاسبه کړئ؟



$$S_x = y_c A = 0.5 h (bh) = \frac{b h^2}{2}$$

3-مثال: د نيمې دايرې شکل لرونکې مقطع د ثقل مرکز پيدا کړئ؟



9.5 شکل

$$\operatorname{tg} d\Phi = \frac{ds}{r} \Rightarrow \operatorname{tg} d\Phi \approx d\Phi = \frac{ds}{r} \Rightarrow ds = d\Phi r$$

حل: د  $y$  محور د تناظر محور دی، نو ځکه پوهیږو چې د ثقل مرکز پر همدې محور باندې پروت دی. دهغه د موقعیت د پيدا کولو لپاره د (4.3) فورمول په مرسته د  $y_c$  کار دینات پيدا کوو:

$x_c = 0$  دی ځکه چې شکل متناظر دی، باید معلوم کړل شي:

$$y_c = \frac{\int_A y dA}{A} = \frac{S_x}{A}; \quad S_x = ?$$

د نيمه دايرې سناتيکي مومنت نظرد  $x_1$  و محور ته پيدا کوو. د دې لپاره يوه وره ټوټه ترکنتي لاندې نيسو:

$$S_x = \int_A y dA; \quad A = \frac{\pi R^2}{2}; \quad \sin \Phi = \frac{y}{r} \Rightarrow y = \sin \Phi r$$

د دې ټوټې مساحت:  $dA = ds dr = d\Phi r dr$

دوه انټيگرالونه نظرد متحولو و جنس ته سره جلاکوو، لرو چې:

$$S_x = \int_0^{\pi} \int_0^R \sin\varphi r d\Phi r dr = \int_0^{\pi} \sin\varphi d\varphi \int_0^R r^2 dr =$$

$$(-\cos\varphi|_0^{\pi}) \frac{R^3}{3} \Big|_0^{\pi} = -(\cos\pi - \cos 0^\circ) \frac{R^3}{3} \Big|_0^{\pi} = -(-1 - 1) \frac{R^3}{3} = (2) \frac{R^3}{3} = \frac{2R^3}{3}$$

د ثقل د مرکز کار دینات :

$$y_c = \frac{S_x}{A} = \frac{\frac{2}{3}R^3}{\frac{1}{2}\pi R^2} = \frac{2}{3}R^3 / \left(\frac{1}{2}\pi R^2\right) = \frac{4R}{3\pi} \cong 0.424R$$

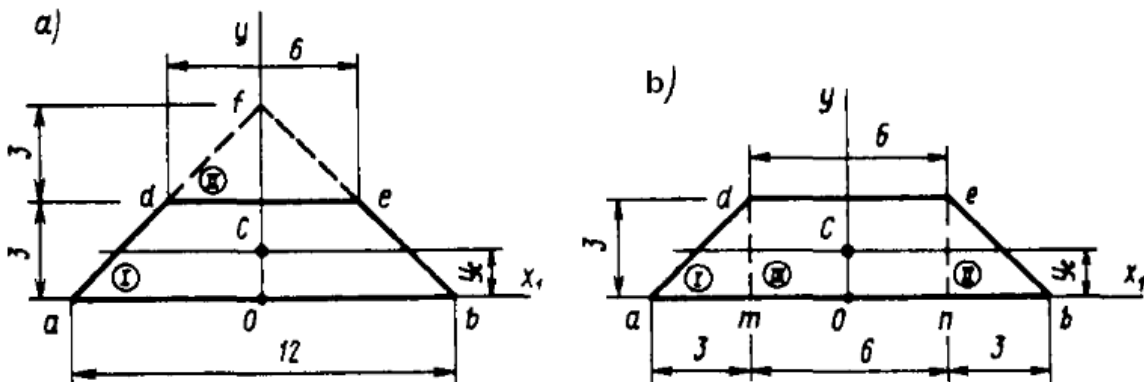
د پېچلومقطع گانو د سناتیکی مومنت د محاسبه کولو لپاره باید دا مقطع پراساده اوکوچنیو برخو باندي وویشل شي .

پدې صورت کې د مقطع سناتیکی مومنت نظروهرمحورته مساوي دی د ټولو کوچنیو برخو د سناتیکی مومنتونو په الجبري مجموعي سره نظروهمهغه محوروته ، یعنی :

$$S_x = S_x^I + S_x^{II} + \dots + S_x^n$$

#### 4-مثال:

د هغه مقطع د ثقل مرکز معلوم کړئ چې د مثلث شکل لري، د مقطع اندازې په شکل کې ښودل شوي دي ؟



شکل 9.6

حل : مقطع د تناظرمحورلري ، نولدي کبله ویلای شو چې د ثقل مرکز پرمهدي محورباندي پروت دی. باید یوازې  $y_c$  کار دینات پیدا کړل شي .

ډوډونقه به د  $abf$  ترمثلته پوري پوره کړو اودا مقطع به لکه دوه مثلثه ترکنتي لاندي ونیسو .  $abf$  (لومړی برخه) او  $def$  (دوهمه برخه) .

د  $def$  د مثلث مساحت د سناتیکی مومنت د محاسبې په وخت کې باید هغه د منفي علامې سره ونيول شي ، ځکه چې دا مثلث د ډوډونقي لپاره مور د خپله ځانه څخه ور زیات کړي .

د ذونوقی سناتیکی مومنت نظر د  $x_1$  و محورته د (4.2) فورمول په مرسته پیدا کوو:

$$S_{x_1} = S'_{x_1} - S''_{x_1} = \left(\frac{1}{2} (12)6\right) \left(\frac{1}{3} 6\right) - \left(\frac{1}{2} (6)3\right) \left(\frac{1}{3} 3 + 3\right) = 36 \text{ cm}^3$$

د مقطع مساحت :

$$A = A' - A'' = \frac{1}{2}(12)6 - \frac{1}{2}(6)3 = 27 \text{ cm}^2$$

$$y_c = \frac{S_{x_1}}{A} = \frac{36}{27} = \frac{4}{3} \text{ cm} \quad \text{نوبیا}$$

د مقطع سناتیکی مومنت  $S_{x_1}$  هم لکه د ټولو مرکبو برخو د سناتیکی مومنتونو مجموعه نظر و همدغه  $x_1$  محورته پیدا کولای شو . د دې لپاره ذونوقه پردوو مساوي مثلثونو باندې ویشو .  $amd$  (لومړۍ برخه) او  $nbe$  (دوهمه برخه) او یو مستطیل  $mden$  (دریمه) به یې نیمایي برخه جوړه کړي ، (b- شکل).

نوهغه به محاسبه کړو:

$$S_{x_1} = S'_{x_1} + S''_{x_1} + S'''_{x_1} = \left(\frac{1}{2} (3)3\right) \left(\frac{1}{3} 3\right) + \left(\frac{1}{2} (3)3\right) \left(\frac{1}{3} 3\right) + 6(3)1.5 = 36 \text{ cm}^3$$

لکه څنگه چې  $S_{x_1} > 0$  دی نو  $y_c$  مثبت قیمت لري ، یعنی داچې د  $x_1$  څخه و پورته خواته د  $y$  د محور مثبتې خواته باید جلا شي .

### 9.3- د انرشیا مومنت یا د مساحت دوهم مومنت

#### Second Moment of an Area of Moment of Inertia

د تاویدني او کړیدني په صورت کې د شکل بدلون د محاسبې لپاره باید نورې هندسي مشخصې لکه د انرشیا مومنت په کار واچوو.

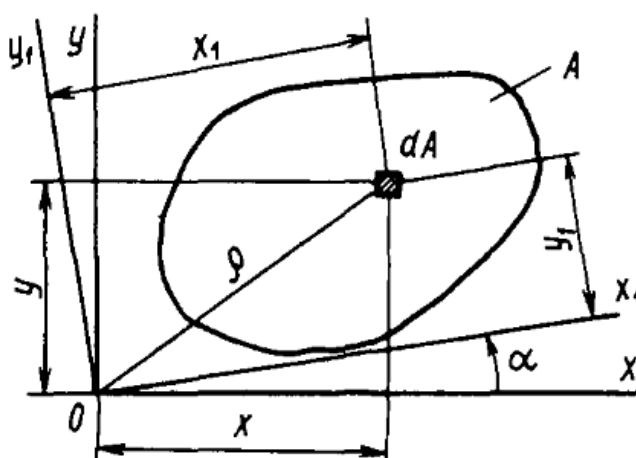
د مقطع د محوري انرشیا مومنت د یوه راکرل شوي محوريه نسبت د کوچنیو او بسیطو مساحتونو  $dA$  اوترهدې محوره پورې د هغوی د فاصلومربع د ضربولو په نتیجه کې د پلاس راغلي مجموعې څخه عبارت دی . دغه مجموعه د  $A$  مقطع ټول مساحت پخپل ځان کې لري .

پدې صورت کې د لاندې شکل سره سم د مقطع د انرشیا مومنت نظر د  $x$  او  $y$  و محوروته :

$$I_x = \int_A y^2 dA, I_y = \int_A x^2 dA \dots (9.4)$$

د انرشیا محوري مومنتونه Rectangular second Moment of an Area

د مقطع قطبي د انرشیا مومنت نظر و راکرل شوي نقطې ته (د 0 قطب) عبارت له هغې مجموعې څخه دی ، چې د کوچنیو او بسیطو مساحتونو  $dA$  او د دې نقطې د کار دیناتو د مربع د ضربولو څخه پلاس راځي . دغه مجموعه د  $A$  مقطع د ټول مساحت څخه عبارت ده ، نو داسې معلومیري چې:



شکل 9.7

$$J_p = \int_A \rho^2 dA \dots (9.5)$$

د انرشیا قطبي مومنت Polar moment of Inertia

محوري قطبي د انرشیا مومنتونه تل (+) دی اود اندازه کو لو واحد یې  $cm^4$  ،  $m^4$  دی .

یوې ځانگړتیا ته به هم څیرشو: د انرشیا قطبي مومنت  $J_p$  مساوي دی د محوري مومنتونو  $I_x$  او  $I_y$  په مجموعي سره نظر وهرې متقابلاً عمود محوري جوړې ته چې د دی قطب (0) څخه تیریري .

لکه چې د شکل څخه لیدل کیږي  $\rho^2 = x^2 + y^2$  او

$$I = \int_A \rho^2 dA = \int_A (x^2 + y^2) dA = \int_A x^2 dA + \int_A y^2 dA = I_y + I_x$$

نومعلومیږي

$$J_p = I_x + I_y \dots (9.6)$$

که چیرې د  $x$  او  $y$  محورونه نظرو  $O$  ته د  $\alpha$  زاویه جوړه کړي ، نو پدې صورت کې:

$$\rho = x_1^2 + y_1^2$$

$$J_p = I_{x1} + I_{y1}$$

د محورونو په هر ډول څرخولو سره نظرد کار دینات ومبدأ (0 قطب) ته ، د انرشیا محوري مومنتونه ، ثابت پاتې کیږي

$$I_x + I_y = I_{x1} + I_{y1} = J_p = \text{Constant}$$

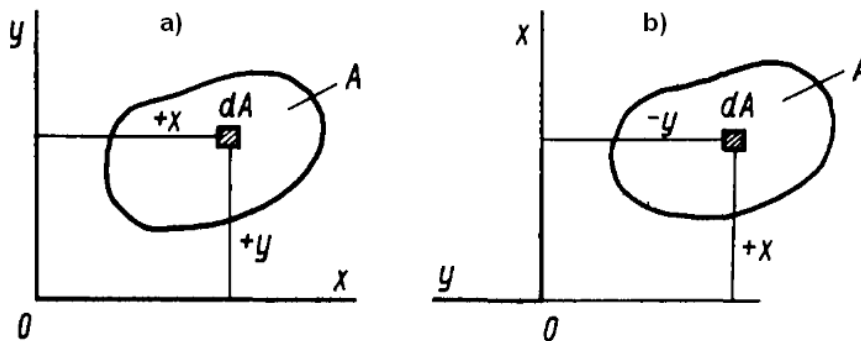
د مقطع «د مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنت» نظر د کار دیناتو و محورونو ته (مثلاً  $y, x$ ) ، عبارت دهغې مجموعې څخه دی چې د ابتدایې او کوچنیو مساحتونو  $dA$  او تر دغو محورونو پورې د هغوی د واټن د ضرب د حاصل څخه پلاس راغلی وي . دغه مجموعه د مقطع ټول مساحت  $A$  په گوته کوي .

$$I_{xy} = \int_A xy dA [cm^4] \dots (9.7)$$

د مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنت Centrifugal moment of Inertia

د مقطع د ثقل مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنت ، کیدای شي مثبت ، منفي او یا هم صفر وي . دا پدې پورې اړه لري چې د مقطع موقعیت د کار دیناتي سیستم په نسبت څرنگه دی.

که چیرې د مقطع موقعیت نظر د کار دینات و محورونو ته د لاندې  $a$  شکل سره سم وي ، نو  $I_{xy} > 0$  دی ، ځکه چې د  $x$  او  $y$  کار دینات مثبت دي .

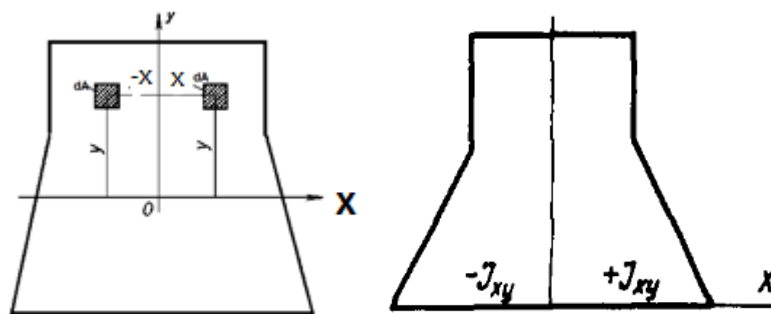


شکل 9.8

د شکل په صورت کې د کار دینات محورونه پر  $90^\circ$  درجې زاویې راڅرخول شوي دي .  $I_{xy} < 0$  ، ځکه چې  $x > 0$  ، خو  $y < 0$  ، نوداسې نتیجه اخلو: که چیرې کار دینات پر یوې زاویې  $\alpha < 90^\circ$  را وگرځوو نو د مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنت کیدای شي ،  $I_{xy} = 0$  وي.

د ځینو مقطع گانو لپاره کولای شو چې سمدلاسه هغه محورونه وښیو چې نظروهغوی ته  $I_{xy} = 0$  دی.

د دې لپاره یو شکل ترکتني لاندې نیسو:



شکل 9.9

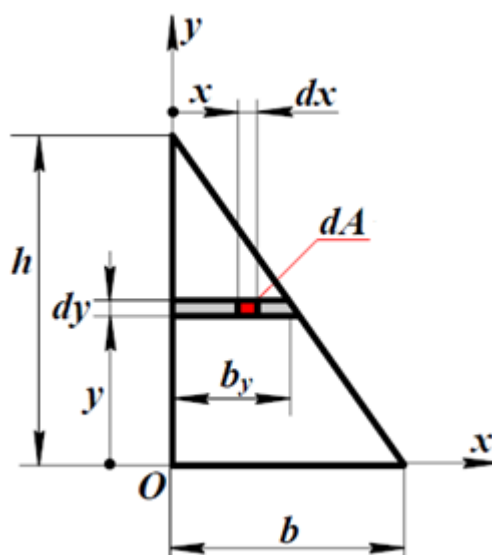
د نیمه مقطع گانو چې د محور نیمه پورته خوا او نیمه کښته خوا ته واقع وي ، د مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنتونه ، پخپل منځ کې مساوي خو علامې یې مختلفې دي ، نوبناءً  $I_{xy} = 0$

دغه څرگندونه د عملي مسائلو د حل لپاره ډیره مهمه ده .

## 5- مثال:

د دي قايم الزاويه مثلث لپاره د انرشيا مومنتونه پيدا کړئ؟

يوه وړه ټوټه تر کتنې لاندې نيسو چې پسرور (بر) او مساحت يې په ترتيب سره مساوي دي:



$$b_y = \frac{b}{h}(h - y); \quad dA = b_y dy = \frac{b}{h}(h - y)dy$$

د انرشيا د محوري مومنتونو د تعريف سره سم لرو چې:

$$I_x = \int_A y^2 dA = \int_0^h y^2 \frac{b}{h}(h - y)dy = b \int_0^h y^2 dy - \frac{b}{h} \int_0^h y^3 dy =$$

$$\left[ b \frac{y^3}{3} - \frac{b}{h} \frac{y^4}{4} \right]_0^h = \frac{b h^3}{3} - \frac{b h^3}{4} = \frac{b h^3}{12}$$

$$I_x = \frac{b h^3}{12}$$

په همدې ډول ليکلای شو:

$$I_y = \frac{h b^3}{12}$$

د انرشيا قطبي مومنت به د انرشيا د محوري مومنتونو د جمع حاصل وي:

$$J_P = I_x + I_y = \frac{b h^3}{12} + \frac{h b^3}{12} = \frac{b h}{12}(h^2 + b^2)$$

د مرکز څخه په تېښته کې د انرشيا مومنت به داسې پلاس راوړو:

یو وروکی مساحت به د  $dA' = dx dy$  تر کتنې لاندې ونیسو چې د  $x$  کاردینات د  $0$  څخه تر  $b_y$  او د  $y$  کاردینات یې د  $0$  څخه بیا تر  $h$  پورې دي.

د مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنټ د تعریف سره سم لروچې:

$$\begin{aligned}
 I_{xy} &= \int_A x y dA = \int_A x y dx dy = \int_0^h [y dy \int_0^{b_y} x dx] = \int_0^h \left\{ y dy \int_0^{b_y} \left[ \frac{x^2}{2} \right]_0^{b_y} \right\} = \\
 &= \int_0^h y dy \frac{b_y^2}{2} = \int_0^h y dy \frac{\left( \frac{b}{h}(h-y) \right)^2}{2} = \int_0^h y dy \frac{b^2(h^2 - 2hy + y^2)}{2h^2} = \\
 &= \frac{b^2}{2} \int_0^h y dy - \frac{b^2}{h} \int_0^h y^2 dy + \frac{b^2}{2h^2} \int_0^h y^3 dy = \left[ \frac{b^2}{2} \frac{y^2}{2} - \frac{b^2}{h} \frac{y^3}{3} + \frac{b^2}{2h^2} \frac{y^4}{4} \right]_0^h = \\
 &= \frac{b^2 h^2}{2} \frac{h^2}{2} - \frac{b^2 h^3}{h} \frac{h^3}{3} + \frac{b^2 h^4}{2h^2} \frac{h^4}{4} = \frac{b^2 h^2}{4} - \frac{b^2 h^2}{3} + \frac{b^2 h^2}{8} = \frac{b^2 h^2}{24} \\
 I_{xy} &= \frac{b^2 h^2}{24}
 \end{aligned}$$

**6-مثال:** د مستطیلې مقطع د انرشیا مومنټ نظروکار دیناتي محورونو  $x$ ,  $y$  ته معلوم کړئ؟

حل: دغه مستطیل ډوله مساحت به پرکوچنیو مستطیلونو باندې وویشو چې پسوریې  $b$  او ارتفاع یې  $dy$  وي. پدې صورت کې د یوه داسې مستطیل مساحت (په شکل کې کرښه-کرښه شوی دی) مساوي دی:

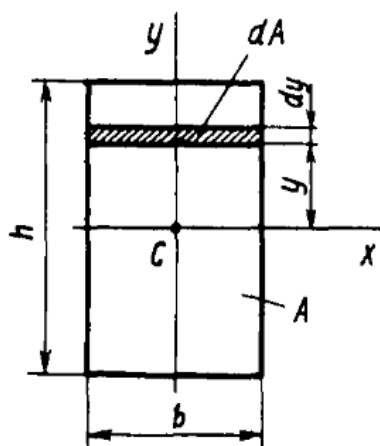
$$dA = b dy$$

په (9.4) فورمول کې د دې قیمت په وضع کولو او انتگرال نیولوسره لروچې:

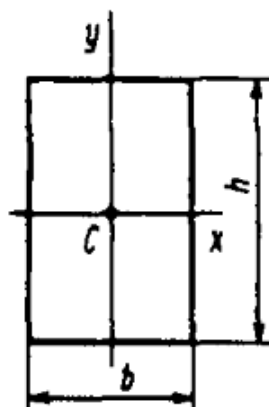
$$I_x = \int_A y^2 dA = \int_{-\frac{h}{2}}^{+\frac{h}{2}} y^2 b dy = \frac{by^3}{3} \Big|_{-\frac{h}{2}}^{+\frac{h}{2}} = \frac{b h^3}{12}$$

په همدې ډول سره کولای شو ولیکو:

$$I_x = \frac{bh^3}{12} ; \quad I_y = \frac{b^3 h}{12} ; \quad I_{xy} = 0$$



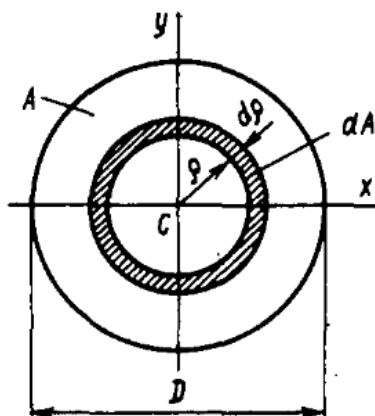
شکل 9.10



شکل 9.11

د مرکز څخه په نښته کې د انرشيا مومنت  $I_{xy} = 0$  ، ځکه د x او y محورونه د تناظر محورونه دي .

7-مثال: د دایروي مقطع لپاره د انرشيا مومنت نظرومرکزي محوروته پیدا کړئ؟



شکل 9.12

حل:

آسانه داده چې لومړی د مقطع قطبي مومنت پيدا کړل شي او بيا وروسته د (9.6) فورمول په مرسته  $J_p = J_x + J_y$  اودا چې  $J_x = J_y$  دی، ځکه چې د انرشيا مومنتونه نظر وهر و دوو مرکزي محورونو ته پخپل منځ کې د تناظر له کبله سره مساوي دي، نو  $J_x = J_y = J_p/2$

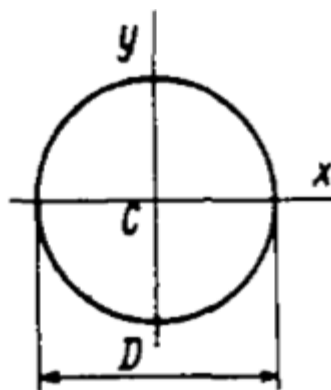
دغه دایره پرې نهایته ډیرو کوچنیو کړیو باندي ویشو چې پنډوالی یې  $d\rho$ ، شعاع یې  $\rho$  اومساحت یې

$dA = 2\pi\rho d\rho$  دي. دغه قیمت په (9.5) فورمول کې وضع کوو، لرو چې :

$$J_p = \int_A \rho^2 dA = \int_0^{\frac{D}{2}} \rho^2 2\pi\rho d\rho = 2\pi \frac{\rho^4}{4} \Big|_0^{\frac{D}{2}} = \frac{\pi \cdot D^4}{32} \approx 0.1D^4$$

$$I_x = I_y = \frac{\pi D^4}{64} \approx 0.05 D^4 \quad \text{او:}$$

د دې تقریبي قیمت غلطی عبارت ده له 7.86% څخه.



9.13 شکل

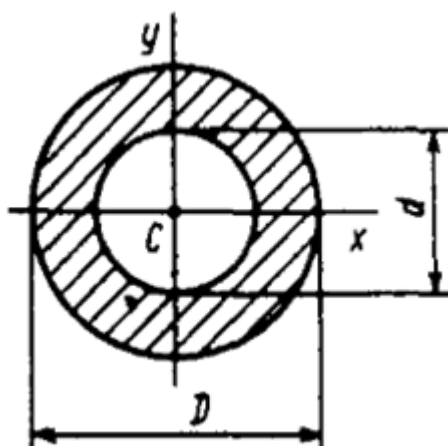
$$I_x = I_y = \frac{\pi D^4}{64}, I_p = \frac{\pi D^4}{32}$$

### 5-مثال:

د یوې کړۍ د مقطع د انرشيا مومنت نظرومحوري مرکزونه پيدا کړئ؟

$$I_x = I_y = \frac{\pi D^4}{64} (1 - \alpha^4); \alpha = \frac{d}{D}$$

$$J_p = \frac{\pi D^4}{32} (1 - \alpha^4)$$



شکل 9.14

حل :

د مقطع د انرشيا د مومنت د محاسبي په وخت کې بايد هغه پرکوچنيوو ، کوچنيوو بي نهايت ډيرو کړيو باندې وويشو ، نوپدې صورت کې د کړۍ د انرشيا قطبي مومنت داسې پيداوو لکه د غټې کړۍ چې قطري D او کوچني کړۍ چې قطري d دی ، د تفریق حاصل.

د انرشيا د مومنتونو د تفریق حاصل:

$$J_p = \frac{\pi D^4}{32} - \frac{\pi d^4}{32} = \frac{\pi D^4}{32} (1 - \alpha^4) \approx 0.1 D^4 (1 - \alpha^4)$$

د کړۍ محوري د انرشيا مومنت:

$$I_x = I_y = \frac{J_p}{2} = \frac{\pi D^4}{64} (1 - \alpha^4) \approx 0.05 D^4 (1 - \alpha^4)$$

پدې فورمول کې  $\alpha = \frac{d}{D}$ که چېرې  $D \approx d$  وي نوپدې صورت کې د يوه تقريبي فورمول څخه کاراخلو:

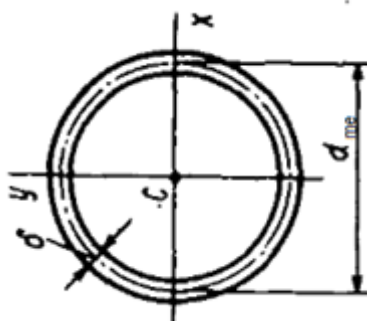
$$A = 2\pi r_{average} \quad ; \quad \delta = \pi d_{avg}^{\delta}$$

$$r_{avg} = d_{avg}/2 \quad \text{او}$$

پدې صورت کې د انرشيا د مومنت تقريبي قيمت مساوي دی په :

$$J_p = \int_A r_{avg}^2 dA = r_{avg}^2 \int_A dA = \frac{d_{avg}^2}{4} \pi d_{avg} \delta = \frac{\pi \delta d_{avg}^3}{4} \cong 0.8 \delta d_{avg}^3$$

$$I_x = I_y = \frac{J_p}{2} = \frac{0.8 \delta d_{avg}^3}{2} = 0.4 \delta d_{avg}^3$$



شکل 9.15

$$I_x = I_y \cong \frac{\pi \delta d_{avg}^3}{8}; J_P \cong \frac{\pi \delta d_{avg}^3}{4}$$

د مقطع د قطبي انرشيا مومنت د قيق قيمت به داسي وي :

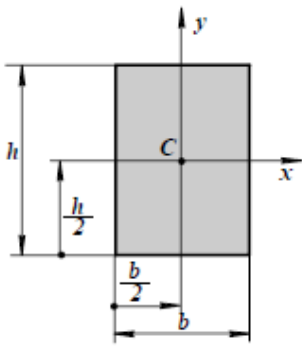
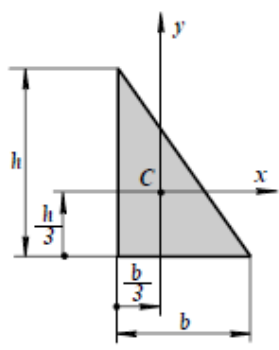
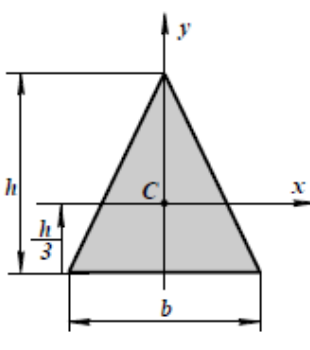
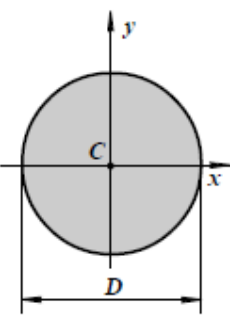
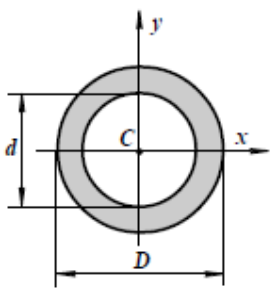
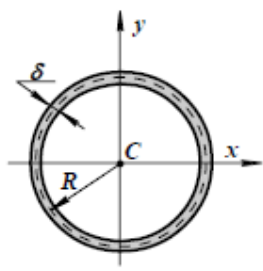
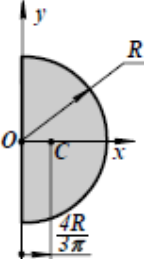
$$J_P = \frac{\pi D^4}{32} - \frac{\pi d^4}{32} = \frac{\pi \delta d_{avg}^3}{4} \left[ 1 + \left( \frac{\delta}{d_{avg}} \right)^2 \right]$$

د تقريبي اودقيق فورمولونو په پرتله کولو سره د  $100\% \left( \frac{\delta}{d_{med}} \right)^2$  په اندازه غلطي شته ده .

مثلاً د  $\frac{\delta}{d_{med}} = 0.1$  لپاره به دا غلطي 1% او د  $\frac{\delta}{d_{avg}} = 0.2$  لپاره به دا غلطي 4% وي .

نو لدې امله کله چې  $\frac{\delta}{d_{avg}} < 0.15$  وي ، د تقريبي فورمول څخه گټه اخيستل کيږي اودا کار آسان هم بلل کی

د ځینو بسیطو او ساده شکلونو هندسي مشخصی

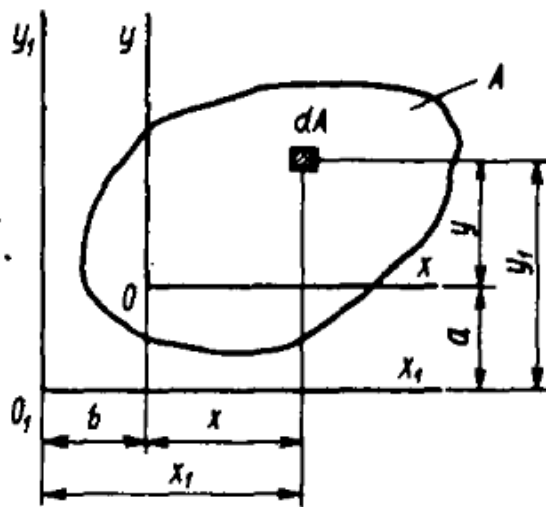
|   |   |   |
|---|---|---|
| <p>مستطیل</p>  <p><math>A = bh</math>      <math>J_{xy} = 0</math>;</p> <p>1.1.3      1.1.3</p>  | <p>قایم الزاویه مثلث</p>  <p><math>A = \frac{1}{2}bh</math>      <math>J_{xy} = -\frac{b^2h^2}{72}</math></p> <p>...2      1.1.3</p>   | <p>متساوي الساقين مثلث</p>  <p><math>A = \frac{1}{2}bh</math>      <math>J_{xy} = 0</math></p> <p><math>r = \frac{bh^3}{3}</math>      <math>r = hb^3</math></p> |
| <p>دایره</p>  <p><math>A = \frac{1}{4}\pi D^2</math>      <math>J_{xy} = 0</math></p> <p><math>J_x = J_y = \frac{\pi D^4}{64}</math></p>      | <p>څړی</p>  <p><math>A = \frac{\pi D^2}{4} \left(1 - \frac{d^2}{D^2}\right)</math></p> <p><math>J_x = J_y = \frac{\pi D^4}{64} \left(1 - \frac{d^4}{D^4}\right)</math></p> <p><math>J_{xy} = 0</math></p> | <p>تازکه څړی</p>  <p><math>A = 2\pi R\delta</math>      <math>J_{xy} = 0</math></p> <p><math>J_x = J_y = 2\pi R^3\delta</math>;</p>                             |
| <p>نیمه دایره</p>  <p><math>A = \frac{1}{2}\pi R^2</math>      <math>J_{xy} = 0</math></p> <p><math>J_x = J_y = \frac{\pi R^4}{8}</math></p> |   |   |

## 9.4- د انرشيا د مومنتونو ترمنځ اړيکي د محورونو د موازي ليردونې په صورت کې

## Parallel-Axis Theorem

د  $A$  په مساحت سره د مقطع لپاره د انرشيا د مومنتونو فورمولونه به نظر وکړي او  $x_1$  او  $y_1$  محورونو ته، را پيدا کړو. داسې يې بولو چې د دې مقطع ټولې هندسي ځانگړتياوې نظر د  $x$  او  $y$  محورونو ته چې د  $x_1$  او  $y_1$  د محورونو سره موازي دي، معلومي دي. د ابتدايي مساحت  $dA$  کار دینات د  $x_1, y_1$  کار دیناتو په سيستم کې:

$$y_1 = y + a \quad ; \quad x_1 = x + b$$



شکل 9.16

د  $y_1$  د افادې څخه په گټې اخیستلو سره د انرشيا محوري مومنت نظرد  $x_1$  محور ته، پيدا کړو:

$$I_{x_1} = \int_A y_1^2 dA = \int_A (y + a)^2 dA = \int_A y^2 dA + 2a \int_A y dA + a^2 \int_A dA$$

د (4.1) او (4.4) فورمول په نظر کې نیولو سره:

$$I_{x_1} = I_x + 2a S_x + a^2 A \dots (9.8)$$

د  $y_1$  د محور په نسبت د انرشيا مومنت په عين ډول سره پلاس راوړو:

$$I_{y_1} = I_y + 2b S_y + b^2 A \dots (9.9)$$

د مرکز څخه په تېښته کې د انرشيا مومنت نظرد  $x_1$  او  $y_1$  و محورونو ته:

$$I_{x_1 y_1} = \int_A x_1 y_1 dA = \int_A (x + b)(y + a) dA = \int_A xy dA + b \int_A y dA + a \int_A x dA + ab \int_A da$$

د (9.1) او (9.7) فورمولونو په وضع کولو سره:

$$I_{x_1 y_1} = I_{xy} + b S_x + a S_y + abA \dots (9.10)$$

یادونه کوو چي په (9.8) او (9.10) فورمولونو کې د مقطع هندسي مشخصات  $S_x, S_y, J_x, J_y$  او  $J_{xy}$  نظر د  $x$  او  $y$  و محورونو ته معلوم دي. زیاتره وخت دوی د «زرو» یا «لومړنیو» مشخصاتو په نامه سره یادېږي. که چیرې دا محورونه مرکزي وي، نو په لاسته راغلو اړیکو کې:

$$S_x = 0; S_y = 0$$

پدې صورت کې د مقطع د انرشیا مومنت فورمول ساده کېږي:

$$I_{x_1} = I_x + a^2 A$$

$$I_{y_1} = I_y + b^2 A$$

$$I_{x_1 y_1} = I_{xy} + abA \dots (9.11)$$

د بنتی نر قضیه

د دې فورمول په مرسته کولای شو چې د مرکزي محورونو څخه د دوی سره موازي وهره کيفي محورونو ته ور واورو، او همدارنگه دا فورمول د پېچلو شکلونو د انرشیا مومنت د پیدا کولو لپاره کارول کېږي.

د  $a$  او  $b$  مثبتې (+) او یا منفي (-) علامې د  $x_1$  او  $y_1$  محورونو په سیستم کې باید په نظر کې ونیول شي.

د انرشیا مومنت نظرونه هرپه محوره مساوي دی د انرشیا مومنت نظرونه مرکزي محوره چې دهمدې محوره موازي وي، جمع د مقطع مساحت چې د محورونو ترمنځ واټن د مربع سره ضرب شي.

که  $a=0$ ،  $b=0$  وي، نو مومنت به کوچینی قیمت واخلي یعنی محورونه د ثقل د مرکز څخه تیرېږي.

نومعلومېږي چې کوچینی مومنت به نظرونه مرکزي محورونو ته وي.

د مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنت د هرو کيفي محورونو په نسبت چې د مرکزي محورونو سره موازي وي، مساوي دی د مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنت نظرونه مرکزي محورونو ته، جمع د مقطع مساحت، ضرب د هغې د ثقل د مرکز کار دینات پر کيفي محورونو باندې.

که چیرې یو د مرکزي محورونو څخه د مقطع د تناظر محور وي، نو فورمول نور هم ساده کېږي،  $I_{xy} = 0$  او د مرکز څخه په تېښته کې د انرشیا مومنت نظر و موازي مرکزي محورونو ته مساوي دی:

$$I_{x_1 y_1} = a b A \dots (9.12)$$

لکه څنگه چې  $J_{P_1} = I_{x_1} + I_{y_1}$ ، نو لروچې: د 0 قطب و 0 قطب ته د لیردونې په صورت کې د قطبي انرشیا مومنت لپاره:

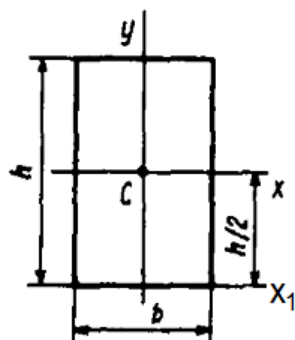
$$J_{P_1} = J_P + (a^2 + b^2)A \dots (9.13)$$

یادونه:

مناسبه او منطقي به وي که چیرې د جسم لپاره د انرشیا مومنت او د سطح لپاره د مساحت دوهم مومنت ویزونه او اصطلاح گانې وکاروو.

6-مثال:

د دي مستطیلی مقطع لپاره د انرشیا مومنت نظرو  $x_1$  محورته پیدا کړئ؟ (د مستطیل د قاعدې په نسبت).



9.17 شکل

$$I_{x_1} = \frac{b h^3}{3}$$

حل : د (9.11) فورمول څخه په گټې اخیستنې سره ، داسې یې بولو چې نظرد  $x$  و مرکزې محور ته ، د مقطع د انرشیا مومنت معلوم دی :

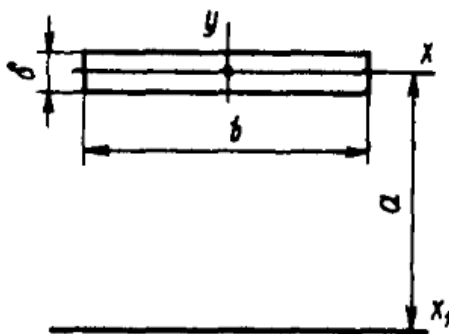
$$I_x = \frac{b h^3}{12}$$

نولدي ځایه څخه لرو چې:

$$I_{x_1} = I_x + a^2 A = \frac{b h^3}{12} + \left(\frac{h}{2}\right)^2 b h = \frac{b h^3}{3}$$

د نازکو گادرو د انرشیا د مومنت په محاسبه کولو کې لکه چې معلومه ده ، د قایم الزاویه ورقو پندوالی  $\delta$  تر  $b$  ډیر لږ دی ، یعنې  $\delta \ll b$  . په ډیرو حالاتو کې د (9.11) فورمول د استعمال په وخت کې ، کولای شو د مقطع د انرشیا د مومنت څخه نظر و مرکزې محورته چې د  $b$  د غټ قیمت سره موازي دی ، تیر شو .

یوه قایم الزاویه ورقه چې مساحت یې  $A$  او په یوه نازک گادر پورې اړه لري ، د هغې د انرشیا مومنت نظرد  $x_1$  و محورته پیدا کوو:



9.18 شکل

$$I_{x1} = I_x + a^2 A = \frac{b \delta^3}{12} + a^2 \delta b = A a^2 \left[ \frac{1}{12} \left( \frac{\delta}{a} \right)^2 + 1 \right]$$

وبه گورو که چيري د فورمول د لومړۍ برخې څخه نظر د  $x$  ومحورته، تير شو، نوخومره غلطي به مو کړې وي.

که چيري  $\frac{\delta}{a} = \frac{1}{3}$  وي نو دا غلطي به  $1/100$  وي چې د  $I_{x1}$ ،  $1\%$  تشکيلوي.

که  $a > 3\delta$  وي، نو غلطي به تر  $1\%$  زياته نه شي او په عملي مسايلو کې کولای شو د انرشيا د مومنت څخه نظر ومركزي محورته چې د  $b$  د غټي اندازې سره موازي وي، تير شو. يعنې

$$I_{x1} \approx a^2 A \quad \text{بي وپولو.}$$

**7مثال:** په شکل کې د قايم الزاويه مثلث لپاره د انرشيا مومنتونه نظر و مرکزي محورونو  $xy$  ته پيداکړئ؟

حل:

لکه څنگه چې پوهيرو د قايم الزاويه مثلث لپاره د انرشيا مومنتونه نظر د  $x'y'$  و محورونو ته:

$$I_{x'} = \frac{bh^3}{12}; \quad I_{y'} = \frac{hb^3}{12}$$

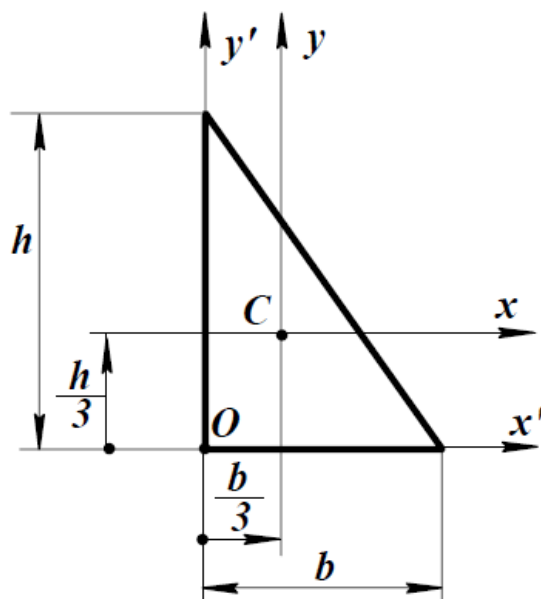
زموږ د مسئلې لپاره:

$$A = \frac{bh}{2}; \quad a_1 = \frac{h}{3}; \quad b_1 = \frac{b}{3}$$

$$I_x = I_{x'} - a_1^2 A = \frac{bh^3}{12} - \frac{h^2 bh}{9 \cdot 2} = \frac{bh^3}{36}$$

او

$$I_y = I_{y'} - b_1^2 A = \frac{hb^3}{12} - \frac{b^2 bh}{9 \cdot 2}$$



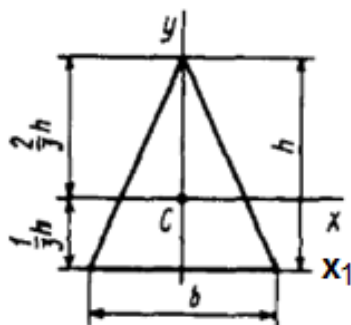
$$I_{xy} = I_{x'y'} - a_1 b_1 A = \frac{b^2 h^2}{24} - \frac{h b b h}{3 \cdot 3 \cdot 2} = -\frac{b^2 h^2}{72}$$

د لاندې متساوي الساقين مثلث لپاره د انرشيا مومنتونه نظر و مرکزي محورونو ته:

$$I_x = I_{x_1} - Ab^2 = \frac{bh^3}{12} - \left(\frac{bh}{2}\right) \left(\frac{h}{3}\right)^2 = \frac{bh^3}{12} - \frac{bh^3}{18} = \frac{3bh^3 - 2bh^3}{36} = \frac{bh^3}{36}$$

$$I_x = \frac{b h^3}{36}$$

$$I_y = \frac{b^3 h}{48} ; \quad I_{xy} = 0$$

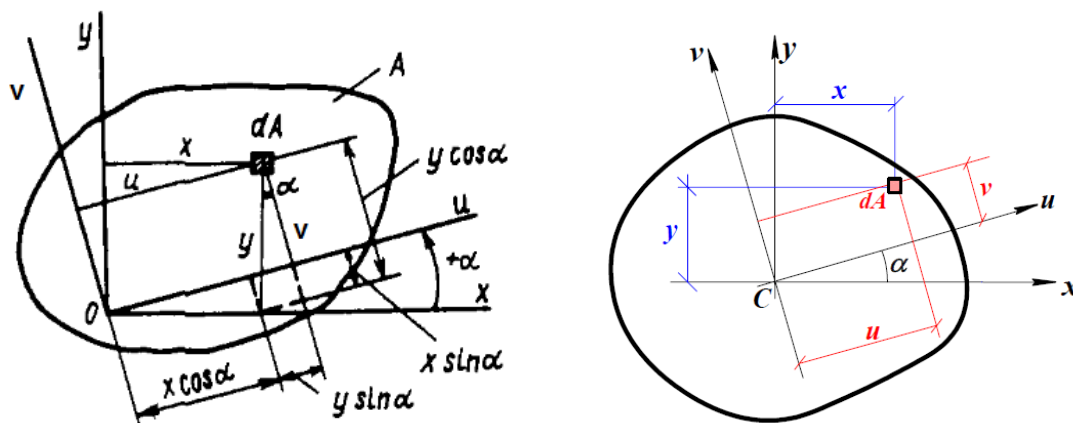


شکل 9.19

## 9.5- د انرشيا د مومنتونو ترمنځ اړیکې د محورونو په ګرځولو سره

### Dependence among Moments of Inertia by turn of axis

که چېرې د  $u$  او  $v$  محورونه د  $\alpha$  پر زاويې باندې باندې نظر د  $x$  او  $y$  کارډیناتي محورونو ته، داسې را وګرځوو چې د ساعت د سنډې پر خلاف وي، يعنې د  $\alpha$  زاويه مثبتې وي، نو د  $u$  او  $v$  د محورونو په نسبت به د مقطع د انرشيا مومنت را وسپرو.



داسي يې بولو چې د مقطع د انرشيا مومنت نظرد  $x$  او  $y$  محورونو ته معلوم دی ، يعني :

$$I_x = \int_A y^2 dA; I_y = \int_A x^2 dA; I_{xy} = \int_A xy dA \dots (9.14)$$

د يوه ابتدائي مساحت  $dA$  کاردينات د  $u$  او  $v$  په کارديناتي سيستم کې ليکو ، د (9.11) فورمول څخه:

$$v = y \cos\alpha - x \sin\alpha, u = y \sin\alpha + x \cos\alpha \dots (9.15)$$

د  $u$  دمحور په نسبت به د انرشيا مومنت پيدا کړو ، د تعريف سره سم :

$$I_u = \int_A v^2 dA \dots (9.16)$$

بايد په ياد ولرو چې:  $2 \sin\alpha \cos\alpha = \sin 2\alpha$

د  $u$  لپاره د (9.15) فورمول څخه په (9.16) فورمول کې د  $v$  د قيمت په وضع کولو سره لرو چې :

$$I_u = \int_A (y \cos\alpha - x \sin\alpha)^2 dA =$$

$$\cos^2\alpha \int_A y^2 dA - 2 \sin\alpha \cos\alpha \int_A xy dA + \sin^2\alpha \int_A x^2 dA$$

د (9.14) فورمول په نظر کې نيولو سره لرو چې :

$$I_u = I_x \cos^2\alpha + I_y \sin^2\alpha - I_{xy} \sin 2\alpha \dots (9.17)$$

د  $v$  لپاره په همدې ډول سره دا فورمول پيدا کوو:

$$I_v = I_x \sin^2\alpha + I_y \cos^2\alpha + I_{xy} \sin 2\alpha \dots (9.18)$$

د (9.17) او (9.18) په جمع کولو سره ، لرو چې :

$$I_u + I_v = I_x + I_y \dots (9.19)$$

اوس نو کولای شو چې دا نتيجه فورمول بندي کړو:

د انرشيا د ټول مومنتونو مجموعه نظر و دوو متقابلاً عمودو محورونو ته د  $\alpha$  په زاويې پورې اړه نه لري او د محورونو په گرځولو سره خپل قيمت ثابت ساتي ، خو خپله د انرشيا مومنت تغير خوري .

هغه کميتونه چې د محورونو په گرځولو سره تغير نه کوي د «اينوارينانت» په نامه سره يادېږي  $(I_x + I_y)$

لکه د  $I_u$  لپاره ، په همدې ډول د مرکز څخه په تېښته کې د انرشيا مومنت اړيکه نظرد  $u$  او  $v$  محورونو ته پيدا کوو:

$$I_{uv} = \int_A uv dA = \int_A (y \sin\alpha + x \cos\alpha)(y \cos\alpha - x \sin\alpha) dA =$$

$$= \sin\alpha\cos\alpha(\int_A y^2 dA - \int_A x^2 dA) + (\cos^2\alpha - \sin^2\alpha) \int_A xy dA$$

$$\cos^2\alpha - \sin^2\alpha = \cos 2\alpha \quad \text{په ياد لرو چې}$$

$$I_{vv} = \frac{I_x - I_y}{2} \sin 2\alpha + I_{xy} \cos 2\alpha \dots (9.20) \quad \text{نولوو چې}$$

آسانه لاره داده چې (9.17)، (9.18) او (9.20) فورمولونه د  $2\alpha$  زاويې له لارې ارائه شي .

$$\sin^2\alpha = \frac{1 - \cos 2\alpha}{2}, \cos^2\alpha = \frac{1 + \cos 2\alpha}{2} \quad \text{په ياد لرو چې}$$

د محورونو د گرځيدلو په صورت کې د انرشيا مومنت :

$$I_u = \frac{I_x + I_y}{2} + \frac{I_x - I_y}{2} \cos 2\alpha - I_{xy} \sin 2\alpha$$

$$I_v = \frac{I_x + I_y}{2} - \frac{I_x - I_y}{2} \cos 2\alpha + I_{xy} \sin 2\alpha \dots (9.21)$$

$$I_{vu} = \frac{I_x - I_y}{2} \sin 2\alpha + I_{xy} \cos 2\alpha$$

## 9.6 - عمده محورونه اود انرشيا عمده مومنتونه

### Principal Axis and Principal Moments of Inertia

د (9.21) فورمول څخه ليدل کيږي چې د گرځولو د زاويې يعنې  $\alpha$  په بدلون سره د انرشيا د مومنت قيمت هم تغير خوري ، خو په عين وخت کې د انرشيا د محوري مومنتونو مجموعه نظر و دا سي محورونو ته ثابته پاته کيږي .

نو معلوميږي که چيرې نظرو يوه محورته د انرشيا د مومنت قيمت اعظمي وي ، نو د هغه بل محوريه نسبت چې پرده باندې عمود وي ، دا قيمت به اصغري وي . دغه محورونه پدې هم د پاملرنې وړ دي چې د مرکز څخه په تينسته کې د انرشيا مومنت نظرو هغوته مساوي په صفر دی .

هغه محورونه چې دهغو په نسبت د مرکز څخه په تينسته کې د انرشيا مومنت مساوي په صفر وي ، عمده محورونه بلل کيږي .

که چيرې د کار دیناتي سيستم مبدأ د ثقل د مرکز سره مطابقت وکړي ، نو پدې صورت کې هغوی د عمده مرکزي محورونو په نامه سره ياديږي .

نظر و دي محورونو ته د انرشيا مومنت — د انرشيا عمده مومنت يا د انرشيا عمده محوري مومنت بلل کيږي .

هغه څه چې پورته مووويل په اثبات رسوو :

د دي لپاره به يوه غير متناظره مقطع ترکنتي لاندي ونيسو اودهغې لپاره به د عمده محور موقعيت پيدا کړو .

که چيرې  $I_x, I_y, I_{xy}$  د انرشيا مومنتونه نظروکيفي محورونو  $x, y$  ته معلوم وي ، يعنې د اساسي محورونو د ميلان زاويه  $\alpha_0$  نظرو  $x, y$  محورونو ته هم معلومه وي ، نو د اساسي محورونو د تعريف سره سم ، کله چې :

$$I_{uv} = 0 \quad ; \quad \alpha = \alpha_0$$

وي ، اوياهم د (9.20) فورمول په نظر کې نيولو سره :

$$I_{uv} = \frac{I_x - I_y}{2} \sin 2\alpha_0 + I_{xy} \cos 2\alpha_0 = 0$$

نولدي خايه څخه

$$\frac{I_x - I_y}{2} \frac{\sin 2\alpha_0}{\cos 2\alpha_0} = -I_{xy} \dots (9.22)$$

نولروچي : د عمده محورونو د موقعيت د تعينولو لپاره

$$\operatorname{tg} 2\alpha_0 = -\frac{2I_{xy}}{I_x - I_y} \dots (9.23)$$

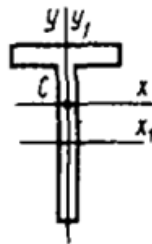
د دې فورمول په مرسته د زاويې دوه قيمتونه  $\alpha_0'$  او  $\alpha_0'' = \alpha_0' + 90^\circ$  چې يوه د بلې څخه په 90 درجې توپير لري او د اساسي محورونو موقعيت چې متقابلاً عمود وي ، پيدا کيږي .

د (9.23) فورمول سرسري تحليل سرته رسول به هم په زړه پورې وي :

د عادي حالت څخه پرته کله چې  $I_x - I_y \neq 0$  ;  $I_{xy} \neq 0$

او هم کله چې دوي زاويې  $\alpha_0'$  او  $\alpha_0''$  تعينوو ،

د هغه احتمالي نتايج به ترکنتي لاندې ونيسو :



اساسي مرکزي - x,y محورونه

اساسي محورونه - x1,y1

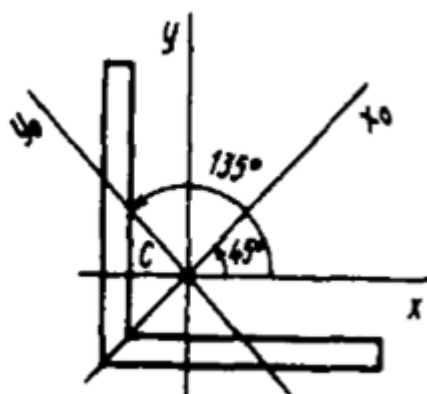
$$1: I_{xy} = 0; I_x - I_y \neq 0 \text{ نومعلوميږي چې: } \operatorname{tg} 2\alpha_0 = 0 \text{ او } \alpha_0'' = 90^\circ$$

نوداسي بنکاري چې x,y اساسي محورونه دي .

$$2: I_{xy} \neq 0; I_x - I_y = 0 \text{ يعني: } I_x = I_y \text{ او } \operatorname{tg} 2\alpha_0 = \infty \text{ ، نوپدې صورت کې:}$$

$$\alpha_0'' = 135^\circ ; \quad \alpha_0' = 45^\circ$$

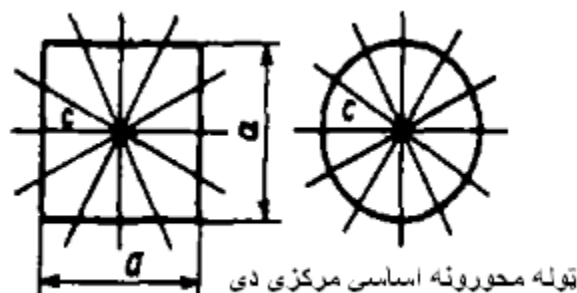
نو پدې صورت کې د متساوي الاضلاع انگلارن مقطع به يوبنده مثال وي چې د انرشيا محوري مومنتونه يې نظرومرکزي محورونو x ، y چې د ضلعو يا تاخچو سره يې موازي دي ، پخپل منځ کې سر مساوي دي او په همدې ډول د مرکز څخه په تيينته کې د انرشيا مومنت  $I_{xy} \neq 0$  ، اساسي محورونه  $x_0$  او  $y_0$  د دې محورونو سره 45 او 135 درجې زاويې جوړوي .



شکل 9.21

$-x_0, y_0$  اساسي مرکزی محورونه

3:  $I_{xy} = 0$ ;  $I_x - I_y = 0$ ;  $t_g 2\alpha_0 = \frac{0}{0}$ ,  $t_g 2\alpha_0$  لپاره یو غیر معین حالت (0/0) رامنخته کیږي. هغه د (9.21) فورمول په مرسته د  $I_{uv}$  لپاره په آسانی سره پرانیستل کیږي.



ټولنه محورونه اساسي مرکزی دي

شکل 9.22

د دې فورمول څخه معلومیږي چې د مرکز څخه په تینته کې د انرشیا مومنت د  $\alpha_0$  په هر قیمت سره مساوي په صفر دی، یعنې هر کيفي محورونه به د هغو په ګرځولو سره اساسي محورونه وي. مثلاً مربع او ګردی مقطع ګانې.

دهغو مقطع ګانولپاره چې متناظر محور ولري، د اساسي محورونو موقعیت په آسانه پیدا کیږي.

هغه به متناظر محور او هغه محور وي چې پر ده باندې عمود وي، ځکه چې نظرو دغو محورونو ته د مرکز څخه په تینته کې د انرشیا مومنت مساوي په صفر وي.

وبه بنیو چې نظر و اساسي محورونو ته به د انرشیا مومنت اکستریمال یا بحراني قیمت اخلي. د دې لپاره د  $I_u$  د (9.21) فورمول څخه لومړی مشتق نیسو او هغه د صفر سره مساوي کوو، یعنې د محور د ګرځولو زاویه  $\alpha_0$  به پیدا کړو چې د هغې په صورت کې د انرشیا مومنتونه خپل اعظمي یا اصغري قیمت ته رسېږي.

$$(\sin u)' = u \cos u; (\cos u)' = -u \sin u \quad \text{باید په یاد ولرو}$$

$$\frac{dI_u}{d\alpha} = -\frac{I_x - I_y}{2} 2 \sin 2\alpha_0 - I_{xy} 2 \cos 2\alpha_0 = 0 \quad \text{نو}$$

$$-(I_x - I_y)tg2\alpha_0 - 2I_{xy} = 0 \Rightarrow tg2\alpha_0 = -\frac{2I_{xy}}{I_x - I_y} \dots (9.24)$$

د (9.23) او (9.24) فورمولونو له پرته کولو څخه څرگندېږي چې د اساسي محورونو د میلان زاویه  $\alpha'_0$  د محور د میلان د زاویې  $\alpha_0$  سره مساوي ده، ځکه چې د انرشیا مومنت اکستریمال یا بحراني قیمتونه اخلي .

نو پدې ډول پورته ویل شوي مطالب هم په اثبات ورسیدل یعنی :

اساسي محورونه هغه دوه متقابلاً عمود محورونه دي چې نظر و هغو ته د مرکز څخه په تینښته کې د انرشیا مومنت مساوي په صفر سره شي ، خو د انرشیا محوري مومنتونه خپل اعظمي او اصغري قیمتونه اخلي .

د اساسي انرشیا مومنتونو قیمتونه  $I_{max}$  (یا  $I_1$ ) ،  $I_{min}$  (یا  $I_2$ ) کولای شو داسې پیدا کړو چې په (9.23) فورمول کې پلاس راغلي  $\alpha'_0$  او  $\alpha''_0$  په (4.17) او یا په (9.18) فورمول کې وضع کړو .

لږ وروسته کولای شو هغه محورونه وښیو چې نظرو هغو ته د انرشیا مومنتونه اعظمي یا اصغري قیمتونه اخلي ، خو د انرشیا اساسي مومنتونو د پیدا کولو لپاره یوه بله او آسانه لاره هم شته او هغه دا چې د معلومو  $I_x$  ،  $I_y$  او  $I_{xy}$  د مقطع د انرشیا مومنتونو له لارې ، پیدا کړل شي .

د دې لپاره د (9.21) افادې د لومړي فورمول څخه د  $\alpha$  زاویه حذفوو ، نو :

$$I_{princ} = I_{max} = \frac{I_x + I_y}{2} + \frac{I_x - I_y}{2} \cos\alpha_0 - I_{xy} \sin 2\alpha_0 \dots (9.25)$$

او یا په (4.25) فورمول کې د (4.22) فورمول څخه د  $I_{xy}$  قیمت په وضع کولو سره :

$$\begin{aligned} I_{max} = \frac{I_x + I_y}{2} + \frac{I_x - I_y}{2} \cos\alpha_0 + \left( \frac{I_x - I_y}{2} \frac{\sin 2\alpha_0}{\cos\alpha_0} \right) \sin 2\alpha_0 = \\ = \frac{I_x + I_y}{2} + \frac{I_x - I_y}{2} \frac{1}{\cos 2\alpha_0} \dots (9.26) \end{aligned}$$

د دې موضوع په نظر کې نیولو سره چې

$$\frac{1}{\cos 2\alpha_0} = \pm \sqrt{1 + tg^2 2\alpha_0} , \quad tg 2\alpha_0 = -\frac{2I_{xy}}{I_x - I_y}$$

$$\frac{1}{\cos 2\alpha_0} = \pm \sqrt{1 + tg^2 2\alpha_0} = \pm \sqrt{1 + \frac{(2I_{xy})^2}{(I_x - I_y)^2}}$$

$$\frac{1}{\cos 2\alpha_0} = \pm \frac{1}{I_x - I_y} \sqrt{(I_x - I_y)^2 + 4I_{xy}^2} \dots (9.27)$$

په (9.26) فورمول کې د (9.27) فورمول په وضع کولو سره لرو چې :

$$\text{عمده مومنتونه} \quad I_{max} = \frac{I_x + I_y}{2} \pm \frac{1}{2} \sqrt{(I_x - I_y)^2 + 4I_{xy}^2} \dots (9.28)$$

مثبت علامه کله چې مومنت غټ قیمت اخلي اود منفي علامه کله چې مومنت کوچینی قیمت اخلي، ایښودل کیږي.

که چیرې د راکرل شوو محورونو په توګه اساسي محورونه ونیسو، نو لکه څنګه چې  $I_{xy} = 0$  دی، نو دا فورمولونه به نور هم ساده شي. زیاتره وختونه د 9.23 فورمول پرځای دا افاده کارول کیږي:

$$tg\alpha_1 = -\frac{I_{xy}}{I_{max} - I_y}; tg\alpha_2 = -\frac{I_{xy}}{I_{min} - I_y} \dots (9.29)$$

$\alpha_1$  - د محور او هغه محور تر منځ زاویه چې د انرشیا مومنت نظروهغه ته غټ وي  $I_{max}$

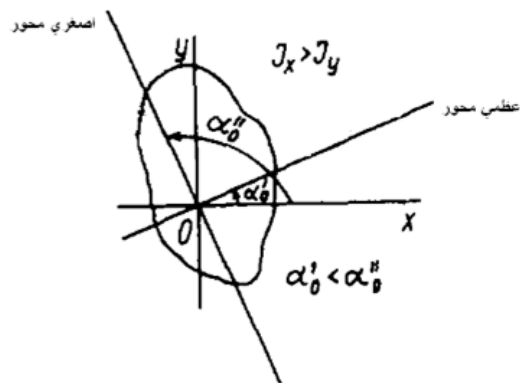
$\alpha_2$  - د محور او هغه محور تر منځ زاویه چې د انرشیا مومنت نظر و هغه ته کوچینی وي  $I_{min}$

نو د اساسي محورونو لپاره باید کوم فورمول (9.23) اوکه (9.29) وکارول شي؟

(9.23) فورمول هغه وخت کارول کیږي چې  $I_x, I_y$  او  $I_{xy}$  معلوم وي.

اود بلي خواڅخه یوه قاعده هم شته او هغه داچې:

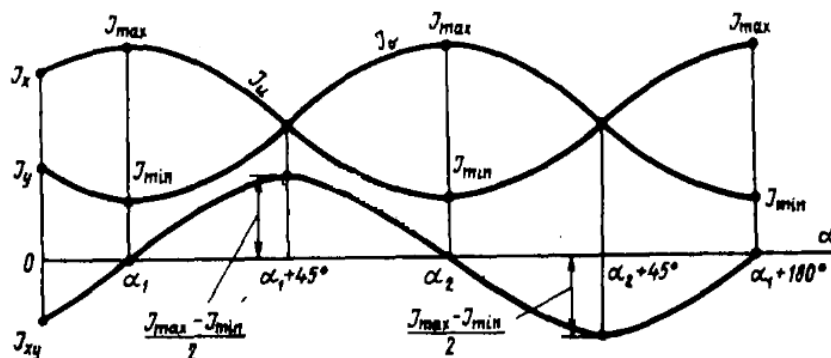
غټ (او یا کوچینی) محور تل دهغه محور (x یا y) سره چې نسبت و هغه ته دانرشیا مومنت غټ (یا کوچینی) قیمت ولري، کوچینی زاویه جوړوي.



شکل 4.23

په (9.29) فورمول سره سم داسه د اساسي محورونو موقعیت معلومولای شو چې نظروهغو ته د انرشیا مومنت  $I_{max}$  او یا هم  $I_{min}$  وي.

د (9.21) فورمول څخه څرګندیږي چې د محورونو په ګرځولو سره د انرشیا مومنتونه  $I_x, I_y$  او  $I_{xy}$  د سینوسایډال قانون سره سم تغیر خوري.



شکل 9.24

د کاردینات په مبدآکي کله چې  $\alpha = 0$  وي، معلومیږي چې  $I_y, I_x$  نظر د  $x$  او  $y$  و محورو ته معلوم دي .

کله چې  $\alpha_1$  او  $\alpha_2$  د اساسي محورو د میلان زاویې وي ، نو د مرکز څخه په تینښته کې د انرشیا مومنت  $I_{uv} = 0$  اود انرشیا محوري مومنتونه اعظمي  $I_{max}$  او اصغري  $I_{min}$  وي .

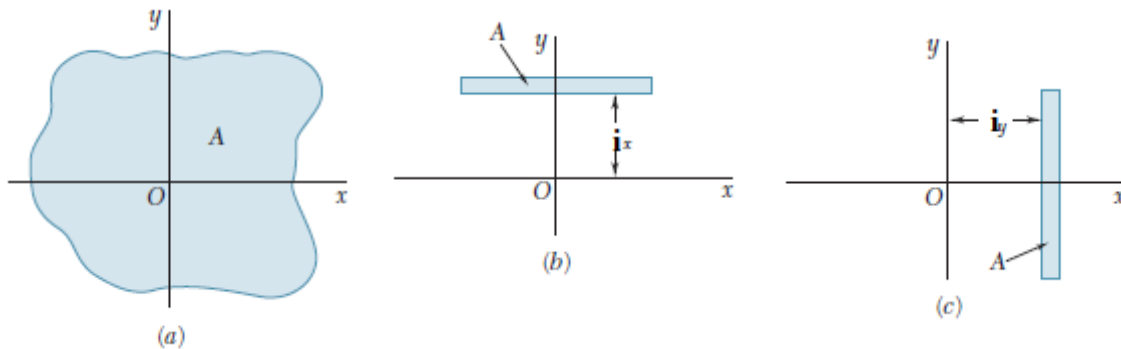
کله چې زاویې  $45^\circ + \alpha_1$  او  $45^\circ + \alpha_2$  وي ، نو  $I_{uv}$  د مرکز څخه په تینښته کې د انرشیا مومنت ډیر غټیږي ، خو محوري انرشیا مومنتونه  $I_u$  او  $I_v$  یو د بل سره مساوي وي .

باید وویل شي چې د عمده محورو موقعیت به ښه دا وي چې په 9.29 فورمول سره پیدا شي.

### د مقطع د انرشیا شعاع Radius of gyration

د عملي مسائلو د حل لپاره د مقطع د انرشیا شعاع څخه کار اخیستل کیږي . د مقطع د انرشیا شعاع نظر و یوه محور ته مثلاً  $x$  عبارت ده د  $I_x$  قیمت څخه چې د لاندې مساوات څخه معلومیږي :

$$I_x = A i_x^2 \dots (9.30)$$



د تعریف څخه معلومیږي چې د مقطع د انرشیا شعاع – هغه واټن دی چې د  $x$  محور او هغه نقطې تر منځ چې په هغې کې په شرطي ډول سره د مقطع مساحت «A» باید متمرکز کړای شي، واقع وي او د دې نقطې د انرشیا مومنت د ټولې مقطع د انرشیا د مومنت سره مساوي وي .

د مقطع د انرشیا مومنت او د هغې د مساحت په پوهیدلو سره د (9.30) فورمول څخه کولای شو چې د انرشیا شعاع نظر د  $x$  و محور ته پیدا کړو:

$$i_x = \sqrt{\frac{I_x}{A}}; i_y = \sqrt{\frac{I_y}{A}} \dots (9.31)$$

هغه د انرشیا شعاع چې د اساسي محورو سره مطابقت کوي د انرشیا اساسي شعاع بلل کیږي :

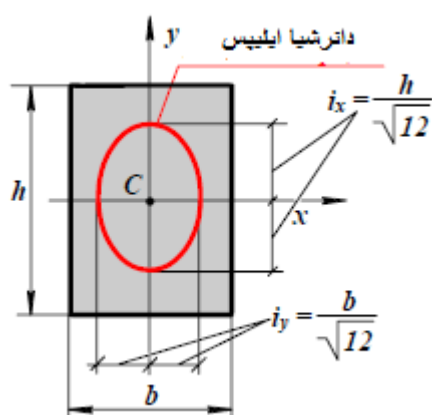
$$i_{max} = \sqrt{\frac{I_{max}}{A}}; i_{min} = \sqrt{\frac{I_{min}}{A}} \dots (9.32)$$

### د مقطع د انرشیا الیپس Elipse of Inertia

د مستطیلي مقطع لپاره د انرشیا الیپس د (4.30) فورمول په مرسته رسموو.

لکه څنګه چې د  $x$  او  $y$  محورو د مستطیلي مقطع عمده مرکزي محورو نه دي، نو پلاس راغلي د انرشیا شعاع ګانې د الیپس نیمه محورو نه دي. د اټکل له مخې  $h > b$  نو  $I_x > I_y$  او الیپس رسموو.

$$I_x = \sqrt{\frac{I_x}{A}} = \sqrt{\frac{b h^3}{12 b h}} = \frac{h}{\sqrt{12}}; \quad I_y = \sqrt{\frac{I_y}{A}} = \sqrt{\frac{h b^3}{12 b h}} = \frac{b}{\sqrt{12}}$$



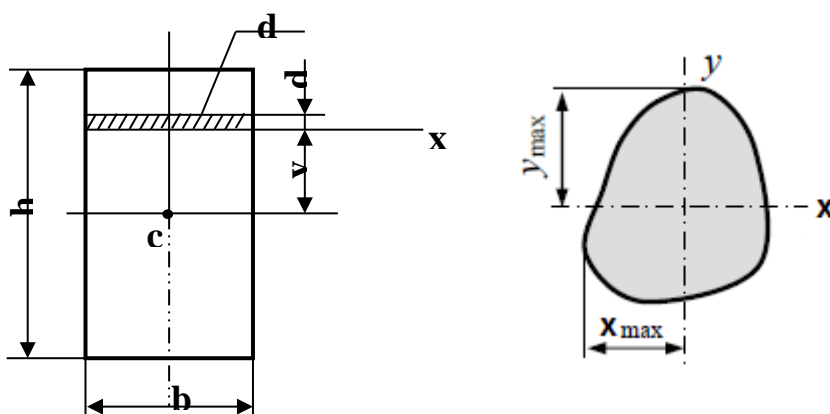
### د مقطع د مقاومت مومنت Strength Moment of Section

د مقاومت مومنت د مقطع یوه د عمده وو خانگرتیاو څخه ده چې د هغې په مرسته کولای شو د گاپرد مقطع شکل او اندازه محاسبه کړو.

د مقاومت مومنت عبارت دهغه تقسیم حاصل څخه دی، چې د مرکزي محور په نسبت د انرشیا مومنت او هغې غټې فاصلې چې د مقطع د بغل او همدغه محور ترمنځ ده، پلاس راځي.

$$W_x = \frac{I_x}{y_{max}}; [cm^3, m^3]$$

1: د مستطیل د مقاومت مومنت:



شکل 9.25

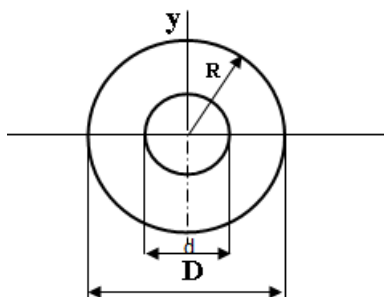
نظر د x و محورته

$$W_x = \frac{I_x}{y_{max}} = \frac{I_x}{\frac{h}{2}} = \frac{b h^3}{\frac{12 h}{2}} = \frac{b h^2}{6}$$

د y محور په نسبت

$$W_y = \frac{I_y}{x_{max}} = \frac{I_y}{\frac{b}{2}} = \frac{hb^3}{12 \frac{b}{2}} = \frac{hb^2}{6}$$

2: د کړی د مقاومت مومنت :



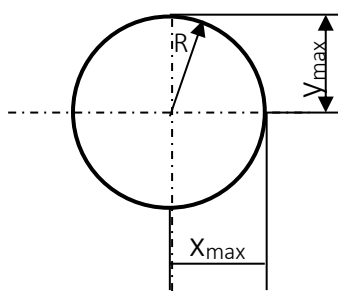
شکل 9.26

$$w_x = w_y = \frac{I_y}{\frac{D}{2}} = \frac{\pi(D^4 - d^4)}{\frac{D}{2}} = \frac{\pi D^3}{32} (1 - \alpha^4)$$

$$\alpha = \frac{d}{D}$$

3: د دايري د مقاومت مومنت :

د x محور په نسبت



شکل 9.27

$$w_x = \frac{I_x}{y_{max}} = \frac{\pi D^3}{\frac{D}{2}} = \frac{\pi D^3}{64 \frac{D}{2}} = \frac{\pi D^2}{32}$$

د y محور په نسبت

$$w_y = \frac{I_y}{x_{max}} = \frac{\pi D^3}{\frac{D}{2}} = \frac{\pi D^3}{64 \frac{D}{2}} = \frac{\pi D^2}{32}$$

## 9.7 - د نازکو مقطع گانو د انرشيا د مومنت محاسبه

### Determination of Moment of Inertia of Thin-walled Sections

نازک گاپر لکه چي له نامه څخه يې معلوميږي د ورقو څخه جوړ شوی دی او دهغه عرضي مقطع مستطیلونه جوړوي

د دې ډول مقطع گانو د انرشیا مومنت د محاسبې په وخت کې د  $A$  مساحت انتیگرال د  $S$  د منځني محیط د کرني د اوږدوالي په انتیگرال باندې بدلوو . هغه مقطع گاني چې نازک عناصري ثابت پنډوالی ولري ، نو دهغو دانرشیا مومنت په لاندې فورمول سره پیدا کيږي :

$$I_x = \int_A y^2 dA \cong \sum_{zi} \delta_i \int y y ds ; J_y = \int_A x^2 dA \cong \sum_{zi} \delta_i \int x x ds$$

$$I_{xy} = \int_A xy dA \cong \sum_{zi} \delta_i \int xy dA \dots (9.33)$$

دلته  $dA = \delta ds$  ، د نازکو عناصرو پنډوالی  $\delta = Constant$

لکه څنگه چې خپله د دې نازکو عناصرو د انرشیا مومنت نظر د منځني محیط و کرني ته د ټولې مقطع د انرشیا د مومنت په نسبت ډیر کوچینی دی ، نو ځکه په محاسبه کې هم نه نیول کيږي اوله همدې کبله دا محاسبه هم تقریبي بڼه لري .

د (9.33) فورمول هرانتیگرال کیدای شي د داسې یوه انتیگرال په ډول سره ترکنتي لاندې ونيول شي چې په هغه کې ترانتیگرال لاندې افاده د دوو کارډیناتو د تابع د ضرب د حاصل څخه جوړه شوي وي یعني :

$x = f_1(s)$  او  $y = f_2(s)$  یا په بل عبارت

$$I = \sum_z \int f_1(s) f_2(s) ds \dots (9.34)$$

یوځانگړی حالت دی .

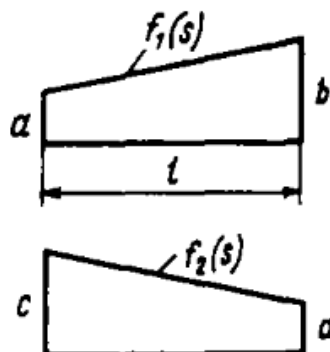
په (9.34) فورمول کې دواړې تابع گاني  $x$  او  $y$  خطي بڼه لري ، د هغو د محاسبې لپاره د مختلفو لارو څخه گټه اخیستل کيږي . موربه دلته د هغو څخه یوه لاره ترکنتي لاندې ونیسو .

د  $f_1(s)$  او  $f_2(s)$  توابع د  $l$  په اوږدوالي سره پریوې ټوټې کرني باندې ، په عام ډول سره په گرافیکي شکل کیدلای شي چې د یوې ذونونقي په ډول سره وښودل شي.

نو پدې صورت کې د (9.34) انتیگرال قیمت د «ذونونقي فورمول» په مرسته محاسبه کيږي:

$$I = \frac{1}{6} (2ac + 2bd + ad + bc) \dots (9.35)$$

پدې فورمول کې باید آرډینات د خپلې علامې سره سم ونيول شي.



شکل 9.28

## 9.8 - د پيچلو شکلو نو د انرشيا مومنت محاسبه

## Determination of Moment of Inertia of Composite Figures

د ميلو د محکموالي اوشخی د محاسبه کولو لپاره ضروري ده چې د پيچلو شکلونو د عرضي مقطع گانو هندسي مشخصات پيدا کړل شي، يعنې د مرکزي محورونو موقعيت او د انرشيا عمده مرکزي مومنتونه بايد پيدا کړو.

دغه موضوع به د يوه مثال په ترڅ کې مطالعه کړو:

**8-مثال:** په شکل کې د مقطع لپاره چې اندازې يې په  $cm$  سره را کړل شوي دي د عمده مرکزي محورونو موقعيت بايد معلوم کړل شي او د انرشيا عمده مومنتونه دي نظر ودي محورونو ته محاسبه کړل شي؟

حل: دغه مقطع پر دوو برخو باندي ويشو:

شويلر N°30 اومستطيل  $20 \times 2cm$

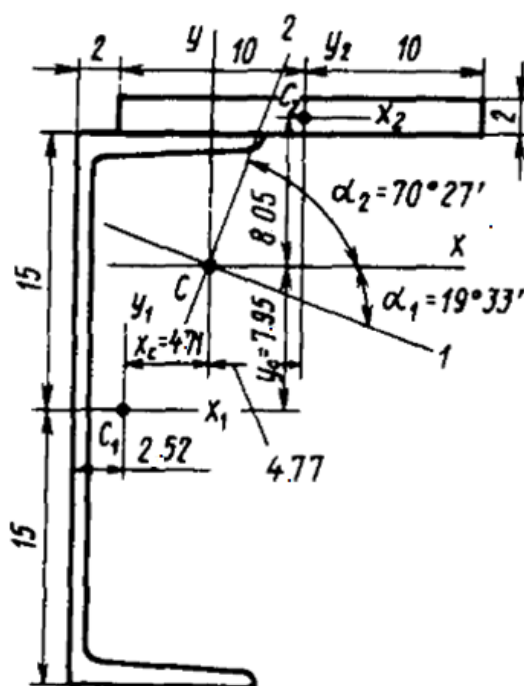
د N°30 شويلر يا C ډوله مقطع اندازې د جدول څخه را اخلو:

$$I_{y1} = 372cm^4; I_{x1} = 5810cm^4; A_1 = 40.5cm^2; x_0 = 2.52cm$$

د مرستندويه محورو په ډول د N°30 شويلر مرکزي محورونه نيسو او د مقطع د ثقل د مرکز کاردينات د (9.3) فورمول په مرسته پيدا کړو:

$$y_c = \frac{2(20)16}{40.5 + 2(20)} = 7.95 cm;$$

$$x_c = \frac{(2)20(2 + 10 - 2.52)}{40.5 + 2(20)} = 4.71cm$$



شکل 9.30

دغه قیمتونه د  $x_1$  او  $y_1$  محورونو څخه غځو او د ثقل مرکز پیدا کولو.

وروسته مرکزي محورونه  $x$  او  $y$  غځو او نظرو هغوی ته د مقطع د انرشیا محوري اود مرکز څخه په تینته کې د انرشیا مومنتونه د (9.11) او (9.12) فورمولونو په مرسته پیدا کولو:

$$I_x = [5810 + 40.5(7.95)^2] + \left[ \frac{(20)^3}{12} + 20(2)(15 + 1 - 7.95)^2 \right] = 10\,975 \text{ cm}^4$$

$$I_y = [327 + 40.5(4.71)^2] + \left[ \frac{(20)^3}{12} + (20)2(2 + 10 - 2.52 - 4.71)^2 \right] = 3469 \text{ cm}^4$$

$$I_{xy} = 40.5(4.71)7.95 + (20)2(-8.05)(-4.77) = 3052 \text{ cm}^4$$

عمده مرکزي د انرشیا مومنتونه به د (9.28) فورمول په مرسته محاسبه کړو:

$$I_{max/min} = \frac{10975 + 3469}{2} \pm \frac{1}{2} \sqrt{(10975 - 3469)^2 + 4(3052)^2} = 7222 \pm 4837 \text{ cm}^4$$

له جدول څخه

$$\text{tg} \alpha_1 = -\frac{3025}{12059 - 3469} = -0.355 \Rightarrow \alpha_1 = -19^\circ 33'$$

له جدول څخه

$$\text{tg} \alpha_2 = -\frac{3052}{2385 - 3469} = 2.816 \Rightarrow \alpha_2 = 70^\circ 27'$$

$$I_{max} = 7222 + 4837 = 12059 \text{ cm}^4; I_{min} = 7222 - 4837 = 2385 \text{ cm}^4$$

د (9.29) فورمول په مرسته د عمده مرکزي محورونو موقعیت پیدا کولو:

مثبتې زاوېې د  $x$  د محور څخه د ساعت د عقربې پر خلاف اومنفې زاوېې د  $x$  د محور څخه د ساعت د عقربې سره سمې ایښودل کېږي .

د عمده مرکزي محورونو موقعیت (اعظمي محور په «1» او اصغري محور په «2» سره) په شکل کې ښیو.

د عمده مرکزي محورونو موقعیت د (9.23) فورمول سره سم پیدا کولو:

$$\text{tg} 2\alpha_0 = -\frac{2(3052)}{10975 - 3469} = -0.813$$

$$2\alpha'_0 = -39^\circ 6'$$

$$2\alpha''_0 = -39^\circ 6' + 180^\circ = 140^\circ 54'$$

یا هم

$$\alpha'_0 = -19^\circ 33'; \alpha''_0 = 70^\circ 27'$$

دغه زاویې د x د محور څخه د اساسي محورونو د میلان زاویې دي .

د (9.21) فورمول په مرسته د انرشیا عمده محوري مومنتونه په یوې بلې طریقې سره پلاس را وړو ، د زاویو پلاس راغلي قیمتونه په (9.21) فورمول کې وضع کوو، لروچې :

$$\sin 2\alpha''_0 = 0.631 \quad \sin 2\alpha'_0 = -0.631$$

$$\sin 2\alpha''_0 = -0.776 \quad \sin 2\alpha'_0 = -0.631$$

نولدي ځایه څخه:

$$I_u = \frac{10975 + 3469}{2} + \frac{10975 - 3469}{2} (0.776) - 3052(-0.631) =$$

$$12095 \text{ cm}^4 = I_{max}$$

$$I_v = \frac{10975 + 3469}{2} + \frac{10975 - 3469}{2} (0.776) - 3052(-0.631) =$$

$$2385 \text{ cm}^4 = I_{min}$$

په دې ډول سره  $\alpha'_0 = \alpha_1$  د محور د اعظمي حالت زاویه .

او  $\alpha''_0 = \alpha_2$  د محورونو د اصغري حالت زاویه .

نو لکه چې لیدل کېږي نتایج یوله بل سره مطابقت کوي .

باید یادوه نه وشي چې هغه کوچینی زاویه چې د (9.33) فورمول په مرسته پیدا شوي ده ، د عمده محورونو چې نظر و هغو ته دانرشیا مومنت اعظمي قیمت لري (کله چې  $I_x > I_y$ ) او یا اصغري قیمت لري (کله چې  $I_x < I_y$ ) ، د موقعیتونو سره مطابقت لري .

د محاسبې سم والی به هم کنترول کړو:

$$I_x + I_y = I_{max} + I_{min} = 10975 + 3469 =$$

$$12\ 059 + 2385 = 14\ 444 \text{ cm}^4$$

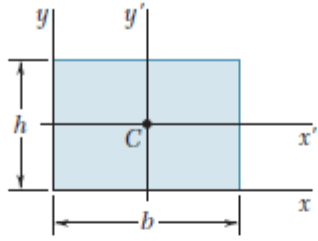
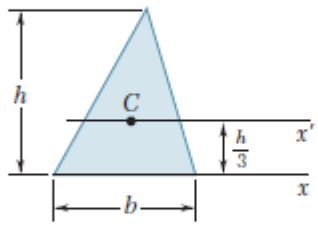
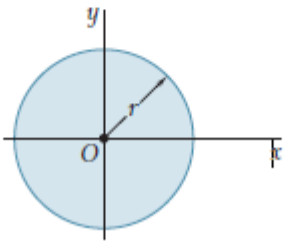
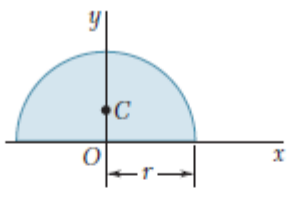
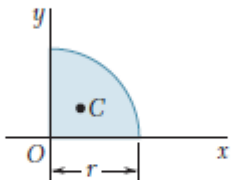
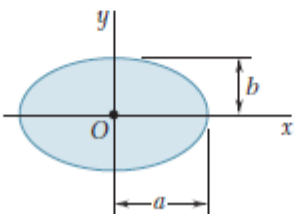
$$I_{uv} = \frac{I_x - I_y}{2} \sin 2\alpha'_0 + I_{xy} \cos 2\alpha'_0 =$$

$$\frac{10\ 975 - 3469}{2} (-0.631) + 3$$

## 9.9- کنترولي پوښتنی

1. د مقطع سناتیکی مومنت نظر و محور ته یعنی څه؟
2. د سناتیکی مومنت د اندازه کولو واحد څه شی دی؟
3. د مرکزي محور په نسبت د مقطع سناتیکی مومنت د څه سره مساوي دی؟
4. د مقطع د ثقل مرکز کار دینات په کوم فورمول سره محاسبه کیږي؟
5. د کومو مقطعو لپاره د ثقل مرکز د تعیینولو په وخت کې د یوه کار دینات پیدا کول هم بسنه کوي؟
6. د مقطع د انرشیا محوري، قطبي او د مرکز څخه په تینښته کې مومنت یعنی څه؟
7. د انرشیا مومنت د اندازه کولو واحد څه شی دی؟
8. د محوري انرشیا مومنتونو مجموعه نظر و متقابلاً عمودي محور ته د څه سره مساوي ده؟
9. کوم د انرشیا مومنتونه تل مثبت وي؟
10. د کومو شکلونو او نظرونو کومو محورونو ته د مرکز څخه په تینښته کې د انرشیا مومنت د صفر سره مساوي دی؟
11. د مرکز څخه په تینښته کې د انرشیا مومنت پر یوې زاويې باندې د محور په ګرځولو سره څرنگه تغیر کوي؟
12. د مستطیل او متساوي الاضلاع مثلث محوري انرشیا مومنت نظر و مرکزي محور ته چې د هغو د قاعدې سره موازي وي، د څه سره مساوي دی؟
13. د دایرې او کرې محوري انرشیا مومنت نظر و مرکزي محور ته، د څه سره مساوي دی؟
14. عمده محورونه او عمده مرکزي محورونه کوم دي؟
15. نظرونو کومو مرکزي محورونو ته د انرشیا مومنت اعظمي او اصغري قیمتونه لري؟
16. د محوري او مرکز څخه په تینښته کې د انرشیا مومنتونو لپاره د محور و موازي لیردونې په صورت کې، اړیکې ولیکئ؟
17. د محوري او مرکز څخه په تینښته کې د انرشیا مومنتونو لپاره د محور په ګرځولو سره فورمولونه ولیکئ؟
18. د عمده محورونو موقعیت څرنگه پیدا کیږي؟
19. د انرشیا عمده مومنتونه د کومو فورمولونو په مرسته پیدا کیږي؟
20. د مربع مقطع کوم یو د انرشیا مومنت غټ دی، نظر و مرکزي محور ته چې د قاعدې سره موازي وي او که نظر و هغه محور ته چې د مقطع د قطر سره مطابقت کوي او ولي؟

د ځنو هوارو شکلونو د انرژيا محوري مومنتونه  $cm^4$ ، د مقاومت مومنتونه  $cm^3$  او نورې اندازې  $cm$

|                |   |   |
|----------------|---|---|
| Rectangle      |    | $\bar{I}_{x'} = \frac{1}{12}bh^3$ $\bar{I}_{y'} = \frac{1}{12}b^3h$ $I_x = \frac{1}{3}bh^3$ $I_y = \frac{1}{3}b^3h$ $J_C = \frac{1}{12}bh(b^2 + h^2)$ |
| Triangle       |    | $\bar{I}_{x'} = \frac{1}{36}bh^3$ $I_x = \frac{1}{12}bh^3$  |
| Circle         |   | $\bar{I}_x = \bar{I}_y = \frac{1}{4}\pi r^4$ $J_O = \frac{1}{2}\pi r^4$   |
| Semicircle     |  | $I_x = I_y = \frac{1}{8}\pi r^4$ $J_O = \frac{1}{4}\pi r^4$   |
| Quarter circle |  | $I_x = I_y = \frac{1}{16}\pi r^4$ $J_O = \frac{1}{8}\pi r^4$  |
| Ellipse        |  | $\bar{I}_x = \frac{1}{4}\pi ab^3$ $\bar{I}_y = \frac{1}{4}\pi a^3b$ $J_O = \frac{1}{4}\pi ab(a^2 + b^2)$  |

## لسم فصل

## Chapter 10

## د گادر اساسي ډولونه Type of Beams

## 10.1- د اتکا د عکس العمل د قواو تعينول

هغه ميلي چې په عمودي ډول سره په کوروالي کې کار کوي ، گادر بلل کيږي . گادرونه په مختلفو ودانيو کې په کار لويږي . هغه ځکه چې ساختمان يې ډير ساده دی ، په آسانی سره توليدیږي ، کار يې د اطمینان وړ دی ، نو پدې خاطر د استعمال ساحه يې هم خورا پراخه ده .

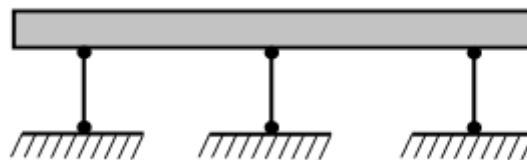
لکه چې معمول دی گادر پر ډبرينو ديوالونو يا هغو ساختمانونو باندې تکیه کوي چې د اوسپني او بتون (کانکريټ) څخه جوړ شوي دي . د دې مقاصدو لپاره مخصوصي پولادي اتکاوې په کار اچول کيږي .

په انجنيري پراکتیک کې د نورو په پرتله هغه اتکاوې چې ډيرې استعمالیږي دا دي :

د متحرک مفصل لرونکی اتکا ، غیر متحرک مفصل لرونکی اتکا او کلکه يا سخته اتکا .

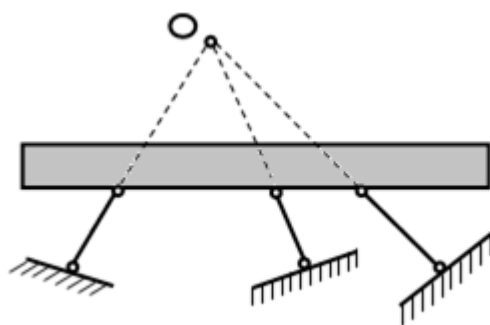
که چېرې پر گادر باندې داسې قوه تأثیر وکړي چې په يوه مستوي کې واقع وي نو د تهداب سره د غیر متحرک اتصال د نښلولو لپاره درې رابطې ضروري دي . دغه شرایط که ضروري دي خو کافي نه بلل کيږي .

پدې صورت کې کله چې گادر د تهداب سره د درو اتکايي ميلو پواسطه چې يوه د بلې سره موازي ده ، نښلول شوی وي مثلاً ټولې عمودي وي ، نو گادر کولای شي پر هغه جهت ځای بدل کړي چې د اتکا د ارتباط پر جهت عمود وي ، يعنې افقي ځای بدل کړي چې بايد په هيڅ ډول سره اجازه ورنکړل شي .



10.1 شکل

په همدې ډول سره د گادر نښلول د تهداب سره د درو ميلو پواسطه چې جهتونه يې په يوه نقطه کې سره قطع کړي ، په هيڅ ډول سره مجاز نه دي ، ځکه پدې صورت کې په مستوي کې د دې نقطې (0) پر چاپير د ميلي د سم لاسي راڅرخيدلو امکان شته او ميله کولای شي هندسي متغيره شي يعنې متحرکه شي .



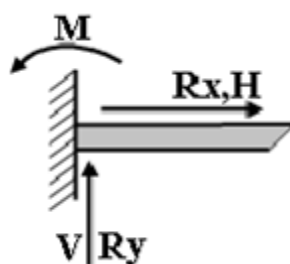
شکل 10.2

نوږدې ډول سره د درو متحرکو مفصل لرونکو اتکاوو په واسطه چې جهنونه يې موازي اويا په يوه نقطه کې سره قطع کړي، د تهداب سره د ميلي نښلول مجازنه دي.

هغه گادرونه چې ډير استعماليري په لاندې ډول دي.

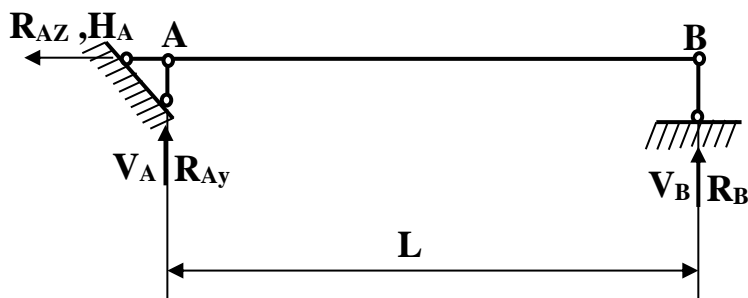
### 1 - کنسول گادر (نښتی گادر) Cantilever beam

هغه گادر دی چې يو سريې کلک کرل شوی، خو بل سريې آزاد وي.



### 2 - بسيط او ساده گادر Simple Beam

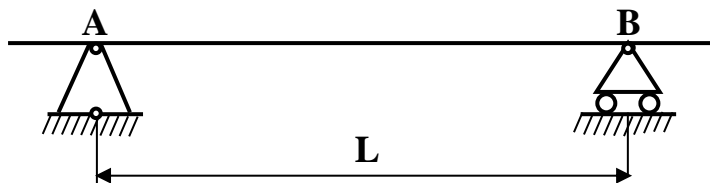
هغه گادر دی چې په سر او پای کې مفصلي اتکاوې ولري، د اتکاوو ترمنځ واټن يې «L» وايه او يا ستاژ نوميري.



شکل 10.3

### 3 - کنسولي گادر Beam with overhang

هغه ساده گادر دی چې يو يا دوه کنسوله ولري يعنې يوه برخه يې لږڅه تراتکا راولټي او تيره شوي وي.



شکل 10.4

د گادر د A په اتکا کې لکه چې مخکې وویل شول دوي د عکس العمل قوې او د B په اتکا کې يوه د عکس العمل قوه منځ ته راځي ، پدې صورت کې لکه چې د نظري ميخانيک (سناتيک) څخه پوهيږو کولای شو د هغو لپاره د تعادل معادلې تشکيلي کړو او په دې ډول سره د اتکاوو د عکس العمل نامعلومې قوې پيدا کړو.

په کنسولي گادر کې د اتکا د عکس العمل قواوو د پيدا کولو په وخت کې د تعادل دا معادلې لرو:

$$\Sigma F_z = 0 ; \Sigma F_y = 0 ; \Sigma M (F_i) = 0 \dots (10.1)$$

په ټينگار سره داسې سپار بنټنه او توصيه کيږي چې معادلې بايد داسې تشکيلي شي چې په هره يوه کې يوازې يوه مجهوله قوه ځای ولري يعنې :

$$\Sigma F_z = 0 ; \Sigma M_A (F_i) = 0 ; \Sigma M_B (F_i) = 0 \dots (10.2)$$

په لومړۍ معادله کې يوازې يوه نامعلومه د عکس العمل قوه يعنې  $H_A$  ،  $R_{Az}$  ، په دوهمه معادله کې  $V_B$  او په دريمه معادله کې  $V_A$  ،  $R_{Ay}$  ځای لري .

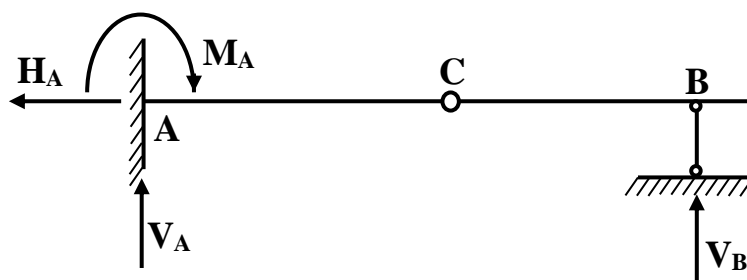
د 10.2 معادلو د تشکيلولو په وخت کې مهمه داده چې  $V_A$  او  $V_B$  جلا جلا پيدا کړل شي او پدې معادلې سره کنترول شي:

$$\Sigma F_y = 0$$

دغه کنترول حتمي دی ځکه چې د عکس العمل د عمودي قواوو د قيمت او جهت سموالی تضمينيوي .

د عمودي عکس العمل قواوو الجبري مجموعه بايد د ټولو وارډو شويو قواوو د الجبري مجموعې سره مساوي وي .

په عمل کې د گادر پيچلې ډولونه هم ليدل کيږي .



شکل 10.5

په دې شکل کې يو داسې گادر ښودل شوی دی چې د دوو ميلو څخه چې د C په نقطه کې د مفصل پواسطه سره نښلول شوي دي ، جوړ شوی دی . پدې ډول گادر کې څلور مجهولې د عکس العمل قوې منځ ته راځي:

$$H_A ; V_A ; V_B ; M_A$$

خو دا ټولې قوې کيدای شي د تعادل د معادلو څخه پيدا شي ځکه چې د 2.12 د تعادل و معادلو ته به يوه بله معادله هم ور زياته شي او هغه به د  $\Sigma M_C(F_i) = 0$  معادله وي. يعنې و راسته يا کين پلو ته د ټولو قواوو د مومنتو مجموعه نظر د C مفصل ته بايد د صفر سره مساوي شي.

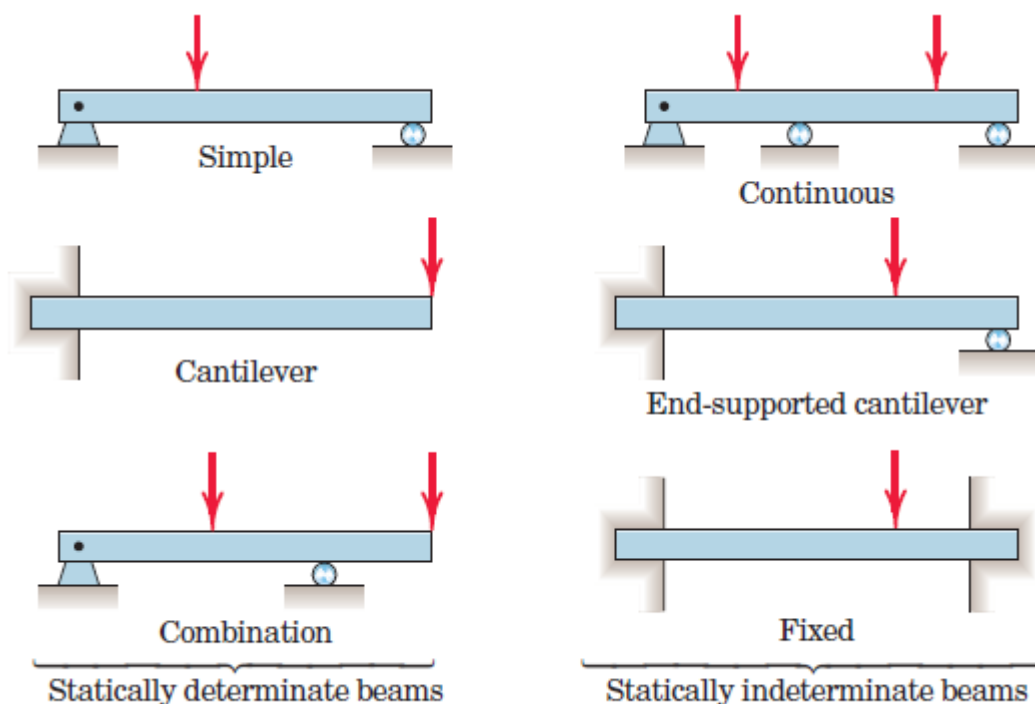
د دې اضافي معادلې څخه کيدای شي چې د  $V_B$  قوه سمدلاسه پيداشي.

بايد په ياد ولرو چې د تعادل معادلې هم د ټول سيستم (پيچلي گاډر) او هم د هرې برخې (ميلي) لپاره په جلا جلا توگه سره بايد په کار واچول شي.

هغه هندسي متغير سيستمونه چې په هغو کې د اتکا د عکس العمل قوې د تعادل د معادلو په مرسته پيدا کيدای شي، سناتيکي ټاکلي سيستمونه بلل کيږي.

په انجنيري پراکتیک کې داسې ساختمانونه هم ترسترگو کيږي چې د ارتباطاتو شمير يې د تعادل د معادلو تر شمير زيات وي. نو دا ډول سيستمونه سناتيکي نا ټاکلي بلل کيږي.

مثلاً په 1.29 شکل کې چېرې د C مفصل ايسته کړو نو گاډر به سناتيکي نا ټاکلی شي ځکه چې د عکس العمل د قواوو شمير به همغه څلور وي خو د تعادل د معادلو شميره به يوازې درې وي ځکه چې اضافي د تعادل معادله  $\Sigma M_C(F_i) = 0$  به شتون ونه لري.



شکل 10.6

## 10.2 - د گادر په عرضي مقطع کي داخلي قوي

## Internal Forces on Cross Section of Beams

## د داخلي قواو د تعينولو لپاره د پريکولو ميتود

## Method of Judge of Internal forces-Section Method

کله چې خارجي قوي پر جسم باندې اغيزه کوي نو د جسم شکل بدلون کوي دا په دې معنا چې د جسم د اجزاو و خايونه يو د بل په نسبت تغيرخوري . د دې عمل په نتيجه کي د جسم دننه د اجزاو و ترمنځ د متقابلې اغيزې اضافي قوي منځ ته راځي . په شکل اړونکي جسم کي به دغه قوي د داخلي قواو په نامه سره يادي کړو .

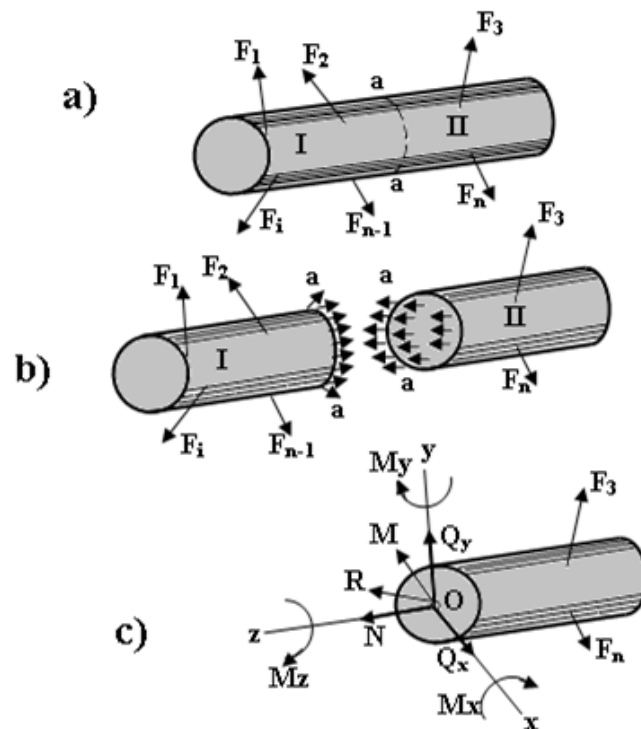
د جسمونو د اتومونو او ذرو په منځ کي داسې قوي شته دي چې د هر ډول شکل او ځای بدلون مخه نيسي او جسم په ثابت ډول سره ساتي . دغه قوي داخلي قوي بللي کيږي .

د موادو په مقاومت کي د دې مسئلو د حل لپاره بايد د دغو قواو عددي قيمت او جهت پيداکړل شي مثلاً په هغو مسئلو کي چيري چې د ساختمان محکموالی ارزول کيږي ، د دې قواو د پيداکولو لپاره د پريکولو ميتود استعماليري .

په XIX نولسمي پيړۍ کي دغه طريقه د الماني انجنيرانو آ. ريختر او آ. شويډلر له خوا منځ ته راغله . پدې طريقه سره هغوی په فيرم کي قوي معلومولي .

د دې کار لپاره يو جسم ترکنتي لاندي نيسو چې د  $F_1, F_2, F_3, \dots, F_n$  قواو تر تاثير لاندي دی .

داسي يې بولو چې د دې گادر په يوه کيفي  $a-a$  مقطع کي بايد داخلي قوي پيداکړو .



شکل 10.7

دلته د بنی (راسته) قايم الزاويه ديکارت کار دیناتي سيستم څخه کار اخیستل شوی دی، د نظري ميخانيک څخه په یادلو: په عام ډول سره بنی فضايي قايم الزاويه کار دیناتي سيستم د بنی لاس د درو گوتو د قانون پر بنسټ بنا دی. که د بنی لاس بټه يا غټه گوته د  $z$  محور وښيي، نو د شهادت گوته د  $x$  محور او خپله د لاس دري گوتي د  $y$  محور ښيي. په بله ژبه: که د  $y$  محور څخه د  $x$  و محور ته تر  $90^\circ$  زاويې لاندې راگرځيدل د ساعت د ستنې پر خلاف صورت ونيسي نو دا به بنی کار دیناتي سيستم او که همدغه گرځيدنه د ساعت د ستنې سره سمه وي، نو کار دیناتي سيستم کين (چپ) گنل کيږي.

آوگست ريختر، جرمنی انجینر

11.12.1826—26.02.1908

August Ritter



د ښويدلر، جرمنی انجینر

J.W.Schwedler

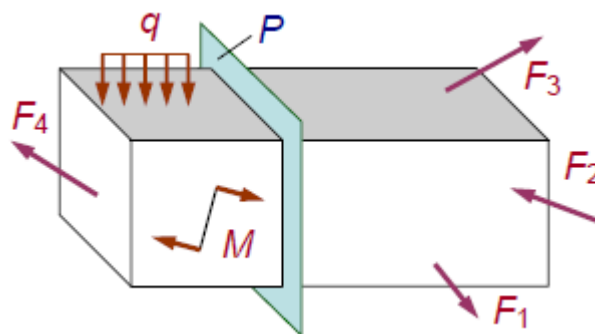


### د داخلي قواو تعينول د پريکولو په طريقي سره

داخلي قوي هغه دي چې د خارجي قواو پر وړاندې د جسم د اجزاوو تر منځ (کرستالونه، ماليکولونه، اټومونه) د متقابل عمل په څير د ساختمان د عنصر په دننه کې منځ ته راځي.

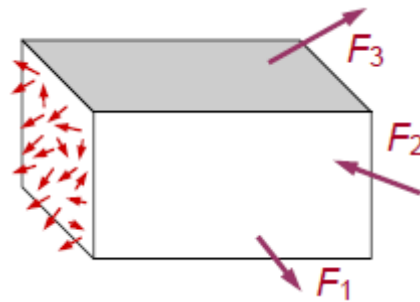
د داخلي قواو د را برسیره کولو او پلاس راورلو لپاره د پري کولو د میتود څخه کار اخیستل کيږي.

1. تر بار لاندې جسم د  $P$  مستوي په مرسته پر دوو برخو باندي پري کوو.



شکل 10.8

2. يوه برخه ایسته غورځوو، معمولاً هغه برخه ترکنتي لاندې نيول کيږي چې په هغې کې د مسائلو حل آسانه او ساده وي لکه چې ليدل کيږي د مقطع په دننه کې پر زرو باندي و هر پلو ته متوجه کوچینی داخلي قوي تاثیر کوي. لکه چې د شکل څخه ليدل کيږي پاته برخه په عمومي ډول سره د تعادل په حالت کې قرار نه لري .

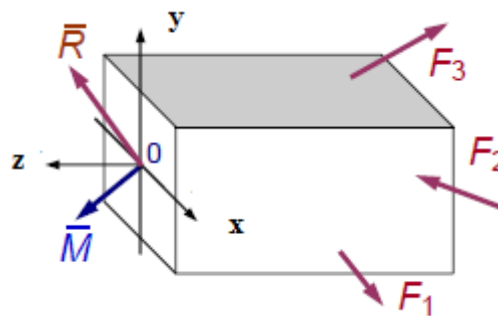


شکل 10.9

3. د ایسته غورځول شوي برخي تاثیر او عمل په داخلي قواو باندې تعویضوو. د دوهمي برخي وتعادل ته د راوستلو لپاره باید د هغي پرمقطع باندې د ویشل شوو قواو سیستم وارد کړو. په جسم کې داخلي قوي همغه د جسم داخلي قوي دي چې د غورځول شوي برخي تاثیر پر دوهمه برخه باندې پخپل ځان سره بدلوي. (د واردو شوو خارجي قواو په ګډون). هغه داخلي قوي چې پر دوهمه برخه باندې په مقطع کې واردې شوي دي، د نیوتن د دریم قانون سره سم د لومړۍ برخي په همغه مقطع کې د عمل کوونکو قواو سره مساوي او مخالف الجته دي.

اوس نو له تیرو لوستونو څخه یو څو اصله په عمل کې تطبیقوو: د متلاقي قوه ایز سیستم د محصله قوي تعیینول، د موازي قواو د سیستم د محصله قوي تعیینول، په موازي ډول سره د قواوو لیرد او انتقال، د مقطع د ثقل د مرکز  $O$  تعیینول. چې هندسي مرکز (centroid) نومېږي. د  $Z$  محور پر خارجي نومال باندې نظر و مقطع ته توجیه کوو او د  $x$ ،  $y$  محورونه د جسم په مستوي کې غځوو.

د راوړلو په نتیجه کې پلاس راغلي عمده وکتور  $\vec{R}$  او عمده مومنت  $\vec{M}$  مرتسمې د انرشیا پر عمده محورونو  $X$ ،  $Y$  او هندسي محور  $Z$  باندې پیداوو.



شکل 10.10

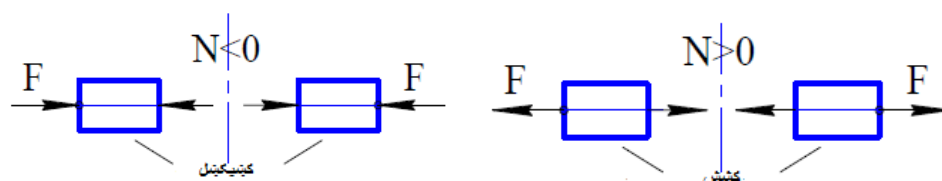
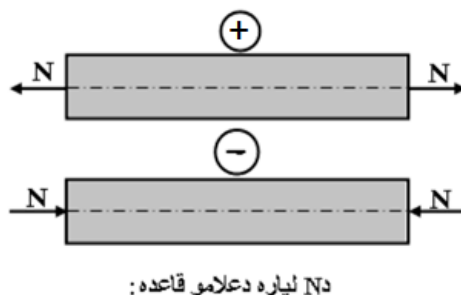
4. د تعادل معادلي د داخلي قواو د پلاس راوړلو امکان پلاس راګوي. هغوی ټول ټال شپږ دي: درې قوي- د عمده وکتور  $\vec{R}$  مرتسمې:

**N- نورمالي قوه (امتدادي قوه، محوري قوه) Normal Force** د  $z$  محور په امتداد قوه د امتدادي قوي په نامه سره یادېږي. دا قوه عبارت ده د ټولو داخلي قواو د مرتسمو څخه د  $z$  پر محور باندې (کيدای شي پر بل محور باندې ونیول شي) او د عدد له مخې مساوي ده د ټولو خارجي قواو په الجبري مجموعې سره چې د مقطع پریوې خوا باندې اغیزه کوي.

نورمالي قوه د جسم د کش کولو یا کښیکښلو سبب ګرځي.

$$\Sigma F_z = N \dots (10.3)$$

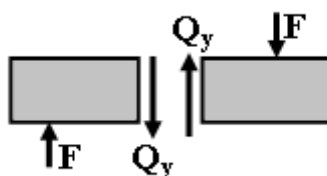
$$\sum F_z = 0 ; N = \dots \text{ from English Normal}$$



شکل 10.11

د نورمالي قواو شيما

$Q_y$  ،  $Q_x$  پري کونکي يا عرضي قوي **Shearing Forces** د  $x$  او  $y$  پرمحورباندي د ټولو داخلي قواو د مرتسمو څخه عبارت دي او د عدد له مخي مساوي دي د ټولو خارجي قواو په الجبري مجموعي سره چي د مقطع پريوه خواباندي تأثيرکوي



شکل 10.12 د عرضي قواو شيما

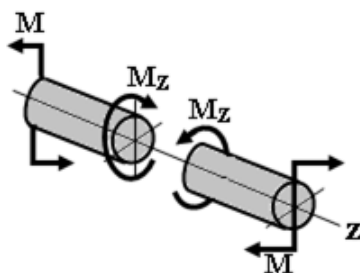
$$\sum F_x = 0 ; Q_x = \dots ; \text{ from Germany Querlaufend}$$

$$\sum F_y = 0 ; Q_y = \dots ; \text{ from Germany Querlaufend ... (10.4)}$$

او دري مومنتونه- د عمده مومنت مرتسمي:

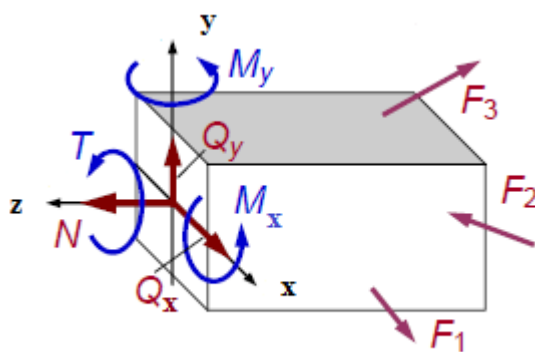
**تاوونکي مومنت  $M_z$  (پيچ ورکونکي مومنت) Torsion Moment or torque(T)**

د  $Z$  محورپه نسبت د ټولو داخلي قواو د مومنتونو څخه عبارت دي او د عدد له مخي مساوي دي د ټولو خارجي قواو د مومنتونو په الجبري مجموعي سره چي د مقطع پريوي خوا باندي تأثيرکوي . دغه مومنت  $M_z$  پيچونکي مومنت بلل کيږي .



10.13 شکل د تاوو ورکونکي مومنت شيما

$$\sum M_z = 0 ; T = \dots \text{from English Torsional, Torque} \dots (10.5)$$



10.14 شکل

$$\sum M_y = 0 ; M_y = \dots ; \text{Bending moment}$$

$$\sum M_x = 0 ; M_x = \dots ; \text{Bending moment}$$

### Bending Moments د کوپوالي مومنتونه $M_y$ ، $M_x$

د ټولو داخلي قواو د مومنتو څخه نظر د  $x$  او  $y$  محورو ته عبارت دي او عدداً مساوي دي د ټولو خارجي قواو د مومنتو په الجبري مجموعي سره چې د مقطع پريوي خوا باندې اغيزه کوي .

لکه چې وينو د گادر دوهمه برخه د داخلي او خارجي قواو تراغيزي لاندې په تعادل کې ده نو ځکه د ستاتيک د تعادل دا معادلي هم اعتبار او تحقق لري:

$$\sum F_x = 0 \quad ; \quad \sum F_y = 0 \quad ; \quad \sum F_z = 0$$

$$\sum M_x = 0 \quad ; \quad \sum M_y = 0 \quad ; \quad \sum M_z = 0 \dots (10.6)$$

د دې شپږو فکتورونو په مرسته کولای شو چې د اجسامو محاسبې په کشش ، کښيکښولو ، بي ځايه کيدلو ، پيچلو يا تاوولو او کوپوالي کې ترسره کړو.

باید یادوه نه وشي چي د داخلي مومنتونو څخه هریو کولای شي چي تاوونکی یا کروونکی و اوسي او دا پدي پوري اړه لري چي پرگادر اوميلي باندي وارده قوه ، هغه د کوم محور پرشاوخوا باندي راڅرخوي او د هغه پراساس د شکل بدلون ډول معلوميري .

د دي شپرو معادلو څخه په ترتيب سره  $Q_x$  ،  $Q_y$  او  $N$  او د درو اخرو معادلو څخه  $M_x$  ،  $M_y$  او  $M_z$  معلومو .

باید یادوه نه وشي چي د دي قواو یا مومنتونو علامي چي د مسئلي د حل په بهير کي پلاس راځي ، د دي معنا ورکوي چي اټکل شوي علامه سمه وه (+) يعني جهت يي سم ټاکل شوي دي او یا نا سمه وه (-) يعني داچي جهت يي سم نه دی ټاکل شوي او هغه اصلاً باید وهغي بلي خواته ټاکل شوي وای خو دا دومره مهمه موضوع نه ده، که علامه سمه پلاس را نه شي ، نو باید وپوهيرو چي د دي قوي جهت اصلاً وبلي خواته دی .

د پریکولو طريقه دا امکان پلاس راکوي چي په مقطع کي د ټولو داخلي قواو د محصله قوي عددي قيمت او جهت پيداکرو .

خو په مقطع کي د داخلي قواو د ویش قانون همداسي نامعلومه پاته کيري . د دي مسئلي د حل لپاره باید پدي وپوهيرو چي دي گادر د خارجي قواو تر تاثیر لاندي څه ډول د شکل بدلون کړی دی . د دي لپاره چي د داخلي قواو د تغير په خاصيت باندي وپوهيرو باید د z محور په امتداد د نورمالي قوي د تغير گراف چي هغه ته اپيور وايي ، رسم کړو .

د دي اپيور په مرسته په گادر کي د خطرناکو مقطعو موقعيت معلوميري يعني هغه مقطع چي په هغي کي د داخلي قواو د زیاتوالي له امله د جسم د تخريب او ويجاری احتمال شته ، په گوته کيري .

د اپيور د رسمولو په وخت کي لومړی د برخو سرحدونه باید داسي وټاکو چي هلته داخلي قوي د يوه قانون له مخي تغير وکړي . د برخو سرحدونه داسي ټاکل کيري چيري چي پر جسم باندي خارجي متمرکز ه قوه وارده شوي وي (مومنت ) یا قوه ، یا د جسم مقطع تغير وڅوري او یا دا چي د گادر محور مات شوي او تغيري کړی وي ، نو هلته باید يوه - يوه برخه جوړه شي .

### 10.3- داخلي قوي په کشش او کښيکښولو کي

#### Internal Forces under Tension and Compression

پر گادر باندي د خارجي قواو د تاثیر په نتيجه کي په داسي حال کي چي دا قوي او یا هم د هغوی محصله قوه پرامتدادي محور باندي متوجه وي ، د گادر په عرضي مقطع کي يوازي يو قوه ایز فکتور - امتدادي یا نورمالي قوه منځ ته راځي . دغه قوي د گادر د کشش یا کښيکښولو د قواو په نامه سره ياديري يعني د گادر په کشش یا کښيکښولو کي د محاسبي لپاره د شپرو فکتورو څخه يوازي يو فکتور - امتدادي قوه د پيدا کولو ورده . د دي ډول محاسبو څخه موخه دا ده چي هغه امتدادي داخلي قوه چي د کرکيچ اوشکل بدلون د منځ ته راوستلو لامل گرځي ، معلومه کړل شي .

امتدادي قوه مثبتنه گڼو کله چي گادر کش شي او منفي يي گڼو که چيري هغه کښيکښل شي .

د امتدادي قوي د محاسبه کولو لپاره د هغي گراف یا اپيور رسمو . د اپيور د رسمولو په وخت کي باید دامطالب په نظر کي ونيول شي :

- صفري محور تل د گادر د محور سره موازي وي .
  - د محاسبه شوي قوي اندازه په يوه مقياس سره په عمودي ډول د صفري محور څخه که مثبتنه وي نو و پورته خواته او که منفي وي نو و کښته خواته جلا کړل شي .
  - پرفري محور باندي د کرښو راکښل باید عمودي وي .
- تر هر څه مخکي د گادر د محور سره يوه موازي کرښه (صفري کرښه رسمو)، تردې وروسته يوه مقياس ته اړتيا لرو مثلاً څومره کيلو نيوتنه په يوه سانتي متر کي ايردو (یا څومره پاسکاله) او د هغه له مخي په ارقامو او یا تحليلي ډول سره د قوي او کرکيچ قيمتونه په هره برخه کي داسي ايردو چي مثبت قيمتونه د صفري کرښي څخه و پورته خواته او منفي قيمتونه ېي وکښته خواته ځای پرځای شي. د گادر تر ټولو خطرناکه مقطع به هغه

وي، چيري چي په مطلقه قيمت سره تر ټولو زيات کرکيچ وليدل شي. که په يوه مقطع کي مثبت قيمت پورته اومنفي قيمت کښته خای ولري، نو دواړه قيمتونه په نظر کي يو خای نيول کيږي (مطلقه قيمت) او د محکمې محاسبه بايد د همدې مقطع له مخي سرته ورسول شي. د مثبت يا منفي علامه د اږور په منخ کي په کوچيني دايره کي ليکو او خپله قوه د گراف په شکل سره رسموو. او يا هم مثلاً  $DN, DS$  اونور دا ډول مسائل د مؤلف په سليقي پوري اړه لري.

**1-مثال:**

د امتدادي قواو اږور په لاندې شکل کي بنسول شوي گادر لپاره رسم کړئ؟

حل:

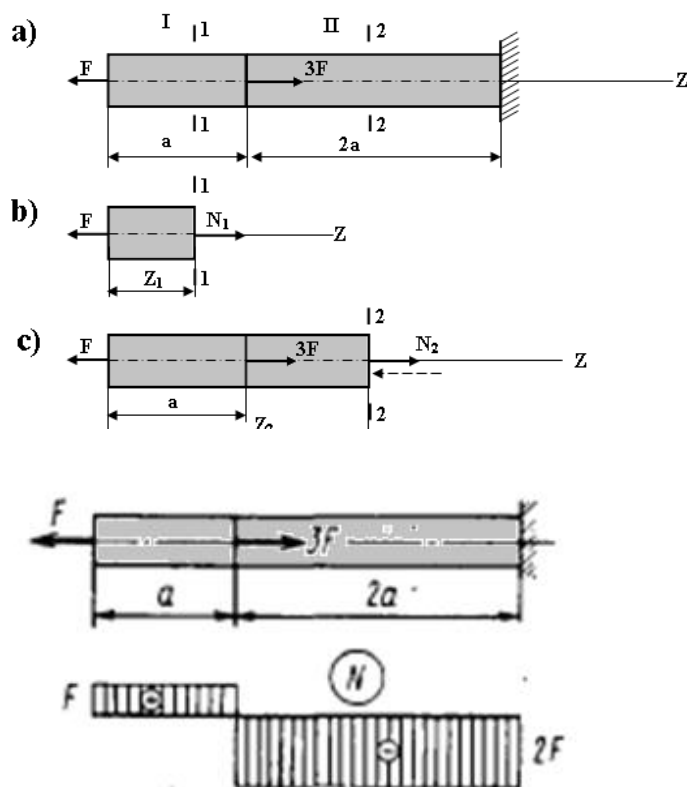
د لومړي برخي لپاره د تعادل معادلي ليکو:

$$N = \Sigma F_{iz}$$

$$0 \leq z_1 \leq a \quad \Sigma F_{iz} = N_1 - F = 0 \Rightarrow N_1 = F$$

د دوهمي برخي لپاره:

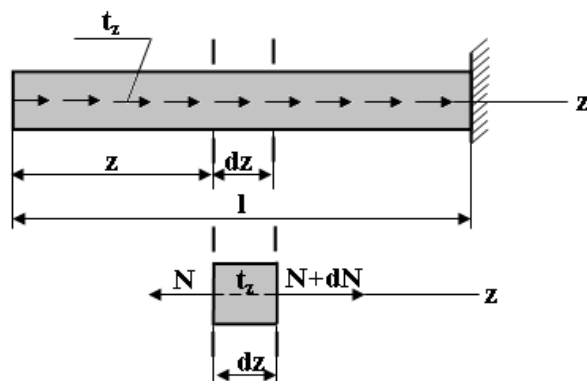
$$\Sigma F_{iz} = N_2 - F + 3F = 0 \Rightarrow N_2 = -3F + F = 2F$$



شکل 10.15

اوس به نو د 10.16 شکل ترکنتي لاندې ونيسو:

گادرد امتدادي ويشل شوي قوي  $t_z$  تر تاثير لاندې دي. د هغه څخه يوه کوچينې ټوټه د  $dz$  په اوږدوالي سره پرې کوو. پر هغې باندې به د  $t_z$  ويشل شوي قوه تاثير وکړي. لکه څنگه چې  $dz$  ډيره کوچينې ټوټه ده نو ويلاى شو چې د  $t_z$  قوه په منظمه توگه سره پردغه ټوټې ويشل شوې ده او امتدادي قوي متعادلوي (+).



شکل 10.16

په کينه مقطع کې  $N$  او په راسته مقطع کې  $N + dN$  واقع دي.  $dz$  د  $dN$  په اوږدوالي کوچينې ټوټه کې د نورمالي قوي زياتوب دی.

د تعادل د معادلي د تشکیلولو لپاره به د ټولو قواو چې پردغه ټوټې باندې اغيزه کوي، د گادپر محور باندې پيدا کړو:

$$-N + t_z dz + (N + dN) = 0 \Rightarrow$$

$$dN/dz = -t_z \dots (10.7)$$

2.7 فورمول د  $t_z$  او  $N$  تر منځ ديفرينسيالي اړيکه ده.

دغه ديفرينسيالي اړيکه د  $N$  قوي د دياگرام د سموالي د کنترولولو لپاره د استعمال وړ ده.

## 2-مثال:

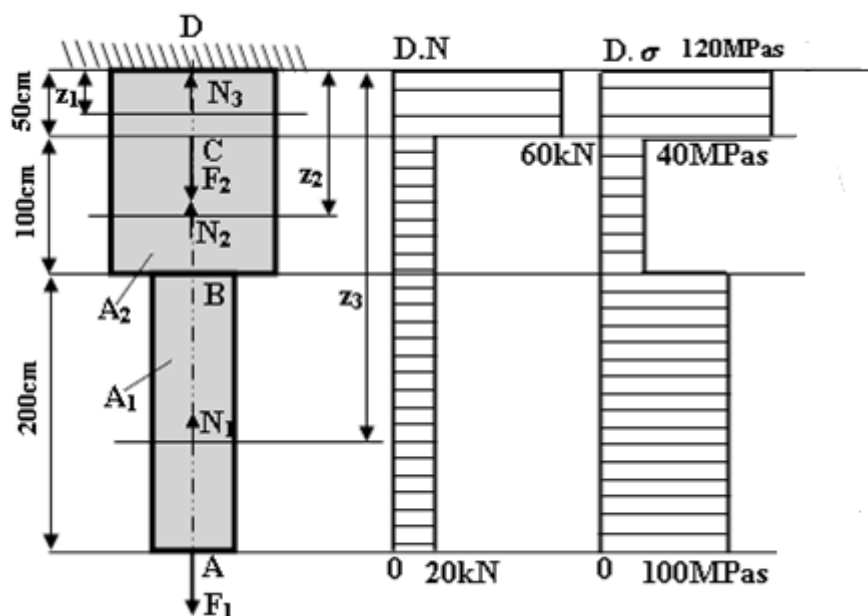
يوه پولادي ميله چې د مقطع گانو مساحتونه يې  $A_1 = 2\text{cm}^2$ ،  $A_2 = 5\text{cm}^2$  دي، داسې تر بار لاندې ده:

$$F_1 = 2Tg = 2(100)\text{kg}10\text{m/s}^2 = 20\text{kN}$$

$$F_2 = 4Tg = 4(100)\text{kg}10\text{m/s}^2 = 40\text{kN}$$

که د پولادو د ارتجاعيت مودول  $E = 2 \times 10^{11}\text{MPa}$  اود اعظمي کرکيج مجازي حد يې

$$[\sigma] = 160\text{MPa}$$
 وي، د امتدادي قواو او نورمالي کرکيج ايبورونه رسم کړئ؟



شکل 10.17

حل : د دې لپاره چې د اتکا د عکس العمل قوي پيدا نه کړو د ميلې پرې کول د کبنتي خواڅخه پيلوو:

$$N_1 - F_1 = 0 \Rightarrow N_1 = 20kN$$

$$N_2 - F_1 = 0 \Rightarrow N_2 = 20kN$$

$$N_3 - F_1 - F_2 = 0 \Rightarrow N_3 = F_1 + F_2 = 20 + 40 = 60kN$$

د پلاس راغلو قيمتمو له مخې د شکل سره سم اېپورونه رسموو.

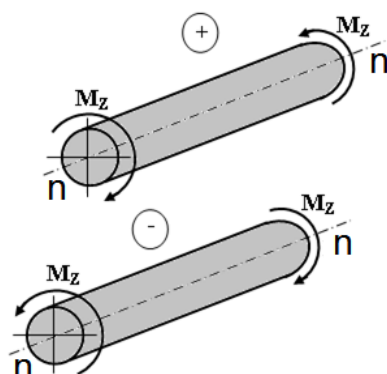
#### 10.4 - داخلي قوي په تاوېدنه کې Internal Forces under Torsion

کله چې پرميله باندې تاثيرکونکې مومنتونه د هغې پرمخوړباندي په عموده مستوي کې واقع وي ، نو دا ميله تاو خوري او په ميخانيک کې د «وال»، «محور» يا «شافت» په نامه سره يادېږي .

په تاو خورولو کې يوازې يوه داخلي قوه يعنې تاوونکې مومنت  $M_z$  منځ ته راځي او نور ټول قوه ايز فکتورونه صفر دي .

داسې به يې وپولو ، تاوونکې مومنت مثبت بلل کېږي که چېرې د خارجي نورمال له پلوه و مقطع ته وکتل شي نو مومنت د ساعت د سنډي د جهت سره سم تاو و خوري .

يادوه نه کوو چې د تاوونکې مومنت لپاره دا ډول يوه قاعده کوم فزيکي مفهوم نه لري . دا قاعده يوازې د تاوونکې مومنت د تعينولو او د هغه د اېپور د رسمولو لپاره پکارېږي . د مومنت مثبت قيمتونه به د صفرې کرښې څخه و پورته خواته کښېږدو او منفي قيمتونه به تر دې کرښې لاندې ځای پرځای کړو . په اصولو کې د تاوونکې مومنت د گراف رسمول د امتدادي قوي  $N$  د اېپور د رسمولو سره هېڅ کوم عمده توپير نه لري .



شکل 10.18

### 10.5- داخلي قوي په کوروالی یا انحنای Internal Forces under Bending

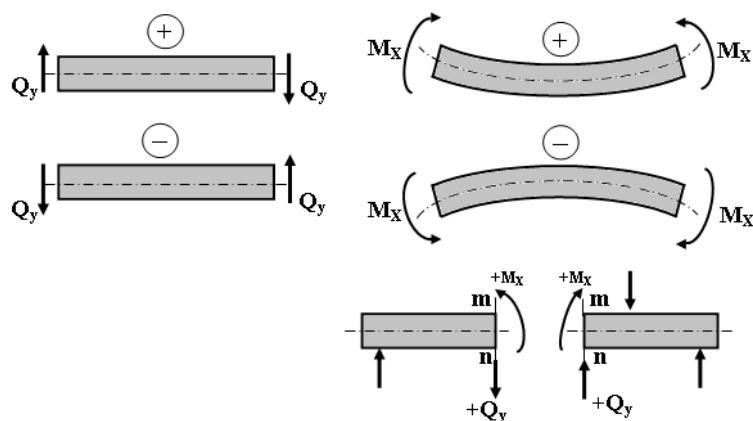
په عمل کې ډیر ځله داسې میلی په کار لویږي چې عرضي مقطع یې د تناظر عمودي محور ولري . که چیرې خارجي او د عکس العمل قوي په یوه مستوي کې واقع وي او د مستوي د تناظر د محورو سره مطابقت وکړي ، نومیله به هم په همدې مستوي کې کږه او کړوپه شي . د کږیدونکې میلی محوربه د دې مستوي څخه نه وزی . دا ډول کږیدل هوار ، مستوي یا مسطح کوروالی نومیږي .

داسې میله به ترکنتي لاندې ونیسو چې هلته خارجي قوه د میلی پرمحورباندي عموده وي ، نو لدې امله د میلی په عرضي مقطع کې یوازي عرضي قوه او کږوونکی مومنت منځ ته راځي او امتدادي قوه د صفر سره مساوي ده .

دا مسئله په آسانی سره ثابتیدلای شي ، که چیرې د ټولو قواو مرتسمې پرامتدادي محورباندي پیدا کړو ، نو دا ډول کوروالی ، عرضي کوروالی نومیږي .

- داسې به یې ویولو چې عرضي قوه به مثبتې وگنل شي ، که چیرې هغه هڅه وکړي ، د میلی یوه برخه د ساعت د ستنې د جهت سره سم را وگرځوي .

- کږوونکی مومنت به مثبت وگڼو ، که چیرې میله داسې کږه کړي چې محدبه برخه یې کښتي خواته وي او د میلی د تنې د کښتي برخې نسجونه یا تسمې سره کش کړي .



شکل 10.19

اوپه دي ډول سره به د  $Q_y$  او  $M_x$  منفي قيمتونه د مخالف جهت سره مطابقت وکړي .

بايد يادوه نه وشي چې د علامو لپاره د دي قاعدې سره سم د ميلي د دي برخې په راسته مقطع کې ، مثبتې عرضي قوه به و پورته خواته متوجه وي او د کوروالي مثبت مومنت جهت به د ساعت د عقربې سره سم وي .

نو داسې معلومېږي چې د ميلي د کيڼې برخې په مقطع کې به د  $Q_y$  مثبتې قوه وکښتي خواته متوجه وي او د کوروالي مومنت  $M_x$  جهت به د ساعت د عقربې مخالف وي .

د خارجي قواوپه خاص ډول د ويشل شوي قوې  $q_y$  ، عرضي قوې  $Q_y$  او کوروالي مومنت  $M_x$  ترمنځ ډيري ډيفرينسيالي اړيکې شته دي چې په راتلونکي کې به د هغوی څخه کار واخستل شي.

### 10.6 - کنټرولي پوښتنې

1. ډيري کولو ميتود ماهيت په څه کې دی ؟
2. که چيرې پرميله باندې په عمودي ډول سره بار واچول شي نو دهغې په عرضي مقطع کې کومې قوې منځ ته راځي؟
3. د داخلي قواو ابيورونه يعني څه اوڅه لپاره هغه رسمېږي ؟
4. دامتدادي قوې  $N$  دعلامو دټاکلو لپاره کومه قاعده شته ؟
5. دامتدادي قوې  $N$  او امتدادي منتشره قوې ترمنځ څه ډول اړيکه موجوده ده ؟
6. د تاوونکي مومنت دعلامو د ټاکلو لپاره کومه قاعده شته ؟
7. کوم ډول سيستمونه سناتيکي ټاکلي بلل کيږي او دغير معينو سناتيکي سيستمونو سره څه توپير لري ؟
8. عرضي کوروالي څه ته وايي او دهغه په صورت کې کومې داخلي قوې په ميله کې منځ ته راځي ؟
9. د عرضي قوې او انحنامومنت دعلامو دټاکلو لپاره کومه قاعده کارول کيږي ؟

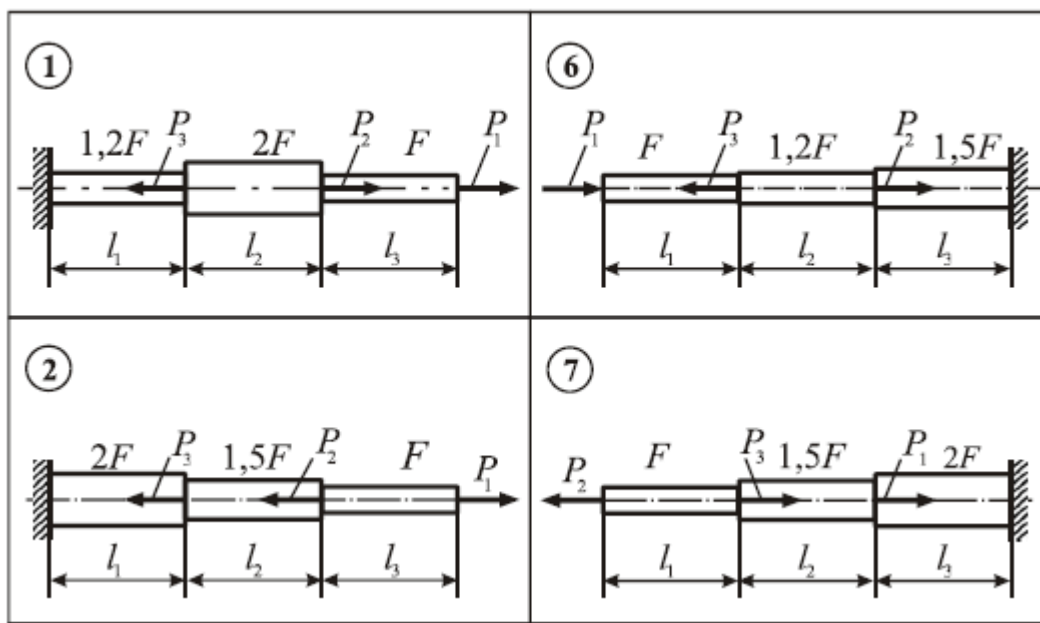
### 10.7 - ځانگړی مشق او تمرين

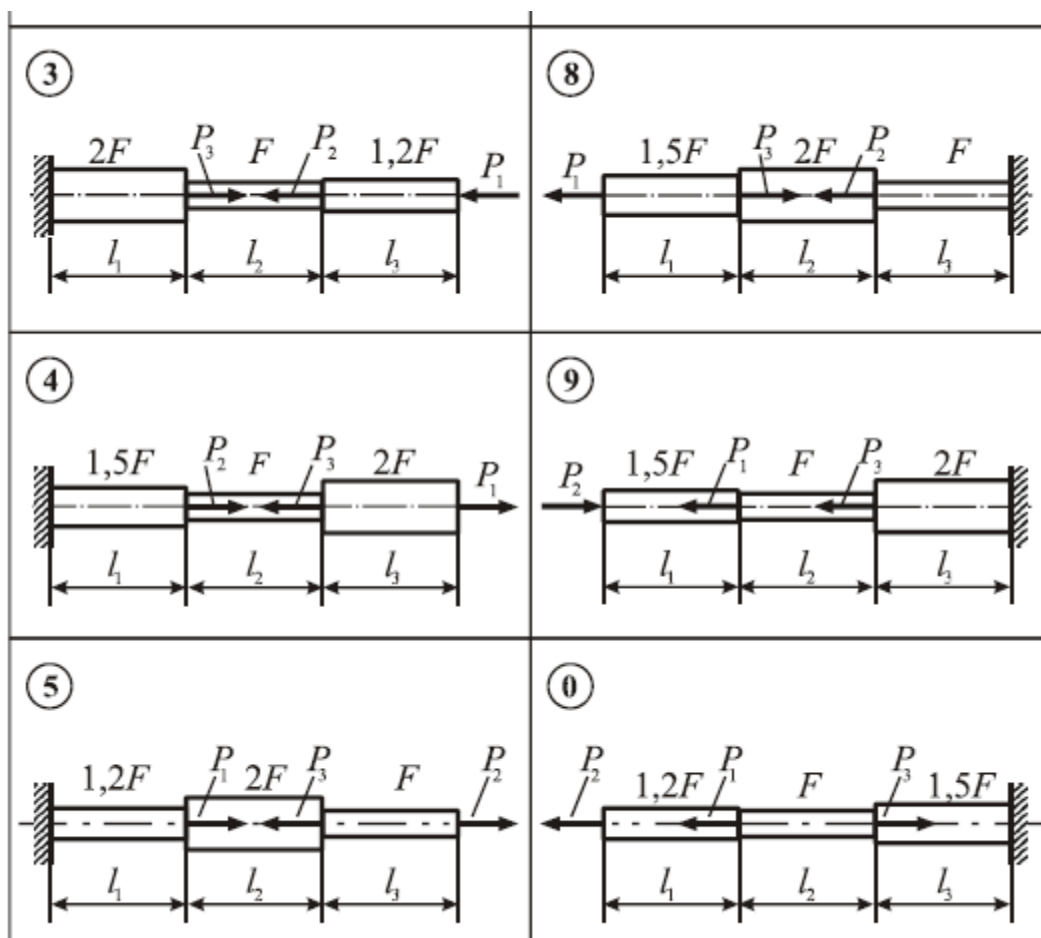
د دي گادرونو لپاره د نورمالي قوې او نورمالي کرکيچ ابيورونه رسم کړئ؟

د محاسبې لپاره معلومات دي د کښته جدولونو څخه واخيستل شي

$$P = 10kN; l = 0.4m; F = 2 \times 10^{-4}m^2$$

همدارنگه  $[n_T]$  زيرمه ايز ضريب





## د گابړ مواد

| د شکل شمیره | 1   | 2   | 3   | 4   | 5   | 6    | 7   | 8    | 9   | 0   |
|-------------|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|------|-----|-----|
| یولاد       | 20  | 50  | 30  | 40  | 40X | 30XM | 45  | 40XH | 50Г | 20X |
| $[n_T]$     | 1,5 | 1,8 | 2,0 | 1,4 | 1,6 | 2,0  | 1,5 | 1,8  | 1,4 | 2,0 |

د بار ضریب ( $P_i = k_i P$ )

| د شکل شمیره | 1   | 2   | 3   | 4   | 5   | 6   | 7   | 8   | 9   | 0   |
|-------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| $k_1$       | 1,0 | 1,0 | 3,5 | 3,0 | 4,0 | 2,0 | 3,0 | 3,0 | 2,5 | 2,0 |
| $k_2$       | 2,5 | 2,0 | 2,0 | 2,0 | 2,0 | 1,0 | 1,5 | 2,0 | 4,5 | 3,0 |
| $k_3$       | 7,5 | 6,5 | 7,0 | 8,0 | 7,5 | 5,0 | 5,5 | 6,0 | 8,5 | 7,5 |

## د گابړ د برخو اوږد والی

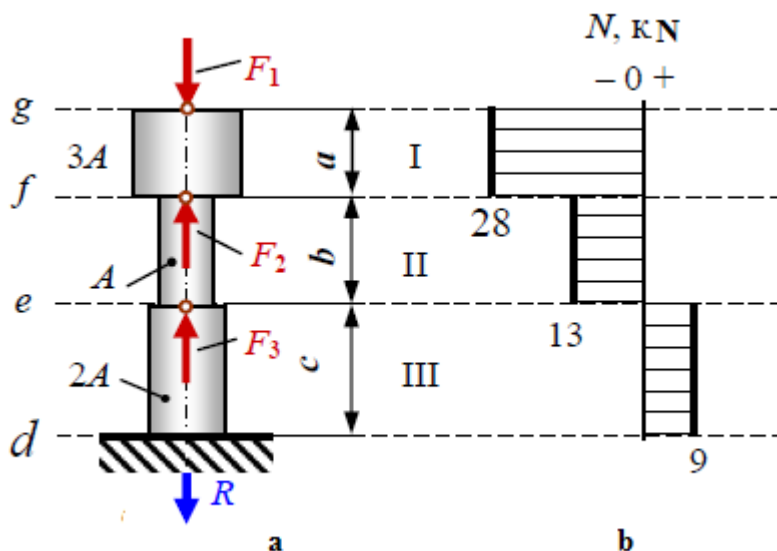
| د برخې شمیره | 1    | 2      | 3      | 4      | 5      | 6    | 7      | 8      | 9    | 0      |
|--------------|------|--------|--------|--------|--------|------|--------|--------|------|--------|
| $l_1$        | $l$  | $1,2l$ | $1,4l$ | $1,5l$ | $1,8l$ | $2l$ | $2l$   | $1,5l$ | $l$  | $1,2l$ |
| $l_2$        | $2l$ | $1,5l$ | $2l$   | $2l$   | $2l$   | $l$  | $1,5l$ | $l$    | $l$  | $2l$   |
| $l_3$        | $l$  | $l$    | $l$    | $l$    | $l$    | $2l$ | $2l$   | $2l$   | $2l$ | $2l$   |

ورته مسئله او حل يي:

په شکل کې د مرحله لرونکي گادر لپاره چې مواد يې  $ST\ 24$  دي او بار اچونه يې هم بنودل شوي ده، د نور مالي قوې ابيپور رسم کړئ؟

راکړل شوي دي:

$$F_1 = 28\text{ kN} ; F_2 = 15\text{ kN} ; F_3 = 22\text{ kN} ; a = 0.6\text{ m} ; b = 0.8\text{ m} ; c = 1.1\text{ m}$$



حل: په سخته اتکا کې د  $R$  عکس العمل قوه رامنځ ته کېږي، چې د هغې محاسبه کول اړین نه دي، ځکه چې د گادر محاسبه کولای شو د آزاد سر څخه پیل کړو. د پرې کولو د میتود سره سم په هره برخه کې داخلي قوې داسې پیدا کوو چې د گادر پر محور باندې ددې قواو مرتسمه معلوموو. وروسته يې د ارقامو له مخې گراف يا ابيپور رسموو.

تر هر څه وړاندې گادر پر برخو باندې ویشو، برخه هلته جوړوو چېرې چې يا قوه وارده شوې وي، يا د مقطع مساحت بدلون کړی وي او يا هم ویشل شوې قوه پیل يا ختم شوې وي. د شکل سره سم د گادر لپاره درې برخې جوړوو.

لومړی، دوهمه او درېمه برخه په ترتیب سره:

$$\sum F_z = 0 ; N_I + F_1 = 0 \Rightarrow N_I = -F_1 = -28\text{ kN}$$

$$N_{II} = -F_1 + F_2 = -28 + 15 = -13\text{ kN}$$

$$N_{III} = -F_1 + F_2 + F_3 = -28 + 15 + 22 = 9\text{ kN}$$

ددې قیمتونو سره سم ابيپور رسموو. لکه چې وینو د صفري کرښې پورته او کېښته خوا ته د قوې د قیمتونو ایشودنه د مؤلف په سلیقي پورې اړه لري

## یولسم فصل

## د تعادل ثبات او پایداری Stability of Equilibrium

## 11.1- د جسم د تعادل او ثبات مفهوم چي د اتکاء نقطه او یا د څرخیدلو محورولري

په عملي ژوندکي پر هغو جسمونو چي په تعادل کي واقع دي ، ډول ډول لنډمهاله ضربې تاثیرکوي . دا ضربې کولای شي چي د جسم په تعادل کي انحراف رامنځ ته کړي او پر جسم باندې د واردو شوو قواو د تعادل شرایط مات کړي .

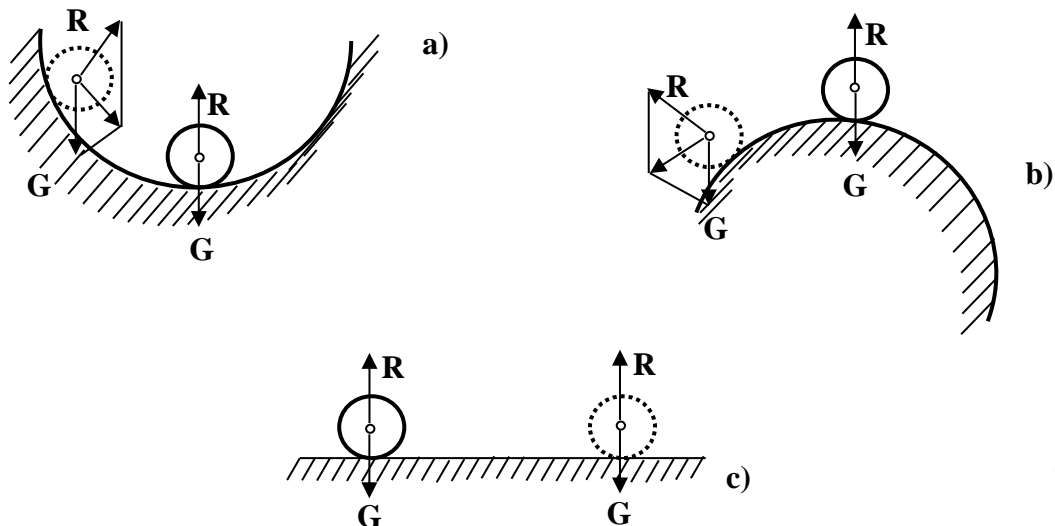
د جسم تعادل باثباته او پایداره بلل کيږي که چيري وروسته تر هغه چي د تعادل د شرایطو څخه لږڅخه انحراف وکړي ، پر جسم باندې وارده قوي هڅه وکړي چي جسم بیرته و خپل لومړني حالت ته را وگرځوي .

او پر عکس د جسم تعادل بي ثباته او ناپایدار بلل کيږي که چيري د هغه لږڅخه انحراف له کبله چي جسم يي د خپل لومړني تعادل حالت څخه منحرف کړی دی ، جسم بیرته خپل د تعادل و حالت ته راستون نه شي .

د باثباته او پایداره تعادل مثال کيدای شي د چرۍ تعادل وي چي د مقعري سطح سره دهغي په کښتنی نقطې کي په تماس کي کيږي .

د ناپایداره تعادل مثال کيدای شي د چرۍ تعادل وي چي د محدبي سطح سره د هغي په پورتنی نقطې کي په تماس کي شي .

که چيري هغه سطح چي چرۍ پکښي واقع ده ، هواره وي نومعلومه خبره ده چي د چرۍ اوسط ترمنځ د اصطکاک د قوي څخه تیريرو او د سطح د عکس العمل قوه پرنورمال باندې و سطح ته په همغه نقطې کي متوجه ده. لاندې شکلونه دي مطالعه شي .



شکل 11.1

په دې دواړو حالاتو کې چرې د تعادل په حالت کې واقع ده ځکه چې پر هغې باندې د تاثير قوې  $G$  او  $R$  په مودول سره مساوي او مخالف الجته دي .

ولې بايد وويل شي چې د چرې حالت د  $a$  په شکل کې پايداردی خود  $b$  په شکل کې ناپايدار .

په اصل کې که چيرې مور چرې د تعادل د حالت څخه منحرفه کړو نو د  $G$  او  $R$  قوې نورې پريوې مستقيمي کرښې باندې نه دي متوجه، نو ځکه دهغوی محصله قوه هم په صفر سره مساوي نه ده او هڅه کوي چې چرې بېرته وځپل لومړني حالت ته را وگرځوي .

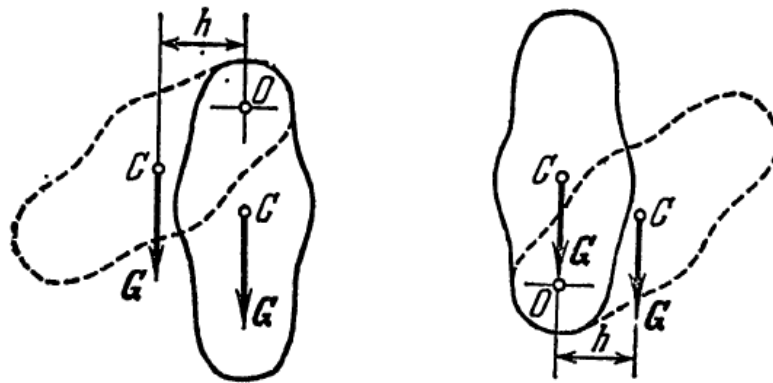
په لومړي حالت کې محصله قوه هڅه کوي چې جسم وځپل لومړني حالت ته را وگرځوي خو په دوهم حالت کې جسم د ځپل لومړني حالت څخه نور هم ليرې کوي .

که چيرې چرې پرافقي سطح باندې واقع وي « $c$ » شکل نو پر هغې باندې د تاثير قوې  $G$  او  $R$  د چرې د هر ډول د ځای بدلون په صورت کې بيا هم متعادلې دي .

داسې يو تعادل چې د جسم د لومړني حالت څخه د لږ څه انحراف په صورت کې ، بيا هم وساتل شي ، بې توپيره تعادل بلل کيږي .

همداسې يوارتباط د جسم د ثقل مرکز د موقعيت او دهغه د تعادل د شکل ترمنځ دهغه جسم لپاره هم د تحقق وړ دی چې غير متحرک افقي د څرخيدو محور ولري .

که چيرې د جسم د ثقل مرکز د هغه د تعادل څخه د انحراف په صورت کې ، لوړ ولاړ شي نو د  $G$  قوه نظرو غير متحرک محوره چې د  $O$  د نقطې څخه تيرېږي ، يومومنت تشکيلوي چې قيمت يې  $G.h$  او جهت به يې داسې وي چې جسم بېرته وځپل لومړني حالت ته را وگرځوي .



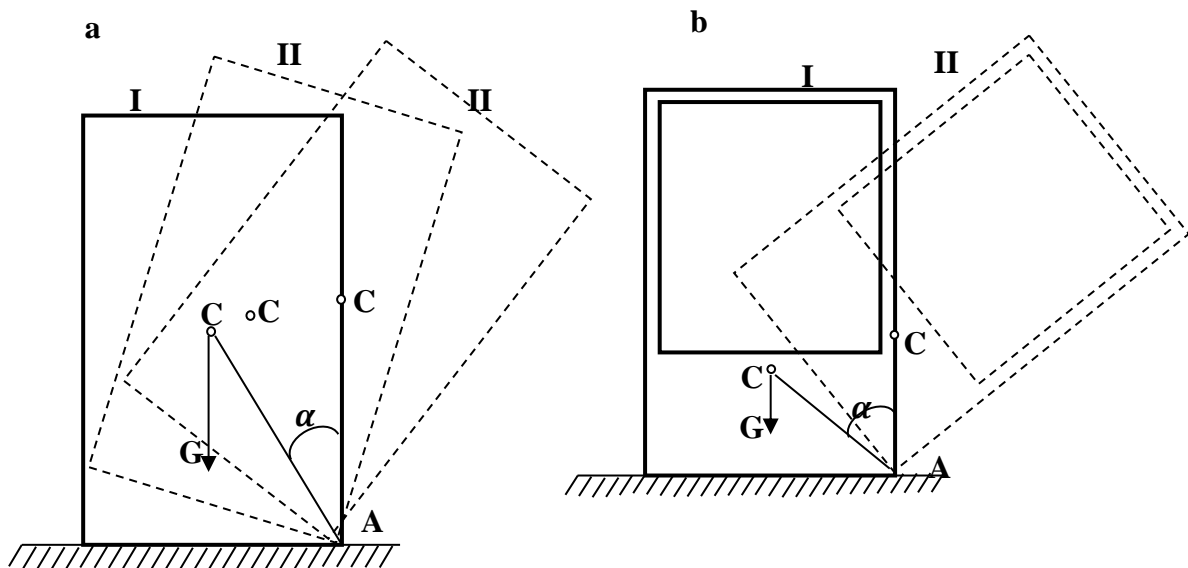
شکل 11.2

اوپه اخر کې که چيرې د جسم د هر ډول انحراف په صورت کې ، دهغه د ثقل مرکزي تغيره پاته شي (مثلاً په هغه صورت کې چې د جسم د ثقل مرکز د څرخيدو پر محور باندې واقع وي ) ، نو د جسم وزن د دې انحراف له کبله هيڅ ډول مومنت نظرد څرخيدو ومحورته ، منځ ته نه راوړي .

د پورته تشریحاتو څخه دانتيجه اخلو چې :

د جسم تعادل به چې داتکاء نقطه اویا د څرخيدو افقي محور ولري ، باثباته او پايداره وي کله چې د هغه د ثقل مرکز د هغو ټولوممكنه موقعيتونو څخه چې د ده سره نژدې وجود لري ، تر ټولو کښته موقعيت اختيار کړي او تعادل به ناپايداره وي کله چې د دې موقعيتونو څخه تر ټولو لوړ موقعيت اختيار کړي او تعادل به بې توپيره وي ، کله چې د هغه د ثقل د مرکز ارتفاع د جسم په ټولو موقعيتونو کې بې تغيره پاته شي .

## 11.2- د جسم ثبات او پایداری چې پر مستوي باندي تکیه ولري



شکل 11.3

یوداسي جسم تر مطالعي لاندې نیسو چې د هغه قاعده پرافقي مستوي باندي تکیه لري د ( شکل a ). دغه جسم ته د اړخ (لیره) پر شاوخوا و دوهم حالت ته داسې را ورو چې د  $G$  قوې کرښه د لیري وهغه بل پلو ته پاته شي.

معلومه خبره ده چې پدې حالت کې د  $G$  قوه نظر د څرخیدو و محور ته داسې مومنت منځ ته را وړي چې هڅه به وکړي ، جسم د تعادل ولومري حالت ته را وگرځوي .

که چیرې جسم دریم حالت ته را کور کړو یعنې داسې چې د  $G$  کرښه د اتکاء محور قطع کړي نو د دې محور په نسبت به د  $G$  قوې مومنت صفر شي نو جسم به احتمالاً و خپل لومړني حالت ته را وگرځي او یابه هم پر خپل راسته اړخ ونړیږي.

داسې یو حالت د بې ثباته یا ناپایداره تعادل په نامه سره یادېږي ، ځکه که چیرې یوه لږه قوه هم جسم ته یوه ټیله او ټکان ورکړي اود دې حالت څخه یې منحرف کړي نو د جسم تعادل به هم له منځه ولاړ شي د ( شکل b ).

په لومړي حالت کې چې د دریم حالت متضاد دی ، د جسم تعادل به باثباته او پایداره وي ، ځکه چې د جسم د تعادل څخه د لږ څه منحرف کولو په نتیجه کې ، جسم به بیا هم و خپل لومړني حالت ته را وگرځي .

هغه زاویه چې د جسم د پایدار حالت څخه وېي ثباته حالت ته د راگرځیدو په نتیجه کې تشکیلېږي ، د پایداری زاویه بلل کېږي . دغه  $\alpha$  زاویه چې هر څومره غټه وي په همهغه اندازه د جسم قاعده پراخه او د ثقل مرکزي هم کښته پروت وي.

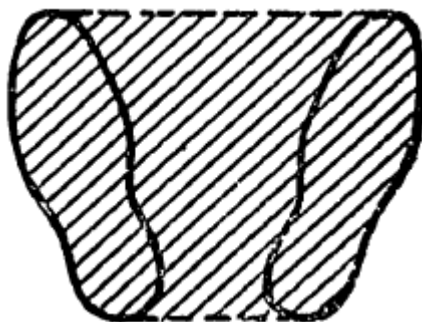
که چیرې دغه لومړي حالت ته په تغیرنه ورکولو سره د جسم د ثقل مرکز په مصنوعي ډول سره کښته را وړو ، ( مثلاً د هغه کښته برخه تر لورې برخې درنده کړای شي ) نو د تعادل د پایداری زاویه به هم غټه شي. پدې حالت کې د جسم د راغورځولولپاره ( د شکل b ) لازمه ده چې هغه پر غټي زاوېي باندي راوگرځوو.

د جسم قابلیت چې د قوې د تأثیر له منځه تللو په صورت کې چې د تعادل د نقض لامل گرځېدلی و ، د جسم د خپل لومړني د تعادل و حالت ته راگرځیدل ، د جسم ډینامیکي ثبات بلل کېږي .

د دې مطلب څخه دامعلومېږي چې د جسم ډینامیکي پایداری دهغه د اتکا د مساحت ، پسرور یابر په زیاتیدو او د هغه د ثقل د مرکز په کښته راتلو سره زیاتېږي .

که چیرې جسم په پوره ډول سره پر خپلې قاعدې باندې تکیه نه کوي ، بلکې دهغې څخه یوازې د څو نقطو له لارې چې پریوې کرښې باندې پرتې نه وي ، تکیه وکړي ، نو د هغه د قاعدې مساحت کولای شو هغه وپولو چې د هغو کرښو په واسطه چې دا نقطې سره تړي ، پلاس راځي .

مثلاً د انسان لپاره به د دې قاعدې مساحت هغه وي چې په شکل کې په کرښو کرښو نښانې شوی وي .



11.4-شکل

د دې لپاره چې د اجسامو د ثقل مرکز کښته راشي ،نود هغوی قاعدې درندې جوړیږي ، نوڅکه تعادل یې هم پایداره وي او نه را غورځي .

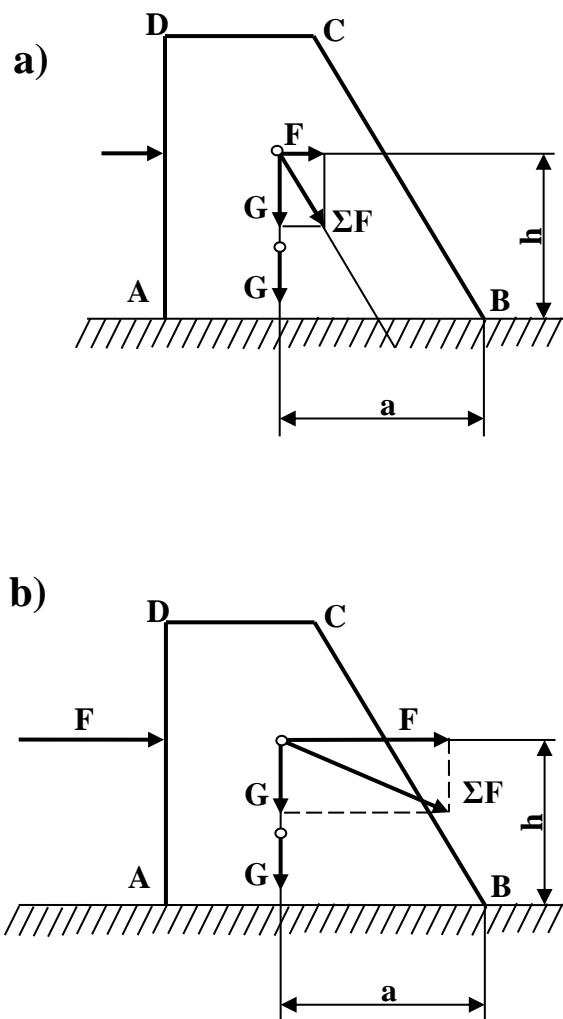
په عملي ژوند کې نه یوازې دا چې د دینامیکي پایداری غم باید وخورل شي ، بلکې باید دا خبره یقیني شي چې جسم د تعادل څخه تر کوچیني انحراف وروسته نه دا چې و خپل لومړني حالت ته بیرته را وگرځي ، بلکې د اتعادل باید هیڅکله مات نه شي .

مثلاً په سیندونو او سمندرونو کې وړې او غټې کښتۍ ، د هغوی تعادل باید نقض نه شي او د لږڅه انحراف څخه وروسته کښتۍ باید خپل لومړني حالت ته ژر را ستنه شي .

د جسم هغه قابلیت چې د خپل تعادل د نقض کولو په مقابل کې ، که څه هم هغه کوچنی وي ، مقاومت وکړي ، د سناتیکي ثبات او پایداری په نامه سره یادېږي .

پر جسم باندې چې وزن یې  $G$  دی ، د  $F$  قوه تاثیر کوي چې جسم د  $B$  پر لیرې او اړخ را وغورځوي .

د جسم د  $ABCD$  مقطع ، عمودي مستوي چې د جسم د ثقل د مرکز او  $F$  قوې د تاثیر د کرښې څخه تیرېږي ، بنودل شوی ده .



11.5-شکل

د جسم تعادل يوازي هغه وخت ممکن بريښي ، که چيري د  $G$  او  $F$  قواو چي پر جسم باندې تاثير کوي ، محصله قوه  $\Sigma F$  د  $B$  دنقطي وکيني خواته تيره شي . (د  $a$  شکل ) .

يعني داچي هغه بايد د جسم د قاعدي مستوي د جسم په قاعدي کي دننه قطع کړي .

که چيري د  $\Sigma F$  د محصله قوي د تاثير کړبنه د  $B$  دنقطي و راستي خواته تيره شي ، يعني د جسم د قاعدي څخه د باندې وي نو دا محصله قوه به يوداسي مومنت منځ ته راوړي چي هڅه به وکړي د جسم قاعده د اتکا د سطح څخه را جلاکړي او په نتيجه کي به جسم د  $B$  پر اړخ راوغورځوي .

په آخري حالت کي کله چي د محصله قوي  $\Sigma F$  د تاثير کړبنه خپله د « $B$ » دنقطي څخه تيره شي ، نو د هغي مومنت نظر و دي نقطې ته صفر دی ، خو د «واريون» د قضيي سره سم د محصله قوي  $\Sigma F$  مومنت د مرکبو قواو د مومنتونو په مجموعي سره مساوي دی .

نو داسي معلوميري چي پدي حالت کي د جسم تعادل :

$$\Sigma M_B(F_k) = G \cdot a - F \cdot h = 0$$

$$G \cdot a = F \cdot h$$

د  $G.a$  د ضرب حاصل يعني د جسم وزن ضرب د هغه مت يا بازو نظر د جسم د څرخيدو و مرکزته ، د جسم د پايدارۍ مومنت بلل کيږي .

د  $F.h$  د ضرب حاصل يعني د راغورځونکي قوې مودول ضرب د هغې بازو نظر و ممکنه د څرخيدو و محورته ، راغورځونکي مومنت بلل کيږي .

که  $G.a < F.h$  وي ، نو جسم به را وغورځي .

که  $G.a > F.h$  وي ، نو جسم به په تعادل کې پاته شي .

نو داسې معلومېږي چې :

د جسم د سناتيکي ثبات لپاره ضروري ده چې د جسم د پايدارۍ مومنت د هغه د راغورځولوتر مومنت زيات وي .

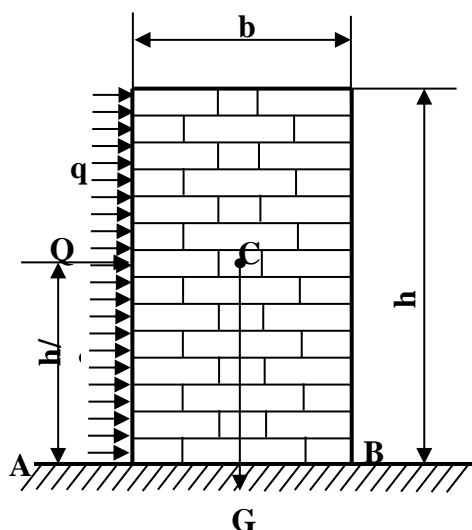
د پايدارۍ او را غورځولومومنتونو نسبت ، د پايدارۍ ضريب بلل کيږي.

$$k = \frac{G a}{F h}$$

د تاسيساتو د پايدارۍ لپاره بايد دا ضريب تړيوه زيات وي يعني  $K > 1$

د مختلفو تاسيساتو د پايدارۍ لپاره دا ضريب په جدول کې درج وي او معمولاً  $k = 1.5 \dots 2$

**مثال:** د خښتو څخه جوړې شوي يوي سنتي د پايدارۍ ضريب پيدا کړئ که چيرې د هغې پيسوريا بر  $a = 1m$  ، پنډوالی يې  $b = 0.7 m$  ، جگوالی يې  $h = 4 m$  ، د باد د قوې فشار  $q = 1k Pa$  او د خښتو مخصوص وزن  $\gamma = 24 kN/m^2$  وي .



11.6- شکل

حل : داسې به يې وپولو چې باد دکيني خواڅخه چلېږي . هغه مساحت چې د باد تر تاثير لاندې دی :

$$A = a h = 1(4) = 4m^2$$

د  $Q$  محصله قوې د تاثير کړنه به دستني د ثقل د مرکز څخه تيره شي .

$$Q = q A = 1(4) = 4kN$$

دغه قوه به جسم د  $B$  اړخ پرخوا وراستي خواته را وغورځوي .

د دې قوې د راغورځولومومنت نظر د  $B$  و اړخ ته :

$$M_B(Q) = Q \frac{h}{2} = (4) \frac{4}{2} = 8kN.m$$

د ستنې وزن :

$$G = a.b.h.\gamma = 1(0.7)4(24) = 67.2kN$$

د ستنې د پايدارۍ مومنت نظردد B وړخ ته :

$$M_B(G) = G \frac{b}{2} = (67.2) \frac{0.7}{2} \approx 23.5 kN.m$$

د ستنې د پايدارۍ ضريب :

$$K = \frac{M_B(G)}{M_B(Q)} = \frac{23.5}{8} \approx 2.94$$

پای

د واحدونو سيستمونه او په ميخانيک کې اندازه کول

### Principal SI Units Used in Mechanics

| Quantity             | Unit                      | Symbol | Formula                         |
|----------------------|---------------------------|--------|---------------------------------|
| Acceleration         | Meter per second squared  | ...    | m/s <sup>2</sup>                |
| Angle                | Radian                    | rad    | †                               |
| Angular acceleration | Radian per second squared | ...    | rad/s <sup>2</sup>              |
| Angular velocity     | Radian per second         | ...    | rad/s                           |
| Area                 | Square meter              | ...    | m <sup>2</sup>                  |
| Density              | Kilogram per cubic meter  | ...    | kg/m <sup>3</sup>               |
| Energy               | Joule                     | J      | N · m                           |
| Force                | Newton                    | N      | kg · m/s <sup>2</sup>           |
| Frequency            | Hertz                     | Hz     | s <sup>-1</sup>                 |
| Impulse              | Newton-second             | ...    | kg · m/s                        |
| Length               | Meter                     | m      | ‡                               |
| Mass                 | Kilogram                  | kg     | ‡                               |
| Moment of a force    | Newton-meter              | ...    | N · m                           |
| Power                | Watt                      | W      | J/s                             |
| Pressure             | Pascal                    | Pa     | N/m <sup>2</sup>                |
| Stress               | Pascal                    | Pa     | N/m <sup>2</sup>                |
| Time                 | Second                    | s      | ‡                               |
| Velocity             | Meter per second          | ...    | m/s                             |
| Volume               |                           |        |                                 |
| Solids               | Cubic meter               | ...    | m <sup>3</sup>                  |
| Liquids              | Liter                     | L      | 10 <sup>-3</sup> m <sup>3</sup> |
| Work                 | Joule                     | J      | N · m                           |

† Supplementary unit (1 revolution = 2π rad = 360°).

تكميلي واحد

‡ Base unit.

† Supplementary unit (1 revolution =  $2\pi$  rad =  $360^\circ$ ).

اساسي واحد

‡ Base unit.

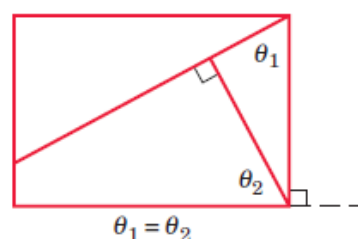
د متر اجزا او اضعاف:

| Prefix | Symbol | Power                                       |
|--------|--------|---|
| exa    | E      | $10^{18} = 1000\ 000\ 000\ 000\ 000\ 000$   |
| peta   | P      | $10^{15} = 1000\ 000\ 000\ 000\ 000$        |
| tera   | T      | $10^{12} = 1000\ 000\ 000\ 000$             |
| giga   | G      | $10^9 = 1000\ 000\ 000$                     |
| mega   | M      | $10^6 = 1000\ 000$                          |
| kilo   | k      | $10^3 = 1000$                               |
| hicto  | h      | $10^2 = 100$                                |
| deca   | da     | $10^1 = 10$                                 |
| meter  | m      |   |
| deci   | d      | $10^{-1} = 0.1$                             |
| centi  | c      | $10^{-2} = 0.01$                            |
| milli  | m      | $10^{-3} = 0.001$                           |
| micro  | $\mu$  | $10^{-6} = 0.000\ 001$                      |
| nano   | n      | $10^{-9} = 0.000\ 000\ 001$                 |
| pico   | p      | $10^{-12} = 0.000\ 000\ 000\ 001$           |
| femto  | f      | $10^{-15} = 0.000\ 000\ 000\ 000\ 001$      |
| atto   | a      | $10^{-18} = 0.000\ 000\ 000\ 000\ 000\ 001$ |

## Plane Geometry

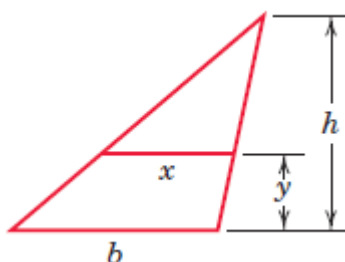
1. When two intersecting lines are, respectively  
, perpendicular to two other lines, the angels formed

By the two pairs are equal



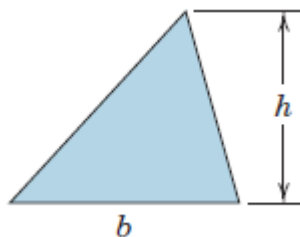
2. Similar triangles

$$\frac{x}{b} = \frac{h-y}{h}$$



3. Any triangles

$$\text{Area} = \frac{1}{2} b h$$

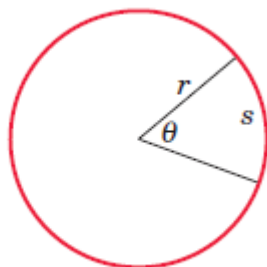


4. Circle

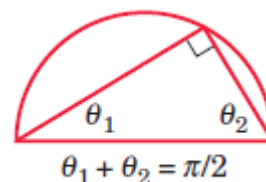
$$\text{Area} = \pi r^2$$

$$\text{Arc length } S = r\theta$$

$$\text{Sector area} = \frac{1}{2} r^2 \theta$$

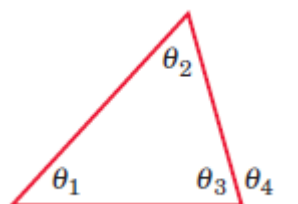


5. Every triangle inscribed within a semicircle is a right triangle



6. Angles of a triangle

$$\theta_1 + \theta_2 + \theta_3 = 180^\circ$$

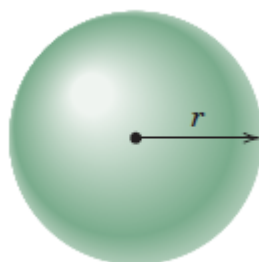


### Solid Geometry

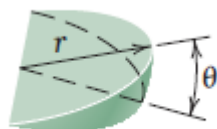
1. Sphere

$$\text{Volume} = \frac{4}{3} \pi r^3$$

$$\text{Surface area} = 4\pi r^2$$



2. Spherical wedge

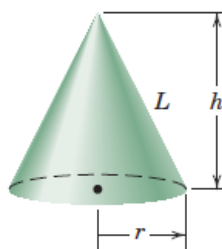


$$\text{Volume} = \frac{2}{3} r^3 \theta$$

## 3. Right-circular cone

$$\text{Volume} = \frac{1}{3}\pi r^2 h$$

$$\text{Lateral area} = \pi r L$$

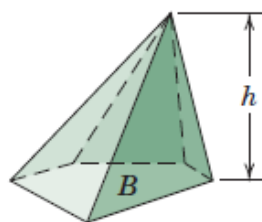


$$L = \sqrt{r^2 + h^2}$$

## 4. Any pyramid or cone

$$\text{Volume} = \frac{1}{3} B h$$

Where B=Area of base

**Algebra**

## 1. Quadratic equation

$$ax^2 + bx + c = 0$$

$$x = \frac{-b \pm \sqrt{b^2 - 4ac}}{2a}; b^2 \geq 4ac \text{ for reals roots}$$

## 2. Logarithms

$$b^x = y, x = \log_b y$$

Natural logarithms

$$b = e = 2.718\ 282$$

$$e^x = y, x = \log_e y = \ln y$$

$$\text{Log}(ab) = \log a + \log b$$

$$\log\left(\frac{a}{b}\right) = \log a - \log b$$

$$\log\left(\frac{1}{n}\right) = -\log n$$

$$\log a^n = n \log a$$

$$\log 1 = 0$$

$$\log 10^x = 0.4343 \ln x$$

### 3. Determinants

2<sup>nd</sup> order

$$\begin{vmatrix} a_1 & b_1 \\ a_2 & b_2 \end{vmatrix} = a_1 b_2 - a_2 b_1$$

3<sup>rd</sup> order

$$\begin{vmatrix} a_1 & b_1 & c_1 \\ a_2 & b_2 & c_2 \\ a_3 & b_3 & c_3 \end{vmatrix} = +a_1 b_2 c_3 + a_2 b_3 c_1 - a_3 b_1 c_2 \\ -a_3 b_2 c_1 - a_2 b_1 c_3 - a_1 b_3 c_2$$

### 4. Cubic equation

$$x^3 = +BAx$$

$$\text{Let } P = \frac{A}{3}, q = B/2$$

Case I:  $q^2 - p^3$  negative (three roots real and distinct)

$$\cos u = \frac{q}{p\sqrt{p}}, 0 < u < 180^\circ$$

$$x_1 = 2\sqrt{p} \cos\left(\frac{u}{3}\right)$$

$$x_2 = 2\sqrt{p} \cos\left(\frac{u}{3} + 120^\circ\right)$$

$$x_3 = 2\sqrt{p} \cos\left(\frac{u}{3} + 240^\circ\right)$$

Case II:  $q^2 - p^3$  positive (one root real, two roots imaginary)

$$x_1 = \left(q + \sqrt{q^2 - p^3}\right)^{1/3} + \left(q - \sqrt{q^2 - p^3}\right)^{1/3}$$

Case III:  $q^2 - p^3 = 0$  (three roots real, two roots equal)

$$x_1 = 2q^{1/3}, x_2 = x_3 = -q^{1/3}$$

For general cubic equation

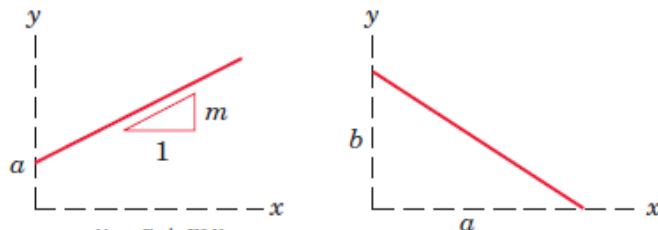
$$x^3 + ax^2 + bx + c = 0$$

Substitute  $x = x_0 - \frac{a}{3}$  and get  $x_0^3 = Ax_0 + B$ .

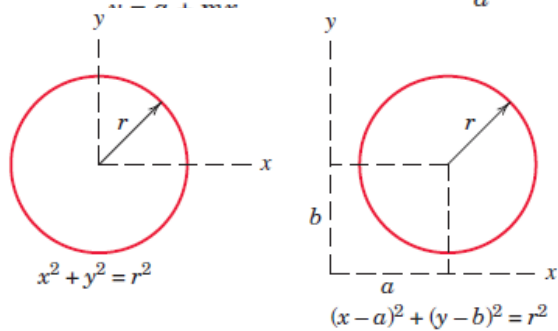
The proceed as above to find values of  $x_0$  from which  $x = x_0 - a/3$

## Analytic Geometry

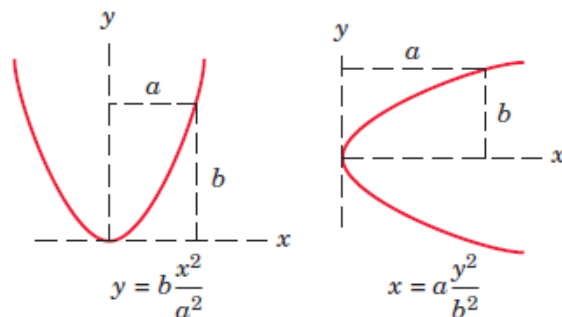
Straight line 1.



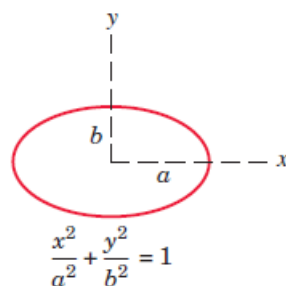
2. Circle



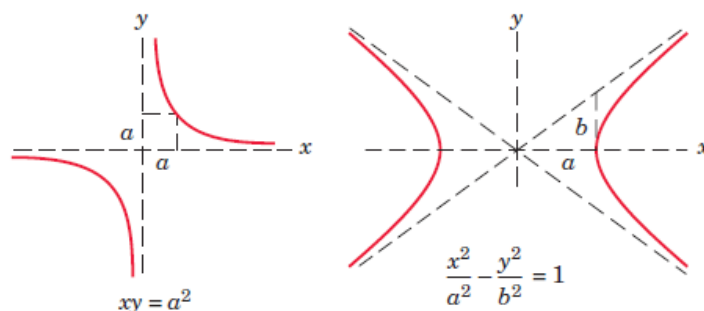
3. Parabola



4. Ellipse

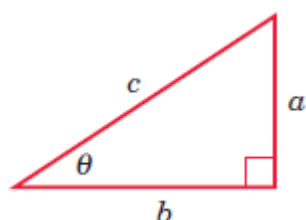


## 5. Hyperbola



## Trigonometry

## 1. Definition



$$\sin\theta = \frac{a}{c}$$

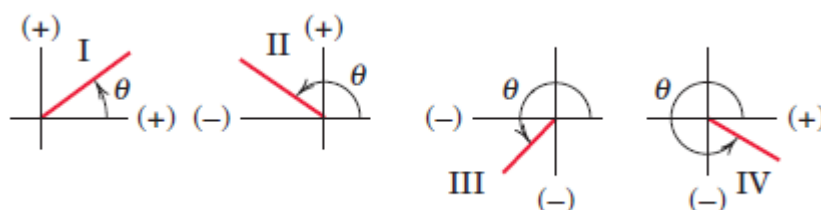
$$\cos\theta = b/c$$

$$\csc\theta = \frac{c}{a}$$

$$\tan\theta = a/b$$

$$\sec\theta = c/b$$

## 2. Signs in the quadrants



|              | I | II | III | IV |
|--------------|---|----|-----|----|
| $\sin\theta$ | + | +  | -   | -  |
| $\cos\theta$ | + | -  | -   | +  |
| $\tan\theta$ | + | -  | +   | -  |
| $\csc\theta$ | + | -  | -   | -  |
| $\sec\theta$ | + | -  | -   | +  |
| $\cot\theta$ | + | -  | +   | -  |

## 3. Miscellaneous relation

$$\sin^2\theta + \cos^2\theta = 1$$

$$1 + \tan^2\theta = \sec^2\theta$$

$$1 + \cot^2 \theta = \csc^2 \theta$$

$$\sin \frac{\theta}{2} = \sqrt{\frac{1}{2}(1 - \cos \theta)}$$

$$\cos \frac{\theta}{2} = \sqrt{\frac{1}{2}(1 + \cos \theta)}$$

$$\sin 2\theta = 2 \sin \theta \cos \theta$$

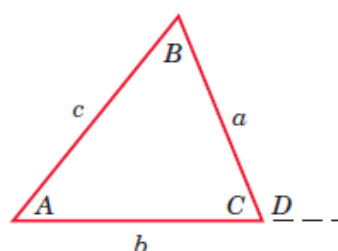
$$\cos 2\theta = \cos^2 \theta$$

$$\sin(a \pm b) = \sin a \cos b \pm \cos a \sin b$$

$$\cos(a \pm b) = \cos a \cos b \pm \sin a \sin b$$

#### 4. Law of sines

$$\frac{a}{\sin A} = \frac{b}{\sin B}$$



#### 5. Law of cosines

$$c^2 = a^2 + b^2 - 2ab \cos C$$

$$c^2 = a^2 + b^2 + 2ab \cos D$$

#### Ceries

(Expression in brackets following series indicates range of convergence.)

$$(1 \pm x)^n = 1 \pm nx + \frac{n(n-1)}{2!} x^2 \pm \frac{n(n-1)(n-2)}{3!} x^3 + \dots [x^2 < 1]$$

$$\sin x = x - \frac{x^3}{3!} + \frac{x^5}{5!} - \frac{x^7}{7!} + \dots [x^2 < \infty]$$

$$\cos x = 1 - \frac{x^2}{2!} + \frac{x^4}{4!} - \frac{x^6}{6!} + \dots [x^2 < \infty]$$

$$\sinh x = \frac{e^x + e^{-x}}{2} = x + \frac{x^3}{3!} + \frac{x^5}{5!} + \frac{x^7}{7!} + \dots [x^2 < \infty]$$

$$\cosh x = \frac{e^x + e^{-x}}{2} = 1 + \frac{x^2}{2!} + \frac{x^4}{4!} + \frac{x^6}{6!} + \dots [x^2 < \infty]$$

$$f(x) = \frac{a_0}{2} + \sum_{n=1}^{\infty} a_n \cos \frac{n\pi x}{l} + \sum_{n=1}^{\infty} b_n \sin \frac{n\pi x}{l} dx$$

$$\text{Where } a_n = \frac{1}{l} \int_{-l}^l f(x) \cos \frac{n\pi x}{l} dx; \quad b_n = \frac{1}{2} \int_{-l}^l f(x) \sin \frac{n\pi x}{l} dx$$

[Fourier expansion for  $-l < x < l$ ]

### Derivatives

$$\frac{dx^n}{dx} = nx^{n-1}; \quad \frac{d(uv)}{dx} = u \frac{dv}{dx} + v \frac{du}{dx}; \quad \frac{d\left(\frac{u}{v}\right)}{dx} = \frac{v \frac{du}{dx} - u \frac{dv}{dx}}{v^2}$$

$$\lim_{\Delta x \rightarrow 0} \sin \Delta x = \sin dx = \tan dx = dx$$

$$\lim_{\Delta x \rightarrow 0} \cos \Delta x = \cos dx = 1$$

$$\frac{d \sin x}{dx} = \cos x; \quad \frac{d \cos x}{dx} = -\sin x; \quad \frac{d \tan x}{dx} = \sec^2 x$$

$$\frac{d \sinh x}{dx} = \cosh x; \quad \frac{d \cosh x}{dx} = \sinh x; \quad \frac{d \tanh x}{dx} = \text{sech}^2 x$$

### Integrals

$$\int x^n dx = \frac{x^{n+1}}{n+1}$$

$$\int \frac{dx}{x} = \ln x$$

$$\int \sqrt{a+bx} dx = \frac{2}{3b} \sqrt{(a+bx)^3}$$

$$\int x \sqrt{a+bx} dx = \frac{2}{15b^2} (3bx - 2a) \sqrt{(a+bx)^3}$$

$$\int x^2 \sqrt{a+bx} dx = \frac{2}{105b^3} (8a^2 - 12abx + 15b^2x^2) \sqrt{(a+bx)^3}$$

$$\int \frac{dx}{\sqrt{a+bx}} = \frac{2\sqrt{a+bx}}{b}$$

$$\int \frac{\sqrt{a+x}}{\sqrt{b-x}} dx = -\sqrt{a+x} + \sqrt{b-x} + (a+b) \sin^{-1} \sqrt{\frac{a+x}{a+b}}$$

$$\int \frac{xdx}{a+bx} = \frac{1}{b^2} [a+bx - a \ln(a+bx)]$$

$$\int \frac{xdx}{(x+bx)^n} = \frac{(a+bx)^{1-n}}{b^2} \left( \frac{a+bx}{2-n} - \frac{a}{1-n} \right)$$

$$\int \frac{dx}{a+bx^2} = \frac{1}{\sqrt{ab}} \tan^{-1} \frac{x\sqrt{ab}}{a} \quad \text{or} \quad \frac{1}{\sqrt{-ab}} \tanh^{-1} \frac{x\sqrt{-ab}}{a}$$

$$\int \frac{xdx}{a+bx^2} = \frac{1}{2b} \ln(a+bx^2)$$

$$\int \sqrt{x^2 \pm a^2} dx = \frac{1}{2} [x\sqrt{x^2 \pm a^2} \pm a^2 \ln(x + \sqrt{x^2 \pm a^2})]$$

$$\int \sqrt{a^2 - x^2} dx = \frac{1}{2} \left( x\sqrt{a^2 - x^2} + a^2 \sin^{-1} \frac{x}{a} \right)$$

$$\int x\sqrt{a^2 - x^2} dx = -\frac{1}{3} \sqrt{(a^2 - x^2)^3}$$

$$\int x^2 \sqrt{a^2 - x^2} dx = -\frac{x}{4} \sqrt{(a^2 - x^2)^3} + \frac{a^2}{8} \left( x\sqrt{a^2 - x^2} + a^2 \sin^{-1} \frac{x}{a} \right)$$

$$\int x^3 \sqrt{a^2 - x^2} dx = -\frac{1}{5} \left( x^2 + \frac{2}{3} a^2 \right) \sqrt{(a^2 - x^2)^3}$$

$$\int \frac{dx}{\sqrt{a+bx+cx^2}} = \frac{1}{\sqrt{c}} \ln(\sqrt{a+bx+cx^2} + x\sqrt{c} + \frac{b}{2\sqrt{c}}) \quad \text{or}$$

$$\frac{-1}{\sqrt{-c}} \sin^{-1} \left( \frac{b+2cx}{\sqrt{b^2-4ac}} \right)$$

$$\int \frac{dx}{\sqrt{x^2 \pm a^2}} = \ln(x + \sqrt{x^2 \pm a^2})$$

$$\int \frac{dx}{a^2 - x^2} = \sin^{-1} \frac{x}{a}$$

$$\int \frac{xdx}{\sqrt{x^2 - a^2}} = \sqrt{x^2 - a^2}$$

$$\int \frac{xdx}{\sqrt{a^2 \pm x^2}} = \pm \sqrt{a^2 \pm x^2}$$

$$\int x\sqrt{x^2 \pm a^2} dx = \frac{1}{3}\sqrt{(x^2 \pm a^2)^3}$$

$$\int x^2\sqrt{x^2 \pm a^2} dx = \frac{x}{4}\sqrt{(x^2 \pm a^2)^3} \pm \frac{a^2}{8}x\sqrt{x^2 \pm a^2} - \frac{a^2}{8}\ln(x + (x^2 \pm a^2))$$

$$\int \sin x dx = -\cos x$$

$$\int \cos x dx = \sin x$$

$$\int \sec x dx = \frac{1}{2} \ln \frac{1 + \sin x}{1 - \sin x}$$

$$\int \sin^2 x dx = \frac{x}{2} - \frac{\sin 2x}{4}$$

$$\int \cos^2 x dx = \frac{x}{2} + \frac{\sin 2x}{4}$$

$$\int \sin x \cos x dx = \frac{\sin^2 x}{2}$$

$$\int \sinh x dx = \cosh x$$

$$\int \cosh x dx = \sinh x$$

$$\int \tanh x dx = \ln \cosh x$$

$$\int \ln x dx = x \ln x - x$$

$$\int e^{ax} dx = \frac{e^{ax}}{a}$$

$$\int x e^{ax} dx = \frac{e^{ax}}{a^2} (ax - 1)$$

$$\int e^{ax} \sin px dx = \frac{e^{ax} (a \sin px - p \cos px)}{a^2 + p^2}$$

$$\int e^{ax} \cos px dx = \frac{e^{ax} (a \cos px + p \sin px)}{a^2 + p^2}$$

$$\int e^{ax} \sin^2 x dx = \frac{e^{ax}}{4 + a^2} (a \sin^2 x - \sin 2x + \frac{2}{a})$$

$$\int e^{ax} \cos^2 x \, dx = \frac{e^{ax}}{4 + a^2} \left( a \cos^2 x + \sin 2x + \frac{2}{a} \right)$$

$$\int e^{ax} \sin x \cos x \, dx = \frac{e^{ax}}{4 + a^2} \left( \frac{a}{2} \sin 2x - \cos 2x \right)$$

$$\int \sin^3 x \, dx = -\frac{\cos x}{3} (2 + \sin^2 x)$$

$$\int \cos^3 x \, dx = \frac{\sin x}{3} (2 + \cos^2 x)$$

$$\int \cos^5 x \, dx = \sin x - \frac{2}{3} \sin^3 x + \frac{1}{5} \sin^5 x$$

$$\int x \sin x \, dx = \sin x - x \cos x$$

$$\int x \cos x \, dx = \cos x + x \sin x$$

$$\int x^2 \sin x \, dx = 2x \sin x - (x^2 - 2) \cos x$$

$$\int x^2 \cos x \, dx = 2x \cos x + (x^2 - 2) \sin x$$

$$\left\{ \begin{array}{l} \rho_{xy} = \frac{\left[ 1 + \left( \frac{dy}{dx} \right)^2 \right]^{3/2}}{\frac{d^2y}{dx^2}} \\ \rho_{r\theta} = \frac{\left[ r^2 + \left( \frac{dr}{d\theta} \right)^2 \right]^{3/2}}{r^2 + 2 \left( \frac{dr}{d\theta} \right)^2 - r \frac{d^2r}{d\theta^2}} \end{array} \right. \quad \text{Radius of curvature}$$

**II-Useful tables****Physical properties****Density**

|  | $\text{Kg/m}^3$ |                 | $\text{Kg/m}^3$ |
|--|-----------------|-----------------|-----------------|
| $P_{atm}, 20\text{ }^\circ\text{C}$<br>Air | 1.262           | Iron(cast)      | 7 210           |
| Aluminum                                   | 2 690           | Lead            | 11 370          |
| Concrete(av.)                              | 2 400           | Mercury         | 13 570          |
| Copper                                     | 8 910           | Oil(av.)        | 900             |
| Earth wet(av.)                             | 1 760           | steel           | 7 830           |
| Dry(av.)                                   | 1 280           |                 |                 |
| Glass                                      | 2 590           | Titanium        | 3 080           |
| Gold                                       | 19 300          | Water ( fresh)  | 1 000           |
|  |                 | (salt)          | 1 030           |
| Ice  | 900             | Wood(soft pine) | 480             |
|  |                 | (Hard oak)      | 800             |

**Typical values of coefficient of Friction**

| Contacting surface                    | Static, $\mu_s$ | Kinetic, $\mu_k$ |
|---------------------------------------|-----------------|------------------|
| Steel on steel ( dry)                 | 0.6             | 0.4              |
| Steel on steel (greasy)               | 0.1             | 0.05             |
| Teflon on steel                       | 0.04            | 0.04             |
| Steel on Babbitt(dry)                 | 0.4             | 0.3              |
| Steel on Babbitt(greasy)              | 0.1             | 0.07             |
| Brass on steel (dry)                  | 0.5             | 0.4              |
| Break lining on cast Iron             | 0.4             | 0.3              |
| Rubber tires on smooth pavement (dry) | 0.9             | 0.8              |
| Wire rope on iron pulley (dry)        | 0.2             | 0.15             |
| Hemp rope on metal                    | 0.3             | 0.2              |
| Metal on ice                          |                 | 0.02             |

**Solar system constant**

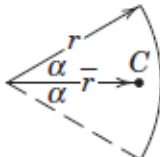
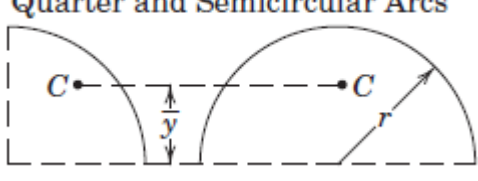
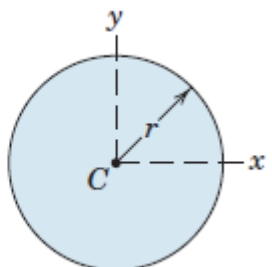
|  |  |
|--|--|
| Universal gravitational constant           | $G=6.673 \times 10^{-11} \text{ m}^3/\text{kg} \cdot \text{s}^2$ |
| Mass of Earth                              | $m_e = 5.976 \times 10^{24} \text{ kg}$                          |
| Period of Earth rotation's (1sidereal day) | 23h56min4s=23.9344h  |
| Angular velocity of Earth                  | $\omega = 0.7292 \times 10^{-4} \text{ rad/s}$                   |

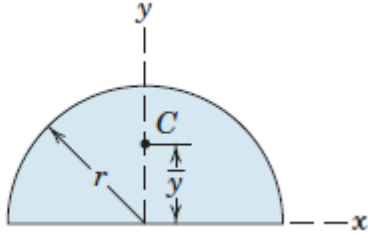
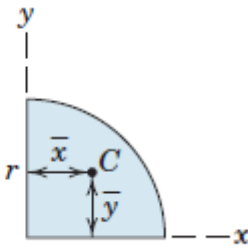
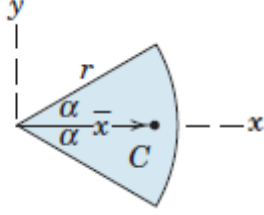
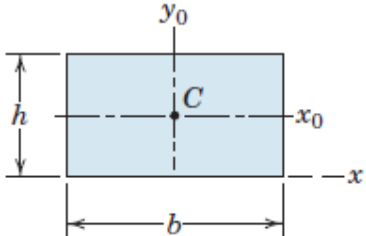
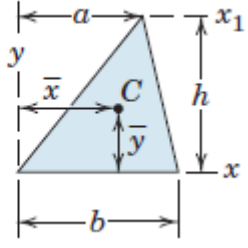
|   |   |
|---|---|
| Mean angular velocity of Earth-Sun line   | $\omega' = 0.1991 \times 10^{-6} \text{ rad/s}$ |
| Mean velocity of Earth's center about Sun | 107 200 km/h                                    |

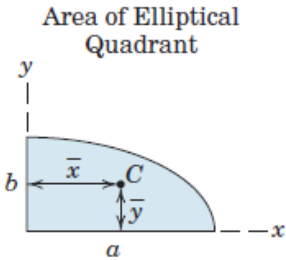
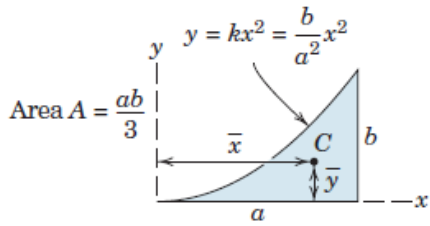
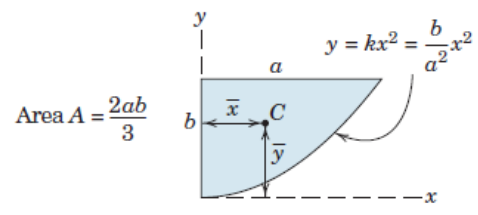
| Body    | Mean distance to Sun km | Eccentricity of orbit e | Period of orbit Solar day | Mean diameter km | Mass relative to Earth | Surface gravitational acceleration $\text{m/s}^2$ | Escape velocity Km/s |
|---------|-------------------------|-------------------------|---------------------------|------------------|------------------------|---|----------------------|
| Sun     | -                       | -                       | -                         | 1 392 000        | 333 000                | 274   | 616                  |
| Moon    | 384 398                 | 0.055                   | 27.32                     | 3 467            | 0.0123                 | 1.62  | 2.37                 |
| Mercury | $57.3 \times 10^6$      | 0.206                   | 87.97                     | 5 000            | 0.054                  | 3.47  | 4.17                 |
| Venus   | $108 \times 10^6$       | 0.0068                  | 224.70                    | 12 400           | 0.815                  | 8.44  | 10.24                |
| Earth   | $149.6 \times 10^6$     | 0.0167                  | 365.26                    | $12\,742^2$      | 1.000                  | $9.821^3$   | 11.18                |
| Mars    | $227.9 \times 10^6$     | 0.093                   | 686.98                    | 6 788            | 0.107                  | 3.73  | 5.03                 |
| Jupiter | $778 \times 10^6$       | 0.0489                  | 43333                     | 139 822          | 317.8                  | 24.79   | 59.5                 |

Jupiter is not a solid body

### Properties of plane figures

| Figures   | Centroid                             | Area moments of Inertia                                   |
|---|--------------------------------------|---|
| Arc Segment                    | $\bar{r} = (r \sin \alpha) / \alpha$ | -   |
| Quarter and Semicircular Arcs  | $\bar{y} = \frac{2r}{\pi}$           | -   |
| Circular Area                  | -                                    | $I_x = I_y = \frac{\pi r^4}{4}$ $I_z = \frac{\pi r^4}{2}$ |

|  |   |  |
|--|---|--|
| <p>Semicircular Area</p>        | $\bar{y} = \frac{4r}{3\pi}$                       | $I_x = I_y = \frac{\pi r^4}{8}$ $\bar{I}_x = \left(\frac{\pi}{8} - \frac{8}{9\pi}\right) r^4$ $I_z = \frac{\pi r^4}{4}$  |
| <p>Quarter-Circular Area</p>    | $\bar{x} = \bar{y} = \frac{4r}{3\pi}$             | $I_x = I_y = \frac{\pi r^4}{16}$ $\bar{I}_x = \bar{I}_y = \left(\frac{\pi}{16} - \frac{4}{9\pi}\right) r^4$ $I_z = \frac{\pi r^4}{8}$                                    |
| <p>Area of Circular Sector</p>  | $\bar{x} = \frac{2 r \sin \alpha}{3 \alpha}$      | $I_x = \frac{r^4}{4} \left(\alpha - \frac{1}{2} \sin 2\alpha\right)$ $I_y = \frac{r^4}{4} \left(\alpha + \frac{1}{2} \sin 2\alpha\right)$ $I_z = \frac{1}{2} r^4 \alpha$ |
| <p>Rectangular Area</p>       | <p style="text-align: center;">-</p>              | $I_x = \frac{bh^3}{3}$ $\bar{I}_x = \frac{bh^3}{12}$ $\bar{I}_z = \frac{bh}{12} (b^2 + h^2)$   |
| <p>Triangular Area</p>        | $\bar{x} = \frac{a+b}{3}$ $\bar{y} = \frac{h}{3}$ | $I_x = \frac{bh^3}{12}$ $\bar{I}_x = \frac{bh^3}{36}$ $I_{x_1} = \frac{bh^3}{4}$   |

|  |   |   |
|--|---|---|
| <p style="text-align: center;">Area of Elliptical<br/>Quadrant</p>  | $\bar{x} = \frac{4a}{3\pi}$ $\bar{y} = \frac{4b}{3\pi}$ | $I_x = \frac{\pi ab^3}{16}$ $\bar{I}_x = \left(\frac{\pi}{16} - \frac{4}{9\pi}\right) ab^3$ $I_y = \frac{\pi a^3 b}{16}$ $\bar{I}_y = \left(\frac{\pi}{16} - \frac{4}{9\pi}\right) a^3 b$ $I_z = \frac{\pi ab}{16} (a^2 + b^2)$ |
| <p style="text-align: center;">Subparabolic Area</p>                | $\bar{x} = \frac{3a}{8}$ $\bar{y} = \frac{3b}{5}$       | $I_x = \frac{ab^3}{21}$ $I_y = \frac{a^3 b}{5}$ $I_z = ab \left(\frac{a^3}{5} + \frac{b^2}{21}\right)$  |
| <p style="text-align: center;">Parabolic Area</p>                 | $\bar{x} = \frac{3a}{8}$ $\bar{y} = \frac{3b}{5}$       | $I_x = \frac{2ab^3}{7}$ $I_y = \frac{2a^3 b}{15}$ $I_z = 2ab \left(\frac{a^2}{15} + \frac{b^2}{7}\right)$   |

## اخليکونه

1. يابلونسکی . آ . آ ، و . م - نيکفوروا. نظري ميخانيک- روسيه- مسکو 2006
2. نيکيتين . اي . ام - نظري ميخانيک - روسيه- مسکو 2003
3. **Beer and Johnston: Vector Mechanics for Engineers, Statics USA.2004**
4. آ . اکيموف - نظري ميخانيک . - عملي درسونه - سپينه روسيه- مينسک 2010
5. م . کيرسانوف نظري ميخانيک - د مسايلو حل - روسيه- مسکو 2004
6. گريگوريو.ن.آ - دقواوو فضايي سيستم - روسيه- تومسک 2005
7. سولودوبنيکوف .گ.آ- خطي الجبر د تحليلي هندسي د توکوسره- روسيه- مسکو 1987
8. گيلفند.اي.م- د کارديناتو ميتود- روسيه- مسکو 1983
9. د سناتيک په هکله بيلا بيل لکچرونه، ليکني، کتابونه او انټرنټ

**Thank you for reading**

Find more e-books and articles on Ketabton - your multilingual digital library.

**[www.ketabton.com](http://www.ketabton.com)**

*Ketabton - Pashto, Farsi, Arabic & English*